Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

पिहोवा, 2 ... पिछले कई दिनों से बिजली की अनियमित सप्लाई से जनता में भारी निराशा पाई जा रही है। शहर में कई-कई घंटे बिजली गुल रहती है तथा रात्रि में भी बिजली की आंखमिचौनी जारी है। नागरिकों का कहना है कि कई मोहल्लों में बिजली की इतनी कम वोल्टेज आ रही है कि पंखों की हवा ही नहीं लगती व बल्बों की रोशनी एक दीपक के समान नजर आती है। ट्यूबें जलती ही नहीं तथा फ्रिज, कूलर, टी.वी. आदि घरेलू उपकरण काम करने में असमर्थ दिखाई पड़ते हैं।

बताया जाता है कि कम वोल्टेज में सुधार लाने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा नगर के वार्ड नं. 4, 5, 6 और 10 में बिजली की नई लाइनें बिछाने व अधिक पावर के ट्रांस्फार्मर लगाए जाने संबंधी कार्य शुरू किया गया था परन्तु इन वार्डों में बिजली के पोल गड़े करीब 6 मास बीत चुके हैं लेकिन इन पर तारें व ट्रांस्फार्मर लगाने का कार्य खटाई में पड़ा हुआ है, जिससे जनता में सरकार एवं विद्युत विभाग अधिकारियों के प्रति रोष व्याप्त है।

पेयजल समस्या : नगर में जन-स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से पेयजल का गम्भीर संकट बना हुआ है। शहर के कई मोहल्लों में लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ता है। गुरु नानक कालोनी में पिछले काफी अर्से से ऐसी समस्या बनी हुई है। लोगों का कहना है कि उनके घरों में बनी पानी की टंकियां सदा खाली ही रहती हैं। इस मोहल्ले में पानी का इतना कम प्रैशर है कि जमीन से मात्र एक फुट ऊंचाई तक लगी टूटी में ही पानी आता है। वार्ड नं. 7, 8, 12 आदि में भी पानी की गम्भीर समस्या बनी हुई है। रही-सही कसर मोटर वाले प्रभावी लोग पूरी कर देते हैं। नगर में बहुत से प्रभावी व अमीर ... घरों में पानी की मोटरें लगाई हुई हैं

पिहोवा के मेन बाजार में दुकानों के समक्ष गन्दगी के ढेर इस तरह लगे रहते हैं (फोटो : पूर्णिमा)

भी खराब है। आप शहर के किसी भी मोहल्ले व सड़क से गुज़रें, जगह-जगह गन्दगी के ढेर आपका स्वागत करते दिखाई देंगे। गलियां कूड़ा-कर्कट से भरी रहती हैं। सफाई कर्मचारी 10-15 दिन बाद जब शहर के मुख्य बाजारों में नालियों की सफाई करते हैं तो वे नालियों से समस्त कूड़ा-कर्कट निकाल कर दुकानों के आगे ढेर लगा देते हैं। गन्दगी के इन ढेरों को कई-कई दिन तक उठाने का नाम नहीं लिया जाता। परिणामस्वरूप दुकानदारों को कई दिन तक गन्दगी की दुर्गंध में रहने पर मजबूर होना पड़ता है। सफाई की दुर्दशा के कारण ... में बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। ... इंस्पैक्टर ...

वकील समुदाय, विशेषकर एवं कभी-कभी स्वयं न्यायाधीश भी हड़तालें करके बैठ जाते हैं जोकि अक्सर महीनों तक चलती हैं, जिससे न्यायपालिका का कार्य तो लगभग ठप्प-सा पड़ गया है। आज के इस घोर कलियुग में जबकि आम आदमी अन्याय से अत्यधिक पीड़ित है, न्याय पाने की उम्मीद से ही न्यायालयों का दरवाज़ा खटखटाने के लिए बाध्य होता है तथा न्याय पाने के लिए वकीलों का सहारा लेता है। फिर भी कुछेक वकील, जोकि स्वयं अपने कार्य से जी चुराते हैं तथा किसी न किसी प्रकार से उसे मजबूर करके जनहित को ताक पर रखते हुए लम्बी-लम्बी हड़तालें जैसे कार्य करके दूसरों को भी कार्य न करने हेतु मजबूर कर रहे हैं। इस वजह से पहले से ही उत्पीड़ित जनता समय पर न्याय व मिल पाने के कारण वर्ष में तीन-चौथाई दिन न्यायालयों से खाली हाथ लौट जाने से और अधिक दुखी होकर रह गई है। इस प्रबुद्ध समाज के द्वारा रोज़-रोज़ धरने देना एवं हड़तालें करना जनहित के विरुद्ध कार्य है। जिस पर सरकार को तुरन्त प्रभावी रूप से किसी न किसी प्रकार की रोक लगा देनी चाहिए।

यह एक शोचनीय बात है कि यह प्रबुद्ध वर्ग छोटी-छोटी बातों के लिए हड़ताल आदि कर हंसी का पात्र जो बनता ही रहा है। इसके अतिरिक्त वह समय दूर नहीं दिखाई देता, जब इन लोगों के कारण आम जनता का न्यायपालिका पर से पूर्णतया विश्वास ही उठ जाएगा। यदि न्यायालयों के काम को इस प्रकार की हड़तालों से तीन चौथाई दिनों बंद ही रखना है और इस पर कोई नियम लागू नहीं हो सकता तो फिर न्यायालयों की क्या आवश्यकता रह गई है ? देर से प्राप्त न्याय भी तो अन्याय ही साबित होता है। क्या हड़तालों के द्वारा किसी भी सरकारी अधिकारी को ... करा देना, ज़ोर ज़बरदस्ती के ... पर वर्ग जब

सालों की घटनाओं व माहौल के बारे में पूछने का प्रयास करता है तो उनके ज़ख्म हरे हो जाते हैं औ... घंटों बैठ कर अपनी लम्बी दास्तान ठंडी आह भर कर सुनाते हैं।

पिछले 2 सालों में सिरसा जिला का उत्तर-पू... क्षेत्र रोड़ी का यह आलम था कि कोई भी व्यक्ति वि... बाहरी आगन्तुक के सामने ज़ुबान खोलने से पूरी त... से परहेज करते हुए उसे शक की निगाह से देखता ... परन्तु आज बदले हुए माहौल में सक्रिय उग्रवादी ... का सफाया होने के बाद रोड़ी क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस लेते हुए ताज़गी महसूस की है।

सिरसा जिला में उग्रवाद के खात्मे के बाद संवाददाता ने लगभग डेढ़ दर्जन गांवों का ... तीन दिन तपती लू के माहौल में दौरा किया ... अप्रैल-मई का महीना इलाके के किसानों के लि... फसल की कटाई व बुवाई का व्यस्ततम समय होता ...

ज़रूरत है अका...

चंद फतेहपुरी

जालंधर लोकसभा उपचुनाव के परिणामों ... बारे में चर्चाएं लगातार जारी हैं। अलग-अल... अखबारों में प्रतिक्रियाएं प्रकाशित हो रही हैं। ... पहला अवसर है, जबकि किसी एक उपचुनाव ... इतना अधिक महत्व प्राप्त किया है।

यह एक तथ्य है कि इस चुनाव का असल मुद्दा ... "पंजाब में शांति या खूनखराबा।" और लोगों ... शांति के पक्ष में अपना फतवा दिया। यह इस सम्ब... में एक पहल है। दूसरा पहल यह है कि इससे तम...

Courtesy Dr. Narinder Sharma, Digitized by eGangotri

सफाई की दुर्दशा : शहर में सफाई की हालत है। गला-म... में घटिया किस्म की कुल्फियों की बिक्री, सड़कों पर जगह-जगह गन्ने के रस की दुकानों पर मक्खियों के ... भिनभिनाते रहते हैं तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यकुशलता ...

...ता बाबू — जगजीत राणा

... स्थानीय टैलीफोन केन्द्र की सेवाओं के प्रति लोगों को काफी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अधिकतर टैलीफोन हर समय खराब पड़े रहते हैं, जिन्हें कई-कई दिनों तक ठीक करने का नाम तक नहीं लिया जाता। बहुत से उपभोक्ताओं का कहना है कि करीब एक मास से सायंकाल के समय उनके टैलीफोन अचानक डैड हो जाते हैं और अगले रोज प्रातः तक डैड ही रहते हैं तथा रात्रि के समय उपभोक्ता टैलीफोन का लाभ नहीं उठा सकते। इसके अतिरिक्त टैलीफोन उपभोक्ताओं के बिलों में भी भारी अनियमितताएं पाई जा रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं में टैलीफोन विभाग अधिकारियों के प्रति भारी नाराजगी पाई जाती है।

दुनिया एक तमाशा

सोता रहा चादरा ताने पल्ले पड़ी निराशा !
काम किए बिन क... होती है पूरी कोई आशा !!
जो पहले थी, वही आज है, कल भी वही रहेगी !
सच्चाई की राम कसम बस इतनी है परिभाषा !!
जिसको बहरा सुन सकता है पढ़ सकता है अंधा !
सचमुच है अनमो... साथियो प्रेम प्यार की भाषा !!
पल में बि...कुल अपनी लगती, पल में निपट पराई !
दुनिया ए... तमाशा बाबा, दुनिया एक तमाशा !!

छोटी-मोटी बातों के लिए ह... आदि का सहारा न ले।

—दीनानाथ ..., 10/62, ओल्ड कैम्पस, सी. सी. ... ए. यू., हि...

...तिया में अशुद्ध बर्फ़ की बिक्री

स्थानीय कुछ बर्फ़ विक्रेताओं द्वारा शहर में गन्दी बर्फ की सप्लाई सरेआम की जा रही है, जिससे बीमारी फैलने का भय है।

शहर के दुकानदारों का कहना है कि पिछले दिनों से जैसे ही गर्मी का प्रकोप बढ़ा है, बर्फ़ वालों ने बर्फ़ के रेट बढ़ा दिए हैं और कच्ची व गन्दी-सी बर्फ़ दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग को ध्यान देना चाहिए।

बिजली की अनियमित आंख मिचौनी से शहर के लोग बहुत ही परेशान हैं।

बिजली की कम वोल्टेज आने के कारण घरों में पंखे, कूलर व फ़्रिज आदि बिल्कुल ही नहीं चल रहे हैं जिससे शहरवासियों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

—भवनेश हांडई, 1257/6 नयबान गेट, रतिया

काशी विद्वत् परिषद सोमयज्ञ में भाग नहीं लेगी

वाराणसी, 2 जून (प.स.): वाराणसी के विद्वानों के प्रमुख संगठन काशी विद्वत् परिषद ने छह जून को अयोध्या में होने वाले सोमयज्ञ में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। परिषद के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि परिषद की कल अपरान्ह एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद यह फैसला किया गया कि काशी का कोई भी विद्वान निमंत्रण पाने के बावजूद सोमयज्ञ में भाग नहीं लेगा। बैठक के बाद विश्व हिन्दू परिषद के ...

...लगाने और ... दुहाइयां देते ... मानसिकता को समझने ... ब्लू स्टार आप्रेशन के लिए मा... मांग की ... सलाहें देने तक जा पहुंचे थे।

पंजाब के इन दुख भरे वर्षों में सूम्बों की तरह ... आए इन तथाकथित बुद्धिजीवियों ने कालमों कालम काले करके न तो देश का कुछ संवारा और ही पंजाब का, बल्कि उनकी इस भूमिका ने अगर कु... किया तो यह कि इसने इस भयानक दौर ... लम्बा करने में अपना हिस्सा डाला।

बड़ी तसल्ली वाली बात यह है कि इस ... अभियान में करारी हार खा जाने वाले ... नेताओं, खासतौर पर अकाली नेताओं ने लोगों के फतवे को स्वीकार कर लिया है और टेढ़-मेढ़े ढं... यह भी मान लिया है कि वोटरों ने इस चुनाव... उनकी पिछले 10 वर्षों की भूमिका को अस्वीक... किया है तथा उग्रवादियों के खिलाफ जबरद... फतवा दिया है। इस मौके पर यह मालूम होता है ... इन नेताओं ने अतीत से सबक सीखने और गलति... सुधार कर देश के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ढां... का हिस्सा बनने की तरफ मुंह किया है।

इसके साथ एक स्पष्ट पहलू यह भी है कि उग्रवा... के प्रभाव में भटक गए कई बुद्धिजीवियों ... वास्तविकता को स्वीकार करने की तरफ एक म... काटा है।

इन चुनावों के परिणामों के बाद डा. महीप सिं... प्यारा सिंह भोगल, हरचरन सिंह बैंस, मेजर ... और कुछ अन्य के लेख व टिप्पणियां प्रकाशित हुई ... एक तरह से यह अतीत में अपनाई गई गलत ... ही आत्म स्वीकृति है। अब वे यह मानते हैं ... उग्रवाद तथा अलगाववाद को एक सि... दिया है और अकालियों ... खालिस्तानियों को 'समर्थन' ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

महाविद्यालय श्वेतामी मठ ... प्रसाद मिश्रा ने तांत्रिक चन्द्रा ... को चुनौती दी है कि वे 'सोमयज्ञ ... शास्त्रार्थ करें। उनका कहना है कि ... क्षोभ फैलेगा और राष्ट्र चिन्ताग्रस्त होगा।

उधर फैज़ाबाद के मुसलमानों ने आज एक प्रस्ताव पारित करके 'सोमयज्ञ' की इजाज़त देने के

(शेष पृष्ठ 10 पर)

श्री राव ने मूलतः 4-5 जून ... करनी थी, लेकिन उन्हें फ़्लू होने के कारण डाक्टरों की सलाह पर यह 4 दिन स्थगित कर दी गई है। श्री राव ने आज का दिन आराम से गुज़ारा।

...रण उग्रवादियों पर भारी दबाव पड़ा

करते थे तथा कुछ चुने गए लोगों के ही अपहरण करते थे परन्तु अब वे यूं ही किसी का भी अपहरण कर ले जाते हैं। उन्होंने कहा, "उग्रवादियों की शस्त्र शक्ति में बहुत वृद्धि हो गई है तथा सुरक्षा बलों के खिलाफ उनकी तकनीक, योजनाओं तथा कार्रवाइयों में पहले से अधिक निखार आया है।"

श्री नोमानी ने इस बात का खंडन किया कि घाटी में सीमा पार से उग्रवादियों की घुसपैठ बढ़ी है। उन्होंने कहा, "हमारे सैनिक सीमा पर कड़ी नज़र रखे हैं तथा हाल ही में उन्होंने उग्रवादियों के सीमा पार करने के कई प्रयास विफल किए हैं।" सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हथियारों का एक बड़ा ... है, जिससे उग्रवादियों को ... का सामना करना पड़ रहा ...

... इंटर सर्विसिज़ इंटैलीजैंस ... घाटी में अप्रत्यक्ष युद्ध छेड़ने ... श्री नोमानी ने कहा कि यह

प्रयास कर रही है परन्तु प्रशासन व सुरक्षा बलों द्वारा शत्रु के सभी कुत्सित इरादे विफल कर दिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस द्वारा हाल ही में की गई हड़ताल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हड़ताल में सक्रियता से भाग लेने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा, "हम लगभग 80 पुलिस कर्मियों को बर्खास्त कर चुके हैं तथा कई केस जांच समिति के पास विचाराधीन हैं।" उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस को अब घाटी में उग्रवाद निरोधक कार्रवाइयों में सक्रियता से संलिप्त किया जा रहा है।

श्री नोमानी ने आशा व्यक्त की कि आगामी महीनों में घाटी में उग्रवाद में कमी देखने को मिलेगी। उन्होंने इन सूचनाओं का खंडन किया कि उग्रवादियों ने घाटी में कुछ क्षेत्रों को 'प्रवेश वर्जित क्षेत्र' निर्धारित कर रखा है, जहां जाने से सुरक्षा बल भी डरते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक प्रभावित तथा उग्रवादियों

किसी भी ... की ... ने ... जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कोई वित्तीय संकट नहीं है। उल्लेखनीय है कि लगभग 15 करोड रुपए सरकार की ओर से न आने के कारण राज्य के प्राइवेट कालेजों के कर्मियों के 3 महीने के वेतन रुके पड़े हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल ने आज अपने गृह हल्का आदमपुर के गांव सरसाना व चौधरीवाली का दौरा करते हुए उन 6 मृतकों के परिवारजनों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता वितरित की, जो विगत 7 मई को हरियाणा राज्य परिवहन की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मरे थे। यह बस हिसार से बालसमन्द होती हुई आदमपुर जा रही थी और अचानक टायर फट जाने के कारण पेड़ से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। मृतकों में बस का चालक दयानंद (गांव देवा), बेली राम (दैयड़), रामप्रताप (सदलपुर), पृथी सिंह (चौधरीवाली), सोहन लाल (चौधरीवाली) तथा राजस्थान की एक महिला शामिल है। इनके परिवारजनों को मुख्यमंत्री हरियाणा ने उक्त धनराशि के चैक भेंट किए तथा उनके घर-घर जाकर शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी। चौ. भजन लाल ने तत्पश्चात् लोक निर्माण विश्राम गृह हिसार तथा मंडी आदमपुर में लोगों की कठिनाइयां सुनी तथा उनके समाधान हेतु मौके पर ही उपस्थित जिलाधिकारियों को आदेश दिए। उन्होंने बताया कि

नामांकन भरा

नई दिल्ली, 2 जून (प.स.): भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए आज श्री लाल कृष्ण अडवानी की ओर से नामांकनपत्रों के कई सैट भरे गए।

यह जानकारी देते हुए रिटर्निंग अफसर श्री विष्णुकांत शास्त्री ने कहा कि श्री अडवानी के अलावा किसी और ने नामांकनपत्र नहीं भरा लेकिन उन्होंने श्री अडवानी की तरफ से भरे गए नामांकनपत्रों की संख्या बताने से इन्कार कर दिया। कल नामांकनपत्र भरने का अंतिम दिन है।

पाठकों एवं एजेंटों के लिए

आवश्यक सूचना

जून, 1993 के पहले रविवारीय संस्करण अर्थात् 6 जून 93 से हिन्द समाचार पत्र स[मू]ह के निम्नलिखित समाचारपत्रों के केवल रविवारीय संस्करणों के प्रति कापी मूल्य इस प्रकार होंगे :

1. पंजाब केसरी (जालन्धर-अम्बाला)	रु. 1.60
2. पंजाब केसरी (दिल्ली)	रु. 1.60
3. हिन्द समाचार (जालन्धर-अम्बाला)	रु. 1.50

-व्यवस्थापक

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

...مت حصہ اول

...معروف

...نم پتری

جس کو

...ہ چیت رام صاحب منجم عالیشان المشہور
...سکنہ کمالیہ ضلع منٹگمری صوبہ پنجاب
...ع فرما کر شائع کیا۔ اور حق تصنیف ...رجمہ
...کر حسب ضابطہ رجسٹری کرایا۔ لہذا کوئی صاحب
...طبع ترجمہ۔ یا نقل۔ جزو کل نہ فرماویں

Amar Nath kah...
P.O. Kamalia

ملنے کا پتہ

...ے۔ مینیجر دفتر منجم عالیشان ڈاکخانہ کمالیہ
ضلع منٹگمری پنجاب

۱۹۲۶

پنجاب آرٹ پریس لاہور میں باہتمام
بابو پیارے لال بانکو منیجر چھپا

सफाई की दुर्दशा : शहर में सफाई की हालत

नेता बापू — जगजीत राणा

इन्हें वोट बटोरने के लिए लोगों को ... का सब्जबाग दिखाती

है। गली-मो... में घटिया किस्म की कुल्फियों की बिक्री, सड़कों पर जगह-जगह गन्ने के रस की दुकानों पर मक्खियां भिनभिनाते रहते हैं तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यकुशलता को उजागर करते हैं। शहर में शुद्ध दूध न मिलने के कारण लोग अत्यधिक परेशान हैं।

छोटी-मोटी बातों के लिए ...

—दीनानाथ ... 10/62, ओल्ड कैम्पस, सी. सी. एस. एम. ए. यू. हि...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فہرست مضامین راز قسمت حصہ اول

مضمون	نمبر صفحہ
دیباچہ	3
راز اول اصطلاحات	7
درجات سعد و نحس	11
اوصاف خانجات	12
اوصاف ہر ایک راشی	"
اوقات ثمرہ ستارگان	13
قوت ستارگان	14
نسبات ہر ایک خانہ	16
راز دوم احکام خانہ اول	21
ثمرہ جنم کنڈلی خانہ اول ہر ایک گرہ مفرد	21
ثمرہ ہر ایک گرہ خانہ اول بتخصیص لگن جنم میکھ	21
ثمرہ گنیش ہر ایک گھر	26
ثمرہ گنیش مع ثمرہ اس گھر کے جس گھر میں گنیش ہو	27
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن برکھ	
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن متھن	29
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن کرک	30
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن سنگھ	31
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن کنیا	"
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن تلا	32
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن برچھک	33
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن دھن	33
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن مکر	33
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن کنبھ	34
ثمرہ ہر ایک گرہ جنم لگن مین	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوم

جس کتاب پر مہر مصنف یا دستخط مصنف
ثبت نہیں ہوں گے۔ وہ مال مسروقہ ہوگا

Amar Nath Kalwal

راز قسمت حصہ اول

معروف

پیشہ جنم پتری

... ادس خالق ارض و سما و مالک دنیا کا واجب
... تعریف و شکر ہے
... جس نے سات ستاروں کو رات دن میں وہ گردش دی۔ کہ جن کی
... کیفیت اور ماہیت میں عقل منجمان دقیقہ رس و نہند سان
... عاجز اور حیران ہے قلم و زبان شکریہ
... دسترس کر سکتی ہے۔ کہ جس نے اپنی قدرت کاملہ سے وہ
... ادا نہیں کر سکتے۔ کہ جن کے ذریعہ سے انسان
... اور غرائب علم پیدا ... آگاہ اور مطلع ہو گیا ہے۔ ورنہ
... جہان ... فہم و ادراک انسان سے باہر ہے
... مقدور ... و باندہ اند
... شاہ ہند کی طرف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اما بعد نیاز ارتسام خاکسار چیت رام ولد لالہ ڈیپ چند صاحب سکنہ کمالیہ ضلع منٹگمری پنجاب بدرگاہ سرب ... تنکیمان ... سرودیابی عرض پرداز ہے

سزد دیباچہ حمد اوسکی ہے شایاں　　کئے ہیں مہر ... جس سے نمایاں

بنایا بہر مردم عرصۂ خاک　　کئے ہیں اوس ... انجم زیر افلاک

کئے کیا کیا دقیقہ اوس نے پیدا　　مہندس اُس کی قدرت پر ہیں شیدا

محاسب کہتے ہیں تقویم دل سے　　بشر اوس نے بنائے آب و گل سے

تاوقتیکہ عامل علم نجوم ریاضت اور عبادت میں کامل نہ ہو۔ دل اوس کا روشن اور منکشف اسرار ربانی اور بابرکت کلام ربانی پر نہیں ہو سکتا ہے۔ جب دل اوس کا عبادت اور ریاضت میں صاف اور روشن ہوجاتا ہے۔ تو گناہ اور کذب و فریب بالکل دور ہوجاتا ہے۔ اوس وقت اسرار غیبی اور کلمات لاریبی خزانۂ غیب سے عالم الغیب عطا فرماتے ہیں۔

نظم اسماء صفاتی

... نانک ... نمر ... پالیا نندلن
... جامی کنس نکندلن
... نشن بے کنٹھ نوامی
کرشن ... انگلہ ہنسی دھم
... کھمن چور ... مدن سکھ ساگر

گوکل ناتھ جسودا نندلن
رشک بہاری دیوکی نندلن
نند کشور شام سکھ راشی
... بادن وا سودیو
... نمرہ ہر ایک گرہ ...
شمرہ ہر ایک گرہ جنم ...
نمرہ ہر ایک گرہ جنم ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پرمانند چتر بھج راگھو
پار برہم گھنشام منوہر
دیانند جگدیش کنھیا
برج باشی جیون پرسوتم
کملاپت رگھناتھ مراری
جگ جیون انتر ابناشی
دیندیال مکند گہراری
بن مالی مرلی دھر داتا
سالگرام رام بنواری
پرجاپت جگت پت جگ پوجن
رگھبنسی سرگن گوپال
گوپی ناتھ ابہی سکھدائی
کالی مردن کنج بہاری
جو یہ نام چت من لائے

دیا سے رادھا پرکیشو
کمل نین گوبند بشیشر
نارائن مادھو جادو رایا
جگ سوامی نرسنگھ نروتم
نند نندن پربھو اودھ بہاری
نرنکار اوتم بنیاشی
دکھ بھنجن جادو پت گردھاری
پدم ناتھ آدرشٹ بدھاتا
سری پت آدیو ہنکاری
جگ تارن ہری سنکٹ موچن
منگل گوبردھن نند لالہ
سروبنجے ادکیرت رگھورائی
دسرتھ نندن دل بہاری
اوہ سدھ پاوے سب پائی

جیسا کہ کہنا ماہیت ایشور دیندیال کا نہایت باریک اور لطیف ہے۔ ویسا یہ علم نجوم یعنے جوتش باریک اور لطیف ہے۔ ایشور کے گیان سے یہ علم رکھیشران پر ظاہر ہوا۔ اور انہوں نے اپنی ریاضت اور عبادت سے ریاضی میں وہ کمال دکھلایا۔ کہ جس کے ادراک کی ماہیت میں عقل فکر انسان حیران ہے

دانایان ممالک غیر نے علم ہندسہ میں ہندوستان سے سبق لیا۔ گرگ رشی جب کسی زمانہ میں شاہ ہند کی طرف سے مصر میں بحالت سفارت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تشریف لے گئے۔ اوس زمانہ میں اون سے حکیم بطلیموس خدیو مصر نے اس علم نجوم شاخ ریاضی میں تعلیم پائی۔

اور پھر اوس کی ترقی ممالک غیر میں اس حد تک ہوئی کہ کہتے ہیں کہ ایک وقت ملک الموت یونان میں آیا۔ اور اوس نے ایک عیا لی چہرو اہالیوں سے پتہ فرشتہ ملک الموت کا دریافت کیا۔ تو اوس نے زائچہ کھینچ کر بتلایا۔ کہ اسوقت ملک الموت آسمان پر نہیں ہے۔ اور نہ کسی اور زمین میں ہے۔ بلکہ اسی جگہ موجود ہے۔ پس چونکہ اسوقت اسجگہ بغیر میرے اور تمہارے اور کوئی ذی روح بشر نہیں ہے۔ میں ملک الموت نہیں ہوں۔ انسان ہوں۔ اس لئے تم ملک الموت ہو اس سے آگے دروازہ شہر پر پہنچے اور دریافت فرمایا۔ کہ میں ضعیف العمر ہوں۔ اور میرے ہاتھ پاؤں کو لرزہ ہوتا ہے۔ کسی حکیم کا پتہ بتلایا جاوے۔ تو اس سے معالجہ کراؤں۔

اسی دروازہ کے بالاخانہ پر ایک حکیم موجود تھا۔ اور اوس نے دروازہ پر ایک گھڑیال لٹکایا ہوا تھا۔ دربان نے اوس گھڑیال کے ذریعہ بشکل تار برقی حکیم صاحب کو اطلاع آمد بیمار کی دی۔ حکیم صاحب نے فرمایا۔ کہ بیمار گھڑیال پر ہاتھ لگا دیوے۔ چنانچہ ملک الموت نے گھڑیال کو ہاتھ لگایا۔ تو حکیم صاحب نے کہا۔ کہ بیمار اوپر بالاخانہ پر آجاوے۔ انہوں نے عذر کمزوری اور ضعیف العمری بیان کر کر بالاخانہ پر جانے سے انکار کیا۔ اوس پر حکیم فرماتے ہیں۔ کہ وہ ساتویں آسمان سے کس طرح زمین پر آیا۔ وہ بیمار اور ضعیف نہیں ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اس جواب کو سنتے ہی ملک الموت اپنے آسمان پر واپس چلے گئے گو فی زمانہ ایسی روایتوں کو تو تعلیم یافتہ لوگ مبالغہ خیال فرماتے ہیں۔ مگر دراصل یہ مبالغہ نہیں ہے۔ بمقابلہ اس کے کہ جب من کل الوجوہ حالات کائنات اور انسان ماضی حال و مستقبل اس علم سے بتلائے جا سکتے ہیں۔ تو کیا ملک الموت کا معلوم کرنا زیادہ مشکل تھا۔

چونکہ ایشور پرماتماں نے اس کائنات کو چر لیے منقلب طالع یعنے لگن میں پیدا کیا۔ اس لئے تمام موجودات روس کے بھی منقلب قرار پائے اور ہر ایک حالت کو ایسا انقلاب آیا۔ کہ وے تمام اعلےٰ علوم اور دانا عالم کائنات ہندوستان سے جلتے رہے۔

موجودہ ترقیات آنہالیان یورپ سے خلق اللہ حیران اور پریشان ہے۔ کیونکہ فی زمانہ ترقی ہندوستان کا نام و نشان معدوم ہو چکا ہے۔

(راز اوّل)

ملک عروج اقبال اور زوال کا دارومدار وقت پر ہے۔ اور اس کی تاثیر اور گردش ستارگان فلکی سے نیک و بد کا اظہار علامات و آثار قرار دیا گیا ہے۔

ازیں جہت زیادہ تر ضرورت دریافت صحیح وقت کی ہے۔ اگر وقت صحیح ہوگا۔ تو تمام تشخیصات اور نتائج اوس کے صحیح آویں گے ورنہ غلط۔

حتی المقدور بیسیوں برس کی کوشش کمال ایک سارنی جدید بحساب گھنٹہ منٹ نو ایجاد کر کے بنام نہاد کلید نجوم معروف چشمہ لگن سارنی طبع کرائی گئی ہے۔ اور اس میں تمام دیگر قواعد دریافت لگن بھی درج کر دیئے گئے ہیں۔

بعد اوس کے ضرورت استخراج یعنے ہیئت ہر ایک لگن و گرہوں کی پیش آتی ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوس کیلئے ایک خاص کتاب راز نجوم تصنیف کی گئی ہے جس سے من کل الوجوہ حالت حیثیت طاقت وقت ستارگان بخوبی واضح ہوسکتی ہے۔

ازاں بعد معلوم کرنا اس امر کا ضروری ہے۔ کہ ہر ایک گرہ مفرد اور مجمل جنم کنڈلی میں کیا کیا اثر سعادت اور نحوست ظاہر کرتے ہیں ان کیلئے کتاب ہذا بنام نہاد راز قسمت حصہ اول معروف چشمہ جنم پتری بزبان اردو شاستری۔ گورمکھی وغیرہ تحریر کی گئی ہے۔ تاکہ ہر ایک صورت سے کل پھلادیش جنم کنڈلی ایک موقعہ پر کتاب ہذا سے ملجاویں۔ اکثر اوقات پھلادیش گرہوں کے مطابق تشخیص صحیح ظہور میں نہیں آتی ہیں۔ اونکے وجوہات آگے بیان کرونگا۔

تاکہ عاملان کو بخوبی واضح ہوجاوے کہ اونکی وجہ کیا ہے۔ کتاب اشجار الاثمار میں سید علیشاہ بخاری نے تحریر فرمایا ہے۔ کہ بنائے آفرینش انسان سات قووں پر ہے۔ اور ہر ایک قوت گرہ سے منسوب کی گئی ہے۔

۱۔ قوت طبعی چاند سے منسوب ہے۔ (۲) قوت حیوانی سورج سے منسوب ہے۔ (۳) قوت شہوانی شکر سے منسوب ہے۔ (۴) قوت فکر و گفتگو بدھ سے منسوب ہے۔ (۵) قوت غضب و غصہ منگل سے منسوب ہے (۶) قوت نفسانی برہسپت سے منسوب ہے (۷) قوت ماسکہ شنیچر سے منسوب ہے۔

یہ تمام قوتیں اور استعداد قبولیت انکی وقت تولد سے حاصل ہونا شروع ہوتی ہیں لیکن اثر ان کا بقدر قوت ستارگان شکم مادر میں پیدا ہوتا ہے جس وقت مولود شکم مادر سے باہر ہوتے ہی دم لیتا ہے۔ تو ایک حالت سے دوسری حالت میں آتا ہے۔ اور احکام تاثیرات گردش فلکی شکم مادر سے نکل کر دوسری احکام تاثیرات تولد میں داخل ہوتا ہے پس یہی وقت تولد اصل اعظم ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور اسی وقت کے ستارگان بحق مولود اثر اپنا ظاہر کرتے ہیں۔
وقت تولد سے چار سال تک مولود کو انسان نہیں کہہ سکتے۔ اور نہ اوسپر احکام
انسانی صادق آسکتے ہیں۔ تاوقتیکہ اوسمیں حال انسانی مثل حرکات سکنات
وقوت ناطقہ و نکلنے دانت ظاہر نہ ہو۔ اور یہ قوت ناطقہ و نکلنا دندان
وغیرہ بمدت چار سال مولود کو حاصل ہوتی ہے۔ اسی واسطے چار سال
تک جنم پتری کا بنانا ممنوع ہے۔ اُس وقت صحیح استخراج لگن اور ستارگان
کرکر جنم پتری یعنے زندگی نامہ تیار کیا جاوے اور اوسمیں تشخیص قوت
ہر ایک گرہ کرکر احکام سعادت و نحوست لگائے جاویں۔

جن امورات سے اکثر منجمان بے خبر ہوتے ہیں۔ اونکو ذیل میں تحریر کیا جاتا ہے

۱۔ کوئی کوکب ثابت عظم اول یا عظم دوم کا درجہ طالعہ پر واقع ہو یا مرد
اُس کا درجہ عاشر پر ہو۔ دلیل اقتضائیہ سعادت نیک کی ہے۔

۲۔ اگر طالع لگن کسی مولود کا موافق طالع قران کے پڑے۔ تو دلیل
ہے کہ مولود کو سعادت درجہ کمال حاصل ہوویگی۔

۳۔ جنم دن میں اگر درجہ (لگن) طالع کسی مولود کا موافق درجہ سورج
کے پڑے۔ یعنے جس درجہ میں سورج ہو۔ وہی درجہ طالع مولود کا پڑے یا
جنم رات میں درجہ طالع موافق درجہ چاند کے یا موافق درجہ سہم السعادت
اوسکے ہو۔ تو وہ مولود موافق اوس قران کے سعادت قوی اور عظیم پائیگا

۴۔ اگر طالع کسی مولود کا سال قران السعدین میں ہو۔ اور گرہ کسیقدر
بلوان ہوں۔ تو برکت اوس قران سے مولود کو سعادتہائے بزرگ
حاصل ہونگی۔

اگر گرہ کال بلوان ہوں تو مولود صاحب نصیب و حاکم ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر یہ اتفاق سال قران النحسین میں ہو۔ تو نتیجہ برخلاف اس کے ظہور میں آویگا خصوصاً اگر قران النحسین کرک راشی میں واقع ہو۔ تو ہرچند کہ گرہ بلوان ہو لیکن ثمرہ اُس کا نیک نہیں ہوگا۔ کیونکہ سنیچر اور منگل دونوں اس راشی میں ضعیف اور بد حال ہیں۔ یہ راشی سنیچر کے لئے وبال اور منگل کیلئے ہبوط (نیچ) ہے۔ قران النحسین ویسے تو ہر دو سال میں ایک دفعہ واقع ہوتا ہے لیکن کرک راشی میں تیس سال کے بعد ہوتا ہے

اگر یہ اتفاق سال قران السعدین میں واقعہ ہو۔ تو بوجہ سعادت قران السعدین کے سعادت مولود زیادہ ہوجاویگی۔

یہی وجہ ہے۔ کہ لگن کسی مولود کا کمزور اور ضعیف ہوتا ہے۔ اور وہ بلند اقبال اور خوشحال ہوتا ہے۔ کیونکہ سال قران السعدین میں اس کا جنم ہوا ہے۔

اگر قران برہسپت و شکر کا مین راشی واقع ہو۔ تو وہ راشی میں برہسپت کا گھر اور شکر کا شرف یعنی اوچ استھان ہے۔ دونوں مقبول ہیں۔

قران السعدین ویسے تو ہر سال میں ایک مرتبہ ہوا کرتا ہے لیکن مین راشی بارہ برس کے بعد ہوتا ہے۔ اور قران چاند کا ہمراہ شکر و برہسپت مولود اور ابتدا کاموں کے لئے بدرجہ کمال نیک ہے۔ صاحب قران اوس شخص کو کہا جاتا ہے۔ کہ جس کے جنم لگن میں برہسپت اور شکر کا قران ہو۔ (قران زادہ لقب امیر تیمور بادشاہ کا ہے۔ کہ بادشاہ چند اقلیم کا تھا) بعض منجم یہ نہیں جانتے ہیں۔ کہ یہ سعادت کس گرہ سے ہے۔ اور کہاں سے آئی۔ علی ہذا القیاس جنم لگن کسی مولود کا بلوان ہوتا ہے۔ لیکن وہ بد حال اور خراب وخستہ ہوتا ہے۔ کیونکہ سال قران النحسین میں اوس کا جنم ہوا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اس نحوست سے بھی بہت منجم بیخبر ہوتے ہیں۔

۵۔ اگر طالع کسی مولود کا موافق درجہ کسی شبھ گرہ کے ہو۔ طالع قران سے یا راشی قران سے تو مولود کیلئے سعادت عظیم حاصل ہوویگی۔

۶۔ اگر درجہ طالع میں کسی مولود کے اجتماع ستارگان ہو۔ تو وہ مولود دولت عظیم پائیگا۔ اور قوت ہا ذاتی وعارضی اوس کی کامل ہونگی۔

۷۔ اگر درجہ طالع کسی مولود کا وہ درجہ ہو کہ جو سعد ہے۔ یا وہ درجہ سعد عاشر واقعہ ہو یا راشی سورج یا چاند یا راشی سہم السعادت یا راشی لگنیش یا مستولی یعنے غالب تر بر صاحب طالع یا بر عاشر (۱۰) واقع ہو۔ تو وہ مولود سعادت ہا عظیم پر پہونچیگا۔ اگر برخلاف اس کے درجہ ہا نحس میں سے کوئی درجہ طالع یا مرکز عاشر یا راشی سورج۔ چاند یا سہم السعادت یا راشی گرہ دیگر ہو تو مولود کو کوئی سعادت حاصل نہ ہوویگی بلکہ اندیشہ ضرر اور ذلت کا ہے ہرچند کہ کنڈلی میں دلائل اقوی ہوں

۸۔ قدرتاً درجات سعد ونحس مذکور ہر ایک راشی مخصوص ہیں۔ اسلئے اونکو ذیل میں درج کیا جاتا ہے

	درجات جو باتفاق سعد ہیں						درجات جو باتفاق نحس ہیں						
میکھ	۱۰	۱۹					۷	۱۱	۱۷	۲۳	۲۹		
برکھ	۳	۱۵	۱۹	۲۷	۳۰		۸	۱۳	۱۸	۲۴	۲۵	۲۷	
متھن	۱۱	۱۵	۲۰				۳	۱۳	۱۶	۲۶	۲۷	۳۰	
کرک	۱	۲	۳	۴	۱۴	۱۵	۱۲	۱۷	۲۳	۲۴	۲۶	۳۰	
سنگھ	۳	۵	۶	۷	۱۷		۶	۱۳	۱۵	۲۲	۲۳	۲۶	۲۸
کنیا	۲	۱۲	۱۵	۳۰			۷	۸	۱۳	۱۹	۲۱	۲۵	
تلا	۳	۵	۲۱	۲۲			۱	۷	۲۰	۳۰			
برچھک	۲	۷	۱۲	۳۰			۹	۱۰	۱۷	۲۲	۳۳	۳۷	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دھن	۱۳	۲۰	۲۳				۷	۱۲	۱۵	۱۴	۲۶	۲۷
مکر	۱۲	۱۳	۱۴	۳۰	۲۲	۲۶	۲	۷	۱۷	۱۳	۲۴	۲۸
کمبھ	۶	۷	۱۶	۱۷	۲۰		۱	۱۲	۱۴	۲۳	۲۹	
مین	۱۰	۱۲	۲۰	۲۷			۳	۴	۹	۲۴	۲۸	

اوصاف خانجات کنڈلی

۱۔ خانہ ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ کو کیندر کہتے ہیں۔ فارسی میں اوتاد

۲۔ خانہ ۵۔۹۔ کو ترکون کہتے ہیں۔ فارسی میں مائیل اوتاد

۳۔ خانہ ۶۔۸۔۱۲۔ کو ترک کہتے ہیں۔

۴۔ خانہ ۴۔۸۔ کو چتورسیہ بھی کہتے ہیں۔

۵۔ خانہ ۲۔۵۔۸۔۱۱۔ کو پنپھر کہتے ہیں۔ فارسی میں مائیل اوتاد

۶۔ خانہ ۳۔۶۔۹۔۱۲۔ کو آپوکلم کہتے ہیں۔ فارسی میں زائل اوتاد

۷۔ خانہ ۳۔۶۔۱۰۔۱۱۔ کو اوپچی کہتے ہیں۔ اور بعض ترکھدی بولتے ہیں۔

۸۔ خانہ ۳۔۶۔۱۱۔ کو ترکھت ایو کہتے ہیں۔

۹۔ خانہ ۱۱۔۱۲۔۱۔۲۔۳۔۴۔ کو پور باردہ کہتے ہیں۔

۱۰۔ خانہ ۵۔۶۔۷۔۸۔۹۔۱۰۔ پراوہ کے نام سے موسوم ہیں۔

اوصاف ہر ایک راشی یا لگن

۱۔ میکھ۔ برکھ۔ کرک۔ دھن۔ مکر۔ کو پرشٹ اودے لگن کہتے ہیں۔ یہ پیٹھ سے طلوع ہوتے ہیں۔ اور رات کو بلوان ہوتے ہیں۔

۲۔ متھن۔ سنگھ۔ کنیا۔ تلا۔ برچھک۔ کنبھ لگن کو شیر کھودی کہتے ہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یہ سرے طلوع ہوتے ہیں۔ اور دلن کو بلوان ہوتے ہیں۔ مگر متھن لگن کا بل زیادہ تر رات کو ظہور پذیر ہوتا ہے۔ ۳ بین لگن مشترک ہے۔ باقی اوصاف ہر ایک خانہ اور ہر ایک لگن کتاب راز نجوم میں مفصل تحریر کئے گئے ہیں۔

اوقات ثمرہ ستارگان

ہر ایک گرہ ثمرہ اپنا بزمانہ وشا ظاہر کرتا ہے جس کی تفصیل بہ قاعدہ ونشوتری و جوگنی و فردارات منجمان ممالک غیر و سودرشن چکر کتاب راز قسمت حصہ دوم معروف جنم وشا میں درج کی گئی ہے۔ لیکن رکھیشران نے ہر ایک گرہ کے ثمرہ کو عمر انسان سے منسوب کیا ہے۔ اور لکھا ہے کہ ثمرہ ہر ایک گرہ کا وقت تولد سے شروع ہو جاتا ہے۔ لیکن کامل ثمرہ اوس کا اوقات مختلف ظہور میں آتا ہے۔

سورج۔ ۲۲ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے۔
چاند۔ ۲۴ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے۔
منگل۔ ۲۸ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے۔
بدھ۔ ۳۲ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے
برسپت۔ ۱۶ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے
شکر۔ ۲۵ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے
سنیچر ۳۶ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے
راہو کیت۔ ۴۲ سال کو کامل ثمرہ اپنا شروع کرتا ہے

جو گرہ اپنے نوانسہ میں ہو۔ وہ برگرہ اور تمام نحوستوں کو دور کر کے اعلیٰ مراتب پر پہنچاتا ہے۔

جو گرہ بخانہ دوست واقعہ ہو۔ وہ خوشحال ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جو گرہ اپنے گھر میں واقعہ ہو۔ وہ مطمئن اور طاقتور ہوتا ہے۔
جو گرہ بخانہ شرف ہو۔ یعنے اوچ وہ باجلال و بااقبال ہوتا ہے۔
جو گرہ طلوع میں ہوتا ہے۔ وہ بلوان ہوتا ہے۔
جو گرہ است یا غروب ہو وہ بیقرار بیمار ہوتا ہے۔
جو گرہ شبھ گرہ کی برگ میں ہو وہ بلوان اور خوشحال ہوتا ہے۔
جو پاپی گرہ کے برگ میں ہو۔ وہ خراب حال اور بد ثمرہ دیتا ہے۔
جو گرہ سورج سے نزدیک تر ہو۔ اندر ۱۲ انش کے۔ غروب ہو جاتا ہے۔
جو گرہ سورج سے دور ہو جاتا ہے وہ طلوع کہلاتا ہے۔
گو ضعف اور قوت ستارگان کو کتاب راز نجوم میں مفصل بیان کیا گیا ہے
تاہم اس موقعہ پر ضروری قوت ہر ایک گرہ کا بیان کرنا لازم ہے اسلئے ذیل میں
بیان کرتا ہوں۔

قوت ستارگان

سورج

(۱) کرشن پکھیہ (۲) راشی مذکر (۳) بروز آئیت (۴) بخانہ خود (۵) بخانہ دوست
(۶) زیر نظر دوست (۷) ہمراہ دوست (۸) زیر نظر شبھ گرہ (۹) ہمراہ شبھ گرہ (۱۰)
مابین شبھ گرہوں کے (۱۱) بخانہ ترکھست آیو (۱۲) بعہد پیری (۱۳) بخانہ اوچ۔
(۱۴) بخانہ مول ترکون

چاند

(۱) شکل پکھیہ (۲) راشی مونث (۳) بروز سوموار (۴) بخانہ خود۔ (۵) بخانہ دوست
(۶) زیر نظر دوست (۷) ہمراہ دوست (۸) زیر نظر شبھ گرہ۔ (۹) ہمراہ شبھ گرہ
(۱۰) شبھ گرہوں کے مابین (۱۱) بخانہ کیندر (۱۲) بخانہ ترکون (۱۳) بعہد طفولیت
(۱۴) بخانہ اوچ (۱۵) بخانہ مول ترکون۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند کی تین حالت ہوتی ہیں۔ بال۔ جوانی۔ پیری۔ ان میں سے بال اور پیری اوستھا کمزور اور نحس ہوتی ہے۔ حالت جوانی سعد اور مبارک ہے۔ ابتدائے بدی ۱۰ سے لغائت شدی ۵ ورج چاند کی بال اوستھا ہوتی ہے اور ابتدائے شدی ۶ لغائت بدی ۵ ورج۔ پورن چندرماں اور جوانی اوستھا ہے۔ اسمیں بلوان اور سعد ہوتا ہے۔

منگل

(۱) کرشن پکھ (۲) مذکر راشی (۳) بروز منگل (۴) بخانہ خود (۵) بخانہ دوست وہمراہ دوست و زیر نظر دوست (۶) زیر نظر شبھ گرہ (۷) ہمراہ شبھ گرہ (۸) مابین شبھ گرہ (۹) بخانہ ترکھت آیو (۱۰) بعہد جوانی (۱۱) بخانہ اوچ (۱۲) بخانہ مول ترکون۔

بدھ

(۱) شکل پکھ (۲) مونث راشی (۳) بروز بدھ (۴) بخانہ خود (۵) بخانہ دوست (۶) ہمراہ دوست (۷) زیر نظر دوست (۸) زیر نظر شبھ گرہ (۹) ہمراہ شبھ گرہ (۱۰) مابین شبھ گرہ (۱۱) بخانہ کیندر (۱۲) بخانہ ترکون (۱۳) بعہد طفولیت (۱۴) بخانہ اوچ (۱۵) بخانہ مول ترکون۔

برہسپت

(۱) شکل پکھ میں (۲) راشی مذکر (۳) بروز برہسپتوار (۴) بخانہ خود (۵) بخانہ دوست (۶) ہمراہ دوست (۷) زیر نظر دوست (۸) ہمراہ شبھ گرہ (۹) زیر نظر شبھ گرہ (۱۰) مابین شبھ گرہ (۱۱) بخانہ کیندر (۱۲) بخانہ ترکون (۱۳) بعہد پیری (۱۴) بخانہ اوچ (۱۵) بخانہ مول ترکون

شکر

(۱) شکل پکھ (۲) راشی مونث میں (۳) بخانہ خود (۴) بخانہ دوست (۵) زیر نظر دوست (۶) ہمراہ دوست (۷) زیر نظر شبھ گرہ (۸) ہمراہ شبھ گرہ (۹) مابین شبھ گرہ (۱۰) بخانہ کیندر (۱۱) بخانہ ترکون (۱۲) قریب خاتمہ جوانی (۱۳)

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بخانہ اوچ (۱۴) بخانہ مول ترکون۔

سینچر

(۱) کرشن پکھہ (۲) راشی مونث میں (۳) بخانہ اول بشرطیکہ راشی مکر۔ کنبھ۔ تلا ہو (۴) بعہد پیری (۵) بخانہ نرکھٹ آیو۔ (۶) ہمراہ دوست (۷) زیر نگاہ دوست (۸) ہمراہ شبھ گرہ (۹) زیر نظر شبھ گرہ۔

راہ وکیت

(۱) بخانہ نرکھٹ آیو (۲) بخانہ اول بشرطیکہ راشی میکھ۔ برکھ۔ متھن۔ کرک۔ کنیا ہو

نوٹ

مقامات مندرجہ بالا ہر ایک گرہ بلوان ہوتا ہے۔ اگر اس کے برخلاف ہوں تو ضعیف تر اور منحوس ہوتے ہیں۔

منسوبات ہر ایک خانہ کنڈلی جنم

چونکہ تمام امورات دنیاوی متعلقہ ذات بارہ خانجات کنڈلی سے منسوب کئے گئے ہیں۔ اور جن کو ہر ایک خانہ میں بلحاظ سعادت و نحوست ستارگان کے دیکھا جاتا ہے۔ انکو ذیل میں درج کرتا ہوں۔

خانہ اول

رنگ چہرہ۔ طاقت جسم۔ سر و شکم۔ پانچوں گیان اندری۔ پانچوں کرم اندری۔ حافظہ۔ اضطراب۔ نیکنامی۔ سفر دہرم۔ مذہب۔ خوشی۔ تعداد عمر انسان و حیوان۔

خانہ دوم

خاندان۔ رشتہ داران۔ دولت۔ آنکھ۔ تعلیم علم۔ جائیداد غیر منقولہ۔ راستی۔ علم وید مقدس شاعری۔ ارادہ۔ اشرفی۔ جواہرات۔ خزانہ۔ کسب کار و بار معاشں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جوگ ابھیاس سدھی وغیرہ۔

خانہ سوم

عیاشی۔ خدمت گار۔ علم موسیقی۔ دلیری۔ بہادری ہمت۔ برادران و ہمشیرگان۔ کان در دکان۔ برتن۔ مذہب فتوحات۔ تعداد عمر۔ قرضہ۔ نقل حرکت نزدیک۔

خانہ چہارم

ماں۔ نانکے تعلیم۔ سواری۔ گاڑی۔ آرام۔ آسائش۔ خوشی۔ تجارت۔ رہائشی مکان فتوحات جنگی معاملات ملکی صحت تندرستی۔ دفینہ ملا خزانہ کاروبار دنیا دی۔ دودھ مویشی۔ سفر شمالی ممالک۔ پنجم

خانہ پنجم

ماں۔ نانا۔ ماما۔ حال جنم گذشتہ۔ شاعری۔ زبانی خود تصنیف۔ فرزنداں۔ دختران۔ حمل عمل۔ جادوگری منتر۔ علم عقل۔ برادران و ہمشیرگان۔ جنم آئندہ۔ جوگ ابھیاس

خانہ ششم

مرض۔ غم۔ زخم۔ اسلحہ وغیرہ۔ غرق آب۔ تنازعات برادری۔ حالت نزع۔ پھوڑے پھنسی۔ جراحی۔ امراض آتشک وغیرہ۔ کاٹنا زہردار جانوراں سانپ بچھو۔ قید۔

خانہ ہفتم

رشتہ داران۔ سفر غربی۔ عورت۔ شادی۔ مقدمات۔ تنازعات۔ پہلی عورت سے ناکامی۔ دوسری سے فرزندان۔ دختران۔ راجہ سے انعام۔ فوائد بغیر محنت و کوشش۔ تجارت۔ مرگ والد اور اس کی جائیداد کے تنازعہ۔

خانہ ہشتم

جنگ میں موت۔ لوگوں سے نقصان۔ زخم۔ بلندی سے گرنا۔ بیماری عرصہ دراز۔ بیماریوں میں ناکامی۔ رنج و غم۔ بتر بمہ فضیر بغیر خرچ پیا قتل دشمن کے ہاتھ سے دشمنی جھگڑا۔ زہر سے حادثہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکست قید۔

خانہ نہم

باپ۔ جائیداد پدری۔ خیرات۔ انعام۔ خوش قسمتی۔ تعمیر عمارت۔ رفاہ عام و مذہبی خواہ علمی آٹھوں سدھی جوگ عجیب بینی پیشین گوئی۔ تالاب۔ چاہ۔ باوٰلی سرائے مسافر خانہ۔ گیان۔ رہائش۔ جنگل و پہاڑ۔

خانہ دہم

پہلے جنم کے مذہبی افعال۔ نیک کام حیات۔ جائیداد زرعی و غیر منقولہ۔ رحم۔ مذہبی اعتقاد۔ مکانات۔ خداپرستی۔ دلیری۔ نیکنامی۔ لباس۔ تبدیلی مکان و جائے قیام۔ جانب شرق۔ روزگار۔ راج دربار

خانہ یازدہم

بڑا بھائی و ہمشیرہ۔ ان کی خوش قسمتی و بدقسمتی۔ ناکاری۔ زباندانی۔ زیان حاکم دولت جائداد۔ پالکی۔ بگھی۔ غم سے آزادی۔ لباس۔ راگ۔ رقص۔ بہم و دیا شاہی عنایات۔ خوشخطی۔ سفر بحری۔ امید فائدہ۔

خانہ دوازدہم

سیاحت و سیر ملک۔ روزگار بلکہ بیگانہ۔ شادکامی۔ کامرانی ہر قسم۔ خواب۔ خوراک۔ سزا سرکاری۔ تنازعات۔ بدمعاشی۔ عیاشی۔ فضول خرچی۔ نقصان۔ زر و مال۔ فوائد بسبب ہر نیک اعمال جنم گذشتہ۔ انعام خیرات۔ قربانی۔ مذہبی رسوم

منسوبات دیگر

چونکہ جنم کنڈلی مولود سے تمام حالات گردش فلکی منسوم مولود بتلائے جاتے ہیں اور اسمیں جنم لگن سے تمام خانجات کا نتیجہ نیک و بد اخذ کیا جاتا ہے۔

بلکہ حالات تمام خویش اقارب بھی ہر ایک خانہ مخصوص سے دیکھے جاتے ہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مثلاً خانہ ۳ سے حالات برادران اور خانہ ۴ سے والدہ کا حال اور خانہ ۵ سے اولاد کا حال دریافت کیا جاتا ہے۔

بہیں صورت اگر خانہ ۳ کو اس قرار دیا جاوے۔ تو اوس کے تمام خانجات سے کلی حالات برادراں معلوم ہو سکتے ہیں۔ علےٰ ہذا دیگر خانجات کو لگن قرار دیکر اون اقارب اور عزیزوں کے حالات دریافت کئے جا سکتے ہیں۔ جن سے وہ منسوب ہیں۔ دوسرا گرہوں کو بھی خویشں اقارب سے منسوب کیا گیا ہے اسلئے اون کی سعادت نحوست سے حالات سعد نحس رشتہ داران تر بھی معلوم کئے جاتے ہیں۔

سورج کی سعادت نحوست کا اثر باپ پر موثر ہے۔ اس لئے سورج سے باپ کا۔

چاند سے والدہ کا حال معلوم کیا جاتا ہے۔

شکر سے عورت کا حال "

منگل سے برادر کا حال "

برہسپت سے فرزند کا حال "

بدھ سے دوستوں کا حال "

سنیچر سے تمام دیگر رشتہ داران کے حالات معلوم کئے جاتے ہیں۔

دیگر ماسوا اسکے ہر ایک گرہ سے حالات اقارب دریافت کئے جاتے ہیں۔

سورج سے نوین گھر سے باپ کا حال معلوم کیا جاتا ہے۔

چاند سے چوتھے گھر سے ماں کا حال "

منگل سے تیسرے بھائی کا حال "

بدھ سے چوتھے ماموں کا حال "

برہسپت سے پانچویں اولاد کا احوال "

شکر سے ساتویں عورت کا احوال "

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر سے آٹھویں سوائے اُن عزیزوں کے دیگر رشتہ داران کے گھر ہیں۔
بس جن گھروں میں نیک گرہ ہوں۔ اُن کے واسطے نتیجہ نیک ہے اور جن گھروں میں
بدگرہ ہوں۔ اُن کے لئے نتیجہ بد ہے۔

جنم کنڈلی میں ہر ایک گرہ کا ثمرہ کا راز خانہ وار درج کر دیا ہے اور اس سے
سعادت نحوست ہر ایک خانہ کا نتیجہ بخوبی معلوم ہو جاویگا۔

اب رہا یہ امر کہ یہ تمام نتائج مردوں کے لئے بیان کئے گئے ہیں۔ ان میں
عالم عورت کا ذکر نہیں آیا۔ کہ وہ کن گرہوں کی نحوست سے بیوہ ہو جاتی ہیں۔ یا
اولاد سے محروم رہتی ہیں۔ یا خاوند اُن کو حقوق زوج سے ترک کر دیتے ہیں
جس سے کہ تمام زندگی اُن کی تلخ اور برباد ہو جاتی ہے! وہ اُنکی آہ سرد اور نالہ
فغاں سے خاندان تباہ ہو جاتے ہیں بلکہ اثر اُن کا قوم اور مذہب اور حصہ ملک
کو زوال پہنچاتا ہے۔ اُن کے حالات معلوم کرنے کے لئے چشمہ جنم پتری
استریاں ایک علیحدہ کتاب تیار کی گئی ہے۔ اور اُس میں مدارج متعلقہ
عالم عورت بالتفصیل تحریر کئے گئے ہیں۔

باقی رہا۔ ورش پھل کا بنانا۔ سو چونکہ قواعد اُس کے بروئے تاجک شاستر
مخصوص ہو چکے ہیں۔ اسواسطے اُنکو خاص کتاب ورش پھل میں بالتشریح دکھایا گیا ہے

اب ہر ایک خانہ جنم کنڈلی کے رازوں کا ملاحظہ فرمایئے کہ جو اصل مدعا
اور مضامین کتاب ہذا کے ہیں۔ اور جن کو کتاب ہا از زمانہ سلف سنسکرت و
عربی فارسی سے انتخاب کر کے اپنے اپنے موقعہ پر جگہ دی گئی ہے۔
باقیماندہ ولیش مفرداً اور مجملاً کسی اور حصہ کتاب ہذا یا کسی دیگر میں
تحریر کئے جاویں گے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ثمرہ جنم کنڈلی

ہر ایک گرہ ہر ایک گھر میں جداگانہ پھلادیش کرتا ہے۔ لیکن جب وہ دیگر چند گرہوں سے مل کر آتا ہے۔ تو پھل اس کا تبدیل ہو جاتا ہے۔ گو کل گرہوں کے جوگوں کا پھلادیش تحریر کرنا امر محال ہے تاہم جسقدر ممکن ہے اسکو ذیل میں تحریر کیا جاتا ہے۔

ہر ایک گرہ اپنے گھر کا پھلادیش اپنی دِشا کے زمانہ میں دکھلاتا ہے نیز اس وقت کہ جب اس کے پھل کا وقت آتا ہے۔

راز دوم

خانہ اول

۱۔ سورج۔ اگر جنم راس میں ہو۔ تو مولود غصہ ور اور بچپن میں بیمار ہو۔ لیکن اگر میکھ یا سنگھ راس کا ہو۔ تو ذیشان و نیکو کار و انصاف پسند اور صاحب حکومت ہو

۲۔ سورج۔ اگر سورج میکھ راس میں ہو۔ تو وہ دولتمند و بختاور ہو۔

۳۔ سورج۔ اگر برکھ راس میں ہو۔ تو خوش پوشاک اور شائق راگ ہو۔

۴۔ سورج۔ اگر متھن راس میں ہو۔ تو مولود جوتشی اور عقلمند و خوشحال ہو۔

۵۔ سورج۔ اگر کرک راس میں ہو۔ تو اوروں کی امید پر گذارہ کرے۔

۶۔ سورج۔ اگر سنگھ راس میں ہو۔ تو پرتاپ والا نامور اعلےٰ و جید و دانا ہو

۷۔ سورج۔ اگر کنیا راس میں ہو۔ تو نازک بدن شاعر تصویر کش۔ اعلیٰ خیال ہو

۸۔ سورج۔ اگر تلا راس میں ہو تو شخص بد اقبال ہے زوال یا دوسری طرح کے عتاب تکالیف

۹۔ سورج۔ اگر برچھک راس میں ہو۔ تو تند مزاج اور کم دولت مغموم۔ مبتلا ہو رنج

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰ سورج - اگر دھن راس میں ہو۔ تو دولتمند و حکیم و صاحب قدر اعلیٰ مرتبہ ہو۔

۱۱ سورج - اگر مکر راس میں ہو۔ تو کم طالع اور لالچی بے قدر۔

۱۲ - سورج - اگر کنبھ راس میں ہو۔ تو مفلس اور خانہ بدوش مخالف رسوم خاندان

۱۳ سورج - اگر مین راس میں ہو۔ تو عاقل - اعلیٰ مراتب - جوہر شناس - عیاش

۱۴ سورج - اگر خانہ اول میں ہو۔ تو خوبصورت و نیک مزاج - الاکم شہوت اور نیز سلاب

بیماری - بادی - بلغمی ہو۔ صاف چہرہ - گورا بدن - رحیم المزاج محبوب عورات

و اشیا ذہنی - ہر فن ماہر و پاکیزہ وضع۔

۱۵ - چاند - اگر میکھ - برکھ - متھن - کرک - تلا - کنیاں - دھن - مین - تلن میں ہو

تو ہر طرح شبہ اور سفید جسم - ورنہ برچھک - مکر کنبھ میں ہو - تو اشبہ ہے۔

۱۶ - منگل - اگر خانہ اول میں ہو۔ تو کوتاہ قد - گربہ چشم - روشن اندام - خوبصورت

ناک پر گوشت - تندرست - سخت کلام - غصہ ور - دلیر - جوانمرد - خوش

گفتار - کسیقدر شوم - لاغر مزاج بیمار۔

۱۷ اگر جنم راس میکھ یا برچھک یا مکر ہو۔ اور اس میں منگل ہو تو مرد اور

صاحب اقبال اور با رعب ہو بشرطیکہ برسپت طاقتور ہو کر دیکھتا ہو۔

۱۸ منگل - اگر میکھ یا برچھک راس میں واقع ہو۔ تو سردار فوج اور پہلوان گشت و دولتمند خوش طبع

۱۹ منگل - اگر متھن یا کنیا راس میں ہو۔ تو صاحب اولاد و بخوف - چالاک - اور دوسروں کے

کام آنیوالا ہو - اور دانا ہو

۲۰ منگل - اگر برکھ یا تلا میں ہو۔ تو خشک مزاج - غصہ ور - ناامید

دغا باز عیاش ہو

۲۱ منگل - اگر کرک میں ہو۔ تو اقبال سے زوال اور ہر طرح اشبہ ہے

۲۲ منگل - اگر سنگھ راس میں ہو تو اولاد اور جنگ سے محروم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۳ - منگل - اگر دھن یا مین راس میں واقع ہو۔ تو عالی مرتبہ ہو۔ اور دشمن زیر ہوں۔

۲۴ - منگل - اگر کنبھ راس میں ہو۔ تو مسافر غمناک۔ نادار۔ بے اعتبار۔ دروغگو۔ کم قدر

۲۵ - منگل - اگر مکر راس میں ہو۔ تو صاحب اقبال اور دولتمند۔ تندرست

۲۶ - بدھ - اگر خانہ اول میں ہو۔ تو عاقل۔ دراز قد۔ سبز رنگ۔ نوشت خواند میں ہوشیار
عالم۔ ہر دلعزیز۔ آہستہ گو۔ خوش کلام۔ سلیم الطبع۔ شیریں زبان۔ خوبصورت۔ نیکنہاد

۲۷ - بدھ - اگر میکھ یا برچھک راس میں ہو۔ تو صحبت بد۔ شراب خوار۔ بدکار

۲۸ - بدھ - اگر برکھ یا تلا راس میں ہو۔ تو فرمانبردار والدین۔ گورا۔ خوش مزاج و احسان سنج۔ جگ والا

۲۹ - بدھ - اگر متھن راس میں ہو۔ تو خوش مزاج۔ شیریں کلام۔ عاقل۔ نیک رنگت۔ ناچ کا مشتاق

۳۰ - بدھ - اگر کرک راس میں ہو۔ اپنی قوت بازو سے دولت پیدا کرے۔ خویشوں سے بیگانہ

۳۱ - بدھ - اگر سنگھ راس میں ہو۔ تو بلا اولاد اور نادار۔ کم قدر۔

۳۲ - بدھ - اگر کنیا راس میں ہو۔ تو معزز۔ اعلیٰ مراتب۔ صاحب حشمت۔ ہنرور۔ خلیق۔ ہوشیار۔ دولتمند

۳۳ - بدھ - اگر مکر و کنبھ راس میں ہو۔ تو محتاج غیر۔ ناپسند کلام۔

۳۴ - بدھ - اگر دھن یا مین راس میں ہو۔ تو ملازمت امراء سے ممتاز۔ عالم۔ معزز

۳۵ - برسپت - اگر خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب عقل۔ دانا۔ عالم۔ دراز قد۔ گورا رنگ۔ نیک
فربہ بدن۔ بلغمی مزاج۔ شاعر و مصنف کتب۔ پر رحم و عدالت۔ ... رنگ
راگ۔ ہر ایک کو عزیز اور معزز۔ سخی۔ خوش خوراک۔ جہاں نورد۔ عالم ادب کا معتقد
کلام ہوں۔ خوبصورت۔ شہلا چشم۔ اعلیٰ مراتب۔ دولتمند۔ عابد۔

۳۶ - برسپت - اگر میکھ یا برچھک راس میں ہو۔ تو خوشحال۔ سردار۔ ہر ایک کا غمخوار اور مہمانی

۳۷ - برسپت - اگر برکھ یا تلا راس میں ہو۔ تو عورت اور اولاد سے خورسند۔ سخی۔ معزز۔ سردار

۳۸ - برسپت - اگر متھن یا کنیا راس میں ہو۔ تو پرہیزگار۔ کثیر الاولاد۔

۳۹ - برسپت - اگر سنگھ راس میں ہو۔ تو سردار و شاد کام ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۰۔ برہسپت۔ اگر دھن یا مین راس میں طاقتور ہو۔ تو عالی رتبہ اور رئیس علاقہ و صاحب و امیر کبیر۔ عابد۔ دولتمند۔ عاقل و معزز با شان و شوکت ہو۔

۴۱۔ برہسپت اگر کرک راس میں واقع ہو و کری یا است نہ ہو۔ نہ منگل سنیچر کی درشٹی میں ہو۔ تو صاحب مراتب اعلیٰ اور نامور او ریہہ صفت موصوف ہو تمام نحوست کنڈلی کو دفع کرے۔ عمر دراز اور تمام عمر خوشی اور ناموری سے بسر ہو۔ کام پورن ہوں۔

۴۲ برہسپت۔ اگر مکر راس میں ہو تو محتاج اور اقبال سے زوال ہر طرح بدحال ہو

۴۳ برہسپت۔ اگر کنبھ لگن میں ہو۔ تو کاربرار متوسط حیثیت ہو۔

۴۴ شکر۔ اگر خانہ اول میں ہو تو سخنوری میں یکتا۔ نیک کردار سبزہ خام۔ بال سیاہ روشن چہرہ شیریں سخن خورد چشم۔ راگ رنگ کا شائق شہوت پرست ناچ اور سرود سے خوش۔ راغب صحبت عورت۔ مستعد۔ نیکار تعمیر مکانات ہر فن میں ماہر شعر و سخن گوئی میں لائق۔ عمر دراز

۴۵ شکر۔ اگر سیکھ یا برچھک میں ہو۔ تو دولت غیر حاصل کرے اور شائق عورت غیر ہو

۴۶ شکر۔ اگر برکھ یا تلا راس میں ہو۔ تو اپنی قوت بازو سے دولت حاصل کرے۔ اور صاحب قدر و عزت ہو۔

۴۷ شکر۔ اگر متھن راس میں ہو۔ تو صاحب امراء و خوشحال و شایق راگ رنگ

۴۸ شکر۔ اگر کنیا راس میں ہو۔ تو ہر طرح تکلیف اور موجب نقصان۔ ہر ایک کام میں ناکامی۔

۴۹ شکر۔ اگر کرک راس میں ہو۔ تو دو عورت۔ دولتمند۔ رنج و راحت آمیز

۵۰۔ شکر۔ اگر سنگھ میں ہو۔ تو کم حیثیت اور بدکار زانی ہو۔

۵۱۔ شکر۔ اگر مکر یا کنبھ راس میں ہو۔ تو مرد لعزیز اور عیاش۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۲ شُکر۔ اگر دھن یا مین لگن میں ہو۔ تو اقبالمند۔ نامور معزز و دولتمند ہر طرح سے خوش

۵۳ سنیچر۔ اگر خانہ اول میں ہو۔ تو مولود دراز قد سیاہ بدن زرد چشم کاہل الوجود
مزاج بادی ادھوری۔ راغب آب۔ مرض خارش۔ مال زیادہ پیدا کرے

۵۴ سنیچر۔ اگر مکر کنبھ تلا لگن میں ہو۔ تو مولود زمیندار صاحب مرتبہ دولتمند نامور و معزز عہدیدار ہو

۵۵ سنیچر۔ اگر میکھ برچھک لگن میں ہو۔ تو جاہل خونخوار بے رحم۔ مسافر سیاح ہو

۵۶ سنیچر۔ اگر برکھ لگن میں ہو۔ تو کم مرتبہ و عیاش ہو۔

۵۷ سنیچر۔ اگر تلا یا کنبھ لگن میں واقع ہو۔ تو علاقہ دار و نامور و صاحب مراتب ہو۔

۵۸ سنیچر۔ اگر کرک لگن میں ہو۔ تو بے دولت و بے مادر ہو۔

۵۹ سنیچر۔ اگر سنگھ لگن میں ہو۔ تو بے اولاد غریب الوطن مسافر مفسد ہو۔

۶۰ سنیچر۔ اگر دھن یا مین لگن میں ہو تو عورت اولاد سے خوش و صاحب روزگار

۶۱ سنیچر۔ اگر مکر لگن میں واقع ہو۔ تو صاحب مرتبہ اور سردار خاندان ہو۔

۶۲۔ راہ و کیت اگر خانہ اول میں ہوں تو مولود ہمیشہ بیمار۔ بدشکل۔ ناقص اندام و خراب
لباس۔ و بدفعل۔ و کاہل و مخالف عام

۶۳۔ راہ کیت۔ اگر میکھ۔ برکھ۔ متھن۔ کنیا۔ کرک۔ لگن میں واقع ہوں۔ تو مولود صاحب
مرتبہ و نامور ہو۔ اگر پاپی گرہ شامل ہوں یا دیکھتے ہوں تو مریض بدشکل و بدلباس ہو

۶۴ سورج یا منگل۔ ہمراہ بدھ کے خانہ اول میکھ لگن میں ہوں۔ تو گرم مزاج۔ بڑا خوش نصیب
دانا تیز عقل۔ نیک نام۔ بہادر۔ دلیر۔ بلوان۔ شوربیر۔ چند عورت۔ بدھ آیو
تک با اقبال و با دولت رہے اسی عمر میں نادار ہو جاوے لیکن پھر دولت
حاصل کرے فرزند با اقبال اور دولتمند ہوں کسی کی پرواہ نہ کرے۔

۶۵ شُکر یا چاند۔ خانہ اول میں میکھ لگن کا ہو۔ تو جوانی عمر میں خاندان والدہ کو نقصان پہونچے
اپنی عورت سے آرام اور دیگر عورت سے فائدہ اور آرام پاوے دھیان فہیم شوقین مقدس

درمیانی عمر میں پریشان اور بیقرار۔ اکثر مقامات دور میں سفر کرے کچھ آرام کم
لڑکیاں زیادہ۔ برخصہ زرگان اور لین دین اپنی عورتیں مبتلا ہیں بلغمی سردی کی
سے بچا۔ ہو کر صحتیاب ہو جاوے۔ آنکھوں اور دیگر حواس میں تکلیف پہنچے

۶۶۔ برہسپت یا بُدھ۔ اگر خانہ اول میں سنیچر ہوں۔ تو دانا۔ نیک چلن اور اکثر مصیبت میں گرفتار
اور دشمن زیر ہوں۔ نقصان جائیداد بے وجہ اور سست و بیمار ہو
کوئی عضو بدن کا ضایع ہو جاوے۔

۶۷۔ راہو و کیت یا سنیچر۔ خانہ اول میں اکیلا ہو۔ تو نالائق بدکار و مصیبت زدہ۔ دشمن زیر۔ جائداد
دوروئی بیگان نقصان کرے۔ مریض۔ کوئی عضو بدن کا ناکارہ
ہو جاوے۔ والدین مر جاویں۔

۶۸۔ اگر مالک راس طاقتور ہو کر لگن میں یا لگن کو نظر کامل دیکھتا ہو۔ تو عمر دراز
نیکوکار تندرست اور ہر طرح سے شاد۔ کام دھرم اچھا ہو۔

۶۹۔ اگر مالک راس طاقتور ہو کر دوسرے گھر میں ہو یا دوسرے گھر کو پورن دشٹی سے
دیکھتا ہو۔ تو دولتمند ہو۔ اور دولت بزرگان فائدہ اٹھاوے۔ بلوان اور نیکوکار

۷۰۔ اگر مالک راس بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو یا تیسرے گھر کو پورن درشٹی دیکھتا ہو
تو بھائی بندوں سے خوش اور بامحبت ہو۔ نقل و حرکت اور سفر زیادہ کرے اور ...

۷۱۔ اگر مالک راس بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو یا پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں باپ اور
بند عزیزوں سے محبت کرے اور خوشحال و صاحب دولت و زمین و باغ و
وغیرہ ہو۔ عمر زیادہ و عالی مرتبہ ہو۔ نمبردار والدین۔ کم خور۔ نیک کام

۷۲۔ اگر لگن کا مالک بلوان ہو کر پانچویں گھر میں ہو یا پانچویں گھر کو پورن درشٹی سے
دیکھتا ہو۔ تو عزیز اولاد ہو۔ حکیم ہو۔ دیوان اور با اقبال ہو۔ نیکوکار

۷۳۔ اگر مالک راس بلوان ہو کر چھٹویں گھر میں ہو یا چھٹویں گھر کو دیکھتا ہو۔ تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو دشمن زیادہ ہوں ہمیشہ اندیشہ ور مزاج تند۔ دشمن پر غالب۔ اپنے کام میں مستعد۔ لیکن بخیل۔

۷۴۔ اگر راس کا مالک بلوان ہو کر ساتویں گھر میں ہو یا دیکھتا ہو تو اپنی عورت سے محبت رکھے۔ خرید و فروخت میں نفع۔ سفر کرے۔ بڑے رعب والا۔ خوش مزاج اور عورت دلپسند نصیب ہو۔

۷۵۔ اگر مالک راس بلوان ہو کر آٹھویں گھر میں ہو۔ یا دیکھتا ہو۔ تو عمر کوتہ ہمیشہ خوف و خطر میں رہے۔ اور ایک مرتبہ مرض مہلک میں مبتلا ہو۔ اگر گرہ پاپی ہے تو زیادہ بیمار ہو۔ اور بخیل ہو اگر شبھ ہے۔ تو جسم تندرست اور دولت پیدا ہو۔

۷۶ اگر مالک راس بلوان ہو کر خانہ نانویں میں ہو یا دیکھتا ہوں۔ تو سفر دور دراز کرے ہمت والا۔ اور تیرتھ ور۔ دھرم آتماں آرام گاہ۔ اور دھرم استھان تیار کرا دے یعنی عابد۔

۷۷ اگر مالک راس بلوان ہو کر دسویں گھر میں ہو۔ یا پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو دولتمند و صاحب اقبال و عزت نامور۔ بزرگاں کا پیارا و خدمتگار۔ راج دربار میں معزز

۷۸ اگر مالک راس بلوان ہو کر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو عمر دراز یعنی۔ مال بزرگان سے فائدہ مند۔ سواری اسپ اور شائق علم نجوم۔ دوست زیادہ ہوں۔ روزگار عمدہ اولاد نیک و نامور ہمیشہ تندرست۔

۷۹ اگر مالک راس بلوان ہو کر بارہویں گھر میں ہو۔ یا پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو خرچ زیادہ۔ اور عزت کی خواہش۔ مگر پورن نہ ہو خرچ مال بے فائدہ ہو۔ ایکبار خوف قید۔ سخت کلام مقدمہ باز۔ دائم السفر۔ اگر ہمراہ شبھ گرہ کے ہو گا تو بھی کچھ نقصان ہوگا

۸۰ اگر مالک راس بلوان ہو کر دوسرے گھر میں ہو۔ اور دوسرے گھر کے مالک بلوان ہو کر جنم راس ہو تو مولود عقیل و دولتمند نیک مزاج یعنی تندرست ہر طرح سے با آرام ہوتا ہے۔

۸۱ اگر مالک راس بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو۔ اور تیسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم راس میں ہو تو مولود بھائی بندوں سے محبت کرے عقل و تدبیر ہو خاندان پرور۔ اور بھائی نیک ہوں طاقتور ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۲ اگر مالک اس بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ اور چوتھے گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو تو فرمان بردار ماں باپ اور نیک مزاج و مصاحب امرا و دقت اور بکار سرکار ہوشیار۔ مستقل سخن۔ رحمدل۔ گورو اُس کا لائق ہو۔

۸۳ اگر مالک اس بلوان ہو کر پانچویں گھر میں اور پانچویں گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو۔ تو مولود عالم اور عقلمند۔ صاحب اقبال و عزت و عزیز اولاد و اولاد نیک ہو۔ اپنے خاندان میں نامور و معزز ہو۔

۸۴ اگر مالک اس بلوان ہو کر چھٹویں گھر میں ہو اور چھٹے گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو۔ تو مولود بخیل اور دشمن پر غالب۔ تندرست۔ بیوفا۔

۸۵ اگر مالک اس بلوان ہو کر ساتویں گھر میں ہو۔ اور ساتویں گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو۔ تو مولود مطیع عورت و صاحب اولاد روزگار ہو۔ و شائق عورت۔

۸۶ اگر مالک اس بلوان ہو کر آٹھویں گھر میں ہو اور آٹھویں گھر کا مالک پہلے گھر جنم لگن میں ہو۔ تو مولود چوری پیشہ و قمار باز و کم عمر ہو۔ باعث موت حکم حاکم یا اور شخص

۸۷ اگر مالک اس بلوان ہو کر نانویں گھر میں اور نانویں گھر کا مالک پہلے گھر جنم لگن میں ہو۔ تو مولود بختاور۔ نکوکار۔ و فرمانبردار بزرگان و گورو و دھرم استھان ہو معزز۔ عابد سفر زیادہ کرے۔ تیرتھ جاترا کرے۔

۸۸ اگر مالک اس بلوان ہو کر دسویں گھر میں ہو۔ اور دسویں گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو۔ تو مولود حسب منشا طابع نیک مزاج۔ گورو اور بزرگ پرست اعلیٰ منصب یا مصاحب درجہ ہو اعلیٰ

۸۹ اگر مالک اس بلوان ہو کر گیارہویں گھر میں ہو۔ اور گیارہویں گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم اس میں ہو۔ تو عمر دراز اور عقل و ہنر سے دربار شاہی سے دولت حاصل کرے معزز نیکنام نیک کام

۹۰ اگر مالک اس بلوان ہو کر بارہویں گھر میں ہو اور بارہویں گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر جنم لگن ہو تو مولود بخیل و کم عقل جھگڑالو۔ دشمن دوست متلون مزاج سخت۔ زبان۔ دشمن زیادہ ہوں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۲۔ چاند۔ اگر برکھ راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو گورا رنگ۔ دبلا۔ بیمار۔ دم کشی۔ کم عمر۔ بہن بھائی زیادہ ہوں

۹۳۔ بدھ۔ اگر برکھ راس خانہ اول میں ہو۔ وسیع اور گہرے خیالات ہوں۔ اوروں کے مال کا مالک ہو۔ والدین مادر اہل دولت۔ دروان متوسط عمر۔

۹۴۔ منگل۔ اگر برکھ کا راس میں ہو۔ تو خودسر۔ عورت بیمار۔ خون خراب۔ عزت کا خیال رکھے۔

۹۵۔ برہسپت۔ اگر برکھ کا خانہ اول میں ہو۔ تو عمر دراز اور معزز۔ اور جائیداد متعلقہ ہو جاوے اور نادار و قرضدار ہو

۹۶۔ شکر۔ اگر برکھ کا خانہ اول میں ہو۔ تو پورن آیو۔ خوشحال۔ خوش شکل۔ عیاش۔ سوا ایک عورت کا اور رنگ راگ کا شائق۔ ہر دلعزیز۔ ہوشیں عمدہ ہو۔

۹۷۔ سنیچر۔ اگر برکھ راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو درمیانی عمر میں مشکلات پیش آویں۔ ہلاک املاک ہو جاتا رہے۔ خائف حیثیت نہ ہو۔ البتہ کچھ اختیارات ہوں اور صاحب حیا ہو۔

۹۸۔ راہو۔ اگر برکھ راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو مبتلا بہ تکلیف اور مبتلائے شی مال گم شدہ۔ دائم السفر کچھ اختیارات حاصل ہوں۔

۹۹۔ کیت۔ اگر برکھ راس کا خانہ اول میں ہو تو بیمار۔ نادار۔ کبھی روزگار۔ دشمنوں سے لاچار۔

۱۰۰۔ سورج۔ اگر متھن راس کے خانہ اول میں ہوں۔ تو مدھ آیو۔ گرم طبیعت۔ بہن بھائی زیادہ ہوں۔ جسم پر داغ۔ بھائیوں کی امداد سے آرام اور دولت نصیب ہو۔

۱۰۱۔ چاند۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو تو کوتاہ عمر۔ میانہ قد۔ بیمار بلغم و درد بسلی

۱۰۲۔ منگل۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو تو خون بگڑ جاوے۔ کم عمر۔ جھگڑالو۔ بنو لیشوں میں مقدمات۔ عمر جوانی میں خوب سزاء۔

۱۰۳۔ بدھ۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو پورن آیو۔ عقیل۔ عالم۔ فاضل۔ سہندس۔ دستکار ہنرمند۔ مکل ساز۔ معزز۔ دولتمند۔ صاحب تدبیر۔

۱۰۴۔ برہسپت۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو تو خوبصورت۔ خوب قد۔ دانا۔ عقلمند۔ منصف مزاج۔ اور دائم المرض

۱۰۵۔ شکر۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو پورن آیو۔ خوش شکل۔ معزز۔ انصاف پسند۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عورت سے جائیداد دولت

۱۰۶ سنیچر ۔ اگر متھن راس کا ہو ۔ تو بھائیوں کی عمر اور اون کے آرام کا دشمن ۔ کم عمر ۔ کم قد ۔ بیمار ۔ کم قدر ۔

۱۰۷ راہو کیت ۔ اگر متھن راس کا خانہ اول میں ہو ۔ دائم المریض ۔ متوسط قد و شکل ۔ رنگ مائل بسیاہی عالم جوانی میں مبتلا بہ تکالیف عورت کا جلد انتقال ہو ۔

۱۰۸ سورج ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو رنگ سرخ مائل بہ زردی روشن بشرہ ۔ دراز ۔ نامور ۔ معزز ۔ گرم مزاج کسی وقت عمر میں بیماری درد شکم سے تکلیف ہو ۔

۱۰۹ چاند ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو خوبصورت روشن بشرہ ۔ پورن آیو ۔ والدہ سے وراثت حاصل ہو ۔ معزز ۔ نامور ۔ بشرطیکہ چاند کمزور یا زیر نگاہ کرور گرہ نہ ہو ۔

۱۱۰ منگل ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو رنگ میلا ۔ دائم المریض پھوڑا پھنسی ۔ خون خراب ناپسند عام ۔ عمر قریباً پچاس سال ۔

۱۱۱ بدھ ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو کم عمر ۔ کم قد ۔ کم املاک ۔ کم صورت ۔ کم قدر ۔

۱۱۲ برسپت ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو تو عالم فاضل ۔ دانا ۔ دولتمند ۔ راجاون یا معززین کا دوست ۔ پورن آیو ۔ مصنف ۔ عامل ۔ اور خوف مرض آتشک اور بعمر جوانی سخت مقدمات آئین میں مبتلا ہو ۔

۱۱۳ شکر ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو بھائی بند زیادہ ۔ خوشرنگ و خوش گذران عمر دراز ۔ امیر کبیر ۔ صاحب جائیداد ۔ زمین ، زراعت عمدہ مکانات و عمدہ سواریاں عقلمند ۔ دوراندیش ۔ معزز ۔ ہر دلعزیز ۔ شائق عورات ۔

۱۱۴ سنیچر ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو ۔ تو ادہرمی ۔ پاپی ۔ موٹا بدن ۔ لمبا قد سیاہ رنگ ۔ بیمار خصوصاً مبتلا بہ مرض آتشک ہو ۔ کم قدر ۔ کم عقل ۔ کم حیثیت ۔ بیکر جائیداد بزرگاں بھی تلف کرے ۔

۱۱۵ راہو کیت ۔ اگر کرک راس کا خانہ اول میں ہو تو کم عمر ۔ کم قد ۔ کم حیثیت ۔ بیمار ۔ بدشکل ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر شبھ گرہوں کی درشٹی ہو۔ تو پھل نیک کریں گے۔

۱۱۶ سورج۔ اگر سنگھ راس کا خانہ اول میں ہو تو خوش شکل روشن چہرہ۔ نامور معزز۔ بالاقد۔ دراز عمر۔ تیز مزاج۔ گرم طبع دولتمند۔ بااختیار ہو۔ اگر برہسپت کی پورن درشٹی ہو۔ تو اعلےٰ منصب پاوے۔

۱۱۷ چاندر۔ اگر سنگھ راس کا زور آور ہو کر خانہ اول میں ہو۔ تو خوبصورت خوش کلام۔ نامور۔ ودیا کھیان میں ہوشیار۔ مباحثہ میں لائق۔ خیر خواہ عام۔ کوتاہ قد۔ جوانی میں عیاشی اور امداد غیر مذاہب سے بدنام ہو۔ شہوت پرست۔ گاہے گاہے بیمار ہو جایا کریں۔ درمیانی عمر میں جہان گشت ہو کر سیر اور مباحثہ وغیرہ میں مصروف ہو۔

۱۱۸ منگل۔ اگر سنگھ راس کا خانہ اول میں ہو کم عمر دائم المریض عیش جوانی بے مزہ۔ بدن پر پھوڑا پھنسی زخم اسلحہ زیادہ ہوں۔ جائیداد برباد ہو جاوے۔ آخیر عمر میں خوف مرض بواسیر

۱۱۹ بدھ۔ اگر سنگھ راس کا خانہ اول میں بلوان ہو۔ تو اکثر بیمار۔ بقرار مختلف خیالات۔ پریشان مزاج۔ اچھے اور نامور خاندان میں جنم پا کر بھی آرام اور فایدہ سے محروم رہے۔

۱۲۰ برہسپت۔ اگر سنگھ کا خانہ اول میں بلوان ہو۔ تو نامور معزز۔ بدربار شاہی مان پاوے۔ پرہیزگار۔ دھرم آتما۔ عادل۔

۱۲۱ شکر۔ اگر سنگھ راس کا بلوان ہو کر خانہ اول میں ہو۔ تو عمر دراز۔ دولتمند۔ عالم اکثر علوم ہنر وہل اور زبان غیر ممالک میں ماہر ہو۔ لیکن بسبب عیاشی اور شہوت پرستی صحت مزاج اور دولت برباد کرے۔ انجام خراب ہو۔

۱۲۲ سنیچر۔ اگر سنگھ راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو بدصورت۔ بداخلاق۔ رذیل خیالات۔ بخلاف دھرم۔ عمر تکالیف میں گذرے۔ دائم المریض۔

۱۲۳ راہ کیتا۔ بدفعل بدنام۔ بدخواہ۔ دشمن عام۔ جعلساز۔ دروغگو۔ کم عمر۔ ہر ایک مباحثہ اور کاروبار میں ناکامیاب ہمیشہ ناخوش رہے۔

۱۲۴ سورج۔ اگر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو مفلس نادار۔ بیمار۔ جائیداد بزرگان تلف ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۵ چاند۔ اگر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو کم عمر۔ کم قدر۔ کم حیثیت۔ بیمار۔

۱۲۶ منگل۔ اگر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو کم عمر۔ کم حیثیت۔ بدنام۔ دشمنوں سے لاچار دوستوں سے مخالفت۔ اہلکاران سے تنازعات۔

۱۲۷ بدھ۔ اگر کنیا راس میں بلوان ہو کر خانہ اول میں ہو۔ تو معزز۔ ممتاز۔ عمر دراز۔ دولت مند ورنہ مدھ آیو اور نربل۔

۱۲۸ برہسپت۔ اگر بلوان ہو کر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو نامور۔ معزز۔ عالم و فنون میں ماہر۔ نیک نام۔ اگر کمزور ہو۔ تو کثرت بیماری سے مدھ آیو ہے۔

۱۲۹ شکر۔ اگر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو دراز عمر۔ معزز۔ عورت زیادہ ہوں۔ شروع عمر میں جو ہو جائیداد برباد کرے۔ آخیر عمر میں پھر پیدا کرے۔

۱۳۰ سنیچر۔ اگر کنیا راس کا بلوان ہو کر خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب اقبال و معزز و خوشحال و دراز عمر۔ مدھ آیو میں کسیقدر پریشان رہے۔ کمزور ہو۔ تو پہلا دیش برخلاف ہوگا۔

۱۳۱ راہو و کیت۔ اگر کنیا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو دائم المریض یا کوئی عضو بدن ناکارہ ہو۔ دشمن زیادہ مخالف خاندان۔ نادار مفلس۔ کم عمر۔ جائیداد بزرگان کو نقصان پہنچا دے۔

۱۳۲ سورج۔ اگر تلا راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو کم عمر۔ دائم المریض۔ امراض خونی کا غلبہ ہو۔ عمر آخیر میں بدنام۔

۱۳۳ چاند۔ اگر تلا راس کا خانہ اول میں ہو۔ کم عمر۔ کم آرام۔ بلکہ آخر عمر میں اندھا ہو جانے کا خوف۔ جوڑوں میں درد۔ دولتمند اور بااولاد ہو۔

۱۳۴ منگل۔ اگر تلا راس کا ہو۔ اور خانہ اول میں آوے۔ تو کم عمر۔ دشمنوں سے نقصان۔ بیمار۔ کاروبار تجارت میں خلل۔ زیر باری قرضہ۔

۱۳۵ بدھ۔ اگر تلا راس کا بلوان ہو کر خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب اقبال و دولت ہو۔ متوسط عمر۔ میانہ قد۔ اگر شکر کی پیدن درشٹی ہو تو نظر میں فرق آوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۶۔ برسپت۔ اگر تلا راس کا بلوان ہوکر خانہ اوّل میں آوے۔ تو بُرا دھرم آتماں۔ نیک خصال
عابد۔ زاہد عالم۔ عمر دراز۔ آخیر عمر میں صاحب املاک و اراضیات ہو۔

۱۳۷ شکر۔ اگر تلا راس کا بلوان ہوکر خانہ اول میں آوے تو دراز عمر۔ خوش نصیب دولتمند
نامور۔ اولاد۔ اور عزت سے خوشحال۔ عورت سے خوش۔ نظر میں یا کسی اور عضو
میں کسیقدر نقص ہو۔

۱۳۸ سینچر۔ اگر تلا راس کا خانہ اول میں آوے۔ تو دایم المریض۔ عمر متوسط۔ ذلیل دشمن زیادہ
ہوں۔ گزند جانوراں زہردار سے تکلیف۔ بدفعل اور بے آرام۔ آخیر
میں کچھ آرام پاوے۔

نوٹ:۔ یہ ثمرہ دیگر دوانان کے بالکل برخلاف ہے اور تجربہ مصنف میں بھی غلط پایا گیا ہے۔

۱۳۹ راہکیت اگر تلا راس میں بخانہ اوّل ہو۔ زہردار جانوروں سے گزند کا خوف۔ دائم المسافر دشمن
زیادہ عمر دراز پیری میں نصیب یاور ہوں۔

۱۴۰ سورج اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ ماں باپ کے لئے باعث تکلیف اور رنج۔ کم
عمر۔ تند مزاج۔ گرم طبع۔ ابتدا میں نقصان دولت۔ اِلّا جوانی میں با اقبال اور
دولتمند۔ اگر دیگر دلائل مانع نہ ہوں۔ تو ملازم فوج اور اختیارات مجسٹریٹی
نصیب ہوں۔

۱۴۱۔ چاند اگر برچھک راس کا خانہ اوّل میں ہو۔ عمر متوسط۔ دبلا مزاج ہمیشہ مبتلا بہ تکلیف
اور اگر برہسپت کی پورن درشٹی ہو۔ اور چاند بلوان ہو تو زود جوانی
کا کمال ہو جاوے۔

۱۴۲ منگل اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو ہمیشہ بیمار۔ دشمنوں سے لاچار۔ متوسط
عمر۔ اِلّا تیز عقل اور مستعد مزاج۔

نوٹ:۔ یہ ثمرہ دیدوانان کے برخلاف ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۲ بدھ۔ اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو کم عمر۔ اولاد اور بھائیوں سے ناخوش۔ بیمار نادار۔ ابتدا عمر میں زیادہ تکالیف پیش آویں۔ بے سمجھ اور کم عقل ہو۔

۱۴۴ برسپت۔ اگر برچھک راس کا بوان خانہ اول میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ خوش تقریر و خوش تحریر۔ درست گو۔ پورن آیو۔ ناموز معزز۔ نیکنام۔ خاندان شریف۔ عمر آخیر میں تکالیف۔

۱۴۵ شکر اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو فضول خرچ۔ شایق عورات۔ خوش شکل۔ درمیانہ قد درمیانی عمر میں عورت سے تکلیف آخیر عمر میں خوف بیکاری عضو۔

۱۴۶ سنیچر۔ اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو بداخلاق۔ بدشکل۔ بیقرار مزاج بیمار پھوڑوں سے تکلیف۔ بدچلن۔ بھائیوں کا قاطع زندگی۔ کم عمر۔

۱۴۷ راہ و کیت۔ اگر برچھک راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو دایم المریض۔ شروع عمر میں ماں باپ کا انتقال ہو۔ اور دولت ضایع ہو جاوے۔ الا عمر دراز اور عمر آخیر میں بخت یاور ہو۔

۱۴۸ سورج۔ اگر دھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ پورن آیو۔ صاحب اقبال اور عزت ناموز نیک نام حکام وقت کا مصاحب۔ گرم و سوداوی مزاج ہو۔
اگر دیگر دلایل نیک ہوں۔ تو حاکم با اختیار ہو۔ اور اعلے مراتب پاوے ورنہ خوف نقصان جائیداد موروثی ہے۔

۱۴۹ چاند۔ اگر دھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو دایم المریض کم عمر۔ بدن پر ورم۔ عالم شباب تک ماں باپ کا انتقال ہو۔ بلکہ دیگر منجمان کے برخلاف ہے۔

۱۵۰ منگل اگر دھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ تو دایم المریض۔ تمام بدن پھوڑا پھنسی سے بدصورت۔ رنگ چہرہ میلا ہو جاوے۔ کم عمر۔ عزت پسند۔ اور صاحب حیا ہو۔ دشمن زیادہ ہوں۔

۱۵۱ بدھ۔ اگر دھن راس کا خانہ اول میں ہو۔ مدہ آیو ہو۔ عورت زیادہ۔ علم ہندسہ اور حکمت میں ماہر۔ دانا۔ نرم مزاج۔ خوش خلق۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۲ برہسپت۔ اگر دھن لگن کا بلوان خانہ اول میں ہو۔ اپنے دھرم میں یکتا۔ خوبصورت۔ خوشکلام۔ معزز۔ عالم فاضل۔ عابد۔ زاہد۔ نیکنام۔ دراز عمر۔ سخی۔ فیاض۔ دراز قد۔ دولت کما کر خود خرچ کر دیوے۔

۱۵۳ شکر۔ اگر دھن لگن کا خانہ اول میں ہو۔ متوسط عمر۔ روشن بشرہ و سرخ مائل بہ زردی۔ کوتاہ قد۔ عورت سے آرام نہو۔ آخری حصہ عمر میں بیماری مرض گردہ۔ عورت بیمار اور مخالف۔

۱۵۴ سنیچر۔ اگر دھن لگن کا خانہ اول میں ہو۔ تو پریشان چہرہ بے سمجھ بخیل عمر دراز۔ کوئی عضو بیکار۔ آخری حصہ عمر میں عورت اور بھائی مرجاویں۔ کئی تکالیف پیش آئیں۔ الا نیکنام ہو۔

۱۵۵ راہ کیت۔ اگر دھن لگن کا خانہ اول میں واقع ہو تو جائیداد و بزرگان سے فائدہ نہو۔ دائم المسافر۔ جوانی میں دھرم اپنا بدل لیوے۔ آخری حصہ عمر میں شاہان ممالک غیر سے دولت اور اعزاز نپاوے۔ اور اولاد پیدا ہو لیکن بہرحال چلن قابل تعریف نہو۔

۱۵۶ سورج۔ اگر مکر لگن کا خانہ اول میں ہو۔ کم عمر سخت مزاج۔ گرم طبع۔ دُبلا۔ نادار۔ عالم شباب میں والدین مرجاویں۔ دردسر اور آنکھوں کی بیماری سے تکلیف ہو۔

۱۵۷ چاند۔ اگر مکر لگن کا خانہ اول میں ہو پیشاب کی مرض۔ لاغر اندام۔ کم عمر کی عورت۔

۱۵۸ منگل۔ اگر مکر لگن کا خانہ اول میں ہو۔ تو متوسط عمر۔ دشمن زیادہ ہوں۔ درمیانی عمر میں بلندی سے گرے۔ یا جنگ میں زخمی ہو نشان زخم بدن پر ہوں۔ شروع جوانی میں ماں کا انتقال ہو۔ جائیداد بزرگان سے محروم ہو۔ نوٹ۔ جملا ویش اسکا دیگر ہمیشہ اہل و برخلاف ہے

۱۵۹ برہسپت۔ مکر لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو مدہ آیو ہو۔ نادار مفلس ناخوش۔ جائیداد و بزرگان سے فائدہ نہ ہو۔ مرض کان۔ ہر طرح سے ذلیل اور تکلیف میں ہو۔

۱۶۰ بدھ۔ مکر لگن کا اگر خانہ اول میں ہو تو کم عمر۔ شباب عالم میں ماں باپ مرجائیں کسی کی نوکری کرے۔ مگر فائدہ نہو۔ ہمیشہ ناخوش رہے۔

۱۶۱ بدھ۔ مکر لگن کا اگر خانہ اول میں ہو عمر دراز۔ بدفعل۔ الا صاحب جائیداد۔ دشمنوں کو نیست کرے۔ خوش شکل۔ دولتمند۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۲۔ سنیچر مکر لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب جائیداد زرعی و جنگلات۔ دائم السفر ...
اکثر بکار اراضیات پیمائش یا نگرانی یا بیت المال العہد افسری مصروف ہو۔ بالا قد۔ عورات ...
زیادہ ہوں۔ نامور۔ باحوصلہ۔ نیک نام۔

۱۶۳۔ راہو کیت۔ مکر لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب دولت ہو۔ الآمدہ آیو۔ ...
بدن پر نشانات پھوڑا پھنسی ہوں۔ بیمار۔ بعد جوانی نقصانات دولت ہو۔

۱۶۴۔ سورج کنبھ لگن کا اگر خانہ اول میں ہو تو نامور مشہور دولتمند مسافر شادی دیر بعد ہو ...
در ان متعلقات ... پر گذارہ ہو۔ بیمار۔ خوشحال ... دیگر دو دانات بر خلاف ...

۱۶۵۔ چاند کنبھ لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو کم عمر معزز۔ بیمار۔ کم حیثیت۔ دشمن زیادہ ہوں ...

۱۶۶۔ منگل کنبھ لگن کا خانہ اول میں ہو۔ دائم المریض۔ کوتاہ قد فضول خرچ۔ تیز مزاج ...
بعمر جوانی مفلس۔ آخری عمر میں خوش ہو۔ عیاش۔

۱۶۷۔ بدھ کنبھ لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو عقلمند۔ خواہاں عزت۔ ہنرمند۔ دبلا۔ دشمن ...
سے نقصان دولت اٹھاوے۔ صبر میں رہے۔

۱۶۸۔ برہسپت کنبھ لگن کا خانہ اول میں ہو۔ نامور معزز۔ دراز عمر نیک نام۔ جوانی میں
رنج اٹھاوے۔ مگر آخری عمر میں خوش ہو۔ اور دولت بھی حاصل ہو۔

۱۶۹۔ شکر کنبھ لگن کا خانہ اول میں ہو۔ تو عورات زیادہ۔ دشمنوں کی کوشش سے نقصان ...
اوروں کی جائیداد ہاتھ آوے۔ عمر دراز۔ متوسط عمر میں خوشحال ہو۔

۱۷۰۔ سنیچر کنبھ لگن کا خانہ اول میں ہو۔ تو اول حیران پریشان۔ متوسط عمر میں خوشحال ...
بالا قد۔ وسط عمر میں بھائی مر جائیں۔

۱۷۱۔ راہو و کیت کنبھ لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو بدکار بخیل ساڑھ سَتی آیو۔ ناجائز وسائل ...
سے دولت کا وسیلہ آخری حصہ عمر میں کوئی عضو بیکار ہو جاوے۔

۱۷۲۔ سورج مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو عالم شباب میں ماں باپ کا انتقال ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بزرگان سے فائدہ نہو۔ افسران سے بدسلوکی۔ کم عمر۔

۱۷۳۔ چاندر مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو درمیانہ قد۔ ورنہ کم ملے بتوسط عمر۔

۱۷۴۔ منگل۔ مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو تو گرم مزاج۔ صاحب دولت۔ خواہان عزت
جائیداد کے تنازعات۔

۱۷۵۔ بدھ مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو چند عورات۔ دُبلا۔ کم عمر۔ عقلمند۔ ہنر ور
اکثر اوقات پریشان رہے۔

۱۷۶۔ برہسپت۔ مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو عالم فاضل۔ دانا۔ پورن آیو۔ خوش
نصیب۔ فربہ بدن مضبوط خوش شکل ہنرمند عقیل حسین تھا۔ ویدوانگی امراتب واقبال

۱۷۷۔ شکر مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو خوبصورت۔ فضول خرچ۔ وسط عمر میں
دولت ضائع کرے۔

نوٹ:۔ پہلا ویش دیگر رکھیشران سے مخالف ہے۔

۱۷۸۔ سنیچر مین لگن کا اگر خانہ اول میں ہو۔ تو بدصورت بدخصلت۔ ورنہ بزرگان تلف
ہو۔ وسط عمر۔ پریشان مزاج۔

۱۷۹۔ راہ وکیت۔ مین لگن کا خانہ اول میں ہو۔ تو دائم المریض۔ مسافر۔ نادار۔ عمر متوسط

۱۸۰۔ میکھ راس کے چندرماں اور سنیچر ملکر جنم لگن میں ہوں۔ تو دُبلا اور کمزور ہو۔

۱۸۱۔ خانہ اول میں خشک لگن اور خشک گرہ ہو یا خشک گرہ دیکھتا ہو۔ تو دُبلا اور کمزور ہو

۱۸۲۔ جنم لگن کا مالک خشک گرہ کے ساتھ خشک گھر میں ہو تو دُبلا کمزور ہو۔

۱۸۳۔ اگر مالک جنم لگن تر لگن میں ہو۔ اور تر گرہ اُسکے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پورن درشٹی سے
دیکھتا ہو۔ تو مضبوط بدن ہو۔

۱۸۴۔ اگر جنم لگن تر ہو۔ اور اس میں شبھ گرہ ہو یا اوس کو دیکھتا ہو پورن درشٹی
سے تندرست اور توانا ہو۔ فربہ بدن ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸۵- اگر بدھ سے ساتویں گھر میں منگل ہو۔ تو قد دراز ہو۔

۱۸۶- اگر مالک لگن لگن میں ہو یا پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو قد لمبا ہو۔

۱۸۷- اگر سنگھ راس کے سورج بخانہ دہم و مکر راس کے چندرماں بخانہ سوم ہوں۔ تو کوتاہ قد ہو۔

۱۸۸- اگر مالک راس کوتاہ راس میں ہو اور اس کوتاہ راس کا مالک جنم راس کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو قد کوتاہ ہو۔

۱۸۹- جس راس میں چاند ہو۔ اس کا مالک جنم راس کے مالک کیساتھ ہو تو مضبوط اور تندرست ہو

۱۹۰- جنم لگن میں برہسپت ہوں یا پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو تندرست ہو۔

۱۹۱- جنم لگن میں اگر کوئی گرہ بلوان ہو۔ تو تندرست ہو۔

۱۹۲- اگر کیندر میں گرہ شبھ اشبھ مل کر ہوں۔ تو زیادہ تر بیمار رہا کرے۔

۱۹۳- اگر جنم لگن میں سنکر کو سنیچر دیکھتا ہو۔ تو بیماری کان کی ہو۔

۱۹۴- اگر پانچویں گھر میں منگل میں اور اسکو اشبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو بدن مولود میں کوئی عیب ہو۔

۱۹۵- اگر دوم خانہ میں سنیچر اور دہم خانہ میں چاند اور ساتویں گھر میں بدھ ہوں۔ تو بدن کو بہت نقصان پہونچاویں۔

۱۹۶- اگر منگل نیچ لگن میں ہو۔ تو حرکت تپ کی بیماری ہو۔

۱۹۷- اگر چندرماں اور برہسپت کو منگل دیکھتا ہو۔ تو بے شرم ہو۔

۱۹۸- اگر کمزور چاند ہمراہ منگل ۶-۸-۱۲- گھروں میں ہو۔ تو بے حیا ہو۔

۱۹۹- اگر جنم لگن میں بدھ شکر اور ساتویں گھر میں منگل دیکھتا ہو۔ تو بے حیا ہو۔

۲۰۰- اگر جنم لگن میں برہسپت کو منگل دیکھتا ہو۔ تو بے حیا ہو۔

۲۰۱- اگر منگل و چاند ملا ساتویں گھر میں ہوں اور برہسپت پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو باحیا ہو

۲۰۲- اگر منگل۔ بدھ بلوان ہو کر ملجاویں۔ تو دغاباز ہو

۲۰۳- اگر سنگھ لگن میں بدھ ہو اور اسکو اشبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو دغاباز ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۰۴ - اگر چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ خواہ پاپی گرہ اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو دغاباز ہو

۲۰۵ - اگر نائوں یا چہارم گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو دغاباز ہو

۲۰۶ - دسویں یا اٹھویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو دغاباز ہو۔

۲۰۷ - اگر راہ۔ سنیچر۔ منگل یکجا ہوں۔ تو دغاباز ہوں۔

۲۰۸ - اگر چوتھے گھر کا مالک چوتھے گھر میں بلوان ہو۔ یا بلوان ہوکر اوچ گھر میں ہو۔ تو دیانت دار۔ راستباز ہو۔

۲۰۹ - چوتھے گھر کا مالک بلوان ہوکر شبھ گھروں کی درشٹی میں ہو۔ تو راست باز ہو۔

۲۱۰ - اگر جنم رات میں منگل بلوان ہوکر جنم لگن خواہ دسویں گھر میں آوے تو بہادر اور دلیر جنگجو فاتح ہو۔

۲۱۱ - اگر جنم لگن کو برہسپت و شکر دیکھتے ہوں۔ تو خوش قسمت اور راست باز ہو۔

۲۱۲ - اگر مالک لگن بلوان ہوکر شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی پورن درشٹی میں چوتھے گھر میں ہو تو راستباز ہو

۲۱۳ - اگر رات کے جنم میں سنیچر دسویں گھر میں ہو۔ تو بزدل اور بخیل ہو۔ روزگار کمینہ سے فایدہ۔ مساو

۲۱۴ - اگر جنم لگن یا ساتویں گھر میں منگل بلوان ہو تو غصہ ور ہو۔

۲۱۵ - اگر لگنیش بارہویں یا اٹھویں گھر میں ہو۔ تو غصہ ور ہو۔

۲۱۶ - اگر تیسرے گھر میں کیت ہو۔ تو ہمیشہ جھگڑوں میں رہے۔

۲۱۷ - اگر کرک یا برچھک یا مین لگن میں سورج زیر درشٹی منگل ہو۔ تو غم خور ہو۔

۲۱۸ - اگر لگنیش چوتھے گھر میں ہو اور چوتھے گھر کا مالک لگن میں ہو۔ تو رحمدل و عیب پوش و بخشنہار ہو

۲۱۹ - اگر جنم لگن میں بدھ اور ساتویں گھر میں برہسپت ہو۔ تو خوش مزاج اور خندہ پیشانی ہو۔

۲۲۰ - لگنیش نربل ہو تو صورت اوسکی ناپسند عام ہو۔

۲۲ - اگر تیسرے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو تو چور ہو۔ اعلیٰ خاندان کا اپنے گھر میں رذیل اور ونگا گھر ہو

۲۲۱ - اگر چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو چور ہو۔

۲۲۲ - اگر آٹھویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو چور ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۴- اگر منگل اور بدھ ملکر بلوان ہو کر چھٹے گھر میں ہوں۔ تو چور ہو۔

۲۲۵- اگر بدھ منگل ملکر بلوان ہو کر جنم لگن میں ہوں تو چور ہو۔

۲۲۶- اگر برہسپت مین لگن میں خانہ اول میں ہوں۔ تو بدوضع و بدعادت ہو۔

۲۲۷- اگر بارہویں گھر کا مالک مین لگن میں ہو۔ تو بدچلن ہو۔

۲۲۸- اگر نانویں گھر میں شبھ گرہ بلوان ہو۔ تو نیک چلن و نکوکار ہو۔

۲۲۹- اگر مالک راس مین اس میں یا دشمن کے گھر میں ہو۔ تو بدوضع و بدچلن ہو۔

۲۳۰- اگر برہسپت بلوان ہو کر مالک خانہ نانویں کا ہو کر جنم لگن میں ہو۔ تو نیکبخت و نکوکار و عابد ہو

۲۳۱- اگر نانویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو نیک چلن و نکوکار ہو۔

۲۳۲- اگر برہسپت خانہ اول میں ہو۔ تو نیک نہاد اور نیک خیال ہو۔

۲۳۳- اگر مالک خانہ اول مقام کیندر یا ترکون میں بلوان ہو تو نیک بخت ہو۔

۲۳۴- اگر شبھ گرہ شکر کو دیکھتا ہو۔ تو شہوت پرست ہو۔

۲۳۵- اگر شکر برکھ یا تلن لگن میں ہو۔ تو عیاش اور تماش بین اور شائق عورات اور راگ رنگ ہو

۲۳۶- اگر صاحب خانہ دوم پانچویں یا دسویں یا پہلے گھر میں ہو۔ تو شہوت پرست ہو۔

۲۳۷- اگر جنم لگن میں برکھ یا دھن کے سنیچر ہوں۔ تو کم شہوت ہو۔

۲۳۸- اگر ساتویں گھر میں شکر ہو۔ تو عیاش اور شائق عورات ہو۔

۲۳۹- اگر جنم لگن میں طاق راشی کے شکر ہوں۔ تو کم شہوت ہو۔

۲۴۰- اگر شکر کے گھر میں چاند ہو۔ تو کم شہوت ہو۔

۲۴۱- چھٹے یا بارہویں گھر میں آبی راسکے سنیچر ہوں۔ اور ان پر کسی گرہ شبھ کی درشٹی نہ ہو۔ یا مین راس کے سنیچر بارہویں گھر میں ہو۔ تو بدفعل اور بخیل ہو۔

۲۴۲- اگر ساتویں گھر میں سورج ہو۔ تو عورت کا فرمانبردار ہو۔

۲۴۳- اگر سنیچر و بدھ دسویں گھر میں یکجا ہوں۔ تو بخیل ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۴۴- اگر شکر سے چھٹے یا آٹھویں گھر میں سنیچر پڑا ہو۔ تو بخیل ہو۔

۲۴۵- اگر شکر و سنیچر دونوں مگر آٹھویں گھر میں ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو تو بخیل ہو۔

۲۴۶- اگر جنم لگن میں چاند ہو اور سورج و برہسپت یکجا پانچویں گھر میں ہوں تو نامرد ہو۔

۲۴۷ اگر جنم لگن کنیا ہو اور بدھ سنیچر پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں اور سنیچر کے گھر میں شکر ہو تو نامرد ہو۔

۲۴۸ اگر خانہ اوّل میں سنیچر اور ۷ یا ۶۔ یا ۸ یا ۱۲ گھر میں منگل ہو۔ تو بیمار ہو۔

۲۴۹- اگر پہلے گھر میں سنیچر اور بارہویں گھر میں سورج اور ترکون میں چاند ہو۔ تو بیمار ہو۔

۲۵۰- اگر بارہویں گھر میں نربل چاند و سنیچر مل کر ہوں تو مریض ہو۔

۲۵۱ اگر مالک لگن اشبھ گرہ کے ساتھ چھٹے یا بارہویں گھر میں ہو۔ تو مریض و کم عمر ہو۔

۲۵۲- اگر دوسرے گھر کا مالک و سنیچر ہمراہ راہو کے ہوں۔ تو بیماری بادی میں گرفتار ہو۔

۲۵۳- اگر دوسرے گھر کا مالک ہمراہ سورج و سنیچر یکجا ہو۔ تو بھاری روگ ہو۔

۲۵۴- اگر دوسرے گھر کا مالک منگل کے ساتھ ہو۔ تو مریض صفراوی ہو۔

۲۵۵ اگر دوسرے گھر میں شبھ گرہ ہو یا شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو یا دوسرے گھر کا مالک شبھ گرہ کیساتھ ہو یا شبھ گرہ کی درشٹی میں بلوان ہو تو سونو و آرام و آسائش میں زندگی بسر کرے۔

۲۵۶- اگر برہسپت مرنج انس کے ہوں تو بدنصیب ہو۔

۲۵۷- اگر گرہن کے چاند لگن میں اور پاپی گرہ ترکون میں ہوں تو جنم [illegible] سمجھنا چاہئے۔

۲۵۸- اگر ساتویں گھر میں سورج و خانہ اول میں سنیچر اور تیسرے خواہ نانویں گھر میں منگل ہوں معزز خاندان میں بھی جنم لیوے۔ تب بھی پیشہ رذیل اختیار کرے۔

۲۵۹ جنم لگن خواہ لگنیش سے ۶-۸-۱۲ گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو دھرم بدل جاوے۔

۲۶۰- اگر پانچویں اور نانویں گھر میں پاپی گرہ دشمن ہو کر آویں تو دھرم بدل جاوے۔

۲۶۱- اگر دوسرے اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں تو آنکھوں کو نقصان پہونچا دیں۔

۲۶۲- اگر دوسرے یا بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہمراہ شکر ہوں تو ایک آنکھ کو نقصان پہنچے یا نظر کم ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۱۔ دوسرے اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ جنم لگن میں سنگھ کا منگل یا برچھیک راس کا کوئی پاپی گرہ بُرا ہو۔ تو خاندان کو تباہ کر دیوے۔

۲۲۲۔ راہ و منگل شنیچر بارہویں گھر میں ہوں۔ چاند جنم لگن میں ہو تو ہمیشہ بیمار اور فکرمند ہو۔

۲۲۳۔ جنم لگن اور ساتویں اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو عورت اولاد کی موت کا صدمہ ہو

۲۲۴۔ سنگھ لگن میں سورج و راہو ہوں۔ اور چھٹے گھر کا مالک بارہویں گھر میں پڑا ہو۔ تو غیر کے مکان میں رہائش ہو۔ اور کمینہ روزگار ہو۔

۲۲۵۔ ساتویں گھر میں منگل پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بیماری سوزش پیشاب اور نامردی کی ہو۔

۲۲۶۔ دوسرے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو غریب اور نادار ہو۔

۲۲۷۔ ۵۔۹۔۲۔۱۲ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو خوف سزا قید کا ہے۔

۲۲۸۔ جس چاند منگل پاپی گرہ کے گھروں میں ہو۔ تو بدعادت اور چغل خور ہو۔

۲۲۹۔ بدھ و منگل شبھ گرہ کے گھر میں ہوں تو ہنسی ٹھٹھولی کرنے والا ہو۔

۲۳۰۔ چاند ۴۔۷۔۸۔۱۲ گھروں میں ہو کر شکر کو دیکھتا ہو۔ تو بیقرار اور متلون مزاج ہو

۲۳۱۔ منگل۔ بدھ۔ شنیچر و راہو ان کے گھروں کو سورج دیکھتا ہو۔ تو بلند تقدیر ہو۔

۲۳۲۔ جنم لگن میں شنیچر یا راہو ہو۔ خواہ ان گرہوں سے ایک گرہ ساتویں گھر میں دوسرا بارہویں گھر میں یا سورج و منگل ان گھروں میں ہوں۔ تو ہمسایوں کو سخت نقصان پہونچے۔

۲۳۳۔ جنم لگن میں شکر و بدھ نہ ہوں۔ اور کیندر گھر میں برہسپت بھی نہ ہو۔ آٹھویں گھر میں منگل ہو۔ تو تردد ہیں اور سدا روگی و سوگی رہیگا۔

۲۳۴۔ سورج استھان سے دوسرے گھر میں چاند ہو۔ تو سندر روپ۔ میٹھی بانی بلغمی سبھاؤ ہو۔

۲۳۵۔ سورج استھان سے چندرماں کے سوائے اور کوئی گرہ دوسرے گھر میں ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۸۳ - اگر دوسرے چھٹے ۔ دسویں گھر کے مالک ہمراہ شکر خانہ اول میں واقع ہوں اور پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں ۔ تو قہر حاکم یا ظالم سے آنکھ نکال لیجاوے

۲۸۴ - اگر بدھ اور آٹھویں گھر کے مالک کو پاپی گرہ دیکھتے ہوں ۔ تو بہرا ہو ۔

۲۸۵ - اگر چھٹے گھر کا مالک ۶ - ۸ - ۱۲ - گھر میں سنیچر کی پورن درشٹی میں ہو ۔ تو بہرا ہو ۔

۲۸۶ - اگر چھٹے گھر کا مالک ۶ - ۸ - ۱۲ گھر میں ہو ۔ یا ہمراہ بدھ کے جنم لگن میں ہو ۔ تو گونگا ہو ۔

۲۸۷ - اگر مالک خانہ ششم کا بدھ ہو ۔ اور خانہ لگن میں چاند ہو ۔ تو گونگا ہو ۔

۲۸۸ - اگر دوسرے گھر کا مالک ہمراہ برہسپت کے ۶ - ۸ - ۱۲ - گھر میں ہو تو گونگا ہو ۔

۲۸۹ - اگر شکل پکھ کے چاند ہمراہ منگل خانہ اول میں ہو ۔ تو توتلا ہو ۔

۲۹۰ - اگر کرک یا میکھ لگن میں شکر ہوں ۔ تو گونگا ہو ۔

۲۹۱ - اگر سورج و چاند ۔ پاپی گرہ کے ساتھ نویں یا پانچویں گھر میں ہوں ۔ تو لنگڑا ہو ۔

۲۹۲ - اگر دوسرے اور چھٹے گھر کے مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہوں تو دانتوں کی بیماری ہو ۔

۲۹۳ - اگر سنیچر و منگل راہو کے منہ میں ہوں تو ٹونڈا لے ہاتھ کا ہو ۔

۲۹۴ - اگر چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو ۔ اور مالک چوتھے گھر کو پاپی گرہ دیکھتے ہوں تو دیوانہ ہو ۔

۲۹۵ - اگر چھٹے گھر میں سورج منگل سنیچر ملکر آویں ۔ تو شل یا پنگل ہو ۔

۲۹۶ - اگر چھٹے گھر کا مالک سنیچر کے بارہویں گھر میں ہو ۔ اور پاپی گرہ اسکو دیکھتا ہو ۔ تو لنگڑا ہو ۔

۲۹۷ - اگر دسویں گھر کا مالک یا آٹھویں گھر کا مالک پاپی گرہ کیساتھ پانچویں گھر میں ہو تو لنگڑا ہو ۔

۲۹۸ - اگر شکر منگل ۔ آٹھویں گھر میں ہوں ۔ تو غلبہ عارضہ سودا کا کریں ۔

۲۹۹ - اگر جنم لگن میں چاند اور چھٹے یا آٹھویں گھر میں سنیچر ہوں ۔ تو بیمار ہو ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹۹۔ اگر سنیچر یا منگل مالک جنم لگن ہو کر پہلے گھر میں ہوں۔ اور شبھ گرہ کی درشٹی نہ ہو۔ تو ہر ایک طرح عزت آرام۔ دھن کا نقصان کرتی ہیں۔

۳۰۰۔ اگر لگن میکھ یا سنگھ راس میں ہو۔ تو دائم المریض ہو۔

۳۰۱۔ اگر جنم لگن اشبھ اور کرور ہو۔ اور اس میں پاپی گرہ کا نواس ہو۔ یا پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ہمیشہ مرض اسہال (جلاب) دامنگیر رہے۔

۳۰۲۔ اگر لگن میں سورج پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو مولود وطن چھوڑ کر اکیلا رہا کرے۔

۳۰۳۔ اگر لگنیش دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو مولود خوش قسمت اور عابد ہو۔

۳۰۴۔ اگر جنم لگن میں چاند اور برہسپت بلوان ہو۔ تو صاحب اقبال ہو۔

۳۰۵ اگر جنم لگن میں برہسپت و دسویں گھر میں چاند ہو تو سخی اور عابد و پرہیزگار ہو۔

۳۰۶۔ اگر چھٹے اور آٹھویں گھر کے مالک پاپی گرہوں کے ساتھ اگر پہلے گھر میں ہوں۔ تو بدن کو سخت ضرر پہونچاویں۔

۳۰۷۔ اگر جنم لگن کا مالک پاپی گرہ ہو۔ خواہ وہ شبھ گرہ کے لگن میں ہو۔ تو مولود بدکار ہو۔

۳۰۸۔ جنم لگن میکھ میں سورج۔ بدھ۔ اور ساتویں گھر میں تلا کے چاند ہوں۔ تو وہ دیرگھ آیو بڑا دولتمند اور ہر ایک علم ماہر اور جوتشی ہو۔

۳۰۵۔ اگر ایک ایک شبھ گرہ کرکینہ۔ برکھ مین راس میں ہو۔ تو صاحب اقبال اور پرتاپی ہو۔

۳۱۰۔ اگر ان چاروں استھانوں میں سے ایک میں بھی شبھ گرہ بلوان ہو۔ تو اپنے گھر یا خاندان میں سردار ہو

۳۱۱۔ پہلے گھر میں سورج۔ راہو۔ اور دوسرے گھر میں منگل۔ آٹھویں گھر میں سنیچر ہو۔ تو بھائی۔ ماں۔ باپ سب بیمار رہیں۔

۳۱۲۔ جنم لگن میں سورج و سنیچر۔ دوسرے گھر میں منگل ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں چاند ہو تو بھائی ماں باپ بیمار ہوں۔

۳۱۳۔ برہسپت مالک لگن خواہ پانچویں گھر کا ہو کر ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ہو۔ تو گونگا ہو جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۱۴ - تین پاپی گرہ ملکر ایک گھر میں آویں اور تین شبھ گرہ جدا جدا ہو کر الگ الگ گھروں میں آویں۔ تو غریب اور کسی کا غلام ہو۔

۳۱۵ - کرک سورج ساتویں گھر میں ہوں تو اولٹے راستہ چلنے والا ہو۔

۳۱۶ - چندرماں۔ و منگل ملکر کسی گھر میں سنیچر کی درشٹی میں ہوں۔ تو شوم کمینہ۔ بدکار۔ جھوٹھ بولنے والا ہو۔

۳۱۷ - شکر و منگل ملکر کسی گھر میں سنیچر کی درشٹی میں آویں تو زناہ کار اور بے حیا ہو۔

۳۱۸ - بدھ سنیچر ملکر کسی گھر میں منگل کی درشٹی میں آویں تو زناہ کار او بیحیا اور دغا باز مفسد ہو۔

۳۱۹ - شکر سنیچر۔ بدھ۔ ملکر ایک گھر میں آویں یا اور سورج و منگل اونکو دیکھتے ہوں۔ تو زانی اور بدکار ہو

۳۲۰ - منگل بدھ سورج شکر۔ چاندگرہ ملکر ایک گھر میں آویں تو بدکار اور سخت چوری پیشہ ہو۔

۳۲۱ - چھٹے یا آٹھویں گھر میں دھن راس کے بدھ و منگل ملکر آویں۔ تو چور ہو۔

۳۲۲ - چاند منگل۔ راہ سنیچر۔ دھن راس کے چھٹے یا آٹھویں گھر میں ملکر آویں۔ تو نامی چور ہو۔

۳۲۳ - دوسرے چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو غریب اور نادار ہو۔

۳۲۴ - آٹھویں گھر میں منگل نانویں۔ پانچویں گھر میں سورج۔ ببیت ملکا ہوں۔ تو فقیر بھنادار ہو

۳۲۵ - منگل سنیچر۔ ایک گھر میں ہوں۔ تو بے قرار اور پریشان ہو۔

۳۲۶ - سنیچر جنم لگن میں اور لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ خواہ [illegible] ہو کر بارہویں گھر میں ہو۔ تو تنگدست اور نادار ہو۔

۳۲۷ - اگر بارہویں گھر میں سورج پاپی ہو کر بیٹھے ہوں۔ تو دہنی آنکھ میں پھولا ہو۔

۳۲۸ - سنیچر نانویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو زیادہ تر وقت بیماری میں گذرے

۳۲۹ - ۳ - ۷ - ۱۲ - گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو ہمیشہ بیمار رہا کرے۔

۳۳۰ - پہلے گھر میں سنیچر یا راہ اور بارہویں گھروں میں کوئی گرہ ہو اور ساتویں گھر میں سورج یا منگل پڑے ہوں۔ تو خاندان کو برباد کریں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۱۔ دوسرے اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ جنم لگن میں سنگھ کا منگل یا برچھک
راس کا کوئی پاپی گرہ بُرا ہو۔ تو خاندان کو تباہ کر دیوے۔

۲۲۲۔ راہو منگل سنیچر بارہویں گھر میں ہوں۔ چاند جنم لگن میں ہو تو ہمیشہ بیمار اور فکرمند۔ ج

۲۲۳۔ جنم لگن اور ساتویں اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو عورت اولاد کی موت کا

۲۲۴۔ سنگھ لگن میں سورج و راہو ہوں۔ اور چھٹے گھر کا مالک بارہویں گھر میں
ہو۔ تو غیر کے مکان میں رہائش ہو۔ اور کمینہ روزگار ہو۔

۲۲۵۔ ساتویں گھر میں منگل پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بیماری سوزش پیشاب اور نا
کی ہو۔

۲۲۶۔ دوسرے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو غریب اور نادار ہو۔

۲۲۷۔ ۵۔۹۔۲۔۱۲ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو خوف سزا قید کا ہے۔

۲۲۸۔ جس چاند منگل پاپی گرہ کے گھر میں ہو۔ تو بدعادت اور چغل خور ہو۔

۲۲۹۔ بدھ۔ منگل شبھ گرہ کے گھر میں ہوں تو ہنسی ٹھٹھولی کرنے والا ہو۔

۲۳۰۔ چاند ۷۔۸۔۱۲ گھر میں ہو کر شکر کو دیکھتا ہو۔ تو بدکار اور متلون مزاج ہو

۲۳۱۔ منگل۔ بدھ۔ سنیچر کو یا اُن کے گھروں کو سورج دیکھتا ہو۔ تو بلند تقدیر ہو۔

۲۳۲۔ جنم لگن میں سنیچر یا راہو ہو۔ خواہ ان گرہوں سے ایک گرہ ساتویں گھر میں دوسرا بارہویں گ
میں یا سورج و منگل ان گھروں میں ہوں۔ تو سمبندھیوں کو سخت نقصان پہونچے۔

۲۳۳۔ جنم لگن میں شکر و بدھ ہوں۔ اور گیارہ گھر میں برسپت بھی نہ ہو۔ آٹھویں گ
میں منگل ہو۔ تو نردھن اور سدا روگی و سوگی رہیگا۔

۲۳۴۔ سورج استھان سے دوسرے گھر میں چاند ہو۔ تو سندر روپ۔ میٹھی
بولی سبھاؤ ہو۔

۲۳۵۔ سورج استھان سے چندرما کے سوائے اور کوئی گرہ دوسرے گھر میں ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نوٹ:- اگر کوئی یوگ آرشٹ نوارن ہوگا۔ تو یہ دوس دور ہو جاویگا۔

۳۶۷۔ سورج کے ساتھ بارہویں گھر میں منگل ہو۔ تو سورج کو تکلیف ہوگی۔ کیونکہ وہ اس کا متر ہے۔

۳۶۔ سورج اور راہو اگر دوسرے گھر میں ہوں۔ تو بھی دائیں آنکھ میں خلل ہوگا۔

۳۶۔ شکر اور راہو اگر ایک گھر میں ہووینگے۔ تو بھی آنکھوں میں تکلیف ہوگی۔ کیونکہ شکر آنکھ کا سوامی ہے۔ اور راہو اسکے ساتھ ہوکر اوسکو کلیش پہونچاتا ہے۔

۳۷۔ شکر برہسپت سکھ لگن میں تیسرے گھر ہوں۔ اور سورج و منگل دسویں گھر میں ہوں۔ تو گونگا ہو۔

۳۷۔ اگر پہلے اور دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو ماتا کا دودھ نہیں ہوگا۔ اور غیر کے دودھ پر پرورش پاویگا۔ کیونکہ چوتھا گھر کھانے کا ہے اور دسویں گھر سے اوسپر پورن درشٹی پڑتی ہے۔ اس لئے دودھ سوکھ جاوے گا۔ اور لگن بھی کھانے کا مقام ہے۔

۔ جنم لگن میں سورج و سنیچر ہوں۔ اور دوسرے گھر میں منگل ہو۔ اور کیندر استھان پر چندرمان ہو۔ تو بچہ کے دو انگوٹھے ہوں گے اور وہ چھپکا ہوگا۔

۔ سورج اور منگل اگر ایک گھر میں ہوں۔ تو بچہ کی چھ انگلیاں ہوونگی اگر دونیں ہاتھ میں چھ اونگلیاں ہوں۔ تو وہ بمثل راجہ کے صاحب اقبال ہوگا۔

۔ دوسرے گھر میں برہسپت بمنگل۔ راہو ہوں۔ اور ساتویں شکر ہو اور آٹھویں سورج و چاند ہوں۔ تو وہ بچہ شرابی ہوگا۔

لگن بدھ اور شکر ہوں اور برہسپت کیندر میں ہو۔ اور دسویں منگل ہو۔ تو وہ بچہ اعلےٰ اور بزرگ خاندان میں ہوگا۔ اگر گرہ نربل ہوں گے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو وہ بالکل خستہ اور ناکارہ خراب حالت ہوگا۔

٢٧٦۔ اگر کیندر استہان پر بُدھ۔ برہسپت شکر ہوں۔ تو بچہ خوشحال اور خوش بخت ہوگا۔ اگر تینوں گرہوں سے کوئی گرہ بھی کیندر میں نہیں ہوگا۔ تو بد نصیب ہوگا۔

٢٧٧۔ میکھ راشی خانہ اول میں ہو۔ تو مزاج میں حرارت غلبہ۔ خوف جنگ۔ لڑائی

٢٧٨۔ برکھ راشی خانہ اول میں ہو۔ ہر ایک کام کا ابتداء خوبی اور خوشی سے ہو اور عورات سے فائدہ پہونچے۔

٢٧٩۔ متھن راشی خانہ اول میں ہو۔ تو صحت۔ خوشی۔ ابتداء ہر ایک کام با فائدہ خ
کار بار دیوانی نوشت خواند اور تجارت سے فائدہ۔

٢٨٠۔ کرک۔ راشی خانہ اول میں ہو۔ تو حالات نیک۔ تندرستی ہنر مبارک۔ خو
خوش ابتداء ہر ایک کام بخیر ہو۔

٢٨١۔ سنگھ راشی خانہ اول میں ہو تو یاوری طالع اور ابتداء کار نیک
امیداز حکام نیاگان۔ اور فائدہ والدہ۔ فائدہ کاربار

٢٨٢۔ کنیا خانہ اول میں ہو۔ تو طالعمند اور مشغول بکار دیوانی۔ البتہ ک
قدر متحیر اور فسکرمند ہو۔

٢٨٣۔ تلا خانہ اول میں ہو۔ یاوری طالع اور خوشی حصول مراد
فرزندان واولاد

٢٨٤۔ برچھک خانہ اول میں ہو۔ خوف اندیشہ۔ تردد۔ فکر۔ انقلاب حالات
کاموں میں بیخوف اور فائدہ۔

٢٨٥۔ دہن خانہ اول میں ہو۔ تو صحت سلامتی۔ اور حصول مراد نیرگان
شریفاں وامیراں۔ البتہ مزاج میں حرارت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو چھوٹی آنکھ۔ نرم باتیں۔ نیک کام کرنے والا۔ دانا۔ دھن وان۔ نیکنام ہر ایک سے پریتی۔ نرم طبع۔ خوش چال ہو۔

۳۴۶- ہر ایک گرہ تن گھر میں پھل اپنا منش کے سر پر کرتا ہے۔ پہلے گھر میں منگل ہو۔ تو کرودھی اور اہنکاری ہو۔

۳۴۷- بدھ پہلے گھر میں ہو۔ تو کوئی انگ سر پر کا ٹیڑھا یا کمزور ہو جاوے۔

۳۴۸- پہلے گھر میں برہسپت ہو۔ تو تندرست اور سندر روپ ہو۔

۳۴۹- پہلے گھر میں سنیچر ہو۔ تو صورت اچھی نہ ہو۔ نہ دھنوان ہو۔

۳۵۰- بارھویں گھر میں سورج پڑے تو دہنی آنکھ اور اگر چندرماں بارھویں گھر میں ہو بائیں آنکھ کو نقصان پہونچاویں۔ اگر گنیش بلوان ہو۔ یا اور شبھ گرہ سبھ استھان پر بلوان ہوں۔ تو یہ دوش دور ہو جاوے۔

۳۵۱- ۲-۳-۷۔ گھر میں پاپی گرہ ہیں برہسپت اور ۳ گھر کا مالک ہوں۔ تو منش تیج کے بیرج سے ہو۔

۳۵۲- ۳-۷-۱۲۔ گھروں میں پاپی گرہ ہوں تو ہمیشہ بیمار رہیگا۔

۳۵۳ جنم لگن کروڑ ہو۔ اور اوسکا مالک بھی پاپی ہو۔ اور اوس کے گھر میں یا اس کے ساتھ پاپی گرہ ہوں۔ تو ہمیشہ پیٹ کی بیماری سے لاچار رہیگا۔

۳۵۴- جنم لگن میں چاند۔ اٹھویں گھر میں سنیچر ہو تو ہمیشہ بیماری پیٹ سے لاچار رہو۔

۳۵۵ جنم لگن میں سورج پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو منش کا وطن چھوٹ جاوے گا اور ہمیشہ غم میں رہیگا۔

۳۵۶- منگل ۱-۲-۴-۱۰-۱۲- گھر میں ہو۔ تو ہر طرح نقصان پہونچتا ہے۔

۳۵۷ گنیش شبھ گرہ ہو اور بلوان ہو کیندر میں ہو۔ یا شبھ استھان میں ہو کر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو یا لگن میں بلوان ہو تو تمام کاروبار دنیاوی اوس کے پورن ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۵۸۔ سورج ۔ چاند ۔ ملکر پانچویں گھر میں بلوان ہوں ۔ اور برہسپت پورن درشٹی سے اُس کو
دیکھتا ہو ۔ تو تمام کام اُس کے پورن ہوں ۔
۳۵۹۔ درشن یوگ تیسرے گھر میں نیچ گرہ ہو اور اس گھر کا مالک نربل ہو ۔ تو تمام عمر نوکری
اور چاکری غلامی میں گزرے ۔
اگر تیسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر کیندر ترکون میں ہو تو تمام دوش کنڈلی میں گرہوں
کے ناش ہو جاویں ۔
۳۶۰۔ میکی یوگ ۔ جنم لگن میں چاند ہو منگل ۔ راہو سنیچر ۔ بارہویں یا گیارہویں گھر میں ہو ۔ تو
تمام عمر اندیشہ اور فکر و رنج میں گذریگی ۔
۳۶۱۔ تیسرے گھر میں راہو ۔ پانچویں برہسپت چھٹے سنیچر ۔ ساتویں گھر میں سورج دسویں گھر میں
منگل ہو ۔ تو وہ شخص ہمیشہ لوگوں کے فکر اور اندیشہ میں غرق رہیگا ۔
۳۶۲۔ ۔ ۔ گھر میں دھن راس ہو اور بدھ و منگل ایک گھر میں ہو تو چور چالاک ہو ۔
۳۶۳۔ چاند ۔ راہو ۔ منگل ۔ سنیچر ۔ ایک گھر میں ہوں ۔ تو چور ہو ۔
۳۶۴۔ بارہویں چندرماں اور منگل ہو ۔ تو بائیں آنکھ میں خلل ہوگا کیونکہ چندرماں بائیں آنکھ
اور بارہواں گھر اتی اشیہ ہے ۔ اور منگل کھدر گرہ کے ساتھ چاند کلیش میں
ہے ۔ اور اگر سنیچر کے ساتھ ہو تو خلل کم ہوگا ۔
۳۶۵۔ چاند کے ساتھ اگر منگل اور سنیچر دونوں ہوں تو بائیں آنکھ میں خلل زیادہ ہوگا
کوئی اور آرشٹ نوارن یوگ ہوگا تو یہ دوش دور ہو جاویگا ۔
۳۶۶۔ بارہویں گھر میں سورج اور راہو ہوں ۔ تو دائیں آنکھ میں خلل ہوگا کیونکہ سورج
دائیں آنکھ ہے اور بارہواں گھر اشبھ اور کلیش کاری ہے ۔ اور راہو کا سورج
کے ساتھ ہونا زیادہ دوکھ دائیک ہے ۔ کیونکہ وہ سورج کا اتی شترو ہے اور
اسکو ہمیشہ رنج اور نقصان پہونچایا کرتا ہے اسلئے دائیں آنکھ میں ضرور خلل ہوگا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۸۶۔ کمر خانہ اول میں ہو۔ تو کاربند ادر فکر و اندیشہ عورات یا غائب

۲۸۷۔ کنبھ خانہ اول میں ہو۔ تو رنج غم۔ پریشانی۔ اور خوف قید

۲۸۸۔ مین خانہ اول میں ہو۔ تو ابتداء ہر ایک کام بخوبی ہو۔ اور تندرستی وصول ہر ایک مراد۔ شادی ملنا عورات فائدہ از حکام۔

۲۸۹۔ جنم کنڈلی میں چاند اور منگل بارہویں گھر میں ہو۔ تو بائیں آنکھ میں خلل ہوگا کیونکہ چاند بائیں آنکھ سے منسوب ہے۔ اور وہ خانہ نحس میں نحس گرہ سے منحوس ہو گیا ہے۔ اگر چاند کے ساتھ صرف سنیچر ہو خلل کم ہوگا۔ اگر سنیچر و منگل دونو چاند کے ساتھ بارہویں گھر میں ہوں تو خلل زیادہ ہوگا۔

۲۹۰۔ اگر سورج اور راہو بارہویں خانہ ہوں۔ تو مولود کی داہنی آنکھ میں خلل ہوگا کیونکہ سورج داہنی آنکھ سے منسوب ہے۔ اور منحوس خانہ میں راہو کے ساتھ زیادہ نحس ہو گیا ہے۔ چونکہ راہو دشمن سورج کا ہے۔ اسلئے سورج کو اس سے زیادہ تکلیف ہوتی ہے۔ لہذا داہنی آنکھ میں خلل ہوگا۔ اگر راہو نہ ہوتا اور بجائے اسکے منگل ہوتا تو سورج کو تکلیف نہ ہوتی کیونکہ منگل سورج کا دوست ہے

۲۹۱۔ علےٰ ہذا اگر سورج اور راہو دوسرے خانہ میں ہوں۔ تو بھی آنکھ مولود میں خلل ہوگا۔

۲۹۲۔ اگر شکر و راہ ایک خانہ میں ہوں۔ تو بھی مولود کی آنکھ میں خلل ہوگا۔ کیونکہ شکر بھی آنکھ سے تعلق رکھتا ہے۔ اور راہ کی نحوست سے خراب ہو گیا ہے اسلئے جنم مولود کو ضرر پہونچیگا۔

۲۹۳۔ اگر شکر و برہسپت بیکھ راشی میں خانہ سوم ہوں۔ اور دسویں سورج اور منگل ہوں۔ تو مولود گونگا ہوگا۔

۲۹۴۔ اگر برہسپت خانہ اول میں ہو۔ تو عمر مولود دراز ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر برہسپت آٹھویں گھر میں ہو. تو عمر دراز ہو. کیونکہ برہسپت جس گھر میں
ہے. اُس کے منسوبات کو ناس کرتا ہے اور جہاں اوسکی درشٹی ہو
ہے. اوسکی ترقی کرتا ہے.

۳۹۵ - ابھکت مول میں جو بچہ پیدا ہو. تو ہرگز اوس بچہ کو رکھنا نہ چاہئے. اگر رکھ
بھاوے تو اوس کے باپ کو آٹھ برس تک ہرگز اوس بچہ کی صورت نہ
دیکھے. ابھکت مول گھڑیاں ذیل میں لکھی جاتی ہیں بقول نارد جی جیشٹا نچھتر کی
آخیر چار گھڑی اور مولا نچھتر کی اول چار گھڑی کل ۸ گھڑی.
بقول بششٹ جی. جیشٹا کے آخیر کی ایک گھڑی اور مولا کے اول کی
۲ گھڑی کل ۳ گھڑی.
بقول برہسپت جی جیشٹا کے آخیر کی اور مولا کے اول کی نصف نصف گھڑی
کل ایک گھڑی
بقول دیگر آچاریوں کے جیشٹا کے آخیر کی (۵) گھڑی اور مولا کے اول
کی (۸) گھڑی کل (۱۳) گھڑی

۳۹۶ - اگر بچہ مولا نچھتر کے اول چرن میں تولد ہو تو باپ کا اگر دوسرے چرن میں
تولد ہو. تو ماتا کا اگر تیسرے چرن میں تولد ہو. تو دھن دولت کا ناس کرتا
ہے. چوتھے چرن میں کوئی دوش نہیں ہے.

۳۹۷ - اگر بچہ اشلیکھا کے اوّل چرن میں تولد ہو تو اچھا ہے. مگر دوسرے
چرن میں دھن کا ناس تیسرے چرن میں ماتا کا ناس. چوتھے چرن میں
باپ کا ناس کرتا ہے.

مولا نچھتر جہاں رہتا ہے. وہاں زیادہ تر پھل کرتا ہے. بمقامات رہائش
پاتال بہادوں. اسوج. ماگھ بہشت میں.

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ساون۔ کاتک۔ چیت۔ پوہ۔ زمین پر۔
پھاگن۔ مگھر۔ بساکھ۔ جیٹھ۔ پاتال میں۔

۳۹۸۔ لگن میں سورج سنیچر ہوں۔ دوسرے منگل ہو۔ اور کیندر میں چاند ہو۔ تو مولود کے ہاتھ میں دو انگوٹھے ہوویں گے۔ اور وہ چھنگا ہوگا۔

۳۹۹۔ اگر سورج و منگل ایک گھر میں ہوں۔ تو مولود کی چھ انگلیاں ہوویںگی۔ پس اگر پاؤں ہاتھ میں چھ انگلیاں ہونگی۔ تو مولود مثل راجہ کے ہوگا۔

۴۰۰۔ اگر لگن میں چاند و سنیچر ہوں۔ اور ترکون میں سورج اور برہسپت ہوں۔ اور دسویں منگل ہو۔ تو مولود راجہ ہوگا

۴۰۱۔ اگر لگن دہن ہو اس میں سورج اور چاند اور منگل اور برہسپت ہوں۔ تو مولود کے بیاہ کے قریب قبل از شادی باپ اس کا مر جائیگا۔

۴۰۲۔ لگن میں چاند اور شکر ہوں۔ اور تیسرے برہسپت ہو۔ تو مولود اپنے باپ کی کمائی سے اوقات بسر کریگا۔

۴۰۳۔ اگر دوسرے گھر میں برہسپت منگل۔ راہ۔ ہوں۔ اور ساتویں شکر نہ ہو۔ اور آٹھویں سورج اور چاند ہوں۔ تو مولود شرابخور ہوگا۔

راز سوم احکام جنم کنڈلی

خانہ دوم

۱۔ سورج اگر دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو مال مولود نقصان ہو ہمیشہ تنگدستی روزگار رہے۔ جدوجہد سے گذارہ ہو۔ اور مبتلا بہ تکالیف رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۔ چاند اگر دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو صاف بدن و صاف دل، امیر کبیر
بلکہ مالک جواہرات خوشنما۔ اور خوشبودار اشیاء کا شایق عزیزان
خویشاں و عورت

۳۔ منگل۔ اگر دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو زراعت زمین و دیہات
بیوپار و لین دین تجارت کا شایق ہو بتلاشی فن کیمیاگری ہو۔ جو ارادہ
کرے وہ پورا ہو۔

بقول دیگر اگر دوسرے گھر میں منگل ہو۔ تو بے علم و بے دولت
و مسافر و نادار بلکہ تنگدست قرضدار ہو۔

۴۔ بدھ اگر دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو ہمیشہ تلاشی مال و غلہ وغیرہ کا ہو
ہر امر میں غالب اور کوئی اوسکا بدخواہ نہیں ہوگا۔

بقول دیگر۔ دولتمند۔ راست باز۔ و صاحب روزگار۔

۵۔ برہسپت اگر دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو مولود مالدار قبیلہ پرور و خوش دل
و عابد و پرہیزگار و سخی اور دولتمند امیر کبیر ہو۔ اور تمام کام اوس
کے درست ہوں۔

۶۔ شکر۔ اگر دوسرے میں بلوان ہو۔ تو مولود مالدار قبیلہ پرور خوشدل و عالی
اور اس کا خاندان اور جس خاندان میں اوسکی شادی ہو۔ وہ بھی مالدار ہو
جاویں۔ ہر دلعزیز۔ روزگار عمدہ اور شادیاں زیادہ ہوں۔

۷۔ سنیچر۔ اگر دوسرے گھر میں ہو۔ تو مولود ہمیشہ بیمار رہے۔ بدکار بخیل۔ بہت ناقص
پیشہ سے دولت پیدا کرے۔

۸۔ راہو و کیت۔ اگر دوسرے گھر میں ہو۔ تو مولود مکان موروثی سے بیدخل ہو
جاویگا۔ دایم مسافر رہے۔ و دولت کا نقصان ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹- اگر دوسرے گھر کا مالک خانہ اول میں ہو۔ تو نامور اور معزز و نیکنام ہر طرح آرام میں رہے۔

۱۰- اگر دوسرے گھر کا مالک دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو اپنے دھرم کرم میں لائق اور ہر ایک کام میں بافائدہ رہے الا حریص ہو۔

۱۱- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو۔ اور تیسرے گھر میں ہو۔ تو دستی محنت زیادہ کرے۔ بدکار۔ معزز۔ بدعادت چوری میں بدنام ہو۔

۱۲- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ تو ماں سے آرام اور فائدہ پاوے راست گو۔ رحمدل۔ عمر دراز ہو۔ اگر پاپی گرہ بلوان ہو تو والدہ جلدی مر جاوے

۱۳- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر پانچویں گھر میں ہو۔ تو کثیر الاولاد۔ دولتمند نامور۔ خوش طالع ہو۔ مگر بد نفیس۔ اور کچھ بیمار بیقرار رہے۔

۱۴- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر چھیویں گھر میں ہو۔ تو جمع مال و دولت میں ہوشیار۔ اچھا زمیندار۔ دشمنوں پر غالب۔ اگر پاپی گرہ ہو یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو نادار اور تنگدست ہوتا ہے۔

۱۵- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت اوسکی عیاش دولتمند ہو۔ اگر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو عقیمہ ہو۔

۱۶- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو فریبی اور غصہ ور ہو۔ اور عورت اوسکی خودکشی سے ہو۔

۱۷- اگر دوسرے گھر کا مالک جوان ہو کر نویں گھر میں ہو۔ تو نامور اور سخی و فیاض ہو۔ الا اگر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو گداگر اور مفلس و ادھمی ہو۔

۱۸- اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر دسویں گھر میں ہو۔ تو دربار شاہی سے معزز اور دولتمند ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور خادم والدین ہو۔ اگر گرہ پاپی یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو بے قدر اور
بے نشان و نادار و مخالف والدین ہو۔

۱۹۔ اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اپنی محنت اور ہمت
سے امیر کبیر ہو۔ اور نامور لوگوں کی پرورش کرنیوالا فیاض ہوتا ہے۔

۲۰۔ اگر دوسرے گھر کا مالک بلوان ہو کر بارہویں گھر میں ہو۔ تو فریبی اور رنجی دلگیر
ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو یا پاپی کے ساتھ ہو۔ تو زیادہ تر پردیس میں رہے اور ناقص
کاموں میں دھن دولت کا نقصان ہو۔

۲۱ اگر دوسرے گھر میں برکھ راس میں سورج یا سنیچر ہوں۔ تو تنگ چہرہ بے رونق
اور میلا ہو۔ مزاج صفراوی ہو۔ لاعلاج کی تکلیف ہو جایا کرے گی۔ بدکار۔ پاپی اور
پاپی کاموں سے بے اولاد ہو۔ بوجہ عورت دشمنی اور بیماری پیش آوے بیقرار
طبیعت۔ جائداد بزرگان کو نقصان پہنچے ادھرمی۔
دائم السفر۔ بے اعتبار۔ نقصان اوٹھاوے۔ مخالف تعلقات سرکار۔ اور
کسی وقت قسمت یاور ہو اور دولت پاوے۔

۲۲۔ اگر دوسرے گھر میں برکھ لگن کا راہو منگل ہو۔ تو خوردسالی میں خوف موت
یا سخت بیماری بدنام۔ برباد دولت۔ زہردار جانوراں سے خوف۔ زخم بگرد
جسم آتش اور زہر کا خوف۔

۲۳۔ اگر دوسرے گھر میں برکھ لگن کا برہسپت یا شکر ہو۔ تو کلام پر اثر۔ زیادہ خرچ
کرنیوالا۔ کار سرکار میں۔ خوش قسمت۔ واقف قانون۔ مگر قانون سے فائدہ
نہ اوٹھاوے مشہور۔ با اولاد۔ خوش خرم۔ دھرماتما۔ دولتمند۔ محب وطن
عاقل۔ خوش شکل۔

۲۴۔ اگر دوسرے گھر برکھ راس میں چاند یا بدھ بلوان ہو۔ شیریں گفتار۔ غیر ممالک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

زبانیں جانتا ہو. درمیانی عمر میں دشمنوں اور سرکاری حکام وقت سے نقصان اٹھاوے ۔ کاروبار اور ہنر و پیشہ میں ماہر. الا اولاد ہو کر جاتی رہے ۔

۲۵- سورج اگر دوسرے گھر متھن راس میں بلوان ہو. تو صاحب جائیداد زمین ومکانات نقدی و زیورات ہو. پر تاثیر تقریر. وعدہ وفا. الا بیمار مرض آنکھ اور اکثر تنازعات جائیداد پیش آویں۔

۲۶- چاند دوسرے گھر متھن راس میں بلوان ہو. تو دولت اور اولاد سے خورسند اور شیریں زبان الا رذیل دل ہو ۔

۲۷- منگل- اگر دوسرے گھر متھن میں بلوان ہو. تو دولت اونچی اور لوگ چھین لیویں جوانی میں زرعی جائیداد ہو. الا ضعیف العمری میں تباہ ہو جاوے ملازم سرکار ہو. دشمن زیادہ ہوں- اور اُن سے تکالیف اوٹھاوے اوس کی اولاد بھی بےقرار و بیزار ہو۔

۲۸- بُدھ اگر دوسرے گھر متھن میں بلوان ہو. تو کاروبار سے دولتمند ہو شیریں زبان نظر میں فرق ہو. گو وہ مفلس خاندان میں ہو. تاہم اپنی کمائی سے دولت پیدا کرے عالم اور عاقل و خوبصورت ۔

۲[illegible]- برہسپت. اگر دوسرے گھر متھن راس میں بلوان ہو تو صاحب علم و دانا و خوش گذران ہو. الا دولت جمع نہ ہو. اور جوانی میں بمشکل گذارہ کرے۔

[illegible]- شکر. اگر دوسرے گھر متھن راس میں بلوان ہو. خوبصورت و درد چشم و عالم دوست عورات بلکہ دولت اونکو کھلا دیوے. شیریں اور عزیز کلام.

[illegible]- سنیچر. اگر دوسرے گھر متھن راس میں ہو. تو آنکھوں میں بیماری ہو. باوجود آمدنی جائیداد و دولت کے اوس سے فائدہ مند نہو. بے فیض و بخیل ہو. جوانی میں ماں باپ کا انتقال ہو. درمیانی عمر میں خاندان برباد ہو جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۲. راہ کیت۔ اگر دوسرے گھر متھن راس میں ہوں۔ تو بیفہم و نادہ مفلس ہو۔ خوف

۳۳. سورج اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ تو بے فائدہ خرچ۔ بہن بھائی نہ
جائیداد بزرگان کا نقصان نظر میں کمی۔ اولاد دانا اور تند مزاج ہو۔

۳۴. چاند۔ اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ چندنا ہیرا اور تجاویز سے دولت
زمین اور زراعت حاصل ہو۔ والد و والدہ سے فائدہ اٹھاوے نرم
سفید پوشاک۔ عمدہ خوراک۔ جوانی میں باعروج ہو۔ آخری
میں تکالیف دیکھے۔

۳۵. منگل۔ اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ تو نادار بھائی بہنوں کا
کرے بخیل نقصان جائیداد تمام عمر تکالیف میں بسر کرے۔ درمیانی عمر
بلاقصور کسی حاکم سے سزایاب ہو۔

۳۶. بدھ۔ اگر دوسرے گھر کرک راس میں بلوان ہو تو مختلف پیشہ روز گار
کماوے کینہ ور تلون خیال۔ جوانی کے خاتمہ پر قریباً ۳۵ سال
عورت کے ذریعہ روپیہ ہاتھ آوے۔

۳۷. برہسپت اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ تو جوانی میں نادار قرضدار۔ عالم
زبانیں جانتا ہو۔ قانون دان دوست صادق۔ آخری حصہ عمر میں دولت
عزت یا کسی ریاست میں منصب نصیب ہو۔

۳۸. شکر۔ اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ تو اولاد زیادہ۔ اچانک دولت
آوے سواریاں اور اسپ نصیب ہوں۔ گو جائیداد بزرگان کم ہو۔

۳۹. سنیچر اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ دروغ گو۔ ادھرمی۔ بیوفا۔ پریشان
اولاد نالائق۔ بدنصیب۔ بے اعتبار۔ کم نظر۔

۴۰. راہ کیت۔ اگر دوسرے گھر کرک راس میں ہو۔ تو نقصان جائیداد۔ حسد

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خسارہ - بے ہُنر

۴۱ - سورج - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو تو ہر امید میں کامیاب - اراضیات نقدی دولت اور عطائیات شاہی سے ممتاز - پراثر کلام معزز باآرام وسط عمر میں زیادہ خوشحال ہو - الا آنکھیں بیمار ہوں۔

۴۲ - چاند - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - تو نادار غریب - بیماری آنکھ میں مبتلا نقصان دولت خاندان - مقدمات زیادہ۔

۴۳ - منگل - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - گو دولت پیدا کرے لیکن دشمن زیادہ اور ابتداء عمر میں نقصان جائیداد - خاندان میں بیماری تپدق کی ہو - دائیں آنکھ میں کسی وقت خلل۔

۴۴ - بدھ - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - صاحب علم - دانا - اکثر زبانیں جانتا ہو - دولت مند - الا پورا مقروض ہو - موروثی مرض تپدق یا سِل سے ابتدا ہی میں بیمار ہو۔

۴۵ - برہسپت - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - تو گو بہت دولت وراثتاً ہاتھ آوے مگر وہ تمام برباد کرے - بلکہ قرضدار ہو جاوے - جمیع خاندان تحلیل ہو اور عام کام بگڑ جاویں۔

۴۶ - شکر - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - تو خاندان میں عورات زیادہ ہوں۔

۴۷ - مذکور - ترقی - دولت - نرم و شیریں کلام - زمیندار - جائیداد وغیرہ باختیار شروع جوانی میں صاحب اقبال و دولت ہوکر متمول بلکہ امیر کبیر ہو جاوے۔

۴۸ - سنیچر - اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو - تو آنکھیں بیمار ہوں - دانا قرضدار نادار مفلس - ابتدائے عمر میں مقدمات و نقصانات میں مبتلا بہ مصائب و رنج ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۸۔ راہ کیت۔ اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو صاحب دولت اور ناجائز افعال سے روپیہ کماوے دشمن زیادہ ہوں شریر۔ منہ سے بدبو آوے۔ جوانی میں نامہربانی حکام سے سخت رنج اور تکالیف میں گرفتار سرکاری کاموں میں اکثر لوگوں کو دشمن بناکر سخت مشکلات میں مبتلا ہو جاوے۔

۴۹۔ سورج۔ اگر دوسرے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو زبردست کلام۔ جائیداد۔ بزرگان کو تکالیف آخری عمر میں دولت اور زرعی جائیداد پیدا کرے۔ نقصان نور بصارت ہو۔

۵۰۔ چاند۔ اگر دوسرے کنیا راس میں ہو۔ تو خاندان بڑا اور مرد ماں خاندان بکثرت ہوں۔ شیریں کلام۔ گو موروثی جائیداد نہ ہو تاہم وہ خود کثیر الحیثیت جائیداد پیدا کرے۔ اور ہر کام اور پیشہ میں لائق ہو۔

۵۱۔ منگل اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو۔ نادار مزاج۔ زمیندار۔ آنکھ مریض ہوں۔

۵۲۔ بدھ۔ اگر دوسرے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بہین بھائی اور خود امیر اور دوسرے ہوں۔ اچھے کام کریں۔ دلاور بہادر۔ عالم۔ فاضل۔ دانا شیریں کلام درمیانی عمر میں نظر کم ہو جاوے۔

۵۳۔ برہسپت۔ اگر دوسرے گھر کنیا راس میں ہو۔ امیر ہو یا غریب وعدہ وفا ہر کام میں کامیاب۔ ہوشیار۔ زمیندار۔ اعلیٰ خاندان۔ معزز دوست وسط عمر میں ستارہ اقبال روشنی پہ ہو۔ الا خوش قسمتی تھوڑے زمانہ میں متبدل بہ بدقسمتی ہو۔

۵۴۔ شکر۔ اگر دوسرے گھر کنیا راس میں ہو۔ گو عقلمند اور دانا اور راستباز ہو۔ تاہم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوس سے فائدہ نہ اٹھاوے۔ اور نہ تقریر پر اثر ہو۔ نہ دولت ہو۔

۵۵ سینیچر۔ اگر دوسرے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو دروغ گو خطرناک۔ نادار۔ مقدمات میں دولت برباد کرے اور بہت نقصانات اٹھاوے۔ بیوپار میں نقصان اور خسارہ ہو۔ جوانی میں عیاش اور بدکار۔ آخری عمر تنہا ناشاد۔ خاندان میں بربادی۔ لامذہب ولامکان

۵۶۔ راہو۔ کیت اگر دوسرے گھر کنیا راس میں ہو تو داستان گو۔ نادار نقصان رساں خلق اللہ۔ بدنام وسط عمر میں ظلم حکام سے ستایا جاوے۔ جائیداد بزرگان برباد ہو۔ آخر کار گذارہ سے تنگ ہو جاوے۔

۵۷۔ سورج۔ اگر دوسرے گھر تلا راس میں ہو۔ تو مفلس مقروض۔ بدکاری میں نقصان دولت تنزل۔ زوال۔ بوجہ معاملات خاندان اور والدین مبتلا بہ مصائب وتکالیف۔

۵۸۔ چاند۔ اگر تلا راس دوسرے گھر میں ہو۔ وسط عمر میں دولتمند کثیر العیال خاندان درد آنکھ۔

۵۹ مینگل۔ اگر دوسرے گھر تلا راس میں ہو۔ فساد خاندان مبتلا بہ مصیبت اور جائیداد بزرگان برباد ہو۔ خرابی اور قانون دانی میں مشہور۔

۶۰۔ بدھ۔ عالم۔ دانا۔ خوش قسمت نرم کلام۔ نیک نصیب کم نظر۔ اگر دوسرے تلا راس میں ہو۔

۶۱۔ برہسپت۔ اگر دوسرے گھر تلا راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ ہنرمند۔ چند عورات مگر بدنصیب۔ نادار۔ بدنام۔

۶۲۔ شکر۔ اگر دوسرے گھر تلا راس میں ہو۔ تو امیر کبیر۔ دولتمند۔ خوش نصیب شیریں کلام معزز۔ دو والدہ۔ دانا بیوپار میں فائدہ آمدنی زیادہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۳- سنیچر- اگر دوسرے گھر میں تلا راس میں ہو- تو زوال خاندان- پریشان بعمر [illegible]
آخری عمر میں خوش نصیب و صاحب اقبال ہو۔

۶۴- راہو کیت- اگر دوسرے گھر تلا راس میں ہو تو ابتدا میں فساد- خرابی بالتقدر [illegible]
جوانی والدین کا انتقال نقصان دولت مسافر الملک- دشمنوں پر غالب۔

۶۵- سورج- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو بھائی مرجاویں تو لا ولد [illegible]
ابتدا جوانی میں دولت نقصان ہو۔

۶۶- چاند- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- تو دولتمند- معزز مختلف
زبانیں جانتا ہو اولاد کم ہو۔

۶۷- منگل- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- تو جنگاور- جائیداد بزرگان برباد
ہو- چھوٹی عمر میں بدبخت و آخری عمر میں صاحب دولت- بھائیوں
کا دشمن ہمیشہ پریشان و ناشاد۔

۶۸- بدھ- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- نادار قرضدار- دشمن زیادہ- زیادہ
زبانیں جانتا ہو- کم عمر- خاندان برادر کلاں برباد ہو۔

۶۹- برہسپت- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- تو مختلف زبانیں جانتا ہو
شروع جوانی میں ماں باپ کا انتقال ہو- آخری عمر میں نیک نام
دولتمند- شاد کام۔

۷۰- شکر- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- تو معزز- انصاف پسند- شیریں
کلام- عیاش

۷۱- سنیچر- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- تو بد علم- بد دولت
و [illegible] گذارہ کرے- [illegible] اولاد و [illegible] بے اعتبار
مشہور بدنام [illegible] پیشہ

۷۲- راہ کیبت- اگر دوسرے گھر برچھک راس میں ہو- رذیل پیشہ سے دولت کماوے- بدمزاج- فسادی- ظالم- بے رحم- جنگ آور- آنکھوں میں بیماری سوزش- اور آخری عمر میں دولت مند و معزز۔

۷۳- سورج- اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو- تو بڑا نیک نام- دولتمند جائیداد بزرگان اور اولاد بکثرت ہاتھ آوے- سخن قابل قدر باوجود دولت کثیر عادت چوری کی ہو- اولاد نہ ہو- آنکھوں میں آشوب رہے۔

۷۴- چاند اگر دوسرے گھر دھن راس میں بلوان ہو- تو کسیقدر ورثہ بزرگان زر و زمین و مکان ہاتھ آوے محنت دستی سے روپیہ کماوے- آنکھوں سے پانی جاری ہو- کم قیمت- زیادہ غذا کھاوے- بلغمی امراض سے تکلیف زبان دراز۔

۷۵- منگل- اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو- تو جائیداد ہر قسم حاصل ہو- الا پریشان خاطر اور کاربار خاندانی سے مبتلا بہ تکلیف ہو- اور مقدمہ بازی میں نقصان دولت ہو۔

۷۶- بُدھ- اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو- تو عالم فاضل دانا واقف مختلف زبان ہوئے- آخری عمر میں اولاد ہو- عام لوگوں کو نصیحت کرے الا ناحق اور فضول خوشامد کرے۔

۷۷- برہسپت اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو- تو باوجود دولتمند کے فیاض اور نیک نام نہ ہو- راست باز مناسب کلام ہو- الا امراض سینہ سے تنگ- عمر آخر میں گو دولت برباد ہو تاہم نیک نام ہو جاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۸ - شکر - اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو - تو نادار - اچھے کاموں میں
روپیہ خرچ ہو - ہر دل عزیز دوست خاص و عام - خیر عورت کو
گھر میں رکھے - عمر خواہاں آرائش اور دولت غیروں کا ہو -

۷۹ - سنیچر - اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو - تو نقصان دولت اور
جعلساز - غمگین - غمناک - نادار - مفلس - دیوالیہ ہو -

۸۰ - راہ کیت - اگر دوسرے گھر دھن راس میں ہو - تو بد خیال و بد طینت بد شر
کلام - سخی اور جلد بازی سے اپنا کام خود بگاڑ لیوے جائیداد
بزرگان برباد ہو - خود پسند اگر وہ کا آرام نہ پاوے
ضدی مزاج ہو -

۸۱ - سورج - اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو - تو تیز زبان - بدنام - بے
دولت - بیمار درد آنکھ - البتہ آخر عمر میں دولت کماوے
خاندان میں حقیر -

۸۲ - چاند - اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو - تو نادار - نرم گفتار - خویش
اقارب مخالف ہوں - عالم شباب جوانی میں آنکھوں سے پانی
جاری ہو -

۸۳ - منگل - اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو - تو بلند آواز - عورت اور اولاد
کا انتقال ہو - امراض خونی پیشہ عمارت وغیرہ -

۸۴ - بدھ اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو - تو نرم مزاج - کم دولت - شام کے
وقت نظر کم ہو - دستکاری اور ہر فن میں ماہر - پیشہ مقصودی -

۸۵ - برہسپت - اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو تو ابتداء عمر میں شاد کام مگر
آخری عمر میں نادار - وسط عمر میں خوف موت - ابتداء عمر میں اس کی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کلام کا قدر اور عزت ہو۔ مگر آخری عمر میں بے قدر ہو جاوے۔

۸۶ بیشکر۔ اگر دوسرے گھر مکر راس میں ہو۔ تو مخالفوں سے نقصان دولت ہو۔ آنکھ کی پتلی پر پھولا ہو۔ دختراں بمقابلہ پسراں زیادہ ہوں۔ کم دولت۔ اچھے خاندان میں بیاہا جاوے۔ متوسط عمر میں نقصان روزگار کا خوف لیے۔

۸۷ بینچر۔ اگر دوسرے گھر میں مکر راس کا ہو تو اولاد سے محروم۔ آسمانی رنگ آنکھیں متکبر۔ جاہل دروغ گو۔ آبا و دولتمند اور کئی خاندانوں سے وراثت پاوے

۸۸۔ راہ۔ کیت۔ اگر دوسرے مکر راس میں ہو۔ تو ابتدائے عمر میں والدین کا انتقال ہو گفتگو میں دلیر۔ متوسط عمر میں گذارہ سے تنگ ہو کر سفر کرے۔

۸۹۔ سورج۔ اگر دوسرے گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو نادار۔ متوسط عمر میں بدنام۔ کئی رشتہ دار مر جاویں جعلساز ہو۔

۹۰۔ چاند۔ اگر دوسرے گھر کنبھ میں ہو۔ تو کم علم۔ فضول خرچ خویش و اقارب مخالف ہوں۔ آنکھوں سے پانی جاوے۔

۹۱۔ منگل۔ اگر دوسرے گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو دلدار۔ بہادر۔ سر زور جائیداد زرعی پیدا کرے۔

۹۲۔ بدھ۔ اگر دوسرے گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو حلیم و نرم گفتار۔ جائیداد بزرگان نقصان ہو۔ واقف مختلف زبانہا۔ علم ہندسہ اور حکمت میں ماہر۔ آخری عمر میں بیماری آنکھ زنانہ کی ہو۔

۹۳۔ برہسپت۔ اگر دوسرے گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو معقول کلام۔ عالم قانون پیشہ۔ وسط عمر میں ترقی پا کر نامور ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۴۔ شکر۔ اگر دوسری گھر کیندراس میں ہو۔ تو امیر بلکہ جواہرات ہوں۔ لیکن بدعمل اور لڑاکا۔ مسخرا یا نقال ہو۔

۹۵۔ سنیچر۔ اگر دوسرے گھر کیندراس میں ہو تو تقاضا مخالفان سے نقصان دولت۔ دروغگو۔ فائدہ علم سے بے فیض۔ شریر متوسط عمر میں ساخون بیماری دیوانہ ہو نیکی ہو۔

۹۶۔ راہ کیت۔ اگر دوسرے گھر کیندراس میں ہو۔ تو نادار اور نادار خاندان میں بیاہا جاوے۔ مسخرہ۔ یا نقال یا تماشہ گر یا بہروپیہ ہو کیتی تدابیر سے گذارہ کرے۔

۹۷۔ سورج۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو دولت مند اور معقول کلام الا بے اولاد۔ آنکھیں بیمار۔ آخری عمر میں بسبب مخالفت دشمنان نقصان گذارہ کا ہو۔

۹۸۔ چاند۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو بے اولاد۔ چالاک مصنف کتاب زمین بھی پیدا کرے۔ الا متوسط عمر میں نادار ہو جاوے۔

۹۹۔ منگل۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو جائیداد زرگان نصیب نہ ہو باوجود اعلیٰ خاندان کے پیشہ رذیل لوہار و ترکھان پہ گذارہ کرے خواہ مستری ہو۔ دائم المریض۔

۱۰۰۔ بدھ۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو نادار بے دولت ہو۔ خویش اقارب کا انتقال ہو۔ اپنے گناہ اور خطا خود ظاہر کیا کرے۔ متوسط عمر میں رات کو نظر بند ہو جاوے۔

۱۰۱۔ برہسپت۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو نیک خصلت اور عمدہ صلاح کار۔ قابل مشورہ قانون دان۔ وسط عمر میں دولت پیدا کرے اور محسن کش اور مخالف خیر اندیشان ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۲ - گرو۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو شیریں زبان بشائق راگ رنگ۔ عیاش۔
بدکار۔ متوسط عمر میں بذریعہ عورات جائیداد کثیر پیدا کرے۔

۱۰۳ - سنیچر۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو وراثت بزرگان کو نقصان پہونچاوے
آسمانی رنگ آنکھیں ہوں۔ کم علم متلون مزاج متوسط
گذارہ۔

۱۰۴ - راہ ۔ کیت ۔ اگر دوسرے گھر مین راس میں ہو۔ تو جلد بھڑکنے والی
مزاج ۔ ایک آنکھ میں کچھ بیماری ہو۔ سامان دولت سے خوشحال ہو آخری
عمر میں نیکنام ہو۔

۱۰۵ - سورج۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو جائیداد بزرگان برباد
ہو۔ آنکھوں کی بیماری والدین بیمار۔ متوسط عمر میں اپنے کام تیزی طبع سے
خود بگاڑ لیوے۔

۱۰۶ - چاند۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو پریشان اور فکرمند
دبلا۔ کم شریر
" اکثر زبانوں کا شائق متوسط عمر میں عورت اولاد کا انتقال ہو آنکھوں
سے پانی جاری ہو۔

۱۰۷ - منگل ۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو دلیر۔ بہادر۔ دولتمند
سخت مزاج خوش پیشہ۔

۱۰۸ - بدھ۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو حلیم المزاج عالم۔ کم نظر

۱۰۹ - برہسپت ۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ابتداء عمر میں پریشان اور
ناخوش۔ الا آخری عمر میں امیر کبیر۔ راست باز خوش کلام ہو۔

۱۱۰ - شکر۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو نقال یا تماشہ گر یا مسخرہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

واقف چند زبانوں کا۔ جوانی خوش و خرم

۱۱۱۔ سنیچر۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو تو نقصان دولت اور دھرم اپنا چھوڑ دیوے۔ بدقسمت۔ پریشان۔ مبتلا بہ مرض آنکھ ہو۔

۱۱۲۔ راہ۔ کیت۔ اگر دوسرے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو عالم۔ دانا۔ عاقل۔ اخیر عمر میں دولت حاصل ہو۔ الا تکلیف اور ایذا اٹھاوے۔

۱۱۳۔ سورج۔ اگر دوسرے گھر کے مالک کیندر ترکون میں ہوں۔ تو دولت مند ہو۔

۱۱۴۔ اگر چاند سے ۲۔۶۔۷۔۱۰۔۱۱ گھروں میں شبھ گرہ ہوں تو جلدی دولت مند ہو۔

۱۱۵۔ اگر دوسرے گھر کا مالک شبھ گرہ ساتھ کیندر میں ہو۔ تو دولت مند ہو۔

۱۱۷۔ اگر دوسرے گھر کا مالک مقام کیندر، ترکون میں ہوں لیکن بدھ گرہ یا چھٹے گھر کے مالک کے انس ہو۔ تو کمتر دولت حاصل ہو۔

۱۱۸۔ اگر چاروں کیندر میں شبھ گرہ بلوان ہوں۔ تو پورن دولت مند ہو۔

۱۱۹۔ اگر گیارہویں گھر میں کرک راس ہو کر بدھ سنیچر ملکر ہوں۔ تو دولت مند ہو۔

۱۲۰۔ اگر پانچویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ اور سنیچر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو دولت مند ہو۔

۱۲۱۔ اگر پانچویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ اور گیارہویں گھر میں برہسپت ہو تو دولتمند ہو۔

۱۲۲۔ اگر سنگھ کے سورج خانہ اول میں برہسپت کے ساتھ ہوں تو دولتمند ہو۔

۱۲۳۔ اگر منگل اپنے گھر میں ساتھ سنیچر، بدھ کی ساتھ خانہ اول میں ہو تو دولت مند ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۵- اگر لگن کا مالک خانہ اول کا مالک دوسرے گھر میں اور گیارہویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو۔ اور برہسپت پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو بڑا دولتمند ہو۔

۱۲۶- اگر پہلے گھر کا مالک دوسرے گھر میں اور دوسرے گھر کا مالک گیارہویں گھر میں اور گیارہویں گھر کا مالک پہلے گھر لگن میں بلوان ہوں۔ تو بڑا دولتمند ہو۔

۱۲۷- اگر لگن کا مالک شبھ گرہ بلوان ہوکر دوسرے گھر میں ہو۔ تو دولتمند ہو۔

۱۲۸- اگر پہلے اور دوسرے گھر مالکان بلوان ہوکر تیسرے گھر میں ہوں اور تیسرے گھر کا مالک پورن درشٹی سے اونکو دیکھتا ہو۔ تو بھائیوں اور رشتہ داروں اور نقل حرکت سے اور قوت بازو سے دولت حاصل کرے۔

۱۲۹- اگر مالکان خانہ اول و دوم بلوان ہوکر چوتھے گھر میں ہوں۔ اور چوتھے گھر کا مالک پورن درشٹی سے اونکو دیکھتا ہو۔ تو ماں اور اراضیات و مکانات کے ذریعہ دولت حاصل ہو۔

۱۳۰- مالکان خانہ اول و دوم جس گھر میں بلوان ہوکر آویں اور اوسکے گھر کا مالک اونکو دیکھتا ہو۔ تو اوسکے ذریعہ سے دولت حاصل ہو۔

۱۳۱- اگر چوتھے گھر میں سورج بلوان اور شبھ ہوکر شبھ گرہ کے انش میں ہوں تو دولت باپ سے حاصل کرے۔

۱۳۲- اگر دسویں اور دوسرے گھر کے مالکان ملکر بلوان ہوکر کیندر میں ہوں اور خانہ اول کے انش کا مالک بلوان ہوکر دیکھتا ہو۔ تو ابتدا بچپن میں دولتمند ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو بیمار و نادار ہو

۱۸۴ - اگر تمام گرہ شبھ اشبھ - خانہ ۱ - ۷ - ۱۲ - میں آویں تو تمام خاندان مولود تباہ ہو جاوے۔

۱۸۵ - اگر چاند سے دوسرے گھر یا پانچویں گھر میں برہسپت ہو۔ اور آٹھواں گھر خالی ہو۔ تو کمینہ پیشہ پر گذارہ ہو۔

۱۸۶ - اگر تیسرے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو لکڑی اور پھل وغیرہ پر گزارہ ہو۔

۱۸۷ اگر پہلے گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو۔ اور سنیچر ۲ - ۵ - ۹ - گھر میں ہو آٹھواں گھر خالی ہو۔ تو رذیل پیشہ پر گذارہ ہو۔

۱۸۸ اگر میکھ کے چاند کو منگل دیکھتا ہو۔ تو کم حیثیت اور غمناک ہو۔

۱۸۹ - سورج چھٹے گھر - چندرماں آٹھویں گھر - سنیچر بارہویں گھر منگل دوسرے گھر میں ہو۔ تو اولاد یک چشم ہونے کا فی ہو۔

۱۹۰ - دوسرے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو تنگدست اور نادار ہووے

۱۹۱ - دوسرے اور چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو نردہن اور کنگال ہو۔ بلکہ گھر کا مال اسباب بھی نقصان کر دیوے۔

۱۹۲ آٹھویں گھر میں منگل - پانچویں یا نویں گھر میں برہسپت و سورج ملکہا ہو تو نردہن بلکہ چھوٹی عمر میں بھیک مانگنے والا ہو جاوے

۱۹۳ - جم یوگ - ۲ - ۷ - ۱۲ - گھر میں برہسپت بلوان ہو۔ تو مال سوداگری سے بہت لابھ ہو۔

۱۹۴ - اوج استہان ہو کر کوئی گرہ بلوان دوسرے گھر میں ہو اور شبھ گرہ اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو منش مال سوداگری سے دہن جمع کرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۳- اگر پہلے دوسرے گیارہویں گھر میں شبھ گرہ بلوان ہوں۔ اور دوسرے گھر کے انس کا مالک پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو بچپن میں دولت حاصل ہووے۔

۱۳۴- اگر دوسرے گھر کا مالک کیندر ترکون میں بلوان ہو اور گیارہویں میں پاپی گرہ ہو۔ تو دولت مند ہو۔

۱۳۵- اگر گیارہویں گھر کا مالک کیندر یا ترکون سے شبھ گرہ سے اتصال یا دیکھ گھر میں ہو کر یا درشٹ سمبندھ کرتا ہو۔ تو دولتمند ہو۔

۱۳۶- اگر دوسرے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو تو کمتر دولت حاصل ہو۔

۱۳۷- اگر آٹھویں گھر میں شبھ گرہ بلوان ہو۔ تو دولتمند ہو۔

۱۳۸- اگر چھٹے گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو نقصان دولت اور ضرر فرزند پہونچتا ہے۔

۱۳۹- اگر بدھ دوسرے گھر میں ہو۔ اور چاند دیکھتا ہو۔ تو دولت نہ ملے۔

۱۴۰- اگر دوسرے گھر میں سورج ہو اور سنیچر دیکھتا ہو۔ تو دولت مند ہو۔

۱۴۱- اگر دوسرے گھر میں سنیچر ہو۔ اور بدھ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو لڑکے دولت مند بناتا ہے۔

۱۴۲- اگر دوسرے گھر میں نربل چاند ہو اور بدھ اوسکو دیکھتا ہو۔ تو دولت بزرگان کا نقصان کرتا ہے۔

۱۴۳- اگر نربل چاند دوسرے گھر یا اوسکے مالک کو دیکھتا ہو۔ تو نادار اور بیمار ہو۔

۱۴۴- اگر دوسرے گھر میں چاند و منگل ہوں۔ اور سنیچر دیکھتا ہو۔ تو کم گذارہ اور مبتلا بہ درد اعضا و جوڑ ہو۔

۱۴۵- اگر بدھ بارہویں گھر میں ہو۔ تو تکرار و بحث علمی میں نقصان دولت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۶۔ اگر بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو بلا ضرورت اور ناقص معاملات میں نقصان دولت ہو۔

۱۴۷۔ اگر مالک جنم راس نربل ہو۔ اور دوسرے گھر کا مالک سورج کے ساتھ بارہویں گھر مین راسمیں ہو۔ خواہ پاپی گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔ تو مقدمات سرکاری اور سزا سرکاری میں دولت نقصان ہو۔

۱۴۸۔ اگر بارہویں گھر میں دسویں گھر کا مالک دوسرے گھر کے مالک کے ساتھ دشمن کے انس کا ہو۔ تو جرائم اور سزا سرکاری میں نقصان دولت ہو۔

۱۴۹۔ اگر گیارہویں گھر کا مالک بارہویں گھر میں اور دوسرے گھر کا مالک ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ ۔ گھر میں آوے۔ بارہویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں مخالف یا دشمن کے انس کا ہو۔ تو سزاء سرکاری سے نقصان دولت ہو۔

۱۵۰۔ اگر دوسرے گھر کا مالک چھٹے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ مین نگن میں ہو تو سزا سرکاری میں دولت برباد ہو۔

۱۵۱۔ اگر دوسرے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو تو نقصان دولت ہو۔

۱۵۲۔ اگر بارہویں گھر میں دوسرے گھر کا مالک اور بارہویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پہلے گھر کا مالک چھٹے گھر ہو۔ تو سزا سرکاری میں نقصان دولت ہو۔

۱۵۳ اگر دوسرے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور دوسرے گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو نادار ہو۔

۱۵۴۔ اگر سورج مین راس کا ساتھ پاپی گرہ کے کیندر استھان میں ہو تو نادار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۵۔ اگر بارہویں گھر میں بارہویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اعمالی میں نقصان دولت ہو۔ اگر شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اچھے کاموں میں خرچ دولت ہو۔

۱۵۶۔ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل خواہ پاپی گرہ کے انس کا ہو۔ اور چھٹے گھر کے مالک سے اتصال یا سمبندھ کرتا ہو۔ دشمنوں سے نقصان دولت ہو۔

۱۵۷۔ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل ہو کر پاپی گرہ کے انس کا ہو۔ اور ساتویں گھر کے مالک سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو مدعی۔ مقدمہ یا عورت سے نقصان دولت ہو۔

۱۵۸۔ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل ہو کر پاپی گرہ کے انس کا ہو اور پانچویں گھر کے مالک سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو اولاد سے نقصان دولت ہو۔

۱۵۹۔ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل ہو کر پاپی گرہ کے انس کا ہو۔ اور دسویں گھر کے مالک سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو باپ یا بزرگان یا کاروزگار یا حکام سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۰ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل ہو کر پاپی گرہ کے انس کا ہو۔ اور چہارم گھر کے مالک سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو ماں یا اراضیات وغیرہ سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۱۔ اگر مالک دوسرے گھر کا زبل ہو کر منگل سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو بھائیوں اور سزا سے جھگڑوں میں نقصان دولت ہو۔

۱۶۲۔ اگر دوسرے گھر کا مالک زبل ہو کر بدھ سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو دوستوں اور اہل قلم اشخاص سے نقصان دولت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۳-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر برہسپت سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو مصاحبان اور عالم و شرفاء یا فرزندان سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۴-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر شکر سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو عورت سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۵-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر سنیچر سے سمبندھ کرتا ہو تو رذیل لوگوں سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۶-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر راہ، کیت سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو پنچ لوگوں سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۷-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر سورج سے سمبندھ کرتا ہو تو باپ یا حکام سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۸-اگر دوسرے گھر کا مالک نربل ہوکر چاند سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو والدہ یا عورت یا فرزند سے نقصان دولت ہو۔

۱۶۹-اگر دوسرے گھر کا مالک چھٹے گھر میں دشمن گھر کا ہوکر آوے تو دشمنان سے تباہی دولت ہو۔

۱۷۰-اگر میکھ ورگ میں راہو یا شکر۔ چاند کے ساتھ مالک مقام قیام چندرما ں کا دوسرے گھر میں ہو۔ تو بدکاری یا خراب کاموں میں دولت برباد ہو۔

۱۷۱-اگر آٹھویں گھر کا مالک لگن میں اور لگن کا مالک آٹھویں گھر میں ہو تو نادار ہو۔

۱۷۲-اگر دوسرے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں مالک آٹھویں گھر کے ساتھ ہو۔ یا آٹھویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں دوسرے گھر کے مالک کے ساتھ ہو۔ تو نادار ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۳ - اگر بارہویں گھر میں شبھ گرہ اور دوسرے گھر میں پاپ گرہ ہوں۔ تو تنگدست ہو۔
۱۷۴ - اگر نانویں گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ اور بارہویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ اور تیسرے گھر میں بھی پاپ گرہ ہو۔ تو نادار اور مفلس ہو۔
۱۷۵ - اگر مین راس کے سورج ۵-۹ گھر میں ہوں۔ اور آٹھویں گھر میں منگل ہوں۔ تو امیر کبیر کے گھر میں جنم لیوے۔ تب بھی مفلس ہو جاوے
۱۷۶ - اگر جنم لگن کا مالک بلوان ہو کر مالکان ۱-۴-۷-۱۰ کے ساتھ خانہ اول میں ہو۔ تو صاحب دولت ہو۔
۱۷۷ - اگر جنم لگن میں سورج ہو۔ اور برہسپت پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں اور مالک جنم لگن دسویں گھر میں ہو۔ تو دولتمند ہو۔
۱۷۸ - اگر پانچویں اور نانویں گھر میں شبھ گرہ بلوان ہوں تو ہر طرح با آرام اور آرائش و عزت اور دولت سے ممتاز ہو۔
۱۷۹ - اگر دوسرے گھر کا مالک شبھ گرہوں کے ساتھ ۱-۴-۷-۱۰- خواہ دوسرے گھر میں ہو۔ تو مرد مان خاندان بہت ہوں اور دولتمند ہو۔
۱۸۰ - اگر دوسرے گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو کر شبھ گرہوں سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو خاندان وسیع اور دولت کافی ہو۔
۱۸۱ - اگر برکھ و تلا میں سورج ستھن یا برچھک میں چاند میکھ میں سنیچر درگ میں منگل دوسرے گھر میں ہوں۔ تو شخص نادار و مفلس ہو۔
۱۸۲ - اگر گیارہویں گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ ۱-۴-۷-۱۰-۵-۹ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو مفلس و نادار ہو۔
۱۸۳ - اگر دوسرے گھر کا مالک ۶-۸-۱۲ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو بیمار و نادار ہو

۱۸۴- اگر تمام گرہ شبھ اشبھ - خانہ ۱ - ۷ - ۱۲ - میں آویں تو تمام خاندان مولود تباہ ہو جاوے۔

۱۸۵- اگر چاند سے دوسرے گھر یا پانچویں گھر میں برسپت ہو۔ اور آٹھواں گھر خالی ہو۔ تو کمینہ پیشہ پر گذارہ ہو۔

۱۸۶- اگر تیسرے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو لکڑی اور پھل وغیرہ پر گذارہ ہو۔

۱۸۷ اگر پہلے گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو۔ اور سنیچر ۲ - ۵ - ۹ - گھر میں ہو آٹھواں گھر خالی ہو۔ تو رذیل پیشہ پر گذارہ ہو۔

۱۸۸ اگر میکھ کے چاند کو منگل دیکھتا ہو۔ تو کم حیثیت اور غمناک ہو۔

۱۸۹- سورج چھٹے گھر - چندرماں آٹھویں گھر - سنیچر بارہویں گھر - منگل دوسرے گھر میں ہو۔ تو اولاد یک چشم یعنے کانی ہو۔

۱۹۰- دوسرے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو تنگدست اور نادار ہووے

۱۹۱- دوسرے اور چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو نردھن اور کنگال ہو۔ بلکہ گھر کا مال اسباب بھی نقصان کر دیوے۔

۱۹۲ آٹھویں گھر میں منگل - پانچویں یا نویں گھر میں برہسپت و سورج ملکر ہوں تو نردھن بلکہ چھوٹی عمر میں بھیکھ مانگنے والا ہو جاوے

۱۹۳- جمہ یوگ - ۲ - ۷ - ۱۲ - گھر میں برہسپت بلوان ہو۔ تو مال بسوداگری سے بہت لابھ ہو۔

۱۹۴- اوچ استھان ہو کر کوئی گرہ بلوان دوسرے گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو شخص مال سوداگری سے دھن جمع کرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور تجربہ سے پرتاپ والا دھنوان ہو۔

۱۹۵۔ والد ریوگ۔ سنجر جنم لگن میں ہو۔ دسویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ ا
نہ کوئی شبھ گرہ کیندر استھان میں بلوان ہو۔ تونش د
اور زدھن ہو۔

۱۹۶ لگنیش نیچ ہوکر پانچویں گھر میں ہو۔ تو زدھن اور کنگال ہو۔

۱۹۷ لگنیش بارہویں گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو زدھن و کنگا
ہو۔ اگر کوئی شبھ گرہ بلوان ہوکر اوسکو دیکھتا ہو۔ یا چوتھے گھر
ہو۔ تو دوش اس کا دور ہو جاویگا۔

۱۹۸۔ دوسرے گھر سورج اور منگل ہوں۔ تو خود کم گذارہ اور اولاد
کم دولت ہوگی۔

۱۹۹۔ میکھ راشی خانہ دوم میں ہو۔ تو نقصان مال و دولت اور خلل
بار و پیشہ۔ اگر جنم کنڈلی میں بخانہ دوم شبھ گرہ ہوں۔ تو زر سرخ یا
سرخ حاصل ہوں

۲۰۰۔ برکھ راشی خانہ دوم میں ہو۔ تو ترقی مال و دولت و جمعیت خزانہ تر
کار و بار با منافع۔

۲۰۱۔ متھن راشی خانہ دوم میں ہو۔ تو کار و بار با ستقلال ہوں تجا
سے نفع پہونچے۔

۲۰۲ کرک۔ راشی خانہ دوم میں ہو۔ تو ترقی دولت مال و کار و بار پیشہ و
حصول چاندی نقرہ و اشیاء سفید۔ و کامیابی امید۔

۲۰۳ سنگھ راشی خانہ دوم میں ہو۔ تو کار و بار اور احکام سے فائدہ۔ خر
روپیہ بخوشی خود۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۰۴۔ کنیا لگن خانہ دوم میں ہو۔ کاروبار پیشہ میں ترقی امداد اہل قلم حصول مال میں توقف۔

۲۰۵۔ تلا خانہ دوم میں ہو۔ تو ترقی کاروبار و پیشہ

۲۰۶۔ برچھک خانہ دوم میں ہو۔ تو انقلاب حال مولود صحبت امیراں ملنا مال امداد اور اعانت حکام سے۔

۲۰۷۔ دہن خانہ دوم میں ہو۔ تو ترقی مال اور فائدہ خرید فروخت اور خرچ بخوشی دل

۲۰۸۔ مکر خانہ دوم میں ہو۔ تو کاروبار میں ترقی معاملات مشارکتی میں فائدہ۔

۲۰۹۔ کمبھ خانہ دوم میں ہو۔ انقلاب حالت خرید فروخت و مال۔

۲۱۰۔ مین خانہ دوم میں ہو۔ تو روزگار کاروبار ترقی اور عروج عزت و اقبال دوستی با امیراں۔

۲۱۱۔ اگر دوسرے گھر میں سورج اور منگل ہوں۔ تو مولود کم اوقات ہوگا۔

راز چہارم

خانہ نمبر ۳

۱۔ سورج۔ اگر تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو تمام دوشوں ہائے کنڈلی کو دور کرتا ہے۔ اور مال و آرام خانہ داری سے خوشحال رکھتا ہے۔ مولود عالم و عاقل ہو۔ اگر اشبھ حالت میں ہو تو بڑا بھائی زندہ رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲- چاند تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو عاقل وسخی و نیک خصلت اپنی محنت سے دولتمند ہو۔ اگر اشبھ ہو۔ تو بھائیوں سے سکھ نہ ہو۔ اور نہ اخلاق نیک ہوں۔ البتہ ایشور کے بھروسہ پر خوشی رہے۔

۳- منگل تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو بدکاموں کو روکے چوروں کو گرفتار کرے۔ دولتمند صاحب اولاد اور عمر دراز ہو۔

۴- بدھ تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو مولود دروغگو اور ہر کام میں بے اعتبار و ذلیل ہوگا۔ اور بخیل ہو۔ تاہم بھائیوں سے خوش رہے۔

۵- برہسپت۔ اگر تیسرے گھر میں ہو۔ تو دولتمند اور عاقل ہو۔ آلالچی نہ ہو۔ اگر با اختیار حکومت پر ہو۔ تو رعایا پر جرمانہ زیادہ کرے ظالم اور بے رحم ہو۔

۶- شکر تیسرے گھر میں ہو۔ تو مولود کنک رنگ خوبصورت حسین کم خوراک اور در پردہ دان دیوے۔ آلا بزدل و کم حیثیت و شوم بیمار مسیلا رہے۔

۷- سنیچر تیسرے گھر میں ہو۔ تو اپنے بھائی بندوں سے بدسلوکی سسرال کا گھر پیارا ہو۔ استری۔ اولاد و بھائیوں کا سکھ نہ ہو۔ مولود کے بعد جو بھائی بند ہوں۔ وہ زندہ نہ رہیں۔ آلا صاحب روزگار اور مالدار ہو آسودہ رہے گو عام سے ناراضگی ہو۔

۸- راہ کیت۔ اگر تیسرے گھر میں ہوں تو خوش قسمت دولتمند نیک مزاج معزز مصاحب یا امرا ہو۔ کل دوشش کنڈلی کے دور کرے صاحب روزگار و نیک تدبیر ہو۔

۹- سنیچر اگر تیسرے گھر مقامی راس میں ہوں۔ تو بدچلن۔ بداخلاق۔ بد بیماری آتشک وغیرہ میں مبتلا۔ بدنام۔ بدکارہ۔ بےبہرہ اور اگر بھائی ہوں۔ تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ان سے بدسلوکی۔ بڑی نوکری۔ نیچ کام۔ زیور کان کا نقصان ہو مقروض درمیان عمر میں خون کم ہو جاوے بیماری درد کان۔ دشمنوں کے ظلم سے ستایا جاوے۔ اور سزایاب ہو۔

منگل یتھمن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو مثل سنیچر پھل کرتا ہے۔
راہ۔کیت یتھمن راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو مثل سنیچر پھل کرتا ہے

۱۰۔ شکر۔ اگر تیسرے گھر متھن راس میں ہو۔ نامور۔ نیک نام۔ خوش قسمت برادران اور عورات کے ذریعہ حصول دولت ہو۔ عہدہ و منصب حکومت باختیار نصیب ہو۔ شائق راگ رنگ۔ عورت خوش قسمت ملے دو عورات ہوں۔

۱۱۔ برہسپت اگر تیسرے گھر متھن راس میں ہو۔ بھائی بند زیادہ ہوں صاحب نصیب۔ جوانی میں نقصان اوٹھائے۔ فساد عورات موجب نقصان ہو۔ صاحب منصب یا اعلےٰ عہدہ دار ہو۔ غیر زبانیں جانتا ہو متمول امیر ہو۔

سورج۔ اگر متھن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو مثل برہسپت پھل کرتا ہے
چاند۔ اگر متھن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو مثل شکر پھل کرتا ہے۔

۱۲۔ سورج۔ سنیچر۔ راہ۔ کیت۔ اگر تیسرے گھر کرک راس میں ہو۔ خود بیمار بہ مرض آتشک وغیرہ مبتلا۔ آنکھوں کو درد بلکہ عورت بھی مبتلا بہ مرض فساد خون ہو۔ ادنےٰ ملازمت سرکاری ہو۔ ایلا بھائی خوش نصیب ہوں۔

۱۳۔ چاند۔ اگر کرک راس میں تیسرے گھر ہو۔ نکوکار۔ نامور۔ اعلیٰ مرتبہ خواہ وزیر حاکم۔ اعلیٰ روزگار ہو بہنیں زیادہ ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۔ منگل۔ اگر کرک راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائیوں کے حق میں نحس ہے بھائی نہ ہو۔ عورت بیمار مرض خون ہو۔ میلا اور ناپاک رہے بیوہ عورت گھر میں رکھے بغصہ ور۔ کانوں میں بیماری ہو۔ غذا ناقص ہو۔

۱۵۔ بدھ۔ اگر کرک راس میں تیسرے گھر ہو۔ عیاش۔ زناہ کار۔ جذباتی ہوں۔ ڈرپوک۔ رنگساز۔ نقاش۔ بیماری خونی یا آتشک ہو۔ بھائی خوش وخرم ہوں۔

۱۶۔ برہسپت اگر کرک راس میں تیسرے گھر ہوں۔ خوش قسمت۔ لڑکیاں زیادہ ہوں۔ اعلےٰ خاندان میں بیاہا جاوے۔ مقدمات جائداد عورت میں بربادی دولت۔ اور ذلت ہو۔ پیٹ پھول جاوے۔

۱۷۔ شکر۔ اگر کرک راس میں تیسرے گھر ہو۔ اپنی عورت سے خوش وخورم عمر دراز سسرال سے مال پاوے۔ شائق راگ رنگ وسیر ممالک غیر۔ ریاست میں دولت کماوے مشہور۔ نیک نام۔ بیماری دم کشی اور درد گھٹنوں سے تکلیف اوٹھاوے سسرال بھین سے فائدہ اور نام مشہور۔

۱۸۔ سورج سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بہن بھائی زیادہ ہوں۔ دلاور باہمت جوانی تک عمدہ حکومت کرے بارعب اور نقل مقامی کرے۔

۱۹۔ چاند سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو نہایت دھملے اور ڈرپوک اور بے ہمت اس حد تک کہ کوئی گھر کا آدمی یا عورت یا رشتہ دار اس کا خوف نہ مانے۔ خود رائے۔ خودپسند ہوکر بدکار ہوجاویں بہین بھائی زیادہ ہوں۔

۲۰۔ منگل سنگھ راس میں اگر تیسرے گھر ہو تو بھائی بہین مرجاویں۔ بیماری آتشی خونی یا آتشک میں مبتلا ہو۔ حرامی ہو۔ باوجود اس کے البتہ دلاور

مزاج ہو۔

۲۱- بُدھ سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو تو معزز منصب اور نامور ہو۔ اِلّا کمزور و کم ہمت بعمر جوانی تکلیف دیکھے۔ نانکے اُس کی امداد کریں جائداد بزرگان کا نقصان ہو۔ بھائی بہین ہوں۔

۲۲- برہسپت سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ ملائم طبع۔ جوانی کے بعد اعزاز و منصب سرکاری نصیب ہو۔ بھائی بہین زیادہ ہوں۔

۲۳- شکر سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو محب عورات۔ کئی شادیاں ہوں شایق راگ رنگ۔ تنازعات لوگوں کے فیصلہ کرے۔ اِلّا بھائی بہین کم ہوں اور خاندان واقعات موت سنگین ہوں۔

۲۴- سنیچر سنگھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بیمار۔ بدنام۔ بے عزت۔ بہین بھائی مرجاویں۔ درمیانی عمر میں سزایاب ہو۔ سخت تکالیف اور خواری میں مبتلا ہو۔

۲۵- راہ کیت سنگھ راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو بھائی بہینوں کی اولاد کم ہو۔ شہوت سے تنگ اولاد بھائی بہینوں کی ہو کر درمیانی عمر میں مرجاوے سزا کا خوف۔ موت پھانسی یا ذلیل ذریعہ سے ہو۔

۲۶- سورج۔ کنیا راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو بیمار بلکہ خوف مرض تپدق کا ہو بھائی بدچلن ہوں۔ تاہم وہ اول میں صاحب عروج اور پھر جلدی تنگ حال ہو جاویں۔

۲۷- چاند کنیا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو آرام آسائش بہت کم نصیب ہو بھائی زیادہ ہوں۔ آخری عمر میں خوشحال ہو۔

۲۸- منگل کنیا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو تمام عمر بے مزہ اور تکالیف میں گذرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بھائی نہ ہوں۔ اگر ہوں۔ تو بھر جوانی کسی بیماری میں رنج اوٹھاوی
اور مصیبت دیکھے لڑکیاں ہوں۔

۲۹۔ بدھ۔ کنیارس میں تیسرے گھر ہو۔ تو اوّل نادار۔ تنگ حال درمیانی عمر میں غیر ممالک میں دولت پاوے۔ صاحب علم۔ بھین بھائی زیادہ ہوں۔

۳۰۔ برہسپت۔ کنیارس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائی زیادہ ہوں۔ لیکن اون سے سخت نقصان اوٹھاوے۔ اور شائق راگ اور علم خاص باطنی ہو۔

۳۱۔ شکر۔ کنیارس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھینوں کے ذریعہ نصیب یاور ہو عیاشی میں روپیہ برباد کرے۔ خوش صورت سے بدشکل ہو جاوے۔ کئی علوم اور فنون میں ماہر ہو۔ کچھ زمانہ حقیر حالت میں رہے اوس کے بعد جوانی میں معزز اور با اختیار درجہ پاوے۔ مگر وہ جلدی کھویا جاوے۔ باوجود اس کے پھر بھی حکام وقت عزت اور مہربانی سے شاد کام رکھیں۔

۳۲۔ سنیچر۔ کنیارس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو صرف ایک بھائی کم حوصلہ ہو۔ اس کے سبب سے کئی تکالیف پیش آویں۔ جائیداد بزرگان نصیب نہ ہو عورت بدشکل اور بدخیال ملے۔ ماں باپ اوّل عمر میں دادی دادا یا نانی نانا۔ انتقال کر جاویں۔ آخری عمر میں نادار ہو جاوے اور اوس کے اولاد بھی کار دبار سے بیکار ہو جاوے۔

۳۳۔ راہو۔ کیت۔ اگر کنیارس میں تیسرے گھر ہو۔ تو اکیلا ہو بھین بھائی کوئی نہ ہو۔ اپنا اصلی دہرم چھوڑ کر دوسرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دھرم میں جانے کو تیار ہو۔ رذیل پیشہ ہو۔ سفر زیادہ کرے بجوائے نقصان اور ذلت کے کچھ حاصل نہ ہو۔

۳۴۔ سورج۔ تلا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو ہمیشہ فکر اور اندیشہ و نقصان و تنزل درجہ میں مبتلا کسی ارادہ میں کامیاب نہ ہو۔ بیماری درد کانوں سے سخت تکلیف دیکھے۔ بھائی بہین زیادہ ہوں مگر اون سے آرام نہ ہو۔

۳۵۔ چاند۔ تلا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائی بہنوں کا محتاج غیر ملک میں آرام پاوے۔ ادنے ملازمت۔ اور رذیل پیشہ ہو۔ علاوہ دیگر بیماریوں کے مرض آتشک دامنگیر ہو جاوے۔

۳۶۔ منگل۔ کنیا راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ اول تو بہین بھائی نہ ہوں اگر ہوں۔ تو اون سے سخت مصائب دیکھے۔ اور متوسط عمر رنج آلودہ ہو۔ سر اور سینہ میں درد ہو۔ دلاوری اور جوانمردی سے گذارہ کرے۔

۳۷۔ بدھ کنڈلی اس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائیوں سے فائدہ نہ ہو۔ وہ فقیر ہو کر چلے جاویں۔ کم علم۔ کم حوصلہ۔ کم دل جائیداد بزرگان نقصان کرے۔

۳۸۔ برہسپت۔ تلا راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو بد چلن۔ بدکار خیالی شہرہ اور باشش بھائی بندوں کا قاتل۔ ماں۔ باپ کا نافرمان اون سے سخت رنج پاوے۔

۳۹۔ شکر۔ تلا راس میں اگر تیسرے گھر ہو۔ تو راگ و رنگ کا شائق۔ پیغام رسانی یا وکالت و دلالت میں ہوشیار۔ کام حکومت اور تجویز ہمرا

میں خبردار۔ خرچ عورت سے زیر بار ہو۔

۴۰۔ سینیچر۔ تلا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بہین بھائی گو زیادہ ہوں۔ مگر
تکلیف میں اور مبتلا رنج ہوں۔ اور خود بیمار رہے۔ بوجہ بیماری کے
کاموں میں کامیاب نہ ہو۔ اپنے دھرم چھوڑنے یا تبدیل کرنے پر
ہو۔ بدشکل عورات سے محبت ہو اپنی عورت کے فساد میں اوّل دولت اور جا
بزرگاں برباد کرے۔ بعد اوسکے خود جائیداد پیدا کرے اور وہ
ہو جاوے۔ اور لوگوں پر اوسکا رعب ہو۔

۴۱۔ راہ کیت۔ تلا راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بہین بھائی زیادہ
ہوں۔ وسط عمر میں خوشحال اور صاحب اقبال ہو۔ او
اپنے ارادوں میں کامیاب ہو جاوے۔ جوانی میں بیماری کان سے
تکلیف دیکھے۔ آخرکار ہر ایک کام دنیاوی سے پرہیزگار ہو کر
فقیر کامل ہو جاوے۔

۴۲۔ سورج برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ بھائی موجب سخت
تکالیف ہوں۔ غیر ملک میں اقبال یاور ہو۔ اور بھائیوں کو
بھی فائدہ پہونچے۔

۴۳۔ چاند برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ بھائی مر جاویں اور بہین
کے ذریعہ نصیبہ یاور ہو۔ آرام اور آسائش پاوے۔ ابتدا
عمر میں مصیبت پیش آوے۔

۴۴۔ منگل۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ سینہ میں بیماری۔ زنا کار
بخیل جائیداد بزرگان برباد کرے۔

۴۵۔ بدھ۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ بھائی زندہ نہ رہیں بھائی

اور مقدمات میں گرفتار۔ وسط عمر میں زیادہ تر نقصان اوٹھاوے
گو قانون دان ہو۔

۴۶۔ برہسپت۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ عالم۔ فاضل۔ دہر یا تماں
ہنرمند۔ بھائیوں کا پیارا۔ عورت صاحب قسمت اوسکے ذریعہ
نصیب یاور ہو۔

۴۷۔ شکر۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ دو شادیاں ہوں۔ اوسکے بعد
بخت یاور ہو۔

۴۸۔ سنیچر۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ بھائی بند زیادہ ہوں۔ اور بڑا
بردار ہو۔ اُن سے یا اُن کی ذریعہ سے سخت مصائب اور تکالیف
اُٹھاوے۔ اپنا زور یا زور سے دولت دوسروں کی حاصل کرے
البتہ انصاف پسند ہو۔

۴۹۔ راہ کیت۔ برچھک راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو خوف نقصان جائیداد
بسبب فریب اور ناداری حکام سے خوف سخت نقصان اور
تکالیف کا ہو۔

۵۰۔ سورج۔ دھن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دلاور۔ بہادر مشہور نیکنام
دانشمند زبان سرکار بھائی ہوں۔ بیمار خصوصاً مرض آتشک ہو۔

۵۱ چاند۔ دھن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو شایق راگ۔ صاحب دولت
ناتکوں سے فایدہ۔ بھائی زیادہ ہوں۔

۵۲۔ منگل۔ دھن راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دولت دلاوری غصہ
اعزاز دشمن زیادہ ہوں۔ زیر بار روپیہ ہو جاوے بھائی
زندہ نہ رہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۳- بدھ- دھن راس میں تیسرے گھر ہو- تو عالم- فاضل- دانشمند- نیک طبیع بھائی زیادہ ہوں-

۵۴- برہسپت- دھن راس میں تیسرے گھر ہو- تو عالم ہو- مگر اوس سے فائدہ نہ ہو- بھائی زیادہ اور کئی زبانیں جانتا ہو بخر کرے تیرتھ پر رہنا چاہیے-

۵۵- شکر- دھن راس میں تیسرے گھر ہو- شیریں کلام- خوش بخت معزز عورتوں سے روپیہ حاصل ہو- وسط عمر میں بھائیوں کا انتقال ہو-

۵۶- سینچر- دھن راس میں تیسرے گھر ہو- رنج غم- ناداری- تنگ دستی بھائیوں سے نقصان- آخر عمر میں البتہ کسیقدر آرام پاوے

۵۷- راہ کیت- دھن راس میں تیسرے گھر ہو- تو مقدمہ باز- فسادی غصہ زیادہ- گو بھائی زیادہ ہوں- مگر اُن سے فائدہ اور آرام نہ ہو-

۵۸- سورج- مکر راس میں تیسرے گھر ہو- تو بھائیوں سے پریشان مالک ملک سے خوف- مزاج متلون- بے فائدہ نقل حرکت ہو-

۵۹- چاند- مکر راس میں تیسرے گھر ہو- عالم شباب میں دولتمند- راگ میں لائق ہنرمند- نقاش تجارت اور کئی پیشہ ہوں- مگر ضعیفی میں نادار ہو جاوے بہنیں زیادہ ہوں-

۶۰- منگل- مکر راس میں تیسرے گھر ہو- تو بھائی نہ ہو- زبردست اور مقدمہ باز اور مقدمات میں روپیہ کماوے- بیماری خونی بالخصوص مرض آتشک اور ازیں قسم دامنگیر ہو- متوسط عمر میں کچھ آرام پاوے-

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۱۔ بدھ۔ مکر راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو ہنرمند اور دستکار ہو۔ اکا بھائی بند ہوں۔ اور خویش اقارب میں بدسلوکی اور لڑائی جھگڑا ہو عورت اور اولاد سے جلدی دائمی جدائی ہو۔ یا وہ انتقال کر جاویں۔

۶۲۔ برہسپت مکر راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو فرزند ہو کر انتقال کر جاویں دولت نصیب نہ ہو۔ جائیداد و بزرگان پر کئی حملہ ہوں۔ گو بھائی ہوں۔ مگر فائدہ اور امداد نہو۔

۶۳۔ شکر۔ مکر راس تیسرے گھر ہو۔ معزز اور عالم۔ اُستاد امیران دولتمند۔ لڑکیاں زیادہ ہوں۔

۶۴۔ سنیچر۔ مکر راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو مستقل دھرم نہو۔ کئی دھرم اور اعتقاد اختیار کرے۔ غیر ملک میں رہے۔ بھائیوں کو رنج اور غم پہونچاوے۔ اور خود بھی رنج میں مبتلا رہے۔ متوسط عمر میں بخت یاور ہو۔ اور فائدہ پہونچے۔

۶۵۔ راہ۔ کیتت۔ مکر راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائی زیادہ ہوں۔ اور ابتدائے میں صاحب روزگار۔ الا متوسط عمر میں روزگار ترک کرے۔ اور رنج و غم میں انتقال ہو۔

۶۶۔ سورج۔ کنبھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دلاور۔ بہادر۔ ہر ایک کام میں کامیاب۔ نامور۔ نیک نام۔ کئی خادم اور لوگ تابع حکم ہوں۔ بھائی صاحب مراتب ہوں۔ مگر اوس کو فائدہ نہ پہونچاویں نہ اوسکی امداد کریں۔

۶۷۔ چاند۔ کنبھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائیوں کی موت کا خوف بیماری نامردی و دکان۔ بوجہ عورت نقصان۔ خویش و اقارب سے دشمنی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۸۔ منگل کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو کم عمر۔ ڈاکوؤں اور چوروں سے نقصانات ہوں۔ بیمار رہے خصوصاً کان میں درد اور پھوڑا ہو۔

۶۹۔ بُدھ کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو خویش اقارب سے پیار بیماری نامروی ہو۔ متوسط عمر میں روزگار ملے۔ مشہور اور بدنام ہو۔ آخری عمر میں خوش رہے

۷۰۔ برہسپت کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دھرماتماں مستقل اعتقاد عالم فاضل اُستاد۔ دولت مند۔ نامور۔ نیک نام۔ بھائی زیادہ ہوں۔ خوش اور مسخر مزاج آخری عمر میں اعلیٰ مالدار اور قیمتی جواہرات حاصل ہوں۔

۷۱۔ شکر کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو عیاش اور شائق عورات اون سے متوسط عمر میں نقصان اوٹھاوے۔ بلکہ بیماری پیشاب شروع ہو۔ کانوں میں درد اور تکلیف ہو۔ آخری عمر میں نہائیت خوش اور شادماں ہوے

۷۲۔ سنیچر کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو۔ بد فعل۔ زناہ کار۔ کثرت زناہ سے متوسط عمر میں کانوں سے بہرہ ہو جاوے۔ بھائی زیادہ ہوں مگر ان کا آرام نہ پاوے۔

۷۳۔ راہ کیت کینہدراس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دلاور۔ بہادر۔ زناہ کار شائق۔ عورات۔ کئی بھائی ہوں۔ متوسط عمر میں نقصان دولت ہو۔ آخری عمر میں دولت ملجاوے۔ مگر بدنام اور چوروں وڈاکوؤں کا شریک قرار دیا جاوے۔ اور کبھی بدمعاش

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کی امداد میں نقصان دولت کرے۔ عمر دراز ہو۔

۷۴۔ سورج۔ میں راس میں تیسرے گھر ہو۔ بالخصوص اشبھ ہے۔ ماں باپ بیمار۔ خود مرض آتشک گرفتار۔ چھوٹے بھائی کی موت ہو۔

۷۵۔ چاند۔ مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو راگ رنگ کا شائق بھینوں بھائیوں کا پیارا۔ بھینیں زیادہ ہوں۔ درد کان کی بیماری ہو۔

۷۶۔ منگل مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو دلاور۔ بہادر جنگ جو۔ پراکرمی معزز۔ معتبر۔ تند مزاج۔ شراب خورا۔ الاکسیوقت خاص محتاجی کا بارا و بھاوے۔

۷۷۔ بُدھ۔ مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو سمبندھیوں سے مخالف ہو۔ کئی بھائی ہوں۔ تمیزنہ ہو۔ متوسط عمر میں آثار دیوانگی یا جنون نمودار ہوں۔

۷۸۔ برہسپت۔ مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ شروع عمر میں مسافر رہے بھائی زیادہ ہوں۔ نامور اور صاحب دولت ہوں۔ اور خود نادار اور تنگ حال و مبتلا بہ مرض نامردی ہو۔ فصیح الکلام اور مشابہ شکل ہو۔

۷۹۔ شکر مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ سمبندھیوں سے بدسلوکی اور جھگڑا ہو۔ شائق راگ۔ عورات باعث ترقی و دولت اور عزت ہو بھینیں بخانہ دولتمنداں بیاہی جاویں۔

۸۰۔ سنیچر۔ مین راس میں تیسرے گھر ہو۔ سمبندھیوں سے کم توجہی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ادنیٰ پیشہ کرے۔ بے عقل ہو۔ پیشہ زراعت یا زمین اختیار کرے
گمنام اور کم بخت ہو۔ بھائیوں کی موت کا خوف۔

۸۱۔ راہ کیت مین راس میں تیسرے گھر ہوں۔ اول عمر میں معزز اور مشہور۔ ہنرمند ہو۔ متوسط عمر میں اتفاقیہ حادثہ پیش آوے۔ آخری عمر نادار اور مفلس ہو گی بھائی ہوں۔

۸۲۔ سورج میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بڑا کرمی اور دلیر عیاش شہوت پرست عورت کی خاطر نقل حرکت زیادہ کرے۔ بھائی زیادہ نہوں جو ہوں انکو نقصان پہونچے۔

۸۳۔ چاند میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بمقابلہ بھائیوں کے بہنیں زیادہ ہوں۔ خوشی اور نقل حرکت کرے۔ ایک وقت محتاج اور ماتحت ہو کر جلدی اوس سے باہر ہو جاوے۔

۸۴ منگل میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو عیاش اور شایق عورت غیر ہو۔ بھائی زیادہ ہوں۔ مگر اون سے آرام اور آسائش نہ پہونچے

۸۵ بدھ میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائیوں سے ناراض بچپن میں ۱۲۔ برس کے قریب اپنے گھربار سے الگ کر دیا جاوے عمر اول اچھی گذرے آخری میں تکلیف ہو۔ بیماری خصوص درد کان کی شکایت ہو۔

۸۶۔ برہسپت میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو عالم۔ فاضل معزز۔ نامور دولتمند۔ دانشمند بہن بھائی بکثرت ہوں۔

۸۷۔ شکر میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو عزیز واقارب سے صاحب و نمدار شایق راگ۔ بہنیں اور عورات زیادہ ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عمر دراز۔

۸۸۔ سنیچر۔ میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو ضدی۔ جاہل حقیر سست۔ خویش اقارب سے ناخوش تنزل درجہ۔ بھائی نہ ہوں، اگر ہوں تو اُن سے ناراض۔

۸۹۔ راہ کیت۔ میکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ سفر زیادہ کرے۔ لائق اور عقلمند۔ مستعد۔ اپنی کمائی سے دولت جمع کرے۔

۹۰۔ سورج۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بھائی جسقدر ہوں جوانی میں مر جاویں۔ نامور نیک نام۔ دلاور۔ با حوصلہ۔ بہادر متوسط عمر میں بیماری دم کشی ہو۔ تھوڑا زمانہ ماتحتی اور تابعداری کرنی پڑے پھر خود مختار ہو جاوے۔

۹۱۔ چاند۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو پراکرمی اور دولت مند معزز مختلف پیشہ اختیار کرے۔ خوش رہے۔ بھینیں بمقابلہ بھائیوں کے زیادہ ہوں۔ چند عورات ہوں۔ ہنرمند۔ کچھ زمانہ تک پیشہ ذلیل ہو۔

۹۲۔ منگل۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بیقرار اور پریشان۔ متلون مزاج اور مقام رہائش نقل کرے بھائی نہ ہوں تسلوی مشکل سے آخیر عمر میں ہو۔ متوسط عمر میں حادثہ بیماری دیکھے۔

۹۳۔ بدھ۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو ہر طرح آرام و آسائش نصیب ہو دانا۔ نقاش۔ دُبلا کئی بھائی ہوں۔

۹۴۔ برہسپت۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ صاحب علم و ہنر و مستعد۔ دھرماتما۔ عورت نیک بخت۔ اوس کے ذریعے مال ہاتھ آوے اور دولت ملے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۵۔ مکر۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو فاضل اور سوداگر غیر ممالک میں اراضیات اور مکانات سے آرام و آسائش پاوے اور عیاش ہو۔

۹۶۔ سنیچر۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو کم حوصلہ بزدل۔ ڈرپوک خوشامدی بھائی ہوں۔ شادی بہت دیر بعد ہو۔

۹۷۔ راہ کیت۔ برکھ راس میں تیسرے گھر ہو۔ تو بہت جاہل۔ کمزور۔ بدکار۔ زانی بعمر جوانی بیماری کان ہو۔ بھائیوں کی موت کا خوف۔

۹۸ مالک خانہ اول بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو۔ خواہ تیسرے گھر کو بنظر کامل دیکھتا ہو۔ تو بھائیوں کا پیارا۔ اور زیادہ تر سفر میں رہے۔

۹۹۔ مالک خانہ اول تیسرے گھر میں اور تیسرے گھر کا مالک خانہ اول میں ہو۔ تو بھائی بندھوں سے محبت اور خوش ہو۔ اور صاحب تدبیر ہو۔

۱۰۰۔ تیسرے گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو۔ تو وہ آدمی مقدمہ باز۔ لڑائی کرنیوالا۔ احمق۔ دوستوں کا دشمن اور بدمزہ طبع ہوتا ہے۔

۱۰۱ اگر تیسرے گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو مفلس نادار الپ آیو ہوتا ہے۔ اگر پاپ گرہ ہو۔ تو بھائی بندھوں کا مخالف اور روپیہ سے محروم ہو۔ اگر شبھ گرہ ہو۔ تو متوسط حیثیت اور گذارہ کا آدمی ہو۔

۱۰۲۔ اگر تیسرے گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو مستقد مزاج۔ گورو۔ برہمن۔ دیوتا کا معتقد۔ بھائیوں سے فائدہ مند اور خوشحال ہو۔

۱۰۳۔ تیسرے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو ماں باپ کا مخالف اور دکھ دائی۔ زمین و دولت آرام کو ہر طرح نقصان دیتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۔ سورج۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بزرگان کی وراثت جائیداد نصیب ہو۔ عالم شباب میں انتقال والدہ ہو۔ وسط عمر میں تکالیف اٹھاوے اور ناکے گھر کو زوال دکھلاوے۔ جائیداد بزرگان سواریاں سے فائدہ نہ پہونچے۔ بلکہ منصب اور اختیارات حکومت با اختیار سے خلاف جان ہو۔ آرام آسایش جاتا ہے۔ جائیداد کو نقصان پہونچے۔

۱۸۔ چاند۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو تمام دولت جو ابتدا میں جمع ہو جاتی ہے۔ رنج اور مصیبت اٹھائے۔ بھائیوں کا انتقال ہو۔ پھر آخر زمانہ کسقدر آرام و آسائش سے بسر کرے۔

۱۹۔ منگل۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو تو کم جائیداد۔ مکانات اور اراضیات کافی نہ ہوں۔ بیماری سے بدن ڈھیلا ہو جاوے۔ ماں بیمار۔ نانکے تنگ و لاچار۔

۲۰۔ بدھ۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو عالم شباب جوانی میں والدہ کا انتقال ہو۔ اور اس کے بعد جوانی میں صاحب دولت و عزت اور خوم ہو۔ کئی اقسام کی تجارت کرے۔ نانکے دادا و دیوان اور ان کا عزیز ہو۔

۲۱۔ برہسپت۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو حضور کشادہ دل۔ عالم فاضل اور مہربان رحیم۔ جائیداد ہر قسم ترقی اور مکانات شاد کام ہو۔ ہر طرح کی آسائش ہو۔ اور والدہ اور ہر ایک کام میں کامیابی نصیب ہو۔ مستقل مزاج۔

۲۲۔ شکر۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو ہر کام میں ترقی عورتوں و دوست و دنیا میں ماہر ہو۔ اور مختلف عہدوں سے کامیاب ہو۔ خوش مزاج بھائی نیک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خوش اور اونکی امداد سے ممتاز۔ درمیانی عمر میں اقبال ترقی پر ہو۔ مقامات
خوشرنگ و آرام آسائش نصیب ہو۔ ہر ایک امیدان میں کامیابی

۲۳۔ سنیچر۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو زیل پیشہ پر گذارہ ہو۔ بچپن میں
موت والدہ کا خوف۔ نانکیوں کا نقصان۔ دشمن زیادہ
سُست۔ جائیداد بزرگان کا نقصان۔

۲۴۔ راہ کیت۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بھائیوں اور رشتہ
داروں سے دشمنی اور بگاڑ ہو۔ جائیداد نہ ہو۔ اگر ہو۔ تو نقصان
ہو جاوے تھوڑا زمانہ اقبال یاور ہو۔
پھر پستی اور ذلت آجاوے۔ اچھے مکانوں میں رہائش نہ ہو۔ نہ
انجام کاربار کامیابی ہو۔

۲۵۔ سورج چوتھے گھر کنیا لگن میں ہو۔ تو شاعر۔ سیر سفر۔ دوست
اہل قلم محنت سے فائدہ نہ ہو۔ مکانات کا آرام اور آسائش نہ ملے
بجائے دوسریوں کے روپیہ دینا آوے انجام کام
ہر ایک کام اچھا ہو۔

۲۶۔ چاند۔ چوتھے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عالم۔ نامور۔ فنون سنگاری
اور نو ایجادیں میں لائق ہنرمند۔ رشتہ داران والدہ سے فائدہ
اُٹھاوے۔ جائیداد بزرگی کو ترقی دیوے۔ حکام وقت میں اعزاز
اور تعظیم پاوے۔

۲۷۔ منگل چوتھے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو تمام عمر با تکلیف گذرے ہر
کام میں ناکامی ہو۔ بدن سے کوئی عضو بیکار ہو۔ بھائیوں بھینوں
سے مخالفت۔ جائیداد برباد ہو۔ ماں باپ اور سکے رشتہ دار مر جاویں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بچپن سے نقصانات شروع ہوں۔

۲۸۔ بدھ اگر چوتھے گھر کنیا راس ہو۔ عالم۔ دانا۔ ہنرمند علم مندر میں
علم شباب جوانی میں فروغ پاوے الا مستقل سکونت نہ ہو
دولتمند ہوں۔

۲۹۔ برہسپت چوتھے گھر کنیا راس میں ہو۔ صاحب علم و اقبال و عمر
درمیانی عمر میں زمین۔ مکانات۔ سواری گاڑی وغیرہ نصیب
رشتہ داران مادر سے فائدہ پہونچیں۔ عیاش اور زنانہ کار
کئی عورات ہوں۔

۳۰۔ شکر چوتھے گھر کنیا راس میں ہو کئی ہنروں میں ماہر ہو۔ اور بعد
مشہور ہووے جائیداد بزرگان برباد۔ اگر پھر خود جائیداد
پیدا کرے۔ رذیل خیال اور ذلیل کام ہوں۔ اکثر مسیدوں میں نا
رہے۔ لڑکیاں زیادہ ہوں۔

۳۱۔ سنیچر چوتھے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو اپنے دہرم کا پابند نہ ہو۔ نہ جائیداد
مکان کا آرام نصیب ہو بچپن میں رشتہ داران والدہ مرجاویں۔

۳۲۔ راہو کیت۔ چوتھے گھر کنیا راس میں ہو۔ تو ماں۔ باپ کو تکلیف
پہونچاوے۔ نادار مفلس مختلف زبانوں سے ماہر

۳۳۔ سورج چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو تمام خاندان اور جائیداد کو نقص
پہونچاوے۔ اراضیات اور جائیداد بزرگان برباد کرے۔ مکانات
سواری ضائع ہوں۔ اقبال اور ناموری خاندان میں زوال
آوے بچپن میں ماں باپ مرجاویں۔

۳۴۔ چاند چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو ہنرمند۔ کمتر۔ حیثیت۔ تھوڑی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

زمین اور ناکامی مکان۔ نانکیوں میں موت۔

۳۵۔ منگل۔ چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو دلاور۔ خوش مزاج۔ جوانی کے بعد گذارہ اچھا ہو جاوے اور آرام پاوے زبان آور ہو۔ ورنہ ابتدائے عمر میں نہ گھر نہ مکان نہ زمین نہ آرام نہ سواری اور دوسروں کا محتاج اور تابعدار۔ ماں۔ باپ کو تکلیف۔

۳۶۔ بدھ اگر چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو مسافر۔ جہان گشت شاہی خدمت نہ ملے۔ بے فائدہ تجارت میں نقصان جائیداد کی بربادی بدنام نا شاد علم ہنر اور حکمت میں ماہر لیکن نادار اور کمتر۔ بھائیوں سے فائدہ نہ ہو۔

۳۷۔ برہسپت۔ چوتھے گھر تلا راس میں ہو تو دشمنوں کے مقابلہ میں شکست ہو۔ رشتہ داران والدہ کا دشمن۔ فرضدار۔ متلاشی روزگار زمین اور جائیداد برباد کرے۔

۳۸۔ شکر۔ چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو چراغ خاندان۔ سواری گاڑی زمین نصیب ہو۔ زمانہ اول اچھا اور خوشی سے گذرے پھر پریشانی اور حیرانی ہو۔ زبان سرکاری کا واقف۔ ماں۔ باپ سے آرام۔ آسودہ۔

۳۹۔ سنیچر چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ عورت خوش شکل نہ ہو بچپن میں ماں باپ کا انتقال ہو۔ اور بہین بھائی جوانی میں مرجاویں مستقل رہائش یا مکان رہائش نہ ہو۔ نہ زمین نہ سواری نہ گذارہ معاش کی کوئی خاطر خواہ صورت ہو۔ جو ہو وہ ضائع ہو جاوے البتہ مدہ آیو کے بعد خوشحال ہو۔ اولاد صالح نصیب خودکشی امیدوں میں ناکامیاب اور مایوس ہو۔ لاچار اور دوں کا تابعدار ہو کر گذارہ کرے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۰۔ راہ کیت۔ چوتھے گھر تلا راس میں ہو۔ تو ہر طرح ابتری اور خرابی
پیش آوے۔ جوانی میں تکلیف اور مصائب دیکھے۔
سواری کے گرنے سے کوئی عضو کمزور ہو جاوے۔ بھائی بہن
والدہ کو برباد کرے۔

۴۱۔ سورج۔ چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ تو نامور اور جائیداد بزرگان پر
قبضہ پاوے لیکن اوسکا آرام اور فائدہ نصیب نہ ہو نیز سو
عمر میں خوشحال ہو۔ ہر امر میں فتح نصیب ہو۔ والدین کی عمر
دراز۔ اور اون سے نقصان مال ظہور میں آوے۔

۴۲۔ چاند۔ چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ تو عالم شباب میں والدہ کی
موت ہو۔ نہ گھر ہو۔ نہ زمین۔ کسی اور خاندان میں متبنیٰ بنایا جاوے
بیوپار اور تجارت دور دراز ممالک سے فائدہ اوٹھاوے
خود زمین اور مکان پیدا کرے ہوشیار اور چست
مزاج ہو۔

۴۳۔ منگل چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ نہ زمین اور نہ ملازمت پر گذارہ
ہو۔ متوسط عمر میں والدہ کو تکلیف یا موت ہو۔ جائیداد باپ اور بزرگان
سے فائدہ نہو بھائیوں سمبندھیوں کی بہتات سے دولتمند اور نیکنام ہو۔

۴۴۔ بدھ چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ کم علم۔ خواہان عزت۔ نانکوں
کو نقصان پہونچے۔ جائیداد بزرگان برباد کرے۔ الا آخر
عمر میں پھر جائیداد پیدا کرے۔

۴۵۔ برہسپت چوتھے گھر برچھک راس میں ہو تو معزز۔ عالم۔ فاضل صاحب
جائیداد و زمین۔ مکانات نصیب ہوں۔ خلیق۔ قانونی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منصف مزاج۔ ڈھنگ۔ حکومت خوب جانتا ہو۔ بذریعہ علم روپیہ کماوے۔ آخر عمر میں کامیاب اور ترقی پاوے خوشحال رہے۔

۴۶۔ شکر چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ عیاشی میں نقصان کرے جائیداد کرے۔ ہنر مند کاروبار میں ہوشیار۔ عالم۔ فاضل متوسط عمر تک خوش و خورم رہے۔ اوسکے عروج میں زوال آوے کئی تکالیف اور مصیبتیں پیش آویں۔

۴۷۔ سینچر۔ چوتھے گھر برچھک راس میں ہو۔ تو جائیداد زمین برباد ہو جوانی میں والدین کا انتقال ہو۔ بے قرار اور پریشان رہے سخت محنت سے دولت پاوے۔ اور خود جائیداد پیدا کرے۔ مگر متلون مزاج ہو اس لئے اپنے ارادوں کو پورا نہ کر سکے۔

۴۸۔ راہ کیت۔ چوتھے گھر برچھک راس میں ہوں۔ تو دور دراز غیر ملک میں سفر کرے کئی کام مفید اور روزگار و عہدہ پاوے تاہم خوشحال نہ ہو۔ نہ آرام مکان اور زمین نصیب ہو۔ نہ خاندان والدہ کو اقبال اور عروج میں آنے دیوے بلکہ اونکو زوال دکھاوے۔

۴۹۔ سورج۔ چوتھے گھر دہن لگن میں ہو۔ تو نامور معزز۔ عالم فاضل عمر دراز۔ صاحب جائیداد۔ ایشور سے ڈرنیوالا۔ سرکاری زبان سے واقف۔

۵۰۔ چاند۔ چوتھے گھر دہن راس میں ہو۔ تو عالم شباب میں انتقال والدہ ہو۔ کاروبار میں ہوشیار تجارت میں ماہر۔ متوسط عمر میں مصائب اور تکلیف پیش آوے۔ کسی خاص تجارت پر گذارہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۱ ۔ منگل چوتھے گھر دہن راس میں ہو۔ تو سفر دور دراز کرے غیر
میں نامور۔ اور نیک نامی حاصل کرے۔ ناتکیوں کے ذریعہ فا
تیر اندازی میں تعلیم پاوے۔ متوسط عمر میں ماں مرجاوے۔

۵۲ ۔ بُدھ چوتھے گھر دہن راس میں ہو۔ تو صاحب علم و عقل و دولتمند
عمر دراز مالک زمین و مکانات خوش رنگ۔ والدہ سے فائدہ اٹھ

۵۳ ۔ برہسپت چوتھے گھر دہن راس میں ہو عمر دراز۔ عالم فاضل زمین
مکانات سے خوش۔ متوسط عمر سے زیادہ تر آرام اور آسائش
نصیب ہو۔ باوجود اس کے نیکنام نہ ہو۔

۵۴ ۔ شکر۔ چوتھے گھر دہن راس میں ہو۔ تو زمین اور مکانات خوشنما
و خوش حیثیت چند سواریاں۔ متوسط عمر میں دولتمند۔ اوسی زمانہ
والدہ کا انتقال ہو۔

۵۵ ۔ سنیچر چوتھے گھر دہن راس میں ہو۔ شروع عمر میں جائیداد بزرگان
برباد کرے مگر پھر خود پیدا کرے۔ معزز ہو۔ تاہم غم آلودہ اور
مبتلا بہ مقامات ہو۔ ناتکیوں کو نقصان پہونچاوے۔

۵۶ ۔ راہ کیت۔ شروع عمر میں مسافر ہو۔ اور مختلف مقامات پر جاکر
رہائش اختیار کرے۔ خوشی و رنج یکے بعد دیگرے پیش آوے۔ نوکری
خاص گذارہ آمدنی ہو۔ خاندان ناتکے کو نقصان پہونچاوے

۵۷ ۔ سورج چوتھے گھر مکر راس میں ہو تو بچپن میں ماں باپ مرجاویں۔ در
بزرگان مکان نصیب ہو۔ نامور۔ نیکنام بمشکل سے امیدوں میں کامیابی ہو

۵۸ ۔ چاند۔ چوتھے مکر راس میں ہو۔ تو صاحب زمین اور دولتمند۔ ناتکے مخالف

۵۹ ۔ منگل۔ چوتھے گھر مکر لگن میں ہو۔ نادار۔ مریض۔ قرضدار۔ متوسط عمر سے ذلیل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور مصیبت زدہ ہو۔ جائداد بزرگان نقصان ہو۔ بدنام۔

۶۰۔ بدھ چوتھے گھر مکر راس میں ہو۔ تو باوجود ہنرمندی و کام دستکاری
کے دوسریوں کے مال پر گذارہ ہو۔ آخر عمر میں تنگدست اور نادار
ہو جاوے۔ جائداد اور ماں باپ کا آرام نہ ہو۔

۶۱ برہسپت چوتھے گھر مکر راس میں ہو۔ نامور سخی۔ مکانات۔ رفاہ عام
مسافرخانہ اور عبادتخانہ تعمیر کرے۔ عالم شیریں کلام۔ پرتاثیر کلام
خوش بخت۔ ہر ایک کام کا انجام کامیابی ہو۔

۶۲۔ شکر چوتھے گھر مکر راس میں ہو۔ تو معزز مشہور راگ اور رنگ کا
شایق۔ محبت عورات کی سواریاں۔ صاحب جائداد و مکانات خوش حیثیت
جادوگری کا قائل۔ زبان اور عالم شاہی میں نام۔ عمر آخر میں تکالیف برداشت کرے

۶۳۔ سنیچر۔ چوتھے گھر مکر راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور لیاقت ہو۔ باوجود اس کے
جائداد بزرگان اور ورثہ کا نقصان ہو جاوے اور بالکل نادار ہو جاوے اپنی بد اعمال اسکو ذلیل کرینگی

۶۴ راہ کیت۔ چوتھے گھر مکر راس میں ہر طرح کا نقصان کرتی ہیں اور کئی قسم
کے رنج دکھلاتے ہیں تمام عمر رنج اور آزار میں بسر ہوتی ہے۔ جا بجا مارا کشت غم
میں گشت کرتا ہے۔ خویش اقارب سے رنج پہونچتا ہے۔ بیماریاں دامنگیر
رہتی ہیں۔ بیفائدہ خرچ اور کئی مصائب کا سمبھالنا پیش آتا ہے۔

۶۵ سورج۔ چوتھے گھر کمبھ راس میں ہو۔ تو جائداد بزرگان برباد ہو۔ اپنے
سمبندھیوں کو فائدہ نہ پہونچاوے۔ بچپن میں ماں باپ کا انتقال ہو۔ علم
شاہی میں واقف اور متوسط عمر میں عہدہ و منصب سرکاری نصیب ہو۔

۶۶ چاند۔ چوتھے گھر کمبھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم ہو۔ بچپن میں ماں باپ فوت
ہو جاویں اور ان کے آرام سے محروم ہو جاوے جائداد میں مکانات پیدا کرے کئی شا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تک پیشہ ملازمت سرکاری ہو۔ بعد اوسکے پیشہ تجارت اختیار کرے سود گ

۶۷۔ منگل چوتھے گہر کیندر اس میں ہو۔ تو تمام متعلقین کو عذاب اور رنج

والدہ اور اس کے متعلقین مرجاویں جنگی فسادی جھگڑالو۔ دلیر خونریز

جائداد بزرگان کا نام و نشان گل کردیوے متوسط عمر میں بھائی کا ا

۶۸۔ بدھ چوتھے گہر کیندر اس میں ہو۔ تو صاحب علم و ہنر مند ہو۔ مگر جوانی میں

فائدہ مند خوشحال ہو ہنر نقاشی و مصوری میں کمال ہو۔ دانش

بڑا نامی اور عابد گوشہ نشین۔ پہاڑوں میں خوش رہے بغیر بحری کرے۔

۶۹۔ برہسپت چوتھے گہر کیندر اس میں ہو عالم امیر کبیر صاحب فرزندان

سواریاں عمدہ نانی کی سے بہت امداد ملے اور فائدہ اٹھاوے صاحب

دولت و اقبال اور مکانات خوش رنگ ہو۔

۷۰۔ شکر چوتھے گہر کیندر اس میں ہو کم علم کم دولت ترکہ موروث حاصل ہو مگر

ان سے کامل آرام نصیب نہ ہو بحری سفر کا اتفاق پیش آوے نادار

زیربار قرضہ ہو عورتوں کا بہ ترغیبہ اشتہار ہو۔

۷۱۔ سنیچر چوتھے گہر کیندر اس میں ہو۔ کم علم کم عقل۔ نافرمان والدین ہو

بددیانتی سے دولت کماوے پیدا نا اور ناپسند مکانات خرید کرے

زمین سے فائدہ اوٹھاوے۔

۷۲۔ راہ کیتو۔ چوتھے گہر کیندر اس میں ہو۔ بدمزاج بدعادت بے اعتبار

کلام مختلف پیشہ اور فریب سے دولت اور جائداد پیدا کرے۔ مگر وہ

کام نہ آوے اوسکو تلف کردیوے متوسط عمر میں معاملات سرکاری

میں شرمندگی۔ اور بے عزتی اوٹھاوے ہمیشہ سفر میں گذارہ کمینوں کی کام کر

۷۳۔ سورج چوتھے گہر کیندر اس میں ہو۔ تو عاقل اور عالم ہو مگر علم سے دولت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

حاصل نہ ہو۔ بلکہ جایداد بزرگان نیست نابود کر دیوے پھر اپنی کمائی سے دولت جمع کرے۔ اور مکانات تعمیر کرا دے اور آخری زمانہ خوشحالی سے بسر ہو۔

۷۴۔ چاند۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو۔ صاحب علم خوش تقریر خوش تحریر مختلف پیشہ ہو۔ متوسط عمر میں اراضیات اور مکانات حاصل کرے۔ اور بدن تندرست الا زیریں حصہ بدن کا یعنی ٹانگ میں کچھ کمزوری یا کجی ہو۔

۷۵۔ منگل۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو تو کاریگر دستکاری ہووے اور لکڑی وغیرہ کا کام جانتا ہو۔ سواری بری بحری جہاز ریلوے پر سفر پیش آوے جایداد بزرگان جو ورثتاً حاصل ہو۔ برباد کر دیوے۔ دلیر اور جنگی ہو۔ کام اسلحہ سیکھ جاوے

۷۶۔ بدھ۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو۔ صاحب علم و ہنر اور مختلف پیشہ ہو نفاست اور مقصود دوست دوست ہو۔ شائق عورات اور عورات سے دولت حاصل ہو اور پھر عمر آخری میں خرچ کر دیوے۔

۷۷۔ برہسپت چوتھے گھر مین راس میں ہو۔ تو عالم اور فاضل ہو۔ مگر اس سے فائدہ نہ اٹھاوے۔ متوسط عمر میں محبت عورات سے بدنام ہو آخری عمر میں زمین اور مکانات پیدا کرے اور فیاض۔ لوگوں پر مہربان اور احسان کرنیوالا

۷۸۔ شکر۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو۔ تو عالم فاضل ہنرمند جوتشی قیافہ شناس ہیئت دان۔ شائق عورات اور ان سے متوسط عمر میں تکالیف اٹھاوے۔

۷۹۔ سنیچر۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو تو عالم اور فاضل اور ریاستوں میں گذارہ کرے ہانسی ٹھٹھولی کا عادی۔ جایداد مستقل نہ ہو۔ نہ مکانات اور رہائش مستقل ہو

۸۰۔ راہ کیت۔ چوتھے گھر مین راس میں ہو۔ تو بے اعتبار۔ بد عہد بد دیانت مفسد سرباز دوسروں کے مال پر گذارہ ہو۔ اپنا خاص پیشہ کوئی نہ ہو۔

۸۱۔ سورج۔ چوتھے گھر سنگھ راس میں ہو تو عروج استھان میں بلوان ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

والدین بیمار ہوں۔ مستقل مزاج نہو۔ مکان اور سواری و آرام نصیب ہو۔ سرکاری
کام متعلق تعمیرات اور منیات ٹھیکہ داری ہو۔

۸۲۔ چاند۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ایسے جیو کو جنم کا کچھ فائدہ نہ پہنچے
ابتدائے شباب بلوغت میں والدہ کا انتقال ہو۔ اور پھر اگر دیگر گرہ شبھ
استھان پر بلوان نہوں تو قریباً سولہ برس کی عمر میں خود بھی مر جاوے۔

۸۳ منگل چوتھے گھر میکھ راس ہو۔ تو کسی طرح سے کوئی آرام نہ پاوے۔ نہ گھر
ہو نہ عزت نہ دولت بلکہ جائیداد بزرگان تلف کر دیوے۔

۸۴ بدھ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ہنرمند۔ دستکار مختلف معاش یکہ
علم۔ دوسریوں کا محتاج کبھی خوش کبھی ناخوش جائداد زیادہ نہو۔

۸۵ برہسپت۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ گو صاحب علم اور فاضل ہو تو بھی
سواریاں نہوں مکانات اور زمین ہوں۔

۸۶۔ شکر۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ صاحب علم دار اضیات و باغ ہو۔
مکانات تعمیر کرادے۔ مخالفوں کو زیر کرے۔ خوشمزاج خندہ رو۔ سواریاں زیادہ ہوں مگر

۸۷ سنیچر۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو بے علم و بے عقل و بے دولت و نادار
و پریشان و بیقرار و غم آلود۔ بے سواری و بے مکان۔

۸۸ راہ کیت۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ بیمار تجارت مکروہ اشیاء
دائم السفر۔ آخری عمر میں زمانہ اچھا گذرے۔

۸۹ سورج۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو والدین سے آرام اور فائدہ نہ
پاوے مختلف پیشوں پر گذارہ ہو۔ اور دل کے مال اور سوائے اسکا سے
معاش پیدا کرے اپنا مکان نہ ہو۔

۹۰۔ چاند۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو تو ماں باپ سے آرام نہ پاوے۔ بلکہ وہ جوانی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میں مرجاویں۔ اپنا مکان نہو اور وں سے روپیہ لیکر مکان بناوے

۹۱ - منگل چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو زمین مکان سے آرام نہو یا ماں باپ بیمار ہوں۔ ناخوش رہے۔ امیدوں میں کامیاب نہو۔

۹۲ - بدھ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو ہنرمند یکسی علوم صاحب دولت شایق تجارت دایم السفر۔ آخری عمر میں خوشحال و نیکنام و نامور ہو۔

۹۳ - برہسپت - چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو معزز۔ عالیشان کئی سواریاں مکانات خوش رنگ مخلوق حیثیت۔

۹۴ - شکر - چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو شایق عورات و راگ صاحب مکان و باغات - خوشمزاج - الا آخر عمر میں پریشان خاطر ہو۔

۹۵ - سینچر - چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو کم عقل پریشان خاطر بے جائداد عورات کے تنازعات میں عزت برباد کرے۔ فرزند والدین میں ذلت اوٹھاوے اور وہ اسکو عزیز رکھیں۔

۹۶ - راہ کیت چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ کسی طرح آرام نصیب نہ ہو۔ جوانی میں ماں باپ کا انتقال ہو ہمیشہ مسافر رہے۔ جائداد بزرگان اول ضایع ہوجاوے پھر حاصل کرے۔

۹۷ - سورج - چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ گھر کا آرام نہ ہو۔ جائداد بزرگان سے فائدہ نہ پاوے معزز نامور۔ نیکنام اپنے مقام چھوڑ کر اور مقامات پر رہے۔

۹۸ - چاند - چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو زیادہ تر بیمار رہے۔ جوانی میں والدین کا انتقال ہو۔ وسط عمر میں زمین حاصل کرے۔

۹۹ - منگل - چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو زمین مکان اور حیثیت کافی ہو تاہم خوشحال نہ رہے۔ نہ نام نیک ہو۔ بلکہ متوسط عمر میں بدنام ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۰ بدھ۔ چوتھے گھر مثھن راس میں ہو۔ تو عالم عاقل فہیم۔ عابد۔ زاہد۔ شب بیدار۔ والدہ عمر دراز۔ پر انا یام میں ماہر۔ مکانات خوش رنگ متوسط عمر میں ناکے خاندان میں اموات زیادہ ہوں۔

۱۰۱ برہسپت۔ چوتھے گھر مثھن راس میں ہو۔ تو معزز۔ نامور نیکنام۔ ہر ایک امر میں کامیاب کئی علم اور ہنر جانتا ہو۔ اعلیٰ دماغ ناکے صاحب اقبال ہوں جنہیں خوش قسمت خاندان میں بیاہے جاویں۔

۱۰۲ شکر۔ چوتھے گھر مثھن راس میں ہو۔ تو شایق عورات بد وضع موت فرزند کا حادثہ اوٹھاوے۔ زمین اور مکانات پیدا کرے۔ عمدہ سواریاں ہوں۔

۱۰۳ سینچر۔ چوتھے گھر مثھن راس میں ہو۔ تو والدہ مریض اور اسکے رشتہ دار زیادہ لقمہ موت ہوں۔ وسط عمر میں تعلقات دنیوی ترک کر کر مسافرت اختیار کرے۔

۱۰۴ راہ کیت۔ چوتھے گھر مثھن راس ہو۔ تو اوسکی نحوست کا تحریر کرنا مشکل ہے بچپن میں والدہ کا انتقال ہو۔ جایداد بزرگان برباد ہو۔ بے قرار اور پریشانی میں زمانہ بسر کرے۔ گذارہ تنگ اور بدنام ہو۔ ہر ایک امید میں ناکامیاب رہے۔

۱۰۵۔ اگر چھٹے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ یا چوتھے گھر کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں باپ اور سمبندھیوں سے پیار رکھے۔ ہر ایک دشمن اور مہربان ہو زمینیات سے فائدہ اٹھاوے مکانات تیار کراوے۔

۱۰۶ چوتھے گھر کا مالک پہلے گھر میں اور پہلے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو فرمانبردار ماں باپ نیک خصلت اور مصاحب یا وزیر حکام ہو۔

۱۰۷ چاند سے ۵۔ ۴ گھر میں سنیچر ہو۔ تو ماں مرجاوے۔

۱۰۸ چوتھے گھر میں شبھ گرہ کی درشٹی ہو۔ تو ماں کی عمر دراز ہو

۱۰۹ - چاند بلوان ہو یا شکر کو شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں زندہ رہے

۱۱۰ - چاند یا شکر شبھ انش کے ۱، ۴، ۷، ۱۰ ہوں تو عمر مادر دراز ہو۔

۱۱۱ - چوتھے گھر کا مالک بلوان ہو کر جنم لگن میں ہو۔ تو ماں فرمانبردار خاوند ہو۔

۱۱۲ - اگر برچھک راس کا انس چوتھے گھر میں ہو۔ تو دودھ ماں کا خشک ہو جاوے

۱۱۳ - دسویں گھر میں منگل اور آٹھویں گھر میں برہسپت ہو۔ تو ماں کے آرام سے خود محروم ہو۔

۱۱۴ - چھٹے یا آٹھویں گھر میں چاند ہو ساتویں گھر میں منگل پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو آرام ماں نصیب نہ ہو

۱۱۵ شکر یا چاند پاپی گرہوں کے درمیان ہو۔ اور پاپی گرہ اسکو دیکھتا ہو۔ تو آرام ماں نہ ملے۔

۱۱۶ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہوں کے درمیان میں ہو۔ اور پاپی گرہ دیکھتا ہو تو آرام ماں نہ ملے

۱۱۷ چاند سے ساتویں گھر میں شکر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو آرام ماں نصیب نہ ہو۔

۱۱۸ سنیچر چوتھے گھر میں ہو اور پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں جلدی مر جاوے

۱۱۹ سنیچر چوتھے گھر میں ہو اور شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو ماں کچھ دیر بعد مر جاوے

۱۲۰ چاند پانچویں گھر میں ہو۔ تو خوشی مادر نصیب نہ ہو۔

۱۲۱ - چاند و منگل ملکر بارہویں خواہ نانویں گھر میں ہوں تو ماں کا آرام نصیب نہ ہو۔

۱۲۲ - چاند ساتویں گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو والدہ کا آرام نصیب نہ ہو۔

۱۲۳ - برہسپت لگن میں سنیچر دوسرے گھر میں راہو تیسرے گھر میں ہو تو آرام مادر نصیب نہ ہو۔

۱۲۴ تیسرے یا ساتویں گھر میں سورج۔ راس میں منگل ہو۔ تو ماں مر جاوے۔

۱۲۵ - چاند تیسرے گھر کے مالک کے ساتھ ہو کر چھٹے گھر میں ہو۔ تو دوسری عورت کا دودھ پیوے گا

۱۲۶ - چاند کو تین پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو تو ماں جلد مر جاوے۔

۱۲۷ - چاند پاپی گرہوں کے درمیان ہو اور چاند سے چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہوں تو آرام مادر نصیب نہ ہو

۱۲۸ - چوتھے گھر کا مالک اپنے نوانش یا اوچ کے نوانش کا ہو اور شبھ گرہ دیکھتا ہو تو فرمانبردار خاوند ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۹۔ چوتھے گھر کا مالک منگل کیساتھ ہو اور چاند کو چوتھے گھر میں پاپی گرہ دیکھتا ہو تو ماں بدچلن ہو۔

۱۳۰۔ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہ ہو۔ اور راہو کیساتھ ہو۔ تو ماں بدکار ہو۔

۱۳۱۔ چوتھے گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ خواہ مالک جنم لگن سے ہمیشہ رہ کرتا ہو۔ تو پیار ماں کا زیادہ ہو۔

۱۳۲۔ چوتھے گھر کا مالک ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں ہو اور اوسکو پہلے گھر کا مالک دیکھتا ہو تو بچہ کو پیار ماں زیادہ ہو۔

۱۳۳۔ چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو دوسری ماں آوے

۱۳۴۔ اگر چوتھے گھر میں شبھ گرہ ہو تو والدہ نیک ہو۔

۱۳۵۔ مالک جنم لگن اگر اپنے نوانس میں ہو۔ یا شبھ گرہ اوسکو دیکھتا ہو تو ماں کی خوشی نصیب

۱۳۶۔ جنم لگن میں بلوان اور شبھ ہو۔ تو آدمی دیر تک آرام اور آسائش میں زندگی بسر کرے

۱۳۷۔ لگن سے پنجم مالک یا گیارھویں گھر کے اس کا مالک ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں ہو تو ۔۔۔ برس کی عمر تک آرام اور آسائش میں زندگی بسر کرے۔

۱۳۸۔ پانچویں گھر سے آٹھویں گھر تک شبھ گرہ ہو۔ تو آدمی عمر میں آرام اور آسائش پاوے

۱۳۹۔ جنم لگن کا مالک پہلے گھر میں بہ نسبت ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں بلوان ہو۔ تو جوانی میں آرام اور آسائش نصیب ہو۔

۱۴۰۔ ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں شبھ گرہ ہوں۔ بہ نسبت ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں ہو تو وہ پیدائش سے تا دم موت آرام اور آسائش عیش اور عشرت کی زندگی بسر کرے۔

۱۴۱۔ دوسرے گھر میں پاپی گرہ ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ گھر میں شبھ گرہ ہوں جنم لگن کا مالک شبھ اثر پاتا ہو۔ تو بچپن میں تکلیف سے زمانہ بسر ہو لیکن بعد کو ہر طرح آرام اور آسائش

۱۴۲۔ اگر پانچ گرہ اپنے گھر کے ہوں تو ہر طرح آرام اور آسائش سے زمانہ زندگی بسر کرے

۱۴۳۔ چوتھے گھر کے مالک پر بہ نسبت دیکھتا ہو یا اوسکے ساتھ ہو۔ تو عمر آرام سے گذرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۴۔ چوتھے گھر کا مالک ۵-۹-۱-۴-۷-۱۰ گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ ہو تو عمر آرام سے گذرے

۱۴۵۔ چوتھے گھر میں منگل آٹھویں گھر میں سنیچر پانچویں گھر میں راہ سورج بدھ ہوں تو عمر تکلیف سے گذرے

۱۴۶۔ پہلے چوتھے ساتویں دسویں گھروں میں شبھ گرہ ہوں تو تمام عمر آرام اور خوشی سے بسر ہووے

۱۴۷۔ چوتھے گھر کا مالک کمزور ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو زمانہ رنج اور تکلیف سے گزرے

۱۴۸۔ چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور بہت کمزور ہو تو باوجود دولت بھی کلیش سے گزرے

۱۴۹۔ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہ کے انس کا ہو کر سورج و منگل کے ساتھ ہو۔ کوئی شبھ گرہ اسکو نہ دیکھتا ہو۔ تو تمام عمر رنج اور بے آرامی میں بسر کرے۔

۱۵۰۔ اگر نویں گھر سے بارہویں گھر تک شبھ گرہ ہوں۔ تو آخر عمر میں آرام پاوے

۱۵۱۔ آٹھویں گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو بچپن میں رنج اور تکلیف دیکھے

۱۵۲۔ جنم لگن میں سنیچر آٹھویں گھر میں راہو چھٹے گھر میں منگل ہو تو تمام عمر پریشان اور تنگ حال رہے

۱۵۳۔ چوتھے گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر میں اور پہلے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو تو اپنی قوت بازو سے جائیداد پیدا کرے۔

۱۵۴۔ چوتھے گھر اور پہلے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو بلا محنت اور کوشش کے املاک حاصل ہو جاوے۔

۱۵۵۔ چوتھے گھر کے نوانسہ میں راہ و سورج ہوں اور منگل دیکھتا ہو۔ تو مکان جل جاوے

۱۵۶۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو اور پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو املاک تباہ ہو جاوے

۱۵۷۔ چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں تو مکانات از خود گر جاوے

۱۵۸۔ دسویں گھر کا مالک چوتھے اور چوتھے گھر کا مالک دسویں گھر ہو اور منگل بلوان ہو تو بہت املاک حاصل ہو۔

۱۵۹۔ چوتھے گھر کا مالک ۶-۸-۱۲ گھر میں پاپی گرہ کیساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو تو املاک برباد ہو

۱۶۰۔ چوتھے گھر کا مالک دوسرے گھر میں لگن میں یا دشمن کے گھر کا پاپی گرہ کیساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو املاک تلف ہو جاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

١٦١۔ چوتھے گھر کا مالک تیسرے گھر کے مالک کے ساتھ شبھ استھان پر ہو۔ تو بھائیوں سے املاک حاصل ہو
١٦٢۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں اور چھٹے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر کے مالک سے بلوان ہو۔ تو نانا کے یا دشمن سے املاک حاصل ہو۔
١٦٣۔ دسویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ چوتھے گھر میں ہو تو املاک تلف ہو جاوے۔
١٦٤ جنم لگن کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک باہم دوست ہو تو فرزند سے محبت ہو۔
١٦٥ جنم لگن کا مالک تیسرے گھر مالک کا دوست ہو۔ تو بھائیوں سے پیار ہو۔
١٦٦ جنم لگن کا مالک ساتویں گھر کے مالک سے دوست ہو۔ تو عورت سے محبت ہو
١٦٧ جنم لگن و چوتھے گھر کا مالک باہم دوست ہوں تو خویش اقارب سے زیادہ محبت ہو
١٦٨ چوتھے گھر میں برہسپت ہو۔ چوتھے گھر کا مالک شبھ گرہ کیساتھ ہو۔ تو خاندان میں چراغ ہو۔ تو تمام سمبندھی اوسکی عزت کریں۔
١٦٩۔ دوسرے گھر کا مالک گیارھویں گھر میں ہو اور چوتھے گھر کا مالک ٥-٩ گھر میں ہو تو اپنے خاندان اور رشتہ داران میں عزیز اور اُنکا کار برار ہو۔
١٧٠ دسویں گھر میں سورج کے ساتھ چوتھے گھر کا مالک ہو۔ تو قہر حاکم سے املاک برباد ہو
١٧١۔ چوتھے گھر کا مالک نویں گھر کے مالک کے ساتھ شبھ گرہ کے گیارھویں گھر میں ہو تو سواری گھوڑا یا گاڑی یا فیل نصیب ہو۔
١٧٢ چوتھے گھر اور گیارھویں گھر کا مالک ہو برہسپت پہلے گھر جنم لگن میں ہو تو سواری گھوڑا گاڑی ہا
١٧٣ جنم لگن کا مالک چوتھے گھر کے مالک کیساتھ اپنے گھر میں ہو۔ خواہ جنم لگن اور چہارم گھر کا مالک ملکر ١۔٤۔٧۔١٠ میں آویں۔ خود ملکیت حاصل ہو جاوے اور خوشی میں زمانہ بسر کرے۔
١٧٤۔ بارھویں۔ آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہوں تو مویشی کا نقصان ہو۔
١٧٥ جسقدر پاپی گرہ چوتھے گھر کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں اُسیقدر جانوران کا نقصان ہو
١٧٦ جسقدر پاپی گرہ سورج کے گھر میں ہوں اُسیقدر جانوران کا نقصان ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۷۔ دیکھے یا برچھک کے منگل ہمراہ شکر کے ہوں ایک خاص بیماری سے نقصان جانوران ہو۔

۱۷۸۔ چوتھے گھر کا مالک پہلے گھر لگن میں ہو۔ تو خوش بخت اور ماں باپ کا پیارا ہو۔

۱۷۹۔ چوتھے گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو شبھ گرہ ترقی دولت اور ورثہ والدین سے فائدہ مند کرتا ہے۔ اور بچہ خادم اور فرمانبردار ماں باپ کا ہوتا ہے پاپی گرہ ہو تو نقصان دولت اور ماں باپ سے رنج پیدا کرتا ہے۔

۱۸۰۔ چوتھے گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو بھائی بندوں سے خوش اور ماں باپ سے ناراض ہوتا ہے۔

۱۸۱۔ چوتھے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو معزز نیکنام و صاحب نصیب امیر صاحب سواری و دولتمند ماں باپ سے ممتاز مکانات اور زمین ہو۔

۱۸۲۔ چوتھے گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ اولاد کثیر اور خوش نصیب و نیکنام ہو صاحب اقبال و عمر دراز ہو۔ ورثہ باپ حاصل ہو۔

۱۸۳۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو اشبھ گرہ نقصان جائداد اور عزت اور عمر کوتاہ کرتا ہے والدین سے ناراضگی اور عداوت ہوتی ہے۔ اگر شبھ گرہ ہو۔ تو کسی قدر اثر کم کرتا ہے۔

۱۸۴۔ چوتھے گھر کا مالک اگر ساتویں گھر میں ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو تو عورت کو تکلیف اور کاروبار کا نقصان۔ اور عورت اسکی والدین مولود کو تکلیف دیتی ہے منگل شکر ہو۔ تو بدکار اور فاحشہ ہوتی ہے شبھ گرہ ہو تو ترقی عزت اور جائیداد کا فائدہ ہوتا ہے۔

۱۸۵۔ چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ پاپی گرہ یا نیچ یا دشمن استھان کا ہو نادار مفلس جائداد و زمین و مکان کا نقصان بدکار بدنام ہمیشہ بیمار ہو۔

۱۸۶۔ چوتھے گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو تو دائم المسافر عالم فاضل صاحب زمین و مکان آرام و آسائش ہو۔ دھرماتماں اور عبادت خانہ و آرام گاہ بنوادے الا ماں باپ سے جلد علیحدہ ہو جاوے۔

۱۸۷۔ چوتھے گھر کا مالک اگر دسویں گھر میں ہو۔ تو باپ اسکا دوسری شادی کرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر پاپی ہو۔ تو پہلی عورت کو نکال دیوے اور صاحب جائداد ہو۔

۱۸۸ ۔ چوتھے گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو زمین مکان عمر دراز بچوں کا
اور ماں باپ سے فائدہ اور شادی دے۔ معزز دولتمند ہو۔

۱۸۹ ۔ چوتھے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو زمین مکان کا نقصان ماں باپ
جلدی مر جاویں یا اپنے مکان سے نکل جاویں اگر وہ پاپی ہو۔ تو شبہ
شک ہے کہ مولود اپنے باپ کے نطفے سے نہیں ہے۔

۱۹۰ ۔ چوتھے اور دسویں گھر کے مالک نربل ہو کر خانہ ۶۔۸۔۱۲ میں ہوں۔ اور
لگنیش بلوان ہو۔ تو جنم کے وقت ماتا یا پتا مرتو ہو۔

۱۹۱ آٹھویں گھر میں منگل بارہویں گھر میں سورج۔ چندرماں تیسرے گھر میں اور سبب
سنیچر ہوں۔ تو باپ فوراً مر جاوے۔

۱۹۲ ۔ جنم لگن میں برہسپت دوسرے گھر میں سنیچر تیسرے گھر میں راہو۔ تو ماں مر جاوے

۱۹۳ چوتھے گھر کا مالک سورج شکر کے ساتھ ۶۔۸۔۱۲ گھروں میں ہوں تو نظر
اور آنکھ ماں کو نقصان پہونچا دیں۔

۱۹۴ ۔ چوتھے گھر کے مالک برہسپت ہو کر ۶۔۸۔۱۲ گھر میں آ جاویں تو ماتا کی زبان کو
گنگ کر دیویں۔ یا کچھ اور نقصان پہونچا دیں۔

۱۹۵ جنم راس میں برہسپت دوسرے گھر میں سنیچر تیسرے گھر میں راہو تو ماتا کی مرتو ہو۔

۱۹۶ ۔ ۴۔۱۰۔۱۲ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ اور شبھ گرہ نربل ہوں۔ تو ماں باپ
کی مرتو ہو سوائے اُن کے جو پرورش کرے اور اسکا بھی نقصان۔ خ
پریشان اور حیران ہو کر ملک بملک پھرے۔

۱۹۷ سنگھ میں منگل۔ برچھک میں سنیچر۔ کنیا میں شکر۔ دھن میں را
ہو۔ تو ماتا مر جاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۸ - منگل ۱-۲-۱۰-۱۲-۴ گھر میں ہو - تو علاوہ اور نقصان کے ماتا مرتو ہو۔
۱۹۹ جنم لگن اور ساتویں گھر میں پاپ گرہ ہوں تو ماتا جلدی مرتو ہو۔
۲۰۰ - چوتھے دسویں گھر میں پاپ گرہ ہو - تو ماتا کو کلیش دیویں یا اسکی مرتو ہو۔
۲۰۱ - سنیچر چھٹے گھر میں ہو - اور چوتھے گھر کا سوامی نربل ہو - تو چھ دن یا چھ مہینے میں وہ جیو اپنا گھر چھوڑ کر دوسرے گھر جائیگا۔
۲۰۲ - منگل ۱-۴-۵ گھر میں ہو - تو ماں باپ اس کے دونوں مرجاویں گے بشرطیکہ اور گرہ بلوان نہ ہوں۔
۲۰۳ - سورج کے سپشٹ راس انش کلا سے چاند کا سپشٹ راس انش کلا کم کرو جو راس انش کلا باقی برآمد ہو - اسمیں جب گوچر کے سنیچر آوے یا اس راس سے پانچویں نانویں گھر میں سنیچر آوے - اسوقت ماتا کی مرتو ہو
۲۰۴ - آٹھویں گھر کے مالک کا جو سپشٹ راس انش کلا ہے - اس میں سے سورج کا سپشٹ کم کرو - اس راس میں جب سنیچر آوے یا اس راس کے نوانسہ میں سورج آوے تو اسوقت ماتا مرتو ہو۔
۲۰۵ - میکھ - راشی خانہ چہارم میں ہو - تو خوف اور تنگی دل نقصان املاک والد اور خوف چوری۔
۲۰۶ - برکھ راشی خانہ چہارم میں ہو - تو عمر دراز - خوشنودی والد - ترقی مال
۲۰۷ - متھن راشی خانہ چہارم میں ہو - تو جمعیت ترقی املاک اور خوشی از جانب والد
۲۰۸ - کرک راشی خانہ چہارم میں ہو - ترقی املاک - آمدنی زراعت - اور باغ حصول مرادات والدین سے۔
۲۰۹ - سنگھ راشی خانہ چہارم میں ہو تو اقبال والا - ترقی املاک آبادی مقامات - حصول مراد از بادشاہ اور امراء کاروبار عظیم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۱۰ کنیا چہارم خانہ میں ہو۔ ترقی و فائدہ مال میراث و املاک باغ زمین
ترقی مال دوستاں تقویت برادران و ترک سفر

۲۱۱۔ تلا خانہ چہارم میں ہو۔ تو خوشی والد اور فائدہ زراعت۔ زمین
ملک میراث و اسباب خانہ داری۔ تیاری مکانات و عزت
و مرتبہ و شادی ہو۔

۲۱۲ برچھک خانہ چہارم میں ہو۔ والد سے پریشانی۔ خلل رہائش مکان
اور نقصان املاک

۲۱۳۔ دہن خانہ چہارم میں ہو۔ تو بخوشی خاطر مقام رہائش ترک کرے ملت
املاک زراعت اسباب پدر۔ و خوشنودی مزاج والدین۔

۲۱۴ مکر خانہ چہارم میں ہو۔ تو والدین سے املاک اور اسباب حاصل ہو ترقی
مال پدر شادی ایک عورت

۲۱۵ کمبھ خانہ چہارم میں ہو۔ تو نقل مقامی انقلاب املاک والدین اندیشہ چوری

۲۱۶ مین خانہ چہارم میں ہو۔ تو حصول مراد۔ فائدہ از پدر استقلال مزاج
ترقی املاک اسباب و زراعت۔ آبادی ہر ایک کام میں عاقبت
بخیر ہو۔

۲۱۷۔ اگر لگن میں اور دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو مولود کی ماں کو دودھ
نہیں ہوگا کسی غیر عورت کا دودھ پیے گا۔ کیونکہ چوتھا گھر گھر دودھ
کا ہے۔ اور چوتھے گھر پر پوری نظر پڑتی ہے۔ اور لگن سے بھی نظر
چوتھے پر ہے۔ اور لگن ... خود کھانے کی چیز ہے۔ اس
لئے دودھ سوکھ جائیگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز ششم

خانہ ۵

۱۔ سورج پانچویں گھر میں بلوان ہو کر آوے۔ تو صاحب ہنر روزگار اچھا کرے۔ اولاد سے رنج پہلا حمل گر جاوے یا پہلا لڑکا مر جاوے ہنر مند کا شائق۔ دیوتا کا معتقد۔

۲۔ چاند۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو تو دو لڑکیاں اور لڑکے دو ہوتے پوتے اور اچھا روزگار نصیب ہو بشرطیکہ شبھ گرہ چاند کے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ اگر چاند کمزور ہو۔ یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو بے اولاد و بے روزگار بے ٹھکانہ اور پریشان بے قرار ہو۔

۳۔ منگل۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو۔ تو مقابلہ مخالفان میں فتحیاب رہیگا نیکو کار اور اولاد کا خواہاں رہیگا۔ مگر اولاد سے ناراض رہیگا۔

۴۔ بدھ۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو ہمیشہ خوش رہے میدان میں فتح پاوے عالم فاضل شاعر۔ عزت اولاد سے خورسند ہو۔ اور نیکو کار

۵۔ برہسپت پانچویں گھر میں بلوان ہو تو بہت اولاد۔ عالم۔ فاضل۔ دانا۔ خوش شکل بہادر دشمن گیر۔ بدرگاہ حکام وقت معزز۔ صاحب نصیب تمام رشتہ دار اس کی تابعداری اور عزت کریں۔ پرہیزگار و صاحب قدر منزلت ہو۔

۶۔ شکر۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ صاحب اولاد بمردار معزز۔ خوراک و پوشاک عمدہ ہو۔ ہنر مند۔ صاحب دولت

۷۔ سنیچر۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو تو فکر اولاد بے حق نصد عدد۔ لاغر بدن اپنے مکان میں خوفناک۔

۸۔ راہ کیست۔ پانچویں گھر میں ہو۔ تو ہمیشہ پژمردہ دل غمناک خاطر اولاد سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بے بہرہ۔ کم عقل ایسا میکہ برکہہ کرک راس میں ہو۔ تو اولاد زندہ۔ بچی

۹۔ سورج۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو تو کئی علوم اور فنون میں ماہر۔ ناموری عالم فاضل۔ ہنر پیشہ ہوں۔ محنت کش۔ بہادر۔ دلیر۔ جوانی میں ماں باپ کا اور اوسط عمر میں فرزنداں کا انتقال ہو۔

۱۰۔ چاند۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو کم علم۔ کم عقل۔ اولاد پیدا ہو کر جاوے۔

۱۱۔ منگل۔ پانچویں گھر میکھ راس ہو تو عالم عاقل۔ بلوان۔ دلاور۔ صاحب نصیب۔ با اختیارات بسزا۔ تیز مزاج اولاد کو سخت حادثہ موت پیش آوے خود اوسط عمر میں مبتلا بہ حادثہ پیش ہو۔

۱۲۔ بدھ۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ دانشمند۔ ہنرمند۔ بہمہ صفت موصوف۔ تحریر تقریر میں لائق۔ صاحب فرزنداں۔ ورثہ مادری ہاتھ آوے

۱۳۔ برہسپت۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل عابد۔ زاہد۔ خوش قسمت خوش اقبال۔ صاحب اولاد۔ پناہ دہندہ۔ چند زبانیں جانتا ہو۔ الا متوسط عمر میں کسی قدر تکلیف اور رنج اٹھاوے۔

۱۴۔ شکر۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ہنرمند۔ دستکار۔ کل ساز۔ الا نادار اولاد بد وضع بدکار۔ وسط عمر میں حملہ دشمناں اور زہر کا خوف صحبت بد عورات

۱۵۔ سنیچر۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ بدکار۔ بدنام۔ مخالف والدین۔ بے اولاد بے عقل بے علم۔ جعلساز۔ چغلخور۔

۱۶۔ راہو کیتو۔ پانچویں گھر میکھ راس میں ہو۔ بد مزاج بدخیال۔ ابتدائے عمر میں والدین مر جاویں۔ اولاد سے خوشی نصیب نہ ہو۔ کم عقل۔ کم علم۔

۱۷۔ سورج۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو جوانی میں ماں باپ اور وسط عمر میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اولاد کا انتقال ہو۔ زیر عتاب حکام آوے ورنہ حاصل ہو۔ مگر اس سے آرام اور راحت نہ پاوے۔

۱۸۔ چاند۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم وعلم۔ منتر جنتر و دیوم ودیا میں ماہر ہو۔

۱۹۔ منگل۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو تو پہلوان جنگ جو۔ شائق ہتھیار۔ طبیعت متوسط عمر میں لائق۔ فرزنداں کی موت کا حادثہ۔ کم علم کم عقل۔

۲۰۔ بدھ۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم شاستر ودیا میں ہشیار بیمار۔ مخالف زیادہ۔

۲۱۔ برہسپت۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو تو عالم۔ فاضل۔ مصاحب۔ حکام نامور نیکنام۔ برہم ودیا میں ماہر علم قیافہ وقانون میں ہوشیار۔ الا اولاد سے محروم ہو

۲۲۔ شکر۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ صاحب علم وعقل ہوشیار۔ خوشمزاج خندہ طبیعت۔ صاحب دولت چند فرزند ہمیشہ خوش وخرم الا عیاش صورت عورات میں دولت برباد کردیوے۔

۲۳۔ سنیچر پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو کم علم۔ کم عقل بے اولاد عورات سے رنج ابتداء عمر میں اچھا زمانہ بسر ہو۔ الا آخر میں کئی مصائب اور تکالیف دیکھے

۲۴۔ راہ کیت۔ کم عقل کم علم تاہم ہنرور اور دولتمند ہو۔ چالاک دشمن زیادہ۔

۲۵۔ سورج۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہو تو صاحب اقبال و نامور وصاحب علم خاندان ماں سے فائدہ۔ افسوس کہ وسط عمر میں حادثہ موت اولاد پیش آوے

۲۶۔ چاند۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو کئی تکالیف پیش آدیں ماں باپ اور نانکے جلد نیست و نابود ہو جاویں نادار بے دولت۔ پرورش رشتہ دار خاندان کریں۔ فرزند ہو کر لقمہ موت ہو جاویں۔ کوئی آرام نصیب نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۔ منگل۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہمنید ہوں کا ناش کرنے ہیں رشتہ داران
ماں باپ کی تباہی وسط عمر میں علم وعقل کا نقصان جوان فرزند کا انتقال

۲۸۔ بدھ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم عاقل۔ صاحب جائیداد و
دیگراں ہانتہ آوے۔ بالا صدمہ موت فرزنداں پیش آوے۔

۲۹۔ برسپت پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم فاضل معزز۔ دولتمند اعلیٰ
میں رکن اعلم ہو۔ نابچے امیر ہوں۔ دانشمند صاحب سرکار۔ باضابطہ سرکار
سے واقفیت کثیر اولاد۔ فرزند خوش قسمت ہوں۔

۳۰۔ شکر پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ دانا و صاحب علم خوشحال نامور شاعر
کبیشر شائق عورات وفن جادوگری۔ لڑکیاں زیادہ ہوں۔

۳۱۔ سنیچر پانچویں گھر متھن راس میں ہو تمام تکالیف اور حادثوں کا قیامگاہ ہو
بے اولاد۔ اگر اولاد ہو۔ تو اس سے سخت آزردہ و پریشان خاطر ہو علم کامل
مفید نہ ہو لیں باپ سے آرام نہ پاوے بہن بھائی سے خوش نہ ہو کم سرمایہ۔

۳۲۔ راہ کیت۔ بے علم کم عقل۔ فرزنداں پیدا ہو کر گذر جاویں بے قرار و پریشان
جو کام اچھا کرے وہ پیچھے برا ہو جاوے۔ مورد الالام اور محیط الاتہام
ہو۔ جائیداد برباد ہو کر پھر ہاتھ آوے۔

۳۳۔ سورج پانچویں گھر کرک راس میں ہو تو عدل وانصاف پسند حکمران با اقبال
ہو۔ الا امیدوں میں کوشش مخالفان سے ناکامیاب و ناشاد رہے حادثہ
موت فرزندان دیکھے۔

۳۴۔ چاند پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ صاحب علم وعقل و دولتمند و حاکم باخبر
عورت اولاد سے خوش اور لڑکیاں زیادہ ہوں پیشاب کی بیماری
دامنگیر ہو۔

۳۵۔ منگل پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ کمال میں زوال مقدمات جائداد و زرعی وغیرہ تکالیف دکھاویں۔ بھائیوں کی موت۔ آخری چند عمر میں غم اور پریشانی۔ اولاد کا رنج۔

۳۶۔ بدھ۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو صاحب علم و حلم و حیا و عبادت و زہد وجہد سے نامور وراثتاً جائداد ہاتھ آوے اور اولاد کا رنج ہو۔

۳۷۔ برہسپت۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ عابد۔ زاہد ہر علم میں ماہر۔ لوگوں کے دلوں کا بھید جاننے والا۔ نامور معزز نیکنام صاحب مراتب قیافہ شناس صاحب اولاد۔ شاد کام و خوشحال ہو

۳۸۔ شکر۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو معزز مالدار و خوشحال۔ لڑکیاں زیادہ شائق عورات و راگ و رنگ جسیم۔ اعضاء کمزور۔

۳۹۔ سنیچر پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ خود پسند بدمزاج مغرور متکبر باختیار حکمران۔ صاحب اقبال اعلیٰ منصب مزاج دور اندیش عقیل۔ الّا بدمذہب و بے دھرم۔

۴۰۔ راہ کیت پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو بدبخت و بدخیال شروع میں ماں باپ کا انتقال بعد میں فرزند ہو کر گذر جاویں۔ نقاش و تصویرات کا شائق۔ بدنام ہو و آلام۔

۴۱۔ سورج پانچویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اگر بدھ شامل ہو تو خوش قسمت صاحب اقبال دلیر بہادر۔ بڑے مشکل کاموں میں کوشش کرنیوالا واقف فنون صاحب منصب اور معزز عہدہ سرکاری نصیب ہو دولتمند الّا حکام اور چور ڈاکو سے خوف نقصان دولت۔ مقدمات میں اول گھبرا جاوے از ان بعد مخالفوں پر غالب آوے جوانی میں ماں باپ اور خویش اقارب مرجاویں اور مبتلائے تکلیف ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

والدین بیمار ہوں۔ مستقل مزاج نہ ہو۔ مکان اور سواری و آرام نصیب نہ ہو۔ سرکاری کام متعلق تعمیرات اور رسنیات ٹھیکہ داری ہو۔

۸۲۔ چاند۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ایسے جیو کو جنم کا کچھ فائدہ نہ پہنچے ابتدائے شباب بلوغت میں والدہ کا انتقال ہو۔ اور پھر اگر دیگر گرہ شبھ استھان پر بلوان نہوں تو قریباً سولہ برس کی عمر میں خود بھی مر جاوے۔

۸۳۔ منگل چوتھے گھر میکھ راس ہو۔ تو کسی طرح سے کوئی آرام نہ پاوے نہ گھر ہو نہ عزت نہ دولت بلکہ جائداد بزرگان تلف کر دیوے۔

۸۴۔ بدھ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ہنر مند۔ دستکار مختلف معاش کم علم۔ دوسریوں کا محتاج کبھی خوش کبھی ناخوش جائداد زیادہ نہو۔

۸۵۔ برہسپت۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ گو صاحب علم اور فاضل ہو لیکن سواریاں نہوں مکانات اور زمین ہوں۔

۸۶۔ شکر۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ صاحب علم دار اضیات و باغ ہو۔ مکانات تعمیر کراوے۔ مخالفوں کو زیر کرے۔ خوش مزاج خندہ رو سواریاں زیادہ ہوں عمر دراز

۸۷۔ سنیچر چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ تو بے علم و بے عقل بے دولت و نادار و پریشان و بیقرار و غم آلود۔ بے سواری و بے مکان۔

۸۸۔ راہ۔ کیت۔ چوتھے گھر میکھ راس میں ہو۔ یار پیشہ تجارت یک وہ اشیار دائم السفر۔ آخری عمر میں زمانہ اچھا گذرے۔

۸۹۔ سورج۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو والدین سے آرام اور فائدہ نہ پاوے مختلف پیشوں پر گذارہ ہو۔ اوروں کے مال اور سواری سے معاش پیدا کرے اپنا مکان نہ ہو۔

۹۰۔ چاند۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو ماں باپ سے آرام نہ پاوے۔ بلکہ وہ جوانی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میں مرجاویں۔ اپنا مکان نہو۔ اور وں سے روپیہ لے کر مکان بناوے

۹۱۔ منگل چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو زمین مکان سے آرام نہو۔ ماں باپ بیمار ہوں۔ ناخوش رہے۔ امیدوں میں کامیاب نہو۔

۹۲۔ بدھ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو ہنرمند یکئی علوم صاحب دولت شائق تجارت دائم السفر۔ آخری عمر میں خوشحال و نیکنام و نامور ہو۔

۹۳۔ برہسپت۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو معزز عالیشان کئی سواریاں مکانات خوش رنگ مختلف حیثیت۔

۹۴۔ شکر۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو شائق عورات و راگ صاحب مکان و باغات۔ خوشمزاج۔ الا آخر عمر میں پریشان خاطر ہو۔

۹۵۔ سینچر۔ چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ تو کم عقل پریشان خاطر بے جائداد عورات کے تنازعات میں عزت برباد کرے۔ قرضہ والدین میں ذلت اوٹھاوے اور وہ اسکو عزیز رکھیں۔

۹۶۔ راہ کیت چوتھے گھر برکھ راس میں ہو۔ کسی طرح آرام نصیب نہ ہو۔ جوانی میں ماں باپ کا انتقال ہو۔ ہمیشہ مسافر رہے۔ جائداد بزرگاں اول ضائع ہو جاوے پھر حاصل کرے۔

۹۷۔ سورج۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ گھر کا آرام نہ ہو۔ جائداد بزرگان سے فائدہ نہ پاوے معزز نامور۔ نیکنام اپنے مقام چھوڑ کر اور مقامات پر رہے۔

۹۸۔ چاند۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو زیادہ تر بیمار رہے۔ جوانی میں والدین کا انتقال ہو۔ وسط عمر میں زمین حاصل کرے۔

۹۹۔ منگل۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو زمین مکان اور حیثیت کافی ہو تاہم خوشحال نہ رہے۔ نہ نام نیک ہو۔ بلکہ متوسط عمر میں بدنام ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۰ بدھ۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم عاقل فہیم۔ عابد۔ زاہد۔ شب بیدار والدہ عمر دراز۔ پرانایام میں ماہر۔ مکانات خوش رنگ متوسط عمر میں نانکے خاندان میں اموات زیادہ ہوں۔

۱۰۱ برہسپت۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو معزز۔ نامور نیکنام۔ ہر ایک امید میں کامیاب کئی علم اور ہنر جانتا ہو۔ اعلیٰ دماغ نانکے صاحب اقبال ہوں بھینیں خوش قسمت خاندان میں بیاہے جاویں۔

۱۰۲ شکر۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو شائق عورات بدوضع موت فرزند کا حادثہ اوٹھاوے۔ زمین اور مکانات پیدا کرے۔ عمدہ سواریاں ہوں۔

۱۰۳ سنیچر۔ چوتھے گھر متھن راس میں ہو۔ تو والدہ مریض اونکے رشتہ دار زیادہ تعداد موت ہوں۔ وسط عمر میں تعلقات دنیوی ترک کر کے مسافرت اختیار کرے

۱۰۴ راہو کیت۔ چوتھے گھر متھن راس ہو۔ تو اوسکی نحوست کا تحریر کرنا مشکل ہے بچپن میں والدہ کا انتقال ہو۔ جائیداد جدی گان برباد ہو۔ بے قرار اور پریشانی میں زمانہ بسر کرے۔ گذارہ تنگ اور بدنام ہو۔ ہر ایک امید میں ناکامیاب رہے۔

۱۰۵ اگر پہلے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ یا چوتھے گھر کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں باپ اور سمبندھیوں سے پیار رکھے۔ ہر ایک دولت اور مہربان ہو زمینیات سے فائدہ اٹھاوے مکانات تیار کراوے۔

۱۰۶ چوتھے گھر کا مالک پہلے گھر میں اور پہلے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو فرمان بردار ماں باپ نیک خصلت اور مصاحب یا وزیر حکام ہو۔

۱۰۷ چاند سے ۵ ۔ ۹ گھر میں سنیچر ہو۔ تو ماں مرجاوے۔

۱۰۸ چوتھے گھر میں شبھ گرہ کی درشٹی ہو۔ تو ماں کی عمر دراز ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۹۔ چاند بلوان ہو یا شکر کو شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں زندہ رہے

۱۱۰۔ چاند یا شکر شبھ انش کے ۱۔۴۔۷۔۱۰ ہوں تو عمر مادر دراز ہو۔

۱۱۱۔ چوتھے گھر کا مالک بلوان ہو کر ختم لگن میں ہو۔ تو ماں فرمانبردار خاوند ہو۔

۱۱۲۔ اگر برچھک راس کا انس چوتھے گھر میں ہو۔ تو دودھ ماں کا خشک ہو جاوے

۱۱۳۔ دسویں گھر میں منگل اور آٹھویں گھر میں برہسپت ہو۔ تو ماں کے آرام سے خود محروم ہو۔

۱۱۴۔ چھٹے یا آٹھویں گھر میں چاند ہو ساتویں گھر میں منگل پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو آرام ماں نصیب نہ ہو

۱۱۵۔ شکر یا چاند پاپی گرہوں کے درمیان ہو۔ اور پاپی گرہ اسکو دیکھتا ہو۔ تو آرام ماں نہ ملے۔

۱۱۶ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہوں کے درمیان میں ہو اور پاپی گرہ دیکھتا ہو تو آرام ماں نہ ملے

۱۱۷ چاند سے ساتویں گھر میں شکر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو آرام ماں نصیب نہ ہو۔

۱۱۸ سنیچر چوتھے گھر میں ہو اور پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو ماں جلدی مر جاوے

۱۱۹ سنیچر چوتھے گھر میں ہو اور شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو ماں کچھ دیر پیچھے مر جاوے

۱۲۰ چاند پانچویں گھر میں ہو۔ تو خوشی مادر نصیب نہ ہو۔

۱۲۱۔ چاند و منگل ملکر بارہویں خواہ نانویں گھر میں ہوں تو ماں کا آرام نصیب نہ ہو۔

۱۲۲۔ چاند ساتویں گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو والدہ کا آرام نصیب نہ ہو۔

۱۲۳۔ برہسپت لگن میں سنیچر دوسرے گھر میں راہو تیسرے گھر میں ہو تو آرام مادر نصیب نہ ہو۔

۱۲۴۔ تیسرے یا ساتویں گھر میں سورج۔ راس میں منگل ہو۔ تو ماں مر جاوے۔

۱۲۵۔ چاند تیسرے گھر کے مالک کے ساتھ ہو کر چھٹے گھر میں ہو۔ تو دوسری عورت کا دودھ پیویگا

۱۲۶۔ چاند کو تین پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا
ہو تو ماں جلد مر جاوے۔

۱۲۷۔ چاند پاپی گرہوں کے درمیان ہو اور چاند سے چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہوں تو آرام مادر نصیب نہ ہو

۱۲۸۔ چوتھے گھر کا مالک اپنے نوانش یا اوچ کے نوانش کا ہو اور شبھ گرہ دیکھتا ہو تو فرمانبردار خاوند ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۹۔ چوتھے گھر کا مالک منگل کیساتھ ہو۔ اور چاند کو چوتھے گھر میں پاپی گرہ دیکھتا ہو تو ماں بدچلن ہو۔

۱۳۰۔ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہ ہو۔ اور راہو کیساتھ ہو۔ تو ماں بدکار ہو۔

۱۳۱۔ چوتھے گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ خواہ مالک جنم لگن سے ہمیشہ دھ کرتا ہو۔ تو پیار ماں کا زیادہ ہو۔

۱۳۲۔ چوتھے گھر کا مالک ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں ہو اور اوسکو پہلے گھر کا مالک دیکھتا ہو تو بچہ کو پیار ماں زیادہ ہو۔

۱۳۳۔ چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو دوسری ماں آوے

۱۳۴۔ اگر چوتھے گھر میں شبھ گرہ ہو تو والدہ ایک ہو۔

۱۳۵۔ مالک جنم لگن اگر اپنے نوانس میں ہو۔ یا شبھ گرہ اوسکو دیکھتا ہو تو ماں کی خوشی نصیب ہو

۱۳۶۔ جنم لگن میں بلوان اور شبھ ہو۔ تو آدمی آیو تک آرام اور آسائش میں زندگی بسر کرے

۱۳۷۔ لگن سے دسویں مالک یا گیارہویں گھر کے انس کا مالک ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں ہو تو ۳۰ برس کی عمر تک آرام اور آسائش میں زندگی بسر کرے۔

۱۳۸۔ پانچویں گھر سے آٹھویں گھر تک شبھ گرہ ہو۔ تو آدمی عمر میں آرام اور آسائش پاوے

۱۳۹۔ جنم لگن کا مالک پہلے گھر میں برہسپت ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں بلوان ہو۔ تو جوانی میں آرام اور آسائش نصیب ہو۔

۱۴۰۔ ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں شبھ گرہ ہوں۔ برہسپت ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں ہو تو وہ پیدائش سے تا دم موت۔ آرام اور آسائش عیش اور عشرت کی زمانہ زندگی بسر کرے۔

۱۴۱۔ دوسرے گھر میں پاپی گرہ ۱۔۴۔۷۔۱۰ گھر میں شبھ گرہ ہوں جنم لگن کا مالک شبھ انسر میں ہو۔ تو بچپن میں تکلیف سے زمانہ بسر ہو بعد اسکے ہر طرح آرام اور آسائش

۱۴۲۔ اگر پاپی گرہ اپنے گھر کے ہوں تو ہر طرح آرام اور آسائش سے زمانہ زندگی بسر کرے

۱۴۳۔ چوتھے گھر کے مالک کو برہسپت دیکھتا ہو یا اوسکے ساتھ ہو۔ تو عمر آرام سے گذرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۴ - چوتھے گھر کا مالک ۵-۹-۱-۴-۷-۱۰ گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ ہو تو عمر آرام سے گذرے
۱۴۵ - چوتھے گھر میں منگل آٹھویں گھر میں سنیچر پانچویں گھر میں راہ سورج بدھ ہو تو عمر تکلیف سے گذرے
۱۴۶ - پہلے چوتھے ساتویں دسویں گھروں میں شبھ گرہ ہوں تو تمام عمر آرام اور خوشی سے بسر ہووے
۱۴۷ - چوتھے گھر کا مالک کمزور ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو زمانہ رنج اور تکلیف سے گزرے
۱۴۸ - چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور برہسپت کمزور ہو تو باوجود دولت بھی کلیش سے گزرے
۱۴۹ - چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہ کے انش کا ہو کر سورج و منگل کے ساتھ ہو۔ کوئی شبھ گرہ اسکو نہ دیکھتا ہو۔ تو تمام عمر رنج اور بے آرامی میں بسر کرے۔
۱۵۰ - اگر نانویں گھر سے بارہویں گھر تک شبھ گرہ ہوں۔ تو آخر عمر میں آرام پاوے
۱۵۱ - آٹھویں گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو بچپن میں رنج اور تکلیف دیکھے
۱۵۲ - جنم لگن میں سنیچر آٹھویں گھر میں راہو چھٹے گھر میں منگل ہو تو تمام عمر پریشان اور تنگ حال رہے
۱۵۳ - چوتھے گھر کا مالک بلوان ہو کر پہلے گھر میں اور پہلے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو تو اپنی قوت بازو سے جائداد پیدا کرے۔
۱۵۴ - چوتھے گھر اور پہلے گھر کا مالک بلوان ہو کر چوتھے گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو بلا محنت اور کوشش کے املاک حاصل ہو جاوے۔
۱۵۵ - چوتھے گھر کے نوانش میں راہ و سورج ہوں اور منگل دیکھتا ہو۔ تو مکان جل جاوے
۱۵۶ - چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو اور پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو املاک تباہ ہو جاوے
۱۵۷ - چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں تو مکانات از خود گر جاوے
۱۵۸ - دسویں گھر کا مالک چوتھے اور چوتھے گھر کا مالک دسویں گھر ہو اور منگل بلوان ہو تو بہت املاک حاصل ہو
۱۵۹ - چوتھے گھر کا مالک ۶-۸-۱۲ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو تو املاک برباد ہو
۱۶۰ - چوتھے گھر کا مالک دوسرے گھر میں لگن میں یا دشمن کے گھر کا پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو املاک تلف ہو جاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۱۔ چوتھے گھر کا مالک تیسرے گھر کے مالک کے ساتھ شبھ استھان پر ہو۔ تو بھائیوں سے املاک حاصل ہو۔
۱۶۲۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں اور چھٹے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر کے مالک سے بلوان ہو۔ تو مامن کے یا دشمن سے املاک حاصل ہو۔
۱۶۳۔ دسویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ چوتھے گھر میں ہو تو املاک تلف ہو جاوے
۱۶۴۔ جنم لگن کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک باہم دوست ہو تو فرزند سے محبت ہو۔
۱۶۵۔ جنم لگن کا مالک تیسرے گھر مالک کا دوست ہو۔ تو بھائیوں سے پیار ہو۔
۱۶۶۔ جنم لگن کا مالک ساتویں گھر کے مالک سے دوست ہو۔ تو عورت سے محبت ہو۔
۱۶۷۔ جنم لگن و چوتھے گھر کا مالک باہم دوست ہوں تو خویش اقارب سے زیادہ محبت ہو۔
۱۶۸۔ چوتھے گھر میں برہسپت ہو۔ چوتھے گھر کا مالک شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو خاندان میں چراغ ہو۔ تو تمام سمبندھی اوسکی عزت کریں۔
۱۶۹۔ دوسرے گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو۔ اور چوتھے گھر کا مالک ۵۔۹ گھر میں ہو تو اپنے خاندان اور رشتہ داران میں عزیز اور انکا کار بردار ہو۔
۱۷۰۔ دسویں گھر میں سورج کے ساتھ چوتھے گھر کا مالک ہو۔ تو قہر حاکم سے املاک برباد ہو
۱۷۱۔ چوتھے گھر کا مالک نویں گھر کے مالک کے ساتھ معہ شبھ گرہ کے گیارہویں گھر میں ہو تو سواری گھوڑا یا گاڑی یا فیل نصیب ہو۔
۱۷۲۔ چوتھے گھر اور گیارہویں گھر کا مالک معہ برہسپت پہلے گھر جنم لگن میں ہو تو سواری گھوڑا گاڑی
۱۷۳۔ جنم لگن کا مالک چوتھے گھر کے مالک کے ساتھ اپنے گھر میں ہو۔ خواہ جنم لگن او چہارم گھر کا مالک ملکر ۱۔۴۔۷۔۱۰ میں آدمی خود ملکیت حاصل ہو جاوے اور خوشی میں زمانہ بسر کرے۔
۱۷۴۔ بارہویں۔ آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہوں تو مویشی کا نقصان ہو۔
۱۷۵۔ جسقدر پاپی گرہ چوتھے گھر کو بدوں دوستی کے دیکھتے ہوں اسیقدر جانوران کا نقصان ہو
۱۷۶۔ جسقدر پاپی گرہ سورج کے گھر میں ہوں اسیقدر جانوران کا نقصان ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۷۔ میکھ یا برچھک کے منگل ہمراہ شکر کے ہوں ایک خاص بیماری سے نقصان جانور ان ہو۔

۱۷۸۔ چوتھے گھر کا مالک پہلے گھر لگن میں ہو۔ تو خوش بخت اور ماں باپ کا پیارا ہو۔

۱۷۹۔ چوتھے گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو شبھ گرہ ترقی دولت اور ورثہ والدین سے فائدہ مند کرتا ہے۔ اور بچہ خادم اور فرمانبردار ماں باپ کا ہوتا ہے پاپی گرہ ہو تو نقصان دولت اور ماں باپ سے رنج پیدا کرتا ہے۔

۱۸۰۔ چوتھے گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو بھائی بندوں سے خوش اور ماں باپ سے ناراض ہوتا ہے۔

۱۸۱۔ چوتھے گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو معزز نیکنام و صاحب نصیب امیر صاحب سواری و دولتمند ماں باپ سے ممتاز مکانات اور زمین ہو۔

۱۸۲۔ چوتھے گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ اولاد کثیر اور خوش نصیب و نیکنام ہو صاحب اقبال و عمر دراز ہو۔ ورثہ باپ حاصل ہو۔

۱۸۳۔ چوتھے گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو اشبھ گرہ نقصان جائداد اور عزت اور عمر کوتاہ کرتا ہے والدین سے ناراضگی اور عداوت ہوتی ہے۔ اگر شبھ گرہ ہو۔ تو کسی قدر اثر کم کرتا ہے۔

۱۸۴۔ چوتھے گھر کا مالک اگر ساتویں گھر میں ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو تو عورت کو تکلیف اور کاروبار کا نقصان۔ اور عورت اسکی والدین مولود کو تکلیف دیتی ہے منگل شکر ہو۔ تو بدکار اور فاحشہ ہوتی ہے شبھ گرہ ہو تو ترقی عزت اور جائداد کا فائدہ ہوتا ہے۔

۱۸۵۔ چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ پاپی گرہ یا رنج یاد دشمن استھان کا ہو نادار مفلس جائداد زمین و مکان کا نقصان بدکار بدنام ہمیشہ بیمار ہو۔

۱۸۶۔ چوتھے گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو تو دائم المسافر۔ عالم فاضل صاحب زمین و مکان آرام و آسائش ہو۔ دھرماتماں اور عبادت خانہ و آرام گاہ بنوادے الااں باپ سے جلد علیحدہ ہو جاوے۔

۱۸۷۔ چوتھے گھر کا مالک اگر دسویں گھر میں ہو۔ تو باپ اسکا دوسری شادی کرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر پاپی ہو۔ تو پہلی عورت کو نکال دیوے اور صاحب جائداد ہو۔

۱۸۸ چوتھے گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو زمین مکان عمر دراز نیکوکار اور ماں باپ سے فائدہ اوٹھاوے۔ معزز دولتمند ہو۔

۱۸۹۔ چوتھے گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو زمین مکان کا نقصان ماں باپ جلدی مرجاویں یا اپنے مکان سے نکل جاویں اگر وہ پاپی ہو۔ تو شبہ شک ہے کہ مولود اپنے باپ کے نطفے سے نہیں ہے۔

۱۹۰ چوتھے اور دسویں گھر کے مالک نربل ہوکر خانہ ۶۔ ۸۔ ۱۲ میں ہوں۔ اور لگنیش بلوان ہو۔ تو جنم کے وقت ماتا یا پتا مرتو ہو۔

۱۹۱ آٹھویں گھر میں منگل بارہویں گھر میں سورج۔ چندرماں تیسرے گھر میں اب سبب سنیچر ہوں۔ تو باپ فوراً مرجاوے۔

۱۹۲ جنم لگن میں برسپت دوسرے گھر میں سنیچر تیسرے گھر میں راہو۔ تو ماں مرجاوے

۱۹۳ چوتھے گھر کا مالک سورج شکر کے ساتھ ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھروں میں ہوں تو نظر اور آنکھ ماں کو نقصان پہونچاویں۔

۱۹۴ چوتھے گھر کے مالک برسپت ہوکر ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں آجاویں تو ماتا کی زبان کو گنگ کردیویں۔ یا کچھ اور نقصان پہونچاویں۔

۱۹۵ جنم راس میں برہسپت دوسرے گھر میں سنیچر تیسرے گھر میں راہو تو ماتا کی مرتو ہو۔

۱۹۶ ۴۔ ۱۰۔ ۱۲۔ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ اور شبھ گرہ نربل ہوں۔ تو ماں باپ کی مرتو ہو سوائے ان کے جو پرورش کرے اوسکا بھی نقصان۔ خود پریشان اور حیران ہوکر ملک بملک پھرے۔

۱۹۷ بسنگھ میں منگل۔ برچھک میں سنیچر۔ کنیا میں شکر بتھن میں راہو ہو۔ تو ماتا مرجاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۸۔ منگل ۱۔۲۔۱۰۔۱۲۔۴ گھر میں ہو۔ تو علاوہ اور نقصان کے ماتا مرتو ہو۔
۱۹۹ جنم لگن اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہوں تو ماتا جلدی مرتو ہو۔
۲۰۰۔ چوتھے دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو ماتا کو کلیش دیویں یا اسکی مرتو ہو۔
۲۰۱۔ سنیچر چھٹے گھر میں ہو۔ اور چوتھے گھر کا سوامی نربل ہو۔ تو چھ دن یا چھ مہینے میں وہ جیو اپنا گھر چھوڑ کر دوسرے گھر جائیگا۔
۲۰۲۔ منگل ۱۔۴۔۵ گھر میں ہو۔ تو ماں باپ اس کے دونوں مرجاویں گے بشرطیکہ اور گرہ بلوان نہ ہوں۔
۲۰۳۔ سورج کے سپشٹ راس انس کلا سے چاند کا سپشٹ راس انس کلا کم کر دو جو راس انس کلا باقی برآمد ہو۔ اسمیں جب گوچر کر کے سنیچر آوے یا اس راس سے پانچویں نانویں گھر میں سنیچر آوے۔ اسوقت ماتا کی مرتو ہو
۲۰۴۔ آٹھویں گھر کے مالک کا جو سپشٹ راس انس کلا ہے۔ اس میں سے سورج کا سپشٹ کم کر دو۔ اس راس میں جب سنیچر آوے یا اس راس کے نوانسہ میں سورج آوے تو اسوقت ماتا مرتو ہو۔
۲۰۵۔ میکھ راشی خانہ چہارم میں ہو۔ تو خوف اور تنگی دل نقصان املاک والد اور خوف چوری۔
۲۰۶۔ برکھ راشی خانہ چہارم میں ہو۔ تو عمر دراز۔ خوشنودی والد۔ ترقی مال
۲۰۷۔ متھن راشی خانہ چہارم میں ہو۔ تو جمعیت ترقی املاک اور خوشی از جانب والد
۲۰۸۔ کرک راشی خانہ چہارم میں ہو۔ ترقی املاک۔ آمدنی زراعت۔ اور باغ حصول مرادات والدین سے۔
۲۰۹۔ سنگھ راشی خانہ چہارم میں ہو تو اقبال والا۔ ترقی املاک آبادی مقامات۔ حصول مراد از بادشاہ اور امراء کا دو بار عظیم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۱۰ کنیا چہارم خانہ میں ہو۔ ترقی و فائدہ مال میراث واملاک باغ زیور
ترقی مال و دوستاں تقویت برادران و ترک سفر

۲۱۱۔ تلا خانہ چہارم میں ہو۔ تو خوشی والد اور فائدہ زراعت۔ زمین
ملک میراث و اسباب خانہ داری۔ تیاری مکانات وغیرہ
و مرتبہ و شادی کا ہو۔

۲۱۲ برچھک خانہ چہارم میں ہو۔ والد سے پریشانی۔ خلل رہائش مکان
اور نقصان املاک

۲۱۳۔ دھن خانہ چہارم میں ہو۔ تو بخوشی خاطر مقام رہائش ترک کرے
املاک زراعت اسباب پدر۔ و خوشنودی مزاج والدین۔

۲۱۴ مکر خانہ چہارم میں ہو۔ تو والدین سے املاک اور اسباب حاصل ہو
مال پدر شادی ایک عورت

۲۱۵ کمبھ خانہ چہارم میں ہو۔ تو نقل مقامی انقلاب املاک والدین اندیشہ
تو حصول مراد۔ فائدہ از پدر استقلال

۲۱۶ مین خانہ چہارم میں ہو۔ آبادی ہر ایک کام میں
ترقی املاک اسباب و زراعت

۲۱۷۔ اگر لگن میں اور دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو مولود کی ماں کو دودھ
بخبر ہو۔
نہیں ہوگا۔ کسی غیر عورت کا دودھ پیئے گا۔ کیونکہ چوتھا گھر
کا ہے۔ اور چوتھے گھر پر پوری نظر پڑتی ہے۔ اور لگن سے بھی
چوتھے پر ہے۔ اور لگن ... خود کھانے کی چیز ہے۔ اس
لئے دودھ سوکھ جائیگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز ششم

خانہ ۵

۱۔ سورج پانچویں گھر میں بلوان ہوکر آوے۔ تو صاحب ہنر روزگار اچھا کرے۔ الا اولاد سے رنج پہلا حمل گر جاوے یا پہلا لڑکا مر جاوے ہنر جنتر کا شائق۔ دیوتا کا معتقد۔

۲۔ چاند۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو تو وہ لڑکیاں اور لڑکے دہاتے پوتے اور اچھا نوکر نصیب ہو بشرطیکہ شبھ گرہ چاند کے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ اگر چاند کمزور ہو۔ یا پاپ گرہ کے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو بے اولاد و بے روزگار بے ٹھکانہ اور پریشان بے قرار ہو۔

۳۔ منگل۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو۔ تو مقابلہ مخالفان میں فتحیاب رہیگا نیکوکار اور اولاد کا خواہاں رہیگا۔ فکر اولاد سے ناراض رہیگا۔

۴۔ بدھ۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو ہمیشہ خوش رہے میدان میں فتح پاوے عالم فاضل شاعر۔ عزت اولاد سے خورسند ہو۔ اور نیکوکار

۵۔ برہسپت پانچویں گھر میں بلوان ہو تو بہت اولاد۔ عالم۔ فاضل۔ دانا۔ خوش شکل بہادر و مشہور ہو۔ بدرگاہ حکام وقت معزز۔ صاحب نصیب تمام رشتہ دار اس کی تابعداری اور عزت کریں۔ پرہیزگار و صاحب قدر و منزلت ہو۔

۶۔ شکر۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ صاحب اولاد عمر دراز معزز۔ خوراک و پوشاک عمدہ ہو۔ ہنرمند صاحب دولت

۷۔ سنیچر۔ پانچویں گھر میں بلوان ہو تو فکر اولاد دے بہت غصہ ور۔ لاغر بدن اپنے مکان میں خوفناک۔

۸۔ راہو کیتو۔ پانچویں گھر میں ہو۔ تو ہمیشہ پژمردہ دل غمناک، خاطر۔ اولاد سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بے بہرہ۔ کم عقل ایلا میکہ برکہ کرک راس میں ہو۔ تو اولاد زندہ رہیگی

۹۔ سورج۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو تو کئی علوم اور فنون میں ماہر۔ نامور عالم فاضل۔ چستا۔ ہیشہ ہوں محنت کش۔ بہادر۔ دلیر۔ جوانی میں ماں باپ کا اور اوسط عمر میں فرزنداں کا انتقال ہو۔

۱۰۔ چاند۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ تو کم علم۔ کم عقل۔ اولاد پیدا ہو کر مر جاوے۔

۱۱۔ منگل۔ پانچویں گھر میکہ راس ہو تو عالم عاقل۔ بلوان۔ دلاور۔ صاحب نصیب و اختیارات سزا۔ تیز مزاج اولاد کو بحث حادثہ موت پیش آوے خود اوسط عمر میں مبتلا بہ حادثہ پیش ہو۔

۱۲۔ بدھ۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل دانشمند۔ ہنرمند ہمہ صفت موصوف۔ تحریر تقریر میں لائق۔ صاحب فرزندان۔ ورثہ مادری ہاتھ آوے

۱۳۔ برہسپت۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل عابد۔ زاہد۔ خوش قسمت خوش اقبال۔ صاحب اولاد۔ پناہ دہندہ۔ چند زبانیں جانتا ہو۔ الا متوسط عمر میں کسیقدر تکلیف اور رنج اوٹھاوے۔

۱۴۔ شکر۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ تو ہنرمند۔ دستکار۔ کل سائنس۔ الا نادار اولاد۔ بد وضع بدکار۔ وسط عمر میں حملہ دشمناں اور زہر کا خوف صحبت بدعورات

۱۵۔ سنیچر۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ بدکار۔ بدنام مخالف والدین بے اولاد بے عقل بے علم۔ جعلساز۔ چغلخور۔

۱۶۔ راہ کیت۔ پانچویں گھر میکہ راس میں ہو۔ بد مزاج بد خیال ابتدائے عمر میں والدین مرجاویں۔ اولاد سے خوشی نصیب نہ ہو۔ کم عقل۔ کم علم۔

۱۷۔ سورج۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو جوانی میں ماں باپ اور وسط عمر میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اولاد کا انتقال ہو۔ زیر عتاب حکام آوے ورثہ حاصل ہو۔ مگر اُس سے آرام اور راحت نہ پاوے۔

۱۸۔ چاند۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم و علم ینتر جنتر و دھرم ودیا میں ماہر ہو۔

۱۹۔ منگل۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو تو پہلوان جنگجو۔ شائق ہتھیار۔ طبیعت متوسط عمر میں لائق۔ فرزنداں کی موت کا حادثہ۔ کم علم کم عقل۔

۲۰۔ بدھ۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم شاستر ودیا میں ہوشیار بیمار مخالف زیادہ۔

۲۱۔ برہسپت۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو تو عالم۔ فاضل۔ مصاحب۔ حکام نامور نیکنام۔ برہم ودیا میں ماہر علم قیافہ و قانون میں ہوشیار۔ الّا اولاد سے محروم ہو

۲۲۔ شکر۔ پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ صاحب علم و عقل ہوشیار۔ خوشمزاج خندہ طبیعت۔ صاحب دولت چند فرزند ہمیشہ خوش و خرم الّا عیاش صورت عورات میں دولت برباد کردیوے۔

۲۳۔ سنیچر پانچویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو کم علم۔ کم عقل بے اولاد عورات سے رنج ابتداء عمر میں اچھا زمانہ بسر ہو۔ الّا آخر میں کئی مصائب اور تکالیف دیکھے

۲۴۔ راہ کیت۔ کم عقل کم علم تاہم معزز اور دولتمند ہو۔ چالاک دشمن زیادہ۔

۲۵۔ سورج۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو صاحب اقبال و نامور و صاحب علم خاندان ماں سے فائدہ۔ افسوس کہ وسط عمر میں حادثہ موت اولاد پیش آوے

۲۶۔ چاند۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو کئی تکالیف پیش آویں ماں باپ اور نانکے جلد نیست و نابود ہو جاویں نادار بے دولت۔ پرورش رشتہ دار خاندان کریں۔ فرزند ہو کر لقمہ موت ہو جاویں۔ کوئی آرام نصیب نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۔ منگل۔ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ ہمسائیوں کا ناش کرتے ہیں رشتہ داران خاندان
ماں باپ کی تباہی وسط عمر میں علم وعقل کا نقصان جوان فرزند کا انتقال

۲۸۔ بدھ پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم عاقل۔ صاحب جائیداد اور لڑ
دیگراں ہاتھ آوے۔ بالاصدمہ موت فرزنداں پیش آوے۔

۲۹۔ برسپت پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم فاضل معزز۔ دولتمند اعلیٰ خاندان
میں رکن اعظم ہو۔ نائب امیر ہوں۔ دانشمند۔ صاحب سرکار۔ با ضابطہ سرکار
سے واقفیت کثیر اولاد۔ فرزند خوش قسمت ہوں۔

۳۰۔ شکر پانچویں گھر متھن راس میں ہو۔ دانا و صاحب علم خوشحال نامور شاعر
کبھی شائق عورات و فن جادوگری۔ لڑکیاں زیادہ ہوں۔

۳۱۔ سینچر پانچویں گھر متھن راس میں ہو تمام تکالیف اور حادثوں کا قیامگاہ ہو
بے اولاد۔ اگر اولاد ہو۔ تو اس سے سخت آزردہ و پریشان خاطر ہو علم کامل اور
مفید نہ ہو ماں باپ سے آرام نہ پاوے بہن بھائی سے خوش نہ ہو کم سرمایہ۔

۳۲۔ راہکیت۔ بے علم کم عقل۔ فرزنداں پیدا ہو کر گذر جاویں بے قرار و پریشان
جو کام اچھا کرے وہ پیچھے بُرا ہو جاوے۔ مورد الزام اور محیط الاتہام
ہو۔ جائیداد برباد ہو کر پھر ہاتھ آوے۔

۳۳۔ سورج پانچویں گھر کرک راس میں ہو تو عادل و انصاف پسند۔ حکمران با اقبال
ہو۔ الا امیدوں میں کوشش مخالفان سے ناکامیاب و ناشاد رہے حادثہ
موت فرزنداں دیکھے۔

۳۴۔ چاند۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ صاحب علم و عقل و دولتمند و حاکم باخیال
عورت اولاد سے خوش اور لڑکیاں زیادہ ہوں۔ پیشاب کی بیماری
دامنگیر ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۵ - منگل پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ کمال میں زوال مقدمات جائیداد و زرعی وغیرہ تکالیف دکھا دیں۔ بھائیوں کی موت۔ آخری چند عمر میں غم اور پریشانی۔ اولاد کا رنج۔

۳۶ - بدھ۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو صاحب علم و حلم و حیا و عبادت و زہد و جہد سے نامور وراثتاً جائیداد ہاتھ آوے اور اولاد کا رنج ہو۔

۳۷ - برہسپت - پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ عابد۔ زاہد ہر علم میں ماہر۔ لوگوں کے دلوں کا بھید جاننے والا۔ نامور معزز نیکنام صاحب مراتب قیافہ شناس صاحب اولاد۔ شاد کام و خوشحال ہو

۳۸ - شکر۔ پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو معزز مالدار و خوشحال۔ لڑکیاں زیادہ شائق عورات و راگ و رنگ جسیم۔ اعضاء کمزور

۳۹ - سنیچر پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ خود پسند۔ بدمزاج۔ مغرور۔ متکبر۔ با اختیار حکمران۔ صاحب اقبال اعلیٰ منصب۔ مزاج دور اندیش عقیل۔ الا بدمذہب و بے دھرم۔

۴۰ - راہ کیت پانچویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو بدبخت و بدخیال شروع میں ماں باپ کا انتقال بعد میں فرزند ہو کر گذر جاویں۔ نقاش و تصویرات کا شائق۔ بدنام مورد آلام۔

۴۱ - سورج پانچویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اگر بدھ شامل ہو تو خوش قسمت صاحب اقبال دلیر۔ بہادر۔ بڑے مشکل کاموں میں کوشش کرنیوالا واقف فنون صاحب منصب اور معزز عہدہ سرکاری نصیب ہو دولتمند الا حکام اور چور ڈاکو سے خوف نقصان دولت۔ مقدمات میں اول گھبرا جاوے ازاں بعد مخالفوں پر غالب آوے جوانی میں اولاد آباد و خویش اقارب مر جاویں اور مبتلا بہ تکلیف ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۲ - چاند - پانچویں گھر سنگھ راس میں نہایت بد نتیجہ دکھلاتا ہے تمر عمر بیماری اور خوف مرض آتشک - ماں باپ کا انتقال کاروبار دنیاوی پر ہو۔ جو خاندان میں مددگار ہوں۔ وہ مر جاویں کئی شادیاں ہوں بیمار خویش اقارب مخالف نہ ہوں۔ خوف سرکار کئی اقسام سی تکالیف پیش

۴۳ منگل پانچویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ علم عقل سے فائدہ نہیں۔ اولاد کا سخت اور غم پیش آوے۔ مقدمات جائیداد میں بربادی دولت علاوہ تکالیف مصائب کے خوف سزا۔ اگر شبھ گرہ کی درشٹی نہ ہو۔ تو زندگی وبال ہے۔

۴۴ بدھ شامل سورج کے ہو۔ تو سورج کا پھل کریگا۔ اگر شامل چاند کے ہوگا پھل چاند کا کریگا غرضیکہ جس کے شامل ہوگا اوسی کا پھل کریگا۔

۴۵ - برہسپت - پانچویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو شبھ پھل نہیں کرتا ہے بلکہ طرح کا نقصان دیتا ہے ماں باپ کی ابتدا میں موت۔ جائیداد کی برباد عزت اقبال کا زوال۔

۴۶ - شکر - پانچویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو ٹھیک مثل چاند کے پھل کرتا ہے

۴۷ - سنیچر پانچویں گھر سنگھ راس ہو تو مثل برہسپت کے پھل کرتا ہے۔

۴۸ - راہ کیت پانچویں گھر سنگھ راس میں مثل منگل کے شبھ پھل کرتا ہے

۴۹ - سورج پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو اعلے خاندان اور صاحب جائید میں پیدا ہو۔ مگر سایہ ماں باپ جلدی دفع ہو۔ اچھے نامور آدمی خاندان کے انتقال کر جاویں۔ گو صاحب دولت جائیداد ہو۔ مگر اولاد کا غم جائید کا نقصان۔ حادثہ انتقالات بزرگان کا رنج۔

۵۰ - چاند پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ گو چند ہنروں میں ماہر اور صاحب علم تاہم آرام اور آسائش نہ پاوے دشمن زیادہ ماماں کی اولاد میں لڑکیاں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

زیادہ ہوں۔

۵۔ منگل۔ پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ یہ جو ہمیشہ رنج اور غم میں رہے۔ نہ زیادہ دولت نہ ناموری۔ آیا اولاد زیادہ ہو کر انتقال کر جاوے۔ اور اُن کے حادثہ زندگی کو بے مزہ اور تلخ کردیں۔

۵۔ بدھ پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عقلمند۔ دانا صاحب علم اور منتظم جائداد کسی دوسرے خاندان کا ہو۔ صاحب دولت و اقبال ہو۔ مگر بے اولاد اور تایا یا چچا کا خاندان بے نشان ہوجاوے۔

۵۔ برہسپت۔ پانچویں گھر کنیا راس میں ہو تو صاحب علم و ہنر ہو۔ نامور و نیکنام ہو۔ گو اوسکو ایسے معاملات متنازعہ پیش آویں جس سے سکونت ملک ترک کردیوے تاہم وہاں بھی زمانہ زندگی آسودگی اور خوشحالی سے بسر ہو البتہ اولاد کا رنج پہونچے یا نہ ہو۔

۵۔ شکر پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عورت خصلت اور شائق عورات و راگ رنگ ہو۔ ہنرمند اور مختلف پیشہ اختیار کرے تاہم کمزور۔ لڑکیاں زیادہ جوانی میں عورت کا انتقال بے موقعہ خوشحال نہ رہے۔

۵۔ سنیچر۔ پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو دونو خاندان۔ ماں اور باپ برباد کر دیوے۔ خود بیمار۔ بدچلن۔ مرض آتشک یا ازیں قسم میں مبتلا۔ باوجود چند شادیوں کے اولاد سے محروم ہو۔

۵۔ راہ کیت۔ پانچویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو مثل سنیچر کے عمل کرتا ہے۔

۵۔ سورج۔ پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو اول شاد کام اور اچھی حالت میں ہو۔ اوس وقت آرزو اولاد ہے مگر نصیب نہ ہو جب زمانہ زوال آوے نانکے خاندان میں موت اور خود نادار تنگدست ہوجاوے تب اولاد پیدا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہووے۔ تھوڑا زمانہ جوانی میں آسودگی۔ اور خوشحالی دیکھے۔ پھر روز بر
کمی پر ہو اس حد تک کہ جائیداد بزرگاں ضائع کردیوے۔

۵۸۔ چاند۔ پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو صاحب علم و عقل ہو۔ مباحثہ میں سر
پر فضیلت پاوے۔ دوسری عورت سے اولاد خوش نصیب۔ اور اوس
والدین سے دولت حاصل ہو معزز اور نامور ہو جاوے۔

۵۹۔ منگل پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو عقل فکر اور حافظہ کو صاف کردیتا ہے
اولاد بلکہ بھائی بہنوں کی اولاد کو ایذا پہونچاتا ہے۔ آخری عمر میں ک
مصائب اور تکالیف پیش آتی ہیں۔ روپیہ جسقدر لوگوں کو دیو
وہ وصول نہیں ہوتا ہے۔ جو خود لیوے اوسکی ادائیگی میں جائید
بزرگان بھی تلف ہوجاتی ہے۔ غرضیکہ ہر طرح نحس ہے۔

۶۰۔ بدھ پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو اس کے اوصاف اور شبھ پھل بیا
کرنے مشکل ہیں بشرطیکہ کسی صورت سے کمزور نہ ہو عالم عابد زاہد گیانی دھ
یانی۔ پریم ودیا میں کامل دلی یا جوگیشر ہو۔ بڑا مدبر۔ صاحب عقل و زر
دماغ۔ مسافر ممالک غیر ہو۔ عورت اول سے اپید اولاد کم۔ الا دوسری
شادی سے اولاد عقل کل۔ دانشمند عالم۔ فاضل اور معزز۔ ناتکوں سے
کثیر دولت حاصل ہو معزز اور نامور ہو جاوے۔

۶۱۔ برہسپت پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو اچھے گھر میں پیدا ہو علم عقل اور
دولت بھی ہو۔ مگر مخالف تنگ کریں۔ دولت جاتی رہے۔ خوف رشتہ دار
اور بھائی بند مخالفان سے وطن چھوڑ جاوے نہ عزت ہو نہ رتبہ پریشانی
میں زندگی بسر کرے۔

۶۲۔ شکر پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ اگر اوس گرہ کمزور ہوں۔ اور شرپاپی گرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اسکو دیکھتے ہوں۔ تو عالم۔ فاضل دانشمند۔ عزیز حکام۔ اعلےٰ علوم پر گذارہ ہو۔ خوبصورت۔ خوش چشم۔ ہر دل پسند۔ نہائت پاکیزہ وضع۔ خوشمزاج شاعر۔ اور استاد علوم و رہنما۔ اعلےٰ مراتب اور بلند عزت نصیب ہو صاحب دولت و کمال ہو۔

۶۳- سینچر۔ پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ عالم فاضل اعلیٰ خیال۔ نامور شہو عورت اول سے اولاد نہ ہو۔ اور خصوص جوانی میں اسکا اقبال ہو۔ دُرشہ زندگان ہاتھ نہ آوے۔ دوسری شادی کرے اسی سے اولاد ہو۔ مگر وہ بعد جوانی میں حادثہ موت پاکر رخصت ہوں۔ بال سے امداد پاوے

۶۴- راہو کیت۔ پانچویں گھر تلا راس میں ہو۔ شروع عمر میں پوتر پرہیزگار نامور۔ نیکنام۔ جوگیشر یا ولی۔ لوگوں میں معزز۔ عورات سے قدر۔ دولتمند کئی بھائی ہوں۔ لیکن بھائی بجار اور بڑے بھائی اور بچوں کو کا حادثہ پیش آوے

۶۵- سورج۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو گو صاحب اقبال و اولاد اور اولاد خوش بخت و دولتمند ہو۔ الا شروع میں درمیانی عمر تک بقروض اور گذارہ سے بھی تنگ ہو جاوے ابعد زیادہ تر زمانہ حیرانی اور پریشانی میں بسر ہو۔

۶۶- چاند۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ اولاد سے خوش نصیب نہ ہو۔ نہ وہ دانا ہو۔ نہ نیک خیال نہ نیک اور نامور کام ہو۔ اور نہ زیادہ زندہ رہیں۔

۶۷- منگل۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ صاحب جائیداد اور زمیندار ہو اپنی اولاد سے پیار ہو۔ اور اولاد زیادہ ہو لیکن ابتداء عمر میں پریشان اور خستہ حال اور مقدمات میں مال و دولت اور وقت ضایع کرے۔

۶۸- بدھ۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ گو صاحب علم و ہنر ہو تاہم تنگ خیال خستہ اور پریشان گذارے اور کئی طرح کے کام اختیار کرے اور کئی عورات ہو اولاد کی ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مگر وہ بھی بدنصیب ہوں۔ بہر صورت عمر تکالیف میں بسر کرے۔

۶۹ - برہسپت - پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ نہایت شبھ پھل کرتا ہیں اگر دوسری گرہ بھی شبھ حالت میں ہوں۔ تو معزز۔ عالم فاضل عابد۔ زاہد یا جوگیشر۔ پرہیزگار۔ اور دھرماتما ہو۔ دانشمند۔ اور صاحب اولاد زیادہ ہو۔ بادشاہ یا راجہ کے برابر ہو تو سطا عمر کے بعد آرام پاوے۔ دانشمند ہوشیار صاحب تدبیر ہو۔ دوسروں کے کاموں میں تن من اور دھن سے قربان ہو۔

۷۰ - شکر۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو کئی انقلاب دکھلاتا ہے۔ گو فرزند و دختران ہوں لیکن اون سے آرام نہ ملے جلدی مرجاویں۔ جائیداد و زرگان نہ ہو۔ نزول آور ہو۔ راجدربار سے نہ پر بھی دولت ضایع ہو جاوے۔

۷۱ - سینچر۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو رنج اولاد۔ عورت بدشکل اور بدکردار ہو۔ آخر عمر میں بھائی بندوں سے ایذا پہنچے اور تمام عمر تکالیف اور مصیبت میں بسر ہو۔ جائیداد زرگان نہ ہو۔ دو بیاہ ہوں عورت ثانی خوش نصیب ہو۔ اوس سے اولاد بھی خوش نصیب پیدا ہو۔ مگر وہ بھی دولت اور آرام پیدا کر کے جلدی ضائع کر دیوے۔ خواہ معزز دانشمند اور مثل راجہ کے ہو۔ تاہم آرام نہ پاوے۔

۷۲ - راہ کیت۔ پانچویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو آرام اور آسائش سے محروم ہمیشہ مبتلا بہ مصائب رہے۔ دو شادیاں ہوں آخری عمر میں دوسری عورت سے اولاد زیادہ ہو۔

۷۳ - سورج۔ پانچویں گھر دھن راس میں ہو تو صاحب علم و اقبال دنیا ہو۔ وہ صاحب اولاد ہو سیر ملک کرے۔ وسط عمر میں شان شوکت اور جاہ و جلال راجدربار نصیب ہوں عادل اور منصف اور کاروبار شاہی میں ہر طرح لائق ہو۔

۷۴ - چاند۔ پانچویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو اولاد نرینہ ہو۔ البتہ دختران ہوں۔ دائم السفر اور دانشمند متحمل مزاج خیرخواہ اور ہمدرد عوام الا پریشان خاطر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نانکے خاندان سے زیادہ فائدہ اٹھاوے جوانی میں والدہ کا انتقال ہو جائیداد بزرگان نقصان کرے. باوجود جوگیشر او تپسی اور خیر خواہ عام ہونیکے زیادہ تر نامور اور بگیٹ سنسار نہ ہو بھولی اوقات پر گذارہ ہو.

۷۵. منگل پانچویں گھر دھن راس میں ہو تو عورت تابعدار اور شریف مزاج ہو. الا فرزند نافرمان. اور مخالف مزاج اور بانی فساد ہوں. اور خود بھی تند خو اور سخت مزاج جنگجو ہو.

۷۶. بدھ. پانچویں گھر دھن لگن میں ہو. تو دانشمند اور صاحب علم اور عابد خوش اخلاق ہو. الا عمر اول میں بے قرار اور پریشان رہے. آخری عمر میں دولت پیدا کرے. اور ہر کام میں فائدہ پاوے. اہل قلموں سے خوش ہو.

۷۷. برہسپت. پانچویں گھر دھن راس میں ہو. عالم و عاقل و متحمل و نیک مزاج کاربار راجدربار میں ہوشیار اور فیاض و عالی دماغ. معزز. مگر ابتداء عمر میں بدقسمت اور بے دولت اور بے اولاد ہو. وسط عمر میں اولاد دولت اور عزت نصیب ہو.

۷۸. شکر. پانچویں گھر دھن راس میں ہو. تو شائق راگ اور تابعدار عورت بلکہ اوسکی محبت میں وراثت بزرگان کو نقصان پہنچاوے اولاد اور باپ کا مخالف ہو متوسط عمر میں راجدربار سے نقصان اوٹھاوے.

۷۹. سنیچر. پانچویں گھر دھن راس میں ہو. تو بے عقل و کم علم. بدچلن. بدوضع بدعادت بے مذہب. ظالم. خونخوار جنگجو. قاتل. بے رحم. پٹھوں کی بیماری میں مبتلا ناقص. چند عورات سے بے فرزند. بے دھرم. بدنام.

۸۰. راہ کیت پانچویں گھر دھن راس میں ہو. تو مبتلا بہ رنج اور مصائب بلکہ فرزند نالائق اور باعث رنج و عذاب ہوں بے دھرم بلکہ الشیور کو بھی نہ مانے تنگ حال. مقروض متوسط عمر میں بدنام. گذارہ کیلئے کئی تدابیرات کرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۱ سورج۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ جوانی میں اولاد نہ ہو۔ اور زمانہ پریشانی میں
بسر کرے۔ اکثر اوقات بیماری گرمی میں مبتلا رہے۔ اگر صاحب عقل اور علم جوتش کا بہ
کسیقدر واقف ہو۔ آخری عمر میں ایک فرزند اور خوشی و آرام نصیب ہووے

۸۲ چاند۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو بیماری سردی اور بادی اور بلغمی وارد
ہو کئی بھائی بڑے ہوں۔ دور ملک میں جا کر دولت پیدا کرے یا کسی دوسرے
کا مال ہاتھ آوے۔ اولاد صرف ایک لڑکی ہو۔ اگر برہسپت یا اور گرہ مدد گار
ہوں۔ تو اولاد زیادہ ہو۔

۸۳۔ منگل۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو کئی رنج اور تکالیف ابتدا جوانی میں پیش
آویں۔ دشمن زیادہ ہوں۔ بد صحبت میں عادات بگڑ جاویں۔ متوسط عمر میں موت
فرزند کا خوف ہو۔ آخری عمر میں جا کر خوشی اور انجام نیک پیش آوے جائداد
اور زمین فائدہ دیوے۔

۸۴ بدھ۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو عمر اول پریشانی اور بے چینی میں بسر ہووے
آخیر عمر میں صاحب بخت و عقلمند و صاحب عزت و دیانت ہو۔

۸۵ برہسپت۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو جائداد نیز سامان ضائع ہو جاوے
متوسط عمر میں بدنام اور بے عزت ہو۔ فرزند پیدا ہو کر قبل از جوانی انتقال کر
جاویں۔ تنگدست اور گذارہ سے لاچار ہو۔

۸۶ شکر۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو لڑکیاں ہو۔ اور صاحب دولت ہو۔
زبان شاہی جانتا ہو متوسط عمر میں بوسیلہ عورات راجدربار میں عزت
اور عروج حاصل ہو علم اور عقل کا ہو۔

۸۷ سنیچر۔ پانچویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو ہر طرح رنج اور تکالیف دکھلاتا ہے
رزق روزی سے تنگ علم اور عقل سے بے بہرہ۔ جائداد نیز سامان برباد ہو جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شروع عمر میں مصیبتیں دا منگیر ہوں۔ فرزند پیدا ہو کر زندہ نہ رہیں

۸۸۔ راہ کیت۔ پانچویں گھر کرکراس میں ہو۔ تو کسی طرح رنج اور نقصان پہونچا تا ہے بدنصیب۔ بدنام تہمتوں میں گرفتار۔ قرضدار۔ اولاد پہلی عمر زندہ نہ رہے۔ آخری عمر میں کئی بیٹے ہوں۔

۸۹۔ سورج پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو زبان شاہی سے واقف اور نامور ہو۔ لیکن بے موقوف صدمہ اولاد سے سخت مغموم اور پریشان ہو متوسط عمر میں بیٹے مرجاویں اور ابتدائے عمر بے ناہ کار اور بدکردار ہو۔

۹۰۔ چاند۔ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور مشہور اور لوگوں میں عزت ہو۔ دولت و اولاد سے خوش ہو۔ اراضیات کا مالک ہو۔ بلکہ نقصان شدہ جائیداد پھر زر اور زور سے اپنے قبضہ میں لاوے آخری حصہ عمر کا راحت سے بسر ہو

۹۱۔ منگل۔ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو دولت زیادہ کما دے۔ مگر اس سے آرام نصیب نہ ہو۔ خود برباد کردیوے۔ بے رحم اور ظالم غصہ ور ہو۔ اپنی اولاد سے ہمیشہ رنج اور آزردہ رہے۔

۹۲۔ بدھ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو ہنرمند اور صاحب علم ہو۔ عورت اول سے کئی بیٹے پیدا ہوں۔ اکثر صحبت بد میں زیادہ راغب ہو۔

۹۳۔ برسپت۔ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور عقل ہو کر بہت دولت پیدا کرکے بدکاری میں برباد کرے۔ موت کسی سمبندھی کا دل پر سخت صدمہ گذرے اور بیٹے ہو کر مرجاویں۔

۹۴۔ شکر پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو عالم اور عاقل و صاحب دولت ہو۔ لڑکیاں اور بہنیں زیادہ ہوں۔ وسط عمر میں تہمت اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سزا راجہ دربار کا خوف ہو۔

۹۵- سنیچر۔ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو غم اور رنج اور تہمت بدنامی میں
مبتلا ہو۔ نیک کام کا نتیجہ برا اٹھاوے۔ بدکار۔ اور بے عقل ہو اولاد
کا سخت غم پہنچے۔

۹۶- راہو کیت۔ پانچویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو ہر طرح سے غم اور رنج پیش
آویں۔ اولاد ہو کر زندہ نہ رہے۔ متوسط عمر میں تنگدستی اور افلاس بر
کر دیوے۔ آخری عمر میں کچھ آرام پاوے۔

۹۷- سورج۔ پانچویں گھر میں راس میں ہو۔ گو معزز اور نامور۔ اور راجہ دربار
صاحب اختیار اور عہدہ دار ہو۔ تاہم کبھی رنج اور نقصان اوٹھانے پ
پیدا ہو کر زندہ رہیں۔ اون سے سخت رنج اور غم اوٹھاوے ابتدائی
عمر میں ماں انتقال ہو۔ متوسط عمر تک دولت اور جائیداد نقصانات اور
فسادوں میں برباد کر دیوے۔ آخری عمر میں آنکھوں کی بیماری ہو۔

۹۸- چاند۔ پانچویں گھر میں راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور عقل ہو۔ اول ملازمت
سرکار ہو۔ لیکن تھوڑے زمانہ بعد چھوڑ دیوے۔ کسی پیشہ اختیار کرے دیگر
فائدہ بیوپار میں ہو۔ لڑکیاں زیادہ ہوں بشرطیکہ چاند بلوان ہو۔

۹۹- منگل پانچویں گھر میں راس میں ہو تو عادات نیک نہ ہوں نہ جائیداد سے
فائدہ اوٹھاوے بلکہ جائیداد بزرگان تلف کر دیوے فریب سے روپیہ
کماوے۔ جادوگری کا شائق ہو۔ آخری عمر میں موت۔ جوان بیٹوں کا صدمہ پہنچے

۱۰۰- بدھ۔ پانچویں گھر میں راس میں ہو تو صاحب عقل و عالم فاضل ہو۔ مگر باوجود اس
کے گذارہ سے تنگ اور اولاد سے بے بہرہ ہو۔

۱۰۱- برہسپت۔ پانچویں گھر میں راس میں ہو تو عالم۔ فاضل عابد۔ زاہد پرہیزگار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

قانون سرکار میں ماہر۔ معزز صاحب اولاد۔ دولتمند ہوشیار۔

۱۰۲۔ شکر۔ پانچویں گھر مین راس میں ہو۔ تو معزز۔ نامور عالم۔ شائق عورات عورت
خوش شکل۔ اور دولتمند نصیبا ہو۔ آلا متوسط عمر میں مرجاوے۔ بحری
سفر اور رہائش کا خواہاں۔ عمر دراز۔ صاحب اولاد ہو۔

۱۰۳۔ سینچر۔ پانچویں گھر مین راس میں ہو۔ تو بے عقل بے علم۔ بد دیانت۔ بے
دھرم۔ ماں باپ کا مخالف۔ بیٹے ہو کر زندہ نہ رہیں۔ بچے روپیہ کماوے بدکاری میں خرچ کرے

۱۰۴۔ راہو کیت۔ پانچویں گھر مین راس میں ہو۔ تو بے علم بے دھرم۔ بدکار۔ زانی۔ شرابی
بدنام۔ مہتم۔ روپیہ برباد کردیوے۔ بیٹے زندہ نہ رہیں۔

۱۰۵۔ اگر پانچویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ اور اسکو شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو دانا اور صاحب عقل ہو۔

۱۰۶۔ اگر دسویں گھر کا مالک خانہ اول میں ہو۔ شاعر ہو۔

۱۰۷۔ اگر پانچویں گھر کا مالک بلوان ہو کر لگن میں ہو۔ تو صاحب عقل ہو۔

۱۰۸۔ اگر برہسپت کیندر یا ترکون میں ہو۔ تو صاحب عقل ہو۔

۱۰۹۔ اگر بدھ پانچویں گھر میں برہسپت کے ساتھ ہو۔ تو صاحب علم ہو۔

۱۱۰۔ اگر پانچویں گھر کا مالک زور آور ہو کر کیندر میں ہو تو صاحب عقل ہو۔

۱۱۱ اگر بارہویں گھر کا مالک راس خانہ اول میں ہو۔ تو خوش تقریر ہو۔

۱۱۲ اگر پانچویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو تو صاحب علم ہو۔

۱۱۳۔ اگر لگن میں چاند ہو۔ سینچر و منگل اوسکو دیکھتے ہوں۔ تو جاہل ہو۔

۱۱۴۔ اگر پانچویں گھر کا مالک پاپی گرہ اور چھیویں گھر کے انس کا ہو تو بے عقل ہو۔

۱۱۵۔ اگر دوسرے گھر کا مالک پاپی گرہ کیساتھ دسویں گھر میں ہو تو عام جلسہ میں تقریر نہ کرسکے

۱۱۶۔ اگر پانچویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پانچویں گھر میں سینچر ہو کر
پہلے گھر کے مالک کو دیکھتا ہو۔ تو بے عقل ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۷- اگر بدھ و شکر دوسرے یا تیسرے گھر میں اکٹھے ہوں تو علم جوتش میں ہوشیار ہو۔

۱۱۸- اگر دوسرے گھر میں کرک راس کا برہسپت ہو۔ تو جوتشی ہو۔

۱۱۹ اگر لگن کا مالک دوسرے خواہ گیارہویں گھر میں ہو۔ تو صاحب علم اور نیک مزاج ہو۔

۱۲۰- اگر گیارہویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو۔ تو شاعر ہو۔

۱۲۱- اگر چوتھے گھر کا مالک پہلے خواہ ساتویں گھر میں ہو۔ تو وہ ودوان پنڈت ہو۔ جلسہ عام میں تقریر نہ کر سکے۔

۱۲۲- اگر پانچویں گھر میں راہو ہو۔ منگل اسکو دیکھتا ہو۔ تو لاولد ہو۔

۱۲۳- اگر صاحب راس اور پانچویں گھر کا مالک کمزور ہوں اور پانچویں گھر میں پاپی گرہ ہو تو لاولد ہو۔

۱۲۴- اگر پہلے گھر کا مالک راہو کے ساتھ اور پانچویں گھر کا مالک منگل کے ساتھ ہو تو لاولد ہو۔

۱۲۵- اگر سورج اور پانچویں گھر کا مالک پاپی گرہوں کے درمیان ہوں۔ اور پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو بزرگان کی بد دعا سے اولاد نہ ہو۔

۱۲۶- اگر پانچویں گھر میں سورج پاپی گرہوں کے درمیان ہو۔ اور منگل نیچ راس میں ہو۔ تو بزرگان کی بد دعا سے

۱۲۷- اگر پانچویں گھر میں سنیچر یا برشچک کا چاند ہو۔ اور پانچویں گھر کا مالک راہو کے ساتھ ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۲۸- اگر پہلے گھر کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک راہو کے ساتھ خانہ ۵-۸-۱۲ میں ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۲۹- اگر پہلے گھر کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک کمزور ہوں اور پاپی گرہ پانچویں گھر کو پاپ درشٹی سے دیکھتا ہو خواہ لگن کا مالک راہو کے ساتھ اور پانچویں گھر کا مالک منگل کے ساتھ ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۰- اگر سورج آٹھویں گھر میں اور سنیچر پانچویں گھر میں اور پانچویں گھر کا مالک راہو کے ساتھ ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۱ - اگر بارہویں گھر کا مالک لگن میں اور آٹھویں کا مالک پانچویں گھر میں اور دسویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۲ - اگر برچھک کے سنیچر لگن میں اور پاپی گرہ چوتھے گھر میں اور چندرمان پانچویں گھر میں ہوں۔ تو ماں باپ کی بد دعا سے اولاد نہ ہو۔

۱۳۳ - اگر راس کا مالک مین راس میں اور چندرماں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پانچویں گھر کا مالک ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ تو ماں کی بد دعا سے اولاد نہ ہو۔

۱۳۴ - اگر چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں اور پہلے و پانچویں گھر کے مالک چھٹویں گھر میں اور دسویں و چھٹویں گھر کے مالک پہلے گھر میں ہوں تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۵ - اگر راہ منگل۔ برہسپت ۶۔۸۔۱۲ گھروں میں ہوں سنیچر و چاند پانچویں گھر میں ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۶ - اگر سورج پہلے گھر میں منگل پانچویں گھر میں ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۷ - اگر برہسپت سے پانچویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور پانچویں گھر میں برہسپت دھن یا مین راس کے ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۸ - اگر برہسپت سے پانچویں گھر کا مالک ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ اور اس و پانچویں گھر کے مالک ۶۔۸۔۱۲ گھروں میں ہوں تو اولاد نہ ہو۔

۱۳۹ - اگر لگن میں سورج اور ساتویں سنیچر ہو۔ تو حمل گر جاویں۔

۱۴۰ - اگر ساتویں گھر میں سورج اور دسویں گھر میں سنیچر ہو۔ اور برہسپت دیکھتے ہوں تو حمل گر جاویں

۱۴۱ - اگر سنیچر و منگل چھٹویں یا چوتھے گھر میں ہوں تو حمل گر جاویں۔

۱۴۲ - اگر سنیچر چھٹویں گھر کے مالک کے ساتھ چھٹویں گھر میں اور چاند ساتویں گھر میں ہوں۔ تو حمل گر جاویں

۱۴۳ - اگر برہسپت اور پانچویں گھر کے مالک پاپی گرہ کے ساتھ اور چوتھے و چھٹویں گھر میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پاپی گرہ ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۴۴۔ اگر پانچویں۔ آٹھویں۔ بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۴۵۔ اگر چاند و برہسپت لگن میں اور ساتویں گھر میں سنیچر یا منگل ہوں۔ تو اولاد نہ ہو

۱۴۶۔ اگر چوتھے اور چھٹے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور مالک پانچویں گھر کو پاپی گرہ دیکھتا ہو تو

۱۴۷۔ اگر آٹھویں۔ بارہویں جنم لگن میں پاپی گرہ ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۴۸۔ اگر سنیچر و منگل ملکر نویں اور دسویں گھر میں ہوں۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۴۹۔ اگر پانچویں گھر سنیچر دشمن کے گھر کا ہو۔ تو اولاد کا سکھ نہ ہو۔

۱۵۰۔ اگر ساتویں گھر میں شکر اور دسویں گھر میں چاند ہو چوتھے گھر میں گرہ ہو تو اولاد نہ

۱۵۱۔ اگر بدھ و سنیچر شکر آٹھویں گھر میں ہوں۔ تو اولاد کا سکھ نہ ہو

۱۵۲۔ اگر چاند سے آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو اولاد کا سکھ نہ ہو اگر لگن میں پاپی
اور چوتھے گھر میں چاند اور پہلے گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو اور پانچویں گھر کا مالک کمزور ہو
اولاد نہ ہو۔

۱۵۳۔ اگر ساتویں گھر میں پانچویں گھر کا مالک ہو۔ اور جنم لگن اور نویں گھر کے مالک پاپی گرہ کے
ہوں۔ اور چھٹویں گھر کا مالک پانچویں گھر کے مالک کو دیکھتا ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۵۴۔ اگر سنیچر و منگل و شکر ساتویں گھر میں ہوں

۱۵۵۔ اگر منگل جنم لگن میں اور سنیچر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۵۶۔ اگر تیسرے گھر کا مالک چاند کے ساتھ کیندر میں ہو اور پانچویں گھر میں ہو تو اولاد

۱۵۷۔ اگر مین راس کے برہسپت ... تو اولاد کا سکھ نہ

۱۵۸۔ اگر سنگھ کے سنیچر و منگل پانچویں گھر میں ہوں اور پانچویں گھر کا مالک سورج ہو تو پتر کا سکھ

۱۵۹۔ اگر سنیچر چھٹویں گھر میں ہو اور سورج پانچویں گھر میں ہوں تو اولاد
گرہ ہو۔ تو بھی دیوتا کے دکھ سے اولاد نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۹ الف - اگر منگل پانچویں گھر کا مالک ہو۔ اور پانچویں گھر میں راہو کو منگل دیکھتا ہو تو اولاد نہ ہو۔

۱۶۰ - اگر پاپی گرہ پورن درشٹی سے پانچویں گھر کو دیکھتا ہو۔ تو حمل گر جاویں۔

۱۶۱ - اگر لگن کا مالک منگل کے گھر میں ہو اور پانچویں گھر کا مالک چھٹویں گھر ہو تو اولاد نہ ہو

۱۶۲ - اگر پہلے گھر۔ مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پانچویں گھر کا مالک ۶-۸-۱۲-
گھروں میں ہو تو اولاد نہ ہو۔

۱۶۳ - اگر کنیا کے سورج لگن ہیں اور پانچویں گھر میں منگل ہو۔ تو اولاد نہ ہو۔

۱۶۴ - اگر جنم لگن اور چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ اور پانچویں گھر میں بدھ ہو تو اولاد ہو کر زندہ نہ رہے

۱۶۵ - اگر لگن کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک شبھ گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲ گھر
میں ہو۔ تو اولاد دیر بعد ہو۔

۱۶۶ - اگر پانچویں گھر میں میکھ یا برچھک یا کرک کے راہو ہوں تو بیٹا پیدا ہو۔

۱۶۷ - اگر پانچویں گھر اور پانچویں گھر کے مالک کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں تو بیٹا پیدا ہو۔

۱۶۸ - اگر جنم لگن کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ اور پانچویں گھر کا مالک اور برہسپت دونو
بلوان ہوں تو بیٹا پیدا ہو۔

۱۶۹ - اگر پانچویں گھر میں برہسپت ہو۔ اور اوسکو جنم لگن کا مالک دیکھتا ہو تو اولاد ہو۔

۱۷۰ - اگر پہلے گھر کا مالک پانچویں گھر میں پانچویں گھر کا مالک جنم لگن میں خواہ دونو مل کر
پہلے یا پانچویں گھر میں ہوں۔ تو اولاد ہو۔

۱۷۱ - اگر دسویں گھر میں شبھ گرہ اور پانچویں گھر میں پاپی گرہ ہو تو مدت کے بعد اولاد ہو۔

۱۷۲ - اگر دوسرے گھر میں شبھ گرہ اور پانچویں گھر میں پاپی گرہ ہو تو مدت کے بعد اولاد ہو۔

۱۷۳ - اگر پہلے اور نانویں گھر کے مالک ساتویں گھر میں ہوں۔ دوسرے گھر کا مالک
لگن میں ہو۔ تو اولاد ہو۔

۱۷۴ - اگر برہسپت کے انس کا مالک کیندر میں ہو۔ تو اولاد ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۵- اگر پانچویں گھر کا مالک مین میں نانویں گھر کا مالک جنم لگن میں۔ اور بدھ پانچویں گھر میں ہوں۔ تو نہایت مشکل علاج اور اوپاؤ سے اولاد ہو۔

۱۷۶- اگر لگن کا مالک پہلے گھر یا دوسرے گھر میں ہو تو اول پسر پیدا ہو۔

۱۷۷- اگر چاند منگل شکر دوبہاو لگنوں میں ہوں۔ تو پہلے بیٹا ہو۔

۱۷۸- اگر گیارھویں یا پانچویں گھر میں شکر چاند ہوں۔ تو پہلے لڑکی ہو۔

۱۷۹- پانچویں گھر کو جسقدر مذکر گرہ دیکھتے ہوں اسقدر بیٹے۔ اور جتنے مؤنث یا استری گرہ دیکھتے ہوں اتنی لڑکیاں پیدا ہونیکا اتفاق ہوتا ہے۔

۱۸۰- پانچویں گھر میں جو لگن ہو۔ اسکی تعداد کے مطابق اولاد کی تعداد ہوتی ہے۔

۱۸۱- اگر پانچویں گھر میں راہ یا کیت ہو تو اولاد بدکار ہوتی ہے۔

۱۸۲- اگر پانچویں گھر کا مالک مین راس میں سنیچر کیساتھ ہو۔ تو بانجھ یعنی سنڈھ ہو۔

۱۸۳- اگر پانچویں گھر کے مالک نیچ گھر کے چھٹویں یا تیسرے یا جنم لگن میں ہوں یا بانجھ یعنی سنڈھ ہو۔

۱۸۴- اگر پانچویں گھر پر شکر منگل کی پورن درشٹی ہو تو دوسری شادی ہو بیٹا پیدا ہو۔

۱۸۵- اگر پانچویں گھر میں سورج شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو تو تین فرزند ورنہ ایک فرزند ہوں۔

۱۸۶- اگر مکر کے سنیچر یا منگل پانچویں گھر میں ہوں تو تین بیٹے پیدا ہوں۔

۱۸۷- اگر کنبھ کے سنیچر شبھ گرہوں کی درشٹی میں ہوں۔ تو پانچ بیٹے پیدا ہوں۔

۱۸۸- اگر پانچویں گھر میں سورج منگل برہسپت بلوان ہوں۔ تو 9 فرزند ہوں۔

۱۸۹- اگر پانچویں گھر میں چاند۔ بدھ شکر سنیچر ہوں۔ تو ستره لڑکیاں پیدا ہوں

۱۹۰- اگر نانویں بدھ شکر یا چاند ہو۔ تو لڑکی ہو۔

۱۹۱- اگر جنم لگن اور پانچویں گھر کے مالک اس میں کسی قسم کا سمبندھ رکھتے ہوں۔ تو فرزند فرمانبردار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۲- اگر جنم لگن کا مالک اور پانچویں گھر کا مالک آپس میں دوست ہوں۔ تو پسر مطیع الحکم ہوں۔ اگر برابر ہو۔ تو وہ وفادار ہو۔ اگر دشمن ہوں تو پسر نافرمان اور جنگجو ہو

۱۹۳- اگر سنیچر و منگل چوتھے گھر میں ہو تو پسر متبنی ہو۔

۱۹۴- جن جوگوں سے اولاد نہ ہو۔ اُن کا متبنی جوگ ہوتا ہے۔

۱۹۵- اگر پانچویں گھر کا مالک دوسرے یا آٹھویں گھر میں ہو تو دختر ہو۔

۱۹۶- اگر پانچویں گھر کا مالک گرہ مذکر ہو۔ اور مذکر لگن میں ہو۔ تو پہلے پسر پیدا ہو

۱۹۷- اگر مذکر گرہ خانہ پنجم کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو اول پسر ہو۔

۱۹۸- اگر شکر راہ کے انش کے بارہویں خانہ میں ہوں تو پسر گولی یعنی غلام کے شکم سے ہو۔

۱۹۹- اگر پانچویں گھر کا مالک ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ منگل راہ دیکھتے ہوں۔ تو پسر سے باپ کو تکلیف پہونچے۔

۲۰۰- اگر پانچویں گھر کا مالک خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو۔ اور مالک لگن پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو پسر سے باپ کو تکلیف پہونچے بلکہ وہ تصدیعہ دیوے۔

۲۰۱- پہلے اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہوں اور آٹھویں گھر میں برہسپت ہو تو جوان بیٹے کی موت کا صدمہ پہونچے۔

۲۰۲- پہلے اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہوں اور آٹھویں گھر میں شکر ہو تو لڑکی مرجاوے

۲۰۳- تیسرے گھر کا مالک منگل کے ساتھ ہو۔ تو جاہل ہو۔

۲۰۴- پانچویں گھر کا مالک۔ سورج۔ شکر کے ساتھ ۶-۸-۱۲ گھروں میں ہوں۔ تو نظر اور آنکھ بیٹوں کو نقصان پہنچاویں۔

۲۰۵- پانچویں گھر کا مالک برہسپت ہو کر ۶-۱۲-۸ گھروں میں آجاویں تو اولاد کی زبان کو گنگ کر دیویں یا نقصان کچھ اور طرح پہونچاویں گے

۲۰۶۔ بدھ اپنے گھر کا ہو کر تیسرے گھر میں ہو تو دو بیٹے اور دو لڑکیاں ہوں

۲۰۷۔ برہسپت اپنے گھر کا بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو۔ تو پانچ بیٹے ہوں گے۔

۲۰۸۔ شکر اپنے گھر کے بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہوں تو پہلے دو لڑکیاں اور ان کے بعد تین بیٹے ہونگے۔

۲۰۹۔ چندرماں کرک راس میں بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو تو ایک لڑکا ہوگا۔ پھر دوسرا بیٹا نہ ہوگا۔

۲۱۰۔ راہو۔ چاند۔ مل کر تیسرے گھر میں ہوں۔ تو صرف ایک لڑکی ہوگی۔ اور کوئی اولاد نہ ہوگی۔

۲۱۱۔ منگل اپنے گھر کا ہو کر تیسرے خواہ پانچویں گھر میں ہوں۔ تو کوئی سنتان نہ ہوگی۔ بانجھ ہونگے۔ اگر پیدا ہو تو زندہ نہ رہیگی۔

۲۱۲ سنیچر اپنے گھر کے ہو کر پانچویں گھر میں ہوں۔ تو کوئی سنتان نہ ہوگی بانجھ ہونگے یا پیدا ہو کر زندہ نہ رہیگی۔

۲۱۳۔ شکر بلوان ہو کر ساتویں گھر میں ہوں۔ تو دو لڑکیاں اول ہوں اُنکے بعد تین لڑکے ہوں۔

۲۱۴ چھٹویں گھر میں سورج۔ آٹھویں گھر میں چاند دوسرے گھر میں منگل بارہویں گھر میں سنیچر ہوں۔ تو تمام سنتان اوس کی اندھی ہوگی۔

۲۱۵۔ کیندر گھر میں بدھ۔ برہسپت۔ شکر۔ چاند سے کوئی گرہ ہو۔ اور نویں گھر میں کوئی پاپی گرہ کنیا۔ مِتھن۔ کنبھ راس سے ساتویں گھر میں ہو۔ تو پرتاپی اور خوش قسمت ہو۔ مگر لڑکیاں زیادہ ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۱۶- جنم لگن میں بدھ - گیارہویں گھر میں برہسپت ہو - اور بلوان ہوں - تو اس شخص کے گھر اگر کنیا جنم لیویگی - تو راجہ - امیر یا کسی بڑے دھنوان کے گھر بیاہی جاویگی اگر بیٹا جنم لیگا - تو وہ کسی راجہ امیر یا دھنوان کے گھر میں بیاہا جاویگا - اور بڑا پرتاپ والا اور نامور ہوگا -

۲۱۷- پہلے اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہوں - اور آٹھویں گھر میں برہسپت ہوں - تو بیٹوں کی موت کا صدمہ پہنچے - اگر شکر آٹھویں گھر میں ہوں تو لڑکیوں کی موت کا صدمہ ہو - اگر آٹھویں گھر میں منگل ہو - تو گھر بھاگ جایا کریں اگر سنیچر آٹھویں ہوں - تو خود بیمار روگی ہو - اوس کا پیٹ پھول جاوے -

۲۱۸- ایک رشی سنتان کی گنتی اسطرح پر لکھتے ہیں :-

پانچویں گھر میں جو جو گرہ بلوان ہو - اوسکی تعداد کے مطابق سنتان جنم لیتی ہے -

۱- سورج ہو تو ایک لڑکا اور ایک کنیا

۲- منگل ہو تو تین بیٹے -

۳- برہسپت ہوں تو پانچ بیٹے

۴ منگل برہسپت ہوں تو آٹھ بیٹے -

۵ چندرماں ہو - تو دو کنیا

۶- برہسپت - چاند ہوں - تو پانچ بیٹے اور دو کنیا ہوں -

۷- بدھ ہو تو سات کنیا

۸- نانویں گھر میں شکر ہو تو چھ کنیا -

۹- ساتویں گھر میں راہو تو پہلے ایک بیٹا پھر ایک کنیا -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۱۹۔ پانچویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پاپی گرہ پانچویں گھر
دیکھتے ہوں۔ تو کلیش سنتان ہو۔ اگر چاند کیندر یا گیارہویں گھر میں
بلوان ہو تو وہ دوش دور ہو۔

۲۲۰۔ چاند ۶۔ ۸ گھر میں ہو۔ تو ہر طرح آشیہ پھل کرتا ہے۔ پر
کرشن پکھ کا ہو۔ تو دوشوں کو دور کرتا ہے۔

۲۲۱۔ تیسرے گھر کا مالک راس یا دوسرے یا پانچویں گھر میں ہو۔ تو
کا کلیش ہو۔

۲۲۲۔ لگیش نیچ ہو کر پانچویں گھر میں ہو۔ تو سنتاں سے رہت ا
کلیش میں ہو۔

۲۲۳۔ بال برچھا یوگ۔ جنم راس بیکھ یا برچھک یا سنگھ ہو تو چار
پیدا ہو ویں گے۔

۲۲۴ میکی یوگ پانچویں گھر میں سنیچر ہو۔ تو پہلے لڑکا کا جنم ہوگا۔ اور
وان ہوگا۔

۲۲۵۔ یوگ مذکور منگل پانچویں گھر میں ہو تو پہلی لڑکی پیدا ہوگی ا
دھنوان ہو۔

۲۲۶۔ منگل یا سنیچر جنم راس کا مالک ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ اوسکو نہ دیکھتا ہو
آتی کلیش ہو۔

۲۲۷۔ ۶۔ ۸ ۔ گھروں میں منگل۔ چاند ہوں۔ تو سو بدھی اور مورکھ ہو اور
میں کوئی روگ ہو۔

۲۲۸۔ تین گرہ اپنے گھروں سے ساتویں گھر میں ہوں۔ تو اور کوئی گرہ بلوان ہو کر
استھان پر نہ ہو۔ تو بالکل مورکھ اور بے عقل ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۹۔ کیتو پانچویں گھر میں اونچ خواہ نیچ استھان پر ہو۔ تو اسے مورکھ اور بکھیاری ہوگا۔ کیونکہ کیت پاپی گرہ ہے۔ اور پانچویں گھر میں علم عقل۔ اولاد۔ خوشی کو ناس کرتا ہے۔

۲۳۰ پانچویں گھر میں پاپی گرہ سنیچر۔ راہ کیت منگل۔ سورج سے کوئی گرہ پاپی ہوکر آوے یا چھین چاند ہو۔ تو سنتان کا کلیش ہو۔

۲۳۱۔ اگر پانچویں گھر میں پاپی گرہ پاپ گرہوں کی درشٹی میں ہوں گے۔ تو اول اولاد پیدا نہیں ہوگی۔ اگر ہوگی۔ تو ہو ہو کر مر جاویگی

۲۳۲ جنم لگن میں سہم الغیب جنم انس پر پڑے یا برہسپت ساتھ سہم الغیب کے ہو۔ یا اوسکو دیکھتا ہو۔ یا کسی کیندر میں ہوکر دیکھتا ہو۔ یا بدھ یا کوئی اور شبھ گرہ ساتویں گھر میں ہو۔ خصوصاً بدھ نانویں یا تیسرے گھر سے اوس شبھ گرہ کو دیکھتا ہو۔ تو وہ جیوتشی ہوگا۔ اور جو کچھ وہ کہیگا۔ صحیح اور درست نکلیگا خواہ وہ پورن ودوان نہ ہو

۲۳۳۔ راہو۔ جنم لگن میں ہو خصوصاً ساتھ سہم الغیب کے ہو۔ تو وہ منش غیبی سخن یعنے انادرشٹ باتیں بنایا کرے گا۔ اور اس میں کئی قسم کی کراماتیں ہووینگی۔

۲۳۴۔ اگر چاند جنم لگن میں برہسپت کے گھر میں ہو۔ اور جنم رات کا ہو۔ تو وہ جیوجوتشی اور ودوان وشبہ آچاری ہوگا۔

۲۳۵۔ چاند۔ اگر نانویں گھر میں برہسپت کے گھر میں ہو۔ تو جیوتشی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور وہ وان دشبہ اچاری ہوگا۔

۲۳۶- چاند اگر ستھن میں بلوان اور خوشحال ہو تو جوتشی ہو۔

۲۳۷- چاند اگر تلا میں بلوان اور شبھ حالت میں ہو۔ تو علم جوتش اور غیب میں جو کچھ بتلائیگا وہ سچ ہوگا۔

۲۳۸- چاند۔ بدھ۔ اگر نانویں گھر میں اپنے گھر کے ہوں۔ اور اُن کے ساتھ سہم الچاند بھی ہو۔ اور بدھ اپنی حد اور امش میں ہو۔ اور کوئی دوش نہ ہو۔ تو اوس کی زبان سے جو کچھ لفظ نکلیگا۔ وہ سچ ہوگا۔

۲۳۹- بدھ نانویں گھر میں اپنی حد میں ہو۔ اور کسی طرح سے وہ نربل نہ ہو تو وہ منش جوتش اور حکمت ودیا میں عالم ہوگا۔ اور وقت کی پہلے آئندہ خبریں دیگا

۲۴۰- بدھ اگر بلوان ہوگا۔ تو منش حالات پوشیدہ کو جاننے والا۔ حکیم و جوتشی ہوگا۔

۲۴۱- بدھ اگر لگن یا ستم میں بلوان ہو تو وہ منش جوتشی اور حکیم ہوگا۔

۲۴۲- بدھ اگر ستم لگن کا مالک ہو اور کوئی شبھ گرہ ۳۔۹ گھر میں ہو تو وہ منش ودیا جوتش و منتر اور دھرم سے بڑے بڑے فائدہ حاصل کریگا۔

۲۴۳- بدھ اگر پنجم گھر میں بلوان ہو تو وہ منش جوتشی و نیک اور گپت وانا اور شبھ بہت۔ بھوشیت کے بتانے والا ہوگا۔

۲۴۴- بدھ اگر اپنے گھر میں بلوان ہو۔ تو وہ منش جوتشی اور حکیم ہوگا۔

۲۴۵- بدھ اگر دہم لگن میں بلوان ہو۔ تو وہ فن جادوگری میں ماہر ہوگا۔

۲۴۶- بدھ گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو جوتشی اور تاجر ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۴۷۔ بدھ اگر اپنی حد یا نوانسہ میں ہو۔ اور سورج اوسکے ساتھ ہو تو اسرار
گپت اور پوشیدہ باتوں سے واقف ہوگا۔
اگر چندرماں اوسکے ساتھ ہوگا۔ تو آسمانی حالات سے خوب واقف ہوگا
اور وودوان ہوگا۔
۲۴۸۔ شکر تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو علم حساب جوتش ہندسہ اور تصنیف کتابوں
میں کامل ہوگا۔
۲۴۹۔ شکر نانویں گھر میں اپنی حد یا نوانسہ میں ہو تو دہرماتما اور پراوپکاری ہو۔
۲۵۰۔ شکر اگر بدھ کی حد یا نوانسہ یا انس میں ہو۔ تو علم حساب جوتش حکمت
میں لائق ہوگا۔
۲۵۱۔ سورج اگر برچھک انس میں ہو۔ تو علم۔ جوتش اور حکمت میں ماہر ہو۔
۲۵۲۔ سورج اگر شکر کی حد یا نوانسہ میں ہو۔ تو علم جوتش اور غیب دانی میں ہوشیار ہو۔
۲۵۳۔ سورج اگر بدھ کی حد یا نوانسہ میں ہو۔ تو علم جوتش اور تصویروں کے
بنانے میں لائق ہوگا۔
۲۵۴ سورج اگر سینچر کی حد یا نوانسہ میں ہو تو حکیم اور وودوان اور کاہن ہوگا۔
۲۵۵۔ برہسپت اگر نانویں گھر میں بلوان اور شبھ ہو۔ اور وہ درس اسمتری ہو تو
وقت سے پہلے بڑے بڑے عجائب حالات کی خبر دیویگا اور
کئی عجائبات دکھلاویگا۔
۲۵۶۔ برہسپت اگر اپنے مثلثہ میں ہو۔ تو جوتشی اور وودوان
ہوگا۔
۲۵۷۔ نانویں گھر کا مالک اگر لگن میں ہو۔ تو وودوان اور جوتشی ہرکار
اور جوگیشر ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۵۸۔ دوسرے گھر کا مالک اگر تیسرے گھر میں ہو تو علم جوتش اور گپت ودیا سے مال و دولت پیدا کریگا۔

۲۵۹۔ ساتویں گھر یا اوس گھر سے پہلے کوئی گرہ بلوان ہو تو جوتشی اور دووان ہوگا

۲۶۰۔ سہم السعادت یا سہم الغیب ۳-۹ گھر میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ مگر پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو عجائب باتیں کرنیوالا ہوگا۔

۲۶۱۔ اگر سہم ساتھ برہسپت کے یا ساتھ درشٹی برہسپت کے ہو۔ تو وقت سے پہلے معاملات آئندہ کی خبریں دیگا حکمت فلاسفی میں لائق۔ اور سچ بولنے والا ہوگا۔

۲۶۲۔ اگر سہم سورج کے ساتھ ہو۔ مگر است کے انسوں میں نہ ہو۔ تو دوولان اور اسرار عجائب دکھلائیگا۔

۲۶۳۔ سورج اور سہم الغیب اور مالک اوس کا اور نوانسہ و سہم السعادت لگن شبھ حالت میں ہوں تو غیب کی باتیں بتلا دیگا۔

۲۶۴۔ اگر جنم لگن سنگھ یا کنیا یا مکر یا کنبھ ہو۔ اور کوئی پاپی گرہ لگن یا دسویں گھر میں ہو۔ تو وہ شخص علم جوتش اور جادو کو حاصل کریگا۔ خواہ وہ علم نہ پڑھنا چاہے اور نہ اوسکے پڑھنے کی امید ہو۔

۲۶۵۔ چندرماں دلیل عقل و دنیا۔ اور سورج دلیل عاقبت اور بدھ دلیل علم و قیاس ہے۔ اگر یہ تینوں بلوان۔ اور ایک دوسرے کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو عقل اور علم حاصل ہوگا۔

اگر یہ تینوں نربل اور لگن کو نہ دیکھتے ہوں۔ نہ آپس میں اُن کو درشٹی سمبندھ ہو۔ تو وہ شخص بے علم اور جاہل ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶۶- چندرماں اور بدھ اگر آپس میں درشٹ ہمبندھ کرتی ہوں تو علم اور عقل وقیاس حاصل ہوگا۔ اگر وہ آپس میں درشٹ سمبندھ نہ کرتی ہوں تو بے عقل اور بے علم ہوگا۔ اور اگر اس کو نہ دیکھتے ہوں نہ بلوان ہوں تو بے عقل ہوگا

۲۶۷- بدھ اگر کیت کے ساتھ ہو تو جاہل اور عاجز اور جھوٹھ بولنے والا ہوگا۔

۲۶۸ چاند اور بدھ اگر آپس میں ۴- ۱۰ یا ۱-۷ گھر و نہیں ہوں تو جھوٹا ہوگا۔

۲۶۹- بدھ اگر نانویں گھر میں نربل اور پاپی ہو۔ اور برہسپت اوسکو نہ دیکھتا ہو تو جاہل ہوگا۔

۲۷۰- بدھ اگر کرک یا سنگھ میں نربل اور آشبھ حالت میں ہو۔ تو جاہل اور احمق ہوگا

۲۷۱- سینچر اگر مین راس میں نربل اور پاپی ہو تو جاہل اور احمق ہوگا۔ اور کسی کام میں فائدہ نہیں اٹھاویگا۔

۲۷۲- چاند اگر سینچر سے انصراف کر کر بدھ کیطرف ہو۔ تو جاہل ہوگا۔

۲۷۳- اگر انصراف چاند کا بدھ سے طرف سینچر کی ہو۔ تو وہ دانا اور عقلمند ہوگا۔

وقت جنم اولاد

۲۷۴- لگنیش رمالک لگن) کا سپشٹ راس- انس- کلا جسقدر ہو اس میں پنجمیش ریا پانچویں گھر کا مالک) کا سپشٹ راس انش- کلا جمع کرو۔ اس مجموعہ سے جو اس انش کلا برآمد ہو۔ اس راس سے پانچویں اور نانویں گھر میں- جب برہسپت گوچر کرکے آدے۔ اسوقت اولاد پیدا ہوگی۔

۲۷۵- جنم لگن و برہسپت و چاند سے پانچویں گھر اولاد کے دینے والا ہے۔ ان سے جو نانواں گھر ملے اسکے مالک کی دشا اور انتر دشا میں اولاد پیدا ہوگی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۶- جنم راس سے پانچویں اور یا نویں گھر کے مالکان کا سپشٹ - راس
انش - کلا - باہم جمع کرو - اس مجموعہ سے جو راس - انس کلا پائی جا
اس راس میں جنم کنڈلی میں جو گرہ ہو - یا جو گرہ اس راس کو
دیکھتا ہو اسکی دشا انتر دشا میں اولاد کا جنم ہوگا

تعداد اولاد

۲۷۷- سورج - چاند - شکر ان ہر سہ کا سپشٹ راس - انس - کلا باہم جمع کرو
اور اس مجموعہ کو بارہ پر تقسیم کرو - اس مجموعہ سے باقیماندہ جو
راس پائی جاوے - جس قدر نوانسہ اس راس کے گذرے ہوں اسیقدر
اولاد پیدا ہوگی -

۲۷۸- پانچویں - نانویں - دسویں - گیارہویں گھروں کا جو سپشٹ راس انس
کلا ہے - ان کو باہم جمع کرو - اس مجموعہ سے جو راس پائی جاوے
اس راس کے جس قدر نوانسہ گذر چکے ہوں - اسی قدر اولاد
کا جنم ہوگا -

۲۷۹- جنم کنڈلی کے چوتھے پانچویں یا نویں گھروں میں جو گرہ ہوں - ان
کا سپشٹ - راس - انس - کلا - باہم جمع کرو - حاصل جمع کو بارہ پر تقسیم
کرو - باقیماندہ جو راس آوے - اس راس کے جسقدر نوانسہ گذر چکے
ہوں - اسیقدر اولاد ہوگی -

وقت موت اولاد

۲۸۰- جنم لگن سے پانچویں گھر کا مالک اور برہسپت اور وہ گرہ جو پانچویں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گھر کو دیکھتا ہو۔ ان چاروں گھروں کا سپشٹ راس انس۔ کلا باہم جمع کردو۔ اور حاصل جمع کو بارہ پر تقسیم کر کے جو باقی بچے اس راس انس۔ کلا کے نوانسہ میں جب سنیچر آویگا۔ تب اولاد کی مرتو ہوگی۔

نوٹ:۔ یاد رہے کہ اولاد کے تمام یوگ شادی کے بعد دیکھے جاتے ہیں۔

۲۸۱۔ میکھ راشی خانہ پنجم میں ہو۔ تو بیماری امراض دموی۔ اولاد اور محبوبوں بھی سے ناخوش اور ملنا اختیار دروغ۔ اور نقصان تحائف۔ پریشانی غائب خوف دشمن کاموں میں بگاڑ۔

۲۸۲۔ برکھ راشی خانہ پنجم میں ہو۔ تو خوش خبریں اور محبت فرزندان و دوستان اور ملنا تحائف منجانب دوستان اور بہم پہونچنا سامان عیش و زندگی۔

۲۸۳۔ متھن راشی خانہ پنجم میں ہو۔ تو خوشی فرزندان۔ خوشحالی محبوب۔ اور دوست ہونا دشمنوں کا۔

۲۸۴۔ کرک راشی پانچویں خانہ میں ہو تو خوشی اولاد و دوستان انجام ہر ایک کام ملنا تحائف

۲۸۵۔ سنگھ راشی خانہ پنجم میں ہو تو خوش حالی فرزنداں عیش و عشرت ملنا تحائف بزرگان۔

۲۸۶۔ کنیا خانہ پنجم میں ہو تو نفاق اولاد و ناراضگی دوستان

۲۸۷ تلا خانہ پنجم میں ہو تو حصول مراد فرزنداں و دوستاں و ملنا تحائف۔

۲۸۸۔ برچھک خانہ پنجم میں ہو۔ تو مراد دل حاصل ہووے۔

۲۸۹ دھن خانہ پنجم میں ہو۔ تو خوشی اولاد۔ دوستاں ملنا تحائف۔

۲۹۰۔ مکر خانہ پنجم میں ہو۔ تو تہمت محبوب۔ دوستی عورت تلال۔ از طرف فرزنداں۔

۲۹۱۔ کنبھ خانہ پنجم میں ہو۔ تو خوشی فرزنداں اور حمل عورت

۲۹۲۔ مین خانہ پنجم میں ہو۔ تو خوشی فرزنداں۔ اور ملاقات دوستاں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹۳۔ کتاب اشجار الاثمار میں سید علیشاہ بخاری نے لکھا ہے۔ کہ جس مولود کے سہم الغیب اور درجہ طالع کے پڑے یا برسپت ساتھ سہم الغیب کے یا اوسکو دیکھتا ہو۔ خاصہ خانہ ہے علم میں یا کسی کیندرے دیکھتا ہو یا بدھ ساتویں گھر میں ہو۔ یا کوئی شبہ گرہ ساتویں گھر میں ہو۔ خاصہ کر نانویں یا تیسرے خانہ سے اوس شبھ گرہ کو دیکھتا ہو۔ تو احکام اوسکے ار اور درست ہونگے اگرچہ اس علم میں کم لیاقت ہو۔

۲۹۴۔ کتاب مذکور میں یہ بھی لکھتے ہیں۔ کہ اگر راہو جنم میں ہو۔ خصوصاً سہم الغیب کے ہو۔ تو دلیل ہے۔ کہ وہ مولود سخندان غیبی اور کلمات لاریبی کہے گا۔ اور اس سے کرامات ظہور میں آویں گی۔

۲۹۵۔ کتاب غنیۃ المستفید میں محی الدین مغربی اندلیشی نے دلائل نجوم بکثیر التعداد تحریر فرمائے ہیں۔ اون کل کا تحریر کرنا دشوار ہے۔ منجملہ انکے چند دلائل ذیل میں تحریر کئے جاتے ہیں

۱۔ اگر چاند خانہ برسپت میں ہو کر لگن جنم میں ہو۔ اور جنم رات کا ہو تو مولود منجم اور عالم و پرہیزگار ہوگا۔

۲۔ اگر چاند خانہ برسپت میں ہو کر خانہ ۹ میں ہو۔ تو مولود منجم اور عالم و پرہیزگار ہو

۳۔ اگر چاند متھن راشی میں خوشحال ہو۔ تو مولود منجم ہوگا۔

۴۔ چاند اگر تلا راشی میں شبھ حالت میں ہو۔ تو مولود وجیہ اور صادق الاحکام ہوگا

۵۔ اگر چاند اور بدھ نانویں گھر میں ہوں۔ اور وہ گھر اونکا اپنا ہو۔ اور اونکے سا السعادت بھی ہو۔ اور بدھ اپنے خط یعنی [illegible] میں ہو۔ تو وہ مولود صاحب نطق صحیح و حدس قوی شبیہ الوحی ہوگا خاصہ اگر راس راشی ناطقہ بھی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶- بدھ نانویں گھر اپنے خط میں ہو۔ تو وہ مولود عالم علم نجوم و طب ہوگا۔ اور قبل از وقوع واقعہ کے خبر دیگا۔ پس اگر بدھ مشرقی ہوگا۔ تو وہ مولود عارف و ناقد نسواں کا ہوگا۔ اور عالم علوم حکمت و نجوم و طب ہوگا۔

۷- اگر بدھ راس میں بلوان ہو تو وہ مولود عالم راز نجوم و علوم کا ہوگا۔

۸- اگر بدھ مالک راس ہو۔ اور کوئی شبہ گرہ خانہ ۳-۹- میں ہو۔ تو مولود بسبب علم نجوم و سفر دھرم و مذہب کے فائدہ عظیم حاصل کریگا۔

۹- اگر بدھ خانہ سنیچر میں بلوان ہو تو وہ مولود منجم و نیک مؤلف کتب ہائے اور آگاہ باسرار خفیہ کے ہوگا۔

۱۰- اگر بدھ اپنے گھر میں ہو۔ تو مولود عالم کتب نجوم و طب ہوگا۔

۱۱- اگر بدھ دھن راسی میں شبھ ہو۔ تو مولود ساتھ سحر اور کہانت کے کلام کریگا۔

۱۲- اگر بدھ گیارہویں گھر میں طاقت ور ہو۔ تو وہ مولود منجم یا ناجم ہوگا۔

۱۳- اگر بدھ مالک ہر ایک خط (نوانشہ- حد- دریشکانڈ وغیرہ) میں مالک ہوگا۔ تو جب سورج اس کا شریک ہوگا۔ تو دلالت کریگا۔ اوپر کشف اسرار کمحونہ و علوم خفیہ کے۔

جب چاند شریک اس کے ہوگا۔ تو دلالت کریگا۔ اوپر ترقی علم مولود کے ناموری کا دیات و نجومیات وغیرہ کے۔

۱۴- اگر شکر تیسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو وہ مولود علم حساب و نجوم و ہندسہ و تعبیر و تصانیف کتب کثیر التعداد میں عالم اور فاضل ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۔ اگر شکر نانویں گھر میں اپنے خلوط میں ہو۔ تو وہ مولود کی عجائبات ظاہر کیا کر

۱۶۔ اگر شکر حد وغیرہ بدھ میں ہو۔ تو وہ مولود عالم علم حساب و نجوم و طب ہوگا

۱۷۔ اگر سورج۔ برچپک راشی میں شبھ ہو۔ تو وہ مولود علم طب و نجوم میں عارف

۱۸۔ اگر سورج حد منگل میں ہو۔ تو وہ مولود صاحب علم نجوم و حدس قوی قریب ہوگا

۱۹۔ اگر سورج حد بدھ میں ہو۔ تو مولود علم نجوم اور تصویر میں عالم ہوگا۔

۲۰۔ اگر سورج حد شنیچر میں ہو۔ تو مولود حکیم و کاہن و عالم اسرار کتب ہوگا

۲۱۔ اگر برسپت نانویں گھر میں شبھ اور بلوان ہو اور وہ راشی مونث ہو۔ تو
قبل از وقوع واقعہ امور غیبیہ سے خبر دیگا۔ اور عجائبات عمل میں لاویگا۔

۲۲۔ اگر برسپت اپنے مثلثہ میں ہو۔ تو مولود عارف نجوم و دقائق علوم کا ہوگا۔

۲۳۔ اگر نانویں گھر کا مالک لگن میں ہو۔ تو مولود منجم و نیک و عارف و پابند
اپنے دھرم کا ہوگا۔

۲۴۔ اگر دوسرے گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو مولود علم نجوم و علوم خفیہ ک
مال کریگا۔

۲۵۔ اگر ساتویں یا دسویں گھر میں کوئی کوکب ثوابت میں سے ہو۔ کہ جو بمزاج
یا شکر کے ہو۔ مثل عنق اور شجاع و فرس السفینہ و ذنبہ الاسد کے
تو وہ مولود عالم نجوم و اسرار ہوگا۔

۲۶۔ اگر سہم السعادت و سہم الغیب خانہ ۳ یا ۹ میں ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ
ہو۔ اور کوئی پاپی خانہ دبال سے دیکھتا ہو۔ تو مولود عجائب الغ
کلمات بتلا دیگا۔

۲۷۔ اگر سہم الغیب ساتھ برسپت یا ساتھ نظر برسپت کے ہو۔ تو وہ مولود قبل

۲۸۔ از وقوع واقعہ خبر دیگا۔ اور ساتھ حکمت و فلسفہ و موعظ نیک کے کلام کریگا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۸۔ اگر سہم الغیب ساتھ سورج کے ہو۔ اور حد افتراق یعنے دست میں نہ ہو۔ تو وہ مولود اسرار عجائب میں عالم ہوگا۔

۲۹۔ اگر سورج اور سہم الغیب و مالک اوس کا خیز و سابق اور جزو نانواں و سہم السعادت اور راشی کیت سے اور نظر منگل و شکر سے اور تربیع و مقابلہ بدھ سے سالم ہو۔ تو دلیل ہے۔ کہ وہ مولود خبر غیب دیویگا۔

۳۰۔ کتاب سر مکنون میں ابو بکر بن وحشیہ نے لکھا ہے کہ کسی کا جنم لگن سنگھ یا کنیا یا مکر یا کنبھ ہو۔ اور پاپی گرہ یا ایک پاپی گرہ جنم لگن ۔۔ یا دسویں گھر میں ہو۔ تو وہ مولود علم و سحر کو حاصل کرے گا۔ خواہ وہ خواہش تعلیم علم نہ رکھتا ہو۔ خصوصاً یہ لگن تعلیم علم کا بھی ہو۔
اگر یہ لگن جنم لگن نہ ہو لیکن ابتدا تعلیم کا لگن ہو۔ تو بھی ایک قسم کی مہارت اوسکو حاصل ہو جاوے گی۔ اگرچہ اصل طالع وہ طالع نہ ہو۔
جیسا کہ حکیم اسطالینونس کا قول ہے۔ کہ میں ایک طالب علم طالبان علم نجوم سے تھا۔ اور جنم لگن میرا حصول نجوم پر دلالت نہیں کرتا تھا لیکن تعلیم اس علم میں میں نے از حد مشقت اور محنت اوٹھائی۔ اوسکی تعلیم سے باز نہ آیا۔ آخر الامر اپنے مقصود کو پہونچا۔ جس کا مجھکو وہم اور گمان بھی نہ تھا۔

۳۱۔ چونکہ چاند دلیل عقل و شیادی اور سورج دلیل عقل آخرہ اور بدھ دلیل علم و کیاست ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پس اگر یہ تینوں قوی اکال یا ناظر یہ جنم لگن۔ یا باہم یک دیگر ہوں۔ تو دلیل علم و عقل مولود کی ہے۔

اگر یہ تینوں بدحال ہوں۔ یا لگن سے ساقط یا آپس میں ایک دوسرے کو نہ دیکھتے ہوں۔ تو دلیل جہالت و سفاہت کی ہے۔

سلطان الحکماء رہبر نبس کامل محقق طوسی نے کتاب ثمرۃ الفلک میں لکھا ہے۔ کہ چاند دلیل دل اور بدھ دلیل عقل و دانش وکیاست ہے۔ پس جب یہ باہم ناظر ہوں تو دلیل ہے۔ کہ مولود دانش وکیاست ہوگا۔ اگر باہم ناظر نہ ہوں۔ تو دلیل ہے۔ کہ مولود بیدانش و بے کیاست ہوگا۔

اگر کوئی منجملہ ان کے راس کو ناظر نہ ہو۔ تو مولود صاحب صرع ہوگا۔

کتاب غنیۃ المستفید میں لکھا ہے۔ کہ اگر بدھ ساتھ کیت کے ہو۔ تو دلیل ہے۔ اوپر جہل و عاجزی و دروغگوئی مولود کے۔

۲- اگر تربیع و مقابلہ چاند کا ساتھ بدھ کے ہو۔ تو دلیل ہے۔ کہ مولود صاف دروغگو ہوگا۔

۳- بدھ اگر نانویں گھر میں منحوس ہو۔ اور برہسپت کی اوس پر نظر نہ ہو۔ تو وہ مولود جاہل ہوگا۔

۴- اگر کرک یا سنگھ میں منحوس ہو۔ تو مولود جاہل و احمق ہوگا۔

۵- بینچر اگر مین راشی میں منحوس ہو۔ تو مولود جاہل و احمق ہوگا۔ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اپنے املاک سے فائدہ حاصل نہیں کریگا۔

۶۔ اگر انصراف چاند کا سنیچر سے طرف بدھ کے ہو۔ تو مولود جاہل ہوگا۔ اگر انصراف چاند کا بدھ سے طرف سنیچر کے ہوگا۔ تو وہ مولود عاقل ہوگا۔

۷۔ اگر جنم کنڈلی میں تین گرہ استھان کے ہوں۔ تو مولود غلام اور خدمتگار ہوگا۔

۸۔ اگر تین گرہ وبال میں ہوں۔ تو محض جاہل اور بیوقوف ہوگا۔

۹۔ اگر کیت پانچویں گھر میں ہو۔ تو مولود محض جاہل ہوگا۔

۱۰۔ اگر چاند اور بدھ ایک دوسرے کو نہ دیکھتے ہوں۔ اور راس و لگنیش کو بھی نہ دیکھتے ہوں تو بھی جاہل ہوگا۔

۲۹۷۔ اگر تین گرہ جنم کنڈلی میں بخانہ وبال ہوں۔ تو مولود محض جاہل ہوگا۔

۲۹۸۔ اگر کیت پانچویں گھر میں ہو۔ خواہ شرف یا ہبوط ہو۔ تو وہ مولود گداگری کرے گا۔ اور جاہل ہوگا۔ اور علم اولاد خوشی وغیرہ کا ناس ہوگا۔

۲۹۹۔ اگر پانچویں گھر میں نحس گرہ۔ سنیچر۔ منگل۔ راہو۔ کیت سورج سے کوئی ہو تو اولاد کے لئے کلیش ہوگا۔ چاند بھی اور اوس سے پانچ دن اول اور پانچ دن مابعد نحس ہوتا ہے۔

۳۰۰۔ اگر پانچویں گھر میں پاپ گرہ ہونگے تو اولاد مولود پیدا ہو ہو کر مر جاوے گی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز ہفتم ۔ احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۶

۱۔ سورج چھویں گھر میں بلوان ہو تو راست کار ۔ اور بلوان ہوشیار ۔ ہنرمند بہادر ۔ دلیر ۔ خوش شکل صاحب منصب و حکومت ہر امر میں غالب دشمن پر فتحیاب دولت مند ۔ بلند مراتب ہو ۔

۲۔ چاند چھویں گھر میں ہو ۔ کم عمر ۔ اور فکرمند ۔ بے قدر ۔ اور بدکار و بدخیال و بدباطن و شوم ہو ۔

۳۔ مریخ چھویں گھر میں ہو ۔ دشمن پر غالب ہو ۔ اور عقلمند ۔ مشہور ۔ دوسروں کی مدد کرے ۔ جنگ میں فتح پاوے ۔

۴۔ بدھ چھویں گھر میں ہو ۔ تو دشمن پر غالب ۔ اکثر بیمار ۔ اور بے رحم و تکرار کرنیوالا ۔ اور ڈرپوک ہو ۔

۵۔ برہسپت ۔ چھویں گھر میں ہو ۔ تو ہر ایک موقع پر فتحیاب ہو ۔ ہر ایک کا دوست و مددگار و شیریں کلام و خوش مزاج و ظاہر پسند ہر ایک سے موافقت کرنیوالا ہو ۔

۶۔ شکر ۔ چھویں گھر میں ہو ۔ تو کمینہ کام کرے ۔ دشمن زیادہ ہوں قرضدار ہو جاوے ۔

۷۔ سنیچر ۔ چھویں گھر میں ہو ۔ تندخور ۔ دشمنوں پر غالب عاقل ۔ ہوشیار ۔ جلدباز ۔ دشمن زیادہ ہوں ۔ فتح پانے والا ۔

۸۔ راہ کیت ۔ چھویں گھر میں ہو ۔ تو دشمنوں پر غالب اور جنگ میں فتحیاب ہوگا ۔ ہوشیار اور اختیار والا ہو ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹- اگر چھٹویں گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو۔ تو بلوان اور مضبوط جنگ جو سمبندیوں کو تکلیف دینے والا۔ اور مخالفوں پر فتحیاب اور خود پسند خودرو ہو۔

۱۰- چھٹویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو نامور اور دولت جمع کرے۔ مگر وہ فضول خرچ اور دولت کو برباد کر دیوے۔

۱۱- چھٹویں گھر کا مالک اگر تیسرے گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ ہو۔ تو نیک اشخاص اور رشتہ داروں کو سخت تکالیف پہونچا دے۔ اور درد شکم کی بیماری میں مبتلا ہو۔

۱۲- چھٹویں گھر کا مالک اگر چوتھے گھر میں ہو۔ تو باپ بیٹے سے رنج رہے۔ گھر بار جائداد۔ بزرگان کا نقصان۔ ماں باپ کو بیماری اور تکلیف رہے۔

۱۳- چھٹویں گھر کا مالک اگر پانچویں گھر میں ہو۔ تو اپنی اولاد سے رنج اور اسکا نقصان۔ بلکہ اولاد کے حملہ اور جھوٹ مخالفانہ سے خطرہ جان ہو۔

۱۴- چھٹویں گھر کا مالک اگر چھٹویں گھر میں ہو۔ تو مزاج باصحت اور مخالفان پر فتحیاب اور ہمیشہ باآرام۔ لیکن شوم۔ اور ناقص جگہ کی رہائش پسند خاطر ہو۔

۱۵- چھٹویں گھر کا مالک اگر ساتویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ ہو۔ تو اوس کی عورت اوسکو رنج اور تکلیف پہونچا دے۔ نافرمان اور جنگ جو ہو۔ اگر شبھ گرہ ہو۔ تو نیک عادت ہو لیکن بانجھ یعنے سنڈھ ہو۔ اگر حمل ہو بھی جاوے تو بھی گر جاوے۔

۱۶- چھٹویں گھر کا مالک اگر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو سنیچر اُس کے ساتھ ہو۔ تو سنگرہنی کی بیماری ہو۔ اگر اُس کے ساتھ منگل ہو۔ تو سانپ کے گزند سے موت ہو۔ اگر اوس کے ساتھ بدھ ہو۔ تو زہر یا زہریلی چیز سے موت ہو۔ اگر اُس کے ساتھ چاند ہو۔ تو بہت جلدی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

موت ہو۔ اگر اُس کے ساتھ سورج ہو۔ تو کسی درندہ جانور سے ہو
اگر اُس کے ساتھ برہسپت ہو۔ تو بے عقل ہو۔ اور اگر اُس کے ساتھ
شکر ہو۔ تو آنکھوں کا آزار ہو۔

۱۷۔ چھٹویں گھر کا مالک اگر پانچویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ ہو۔ تو آدمی
اور بدکار۔ سادھو - برہمن تیرتھ۔ دھرم استھان کا مخالف
بزرگوں اور گوروؤں کا نافرمان۔

۱۸۔ چھٹویں گھر کا مالک اگر دسویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ ہو۔ ماں باپ
کا دشمن۔ اور کمینہ روزگار۔ یا کمینہ خیال ہو۔

۱۹۔ چھٹویں گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو بیوپار مویشی سے فائدہ
اوٹھاوے۔ لیکن دشمن اور چور سے خوف نقصان ہو۔ بلکہ دشمن
کے ہاتھ سے مارا جاوے۔

۲۰۔ چھٹویں گھر کا مالک اگر بارہویں گھر میں ہو۔ تو مویشی اور دولت
کا ہمیشہ نقصان ہووے۔ لیکن دشمنوں کو بھی
نقصان پہونچے۔

۲۱۔ لگن اور ساتویں گھر کا مالک اگر چھٹویں گھر میں ہو۔ تو عورت کی مخالفت
سے رنج پہونچے۔

۲۲۔ لگن اور دسویں گھر کا مالک اگر چھٹویں گھر میں ہو تو عورت کی مخالفت
سے رنج پہونچے۔

۲۳۔ چھٹویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن۔ خواہ آٹھویں گھر
میں ہو۔ تو بچہ کے سر پر یعنی بدن پر زخم کا نشان
ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

الف ۔ سورج چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو سر میں ۔
ب ۔ اگر چاند چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو مُنہ پر ۔
ج ۔ اگر منگل چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو گلے میں
د ۔ اگر برہسپت چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ نابھی میں ۔
ہ ۔ اگر بدھ چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو چھاتی میں ۔
و ۔ اگر شکر چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو آنکھ میں ۔
ز ۔ اگر سنیچر چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو پاؤں میں ۔
ح ۔ اگر راہ کیت چھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو ۔ تو نیچے کے بدن میں ۔

۲۴ ۔ مالکان خانہ ۲ ۔ ۴ ۔ ۵ ۔ ۱۰ ۔ ۱۱ میں سے جس خانہ کے مالک کے ساتھ مالک چھویں گھر یا پی گرہ کے ساتھ جنم لگن خواہ آٹھویں گھر میں ہو ۔ تو زخم کا نشان اس موقعہ پر ہوگا جسکی تفصیل نمبر ۲۳ میں درج کی گئی ہے ۔

۲۵ ۔ اگر سنیچر و منگل چھویں یا بارہویں گھر میں ہوں ۔ تو زخم کا نشان ہوگا ۔

۲۶ ۔ اگر منگل جنم لگن میں برہسپت و شکر ساتویں گھر میں ہو ۔ تو سر میں زخم کا نشان ہوگا

۲۷ ۔ اگر چھویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو ۔ تو دشمن کو مارنے والا ہو ۔

۲۸ ۔ اگر چھویں گھر کا مالک بلوان ہو ۔ اور اسکو شبھ گرہ دیکھتا ہو ۔ تو دشمن کو قتل کرنے والا ہو ۔

۲۹ ۔ اگر لگن کا مالک سورج کے گھر میں ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ گھر میں ہو ۔ تو تاپ گنڈ روگ ہو

۳۰ ۔ اگر لگنیش چندرماں کے ساتھ ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ گھر میں ہو ۔ تو جلیج گنڈ روگ ہو ۔

۳۱ ۔ اگر لگنیش برہسپت کے ساتھ ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ ۔ گھر میں ہو ۔ تو بیماری ام باد ہو ۔

۳۲ ۔ اگر لگنیش شکر کے ساتھ ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ گھر میں ہو ۔ تو بیماری چھنی ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۳۔ اگر جنم لگن کو سورج و منگل پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو بیماری سل اور دم کشی ہو۔

۲۴۔ اگر سنگھ یا کرک راس کے سورج و چاند یکجا ہوں۔ تو بیماری چھینی کی ہو۔

۲۵۔ اگر برسپت و منگل و سنیچر چوتھے گھر میں ہو تو چھاتی میں بیماری ہو۔

۲۶۔ اگر کرک راس میں چھٹویں گھر بدھ ہوں۔ تو چھینی کی بیماری ہو۔

۲۷۔ اگر سنیچر کے ساتھ چاند ہوں۔ اور منگل اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو بیماری خسی کی ہو۔

۲۸۔ اگر سنیچر بارہویں یا ۵۔ ۹۔ گھر میں پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بیماری بادسے تکلیف پہونچے۔

۳۹۔ اگر نانویں گھر کا مالک چھٹویں گھر میں ہو۔ تو کئی قسم کی بیمار یاں ہوں۔

۴۰۔ اگر سنیچر اور منگل چھٹویں گھر میں ہوں۔ اور سورج و راہ ادنکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ اور لگنیش کمزور ہو تو بیماری کی ہو۔

۴۱ اگر ساتویں گھر میں راہ کیت یا پاپی ہو کر آدیں تو شکم میں بیماری ہو۔

۴۲ اگر جنم لگن میں چاند اور سنیچر آٹھویں گھر میں ہو تو بیماری شکم ہو۔

۴۳ اگر لگن میں برسپت اور راہ ہوں۔ تو بیماری دندان کی ہو۔

۴۴ اگر چھٹویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو ناپی میں بیماری ہو۔

۴۵ اگر سنیچر چھٹویں گھر میں ہو۔ تو پاؤں میں بیماری ہو۔

۴۶۔ اگر چھٹویں گھر میں راہ ہو۔ تو بیماری دندان ہو۔

۴۷۔ اگر چھٹویں گھر میں کیت ہو۔ تو بیماری لبوں کی ہو۔

۴۸۔ اگر چھٹویں گھر میں لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک ملکر آدیں۔ تو عمر کمتر اور بیماری سنگول ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۹ - اگر لگنیش۔ بدھ۔ منگل مکر سنگھ راس میں بخانہ ۴۔ ۱۲۔ آویں تو بیماری بواسیر وغیرہ ہو۔

۵۰ - اگر آٹھویں گھر میں پاپی گرہ اور برہسپت بارھویں گھر میں ہو تو بیماری گنڈایا بواسیر کی ہو۔

۵۱ - اگر جنم لگن میں منگل ہو۔ اور سورج و سنیچر اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو لوہے کی چوٹ سے زخم ہووے۔

۵۲ - اگر چندرماں و سنیچر ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ہوں۔ منگل دیکھتا ہو۔ تو مرگی کی بیماری ہو۔

۵۳ - اگر چاند۔ راہ آٹھویں گھر میں ہوں تو مرگی کی بیماری ہو۔

۵۴ اگر منگل و سنیچر ۶۔ ۸ گھر میں ہوں۔ تو مرگی کی بیماری ہو۔

۵۵ - اگر چاند۔ سورج۔ منگل۔ جنم لگن خواہ آٹھویں گھر میں ہوں۔ اور اونکو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو مرگی کی بیماری ہو۔

۵۶ - اگر تیسرے گھر کا مالک بدھ کے ساتھ ہو۔ تو گلے میں کوئی بیماری ہو۔

۵۷ - اگر تیسرے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور پاپی گرہ دیکھتا ہو تو گلے میں بیماری ہو۔

۵۸ - اگر چاند جنم لگن میں اور راہ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو بیماری مرگی کی ہو۔

۵۹ اگر لگنیش منگل کے گھر میں بدھ کے ساتھ ہو۔ تو منہ کی بیماری ہو۔

۶۰ - اگر دوسرے گھر میں سورج و منگل ہوں۔ اور تیسرے گھر کا مالک پاپی گرہ انش میں ہو۔ تو کان میں بیماری ہو۔

۶۱ - چھوٹیں گھر کا مالک سنیچر کے ساتھ مین راس میں ہو۔ تو بیماری حار گرم ہو۔

۶۲ چھوٹیں گھر کا مالک بدھ منگل کے ساتھ ہو۔ تو بیماری ملقوتناس یعنی اندری ہو

۶۳ - اگر سنیچر۔ چاند۔ جنم لگن میں ہوں۔ تو بیماری سایہ جن بھوت وامنگیر ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۴ اگر سنیچر راہ جنم لگن میں ہو۔ تو بیماری سایہ جن بھوت وغیرہ ہو۔

۶۵۔ اگر چھٹویں گھر کا مالک راہ کیت کے ساتھ ہو۔ تو بیماری بخار ہر چوتھے روز

۶۶۔ اگر چندرماں کے گھر میں سورج اور سورج کے گھر میں چاند ہو تو نہایت دبلا ہو

۶۷۔ سورج اگر دوسرے گھر میں سنیچر دسویں گھر میں چاند ساتویں گھر میں

تو لاغر اور کمزور ہو۔

۶۸ کرک برچھک کنبھ کے انس میں چاند سنیچر کے ساتھ ہو۔ تو گلم کی بیماری ہو۔

۶۹ اگر دوسرے گھر میں سنیچر یا راہ ہو۔ تو مرض سنگرہنی ہو۔

۷۰ جنم لگن میں راہ۔ بدھ اور ساتویں گھر میں منگل کیت ہوں تو مرض ایسا

۷۱ چوتھے گھر میں چاند۔ پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو مرض گلو ہو۔

۷۲۔ منگل نانویں گھر میں پاپی ہو کر ہو۔ تو زہر اور آگ کا خوف ہو۔

۷۳ جنم لگن میں چاند پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ خواہ کوئی پاپی گرہ چندرماں کو

لگن میں پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو گیسٹ کی بیماری ہو۔

۷۴ سنیچر۔ سورج۔ شکر۔ پانچویں گھر میں جمع ہوں تو پرمیہ کی بیماری ہو۔

۷۵ ساتویں گھر میں منگل جنم لگن میں سورج ہو۔ تو پرمیہ کی بیماری ہو۔

۷۶۔ دسویں گھر میں منگل ہو۔ اور سنیچر اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو پرمیہ کی

۷۷۔ ساتویں گھر میں سنیچر اور راس میں برہسپت ہو۔ تو مرض سوداوی ہو۔

۷۸ سنیچر جنم لگن میں اور منگل ساتویں یا پانچویں یا نانویں گھر میں ہو تو بیماری سوداوی

۷۹ اگر بارہویں خانہ میں سنیچر و چھٹیں چندرماں ہو۔

۸۰ چندرماں جل راس میں ہو۔ اور مالک بھی جل راس ہو۔ تو مرض بادی ہو۔

بدھ چندرماں کو دیکھتا ہو۔ تو بیماری سوزش مذکور چھٹویں گھر میں ہو

۸۱ چھٹویں گھر میں کوئی پاپی گرہ ہو۔ اور منگل لگن میں ہو۔ پیشاب ہو۔

سنیچر کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو بیماری سوزش پیشاب ہو۔

٨٢ - چاند شکر پاپی گرہ کے ساتھ جل راس میں ہوں۔ تو بیماری کوہڑ داغ سفید کی ہو۔

٨٣ - سنیچر منگل سورج یکجا ہو ۔٦۔٨۔١٢۔ گھر میں ہوں تو کوہڑ سرخ و سیاہ داغ کا ہو۔

٨٤ - لگن میں چاند بارہویں گھر میں راہ ہو۔ تو سفید کوہڑ ہو۔

٨٥ - دوسرے گھر میں راہ۔ ساتویں گھر میں سورج ہو۔ تو بیماری سفید کوہڑ کی ہو۔

٨٦ - اگر پانچویں نا نویں گھر میں پاپی گرہ کرک برچھک۔ برکھ مکر کے ہوں خواہ راس مذکور پانچویں نا نویں میں ہوں۔ اور پاپی گرہ اونکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو کوہڑ ہو۔

٨٧ - چھٹویں گھر کا مالک سنیچر کے ساتھ جنم لگن میں ہو۔ تو کوہڑ صفراوی ہو۔

٨٨ - چھٹویں گھر کا مالک سورج کے ساتھ جنم لگن میں ہو۔ تو کوہڑ بلغمی ہو۔

٨٩ چھٹویں گھر کا مالک سورج کے ساتھ جنم لگن میں ہو تو کوہڑ خونی ہو۔

٩٠ جنم لگن میں منگل۔ آٹھویں گھر میں سورج چوتھے گھر میں سنیچر ہو۔ تو کوہڑ ہو

٩١ چھٹویں یا بارہویں گھر میں سنیچر و منگل ہوں تو بیماری شول کی ہو۔

٩٢ - گیارہویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو بیماری شول ہو۔

٩٣ - ٤۔٧۔١٠۔١۔٥۔٩ سنگھ کے شکر اور تیسرے گھر میں برہسپت ہوں تو بیماری شول کی ہو

٩٣ - جنم لگن میں سنیچر یا ساتویں گھر میں منگل ہو۔ تو بیماری بلغم اور صفرا کی ہو۔

٩٤ - بارہویں گھر میں سنیچر ساتویں گھر میں منگل اور لگنیش ہوں تو بیماری بام و صفرا کی ہو۔

٩٥ چھٹویں گھر کا مالک اور چندرماں کسی پاپی گرہ کے ساتھ ہوں۔ تو بیماری طحال یعنی تلف اور استسقا یعنی پیٹ پھولنے کی ہو۔

٩٦ - اگر لگنیش ساتویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ کی اوسپر پورن درشٹی ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ تو بیماری طحال یعنے تلف کی ہو۔

٩٧ - پانچویں گھر میں سنیچر و چاند ہوں۔ تو بیماری طحال یعنے تلف یا استسقا کی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۸۔ دوسرے گھر میں جل راس کے چاند ہوویں۔ اور سنیچر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو بیماری داد کی ہو۔

۹۹۔ چھٹویں یا آٹھویں گھر میں منگل و چاند ملکر آویں تو سانپ یا کسی اور زہر دار مادہ کا خوف ہو۔

۱۰۰۔ تیسرے گھر کا مالک راہ کیساتھ جنم لگن میں ہو۔ تو خوف سانپ اور زہریلے مادہ کا ہو۔

۱۰۱ چھٹویں گھر کا مالک راہ یا کیت کیساتھ ہو۔ تو خوف سانپ زہر آگ چور کا ہو۔

۱۰۲۔ نانویں گھر کا مالک چھٹویں گھر میں ہو۔ اور چھٹویں گھر کا مالک اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو خوف چور اگ کا ہو۔

۱۰۳۔ چھٹویں گھر کا مالک منگل و سنیچر کے ساتھ ہو۔ تو خوف چور اور آگ کا ہو۔

۱۰۴۔ پہلے چھٹویں آٹھویں گھر میں سورج ہو۔ تو اوسکو منگل پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو خوف آگ ہو۔

۱۰۵۔ چھٹویں گھر کا مالک منگل کے ساتھ ہو۔ تو خوف آگ کا ہو۔

۱۰۶۔ جنم لگن میں پاپ گرہ ہو۔ اور پاپی گرہ اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو خوف آگ کا ہو۔

۱۰۷۔ تیسرے گھر کا مالک برہسپت کیساتھ جنم لگن میں ہو۔ تو خوف چوٹ حیوان کا ہو۔

۱۰۸ چھٹویں گھر کا مالک سورج کیساتھ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو خوف چوٹ گھوڑا کا ہو۔

۱۰۹ چھٹویں گھر کا مالک راہ کیساتھ ساتویں گھر میں ہو۔ تو خوف چوٹ گھوڑا کا ہو۔

۱۱۰ اگر ۱-۲-۷-۸ گھر میں منگل ہو۔ اور اوسکو سورج پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو خوف چوٹ مرض جیسے ہرن کا ہو۔ پھوڑا پھنسی زیادہ پیدا ہوں۔

۱۱۱ چھٹویں گھر کا مالک اور لگنیش برہسپت کے ساتھ ہوں۔ تو ہاتھی سے چوٹ کا خوف ہو۔

۱۱۲ چھٹویں گھر کا مالک اور لگنیش چندرماں کیساتھ ہوں۔ تو خوف چوٹ گھوڑا کا ہے۔

۱۱۳ منگل ۶-۸-۱۲ گھروں میں ہو۔ تو پریشان خاطر رکھے اور فکر خوشی کا ہو۔

۱۱۴۔ برہسپت ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو فکر پوشاک زیور سواری کا ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۵ چندرماں ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو فکر چھپاتہ وچھنور کا ہو۔

۱۱۶ دھن یا مین کے برہسپت پانچویں گھر میں ہوں۔ تو فکر اولاد کا ہو۔

۱۱۷ سورج ۵-۹- گھر میں ہو تو باپ اور بھائیوں کا فکر ہو۔

۱۱۸ پانچویں یا ساتویں گھر شکر ہو۔ تو فکر عورت کا ہو۔

۱۱۹- سورج چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو ہمیشہ بیمار اور تنازعات جائیداد میں مبتلا رہے ایسے اخراجات میں زیر بار اور قرضدار ہو جاوے ابتدائے عالم شباب جوانی میں ماں باپ کا انتقال ہو۔ جائیداد میں جھگڑے پیدا ہوں آخر فتحیاب ہو۔

۱۲۰- چاند چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو تو ہمیشہ بیماری بلغم و بادی میں مبتلا رہے شروع عمر میں ماں مرجاوے عورت بیمار ہو عورتوں کے جھگڑوں میں تکلیف اور نقصان اُٹھاوے

۱۲۱- منگل چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیماری خونی تکلیف دکھلاوے۔ سمبندھی اور رشتہ داروں سے بگاڑ ہو۔ وسط عمر میں تہمت یا الزام میں بدنام اور سزایاب ہو مخالفان کو بھی تکلیف پہونچاوے۔ ملنکے خاندان کے لئے اچھا نہ ہووے۔

۱۲۲- بدھ چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو شروع جوانی میں بلند جگہ کے گرنے سے چوٹ آوے بچ رہے لیکن نشان اوسکا بدن پر قائم رہے۔ ہرایک علم اور ہنر میں کچھ کچھ مہارت ہو۔ تنگ حال اور قرضدار ہو۔ عام کے دل کا پیارا ہو۔

۱۲۳- شکر چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو عیاش بلکہ بیماری آتشک کا خوف۔ شائق سفر مختلف مقامات پر رہائش چند عورات۔ مگر نا قابل پسند ہوں مخالف زیادہ ہوں

۱۲۴- برہسپت چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو درازی عمر کا مخالف ہے عمر کمتر ہو کوئی سکھ اور آرام نصیب نہ ہو۔ قرضدار اور بیماری کے بکھیڑوں میں مبتلا ہو۔ دشمن زیادہ ہوں۔

۱۲۵- سنیچر چھٹویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بے اولاد۔ اور جوڑوں کی بیماری

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میں مبتلا ہے۔ دشمنوں پر غالب اور اچھی کمائی کرے۔

۱۲۶۔ راہ کیت چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ مقابلہ اور فساد مخالفان میں عاجز لاچار آکر وطن چھوڑ دیوے زہردار جانوروں سے تکلیف اوٹھاوے حکام [illegible] سے خوف سزا ہو۔

۱۲۷۔ سورج چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو کام اور روزگار متوسط عمر میں ترک ہو لیکن پھر اوسکو اختیار رکھے۔ بیمار دشمنوں پر غالب لیکن سفر میں چور نقصان پہونچاویں۔

۱۲۸۔ چاند چھویں گھر برکھ راس میں ہو تو کم عمر مخالف زیادہ۔ بیماری بلغمی ہو۔ [illegible] رہائش مقامات پہاڑی ہو۔ نانکوں سے امداد و نہ پاوے۔

۱۲۹۔ منگل چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو دشمنوں سے سخت مقابلہ پیش آوے جائداد برباد ہو جاوے۔ وطن چھوڑ دیوے۔ عورت کو نکال دیوے دولت کمانے کا شائق رہے۔ مگر آرزو پوری نہ ہو۔

۱۳۰۔ بدھ چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ دبلا۔ کمزور مزاج۔ علم سے فائدہ اور خو[illegible] حاصل نہ ہو۔ عورت سے گذارہ میں زیادہ امداد ملے ضعیفی میں اولاد سے ا[illegible] فائدہ اور خوشی کی پہونچے۔

۱۳۱۔ برہسپت چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو لطف زندگی ضایع ہو۔ بیماری [illegible] دق۔ زیر بار قرض ضمانت میں نقصان دولت متوسط عمر میں خون [illegible] سزا۔ دشمن زیادہ۔ جن سے خوف نقصان نہ ہو۔ وہ نقصان پہونچاویں۔

۱۳۲۔ شکر چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ علم قیاس میں ماہر۔ لیکن عورتوں کی محبت میں بے قدر اور جوڑوں کی بیماری میں مبتلا دشمن [illegible]

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

زیادہ ہوں۔ عورات اور ان اشخاص سے نقصان پاوے۔ جن سے خوف نقصان نہ ہو۔

۱۳۳۔ سنیچر۔ چھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو بدکار و بے اعتبار و بے دھرم اور دکھ اور فریب سے دولت پیدا کرے۔ متوسط عمر میں بلندی سے گر کر لنگڑا ہو جاوے۔ بمقابلہ دشمن میں تکالیف۔ چہرہ اور جوڑوں میں بیماری ہو۔

۱۳۴۔ راہ و کیت چھویں گھر برکھ راس میں ہوں۔ مستقل مکان یا رہائش یا روزگار نہ ہو۔ قرضہ لے کر واپس نہ دیوے۔ مقدمات میں وقت اور روپیہ ضایع کرے البتہ فتحیاب ہوتا رہے۔

۱۳۵۔ سورج۔ چھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو اپنے کاروزگار میں فایدہ نہ اٹھاوے۔ نہ آرام اور دولت میں آسودہ ہو۔ بلکہ زیر بار قرضہ ہو۔ والدین بیمار۔ خود بیمار۔ اور نادار ہو کر رنج اور غم میں زندگی تمام کرے۔

۱۳۶۔ چاند۔ چھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو بیماریاں بلغمی ہوں۔ متوسط عمر میں عورات سے نقصان۔ چوروں سے مال تباہ ہو۔

۱۳۷۔ منگل چھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو ہر طرح رنج اور نقصان پیش آویں زہریلے جانوروں سے نقصد لیعہ پہونچے اراضیات ضایع ہوں۔ حملہ دشمنان میں بدن کو سخت چوٹ آوے۔ کوئی بازو ہاتھ یا پاؤں ٹوٹ جاوے۔

۱۳۸۔ بدھ چھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو دبلا بدن۔ کمزور۔ نادار۔ قرضدار۔ اور ہر ایک کو پیارا ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۹۔ برہسپت چھویں گھر ستھن راس میں ہو۔ تو دانا اور ہوشیار عقلمند ہو
لیکن ہمیشہ پریشان اور مقدمات میں مصروف بلکہ کسی اتہام اور الزام میں
جاوے نادار قرضدار ہو۔

۱۴۰۔ شکر چھویں گھر ستھن راس میں ہو۔ تو دشمن تکلیف دیویں۔ بیماری دل
چھاتی ہو۔ پانی میں ڈوبنے کا خوف ایک زخم کا نشان بدن پر ہو۔
عمر خرابیوں میں بسر ہو۔ البتہ ضعیفی میں کچھ آرام پاوے۔

۱۴۱۔ سنیچر چھویں گھر ستھن راس ہو۔ تو بدکار اور جھوٹا چور شریر۔ دشمنوں
مقابلہ کبھی کارخانہ بنائے یا ان میں تعلق پیدا کرے۔

۱۴۲۔ راہ کیت چھویں گھر ستھن راس میں ہو۔ تو کمزور اور ہمیشہ تندرستی کا
شاکی ہو۔ برے کاموں پر گذارہ ہو۔ فساد اور جھگڑوں میں گرفتار
متوسط عمر میں خوف سزا کا ہو۔

۱۴۳۔ سورج چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو اولاد بیمار رہے۔ اپنے مزاج میں گرانی
کا غلبہ ہو۔ زبردست دشمنوں سے مقابلہ پیش آوے۔ متوسط عمر میں تنگ
کر دشمنوں سے عاجزی کرے۔

۱۴۴۔ چاند چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو جماعت زیادہ دے۔ بال بچار ناتک
تکلیف اور فساد ہیں

۱۴۵۔ منگل چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو کئی مصائب پیش آویں اراضیات ضائع
ہو جاویں پیوندی اور رشتہ داریاں دشمن ہوں۔ متوسط عمر میں بدنام ہو
بدن پر زخم کا نشان ہو۔

۱۴۶۔ بدھ چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو صاحب اختیارات ہو سیاست زیادہ
بھول جایا کرے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۷۔ برہسپت چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو معزز اور بارتبہ ہو۔ مگر اعلےٰ افسران کی نظر میں حقیر ہو۔ اور گذارہ سے تنگ اور کاروبار یا پیشہ اوسکا مستقل نہ ہو۔

۱۴۸۔ شکر چھویں گھر کرک راس میں ہو تو ہمیشہ بیمار رہے پیشاب کی بیماری ہو۔ چند بار پانی میں ڈوبنے کا خوف متوسط عمر میں تکالیف عورات سے عاجز آوے

۱۴۹۔ سنیچر چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو تمام زندگی بیمزہ اور تکلیف میں بسر ہووے ہمیشہ بیمار۔ رنج اور رسوائی سے تکلیف دشمن حملہ کریں لاچار ہو کر کہیں چلا جاوے۔ متوسط عمر میں چور لوٹ لیویں۔ زیر بار قرضہ ہو رنج اور غم کبھی دامن نہ چھوڑے۔

۱۵۰۔ راہو چھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو نہ آرام دولت میسر۔ زہردار جانوروں سے تصدیعہ پہونچے دشمن تنگ کر لیویں متوسط عمر میں خوف سزا ہو۔

۱۵۱۔ سورج چھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو مشہور و نامور و نیک نام ہو لیکن ہمیشہ بے آرام او بیمار ہو۔ روپیہ لیکر تنگ ہو جاوے مقدمہ زیادہ کیا کرے۔

۱۵۲۔ چاند چھویں گھر سنگھ راس میں ہو تو خود بیمار۔ پیشاب میں تکلیف زماں باپ بیمار۔ نال چھدے سے جاویں۔ جائداد برباد ہو۔

۱۵۳۔ منگل چھویں گھر سنگھ راس میں ہو تو ہر طرح تکلیف اور رنج پیش آوے روپیہ ضائع جاوے۔ خونی بیماریاں تنگ کریں کسی الزام میں خوف سزا ہو۔ دشمنوں سے مقابلہ۔

۱۵۴۔ بدھ چھویں گھر سنگھ راس میں ہو تو علوم میں ماہر او عقلمند ہو کر روپیہ ضائع کر قرضدار ہو جاوے۔ کئی کاروبار کرے تاہم گذارہ سے تنگ اور قرضدار ہو۔

۱۵۵۔ برہسپت چھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو کئی حادثہ دیکھے۔ پسر ونکا انتقال ہو۔ نادار۔ پریشان۔ قرضخواہ تنگ کریں۔ آخری عمر میں دولتمند ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۶۔ شکر چھویں گھر سنگھ راس میں ہو خوبصورت ہمیشہ سافر بیمار مخالف زیادہ ہوں عورات کا انتقال ہو اور خود اچانک انتقال کرے۔

۱۵۷۔ سنیچر چھویں گھر سنگھ راس میں ہو تو ہمیشہ بیمار دشمنوں سے عاجز ملک بدر ہو عمر میں خوف سزا اور کچھ زمانہ مفرور اور چھپ کر رہے۔

۱۵۸۔ راہ کیت۔ چھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیمار۔ مقابلہ دشمن۔ مکار بدکار قرضدار جھوٹھ ٹھگ۔ مفرور مسافر

۱۵۹۔ سورج چھویں گھر کنیا راس میں ہو تو نیک کام میں زر خرچ اگر قرضدار ہو جاوے مقابلہ دشمن۔ تباہی اولاد۔ وسط عمر میں سزا کا خوف۔ کچھ زمانہ رنج اور مصیبت دامنگیر ہو۔

۱۶۰ چاند۔ چھویں گھر کنیا راس میں ہو ہنرمند۔ چند ہنروں میں ماہر پرہیزگار مال دار نرم طبع عورت خوش قسمت خاندان سے ہو۔ اول عمر میں ماں باپ مرجاویں اور تکالیف میں مبتلا ہو۔ ہمیشہ سفر۔ مخالف تنگ کریں بیمار تپدق سے تکلیف پہنچے۔ آتشک کا بھی خوف ہو۔ روپیہ جمع نہ ہووے۔

۱۶۱۔ منگل چھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ خونی بیماری نکسیر یا بواسیر سے تکلیف پہنچے غیر ملک میں رہے۔ مقابلہ دشمن میں اور فتحیاب ہو کسی دھرم کا مخالف نہ ہو۔ نہ عورت سے زیادہ محبت ہو عمر اول میں رنج آخیر میں خوش قسمت ہو۔ پہلی عمر کا رنج اولاد آخیر عمر میں دور ہو جنگل متوسط دھرماتماں جائداد برباد ہو کر پھر ہاتھ آوے آخیر عمر میں دشمن حملہ کریں۔

۱۶۲۔ بدھ چھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو بیمار دشمن پر غالب نامکے آرام پاویں۔

۱۶۳۔ برہسپت چھویں گھر کنیا راس میں ہو تو ہمیش سورج کے شمار کرتے ہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۴ - شکر چھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو برابر چاند کے پھل دیتے ہیں۔
۱۶۵ سنیچر چھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو منگل کے برابر پھل دیتے ہیں
۱۶۶ - راہو۔ کیت اگر چھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو پھل ان کا برابر منگل کے ہوتا ہے
۱۶۷ - سورج چھویں گھر کنیا راس میں ہو تو تمام زندگی تکالیف میں ضایع جاتی ہے پہلی عمر میں والدہ کا انتقال پھر نانکے تباہ ہوں۔ پھر جایداد بزرگان برباد ہوجاوے سمبندی اور رشتہ دار مخالف ہوجاویں کسی طرح کا کوئی آرام نہ ہو۔
۱۶۸ چاند۔ چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو جھگڑا فساد پیش آوے بھائی مخالف ہوں الزام میں گرفتاری کا خوف طبیعت بیمار۔ خصوصاً کانوں میں تکلیف۔
۱۶۹ - منگل چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ بیماری خرابی خون۔ اگ اور حیوان سے چوٹ کا خوف۔ تکالیف دشمنوں سے غیر ممالک میں رہے جوانی کے بعد تنازعات میں کئی تکالیف پیش آویں۔
۱۷۰ بدھ چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ پریشان اور بیقرار۔ اپنے ہنر اور علم سے فائدہ نہ اٹھاوے۔ نہ اوس پر کسیکو امید امداد ہو۔ نہ جائداد کو ترقی دیوے۔ بلکہ اوسکو نقصان پہنچاوے۔
۱۷۱ - شکر چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو عورت ہمیشہ بیمار رہے اور اسکی طفیل دشمنوں سے مقابلہ اور دشمن زیادہ ہوں۔
۱۷۲ - برہسپت چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو ہر مقام پر فتحیاب۔ نرم گفتار ہر ایک کا دوست لیکن دشمن اوس سے مقابلہ کریں۔
۱۷۳ سنیچر چھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو وہ عام کا خیر خواہ ہو لیکن اوس کے دشمن زیادہ ہوں۔ اور نقصان دولت کریں اور رجودی میں بھی نقصان مال ہو۔ حکام وقت سے بھی تصدیعہ پاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸۸ اگر شکر چھویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو عزت اور دولت روزگار۔ منصب
جوانی زناکاری اور عیاشی میں کھو بیٹھے۔ بیمار خصوصاً آتشک ہو جو
اور اوس سے عورت بھی انتقال ہو جاوے۔ سکھ آرام۔ گھر بار۔ مال ضایع
جاوے۔ جھگڑے اور فساد پیش آویں تمام عمر خرابیوں میں برباد کرے

۱۸۹ سنیچر چھویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو پھل شبھ دیتا ہے۔ کئی ہنروں اور [illegible]
میں لائق۔ ہوشیار۔ مستعد۔ کام انجنیری اور لوہار ترکھان
کاریگر ہو۔ اور بیماریوں کے علاوہ درد گردن اور پاؤں کو
تکلیف پہونچاوے اکثر اوقات مقابلہ دشمنوں میں فتحیاب
اور نامور ہو۔

۱۹۰ راہ کیت چھویں گھر دھن راس میں ہو تو ہنرمند حکیم یا کل
کیمیاگر۔ سائنسدان۔ زخم پھوڑے اور چند بیماریوں کا معالج [illegible]
لوگوں میں حقیر مقدمہ باز۔ چہرہ خراب ہو۔ دشمنوں کے مقابلہ میں غالب
اور کامیاب ہو۔

۱۹۱۔ سورج چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو ہر طرح نقصان اور تکالیف پیش
آتی ہیں۔ تمام زندگی رنج اندیشہ اور جھگڑوں میں اور بیماری کئی قسم خصوصاً
آنکھ اور دشمنی رشتہ داران میں ضایع جاتی ہے۔ حکام وقت سے واسطہ [illegible]
کی نقصان اور تصدیعہ پہونچتے ہیں۔

۱۹۲۔ چاند چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو نادار تنگ حال غیر ملک کے زور آور
اور ظالم حکمران سے نوبت تباہی اور بربادی پیش آوے۔ انجام کار
ان صدمات تباہی خیز سے بچ جاوے آخری عمر میں بیماری تپ
دق کا خوف ہے۔ بلغمی بیماریاں بھی ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۳۔ منگل چھٹویں گھر مکر راس میں ہو تو بڑے بھارے مقابلہ اور جنگ پیش آویں۔ لوگوں اور مخالفوں میں بے عزت ہو حکام وقت بھی مخالفت کریں تاہم سب پر غالب اور فتحیاب ہو لیکن بدکار اور بدچلن ہو۔

۱۹۴۔ بدھ چھٹویں گھر مکر راس میں ہو گو خوش رہے۔ اور دشمن بھی کوئی نہ ہو لیکن بیمار۔ کمزور۔ دُبلا۔ آنکھیں بیمار۔ زر و دولت سے لاچار۔ نانکے گھر برباد ہوں

۱۹۵۔ برہسپت چھٹویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو آرام دولت سلوک اتفاق سے محروم۔ بدنام۔ جھگڑوں۔ فسادوں میں زر و دولت اور جائیداد کا نقصان دشمنوں سے کئی حادثہ اور مصائب دیکھے۔

۱۹۶۔ شکر چھٹویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو عیاش زنانہ کار متلون مزاج عورات میں زر کا نقصان بلکہ مفلس اور نادار ہو جاوے۔ اور بوجہ ناجائز معاملات کے دشمنوں سے نقصان اٹھاوے۔ بیمار مرض سوزاک یا آتشک ہو۔

۱۹۷۔ سنیچر چھٹویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو رنج عورت اور مقابلہ مخالفاں اور خوف ظلم ظالم۔ نقصان زر و دولت۔ بربادی عزت بیماری طبیعت ہو۔

۱۹۸۔ راہ کیرت چھٹویں گھر مکر راس میں ہو۔ دائم المریض خصوصاً بدن کی ہڈیوں میں کوئی مرض ہو۔ بہن بھائی تباہ ہو جاویں۔ جسقدر روپیہ کماوے سب ضایع ہو جاوے۔ حسد اور مقابلہ مخالفوں میں فتحیاب ہو۔ گو لوگ اس کی عزت کریں تاہم کئی مصائب اور آفتیں دیکھے اور رنج اور تکالیف اٹھاوے۔

۱۹۹۔ سورج چھٹویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ پہلی عمر کسیقدر اچھی گذرے مگر وسط عمر میں جاکر عزت آبرو۔ زر و دولت کا نقصان ہو۔ سخت بیماری پیش آوے رشتہ داران کی امداد میں نقصان پاوے بے آرامی اور بے چینی میں زندگی بسر ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸۸ اشنگر چھویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو عزت اور دولت روزگار۔ منصب بھی
جاوے زناکاری اور عیاشی میں کھو بیٹھے۔ بیمار خصوصاً آتشک ہو جاوے
اور اوس سے عورت بھی انتقال ہو جاوے۔ سکھ آرام۔ گھر بار۔ مال ضایع
جاوے۔ جھگڑے اور فساد پیش آویں تمام عمر خرابیوں میں برباد کرے

۱۸۹ سنیچر چھویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو پھل شبھ دیتا ہے۔ سبھی ہنروں اور دستکاریوں
میں لائق۔ ہوشیار۔ مستعد۔ کام انجنیری اور لوہار ترکھان میں
کاریگر ہو۔ اور بیماریوں کے علاوہ درد گردن اور پاؤں کو
تکلیف پہونچاوے اکثر اوقات مقابلہ دشمنوں میں فتحیاب ہو
اور نامور ہو۔

۱۹۰ راہ۔ کیت چھویں گھر دھن راس میں ہو تو ہنرمند حکیم یا کل ساز
کیمیاگر۔ سائنسدان۔ زخم پھوڑے اور چند بیماریوں کا معالج ہو۔
لوگوں میں حقیر۔ مقدمہ باز۔ چہرہ خراب ہو۔ دشمنوں کے مقابلہ میں غالب
اور کامیاب ہو۔

۱۹۱۔ سورج چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو ہر طرح نقصانات اور تکالیف پیش
آتی ہیں۔ تمام زندگی رنج اندیشہ اور جھگڑوں میں اور بیماری کی کمی رقم خصوصاً
آنکھ اور دشمنی رشتہ داران میں ضایع جاتی ہے۔ حکام وقت سے وسط عمر میں
کئی نقصانات اور تصدیعہ پہونچتے ہیں۔

۱۹۲۔ چاند چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو نادار تنگ حال غیر ملک کے زور آور
اور ظالم حکمران سے نوبت تباہی اور بربادی پیش آوے۔ انجام کار
ان صدمات تباہی خیز سے بچ جاوے آخری عمر میں۔ بیماری تپ
دق کا خوف ہے۔ بلغمی بیماریاں بھی ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۳ - منگل چھویں گھر مکر راس میں ہو تو بڑے بھارے مقابلہ اور جنگ پیش آویں۔
لوگوں اور مخالفوں میں بے عزت ہو حکام وقت بھی مخالفت کریں تاہم سب پر
غالب اور فتحیاب ہو لیکن بدکار اور بدچلن ہو۔

۱۹۴ - بدھ چھویں گھر مکر راس میں ہو تو خوش رہے۔ اور دشمن بھی کوئی نہ ہو لیکن
بیمار۔ کمزور۔ دُبلا۔ آنکھیں بیمار۔ زر و دولت سے لاچار۔ نانکے گھر برباد ہوں

۱۹۵ - برہسپت چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو آرام دولت سلوک اتفاق سے محروم۔
بدنام۔ جھگڑوں۔ فسادوں میں زر و دولت اور جائیداد کا نقصان دشمنوں
سے کئی حادثہ اور مصائب دیکھے۔

۱۹۶ - شکر چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو عیاش زناہ کار متلون مزاج عورات میں
زر کا نقصان بلکہ مفلس اور نادار ہو جاوے۔ اور بوجہ ناجائز
معاملات کے دشمنوں سے نقصان اٹھاوے۔ بیمار مرض سوزاک یا
آتشک ہو۔

۱۹۷ - سنیچر چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو رنج عورت اور مقابلہ مخالفاں اور
خوف ظلم ظالم۔ نقصان زر و دولت۔ بربادی عزت بیماری طبیعت ہو۔

۱۹۸ - راہو کیت چھویں گھر مکر راس میں ہو۔ دائم المریض خصوصاً بدن کی ہڈیوں
میں کوئی مرض ہو۔ بہن بھائی تباہ ہو جاویں۔ جسقدر روپیہ کماوے سب ضائع
ہو جاوے حسد اور مقابلہ مخالفوں میں فتحیاب ہو گو لوگ اس کی عزت کریں تاہم
کئی مصائب اور آفتیں دیکھے اور رنج اور تکالیف اٹھاوے۔

۱۹۹ - سورج چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ پہلی عمر کسیقدر اچھی گذرے مگر وسط عمر میں
جا کر عزت آبرو۔ زر و دولت کا نقصان ہو۔ سخت بیماری پیش آوے
رشتہ داران کی امداد میں نقصان پاوے بے آرامی اور بے چینی میں زندگی بسر ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۰۰۔ چاند چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو بیماری بلغمی بلکہ تپ دق کا خوف
مصائب پیش آویں۔ بڑے بھائی کی اولاد کو نقصان پہونچے۔ عورت
بھی آرام اور خوشی حاصل نہ ہو۔ نہ اپنے ملک میں رہائش کا موقع
ممالک میں گھومتا رہے۔

۲۰۱۔ منگل چھویں گھر کنبھ راس میں ہو تو اگر دیگر گرہ اچھی حالت میں نہ ہوں
کے دوش کو دور نہ کریں تو مفلس نادار قرضدار۔ جائداد زرگان
بھائیوں کی موت کا صدمہ۔ متوسط عمر میں روزگار تباہ۔ حکام وقت
سزا۔ دشمن غالب۔ بدنامی۔ بے عزتی۔

۲۰۲۔ بدھ چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ دبلا بدن۔ متوسط عمر۔ مخالفوں
رنج۔ نالکیوں کی تباہی۔ کئی قسم کے نقصان۔

۲۰۳۔ برسپت چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو کم علم۔ کم فکر۔ درمیانی عمر میں دولت
عزت سستی۔ روزگار کا نقصان بلکہ زیر باری قرضہ سخت مشکلات اور تکالیف
کا سہارنا۔ البتہ آخری عمر میں نیک نام اور خوش گذران ہو جاوے۔

۲۰۴۔ شکر چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ بد عادت۔ گناہ کار۔ اپنی عورت سے
ناراض بلکہ سخت تکلیف اٹھائے۔ جن سے امید اور توقع بہتری کا ہو اُنسے نقصان

۲۰۵۔ سنیچر چھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو ہمیشہ بیمار۔ دشمنوں سے مقابلہ۔ ناراضگی اور
رنج حکام طرح طرح کی مصائب اور تکالیف نقصان زر۔ بربادی عزت

۲۰۶۔ راہ و کیت چھویں گھر کنبھ راس میں ہوں۔ تو دشمن زیادہ دائم المریض۔ مفلس
نادار۔ زیر بار قرضہ۔ حکام وقت سے نقصان۔ بربادی عزت
و آبرو۔

۲۰۷۔ سورج چھویں گھر مین راس میں ہو۔ تو بیمار۔ دل اور ہمیشہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بیمار۔ دشمن زیادہ۔ جائیداد بزرگان کا نقصان۔ ماں باپ سے رنج اور تکلیف۔ مقابلہ مخالفان۔

۲۰۸۔ چاند چھویں گہر مین راس میں ہو۔ تو نادار۔ تنگدست۔ قرضدار جائیداد برباد ہو۔ نانکوں کا دشمن بدنام۔ دشمن زیادہ۔

۲۰۹۔ منگل چھویں گہر مین راس میں ہو۔ تو معدہ خراب کئی بیماریاں ہوں جائیداد بزرگان کا نقصان۔ قرضدار رشتہ داروں وسمبندیوں سے مقابلہ اور فساد سخت بدنام۔

۲۱۰ بدھ چھویں گہر مین راس میں ہوں ہمیشہ بیمار۔ سوزاک یا آتشک تکلیف دیوے۔ اپنے ملک میں گذارہ اور آرام میسر نہ ہو۔ ازیں سبب غیر ملک میں سفر کرے۔ متوسط عمر میں نادار اور زیر بار قرضہ ہو۔ دشمن زیادہ ہوں۔

۲۱۱۔ برہسپت چھویں گہر مین راس میں ہو۔ تو کئی علوم میں ماہر ہو۔ باوجود اس کے تنگ گذارہ اور نادار زیر بار ہو۔ موت پسران کا حادثہ پیش آوے عام وخاص دشمن ہوں۔ بلکہ رشتہ دار سمبندی اور جن سے وہوئی امید بہتری ہو۔ نقصان پہنچاویں اور مقابلہ دشمنانہ کریں۔

۲۱۲ شکر چھویں گہر مین راس میں ہو۔ تو عیاش۔ بدکار۔ متفکر۔ و پریشان۔ عورات سے نقصان زر دولت دشمن زیادہ ہوں۔

۲۱۳۔ سنیچر چھویں گہر مین راس میں ہو۔ تو ہمیشہ بیمار۔ مرض جسگر سے تکلیف دشمنوں سے تمام کاموں میں نقصان متوسط عمر میں ذلت اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خواری پیش آوے۔

۲۱۴۔ راہ کیت چھویں گھر میں ٹس میں ہو۔ تو مقابلہ دشمن پریشان و بے قرار۔ نقصان دولت۔ نقل مکان رہائیش۔ حکام وقت سے خوف سزا۔ الا دشمنوں پر غالب۔

۲۱۵۔ اگر تیسرے گھر کا مالک چھویں گھر کے مالک کے ساتھ اوج استھان پر ہو۔ تو ہمیشہ مخالف اور دشمن پر فتحیاب اور غالب ہو۔

۲۱۶۔ تیسرے گھر کا مالک زور آور ہو کر چھویں گھر سے انس میں ہو تو دشمن پر غالب رہے۔

۲۱۷۔ منگل سنیچر۔ راہو۔ ملکر کسی کے گھر میں ہوں۔ تو دشمن پر غالب رہے۔

۲۱۸۔ برہسپت سنیچر۔ راہو۔ ملجاویں۔ تو جنگ میں بہادر اور دشمنوں کو جیت لیوے۔

۲۱۹۔ لگنیش میکھ یا سنگھ راس میں ہو۔ تو سدا روگی رہیگا۔

۲۲۰۔ ۶۔۸ گھر میں سنیچر اور چاند جنم لگن میں ہو۔ تو سدا روگی رہیگا۔

۲۲۱۔ چھویں گھر میں سورج و منگل ہو تو ہمیشہ بیمار رہے اور عمر کم ہو۔

۲۲۲۔ میکھ راشی چھویں گھر میں ہو۔ تو بدکاری۔ غسداری سلازموں سے اندیشہ نقصان اور فراری قیدیان۔ اندیشہ خرابی ترقی جانوراں۔ چوپایہ۔ غلبہ زخم۔ طلاق و ترک عورت۔ بیمار و قید میں تکالیف ہر ایک کام میں توقف۔ مال چوری گیا ہوا۔ پھر ملجاوے۔ فراق محبوب بدحالت میں ہو۔

۲۲۳ برکھ راشی چھویں خانہ میں ہو۔ تو ترقی غلاماں و پوشیدگی ہر ایک اور غالب

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز۔ شایق گفتگو عورات۔

۲۲۴۔ متھن راشی خانہ ششم میں ہو۔ تو بیماری میں تکلیف غلام زیادہ ہوں اور پوشیدہ رہے۔

۲۲۵۔ کرک راشی خانہ ششم میں ہو۔ تو ترقی مویشی و غلام و خدمت گار ترک عورات۔

۲۲۶۔ سنگھ خانہ ششم میں ہو۔ تو فایدہ مویشی۔ آرام خدمتگاران۔ زبردستوں سے فائدہ ہر ایک مشکل آسان ہو جاوے۔

۲۲۷۔ کنیا خانہ ششم میں ہو۔ غلاموں سے تکلیف دشمنوں کا غلبہ

۲۲۸۔ تلا خانہ ششم میں ہو۔ تو بیماری اور رنج دوستاں۔

۲۲۹۔ برچھک خانہ ششم میں ہو۔ تو خدمتگاروں میں تفرقہ بار بار حملہ بیماری۔

۲۳۰۔ دھن خانہ ششم میں ہو تو ترقی تکالیف اور خدمتگاروں سے نقصان

۲۳۱۔ مکر خانہ ششم میں ہو۔ تو فنا مویشی خورد۔ تہمت عورات۔ بیماری۔

۲۳۲۔ کمبھ خانہ ششم میں ہو۔ تو تکلیف رنج۔ بیماری۔ تفرقہ۔

۲۳۳۔ مین خانہ ششم میں ہو۔ تو فائدہ مویشی اور آرام خدمتگاراں اور راز پوشیدہ رہیں۔

۲۳۴۔ اگر سنیچر چھٹویں خانہ میں ہو۔ تو سولہ دن میں چھ ماہ میں اپنے گھر سے کسی دوسری کے گھر میں جاویگا۔

۲۳۵۔ اگر چھٹویں گھر میں سورج یا منگل ہو۔ تو کم عمر اور مریض رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز ہشتم احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۷

۱۔ سورج ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت غصہ ور لیکن اوس سے محبت ہو۔ لوگوں سے پرہیز۔ کینہ اشخاص سے دوستی۔ نیک و بد کی تمیز نہ ہو۔ گذارہ دولت کمتر۔ دھرم کی پرواہ نہ ہو۔

۲۔ چاند ساتویں گھر میں ہو۔ تو لالچی۔ تابعدار عورت۔ عورت خوبصورت ملے لیکن خود دُبلا بدن اور کم عقل ہو۔

۳۔ منگل ساتویں گھر میں ہو۔ گورا بدن۔ عورت خوبصورت مگر بد مزاج فکرمند اور پریشان رہے۔

۴۔ بدھ ساتویں گھر میں ہو۔ تو خوش لباس۔ خوش مزاج۔ عمر دراز۔ عورت نیک سیرت و خوش صورت ہو۔ مکان عمدہ۔

۵۔ برہسپت ساتویں گھر میں ہو۔ ہر ایک سے سلوک خاص سے محبت خوب گندم رنگ۔ سخی۔ خیرات کنندہ نیک نیت۔ دراز عمر۔ خوش زیادہ محبت۔ خوش پوشاک۔ جوانی عرصہ دراز تک قایم رہے۔ عورت مزاج و نیک نیت ہو۔

۷۔ سنیچر ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت زندہ نہ رہے۔ سادہ مزاج ہر ایک سلوک۔ عورت سیاہ فام۔ میلی۔ بدکار۔ ناپرہیزگار۔ ہو تنگدست ہو۔

۸۔ راہ۔ کیت۔ ساتویں گھر میں ہو۔ تو دروغگو ر بدکار۔ عورت زندہ نہ رہے۔ اولاد نرینہ نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۔ ساتویں گھر کا مالک اگر پہلے گھر میں ہو۔ تو اپنی عورت سے محبت۔ اور اسکا تابعدار و فرمانبردار ہو۔

۱۰۔ ساتویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو عورت نافرمان اور مخالف مزاج باعث تکلیف ہو۔

۱۱۔ ساتویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو بلوان اور عزیز برادران ہو۔ اگر ساتویں گھر کا مالک پاپی گرہ ہے۔ تو عورت اوسکی چھوٹے دیور سے پیار رکھے۔

۱۲۔ ساتویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو طبیعت بیقرار ہو۔ اور باپ کا مزاج بھی مستقل نہ ہو۔ اور عورت اوسکی اپنے باپ کے گھر میں زیادہ رہے۔

۱۳۔ ساتویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ تو اولاد فرمانبردار اور خدمتگار والدہ کی ہو۔ عورت سے آرام اور خوش نصیب ہو۔

۱۴۔ ساتویں گھر کا مالک چھٹویں گھر میں ہو۔ تو عورت بیمار اور مخالف ہو۔

۱۵۔ ساتویں گھر کا مالک ساتویں گھر میں ہو۔ بارعب۔ خوش اخلاق۔ عورت سے پیار۔ درازعمر۔ کاروبار میں فائدہ۔

۱۶۔ ساتویں گھر کا مالک آٹھویں ہو۔ تو شادی کا ہونا مشکل ہے۔ بشرطیکہ اور گرہ بلوان مددگار نہ ہوں۔ کسی غیر عورت سے آشنائی رکھے۔

۱۷۔ ساتویں گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو۔ تو نیک طبع۔ دھرماتما صاحب اقبال۔ عورت بھی نیک مزاج نصیب ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو نامرد اور بدمزاج ہو۔

۱۸۔ ساتویں گھر کا مالک اگر دسویں گھر میں ہو۔ تو حاکم وقت سے اخلاص۔ آلا تندزبان۔ عورت اوسکی اپنی ساس کی خدمت کرے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹ ساتویں گھر کا مالک اگر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو عورت نیک طبع خوش ...
اور بچہ اُس کا بلا تکلیف پیدا ہو۔

۲۰ ۔ ساتویں گھر کا مالک اگر بارہویں گھر میں ہو۔ تو رشتہ داروں اور ہمسایوں ...
سے بدسلوکی اور عورت سے تکلیف و بے آرامی حاصل ہو۔

۲۱ ۔ سورج ساتویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو عالیخاندان میں ہو۔ امیر ماں باپ
کے گھر پیدا ہو۔ اور عورت بھی امیر خاندان سے ملے متوسط عمر میں منصب
اور مرتبہ عالیشان اختیار نصیب ہو۔ دولتمند اور صاحب جائیداد ہو ...
سے فائدہ۔ بھائی ترقی زر و دولت میں مددگار ہوں۔ نامور معزز

۲۲ ۔ چاند ساتویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور زباندان۔ نانکے امیر
صاحب اقبال ہوں۔ اونکی مہربانی سے عالی مراتب راجدربار نصیب
ہوں۔ عورات زیادہ ہوں۔ کاروبار میں فائیدہ عورتوں
سے خوشی۔

۲۳ ۔ منگل۔ ساتویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو دلیر۔ بہادر۔ امیر۔ دولتمند
بھائی صاحب اقبال۔ امیر گھر میں شادی ہو۔ اور وہ مالا مال کر
دیویں۔ مخالفوں پر غالب۔

۲۴ ۔ بدھ ساتویں گھر میکھ راس میں ہو۔ عالم۔ دانشمند۔ نامور معزز۔ کئی زبانوں
کا واقف۔ ہنرور۔ کاروبار میں ہشیار۔ جوانی کے آخر پر عورت
کی موت کا حادثہ۔

۲۵ ۔ برہسپت ساتویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو عابد۔ زاہد۔ راست گو۔ عورت
سے خوش و خورم۔ عمر دراز۔ الا دائم المریض اور گذارہ روزگار کمینہ
تنگ گذران بلکہ زیربار قرضہ۔ آخر ضعیفی میں کچھ زمانہ آسودہ گذران ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶۔ شنکر ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو نامور۔ صاحب اقبال۔ اول کم تر درجہ پھر اعلےٰ درجہ حکومت نصیب ہو۔ انصاف پسند۔ عمدہ سواریاں مشہور۔ نیک نام۔ لوگوں کو فیضی سے فائدہ پہونچاوے۔ عورت نازبردست خوشمزاج۔ تابعدار۔

۲۷۔ سینیچر ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو شادیاں زیادہ ہوں لیکن عورات سے تکلیف اور ذلت اٹھاوے۔ تمام زندگی بے سرگی اور پریشانی میں بسر کرے۔ گذارہ تنگدستی اور افلاس سے ہو۔ بدنام بے آرام بے زر فرزند بے قرار ہو۔

۲۸۔ راہ۔ کیت ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو مقدمات اور تنازعات میں زر دولت کا نقصان کرے۔ جائداد بزرگان تکلیف سے ہاتھ آوے عورت دل پسند۔ اور موافق مزاج نہ ہو۔ مالدار دولتمند ہو۔ لیکن آخری عمر میں ستارہ قسمت بلندی پر ہو۔ فریق مخالف مغلوب ہوں۔

۲۹۔ سورج ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو پہلی عمر جھگڑوں میں بسر ہو۔ دشمن تکالیف دیویں۔ جائداد بزرگان پر مقدمات ہوں۔ معزز اور عالی مراتب مددگار ہو کر فائدہ پہونچاویں۔ رتبہ اور منصب اعلےٰ نصیب ہوں۔ جیسے عمر زیادہ ہو۔ آرام اور اقبال بھی ترقی پاوے عادت عورت قابل شکایت ہوں۔ کاروبار میں فائدہ مشہور اور نامور ہو۔

۳۰۔ چاندہ ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ عمدہ روزگار۔ کاروبار میں فائدہ۔ خوش شکل تاہم چہرہ پر کوئی داغ ہو۔ عورت اول

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بیمار۔ دو شادیاں ہوں۔ جیسے زمانہ عمر بڑھے ویسے ہی آرام اور اقبال میں ترقی ہو۔

۳۱۔ منگل ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو دشمنوں سے سخت مقابلہ پیش آوے اور جائیداد کی بربادی ہو۔ بھائی بند بھی مخالف ہوں۔ نادار گھر میں شادی۔ عورت تابعدار۔ اور فرمانبردار نہ ہو۔ بلکہ اس کے بھائیوں سے تکلیف ہو۔ بچے ہر طرح تکلیف ہو۔

۳۲۔ بدھ ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو ہاضمہ خراب۔ درد گردہ سے تکلیف عورات زیادہ۔ کمزور مزاج۔ بزدل۔ کم حوصلہ۔ عمر کمتر ہو۔

۳۳۔ برہسپت ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ پہلی عمر میں تنگدستی اور ناداری درمیانی عمر میں دشمن تکالیف پہونچا دیں۔ آخری عمر میں امیر دولتمند با آرام ہو۔ الا فرزند تابعدار اور خدمتگذار نہ ہوں۔ بلکہ ان کی مخالفت سے تکلیف ہو۔ خود خدمت ماں باپ صدق دل سے کرے۔ اور عورت بھی تابعدار اور موافق مزاج ہو۔ آیو پورن ہو۔

۳۴۔ شکر ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو عالم شاعر۔ عمیق خیال دائم المسافر اول عمر میں خوش گذران۔ اور آخر میں نقصان اور رنج اٹھاوے چال چلن عورات سے سخت بیزار گو وہ خوبصورت اور حسین ہو۔ کار بار میں ابتری واقع ہو۔

۳۵۔ شنیچر ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ پریشان اور بے قرار۔ اکثر حمل ضائع ہوں۔ عورات زیادہ بچا کانی اور دولت سے آرام نہ پاوے۔ گفتگو میں ہوشیار۔ اور عمدہ لیکچرار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۶ ۔ راہ کیت ساتویں گھر بر کھ اس میں ہو۔ تو کئی رنج اور سفر دور دراز ممالک غیر پیش آدیں ۔ زر دولت میں کمی ۔ عورت بیمار ۔ حمل اس کے کم فایدہ دیویں ۔

۳۷ ۔ سورج ساتویں گھر متھن راس میں ہو ۔ تو عالم ۔ فاضل نامور ہنرمند نئی نئی چیزیں ایجاد کرنے میں لائق ۔ نیک نام ۔ منصف مزاج قواعد سرکار میں ماہر ۔ گذارہ عمدہ ۔ شادیاں زیادہ کرے ۔ عورات سے محبت کاروبار میں فائدہ

۳۸ ۔ چاند ساتویں گھر متھن راس میں ہو ۔ نادار ۔ مفلس ۔ بدکار ۔ زر دولت کا دشمن ۔ بحری سفر کا شایق ۔ بدنام ۔ شادی نہ ہو ۔ بدکار یا کسی غیر عورت سے دوستی ۔ یا اسکو گھر میں رکھے کار بار میں نقصان ۔

۳۹ ۔ منگل ساتویں گھر متھن راس میں ہو ۔ تو گھر بار کا آرام نصیب نہ ہو ۔ بے فایدہ خرچ ۔ دشمنی زیادہ ۔ دشمنوں یا زہر آتش یا کسی اور صدمہ ناگہانی سے عورت خاوند کا انتقال ہو ۔ کاربار میں ابتری ۔

۴۰ ۔ بدھ ساتویں گھر متھن راس میں ہو ۔ تو عورت سے خوشی ۔ روزگار میں فایدہ ۔ واضح مزاج ۔ ہر ایک کی خاطر داری کرے ۔ گذارہ آسودہ آخری عمر میں آرام اور خوشی نصیب ہو ۔

۴۱ ۔ برہسپت ساتویں گھر متھن راس میں ہو ۔ عالم فاضل ۔ نیک نام مشہور ممالک غیر ۔ قواعد شاہی میں ماہر ۔ شادی مالدار گھر میں ہو ۔ اون سے دولت ہاتھ آدے ۔ کاروبار میں فائدہ ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۲ - شکر - ساتویں گھر متھن راس میں ہو - تو صحبت بد اور عیاشی میں عمر ضایع کرے - زانی - عیاش - بدکار - بدچلن عورت گھر میں دیر بعد ہو - آخری عمر میں جائیداد پیدا کرے - بدنام اور لوگوں کی نظر میں حقیر -

۴۳ سنیچر ساتویں گھر متھن راس میں ہو - تو ادھرمی اور پاپی بہت مسافر - اور لوگوں کو لکچر سنا کر اون سے روپیہ کماوے - عورت سے بدسلوکی بدنام -

۴۴ - راہ کیت ساتویں گھر متھن راس میں ہو - تو گذارہ کے لئے کسی کام کا ایک پیشہ نہ ہو - ہمیشہ پریشان اور بے قرار خاطر ہو - متوسط عمر میں عورت سے رنج پہونچے - بکار یار کمینہ ہو - موت ناگہانی ہو -

۴۵ - سورج ساتویں گھر کرک راس میں ہو - تو تند مزاج صفراوی طبیعت جوانی میں بیماریوں کا انتقال ہو - والدین اور عورت کی موت کا صدمہ پہنچے - متوسط عمر میں خلل عزت - اور نقصان زر و مال کا ہو - علم اور عقل کمتر -

۴۶ - چاند ساتویں گھر کرک راس میں ہو - تو علم اور عقل کم ہو - ہمیشہ سفر میں رہے عورت مخالف مزاج اور تند خو ہو - بیماری بلغمی اور سردی دامنگیر رہے بلکہ باعث موت بھی وہی بیماری ہو

۴۷ - منگل ساتویں گھر کرک راس میں ہو - تو کاروبار میں خلل - عورت بدکار نافرمان ہو - اُسکو نکال دیوے خون بدن میں کوئی بیماری ہو -

۴۸ - بدھ ساتویں گھر کرک راس میں ہو - ہمیشہ معدہ کمزور - ہاضمہ خراب پہلی عمر میں نوکری آخری عمر میں کاروبار - عورت مخالف مزاج اور ناپسند خاطر ہو - بدنام اور بے نشان ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۹۔ برہسپت ساتویں گھر کرک راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ کاربیوپار میں ہوشیار عورت بھی خوانده عقلمند تابعدار بلکہ مددگار ہو۔ بھائی بند۔ معزز حکام کی توجہ اور مہربانی سے معزز اور ممتاز ہو۔ نیک نام

۵۰۔ سنکر ساتویں گھر کرک راس میں ہو۔ خوش خوراک و خوش پوشاک عورت نیک معتبر۔ لیکن ضعیفی میں دوسری شادی جوان عورت سے ہو کاربیوپار میں ہوشیار۔ قانونی کاموں میں گذران ہو۔

۵۱۔ سنیچر ساتویں گھر کرک راس میں ہو تو بدکار اور کاربیوپار میں نقصان۔ عورت بیمار مخالف نابکار۔ موت ناگہانی ہو۔

۵۲۔ راہ کیت ساتویں گھر کرک راس میں ہو۔ کاربیوپار مستقل نہ ہو۔ تعزیر اور لیکچروں میں ہوشیار۔ شادیاں زیادہ ہوں۔ متوسط عمر کے بعد گذارہ معقول اور زمانہ آسائش سے گذرے

۵۳۔ سورج ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو مشہور نامور۔ معزز۔ متوسط عمر میں نیک نام عورت بیمار۔ کاربیوپار میں ہوشیار۔

۵۴۔ چاند ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیماری بلغمی سے تکلیف۔ عورات زیادہ۔ موت پسران کا حادثہ پیش آوے۔ کاربیوپار میں نقصان۔ سفر بے فائدہ۔ البتہ زمین سے فائدہ۔

۵۵۔ منگل۔ ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیمار ہمیشہ رنج۔ تندخو عورت مخالف مزاج جھگڑے اور مقدمات میں مصروف ہو۔ کاربار تجارت میں نقصان۔

۵۶ بدھ ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عورت سے پیار۔ بیاہ زیادہ شائق سفر قواعد سرکار میں ماہر۔ بیوپار میں فائدہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۷ برہسپت سنگھ راس ساتویں گھر میں ہو۔ تو صاحب عزت نامور۔ آسودہ حال
دولتمند اچھے اور نامور خاندان میں شادی ہو عورت دانا اور نیک

۵۸ شکر ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیاہ کئی ہوں اور کئی بیوپار
و کار روزگار کرے لیکن دولت جمع نہ ہو۔ گہرہ قیاس اور خیال
ہو۔ لیکن صدمہ موت عزت اور اولاد سے سخت رنج اور غم دیکھے۔

۵۹ سنیچر۔ ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو تو بیمار اور کار بیوپار و روزگار
سے تنگ و لاچار۔ عورت مریض غصہ ور۔ مخالف مزاج۔ کم عمر۔ اور
گرجاویں۔

۶۰ راہ کیت ساتویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو بیمار۔ بدکار۔ زانی۔ جائداد
بزرگان برباد کرے۔ عورت بیمار۔ نافرمان تند مزاج۔

۶۱ سورج ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو بیمار۔ بیکار۔ مفلس نادار۔ عورت
بیمار۔ اور آخرکار بعمرہ موت ہو۔ ہر طرح تکلیف میں زمانہ زندگی بسر ہو۔

۶۲ چاند ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو بیمار۔ شادی بمشکل ہو۔ کار بیوپار میں
نقصان۔ عمر اول بے آرام ضعیفی میں کسیقدر خوش اور شادکام ہو۔

۶۳۔ منگل ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عورت سے تنازعہ تکرار اور دوز
آور ہو۔ تیز مزاج رنج اور پریشانی زیادہ۔ ضعیفی میں اراضی پیدا کرے
تمام متعلقین بیزار اور مخالف ہوں۔

۶۴۔ بدھ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عورت سے محبت۔ کار روزگار میں ہوشیار
اور عالم۔ فاضل۔ علم ہندسہ میں لائق۔ قانون میں ماہر۔ متحمل صابر۔ دُبلا
بدن۔ روپیہ جمع نہ ہو۔

۶۵ برہسپت۔ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عالم فاضل۔ زاہد۔ گوردیا پیر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

معزز۔ حکام وقت عزت کریں۔ عمر دراز۔ عورت نیک مزاج اور صاحب
عقل ہو۔ ضعیفی میں آسودہ اور امیر ہو۔ روپیہ جمع کرے۔ الا اکثر بیمار رہا کرے
۶۶۔ شکر۔ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو پہلی عمر میں تکلیف اور رنج دیکھے
متوسط قد ہو۔ دوا فروشی کا دوکان ہو۔ متوسط عمر میں معزز ہو۔ اچھا رتبہ
پاوے۔ کم عمر مگر عورت کا انتقال اوسے اول ہو۔ دوسری شادی کی کوشش اور خواہش کرے
۶۷ سینچر۔ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ عورت اول کا صدمہ موت۔ خود بیمار اور
دُبلا بدن ہو۔ لیکن عمر اول میں ستارہ بخت بلندی پر ہو۔ مشہور اور نامور ہو
جاوے۔ معزز عورت کسیقدر خواندہ ہو۔
۶۸ راہ کیت۔ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو بیمار۔ ناکارہ۔ اور آلسی وجود
شایق سفر عورت مخالف مزاج۔ اول وہ تابعدار نہ ہو۔ آخرکار آخری
عمر میں داغ جدائی دکھلاوے۔
۶۹ سورج۔ ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو امیدوں میں ناکامیاب رہے
تاہم دلیر اور ادمی پراکرمی۔ مسافر اور شادیاں زیادہ ہوں ایک روزگار
پسند نہ ہو کبھی کام کرے۔ بیتلون مزاج کاربیوپار میں مطابق امید کے فایدہ
نہ پہونچے۔ موت عورت اور اولاد کا صدمہ اوٹھاوے۔
۷۰ چاند۔ ساتویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو عورات و اولاد نہ رہے۔ مستقل روزگار
نہ ہو۔ امید فایدہ میں کامیابی نہ ہو۔ زیادہ شادیاں بے فایدہ جاویں
اودم اور سفر فضول ہو۔
۷۱۔ منگل ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ دلیر اور باحوصلہ ہو۔ جھگڑوں سے
خوف نہ آوے۔ عورت بیمار خصوصاً کھانسی اوسکو تکلیف دیوے۔ بدطبیعت
اولاد نافرمان۔ ہمسندیوں کے نقصانات زیادہ ہوں۔ اونکی موت رنج اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

غم میں ہو۔ دشمنوں کا غلبہ۔ دولت کا نقصان بے عزتی۔ بدنامی۔

۷۲۔ بدھ ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو پہلی عمر میں آرام نہ ہو۔ آخر عمر
اچھا زمانہ بسر ہو۔ ہنرمند کسی پیشہ اور کام جانتا ہو۔ فرمانبردار اور نیک
سیرت عورت کا انتقال ہا مستقل مزاج اور مستقل خیال نہ ہو۔

۷۳۔ برہسپت ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ صاحب علم اور خوش تقریر قانون
میں نہایت کسی روزگار سخت کوشش اور حیلہ سے دولت کماوے باوجود
دولت کے قرضدار ہو مستقل کوئی دھرم نہ ہو۔ دشمنوں کا غلبہ طرح طرح
کے نقصان بھائی بندوں کو تکالیف اور نقصان پہنچاوے کئی مصیبتیں
بلکہ خرابی مزاج سے سزایاب ہو کر رہائی پاوے۔

۷۴۔ شکر ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو صاحب علم اور ہنرمند ہو۔ گو چند شا
ہوں۔ مگر تابعدار اور نیک خصلت عورت کا بندی صدمہ موت پیش آ
ارادہ اور وعدہ کا پکا نہ ہو۔ کئی کام کرے۔ مگر آخری عمر میں آرام او
آسائش نصیب ہو۔

۷۵۔ سنیچر ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو دلاور۔ بہادر لیکن بموجودگی دولت
اور بخیل۔ بے فیض بلکہ زیر بار قرضہ ہو۔ ادہر ہی عام لوگوں سے تکرار۔ تنازعہ
بگاڑ۔ کئی کام روزگار کرے فریب سے روپیہ کماوے قانون دانی اور
میں بھائی بندوں کا نقصان خرابی عادات سے سزایاب ہو کر نجات پاوے
کاروبار میں موقعہ امید فائدہ ناکامیاب ہو۔

۷۶۔ راہ کیت ساتویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو نہ خود آرام پاوے۔ نہ بھائی
اور دیگر لوگوں کو آرام دیوے بلکہ ہر ایک کو نقصان اور زیا
پہنچاوے۔ عورت بیمار۔ اولاد نافرمان۔ دشمنوں کا زور۔ دولت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کی تباہی۔ بدنام۔ بدکام۔ رشتہ دار رنج اور غم سے موت اختیار کریں۔ غرضیکہ اگر دیگر گرہ اچھی حالت میں نہ ہوں۔ تو ہر طرح انجام بد ہے۔

۷۷ سورج ساتویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو معزز اور صاحب درجہ۔ با اختیار۔ عہدہ دار منصف مزاج۔ دانا۔ ہوشیار۔ رموز سرکار اور کار بار میں ہوشیار رشتہ دار۔ معزز و مہربان والدہ کئی ہوں عورت بیمار۔ کم تابعدار۔ زور آور مزاج۔ جوانی کے بعد نیک نام ہو۔

۷۸ چاند۔ ساتویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو شادیاں زیادہ کرے۔ عورت نافرمان بدمزاج۔ اوسکی شرارت سے نقصان اور رنج اوٹھاوے۔ خود جھگڑالو اور ناشایستہ مزاج ہو۔ لیکن اوس کی شرارت پسند۔ حکام آکر ترقی پہنچاوے اور کار روزگار میں فائدہ اوٹھاوے۔

۷۹ منگل ساتویں گھر برچھک راس میں ہو۔ صاحب عقل۔ چست۔ چالاک۔ ظالم اور اپنی بات خواہ غلط ہو۔ ہمیشہ صحیح کرنے کی بحث اور تکرار کرے۔ پہلی عمر میں گھر بار۔ اور عورت کا آرام نہ ہو۔ البتہ متوسط عمر میں جا کر اپنی کوشش ترقی عزت اور دولت میں کامیاب ہو۔

۸۰ ۔ بدھ ساتویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو عورت سے ناراضگی۔ کاربوبار میں خلل عمر جوانی سخت پریشانی میں بسر ہو۔ البتہ متوسط عمر میں جا کر دولت جمع ہو۔ اور حکام زمانہ سے عزت پاوے۔

۸۱ برہسپت ساتویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بیاہ اچھے نامور خاندان میں ہو۔ عالم۔ مقنن۔ دانشمند۔ ہوشیار۔ لیکن دشمن زیادہ۔ دولت سے محروم۔ بلکہ زیر بار قرضہ ہو۔ بمقابلہ علمی لیاقتوں کے ناموری اور عزت نہو نہ منصب نہ درجہ نصیب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۲ - شکر ساتویں گہر برچھک راس میں ہو۔ تو صحبت بد۔ عادات بد کمینہ کا
شائق گانے بجانے اور ناچنے کا ہو۔ شادیاں زیادہ کرے۔ آرام کم
پاوے۔ کار بیوپار میں فائدہ نہ ہو۔

۸۳ - سنیچر ساتویں گہر برچھک راس میں ہو تو ہر طرح تکلیف اور رنج میں رہے
امیدوں میں کامیاب نہ ہو۔ نہ شادی ہو نہ آرام نہ عزت نہ دولت۔ نہ
البتہ اگر دیگر گرہ نیک حالت میں ہوں۔ تو نحوست اسکی دفع ہو۔

۸۴ - راہ کیت ساتویں گہر برچھک راس میں ہو۔ تو بدمزاج۔ غصہ دار۔ بیمار۔
فسادی۔ مقدمہ باز۔ دشمن زیادہ۔ ہتک۔ اعمال عورت سے بے غرضی
ندامت اٹھاوے۔

۸۵ - سورج ساتویں گہر دھن راس میں ہو۔ تو مشہور نامور۔ علم اور زبان حکام
میں ماہر۔ اور حکام زمانہ ہمیشہ نظر حقارت اور دشمنی سے دیکھیں۔ اور وہ
حکام پر کسی معاملہ عورت میں نالشی ہو۔ غالباً اوسمیں مقدمہ میں کامیاب ہو
جاوے حالت روزگار ہمیشہ اندیشہ ناک رہتے۔

۸۶ - چاند ساتویں گہر دھن راس میں ہو۔ آرام۔ عزت اور فائدہ پہونچاتے ہیں
عالم۔ عاقل۔ قانون میں ماہر۔ والدہ کا عزیز بلکہ وہ دولت دیوے۔ بیجنہ
خوش و خورم رہے۔ دونوں عورات خوبصورت و خوش شکل ہوں بشرطیکہ دیگر
گرہ مخالف حالت میں نہ ہو۔

۸۷ - منگل ساتویں گہر دھن راس میں ہو۔ تو صرف اسکو رنج نہیں پہونچاتے ہیں
بلکہ بڑے بھائی کا گھر تباہ کردیں۔ دشمن غالب آویں۔ رزق و دولت صحت
تندرستی جاتی رہے۔ بیماری صفرا تکلیف دیوے۔ عورت کا آرام اور سلوک
نصیب نہ ہو۔ اور زیر بار قرضہ ہو جاوے۔ جائیداد نیک مکان نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۸ بدھ۔ ساتویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو اول عمر میں تکالیف اور صدمہ موت عورت کا دیکھے۔ عالم۔ خوش گفتار۔ سواریاں کئی اقسام حاصل ہو۔ آخری حصہ عمر میں ستارہ قسمت یاور ہو۔ اور ترقی پر آوے۔ معزز اور صاحب درجہ انفعال معاملات ہو۔ روزگار اچھا ہو۔

نوٹ:۔ یہ پھل دیش دیگر منجمان کیخلاف رائے ہے! اور تجربہ میں صحیح نہیں پایا گیا۔

۸۹ ۔ برسپت ساتویں گھر دھن راس میں ہو۔ عالم و عاقل و معزز۔ خوش شکل عورت امیر۔ راحت بخش ہو۔ خوش گفتار۔ ممالک غیر میں زیادہ تر آرام اور عیش پاوے نامور اور بھائی بندیں صاحب اقبال۔ اور مشہور ہوں۔

۹۰ ۔ شکر ساتویں گھر دھن راس میں ہو۔ ہر طرح سے آرام عزت۔ سواری۔ غلام تابعدار۔ خوش رنگ بیش قیمت مکانات۔ ناموری۔ دولت۔ عورت فرمانبردار خوبصورت۔ الا زانی اور جوانی میں کسی ظالم حاکم زمانہ سے سخت رنج اٹھاوے کاروبار عمدہ۔ ہر ایک کام میں فائدہ۔

۹۱ سنیچر۔ ساتویں گھر دھن راس میں ہو۔ بیمار۔ بدکار۔ زانی۔ مرض آتشک۔ تنگدست۔ اول جوانی میں شادی نہ ہو جب ہو تو اس سے مخالفت۔ اور وہ بھی بیمار۔ اولاد سے بیزار۔ مخالفوں اور دشمنوں سے تنازعہ تکرار۔

۹۲ ۔ راہ کیت۔ ساتویں گھر دھن راس میں ہو کیونکہ سنیچر پھل کرتی ہیں بیماریاں دشمنی۔ تکالیف مصائب میں کوئی دقیقہ باقی نہیں اٹھائے۔ بشرطیکہ دیگر گرہ اچھی حالت میں نہ ہوں۔

۹۳ سورج۔ ساتویں گھر کر راس میں ہو۔ تو عالم۔ عاقل علم ریاضی میں لائق متحمل مزاج۔ صاحب اقبال۔ عورت سے آرام اور فائدہ۔ الا آخری عمر میں حکام زمانہ سے سخت صدمہ پہونچے۔ ہر طرح بربادی عزت اقبال

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور رزق دولت ہو۔ اور وطن چھوڑ کر گذارہ سے عاجز آکر سفر اختیار کرے
کئی طرح کے رنج دیکھے۔ اگر دیگر گرہ شبہ حالت میں ہوں
تو نحوست دور ہو جاوے۔

۹۴۔ چاند۔ ساتویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو ہر طرح عزت آرام ناموری
سے فرحت درمیانی عمر میں بیوپار سے مالا مال اور دولتمند ہو جاوے
لوگوں میں معزز بشرطیکہ چاند بلوان اور دیگر گرہ مخالف نہ ہوں۔

۹۵۔ منگل ساتویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو معزز۔ نامور۔ دولتمند زمیندار
بہادر۔ ہر ایک تکرار، تنازعہ میں فتحیاب۔ آخر عمر میں نیک نام اور
مشہور۔ بڑے پرتاپ والا ہو بشرطیکہ منگل بلوان۔ اور دیگر گرہ شبھ حالت میں ہوں

۹۶ بدھ۔ ساتویں گھر مکر راس میں ہو شبھ پھل نہیں کرتی ہیں۔ شادی اول
خوشی۔ الا دوم سے رنج اور تکلیف۔ دشمنوں کا زور۔ زر دولت کا نقصان
کئی قسم کے نقصان اور رنج پیش آویں۔ اوس صورت میں کہ جب دیگر گرہ
بھی اشبھ حالت میں ہوں۔

۹۷۔ برسپت۔ ساتویں گھر مکر راس میں نیک پھل نہیں کرتی ہیں۔ بلکہ سخت نقصان
دیتے ہیں۔ باوجود علم اور ہنر کے کئی مصائب۔ ناداری۔ اور قرضہ کا زور
مستقل روزگار یا پیشہ نہ ہو۔ دل میں کوئی سخت بیماری ہو۔ لوگوں میں بےعزتی
بے اعتباری۔ بلکہ ذلت اور خواری ہو۔

۹۸۔ شکر۔ ساتویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو بدکار۔ بیوپار کی نقصان۔ جائداد خفیف
عورت بدحالت اور بدعادت سے بجائے خوبصورتی سے بدشکل ہو جاوے
بڑی شریر اور نافرمان۔ باعث تکالیف۔ کم عمر۔

۹۹۔ سنیچر۔ ساتویں گھر مکر راس میں ہو۔ دو شادیاں اور اولاد بھی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مگر اولاد و عورت۔ شریر۔ بدزبان اونکی عادات ناشایستہ سے لوگوں میں جھگڑا تکرار و دشمنی نقصان جائیداد۔ اور دولت زیر باری قرضہ۔ کئی خرابیاں اور تکالیف پیش آویں بشرطیکہ دیگر گرہ اچھی حالت میں نہ ہوں۔

۱۰۰۔ راہ کیت۔ ساتویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو شادیاں زیادہ کراتی ہیں لیکن طبیعت میں غم اور غصہ۔ تباہی۔ جائیداد۔ مقدمات میں بربادی دولت اور آرام۔ لوگوں میں بے عزتی۔ جن پر بھروسہ اور اعتبار ہو۔ اُن سے نقصان۔

۱۰۱۔ سورج۔ ساتویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو عورت سے بے آرامی۔ اور ناراضگی ہو۔ متلوّن مزاج اور اپنا ارادہ فوراً تبدیل کیا کرے۔ بڑے بھاری مقدمات اور فساد پیش آویں۔ سرکار اور حکام زمانہ سے بہت نقصان پہنچیں۔ کاروبار میں خلل ہو۔ روزگار کرنا نہ ملے۔

۱۰۲۔ چاند ساتویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو عورات زیادہ مگر مریض ہو۔ روزگار اور پیشہ مستقل اور فائدہ بخش نہ ہووے۔ اس لئے بحری سفر کا شائق ہو بشرطیکہ چاند بلوان۔ اور دیگر اس کے شامل ہوں۔

۱۰۳۔ منگل ساتویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ جنگجو۔ لڑائی میں دلیر۔ ہٹی۔ عیاش زانی۔ پہلی عمر خرابیوں میں بسر کرے۔ متوسط عمر میں صاحب مراتب اور اعزاز ہو۔ دولت و آرام پاوے۔

۱۰۴۔ بدھ ساتویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ کاروبار میں خلل ناموری میں بدنامی بیاہ زیادہ ہوں۔ مگر عورات سے آرام نہ ہو۔

۱۰۵۔ برہسپت ساتویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ کاروبار اور اپنے روزگار سے دولت حاصل ہو۔ اور عورت بھی مالدار بنا دیوے۔ عورت فرمانبردار۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نیک خصلت ہو لیکن ایک صدمہ ناگہانی کا ایسا اندیشہ ہے۔ کہ بڑی تکلیف
پیش سا جس سے آوے جس سے مال و دولت جاتا رہے۔ اور زیر بار
قرضہ تک نوبت پہونچے۔

۱۰۶ ایشکر ساتویں گھر کمبھ راس میں عادات خراب صحبت بد۔ مائل بہ عیاشی
گورو بزرگان کا نافرمان اور مخالف۔ کلام پُرزور۔ عورات باعث
امیری اور ترقی ہوں۔ جوانی میں بخت یاور ہوں۔ ہر ایک کام
فائدہ پہونچے۔

۱۰۷ سنیچر ساتویں گھر کمبھ راس میں ہو مطلب پرست۔ فریبی۔ دھوکہ باز۔ بے مروت
بے وہم۔ آزاد مزاج۔ مقدمات میں دانا۔ اور عقلمند۔ شخص نہایت گہرا
اور باریک بات سوچنے والا۔ ملک چھوڑ کر باہر جا کر دولت کثیر پیدا کرے۔

۱۰۸ راہ کیت ساتویں گھر کمبھ راس میں ہو۔ ہر طرح رنج اور تکلیف پہنچ آوے
عزت۔ ناموری جائداد بزرگان۔ آرام و آسائش۔ دشمنی اور تنازعات میں
برباد ہو جاوے۔

۱۰۹ سورج ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ تو کئی مصائب اور مشکلات پیش آتی ہیں
بڑے بڑے مقدمات یا سرکار اور حکام زمانہ دامنگیر ہوتے ہیں۔ عورت
کا انتقال۔ کار روزگار میں خلل تنگدستی۔ اور زیر باری قرضہ وغیرہ
وغیرہ بشرطیکہ اور گرہ شبھ حالت میں نہ ہوں۔

۱۱۰ چاند۔ ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ تو نامور اور مشہور اور بڑا بھائی امیر
کبیر اور دولت مند و معزز ہوتا ہے۔ عورت اچھے گھر کی اور نیک عادت
لیکن اوس کے معاملات اور تعلقات سے سخت نقصان اور
رنج ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۰ منگل۔ ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ تو مال وراثت ملے۔ عورات ہوشیار۔ مگر ہٹی اور لڑائی میں مستعد ہوں۔ کار بیوپار میں فائدہ۔ خصوصاً بیوپار پارچہ میں۔

۱۱۱۔ بدھ ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ عالم اور عاقل۔ عمر متوسط ہو کئی شادیاں ہوں۔ جوانی میں مصائب۔ بیوپار اور تجارت سے فائدہ فیصلہ جھگڑیوں میں لائق۔ اور انصاف پسند ہو۔

۱۱۲۔ برسپت ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ تو متوسط عمر میں صاحب اقبال و دولتمند۔ امیر کبیر۔ معزز۔ اختیارات اور منصب عالیشان ہو۔ امیر خاندان میں بیاہا جاوے۔ عورت شریف۔ صاحب نصیب و عصمت و دولتمند ہو۔ کار روزگار میں فائدہ۔ عالم و عاقل و نیک مزاج ہو۔

۱۱۳۔ شکر ساتویں گھر مین راس میں ہو عیاشی۔ زناکاری۔ بد صحبت۔ شائق راگ و عورات ہو۔ عورت حسین اور خوش شکل۔ مگر نافرمان اور مخالف مزاج ہو۔ شائق دو بیوی۔ ایک زمانہ میں اختیارات عہدہ شاہی نصیب ہوں۔ بشرطیکہ اور گرہ شبھ حالت میں ہوں۔

۱۱۴۔ سینچر۔ ساتویں گھر مین راس میں ہوں۔ کم عقل۔ کم روزگار۔ کمینہ صحبت۔ نادار۔ مقروض۔ عورت خوش شکل نہ ہو۔ نہ اس کا بدن مکمل تندرست ہو۔ تاہم فرمانبردار اور عزیز خاطر ہو۔ سیاہ فام اور کمینہ کاموں کی طرف مائل ہو۔

۱۱۵۔ راہ کیت ساتویں گھر مین راس میں ہو۔ تو وُہ بلا کمزور مزاج۔ لیکن دانا۔ عقلمند۔ معزز۔ ذات یا نشان نام نہ ہو۔ عورت دل پسند اور موافق مزاج نہ ہو۔ جوانی میں تکلیف۔ ملک چھوڑ دیوے۔ غیر ممالک کا سفر کرے۔ آخری عمر میں خوش۔ اور ہر ایک آرام میں کامیاب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۶ - منگل اور شکر اگر ساتویں یا دسویں گھر میں ہوں۔ تو عیاش ہو۔

۱۱۷ - اگر چندرمان سے دسویں گھر میں شکر ہو۔ تو عیاش ہو۔

۱۱۸ - اگر مالکان خانہ ۲۔ ۷۔ ۱۰۔ یکجا و دسویں گھر میں ہوں۔ تو عیاش ہو۔

۱۱۹ - اگر ساتویں گھر کا مالک راہ کیت کے ساتھ ہو۔ اور پاپی گرہ دیکھتے ہو۔ تو زناہ کار ہو۔

۱۲۰ - دوسرے گھر کا مالک اگر ۳۔ ۴۔ گھر میں ہو۔ تو زناہ کار ہو۔

۱۲۱ - شکر اگر سنیچر و منگل کے انس کا ہو۔ اور منگل و سورج اوسکو دیکھتے ہوں۔ تو سخت زناہ کار ہو۔

۱۲۲ - ساتویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ یا ساتویں گھر میں ہو۔ تو عیاش ہو۔

۱۲۳ - ساتویں گھر کا مالک اگر دوسرے یا بارہویں گھر میں ہو۔ تو کسی قسم کی عورت سے زناہ کرے۔

۱۲۴ - منگل اور راہ اگر دونوں ساتویں گھر میں ہوں۔ تو عورت خاوند دونو عیاش اور بدکار ہوں۔

۱۲۵ - اگر سورج و چاند خانہ نمبر ۱۔ ۴۔ ۷۔ ۱۰ میں ہوں۔ اور پاپی گرہ اُن کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو اپنی ماں کے ساتھ زناہ کرے۔

۱۲۶ - چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور پاپی گرہ اسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو اپنی ماں کے ساتھ زناہ کرے۔

۱۲۷ - ساتویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو اور پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو اپنی بھین کے ساتھ زناہ کرے ۔

۱۲۸ ۔ اگر چوتھے گھر میں سنیچر ہو۔ اور پاپی گرہ اُسکو دیکھتا ہو۔ تو اپنی بہن کے ساتھ زناہ کرے ۔ اگر ساتویں گھر میں منگل ہو۔ تو حیض والی عورت سے زناہ کرے ۔

۱۲۹ ۔ ساتویں یا بارھویں گھر بدھ ہو۔ تو کنجری یا بازاری عورت سے زناہ کرے ۔

۱۳۰ ۔ ساتویں گھر برہسپت ہو۔ اور منگل اُسکو دیکھتا ہو۔ تو برہمنی سے زناہ کرے

۱۳۱ ۔ ساتویں گھر شکر یا راہ ہو۔ تو حمل والی عورت سے زناہ کرے ۔

۱۳۲ ۔ ساتویں گھر میں سنیچر ہو۔ تو میلی اور ناپاک عورت سے زناہ کرے ۔

۱۳۳ ۔ ساتویں گھر کا مالک مین راس میں ہو۔ تو گوبمنڈی عورت سے زناہ کرے ۔

۱۳۴ ۔ چھین چندرماں ساتویں گھر میں ہو۔ تو زناہ کار ہو۔

۱۳۵ ۔ لگنیش اگر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو زناہ کار ہو۔

۱۳۶ ۔ شکر و برہسپت اگر پاپی گرہ کے ساتھ خانہ ۲۔۶۔۷ میں ہو۔ تو زناہ کار ہو۔

۱۳۷ ۔ اگر خانہ ۱۔۴۔۷۔۱۰ کو پورن درشٹی سے پاپی گرہ دیکھتے ہوں۔ تو حیوان کے ساتھ زناہ کرے ۔

۱۳۸ ۔ اگر خانہ نمبر ۱۔۴۔۷۔۱۰ میں پاپی گرہ ہوں۔ تو حیوان سے زناہ کرے ۔

۱۳۹ ۔ ساتویں گھر میں سورج چوتھے گھر میں سنیچر ہو۔ تو حیوان سے زناہ کرے ۔

۱۴۰ ۔ راہ ساتویں اور منگل چوتھے گھر میں ہوں۔ تو حیوان سے زناہ کرے ۔

۱۴۱ ۔ ساتویں گھر کا مالک منگل کے گھر میں ہو۔ اور منگل شکر کو دیکھتا ہو۔ تو حیوان سے زناہ کرے ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۲ جتنے گرہ بلوان ہوکر ساتویں گھر میں ہوں۔ اور ساتویں گھر کا مالک
پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ خواہ جتنے گرہ آٹھویں گھر میں
اور آٹھویں گھر کا مالک اُنکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔
بیاہ ہونگے۔

۱۴۳۔ آٹھویں گھر کا مالک جنم لگن، خواہ ساتویں گھر میں ہو۔ تو
بیاہ ہوں۔

۱۴۴۔ چھٹویں گھر میں لگنایش ہو۔ تو ۲ بیاہ ہوں۔

۱۴۵ دوسرے گھر کا مالک چھٹویں گھر میں ہو۔ ساتویں گھر میں
ہو۔ تو ۲ بیاہ ہوں۔

۱۴۶۔ اگر شکر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو دو بیاہ ہوں۔

۱۴۷ دوسرے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ اور دوسرے گھر کا مالک اُسکو پورن درشٹی
سے دیکھتا ہو۔ تو تین بیاہ ہوں۔

۱۴۸۔ اگر ۱۔ ۲۔ ۷۔ گھر کے مالک پاپی گرہ کے ساتھ ساتویں گھر میں ہو
کئی بیاہ ہوں۔

۱۴۹۔ دوسرے اور بارہویں گھر کے مالک تیسرے گھر میں ہوں۔ اور
برہسپت یا نانویں گھر کا مالک پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو
بیاہ ہوں

۱۵۰۔ ساتویں گھر کا مالک چوتھے خواہ پانچویں گھر میں ہو۔ تو عورت
خاوند ہو۔

۱۵۱۔ ساتویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ تو عورت بیمار۔ اور
ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۲۔ سنیچر۔ بدھ کے ساتھ یا چندرماں کے ملکر ساتویں گھر میں ہو۔ تو دوبارہ بیاہ ہو۔

۱۵۳۔ جتنے انس مالک ساتویں گھر کے ہوں۔ اُتنے بیاہ ہوں۔

۱۵۴۔ ساتویں گھر میں برہسپت ہو۔ تو عورت نیک خصلت ہو۔

۱۵۵۔ شکر اور ساتویں گھر کے مالک کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو عورت تابعدار خاوند اور نیک سیرت ہو۔

۱۵۶۔ ساتویں گھر کو برہسپت پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو عورت نیک ہو۔

۱۵۷۔ شکر ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت نیک خصال ہو۔

۱۵۸۔ ساتویں گھر کا مالک پاپی گرہ یا دشمن کے گھر کے انس کا ہو۔ تو عورت تندخو ہو۔

۱۵۹۔ شکر یا ساتویں گھر کا مالک مین کے انس کا ہو۔ تو عورت بدخصلت ہو۔

۱۶۰۔ ساتویں گھر کا مالک کمزور۔ اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو عورت بدنصیب ہو۔

۱۶۱۔ ساتویں۔ آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ اور بارھویں گھر میں منگل ہو۔ تو عورت بدنصیب ہو۔

۱۶۲۔ ساتویں گھر کا مالک لگن ایش کے نزدیک ہو۔ تو بچپن میں شادی ہو۔

۱۶۳۔ جنم لگن یا ساتویں گھر کے نزدیک شبھ گرہ ہوں۔ تو بچپن میں بیاہ ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۴۔ ساتویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں بلوان ہو۔ تو چھوٹی عمر میں بیاہ
۱۶۵۔ ساتویں گھر میں راس شبہ گرہ کا ہو۔ اور مالک اسکا بلوان ہو۔ تو
عمر میں بیاہ ہو۔
۱۶۶۔ شکر اور ساتویں گھر کا مالک خانہ ۵۔۹۔ میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو
بعد بیاہ کا اتفاق ہو۔
۱۶۷۔ ساتویں گھر کا مالک شبہ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو عورت کے پستان بھاری
۱۶۸۔ ساتویں گھر کا مالک پاپی گرہ کیساتھ ہو۔ تو عورت کی بھگ لمبی ہوں۔
۱۶۹۔ جنم لگن میں سورج۔ اور ساتویں گھر میں سینچر ہو۔ تو عورت اول مرجاوے
۱۷۰۔ چندرماں سے ساتویں گھر میں سینچر و منگل کے ساتھ شکر ہو۔ تو نئی عورت
رہے۔
۱۷۱۔ آٹھویں گھر میں سینچر و چھویں گھر میں منگل اور ساتویں گھر میں راہ ہو۔ تو
عورت فوت ہو۔
۱۷۲۔ جنم لگن میں پاپی گرہ یا نیچ ہو کر گرہ آوے اور لگنیش میں لگن رہو۔ تو
عورت کی موت ہو۔
۱۷۳۔ لگن میں سینچر اور راہو ملکر آویں تو آرام عورت نصیب نہ ہو بلکہ
اسکو چھوڑ دیوے۔
۱۷۴۔ شکر دوسرے گھر کے مالک کے ساتھ خواہ ساتویں گھر کا مالک ۶۔۸۔۱۲۔ گھر
میں ہو۔ اور جتنے پاپی گرہ انکو دیکھتے ہوں۔ اسقدر عورات کی موت
۱۷۵۔ شکر سے چوتھے اور آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو عورت کو مرض اگنی
واہ کی ہو۔
۱۷۶۔ شکر سے دونوں طرف پاپی گرہ ہوں۔ تو عورت زندہ نہ رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۷ شکر آٹھویں گھر کے مالک کیساتھ ہو۔ تو عورت کا رنج اور غم پہنچے۔
۱۷۸ پانچویں گھر کا مالک ساتویں گھر مین اور ساتویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور شکر نربل ہو۔ تو عورت بچہ جننے کیوقت فوت ہو۔
۱۷۹ چھٹے گھر میں چندرماں یا شکر ہین راس میں ہوں۔ تو عورت زندہ نہ رہے
۱۸۰ چاند بارہویں گھر اور شکر ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت زندہ نہ رہے
۱۸۱ شکر و بدھ اگر ساتویں گھر میں ہوں۔ تو عورت زندہ نہ رہے۔
۱۸۲۔ اگر شکر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو عورت کا سکھ نہ ہو۔
۱۸۳۔ تیسرے گھر سے ساتویں گھر میں پاپی گرہ بلوان ہو کر زیر درشٹی تیسرے گھر کے مالک کے ہو۔ تو بھائی کے دو بیاہ ہوں۔
۱۸۴۔ دسویں گھر سے ساتویں گھر میں کوئی پاپی گرہ بلوان ہو۔ اور دسویں گھر کا مالک اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو باپ کے دو بیاہ ہوں۔
۱۸۴۔ پانچویں گھر سے ساتویں گھر میں کوئی پاپی یا کرور گرہ بلوان ہو اور پانچویں گھر کا مالک اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو فرزند کے دو بیاہ ہوں۔
۱۸۵۔ سورج ساتویں گھر میں ہوں۔ اور ساتویں گھر کا مالک اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو چھ بیاہ ہوں۔
۱۸۶ بدھ ساتویں گھر میں ہو۔ اور ساتویں گھر کا مالک اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو دس بیاہ ہوں۔
۱۸۷۔ منگل ساتویں گھر میں ہو۔ اور ساتویں گھر کا مالک اسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو سات بیاہ ہوں۔
۱۸۸۔ تیسرے گھر کا مالک شکر کے ساتھ ہو۔ تو تکرار کرنیوالا اور زانی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸۹- چندرمان وشکر ملکر ایک گھر میں ہوں - اور اُن سے ساتویں گھر میں سنیچر ومنگل اکٹھے ہوں - تو عورت عقیمہ یعنی سانڈ ہو۔ اُس سے اولاد پیدا نہ ہو۔

۱۹۰- ساتویں اور آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہوں - تو اسقاط حمل ہوں۔

۱۹۱- ساتویں گھر کا مالک سورج شکر کے ساتھ ۶-۸-۱۲- گھروں میں ہو تو عورت کی نظر اور آنکھ کو نقصان پہونچاویں -

۱۹۲- ساتویں گھر کے مالک برہسپت ہو کر ۶-۸-۱۲- گھروں میں آجاویں - تو زبان عورت کو گنگ کریں - یا کچھ اور نقصان پہونچاویں -

۱۹۳- جنم لگن اور ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہوں - اور چھٹویں گھر میں چاند ہو تو شادی سے آٹھویں برس استری مرتو ہو۔ اگر چاند دوسرے گھر میں ہو۔ تو شادی سے بارہویں برس مرتو ہو۔

۱۹۴- چھٹویں گھر میں منگل - ساتویں گھر میں راہو - نانویں گھر میں سنیچر ہوں - تو اوسکی عورت دن بیاہ سے آٹھویں برس مرتو ہو۔

۱۹۵- چاند - راہو سنیچر - ملکر ساتویں گھر میں ہوں - تو دو عورتیں ہونگی ایک سندر روپ دوسری کالی۔

۱۹۶- ساتویں گھر میں پاپی گرہ پاپی گرہوں کی درشٹی میں ہونگے - تو استریوں کا ویوگ ہوتا رہیگا - اور بیاہ کر کر مرجاویگی -

وقتِ شادی

۱۹۷- لگنیش (مالک لگن) ہپتمیش (ساتویں گھر کا مالک) کا سپشٹ راس انش کلا کو جمع کرکے بارہ پر تقسیم کرو - جو باقیماندہ راس - انش - کلا آوے - اس راس میں جب گوچر کرکے برہسپت آویگا - تب شادی ہوگی؟

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۹۔ ساتویں اور نانویں گھر کے مالک اور شکر و چاند میں سے جو بلوان ہو اسکے وشا انتر و شا میں شادی ہوگی۔

۲۰۰۔ ساتویں گھر کا مالک جس راس میں ہو۔ اور اس کے جو نو انسک راس ہے۔ ان دونوں سے جو بلوان ہو۔ اس راس سے پنجم یا نہم راس میں جب گوچر ہو کر برہسپت آوے گا۔ تب شادی ہوگی۔

وقت مرتو عورت

۲۰۱۔ ساتویں گھر کے مالک کے سپشٹ راس۔ انس۔ کلا میں سے سپشٹ لگن کو منہا کرو۔ جو راس۔ انس۔ کلا باقی بچے۔ اس راس کے خانہ پانچویں نانویں میں جب گوچر ہو کر برہسپت آویگا۔ اسوقت عورت کی موت واقع ہوگی بشرطیکہ اسوقت مارکیش (مارنیوالا گرہ) کی وشا انتر وشا آئی ہو۔

عورت اولاد کا نہونا

۲۰۲۔ راس میں سورج۔ ساتویں سنیچر ہو۔ یا دسویں گھر میں چاند ہو۔ اور برہسپت اسکو نہ دیکھتا ہو۔ یا سورج اور سنیچر ساتویں گھر میں ہوں۔ تو عورت سے اولاد پیدا نہیں ہو سکتی۔ بلکہ سانڈھ ہوگی۔

۲۰۳۔ سیکھ خانہ ہفتم میں ہو تو شادی اور ترقی مال و معاش۔ اور معاملات شارکتی۔ خوف دشمن۔ بیماری۔ مردمان خانہ وحصول مرادات از عورات

۲۰۴۔ برکھ راشی خانہ ہفتم میں ہو۔ تو ترقی مال عورات و فائدہ و معاملات شارکتی ولین دین صلح با دشمناں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۰۵ ۔ متھن راشی خانہ ہفتم میں ہو۔ تو شادی جلد ہو۔ اور معاملات مشارکتی
فائدہ۔

۲۰۶ ۔ کرک راشی خانہ ہفتم میں ہو۔ تو شادی اور معاملات شراکتی میں فائدہ
دشمن قوی ہو۔

۲۰۷ ۔ سنگھ راشی خانہ ہفتم میں ہو۔ تو معاملات مشترکہ میں فائدہ۔ شادی سے
خوشی۔ دشمن سے اندیشہ۔

۲۰۸ ۔ کنیا خانہ ہفتم میں ہو۔ شادی میں توقف۔ معاملات مشارکتی میں دیر
بعد فائدہ ہو۔

۲۰۹ ۔ تلا خانہ ہفتم میں ہو محبت عورت۔ اور خوشی عورت۔ فائدہ معاملات
مشارکتی و دادوستد۔

۲۱۰ ۔ برچھک خانہ ہفتم میں ہو۔ تو عورت پریشان۔ اور معاملات مشارکتی
میں خلل شادی حسب دلخواہ ہو۔

۲۱۱ دہن خانہ ہفتم میں ہو۔ تو شادی عورت نیک و پارسا۔ مگر دشمنوں سے
خوف اور خطرہ ہو۔

۲۱۲ ۔ مکر خانہ ہفتم میں ہو۔ شادی ہو۔ معاملات مشارکتی میں نقصان زیر
باری قرضہ۔

۲۱۳ کنبھ خانہ ہفتم میں ہو۔ تو شادی اور معاملات دیر بعد ہوں۔

۲۱۴ ۔ مین خانہ ہفتم میں ہو۔ تو شادی ملنا عورات۔ فائدہ معاملات
مشارکتی۔

۲۱۵ ۔ اگر ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہو ویں گے۔ تو عورات مولود
مرجاوینگے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز نہم - احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۸

۱۔ سورج - آٹھویں گھر میں ہو۔ ہمیشہ سفر۔ ہر ایک سے رنج۔ ناراضگی۔ گو زمانہ زندگی عیش عشرت سے بسر کرے۔ لیکن آخر وقت سخت بیماری میں آگر تکلیف سے فوت ہو۔

۲۔ چاند۔ آٹھویں گھر میں ہو۔ کم عمر ہمیشہ بیمار۔ ہر ایک سے بحث۔ تھوڑی بیماری سے موت ہو۔

۳۔ منگل آٹھویں گھر میں ہو۔ تو بیمار۔ بدکار۔ کم عمر۔ ہر وقت امیدوار موت ہر ایک سے تنازعہ و دشمنی۔ خوراک بیقرار معدہ خراب۔ ہاضمہ کمزور۔

۴۔ بدھ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو موٹا بدن۔ بدصحبت۔ بدکار۔ ہمیشہ خوف موت۔ بیمار

۵۔ برسپت۔ آٹھویں گھر میں ہو۔ صاحب دولت و جائیداد و پسران و قبیلہ ہو۔ موت کسی متبرک اور پاک مقام پر ہو۔

۶۔ شکر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو آسودہ اور دولتمند۔ نیک مزاج۔ نیک خصلت کسی نیک اور متبرک مقام پر فوت ہو۔ دھرماتماں قرضہ بزرگان ادا کرے۔

۷۔ سینچر۔ آٹھویں گھر میں ہو صحبت کمینہ لوگوں سے ہو۔ ہمیشہ مسافر۔ بیماری تپ بدہضمی سے لاچار۔ بے اولاد۔ اگر اس تلا یا مکر میں ہو۔ تو نامور عمر دراز سردار خاندان ہو۔

۸۔ راہ کیت آٹھویں گھر میں ہو۔ تو بیمار۔ چور۔ پاپی۔ نادار۔ بڑے دانت خوراک اندازہ انسانی سے زیادہ۔ موت خراب۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹- آٹھویں گھر کا مالک اگر پہلے گھر میں ہو۔ تو بدعادت۔ بدکار۔ ہر ایک سے
ناراض۔ تکرار ہمیشہ بیمار۔ تمام کام نقصان دیویں۔
۱۰- آٹھویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ دشمنوں سے مقابلہ۔ چوری کم عمر
اگر اور گرہ نیک حالت میں نہ ہو۔ تو ظن غالب ہے کہ قتل کیا جاوے یا حاکم
پھانسی دیا جاوے۔
۱۱- آٹھویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو۔ تو بیقرار طبیعت۔ ارادہ خام۔
بھائیوں اور ہمسایوں سے فائدہ۔
۱۲- آٹھویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو نقصان جائداد۔ بربادی دولت
باپ اور ماں سے سخت دشمنی اور لڑائی ہو۔
۱۳- آٹھویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں پاپی گرہ ہو یا پاپی ہو کر آیا ہو۔ تو
علم عقل کا نقصان رنج و غم میں مبتلا۔ بے اولاد۔ اگر شبہ گرہ ہو علم
عقل ہو۔ مگر کم اور بے فائدہ۔ اولاد ہو۔ مگر بے عمر یا کم عمر۔ اگر عمر بھی ہو
تو کم عقل و کم بخت۔
۱۴- آٹھویں گھر کا مالک چھٹویں گھر میں ہو۔ تو ہر طرح رنج۔ تکلیف اور غم پیش
آتا ہے۔ البتہ اگر شبہ گرہ اس کے ساتھ ہو۔ یا اس کو پورن درشٹی
سے دیکھتا ہو تو بچاؤ ہو جاتا ہے۔ درشٹی میں بھاری بل ہوتا ہے۔
الف سورج۔ آٹھویں کا مالک ہو کر چھٹویں گھر میں پاپی ہو کر آوے۔ تو حکام
وقت سے رنج اور نقصان۔ اور باپ سے مخالفت۔ ناکیوں
کی خرابی۔

ب۔ چاند۔ بشکل سورج ہو۔ تو ہمیشہ بیمار۔ بلغم سے تکلیف۔ جوڑوں
میں درد۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ج۔ منگل بشکل سورج ہو۔ تو تکرار تنازعہ اوروں کی تابعداری۔

د۔ بدھ بشکل سورج ہو۔ تو اہل قلم سے نقصان۔ زہر سانپ کا خوف

ہ۔ برہسپت بشکل سورج ہو۔ تو اولاد۔ اور معزز لوگوں سے رنج بیماری۔

و۔ شکر بشکل سورج ہو۔ تو عورت سے ناراضگی اور بیماری آنکھ

ز۔ سنیچر بشکل سورج ہو۔ تو جھگڑے اور بیماریاں منہ کا روگ

ح۔ راہو کیت بمثل سورج۔ دائم المریض۔ رنج۔ غم۔

۱۵۔ آٹھویں گھر کا مالک ساتویں گھر میں پاپی گرہ ہو کر آوے۔ تو بدعادت

بدکار۔ بیمار بحالت اسیر وغیرہ ہو۔

۱۶۔ آٹھویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ تو دلیر مضبوط۔ ثابت بدن و مشہور

لڑائی۔ فریب جعلسازی میں ہوشیار۔

۱۷۔ آٹھویں گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو۔ تو بے رحم شکاری شائق سفر سخت

مزاج۔ کج رو۔ ادھرمی۔ مخالف پرستش گورو دیوتا۔

۱۸۔ آٹھویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو سست اور بدکار۔ تند خو پیشہ

نوکری۔ باپ سے رنج۔

۱۹۔ آٹھویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں پاپی ہو کر آوے۔ تو آمدنی افزایدہ

عمر اول میں تکالیف عمر آخر میں آرام عمر کوتاہ البتہ اگر شبھ

کا نقصان

گرہ شبھ حالت میں ہو۔ تو عمر دراز اور فائدہ کا نقصان نہ

ہو۔

۲۰۔ آٹھویں گھر کا مالک اگر پاپی گرہ ہو کر بارہویں گھر میں ہو۔ تو نقصان

زر دولت بربادی عزت موت خراب جانور بلکہ مردہ کو

سزا نقصان

کہا جاوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۱۔ سورج۔ آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو پہلے ہر ایک کام میں ...
پیش آوے محنت اور کوشش سے کامیابی ہو۔ آرام آسائش ...
عمر میں حاصل ہو۔ حکام وقت سے تکلیف ہو پہنچے۔ اور وہ سخت
مخالفت کریں۔

۲۲۔ چاندا آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو کئی قسم کے حادثہ پیش آویں۔ ...
میں ماں باپ کی موت ہو۔ مرض بلغمی اور بادی میں مبتلا۔ آخر
تپدق تک نوبت پہنچے۔ کئی بھائی اور بہن ہوں۔

۲۳۔ منگل۔ آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو پہلی عمر اچھی گذر جاوے لیکن
متوسط عمر میں زیر باری قرضہ اور نقصان جائداد۔ دشمنوں سے ...
خرابی وراثت۔

۲۴۔ بدھ۔ آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ ہمیشہ بیمار۔ کمزور۔ خاندان میں حادثہ
موت۔ جھگڑا۔ نقصان زر دولت۔ عمر کوتاہ۔

۲۵۔ برہسپت آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو ابتدا میں تھوڑا وقت آرام
لیکن اچانک حادثہ زمانہ پھر پیویں۔ سخت معاملات بلا ناگہانی میں
گرفتار ہو۔ بربادی عزت اور تباہی زر و دولت۔ موت اولاد کا غم۔ ضعیفی
میں کسیقدر آرام۔

۲۶۔ سنکر۔ آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو نقصان جائداد بزرگان اور زر
دولت کی تباہی ہو۔ عمر اول کسیقدر آرام سے گذرے۔ آخر عمر میں سخت
معاملات رنج وغم تکالیف پیش آویں۔

۲۷۔ سنیچر۔ آٹھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو نادار تنگدست۔ جوانی سے مصائب
اور تکالیف شروع ہو جاویں۔ کئی قسم سے نقصان اور رنج اٹھانے پڑیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۸ - راہ کیت ابتدائے میں زہر دار جانوروں کے ڈنگ تصدیعہ دیویں ابتدا میں قرضدار۔ غریب پھر امیر کبیر ہو جاوے۔ ایک جھگڑے میں فتحیاب ہوکر دولت پاوے۔ نیک نام۔ ایک مرتبہ پیری میں دولتمند ہو۔ کوتاہ عمر ہو۔

۲۹ - سورج - آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ عمر متوسط۔ ماں باپ کا جلدی انتقال ہو۔ جائیداد بزرگاں برباد ہو۔ کئی سخت الزام میں گرفتار ہو خوف سزا اور نقصان زر دولت ہو۔

۳۰ - چاند آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ عمر متوسط۔ بیماری اور بھائی بند ماں باپ کے جوانی میں فوت ہوں۔ دشمنوں سے مقابلہ کئی حادثہ اور مصائب پیش آویں۔

۳۱ - منگل - آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو مقابلہ دشمن بیماری تکالیف سخت پیش آویں۔ نقصان زر۔ موت کسی بے رحم کے ساتھ سے ہو۔

۳۲ - بدھ آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ صاحب علم۔ الا تنگ لاچار۔ تکالیف اور مصائب بیشمار۔ عمر متوسط۔ اہل قلم سے بگاڑ۔

۳۳ - برہسپت آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ صاحب علم و ایماندار معتبر دیانتدار عمر اول میں زر و مال سے تنگ ضعیفی میں دولت مند۔ متوسط عمر میں موت بھائیوں اور پسران کا صدمہ۔ عمر پورن۔ عورات اور برہمنوں سے بد سلوکی۔

۳۴ - شکر آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو عمر اول میں اکثر بیمار رہا کرے لیکن اوس کے بعد کسی قدر آرام اور صحت پاوے۔ صاحب عزت ناموس نیکنام ہو۔ گھر میں اولاد نرینہ ہو لڑکی نہو۔ متوسط عمر۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۵ - سنیچر۔ آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ دشمنوں سے مقابلہ۔ حکام سے
عزت۔ زر دولت کا نقصان۔ عمر کمتر۔ بلند آواز۔ دلیر۔ کلام
۳۶ - راہ۔ کیت آٹھویں گھر برکھ راس میں ہو۔ بیمار۔ نادار۔ قرضدار
دشمن بے شمار۔ زہردار اشیا ر سے آزار
۳۷ - سورج آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ بیمار۔ ناخوش۔ پریشان۔ بچپن
میں ماں باپ کی موت ہو۔ جائیداد بزرگان برباد۔ دشمنوں سے
مقابلہ۔ زر دولت کی تباہی۔ طرح طرح سے نقصان۔
۳۸ - چاند آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ ماں باپ چھوٹی عمر میں مر گئے
ہوں۔ زر دولت کا نقصان ہمیشہ بے قرار۔ پریشان۔ عورات سے
تکلیف۔ عمر کوتاہ۔
۳۹ - منگل آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ دلیر۔ زور آور۔ جنگ جو۔ پہلوان
رشتہ داروں کا دشمن۔ دشمنوں سے مقابلہ۔ زر دولت کا نقصان
موت سخت تکلیف سے ہو۔
۴۰ - بدھ۔ آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ عالم۔ حکیم۔ دانا۔ کسی جگہ بالا سے گر
کر چوٹ آوے۔ اور بازو ناکارہ ہو جائے۔ عمر متوسط۔
۴۱ - برہسپت۔ آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ دہرم کا مخالف۔ اولاد اور
مصاحبوں اور عزیزوں سے بدسلوکی۔ دولت سے تنگ
قرضدار۔ لیکن متوسط عمر میں درجہ اعلےٰ نصیب ہو۔ عمر دراز
وراثت ملنے کی امید۔
۴۲ - سنیچر۔ آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ عورت سے تکلیف۔ بلکہ فرمانبردار
نیک سیرت۔ عورت کی وسط عمر میں موت ہو۔ پہلی عمر میں غرقاب ہونے

مشکل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یا بلندی سے گرنے کا خوف۔ زر و دولت کا نقصان البتہ وراثت ملنے کی امید

۴۳ھ۔ سنیچر آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو زہریلے جانور ڈنگ لگا دیں پہلی عمر تکلیف میں گذرے۔ دشمنوں سے مقابلہ۔ زر کا نقصان۔ رنج۔ تکلیف آخری عمر اچھی گذرے۔ عمر پورن ہو۔

۴۴ھ۔ راہ کیت۔ آٹھویں گھر متھن راس میں ہو۔ بدنام۔ بددیانت۔ رشوت خوار عورت کے معاملات سے مصایب۔ مسافرت۔ چوروں و دشمنوں کے حملہ نقصان زر و دولت۔ بیماری پیشاب اور اس جگہ کی پھوڑا پھنسی سے نوبت موت کی ہو۔

۴۵ھ۔ سورج آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو ہمیشہ بیمار۔ روزگار اور اپنے کار و بار میں سخت معاملات مشکل پیش آویں۔ جن میں نقصان پہونچے اور شرمندگی حاصل ہو۔ آخری وقت سخت تکلیف سے موت ہو۔

۴۶ھ۔ چاند۔ آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ نکمہ گذارہ۔ اور نالایق روزگار۔ جائیداد بزرگان نہ ہو۔ یا حاصل نہ ہو۔ بیماری بادی۔ بلغمی۔ پانی سے سخت اندیشہ عمر کم۔ زر و دولت سے تنگ۔ عورات سے رنجیدگی۔

۴۷ھ۔ منگل آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ لڑائی۔ فساد۔ دشمنوں کا مقابلہ۔ بیماری عمر چھوٹی رہوت خراب ہو۔ عمر کمتہ۔

۴۸ھ۔ بدھ آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ علم ناکمل۔ بیمار۔ کم علم۔ اہل قلم سے بگاڑ۔ صحبت بد۔

۴۹ھ۔ برسپت۔ آٹھویں گھر کرک راس میں ہو ہنرمند۔ صاحب علم۔ متکبر و مغرور۔ دشمن زور آور سے مقابلہ۔ آخری عمر میں خوش اور فائدہ مند۔ بڑی عمر۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۰۔ شکر آٹھویں گھر کرک راس میں ہو عقلمند۔ دانشمند۔ ہوشیار۔ ماں۔ باپ
کی موت۔ عورت سے تکلیف۔ وراثت میں نقصان۔

۵۱۔ سنیچر آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو بدعادت۔ بدکار۔ بدمعاملہ۔ فریبی
جھوٹھ۔ دغاباز۔ بے اولاد۔ بے اعتبار۔ غرضیکہ ہر طرح تکلیف ہو۔

۵۲۔ راہ کیت آٹھویں گھر کرک راس میں ہو۔ اچھا مرتبہ اور منصب پاکر تنزل
دیکھے۔ ایک الزام میں خوف سزا قید۔ نقصان زر و دولت۔ بربادی
عزت۔ دشمنوں کا غلبہ۔ موت نہایت بری طرح ہو۔

۵۳۔ سورج آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عاقل۔ زور آور صاحب ا...
متحمل مزاج پہلی عمر میں اچھا زمانہ بسر ہو۔ آلا پچھی عمر میں سخت تکالیف
اور پریشانی پیش آوے۔ عمر زیادہ ہو۔

۵۴۔ چاند آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو تنگ گذران۔ بلکہ زیر بار قرضہ
سے رنج۔ بیماری بادی بلغمی دامنگیر ہو۔ بلکہ اسی بیماری میں مر جاوے

۵۵۔ منگل آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو عزت آبرو کا نقصان زر و دولت
کی تباہی۔ بیماری۔ کسی چوٹ یا گرنے یا درد ناگہانی سے موت ہو۔

۵۶۔ بدھ آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اور علم ناتکمل۔ بیماری بادی بلغمی
بلکہ دم کشی ہو۔

۵۷۔ برہسپت۔ آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو نادار۔ رزق سے تنگ قرضہ
رنج تکالیف۔ بیمار۔ بالخصوص۔ بیماری دم کشی کی ہو عمر پورن۔

۵۸۔ شکر۔ آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو مخالفت بے آرامی۔ رنج عورت
بیمار۔ اور ناپسند خاطر۔ اولاد سے رنج۔

۵۹۔ سنیچر آٹھویں۔ گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو رنج اولاد کسی طرح کا الزام حاکم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مخالفت۔ کمزر عمر۔ بدنام ناواقف مقام پر موت ہو۔

۶۰۔ راہ کیت۔ آٹھویں گھر سنگھ راس میں ہو عقلمند اور ہوشیار لیکن بدن میں کوئی کمی ہو۔ وسط عمر میں بیمار۔ زہریلے جانور کے ڈنگ سے تصدیعہ دیکھے۔ رنج۔ خوف۔ تہمت۔

۶۱۔ سورج۔ آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ بیمار۔ خون خراب پٹھوں میں درد شروع عمر میں سایہ ماں باپ دور ہو جاوے سخت غصہ دار۔ ظالم خود پسند خود رو۔ کئی تکالیف اور مشکلات پیش آویں۔

۶۲۔ چاند آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ نادار۔ پریشان خاطر۔ عمر کوتہ۔ اخراجات زیادہ سے زیر بار قرضہ۔ دماغ میں کوئی بیماری یا خلل ہو۔

۶۳۔ منگل۔ آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ بیمار۔ تند خو۔ تیز مزاج۔ جلد کار۔ زود رنج۔ امیدوں میں ناکامیاب۔ دشمنوں سے مقابلہ۔

۶۴۔ برہسپت آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ گو زمانہ اول عمر اچھا اور خوشی سے گذرے۔ مگر دولت سے تنگ اور زیر بار قرضہ ہو۔ الاعورت اول سے حادثہ موت۔ دوسری عورت سے متوسط عمر کے بعد اولاد ہو۔ نہایت پریشان خاطر ہو۔

۶۵۔ شکر۔ آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو شروع عمر میں ماں باپ کی موت طبیعت بیمار۔ اور زخمی ہو۔ اور نشانات زخم بدن پر ہوں۔ رنج۔ غم۔ بوجہ عورات ہتک اور غلامی کی ضرورت پیش آوے۔

۶۶۔ سنیچر۔ آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو بدنصیب شروع عمر میں ماں باپ فوت ہوں۔ پریشان سخت تصدیعہ۔ اور تکالیف دیکھے۔ بدنام۔ تکرار تنازعہ۔ عمر زیادہ ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۷۔ راہ کیت - آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ سخت تکالیف، دشمنی اور رشتہ د...
میں بربادی زر۔ کم عمر۔ پہلوان کیسی سنج غم۔ موت کا موجب نہایت ناقص ہو۔

۶۸۔ سورج آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ بدبخت - بدنام - بے قرار پریشان رنج -
دشمنوں سے لاچار۔ موت ناگہانی۔

۶۹۔ چاند آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو تباہی خاندان - ترک وطن - رہائش
مقامات خیر - بدبخت - بدنام - کم دولت - موت ناگہانی

۷۰۔ منگل آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ ہمیشہ بیمار۔ کسی قسم کے درد تکلیف پہونچیں اور
دشمن حملہ کریں۔ وطن میں موت نہ ہو۔ بدنام - بے نشان
ہو۔ عمر متوسط۔

۷۱۔ بدھ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ نانکے برباد - دنیا گھر خراب - معمولی تعلیم - ب...
بدن۔ کمتر عمر۔ پریشان خاطر۔ عورت سے بیزار۔

۷۲۔ برہسپت - آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ خاندان سے بدسلوکی - رنج - تباہی
دولت - عمر متوسط - نقصان علم۔

۷۳۔ شکر - آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ مال دولت وراثتاً ملے یا عورت سے
دولت ملے۔ عمر اول میں حالت متوسط - متوسط عمر میں بخت یاور ہو۔
یا عورت کی موت اور پانی میں گرے یا کسی چوٹ سے کسی بازو کا نقصان
ہو۔ نقصان زر۔ دولت۔

۷۴۔ سنیچر - آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ پریشانی - بے قراری - آرام اپنے ملک
سے محروم - دشمن زیادہ - نقصان دولت۔ عمر دراز۔

۷۵۔ راہ کیت - آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو عورت، اولاد، کنبہ، دولت ناموری
برباد - بیمار - ضروریات سے لاچار - عمر زیادہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۶ - سورج آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو عمر متوسط - جائیداد بزرگان سے محروم بعد چھوٹے بھائی بندوں کا نقصان - پہلے کام اچھے ہوں پھر تکالیف اور رنج پیش آویں - آتش اور حملہ حیوان کا خوف عورت ناشائستہ کردار ہو۔

۷۷ - چاند - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو بیمار مخالفوں سے بیزار - بدکردار مخالفت زیادہ - عمر کمتر - زیر بار قرضہ۔

۷۸ - منگل - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ نادار - تنگدست گذارہ کیلئے کسی کام کرے - تب بھی ترقی دولت نہ ہو۔ کسی ظالم بے رحم کے ہاتھ سے شباب جوانی میں موت ہو۔ بشرطیکہ شبہ گرہ کی درشتی نہ ہو۔

۷۹ - بدھ آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بھائی بندوں کا نقصان جائیداد بزرگان سے محروم - عمر متوسط - عورت بدکار - تھوڑا زمانہ آرام سے بسر ہو۔ پھر پریشانی و تکالیف - خوف آگ حملہ آور حیوان ہو۔

۸۰ - برہسپت - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو ہمیشہ - بیمار - گذارہ سے لاچار - دشمنوں سے مقابلہ - اعمال بد۔

۸۱ - شکر - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بے جائیداد - قریبی رشتہ داروں کا نقصان - عمر کمتر - عورت بدچلن - آرام زندگی نہ ہو - بیماری - آگ - حملہ حیوان کا خوف - عورت سے رنج اور نقصان زر۔

۸۲ - سنیچر - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بدکار - نادار مفلس - قرضدار - ہمیشہ بیمار - بے اعتبار - دشمنوں سے مقابلہ - بے قرار - عمر ناپائیدار۔

۸۳ - راہ کیت - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو کم رزق - نادار -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۷۔ راہ کیت۔ آٹھویں گھر کنیا راس میں ہو۔ سخت تکالیف دشمنی اور رشتہ د
میں بربادی زر۔ کم عمر۔ پہلوان تیغی سنج غم۔ موت کا موجب نہایت ناقص ہو

۶۸۔ سورج آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ بدبخت۔ بدنام۔ بے قرار پریشان رنج
دشمنوں سے لاچار۔ موت ناگہانی۔

۶۹۔ چاند آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو تباہی خاندان۔ ترک وطن۔ رہائیز
مقامات خیر۔ بدبخت۔ بدنام۔ کم دولت۔ موت ناگہانی

۷۰۔ منگل آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ ہمیشہ بیمار۔ کسی قسم کے درد تکلیف پہونچے
دشمن حملہ کریں۔ وطن میں موت نہ ہو۔ بدنام۔ بے نشان
ہو۔ عمر متوسط۔

۷۱۔ بدھ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ نانکے برباد۔ اپنا گھر خراب۔ معمولی تعلیم
بدن۔ کمتر عمر۔ پریشان خاطر۔ عورت سے بیزار۔

۷۲۔ برہسپت۔ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ خاندان سے بدسلوکی۔ رنج۔ تباہی
دولت۔ عمر متوسط۔ نقصان علم۔

۷۳۔ شکر۔ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ مال دولت ورا ثتاً ملے یا عورت سے
دولت ملے۔ عمر اول میں حالت متوسط۔ متوسط عمر میں بخت یاور ہو
ایّا عورت کی موت اور پانی میں گرے۔ یا کسی چوٹ سے کسی بازو کا نقصا
ہو۔ نقصان زر دولت۔

۷۴۔ سنیچر۔ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ پریشانی۔ بے قراری۔ آرام اپنے ملک
سے محروم۔ دشمن زیادہ۔ نقصان دولت۔ عمر دراز۔

۷۵۔ راہ کیت۔ آٹھویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو عورت اولاد۔ کنبہ۔ دولت ناموری
برباد۔ بیمار۔ ضروریات سے لاچار۔ عمر زیادہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۶ - سورج آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو عمر متوسط - جائیداد بزرگان سے محروم بھائی بندوں کا نقصان - پہلے کام اچھے ہوں پھر تکالیف اور رنج پیش آویں - آتش اور حملہ حیوان کا خوف عورت ناشائستہ کردار ہو -

۷۷ - چاند - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - تو بیمار - مخالفوں سے بیزار - بدکردار مخالفت زیادہ - عمر کمتر - زیربار قرضہ -

۷۸ - منگل - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - نادار - تنگدست گذارہ کیلئے کسی کام کرے - تب بھی ترقی دولت نہ ہو - کسی ظالم بے رحم کے ہاتھ سے شباب جوانی میں موت ہو - بشرطیکہ شبہ گرہ کی درشتی نہ ہو -

۷۹ - بدھ آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - بھائی بندوں کا نقصان جائیداد بزرگان سے محروم - عمر متوسط - عورت بدکار - تھوڑا زمانہ آرام سے بسر ہو - پھر پریشانی و تکالیف - خوف آگ - حملہ آور حیوان ہو -

۸۰ - برہسپت - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - ہمیشہ - بیمار - گذارہ سے لاچار - دشمنوں سے مقابلہ - اعمال بد -

۸۱ - شکر - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - بے جائیداد - قریبی رشتہ داروں کا نقصان - عمر کمتر - عورت بدچلن - آرام زندگی نہ ہو - بیماری - آگ - حملہ حیوان کا خوف - عورت سے رنج اور نقصان زر -

۸۲ - سنیچر - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - بدکار - نادار مفلس - قرضدار - ہمیشہ بیمار - بے اعتبار - دشمنوں سے مقابلہ - بے قرار - عمر ناپائیدار -

۸۳ - راہ کیت - آٹھویں گھر برچھک راس میں ہو - تو کم رزق - نادار -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کئی کام گذارہ کے لئے کرے مگر ترقی دولت نہ ہو۔ کسی ظالم کے
سے جوانی میں مارا جاوے۔

۸۴۔ سورج آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ تو ماں باپ کی موت۔ ناداری
رنج۔ غم۔ ہر ایک سے دشمنی۔ لوگوں کے کام بگاڑے
ہوشیار۔ بیمار۔ کوئی انگ سریر کا ناکارہ ہو جاوے۔ ہر
سے لڑائی اور فساد۔

۸۵۔ چاند۔ آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ شروع عمر میں تکالیف اور رنج
گھر لیویں۔ ماتا کی موت ہو۔ وراثت جائیداد نہ ہو۔

۸۶۔ منگل آٹھویں گھر دھن راس میں ہوں۔ تھوڑا زمانہ اچھا گذرے۔
جائیداد عزت آرام دولت جاتی رہے۔ قرضدار ہو۔ موت
وقت ہو۔

۸۷۔ بدھ آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ بیماری خون۔ کام حیرانی۔ پریشانی
اندیشناک ہوں۔ دوسروں کا محتاج۔ شباب جوانی میں مصائب
پیش آویں۔ اور زر دولت ضائع ہو جاوے۔ تنگ حال ہو۔

۸۸۔ برہسپت آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ عقلمند۔ ہوشیار۔ اور گذارہ کے
کئی کام کرے۔ تاہم گذارہ سے تنگ۔ قرضدار۔ رنجیدہ
شریفوں سے نقصان۔

۸۹۔ شکر آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ عورات سے نقصان۔ تباہی زر
دولت۔ کئی پیشہ ہوں۔ رنج فکر۔ بیماری اندیشہ اچھے اور نیک مقام
پر موت ہو۔

۹۰۔ سنیچر آٹھویں گھر دھن راس میں ہو ... بدحواس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کمینہ کام۔ خوف قید۔ بربادی دولت۔ عمر زیادہ۔

۹۱۔ راہ کیت۔ آٹھویں گھر دھن راس میں ہو۔ پہلی عمر میں زیر بار حملہ دشمناں سے خوف جان ہو۔ نقصان زر۔ زہریلوں سے تکلیف۔ متوسط عمر میں حالت کسیقدر اچھی ہو۔

۹۲۔ سورج آٹھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو کئی مصائب اور حادثہ پیش آویں۔ شروع عمر جوانی میں ماں باپ کی موت۔ قرضہ بزرگان کا بار۔ بیماری۔ زہر دشمن دیویں۔ زہر دار جانور کا خوف۔ حکام وقت سے اندیشہ سزا۔ نقصان زر عمر کمتر۔

۹۳۔ چاند۔ آٹھویں گھر مکر راس میں ہو۔ نانکے برباد۔ شروع میں کئی تکالیف اپنے ملک میں ناداری۔ قرضدار۔ غیر ممالک سے فائدہ۔ دولت۔ سل و تپ دق کی بیماری قبل از وقت موت۔ عمر کمتر۔

۹۴۔ منگل آٹھویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو پہلی عمر سخت بے مزہ۔ دشمنوں کے حملہ بھائی بندوں سے عداوت۔ نقصان دولت۔ آتشزدگی سے صرف نقصان مال و اسباب۔ طبیعت بیمار۔ لاچار۔ متوسط عمر میں بہر حال دولت حاصل ہو اپنی کمائی سے آسودہ ہو جاوے۔

۹۵۔ بدھ۔ آٹھویں گھر مکر راس میں ہو۔ صاحب علم اور عقل ہو۔ مگر بیمار۔ کوئی مرض مہلک ہو۔ اہل قلم سے نقصان۔ نانکے اول آسودہ اور صاحب اقبال مگر کچھ زمانہ بعد سخت نقصان دیکھیں۔ دوستوں سے بگاڑ۔

۹۶۔ برسپت۔ آٹھویں گھر اس میں ہو۔ تو صاحب علم ہو کر اوس کے فائدہ سے محروم رہے۔ جائداد بزرگان ہاتھ آوے۔ اپنے ملک میں کم رہائش ہو۔ غیر ممالک کا سیر کرے۔ جوانی اولاد کی موت سے رنج اور غم میں مبتلا ہو۔ شریفوں سے بدخلقی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۷۔ شکر۔ آٹھویں گھر بکر راس میں ہو نقصان دولت بتائیق سفر بعبتہ سے
سے نقصان۔ پریشانی وامنگیر ہو۔

۹۸۔ سنیچر آٹھویں گھر بکر راس میں ہو۔ تو بیمار۔ پھوڑے پھنسی سے لاچار۔
حکام سے ندامت۔ دشمنوں کا حملہ نقصان دولت۔

۹۹۔ راہ۔ کیت آٹھویں گھر بکر راس میں ہو۔ تمام زندگی تکالیف میں بسر
عمر سے کئی مصائب۔ زہردار مادہ ... بیماریوں سے تصد
نقصان زر دولت ہو۔

۱۰۰۔ سورج۔ آٹھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ نادار۔ قرضدار۔ بدمعاملہ۔ بیمار۔
درد جوڑوں میں مبتلا۔ عمر کمتر۔ حکام وقت سے خوف سزا۔
دشمن نقصان وراثت۔

۱۰۱۔ چاند۔ آٹھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ خاندان والدہ کا نقصان بیماری
یا سل عورات سے نقصان عمر کمتر ہو۔

۱۰۲۔ منگل۔ آٹھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ پہلی عمر قابل شکایت نہ ہو۔ الا بیمار
درد اعضا شکستہ ہو جاوے۔ سواری یا بلند جگہ کے گرنے سے کوئی بد
نقصان ہو جائے تو کئی مصائب پیش آ
اعضا سے موت ہو۔ زیادہ زر دولت کا نقصان

۱۰۳۔ بدھ آٹھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو تعلیم پائے۔ لیکن علم سے بجائے فائدہ کے نقـ
اوٹھائے۔ تنگدست بدبخت نادار۔ پیشہ چاکری۔ غلامی عمر زیادہ ہو۔

۱۰۴۔ برہسپت۔ آٹھویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو عمر اول اچھی حالت میں گذرے لیکن
وسط عمر میں بدنام۔ اور ہر ایک کام میں نا امید حکام زمانہ سے رنج
تکالیف۔ قرضدار۔ بیقرار۔ پریشان۔ عمر زیادہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۵ - شکر آٹھویں گھر کنیہ راس میں ہو۔ بیمار خصوصاً مرض آتشک سے تکلیف عورت سے بیزار۔ گھوڑے پالکی اور سواری سے گر کر کوئی انگ سریر کا ٹوٹ جاوے جائیداد کی عورت حفاظت۔ اور عمر زیادہ ہو۔

۱۰۶ - سنیچر - آٹھویں گھر کنیہ راس میں ہو۔ تو کئی بیماریاں ہوں صفرا، بخار، آتشک بدن موٹا ناکارہ۔ دشمن نقصان دولت بعمر زیادہ۔

۱۰۷ - راہ کیت - آٹھویں گھر کنیہ راس میں ہو۔ دشمنی۔ بگاڑ۔ نقصان دولت متوسر بازی میں مصروف۔

۱۰۸ - سورج آٹھویں گھر مین راس میں ہو۔ باپ بیمار ہو کر سرگباش ہو۔ خود بیمار خون خراب - ہر ایک کام میں موقعہ انجام پر ناکامی ہو۔ جائیداد کچھ نہ ہو مقابلہ دشمن اور نقصان زر دولت۔

۱۰۹ - چاند آٹھویں گھر مین راس میں ہو۔ تو شباب جوانی میں مال مرجاوے۔ اور کوئی بزرگ بھی سرگباش ہو جاوے۔ پریشان خاطر نادار - قرضدار رشتہ داران سے رنج کئی نقصان اپنے دھرم سے باغی عمر کمتر۔

۱۱۰ - منگل آٹھویں گھر مین راس میں ہو ایسے معاملہ پیش آویں جن سے نادار اور قرضدار ہو جاوے۔ خوف آگ۔ بدنام۔ کم عمر۔ سخت صدمہ سے موت نقصان زر مقابلہ دشمن۔

۱۱۱ - بدھ - آٹھویں گھر مین راس میں ہو۔ نادار عمر اول میں اعتبار - متوسط عمر میں بدنام۔ نقصان زر دولت۔ اہل قلم سے رنج۔ کم عمر۔

۱۱۲ - برسپت - آٹھویں گھر مین راس میں ہو۔ نامور خاندان میں پیدا ہو۔ عالم۔ فاضل ہو۔ فضول خرچ۔ اسواسطے نادار۔ اور قرضدار ہو۔ لکچروں وغیرہ ایسے کاموں میں گذارہ کرے کافی عزت اور قدر نہ ہو موت اچھے موقعہ پر ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۳ - شکر آٹھویں گھر مین رلس میں ہو۔ گذارہ معقول کئی بیاہ ہوں۔ عورات سے آرام۔ اور تکلیف اور زرخرچ پیش آوے۔ متوسط عمر میں بیمار۔ دردسر۔ رشتہ داراں عورت کا بگاڑ۔

۱۱۴ سنیچر آٹھویں گھر مین رلس میں ہو۔ تو بیمار۔ مقابلہ دشمن وسط عمر میں حکام ظالم سے خوف سزا۔ اور نقصان زر۔ چوروں اور دشمنوں سے خوف چوری و نقصان مال و آگ اندیشہ۔ بدکار۔ معاش۔ گذارہ بدمعاشی سے ہو۔

۱۱۵ - راہ کیت۔ آٹھویں گھر مین رلس میں ہو تو کئی طرح کے مصائب اور نقصان درجہ۔ چور دشمنوں سے پیش آتے ہیں۔ تمام عمر بیماری اور تفکرات اور نقصان میں بسر ہوتی ہے۔

۱۱۶ - چاند۔ پانچویں گھر یا نویں گھر میں۔ منگل دسویں گھر میں ہو۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۱۷ - آٹھویں گھر کا مالک اپنے گھر میں سنیچر کے ساتھ ہو۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۱۸ - سنیچر اپنے گھر کا ہو کر آٹھویں گھر میں ہو تو عمر دراز ہو۔

۱۱۹ - گیارہویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۰ - جنم لگنیش و آٹھویں گھر کا مالک دسویں گھر کا مالک (۱-۴-۷-۱۰-۱۱-۵-۹) گھر میں ہوں۔ اور کوئی پاپی گرہ اُن کے ساتھ نہ ہو تو عمر دراز ہو۔

۱۲۱ - دسویں گھر کا مالک اور لگن جنم کا مالک بلوان ہو کر شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ یا شبھ گرہ کی درشٹی میں کیندر یا ترکون میں ہوں۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۲ - شکر برہسپت کیندر ترکون میں بلوان ہوں لگنیش بھی بلوان ہو تو عمر دراز ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۳۔ آٹھویں اور چوتھے گھر میں شبھ گرہ ہو۔ اور لگنیش و چندرماں بلوان ہوں تو عمر دراز ہو۔

۱۲۴۔ لگنیش و مالکان خانہ نہم و دہم اپنے اپنے گھر میں بلوان ہوں۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۵۔ سنیچر جنم لگن یا نانویں گھر میں اور چاند بارہویں یا نانویں گھر میں ہو۔ مگر چاند سنیچر کے ساتھ نہ ہو۔ نہ اوسکی درشٹی میں ہو۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۶۔ آٹھویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ اور برہسپت و شکر پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۷۔ جنم لگن اور چاند سے آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو اور شکر و برہسپت بلوان ہو کر کیندر یا ترکون میں ہوں تو عمر دراز ہو۔

۱۲۸۔ چاند گیارہویں گھر میں اور شکر و برہسپت کیندر ترکون میں ہوں۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۲۹۔ شکر میں لگن کا ہو کر جنم لگن میں خواہ آٹھویں گھر میں ہو۔ اور برہسپت کیندر میں ہو اور چاند کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو عمر دراز ہو۔

۱۳۰۔ چھٹویں اور بارہویں گھر کے مالک جنم لگن میں آویں تو عمر دراز ہو۔

۱۳۱۔ ۱-۴-۷-۱۰ گھروں میں شبھ گرہ ہوں تو عمر دراز ہو۔

۱۳۲۔ ۲-۳-۵-۸-۱۱ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو عمر سو سالہ ہو۔

۱۳۳۔ لگنیش کمزور ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲ گھروں میں ہو۔ اور برہسپت کیندر ترکون میں ہو۔ تو مدھ آیو ہو۔

۱۳۴۔ کیندر ترکون میں شبھ گرہ ہو۔ لیکن سنیچر کمزور ہو کر ۶ و ۸ گھر میں خواہ ۶-۸ گھر میں پاپی گرہ ہووے۔ تو عمر دراز ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۵۔ کیندر ترکون میں شبھ گرہ ملکر آدیں۔ تو عمر متوسط ہو۔

۱۳۶۔ آٹھویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ چھٹویں یا بارہویں گھر میں عمر کمتر۔

۱۳۷۔ ۲۔ ۶۔ ۹۔ ۱۲ گھروں میں پاپی گرہ ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۳۸ لگنیش آٹھویں گھر کا مالک چھٹویں یا بارہویں گھر میں ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۳۹۔ دوسرے گھر کا مالک دسویں اور سنیچر ساتویں شکر برہسپت گیارہویں ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۴۰۔ لگنیش آٹھویں گھر میں ہو تو عمر کمتر۔

۱۴۱۔ لگنیش ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو عمر کمتر و بیمار۔

۱۴۲۔ لگنیش کمزور اور ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو عمر کمتر۔

۱۴۳۔ ۱۔ ۴۔ ۷۔ ۱۰ گھروں میں پاپی گرہ کے ساتھ ہوں۔ کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ نہ لگنیش بلوان ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۴۴۔ منگل و سنیچر جنم لگن میں برہسپت چھٹویں گھر میں۔ چاند آٹھویں گھر میں ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۴۵۔ چھٹویں۔ آٹھویں گھر کے مالک پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن میں ہو۔ تو عمر متوسط دائم المریض۔

۱۴۶۔ دوسرے۔ بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو تو عمر کمتر۔

۱۴۷۔ سورج سنیچر منگل چھٹویں آٹھویں گھر میں ہوں۔ تو عمر بالکل کمتر۔

۱۴۸۔ لگنیش آٹھویں گھر میں اور آٹھویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ اور لگنیش کو پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو عمر کمتر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۹۔ لگنیش۔ برہسپت جنم لگن میں خواہ کیندر میں ہوں۔ اور کوئی پاپی گرہ کسی کیندر میں نہ ہو۔ نہ کوئی پاپی گرہ پانچویں۔ آٹھویں۔ نانویں گھر میں ہوں۔ تو عمر پورن ہو۔

۱۵۰ لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ چھٹویں تیسرے۔ نانویں گھر میں ہو۔ برہسپت بارہویں گھر میں ہو۔ یا کیندر استھان پر ہو عمر کمتر۔

۱۵۱۔۳۔۶۔۹۔۱۲ گھروں میں شبھ گرہ ہوں۔ ۶۔۸۔ گھروں میں چاند وسنیچر ہو۔ تو عمر کمتر۔

۱۵۲ شکر و برہسپت۔ سورج ملکر پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن میں ہو تو عمر کمتر۔

تعداد عمر

طریق اول

۱۵۳۔ آٹھویں گھر میں میکھ یا برچھک کے برہسپت ہوں۔ سورج سنیچر منگل اونکو دیکھتے ہوں۔ شکر نہ دیکھتا ہو۔ ...... جلد

۱۵۴۔ ۶۔۱۲ گھر میں یا ۸۔۱ گھر میں یا ۲۔۱۲ گھر میں خواہ ۸۔۲ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ کیندر ترکون میں کوئی شبھ گرہ نہ ہو۔ ...... ۰۔۶۔۸ ماہ

۱۵۵۔ ۶۔۸۔ گھر میں چاند پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو ایک ماہ اگر کوئی گرہ شبھ چاند کو دیکھتا ہو۔ تو چار سال۔ ۱ ماہ ۴ سال

۱۵۶۔ سورج شکر۔ پاپی گرہ کے ساتھ ۱۔۷۔۱۲ گھر میں ہوں کوئی شبھ گرہ انکو نہ دیکھتا ہو۔ نہ کیندر ترکون میں کوئی شبھ گرہ ہو۔ ...... جلد

۱۵۷۔ مالک لگن نربل ہو۔ سورج۔ چاند۔ سنیچر ملکر ایک چسکر میں ہوں۔ ...... ۹ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۸ - جس نچھتر جنم ہو۔ اوسی نچھتر میں کیتو ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۰۰۲

۱۵۹ - لگنیش پاپی گرہ ہو۔ اور پاپی گرہ کے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ
یا پاپی گرہ درشٹی میں ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۔ جلد

۱۶۰ - سنیچر یا چندرماں کے گھر میں شکر ہو۔ اور ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھروں
میں شبھ گرہ ہوں۔۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۶ سال

۱۶۱ - ۶۔ ۸ گھر میں بدھ ہو۔ اور چندرماں پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ ۴ سال

۱۶۲ - جنم لگن اور لگنیش و چندرماں کو پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں کم عمر

۱۶۳ - راہو چوتھے گھر میں پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۱۶ برس

۱۶۴ - ۶۔ ۸ گھر میں شبھ گرہ کیندر ترکون میں پاپی گرہ ہوں۔ ۔ ۔ ۸ برس

۱۶۵ - جنم لگن میں جنم چندرماں پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں
ہو بشرطیکہ لگن جنم میکھ برکھ سنگھ نہ ہو۔ ۔ ۔ ۔ جلد

۱۶۶ - لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ ۔ ۔ ۴ ماہ

۱۶۷ - لگنیش اور جس گھر میں چاند ہو اوس گھر کا مالک ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھروں میں
پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں
ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۱۲ برس

۱۶۸ - اوس گھر کا مالک جہاں چاند ہو۔ سورج کے ساتھ آٹھویں گھر میں
ہو۔ اور شکر دیکھتا ہو۔ ۔ ۔ ۔ جلد

۱۶۹ - لگنیش یا پاپی گرہ کے ساتھ ساتویں گھر میں ہو۔ اور کوئی شبھ
گرہ نہ دیکھتا ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۱ ماہ

۱۷۰ - چاند۔ سورج۔ منگل۔ مکر پانچویں گھر میں ہوں۔ کوئی شبھ گرہ
نہ دیکھتا ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۹ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۱۔ برہسپت۔ آٹھویں گھر میں مکر کنبھ لگن کے ہو۔ پاپی گرہ جنم لگن کو دیکھتا ہو۔ ۔۔ ۔۔ ۔۔ ۔ ۱۱ برس

۱۷۲۔ چاند پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن میں اور منگل آٹھویں گھر میں ہو۔ جنم دن گہن ہو۔ ۔۔ ۔۔ ۔۔ جلد

۱۷۳۔ جنم لگن اور آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ بارہویں گھر میں چھین چندرماں ہو کیندر ترکون میں کوئی شبھ گرہ نہ ہو۔ ۔۔ ۔۔ جلد

۱۷۴۔ کرک یا برچھک جنم لگن ہو۔ ۳۔۴۔۱۰۔۱۱۔۱۲۔ پاپی گرہ۔ اور ۵۔۶۔۷۔۹۔۱۰۔ اشبھ گرہ ہوں۔ ۔۔ ۔۔ ۔۔ ۔ جلد

۱۷۵۔ جنم لگن میں چھین چندرماں و سنیچر ہوں۔ کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو آٹھویں گھر میں منگل ہو۔ ۔۔ ۔۔ ۔ جلد مع ماں

۱۷۶۔ جنم لگن میں سنیچر پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ ۔۔ ۔۔ ۔ ۱ ماہ

۱۷۷۔ جنم لگن میں چھین چندرماں منگل سنیچر۔ سورج ملکر آویں۔ ۶۔۷ برس

۱۷۸۔ لگنیش اسبت ہو۔ آٹھویں گھر کا مالک اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو ۱۲ برس

۱۷۹۔ شبھ گرہ ۶۔۸۔۱۲ گھروں میں۔ پاپی گرہ کیندر ترکون میں سورج جنم لگن میں ہو۔ ۔۔ ۔۔ ۔۔ ۔ جلد

۱۸۰۔ ۶۔۸۔ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ اور پاپی گرہ انکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ کوئی شبھ گرہ ساتھ نہ ہو نہ دیکھتا ہو۔۔۔۔۔۔ جلد مع ماں

۱۸۱۔ جنم لگن میں سنیچر و منگل ساتویں گھر میں سورج خواہ جنم لگن میں سورج۔ ساتویں گھر میں سنیچر منگل ہوں۔ چاند بھی خانہ اول یا ساتویں میں ہو جلد

۱۸۲۔ سورج۔ چاند۔ بدھ ملکر کیندر میں ہو۔ سنیچر منگل۔ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ ۔۔ ۔ ۔ ۔ ۳ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸۳- ۴- ۱۰- ۱۲ گھروں میں ایک ایک گرہ کمزور ہو کر پڑا ہو۔ تو
جلد خود ماں باپ مر جاوے۔ ورنہ کئی جگہ پر پریشان ہو کر بہتے جس کے
گھر میں رہے۔ اس کا بھی نقصان ہو۔

۱۸۴- سورج دسویں گھر میں ہو۔ پاپی گرہ میکھ یا برکھ یا کرک لگن میں
ہو کر سورج کو دیکھتا ہو۔

۱۸۵- پاپی گرہ دشمن کے گھر کا ہو کر آٹھویں گھر میں بیٹھا ہو۔ اور پاپی گرہ
اوسکو دیکھتا ہو۔ کوئی شبھ گرہ کیندر۔ ترکون میں نہ ہو۔

۱۸۶- سنیچر کے گھر میں سورج۔ اور سورج کے گھر میں چاند ہو۔ سورج
سے ۶-۸- گھر میں چاند ہو۔

۱۸۷- سورج۔ راہو۔ ملکر سنیچر کے گھر میں آویں۔

۱۸۸- سورج کے گھر میں منگل ۱۱ گھر میں سنیچر ۶-۸- گھر میں چاند ہو۔

۱۸۹- سنیچر سورج منگل۔ راہو ملکر پانچویں گھر میں ہوں۔

۱۹۰- ۵-۹- گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ خوف جلد موت۔ ورنہ مفلس نادار۔

۱۹۱- شبھ اور اشبھ گرہ دونو یکجا خانہ ۶-۸ میں ہوں خواہ یکے
بعد دیگرے دیکھتے ہوں۔ ۱ برس

۱۹۲- راہو ۱-۴-۸-۱۰ گھر میں ہو۔ پاپی گرہ راہو کو پورن دیکھتے
ہوں۔ کوئی شبھ گرہ کیندر ترکون میں نہ ہو۔ ۱۰ برس

۱۹۳- میکھ۔ برکھ۔ تلا کا منگل مین کرک میں سورج ہو۔ ۱۰۰ برس

۱۹۴- ترکون میں برہسپت پانچویں گھر میں چاند دسویں گھر میں منگل ہو۔ ۱۰۰ برس

۱۹۵- کرک لگن میں برہسپت۔ چندرماں۔ بدھ۔ شکر۔ کیندر میں پاپی
گرہ تیسرے چھٹویں۔ گیارھویں ہوں۔ ۱۰۰ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۹۶ - مین لگن برگوتم - مدھ برکھ راس میں ۲۵ انس باقی گرہ پرم اوچ ہوں ۱۲۰ برس

۱۹۷ - جنم راس میں مدوج لگن میں نیک گرہ ہوں - یا دیکھتے ہوں - - ۳۲۰ برس

۱۹۸ - سورج سنیچر کیندر میں منگل لگن میں - - - - ۲۰ برس

۱۹۹ - سوائے راہو چاند کے باقی اور گرہ ۵، ۲، ۱۲، ۸ گھر ہوں - - - ۲۰ برس

۲۰۰ - لگن یا کیندر میں سارے گرہ ہوں - - - - - ۲۰ برس

۲۰۱ - شبھ گرہ ۳، ۶، ۹، ۱۲ ہوں سنیچر چاند ۶، ۸ گھر ہوں - ۲۰ برس

۲۰۲ - سنیچر - چاند - باقی اور گرہ آٹھویں گھر ہوں - آٹھویں گھر کا مالک
کیندر میں اور لگن کا مالک نربل ہوں - - - - - ۲۰ برس

۲۰۳ - کیندر اور آٹھویں گھر میں شبھ گرہ نہ ہوں - - - - ۲۰ برس

۲۰۴ - لگن سے یا چندرماں سے آٹھویں گھر کا مالک بارہویں یا کیندر گھر میں ہو - ۲۰ برس

۲۰۵ - تیسرے چوتھے - آٹھویں سارے گرہ ہوں - - - - - ۱۰۰ برس

۲۰۶ - لگن مکر راسی کے آخری نوانسہ میں ہو شبھ گرہ مکر راسی کے پہلے
نوانسہ میں ہو کر کیندر میں ہوں - ۱۰۰ برس

۲۰۷ - لگن دھن راسی کے آخری نوانسہ میں ہو شبھ گرہ دھن راسی کے
پہلے نوانسہ میں ہو کر کیندر ہوویں - - - ۱۰۰ برس

۲۰۸ - سارے گرہ پانچویں گھر میں ہوں - - - ۶۰ برس

۲۰۹ - کرور گرہ کرور راسی میں شبھ گرہ شبھ راشی میں لگنیش بلوان ہوں - ۱۲۰ برس

۲۱۰ - سارے گرہ پانچویں یا کیندر میں ہوں - - - - ۸۰ برس

۲۱۱ - سارے گرہ نانویں گھر میں بلوان ہوں - - - - ۱۲۰ برس

۲۱۲ - سارے گرہ کرور نوانسہ کے ہو کر کیندر میں ہوں - - - - ۸۰ برس

۲۱۳ - سورج اپنے گرہ یا منگل کے ساتھ لگن میں ہو - برہسپت نربل -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند پانچویں یا بارہویں گھر میں ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۷۰ برس

۲۱۴۔ لگنیش یا چاند یا دونو آٹھویں گھر میں سورج کے ساتھ ہوں۔ برہسپت کیندر میں نہ ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۶۰ برس

۲۱۵ لگنیش ۶-۸-۱۲-گھر میں شبھ گرہ آٹھویں گھر میں نہ ہوں کرور گرہ ان کے ساتھ ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۶۰ برس

۲۱۶ چاند لگن میں یا ۶-۸-۱۲ گھروں میں ہو۔ لگنیش سینچر کے نوانسہ میں ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۵۰ برس

۲۱۷-بدھ ۱۰-۴-چاند ۱-۸-۱۲-سورج برہسپت ۱۱-گھر میں ہوں ۔ ۔ ۔ ۔ ۵۰ برس

۲۱۸-کرک راس میں سورج پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ چاند دسویں برہسپت کیندر میں ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۵۵ برس

۲۱۹-سینچر لگن میں دو سبھاو راشی کا ہو۔ آٹھویں اور بارہویں گھر کے مالک نربل ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۵۵ برس

۲۲۰-چاند سے آٹھویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ دن کا جنم ہو۔ ۵۳ برس

۲۲۱-لگنیش کو کرور گرہ دیکھتے ہوں اور شبھ گرہ بلوان ہوں چاند شبھ گرہ کے انس برگ میں ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۷۳ برس

۲۲۲-شبھ گرہ شبھ کو نوانسہ یا شبھ گرہ کی راشی میں ہوں۔ ۔ ۔ ۸۰ برس

۲۲۳-سینچر یا سورج مکر راشی کے ہوکر ۲-۶-گھر میں ہوں۔ ۸-گھر کا مالک کیندر میں ہووے۔ ۔ ۔ ۔ ۴۴ برس

۲۲۴ لگنیش آٹھویں گھر میں اور آٹھویں گھر کا مالک لگن میں ہو۔ ۱۵ برس

۲۲۵ آٹھویں گھر کا مالک لگن میں اور آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۶۔ منگل۔ چاندر۔ کرک راس میں ہوں کیندر۔ اور آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۲ برس

۲۲۷۔ برہسپت کیندر یا بارہویں گھر میں لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ ۳۔۶۔۹۔ گھر میں ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۲ برس

۲۲۸۔ جنم لگن یا سورج۔ پاپی گرہوں کے مدھ میں ہوں ۲۱ برس

۲۲۹۔ چاندر ۳۔۶۔۹۔۱۲۔ ہو لگنیش۔ نربل۔ لگن اور لگنیش اور چاند کو پاپی گرہ دیکھتے ہوں۔ ۔ ۔ ۳۶ برس

۲۳۰۔ لگنیش کیندر میں ہو۔ آٹھویں گھر کا مالک کیندر میں ہو کر بلوان ہو۔ ۴۰ برس

۲۳۱۔ لگنیش شبھ گرہوں کے ساتھ لگن میں ہو۔ اور کوئی گرہ نہ دیکھتا ہو۔ آٹھویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو ۳۰ برس

۲۳۲۔ پاپی گرہ گھر میں ہو۔ شبھ گرہ برہسپت کے نوانش میں اشبھ گرہ جنت راشی کے نوانش میں ہو کر دوسرے یا بارہویں گھر میں ہوں۔ چاند بلوان لگن میں ہو۔ ۱۰۰ برس

۲۳۳۔ لگنیش اور برہسپت کیندر میں ہوں۔ پاپی گرہ کیندر ترکون۔ آٹھویں نہ ہوں۔ ۔ ۔ ۱۲۰ برس

۲۳۴۔ پاپی گرہ شبھ گرہوں کے نوانش میں ہوں۔ وہ آدمی دن میں بھلے گنے والا ہو۔ پاپی گرہ ۳۔۶۔۱۱ گھروں میں ہوں شبھ گرہ کیندر میں ہوں بشرطیکہ سنیچر منگل آٹھویں گھر نہ ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۱۲۰ برس

۲۳۵۔ سورج۔ منگل سنیچر۔ نوانش برہسپت میں ہو کر کیندر میں ہوں۔ برہسپت لگن میں ہوں آٹھویں کوئی گرہ نہ ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۸۵ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۳۶- کرک لگن ہو- چاند برہسپت ۳-۶-۱۱ ہوں بدھ شکر
کیندر میں ہوں-

۲۳۷- لگنیش آٹھویں گھر میں ہو- چاند دسویں برہسپت بلوان
باقی گرہ نانویں گھر-

۲۳۸ شکر میں راشی ہو کر لگن میں ہو- چاند آٹھویں گھر میں ہو-
شبھ گرہ دیکھتے ہوں- برہسپت کیندر میں نہ ہو-

۲۳۹- برہسپت شکر کیندر میں ہوں- چاند گیارہویں ہوں

۲۴۰ دہن لگن دوسری ہورا میں ہو- بدھ چودھویں انش برکھ
میں ہو- باقی گرہ اوچ استھان پر ہوں

۲۴۱- برکھ لگن میں چاند اور شبھ گرہ اپنی اپنی راشی میں ہوں-

۲۴۲- لگنیش یا چاند سے کوئی گرہ آٹھویں نہ ہو- برہسپت شکر
بلوان ہوں-

۲۴۳- دہن یا مین لگن ہو- کیندر میں شکر- برہسپت ہوں- آٹھویں
گھر کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں کیندر- ترکون- آٹھویں گھر کا مالک
کوئی اور گرہ نہ ہو-

۲۴۴- جنم لگن یا نانویں گھر میں سنیچر اور نانویں یا بارہویں
گھر میں چاند ہو-

۲۴۵- کرک کا برہسپت ہو کر لگن میں ہو- شکر کیندر میں
دہن یا مین لگن کا ہو-

۲۴۶ شکروار برہسپت بلوان ہو کر کیندر میں ہوں است نہ ہو-

۲۴۷ جنم لگن میں اور چندرماں کے ساتھ کوئی پاپی گرہ نہ ہو- برہسپت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

لگن میں ہو۔ آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ شبھ گرہ
کیندر میں ہوں ۔ ۔ ۔ ۔ ۷۰ برس

۲۴۸۔ جنم لگن میں برہسپت پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ چاند دیکھتا ہو۔
آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ ۔ ۔ ۲۲ برس

۲۴۹۔ لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ ۔ ۔ ۲۷ برس

۲۵۰۔ آٹھویں گھر کا مالک نانویں یا لگن میں اور لگن کا مالک آٹھویں
گھر میں ہوں۔ پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں ۔ ۲۴ برس

۲۵۱۔ برہسپت کرک راشی ہو کر لگن میں ہو۔ اور شبھ گرہ ترکون میں ہو۔ ۸۰ برس

۲۵۲۔ چاند اپنی راشی کا ہو کر لگن یا بارہویں گھر میں ہوں اور
شبھ گرہ ساتویں گھر میں ہوں۔ ۔ ۔ ۔ ۶۰ برس

۲۵۳۔ برہسپت اپنی راشی یا درشکانڈ میں ہو۔ ۔ ۔ ۲۷ برس

۲۵۴۔ شبھ گرہ کیندر میں ہوں۔ آٹھویں گھر کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ ۴۰ برس

۲۵۵۔ شبھ گرہ بلوان ہو کر کیندر میں ہوں۔ اور آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو ۳۰ برس

۲۵۶۔ شکر۔ بدھ۔ اپنی راشی میں ہوں۔ برہسپت چندرمان اوچ گھر کے
ہوں۔ مالک لگن بلوان ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۸۰ برس

۲۵۷۔ شبھ گرہ اپنی راشی میں ہوں۔ برہسپت اوچ کا ہو۔ مالک لگن
بلوان ہو کر کیندر میں ترکون ہو۔ ۔ ۔ ۸۰ برس

۲۵۸۔ شبھ گرہ کیندر میں ہوں۔ برہسپت لگن میں ہو۔ آٹھویں گھر
میں کوئی اور گرہ نہ ہو۔ نہ اور گرہ کی درشٹی ہو۔ ۔ ۔ ۷۰ برس

۲۵۹۔ شبھ گرہ اپنی راشی کے ہوں۔ چاند اوچ استھان پر ہوں
لگنیش لگن میں بلوان ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۶۰ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶۰۔ لگنیش بوان ہو کر کیندر میں ہو اور شبھ گرہ اوسکو دیکھتے ہوں۔

۲۶۱۔ لگنیش اگر سورج کا متر ہو۔ تو پورن آیو ہو۔

۲۶۲۔ لگنیش سورج کا مساوی یعنے برابر ہو۔

۲۶۳۔ لگنیش سورج کا شترو ہو۔

۲۶۴۔ ۸۔۱۲ گھر میں سنیچر بدھ راہو ہوں۔ دوسرے گرہ آٹھویں اور بارہویں گھروں کے درمیان آجاویں۔ نور گھر جاوے اگر بچ رہا۔

۲۶۵۔ منگل کے گھر میں برہسپت اور برہسپت کے گھر میں منگل آٹھویں یا بارہویں گھر میں ہوں۔

۲۶۶۔ ۴۔۶۔۸ گھر میں چندرماں پاپی ہو کر ٹھہرے اور باقی گرہ بھی پاپی ہو کر دیں

۲۶۷۔ آٹھویں چندرماں ہوتے راہو ساتویں کوئی پاپی گرہ ہو۔

۲۶۸۔ ناتویں گھر میں سنیچر ہو اور کوئی پاپی گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔

۲۶۹۔ پاپی گرہ جنم لگن اور لگنیش کو دیکھتا۔ چھٹویں آٹھویں گھر میں بدھ ہو۔

۲۷۰۔ ساتویں خواہ آٹھویں گھر میں شکر ہو۔ ناتویں گھر میں سورج ہو۔

۲۷۱۔ چھین چندرماں جنم لگن میں ہو اور پاپی گرہ آٹھویں گھر یا کیندر میں ہو اور لگنیش ساتویں گھر میں ہو۔

۲۷۲۔ ۱۔۶۔۸ گھر میں چاند ہو۔ پاپی گرہ اوسکو پورن دِرِشٹی سے دیکھتا ہو۔

۲۷۳۔ جنم لگن میں راہو ہو۔ ۲۔۷۔۸۔۱۰ گھر میں پاپی گرہ ہوں۔

۲۷۴۔ است یا چھین چندرماں بارہویں گھر میں ہو پاپی گرہ لگن یا آٹھویں گھر میں ہوں۔ اور کوئی شبھ گرہ کیندر میں نہ ہو۔

۲۷۵۔ سورج دسویں گھر میں ہو۔ پاپی گرہ سنگھ یا برچھک یا کرک راس میں ہو کر لگن و لگنیش و چاند کو دیکھتے ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۶ - ۱-۴-۱۰ - پاپی گرہ ہوں - اگر کوئی پاپی گرہ بلوان ہو۔	۲ ماہ ۲ سال
۲۷۷ - ساتویں گھر میں سورج دسویں گھر میں منگل بارہویں گھر راہو ہو۔	جلدی
۲۷۸ - پاپی گرہ مشترو ہو کر آٹھویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ اسکو دیکھتا ہو۔	ا برس
۲۷۹ - منگل - سورج - سنیچر ملکر دشمن کے گھر ہو کر آٹھویں گھر میں آویں - تو	۱ برس
۲۸۰ - چھویں یا نانویں گھر میں چاند ہو۔ اور پاپی گرہ اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتی ہو۔	۱۲ دن
۲۸۱ - چھویں یا نانویں گھر میں چاند ہو۔ اور شبھ گرہ اُسکو دیکھتا ہو۔	۸ برس
۲۸۲ - چھویں یا نانویں گھر میں چاند ہو۔ شبھ گرہ اپنے گھر یا اوچ استھان ہو کر دیکھتا ہوں۔	۱۲ برس
۲۸۳ - لگن سے چھویں یا آٹھویں گھر میں چاند ہو۔ برسات میں رات کے وقت سردی میں دن کے وقت جنم میں	جلدی
۲۸۴ - سنیچر کے گھر میں سورج - اور سورج کے گھر میں چاند اور سورج یا چاند چھویں یا آٹھویں گھر میں ہوں۔	۱۲ برس
۲۸۵ - چھویں یا آٹھویں گھر میں سنیچر و چندرماں دشمن ہو کر آویں۔	۴ برس
۲۸۶ - لگنیش بلوان ہو کر ۴-۵-۷-۱۰ گھر میں ہو۔	۱۰۰ برس
۲۸۷ - لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک بلوان ہو کر چر راس میں ۹۶ برس	۹۶ برس
۲۸۸ - لگنیش استھر راس میں اور آٹھویں گھر کا مالک دوسبھاؤ راس میں بلوان ہوں۔	۹۶ برس
۲۸۹ - لگنیش دوسبھا چر راس میں اور آٹھویں گھر کا مالک بلوان ہو کر استھر راس میں ہو۔	۹۶ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹۰- لگنیش چر راس میں - اور آٹھویں گھر کا مالک استھر راس
میں بلوان ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۶۴ برس

۲۹۱- لگنیش استھر راس میں اور آٹھویں گھر کا مالک چر راس میں بلوان ہو ۴۸ برس

۲۹۲- لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک دونو دوسبھا چر راس میں
بلوان ہو۔ ۔ ۔ ۔ ۴۶ برس

۲۹۳ لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک استھر راس میں بلوان ہو۔ ۳۲ برس

۲۹۴ لگنیش چر راس میں اور آٹھویں کا مالک دوسبھا چر راس میں ہو۔ ۳۲ برس

۲۹۵ لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک دوسبھا چر راس میں بلوان ہوں۔ ۳۲ برس

۲۹۶- جنم لگن اور جس گھر میں چاند ہو۔ دونو چر راس ہوں۔ ۹۶ برس

۲۹۷- جنم لگن استھر اور چاند دوسبھا چر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۹۶ برس

۲۹۸ جنم لگن دوسبھا چر اور چاند استھر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۶۴ برس

۲۹۹ جنم لگن چر اور چاند استھر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۴۶ برس

۳۰۰- جنم لگن استھر اور چاند چر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۴۶ برس

۳۰۱ جنم لگن اور چاند دونو دوسبھا چر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۳۲ برس

۳۰۲ جنم لگن دوسبھا چر اور چاند چر راس میں ہو۔ ۔ ۔ ۳۲ برس

۳۰۳- جنم لگن چر چاند دوسبھا چر راس میں ہو۔ ۳۲ برس

۳۰۴ جنم لگن اور چاند استھر راس میں ہوں۔ ۔ ۔ ۳۲ برس

۳۰۵ دوسرے گھر منگل وشنیچر تیسرے گھر میں راہو ہو۔ ۶-۸- چاند ہو۔ ۷ روز

۳۰۶- ۳-۴-۸ گھروں میں چاند دشمن ہو کر آوے اور باقی گرہ اشبھ حالت میں ہوں [illegible]

۳۰۷- ۲-۳-۸-۷-۱۰ گھر میں پاپی گرہ ہو۔ راہو جنم لگن ہو کر اونکو
دیکھتا ہو۔ اور ۱۲ یا ۱۴ روز میں مر جاوے۔ اگر کوئی شبھ گرہ اون

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گھر نکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو کشٹ اور تکلیف پہونچے۔

لیکن ۱۲-۱۶ برس کو موت سے بچ جاوے۔ بیماری مہلک ہو　۱۲-۱۶ برس

۳۰۸۔ تیسرے گھر کا مالک ۱-۲-۳ گھر میں ہو۔ تو سخت بیماری اور خطرہ موت کا ہو۔ اور اگر وہ گرہ پاپی ہو۔ اور دشمن کے گھر کا ہو کر آٹھویں گھر میں اور پاپی گرہ اسکو دیکھتے ہوں . . . . ۱ برس

۳۰۹۔ منگل سورج سنیچر۔ دشمن ہو کر آٹھویں گھر میں ہوں۔ تو ملک الموت بھی نہیں بچا سکتا ہے۔ . . . . ۱ برس

۳۱۰۔ چاند پاپی یا دشمن ہو کر ۶-۸ گھر میں آوے۔ پاپی گرہ اوس کو دیکھتے ہو۔ شبھ گرہ نربل ہوں۔ . . . . . ۱۲ دن

۳۱۱۔ شبھ گرہ پورن درشٹی سے ۶-۸ گھروں کو دیکھتے ہوں۔　۸ برس

۳۱۲۔ شبھ گرہ پورن درشٹی سے ۶-۸ گھر کو دیکھتے ہوں۔ کوئی پاپی گرہ اپنے گھر کا مالک یا اوچ استھان کا ہو کر پڑے اور چاند اوس کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ . . . . . ۱۶ دن یا ۱۶ برس

۳۱۳۔ چاند نہ پکھ میں وقت رات اور اندھیرے پکھ میں دن کو جنم ہو۔ چاند ۶-۸ گھر میں ہو۔ . . . . ۶-۸ برس

۳۱۴۔ بدھ دشمن ہو کر ۱-۶-۸ گھر میں پڑے۔ تو ۴ دن یا ۴ ماہ یا ۴ برس

۳۱۵۔ بدھ چاند ملکر دشمن ہو کر ۶-۸ گھروں میں آویں تو زہر سے خوف موت ہو۔ . . . . ۱۶ برس

۳۱۶۔ راہ۔ سورج۔ ملکر سنیچر کے گھر میں ہوں۔　۲۰ دن یا ۲۰ ماہ یا ۲۰ برس

۳۱۷۔ لگنیش آٹھویں گھر میں ہو اور کوئی شبھ گرہ اسکو نہ دیکھتا ہو۔ . . . . ۸ دن یا ۸ ماہ یا ۸ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۱۸- سورج کے گھر میں منگل گیارہویں گھر میں سنیچر ۶-۸ گھر میں چاند
ہو۔ تو دوسرے روز اگر کسی اور گرہ بلوان کے بل سے بچ رہا۔
تو دوسرے ماہ یا دوسرے سال فوت ہو۔ ۲ دن ۲ ماہ ۵-۲ برس

۳۱۹- منگل یا سنیچر مالک لگن ہو کر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو بے عمر ہو۔ اگر
شبھ گرہ کی پورن درشٹی ہو۔ تو زندہ رہے۔ . . . . فوراً

۳۲۰- پاپی گرہ چھٹویں گھر میں چاند مالک ہو کر دسویں گھر میں
اور منگل چوتھے گھر میں ہو۔ . . . . جلدی

۳۲۱- چاند بدھ ملکر آٹھویں گھر میں دشمن ہوں۔ - - - - ۲ برس

۳۲۲- منگل ۱-۴-۷ گھر میں ہوں۔ کوئی گرہ شبھ بلوان ہو کر
کیندر میں نہ ہو۔ ۴-۷ دن یا ۴-۷ ماہ-۵ یا ۴-۷ برس

۳۲۳- چاند لگن میں اور کوئی پاپی گرہ ساتویں گھر میں ۱- برس

۳۲۴ چاند پاپی گرہ ساتھ ۱-۵-۸-۹-۱۰-۱۲ گھر میں پاپی ہو کر ہو۔ ۱- برس

۳۲۵- پاپی گرہ دشمن ہو کر آٹھویں گھر میں ہو۔ اور پاپی گرہ دشمن
ہو کر آٹھویں گھر کو دیکھتا ہو۔ . . . . . . ۱- برس

۳۲۶ چاند ۱-۴-۷-۱۰ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور پاپی
گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔ . . . . ۱- برس

۳۲۷- منگل سورج سنیچر ایک انش ملکر بکلا ہو کر ایک گھر میں ہوں
تو معہ ماں باپ کے خوف موت ہے۔ . . . . ۱- برس

۳۲۸- منگل سورج سنیچر ملکر آٹھویں گھر دشمن ہو کر آویں تو بچہ یا باپ
اوسکا فوت ہو۔ - - - - - ۱ ماہ

۳۲۹- سنیچر وکری ہو کر میکھ یا برچھک راس کا ۱-۴-۶-۷-۸-۱۰ ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منگل اوسکو دیکھتا ہو۔ . . . . . .

۳۳۰۔ راہو۔ ۱۔ ۴۔ ۸۔ ۱۰ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ یا اوس پر پورن درشٹی پاپی گرہ کی ہو۔ ۱۰ دن یا ۱۰ ماہ یا ۱۰ برس

۳۳۱۔ پاپی گرہ بلوان ہوکر ۱۔ ۴۔ ۸۔ ۱۰ گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ بلوان نہ ہوں۔ ۱۶ دن یا ۱۶ ماہ یا ۱۶ برس

۳۳۲۔ سنیچر جنم لگن میں ہو۔ اور شبھ گرہ اُسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ ۱۶ دن یا ۱۶ ماہ یا ۱۶ برس

۳۳۳۔ ۶۔ ۸ گھر میں شبھ گرہ نربل یا دشمن ہوکر آوے۔ اور باقی گرہ اشبھ ہوں۔ . . . . ۱ برس

۳۳۴۔ لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ ساتویں گھر میں ہوں اور باقی پاپی گرہ اسکو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ کوئی گرہ بلوان اُس کا مددگار نہ ہو۔ . . . . . ۱ ماہ

۳۳۵۔ شکر۔ کرک یا سنگھ راس میں ہوکر ۱۔ ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھر میں ہو پاپی گرہ اوسکے ساتھ ہو۔ یا اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ . . . . ۶ دن یا ۶ ماہ

۳۳۶۔ بدھ۔ کرک راس میں ہو۔ اور چاند اوسکو دیکھتا ہو۔ اور ۶۔ ۸ گھر میں ہو۔ . . . . ۴ روز یا ۴ ماہ یا ۴ برس

۳۳۷۔ شبھ گرہ ۶۔ ۸۔ ۱۲ میں اور پاپی گرہ ۱۔ ۵۔ ۷۔ ۱۲ گھر میں ہوں۔ اور وقت طلوع سورج کا جنم ہو۔ . . . . ۱ دن

۳۳۸۔ سورج۔ چاند۔ منگل ۸۔ ۹ گھر میں ہوں۔ اور شبھ گرہ اُن کو دیکھتے ہوں۔ . . . . ۹ دن یا ۹ ماہ یا ۹ برس

۳۳۹۔ آٹھویں گھر کا مالک کیندر میں ہو لگنیش نربل پاپی گرہ کے ساتھ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ ۰ ۰ ۰ ۰ ۰ ۔۳۰ دن یا ۱۲ ماہ

مقام اور سبب موت

۲۴۰۔ چاند۔ سورج ۶۔۸ گھر میں ہوں تو حملہ شیر سے موت ہو۔

۲۴۱۔ منگل چوتھے گھر میں اور سنیچر دسویں گھر میں ہو۔ تو حملہ شیر سے موت ہو۔

۲۴۲۔ سورج دسویں گھر میں منگل چوتھے گھر میں و سنیچر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو [illegible] سے موت ہو۔

۲۴۳۔ سنیچر منگل راس میں اور چندرماں آٹھویں گھر میں ہو۔ تو ہتھیار سے موت [illegible]

۲۴۴۔ برہسپت و منگل دسویں گھر میں۔ سورج ساتویں گھر میں ہو۔ تو گھوڑے کی چوٹ سے موت ہو۔

۲۴۵۔ منگل بارہویں اور سنیچر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو بہت خراب موت ہو۔

۲۴۶۔ راہ۔ سورج یکجا ہوں تو تیرتھ یا پربت پر موت ہو۔

۲۴۷۔ منگل چھٹویں گھر میں اور سورج اس کو دیکھتا ہو۔ تو ہتیار سے دشمن [illegible] سے موت ہو۔

۲۴۸۔ شکر۔ منگل۔ آٹھویں میں ہوں تو ہتیار سے موت ہو۔

۲۴۹۔ بدھ و شکر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو کسی مکان پر یا کسی مکان کے اندر موت ہو۔

۲۵۰۔ سورج سنیچر یکجا ہوں۔ تو بھوت پربت سے موت ہو۔ یا کسی [illegible] ازیں قسم سے۔

۲۵۱۔ منگل اور سنیچر آٹھویں گھر میں ہوں۔ تو لٹک کر یا پھانسی سے موت ہو۔

۲۵۲۔ لگنیش اور سورج مکر سنیچر کے گھر میں آویں تو کسی صدمہ ناگہانی سے موت [illegible]

۲۵۳۔ برہسپت بلوان ہو کر ۹۔۵۔۱۲۔۱ گھر میں ہو۔ تو کسی تیرتھ پر موت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۵۵۔ جنم لگن اپنے پر ہو تو اپنے وطن میں موت ہو۔ دو بھاؤ ہو تو غیر جگہ فناہ ہو۔ اگر اس کے برخلاف ہو۔ تو راستہ میں موت ہو۔

۲۵۶۔ بدھ۔ سورج۔ نانویں گھر میں ہوں۔ تو راستہ میں یا کسی دیو مندر مثل شوالہ کے موت ہو۔

۲۵۷۔ چوتھے گھر کا مالک چھیویں گھر میں سنیچر کے ساتھ ہو۔ تو گاڑی یا کسی اور سواری کے صدمہ سے موت ہو۔

۲۵۸۔ چوتھے گھر کا مالک راہ کے ساتھ چھیویں گھر میں ہو۔ تو چور کے ہاتھ سے موت ہو۔

۲۵۹۔ چوتھے گھر کا مالک کیت کے ساتھ چھیویں گھر میں ہو تو لوہے کی چوٹ سے موت ہو۔

۲۶۰۔ منگل۔ سورج۔ ۱۰۔ ۴ گھر میں جمع ہوں۔ تو پتھر کے گرنے سے موت ہو

۲۶۱۔ راہ چوتھے۔ چاند ساتویں۔ منگل دسویں گھر میں ہوں۔ تو کنوئیں میں گرنے سے موت ہو۔

۲۶۲۔ سورج و چاند پاپی گرہ کے ساتھ پاپی گرہ کی درشٹی میں کنیا اس میں ہوں تو کسی سمبندھی کے حملہ یا فریب سے موت ہو۔

۲۶۳۔ چاند مکر اس میں اور سنیچر کرک راس میں ہوں۔ تو پانی میں گرنے یا ڈوبنے سے موت ہو۔

۲۶۴۔ چاند۔ پاپی گرہوں کے بدھ میں منگل کے گھر ہو۔ تو آگ یا ہتھیار سے موت ہو۔

۲۶۵۔ سورج۔ شکر یکجا جنم لگن میں میکھ راشی کے ہوں۔ چاند پاپی گرہ کیساتھ ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت کے سبب سے موت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۶۶۔ سورج و منگل چوتھے گھر میں اور سنیچر دسویں گھر میں ہو۔ تو بیماری سے
سے موت ہو۔

۳۶۷۔ منگل دسویں گھر میں۔ سورج ساتھ سنیچر کے یا سنیچر کی درشٹی میں ج
گھر ہو۔ تو لکڑی کی چوٹ سے موت ہو۔

۳۶۸۔ نانویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ تو تیرتھ میں موت ہو۔

۳۶۹۔ دسویں گھر میں منگل اور چوتھے گھر میں سورج، چھین چندرماں کی درشٹی
میں ہو تو شولا سے موت ہو۔

۳۷۰۔ بدھ، سنیچر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو قید سے موت ہو۔

۳۷۱۔ دسویں گھر میں سورج۔ چوتھے گھر میں منگل ہو۔ تو سواری سے موت ہو۔

۳۷۲۔ سورج و منگل ساتویں گھر میں سنیچر آٹھویں گھر میں، چھین چاند چوتھے گھر میں ہو
تو جانور کے نگل جانے سے موت ہو، اور بھوت پریت سے۔

۳۷۳۔ لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک راہو یا کیت کے ساتھ چھٹویں گھر میں ہو
تو چور کے ہتھیار سے موت ہو۔

۳۷۴۔ لگنیش اور دوسرے گھر کے مالک راہو کیت کے ساتھ ۱۔۸۔۱۲ گھر
ہوں۔ تو پھانسی سے موت ہو۔

۳۷۵۔ لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک چوتھے گھر کے مالک کے ساتھ ہو۔ تو
سواری سے موت ہو۔

۳۷۶۔ آٹھویں گھر میں شبھ گرہ اور چھٹویں گھر کو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو میدان
جنگ میں موت ہو۔

۳۷۷۔ سورج و منگل پورن درشٹی سے جنم لگن کو دیکھتے ہوں۔ تو حملہ سانڈ
بیل سے موت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۸۔ سورج و شنیچر جنم لگن میں ہوں۔ اور راہ دیکھتے ہوں۔ تو درخت کے گرنے سے موت ہو۔

۲۷۹۔ منگل کے گھر میں سنیچر اور برہسپت کے گھر میں بدھ واقع ہو۔ تو حملۂ شیر سے موت ہو۔

۲۸۰۔ سنکر کے گھر میں چاند و سنیچر یکجا ہوں۔ تو ہتھیار سے موت ہو۔

۲۸۱۔ آٹھویں گھر میں شبھ گرہ ہو یا پورن درشٹی سے شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو تیرتھ میں موت ہو یا شبھ استھان۔

۲۸۲۔ نانویں گھر کا مالک شبھ گرہ شبھ حالت میں ہو۔ تو شبھ استھان پر موت ہو۔

۲۸۳۔ چاند۔ دیادھ چھٹویں گھر میں ہو۔ تو زہر سے موت ہو۔

۲۸۴۔ آٹھویں گھر شبھ گرہ ہو۔ اور شبھ گرہ بلوان ہو کر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو سرگ نصیب ہو۔

۲۸۵۔ لگنیش جنم لگن میں آٹھویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں اور نانویں گھر کا مالک نانویں گھر میں ہوں۔ تو سرگ نصیب ہو۔

۲۸۶۔ بدھ۔ سورج۔ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو زہر یا آگ سے موت ہو۔

۲۸۷۔ راہ۔ منگل آٹھویں گھر میں ہو۔ تو زہر ناخون یا دانت کسی جانور سے موت ہو۔

۲۸۸۔ لگنیش نربل اور چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو پانی سے موت ہو۔

۲۸۹۔ چوتھے گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ کیندر میں ہو۔ تو پانی سے خطرہ موت ہو۔

۲۹۰۔ دسویں گھر کے مالک کو چوتھے گھر کا مالک دیکھتا ہو۔ تو پتھر کی چوٹ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سے موت ہو۔

۳۹۱۔ چوتھے گھر کا مالک راہ و سنیچر کے ساتھ ہو۔ منگل دیکھتا ہو۔ تو زہر سے موت ہو۔

۳۹۲۔ سورج و منگل آٹھویں گھر میں ہو۔ تو سر پھٹنے سے موت ہو۔

۳۹۳۔ سنیچر۔ منگل اور دوسرے گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ تو کان کی بیماری سے اندیشہ موت ہو۔

۳۹۴۔ سورج۔ چاند۔ راہ۔ منگل یکجا آٹھویں گھر میں ہوں۔ تو ہاتھ پاؤں کی بیماری سے موت ہو۔

۳۹۵۔ سنیچر کے گھر میں راہ۔ آٹھویں گھر میں منگل کے چندرماں ہوں۔ تو سر کی چوٹ سے موت ہو۔

۳۹۶۔ دسویں گھر میں منگل یا برہسپت شبھ گرہ کی درشٹی میں ہوں۔ تو گنگا نصیب ہو۔

۳۹۷۔ سنیچر و منگل و سورج یکجا ہوں۔ تو برہم ہتیا لگے۔

۳۹۸۔ چاند پاپی گرہ کے گھر میں پورن درشٹی سورج و سنیچر میں ہو۔ تو گاؤ کشی کا دوش لگے۔

۳۹۹۔ کیندر میں کوئی گرہ ہو۔ اور آٹھویں گھر میں پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو گئو ہتیا لگے

۴۰۰۔ چاند بدھ بارھویں گھر میں ہو پاپی گرہ کی پورن درشٹی ہو اور کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ تو جانور مارنے کا دوش لگے۔

۴۰۱۔ آٹھویں گھر میں چر لگن ہو۔ تو پردیس میں موت ہو۔

۴۰۲۔ آٹھویں گھر میں استھر لگن ہو۔ تو اپنے وطن میں موت ہو۔

۴۰۳۔ آٹھویں گھر میں دوسبھاؤ لگن ہو۔ تو راستہ میں موت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۰۴ - آٹھویں گھر میں ہر ایک گرہ جدا جدا موت دیتے ہیں۔

الف - آٹھویں گھر میں سورج ہو۔ تو مرض صفراوی ہے۔

ب - آٹھویں گھر میں منگل ہو تو مرض بلغمی ہے۔

ج - آٹھویں گھر میں منگل ہو۔ تو مرض دموی اور صفراوی ہے۔

د - آٹھویں گھر میں برہسپت ہو۔ تو مرض بادی یا بلغمی ہے

ہ - شکر یا سنیچر آٹھویں گھر میں ہو۔ مرض بادی ہے۔

۴۰۵ - اگر آٹھویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ تو جو گرہ بلوان آٹھویں گھر کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو وہ پردیس آٹھویں گھر ایسکے برابر بھی موت کا دیتا ہے۔

۴۰۶ - اگر آٹھویں گھر کو کوئی گرہ دیکھتا بھی نہ ہو۔ تو دریشکان کے مالک پھل ہوتا ہے۔

طریق دوم

۴۰۷ - بقول پاراشری جس نچھتر میں جنم ہو۔ اُس نچھتر کے جتنے گھڑی پل گذرے ہوں۔ اُن کو ۱۲۰ سے ضرب دیا جاوے حاصل ضرب کو ۱۰ پر تقسیم کریں خارج قسمت سال ہو وینگے تقسیم مذکورہ سے جو کچھ باقی بچے۔ اُسکو ۱۲ سے ضرب دے کر ۹۰ پر تقسیم کریں خارج قسمت ماہ ہوویں گے جو اس تقسیم سے بچے اس کو ۳۰ سے ضرب دیکر ۹۰ پر تقسیم کریں۔ خارج قسمت دن ہونگے۔ باقی کو پھر ۶۰ سے ضرب دیکر ۹۰ پر تقسیم کریں۔ خارج قسمت گھڑی ہونگی۔ باقی کو پھر ۶۰ سے ضرب دیکر ۹۰ پر تقسیم کریں۔ خارج قسمت پل ہونگے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پس برس ۔ ۵ ۰ دن گھڑی پل جس قدر حاصل آویں اُنکو ۱۲۰ سے
تفریق کریں ۔ جو کچھ باقی بچے اُسکو علیحدہ رکھ لیویں ۔
چندرمان وقت جنم جس نچھتر میں ہو ۔ اگر اُس نچھتر کا پہلا چرن ہے تو پانچ
۱۰ اگر دوسرا چرن ہو ۔ تو پانچ برس ۔ اگر تیسرا چرن ہو ۔ تو دس برس
اگر چوتھا چرن ہو ۔ تو بیس برس اُس باقی میں شامل کر لیویں مجموعہ
اس کا اصلی عمر بچہ کی ہوگی ۔

۴۰۸ ۔ مقررہ قاعدہ اور کلیہ مجرب یہ ہے کہ اگر لگنیش اور چاند کیندر ۔ ترکون
یا گیارھویں گھر میں بلوان ہو کر شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی درشٹی
میں ہوں ۔ کسی پاپی گرہ سے قران یا اتصال یا اجتماع نہو ۔ اور نہ کوئی
پاپی گرہ پورن درشٹی سے اُن کو دیکھتا ہو ۔ تو عمر پورن ہوگی ۔ ورنہ کم
بہرصورت لگنیش اور چندرمان کے بل پر تعداد و عمر دراز ۔ متوسط کم کا دار
ہے ۔ اور عام رشیوں کا اسی پر عملدرآمد رہا ہے ۔

طریق سوئم

۴۰۹ ۔ بقول پاراشر جیو تحقیقات عمر میں دو قاعدوں پر عمل چلا آتا ہے ۔
اوّل بنشوتری ۔ دوم اشٹوتری ۔
مطابق بنشوتری کے انسان کی آیو کی تعداد پورن یعنی غایت درجہ ۱۲۰ برس ہے ۔
بروئے اشٹوتری کے کامل درجہ ۱۰۸ برس ۔
۴۱۰ ۔ قاعدہ بنشوتری سے تین طرح عمر حاصل کیجاتی ہے ۔
اوّل ۔ ایشار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دوم . پندار

سوم کمندار

اگر جنم کے وقت لگن بلوان ہو۔ تو عمر ایشار سے

اگر سورج بلوان ہو۔ تو پندار سے۔

اگر چندرماں بلوان ہو۔ تو کمندار سے

عمر حاصل کی جاتی ہے۔ اگر دو بلوان ہوں۔ تو دو قاعدوں سے عمر نکالکر انکو جمع کیا جاتا ہے اور اُن کا نصف عمر قایم کرتے ہیں۔

اگر تینوں بلوان ہوں۔ تو تینوں قاعدوں سے عمر نکال کر اُن کے میزان کا تیسرا حصہ عمر خیال کرتے ہیں۔

اگر تینوں نربل ہوں۔ تو ۱۲۰ برس کو سات پر تقسیم کر کے خارج قسمت عمر حاصل ہوتی ہے۔ مثلاً ۱۲۰ کو سات پر تقسیم کیا۔ تو ساتواں حصہ ۱۷ برس ۱۔ ماہ ۔ ۲۱ دن ۲۵ گھڑی ۴۳ پل ہوتے ہیں۔

۴۱۱ . لگن بلوان اسکو کہتے ہیں۔ کہ لگن مالک لگن میں ہو۔ یا لگن کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ یا لگنیش کو شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ اور کسی اشبھ گرہ کی درشٹی اس پر نہ ہو۔ یا لگن کو شبھ گرہ دیکھتا ہو اور پاپی گرہ کی درشٹی نہ ہو۔ لگنیش اوچ استھان پر یا متر کے گھر میں کیندر ترکون میں ہر طرح بلوان ہو دکھری است نہ ہو۔ ایسی حالتوں میں لگن بلوان ہوتا ہے۔

۴۱۲ . لگن بلوان ہو تو اسکو ایشار کہیں گے۔ اس کے حاصل کرنے کی یہ صورت ہے۔ اول ساتوں گرہ اور لگن جو وقت جنم لگن کا ہے سپشٹ کیا جاوے۔ ہر ایک کا انش ۔ کلا ۔ بکلا ۔ لکھ لیویں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نگنوں کو ۳۰ سے ضرب دیکر حاصل ضرب انس ہو ویں گے ان کو انس
ہائے سپشٹ مذکور میں جمع کیا جاوے۔
کل انس جسقدر ہوں ان کو ۶۰ سے ضرب دیا جاوے جسقدر کلا ہ
آویں ان کو کلا ہائے مذکور میں شامل کیا جاوے۔
بکلا اگر ۳۰ سے زیادہ ہوں۔ تو ایک کا عدد میزان مذکور میں شامل کر
جاوے۔ اگر ۳۰ سے کم ہو تو چھوڑ دیا جاوے۔
کل مجموعہ مندرجہ بالا کو ۲۰۰ پر تقسیم کیا جاوے۔ خارج قسمت برس ہونگے
باقی کو ۱۲ سے ضرب دیکر ۲۰۰ سے تقسیم کرے۔ خارج قسمت ماہ ہوگا۔
باقی کو ۳۰ سے ضرب دیکر ۲۰۰ پر تقسیم کرے۔ خارج قسمت دن ہونگے
باقی کو ۶۰ سے ضرب دیکر ۲۰۰ پر تقسیم کرے۔ خارج قسمت گھڑی ہونگی
باقی کو ۶۰ سے ضرب دیکر ۲۰۰ پر تقسیم کرے خارج قسمت پل ہونگے۔
اس حساب سے برس۔ ماہ۔ دن۔ گھڑی۔ پل جو حاصل آویں ان کو
علیحدہ لکھ لیوے۔ بعد اس کے اسی طرح ہر ایک گرہ کا حساب نکال کر
جدا جدا لکھ لیوے۔
عمر ہر ایک گرہ کی جداگانہ حاصل ہو ویگی۔
اب حالت اوربل ہر ایک گرہ کو دیکھنا ہوگا۔ جو گرہ اپنے گھر میں ہو
یا کینا۔ یا ترکون یا متر کے گھر میں ہو۔ یا متر کی درشٹی میں ہو۔ تو عمر اس
گرہ کی دوگنا کی جاوے۔
اور گرہ اوچ استھان پر ہو۔ تو اسکی عمر تین گونا کیجاوے۔
اسی طرح سب گرہوں کا حساب ٹھیک کیا جاوے۔
جو گرہ شترو کے گھر میں ہو۔ اس کی عمر سے تیسرا حصہ اور جو گرہ نیچ استھان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یا اپنے گھر سے ساتویں گھر میں یا است ہو یا پاپی گرہ ہو کر گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اُسکی عمر کا نصف حصہ لیا جاویگا۔

سنیچر و منگل اگر است بھی ہوں۔ تب بھی اُن کا نصف حصہ نہیں لیا جاوے گا۔ اُنکی عمر سالم شمار ہوویگی۔

جو پاپی گرہ بارہویں گھر میں ہوگا۔ اُس کی سالم عمر چھوڑ دی جاویگی

پاپی گرہ دسویں گھر میں ہو تو تیسرا حصّہ۔

پاپی گرہ اگر نانویں گھر میں ہو۔ تو چوتھا حصّہ۔

پاپی گرہ اگر آٹھویں گھر میں ہو تو پانچواں حصّہ۔

پاپی گرہ اگر ساتویں گھر میں ہو۔ تو چھیواں حصہ عمر اس کی منہا کر دیجاوے۔

شبہ گرہ بارہویں گھر میں ہو۔ اُس کی عمر کا نصف حصّہ۔

اگر وہ گرہ گیارہویں میں ہو۔ تو چہارم حصّہ۔

اگر وہ گرہ دسویں گھر میں ہو۔ تو چھیواں حصّہ۔

اگر وہ گرہ نانویں گھر میں تو ساتواں حصّہ۔

اگر وہ گرہ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو دسواں حصہ

اگر بارہویں گھر میں وہ گرہ ہو تو بارہواں حصّہ عمر اسکی کم کیا جاوے۔

اگر گرہ شبہ اور اشبہ ایک گھر میں ہوں۔ تو اشبہ گرہ کی نصف عمر کو شبہ گرہ کی عمر سے منہا کیا جاوے،

اگر ایک خانہ میں دو یا تین یا چار گرہ جمع ہوں۔ تو گرہ بلوان ہوگا۔ اُس خانہ کا حکم اُسکے متعلق ہوگا۔ یعنے اُسکی عمر سے کم کیا جاویگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پس جو گرہ درجہ اوّل سیکھ لگن سے ہو۔ اُس کا عدد خاص عمر ہوگی۔ دوسرا جو گرہ ہو۔ اُس کے سپشٹ صحیح کو اس کے عدد سے ضرب کر حاصل ضرب کو ۱۶۰۰ سے تقسیم کرے۔ خارج قسمت جو کچھ ہو۔ سال و ماہ و دن و گھڑی کو جملہ عدد اُس گرہ سے وضع کرے۔ مابقی سال و ماہ و دن و گھڑی عمر ہے۔

اسی طرح جملہ گرہوں کا عمل کرے۔ مجموعہ عمر گرہ سال و ماہ و دن کے ساتھ جمع کر لیوے یعنے پہلے گھڑیوں کو جمع کر کے ۶۰ سے تقسیم کرے باقیماندہ گھڑی و خارج قسمت کو دن میں ملا کر ۳۰ سے تقسیم کرے باقی دن و خارج قسمت ماہ میں جمع کر کر بارہ سے تقسیم کرے۔ باقی ماہ و خارج قسمت سال ہوگا۔ جو اصلی عمر ہوگی۔

۴۱۵۔ دوسری تحقیقات عمر اشتوترزی۔ اسکو نمبر ۴۰۷ و ۴۰۸۔ مفصل تحریر کیا گیا ہے۔

طریق چہارم

۴۱۶۔ پستک گرنتھ جنمی سوتر میں عمر انسان کے تین درجے قرار دیے گئے ہیں۔

اوّل۔ الپایو۔ ۳۲ برس

دوم۔ مدھیایو۔ ۶۴ برس

سوم۔ دیرگھایو۔ ۹۶ برس

چہارم کامل عمر ۱۲۰ برس اسی حالت میں ہوگی۔ کہ جب سب اقسام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سے گرہ بلوان ہوں اور کوئی امر مخالف نہو۔

عمر الپاجی ۳۲ برس

۱۷م۔ جنم لگن اور آٹھویں گھر کے مالک اگر دونوں استھر راس میں ہوں تو عمر الپامی ہوتی ہے۔
اگر ایک چر راس میں ہو۔ اور دوسرا دوسبھاؤ راس میں ہو۔ تو عمر الپامی ہوتی ہے۔ اس حالت میں جب مارکیش دشا آویگی تو ضرور موقعہ موت کا ہے۔

عمر مدھیای ۶۴ برس

۱۸م۔ جنم لگن اور آٹھویں گھر کا مالک دونوں دوسبھاؤ راس میں ہوں یا ایک استھر راس اور دوسرا چر راس میں ہو۔ تو عمر مدھیای ہوگی۔

عمر دیرگھائی ۹۶ برس

۱۹م۔ جنم لگن کا مالک اور آٹھویں گھر کا مالک یہ دونوں گرہ اگر چر راس میں ہوں۔ تو دیرگھ عمر ہوتی ہے۔ ایک گرہ استھر راس میں ہو۔ اور دوسرا دوسبھاؤ میں ہو۔ تو دیرگھ آیو ہوگی۔
۲۰م۔ گو تعریف ہر ایک عمر کی اوپر کر دی گئی ہے۔ تاہم نقشہ ذیل بغرض آسانی ودیارتھیوں کے مرتب کیا گیا ہے۔ حالات لگنیش اور مالک آٹھویں گھر۔

عمر	حالت اول	حالت دوم	حالت سوم
الپامی ۳۲ برس	لگنیش استھر راس، آٹھویں گھر کا مالک استھر راس	جنم لگنیش چر راس، آٹھویں گھر کا مالک دوسبھاو راس	لگنیش دوسبھاو راس، آٹھویں گھر کا مالک چر راس
مدھیای ۶۴ برس	لگنیش چر راس، آٹھویں گھر کا مالک استھر راس	لگنیش استھر راس، آٹھویں گھر کا مالک چر راس	لگنیش دوسبھاو راس، آٹھویں گھر کا مالک دوسبھاو راس
دیرگھای ۹۶ برس	لگنیش چر راس، آٹھویں گھر کا مالک چر راس	لگنیش استھر راس، آٹھویں گھر کا مالک دوسبھاو	لگنیش دوسبھاو، آٹھویں گھر کا مالک استھر راس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۲۱۔ لگنیش اور چندرمان سے جیمنی رکھ جی نے جسطرح عمر حاصل کی ہے اسکو نقشہ ذیل میں درج کیا جاتا ہے۔

عمر	حالت اول		حالت دوم		حالت سوم	
	لگنیش	چاند	لگنیش	چاند	لگنیش	چاند
الپایو ۳۲ برس	دوسبھاؤ راس	چرراس	چرراس	دوسبھاؤ راس	استھرراس	استھرراس
مدھیایو ۶۴ برس	چر	استھر	دوسبھاؤ راس	دوسبھاؤ راس	استھرراس	چرراس
دیرگھایو ۹۶ برس	چر	چر	استھرراس	دوسبھاؤ راس	دوسبھاؤ راس	استھرراس

۴۲۲۔ چونکہ ہوڑا لگن سے عمر نکالی جاویگی اس لئے اول ذکر اور طریق ہوڑا لگن کا تحریر کرنا ضروری ہے۔ تمام رات دن کی ۶۰ گھڑی ہوتی ہیں۔ اس کے ۲۴ حصہ کئے گئے۔ تو فی حصہ اڈھائی گھڑی آتا ہے اس کو ہوڑا کہتے ہیں۔

جس روز جنم ہو۔ اس روز وقت طلوع سورج یعنے اودے سورج سے وقت جنم تک جس قدر گھڑی گذر گئی ہیں اُن کو ۲ گھڑی پر تقسیم کرے جسقدر خارج قسمت ہو اُسی قدر ہوڑا لگن کی گذر گئی ہے۔

اگر جنم لگن طاق راشی۔ میکھ۔ متھن۔ سنگھ۔ تلا۔ دھن۔ کمبھ۔ راشی ہو۔ تو ہوڑا۔ اس طریق سے معلوم کرنا چاہئے۔

سورج جس راشی میں ہو۔ اس راشی سے ہوڑا کو شمار کرنا شروع کرے۔ ۲ گھڑی ہوڑا کی خانہ اول سے بدیں تفصیل تقسیم کرے۔ ۱/۲۰ ۲/۲۰ ۳/۲۰ ۴/۲۰ ۵/۲۰ ۶/۲۰
۷/۲۰ ۸/۲۰ ۹/۲۰ ۱۰/۲۰ ۱۱/۲۰ ۱۲/۲۰ جب باراں خانہ ختم ہو جاویں —

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو پھر تیرھویں ہوڑا جب صورت بالا خانہ اول سے شروع کرے۔
اگر جنم لگن کا جفت راشی ۔ برکھ ۔ کرک ۔ کنیا ۔ برچھک ۔ مکر ۔ مین ۔ ہو
تو ہوڑا کا شمار جنم لگن سے شروع کیا جاتا ہے۔
وقت اودے سورج سے اول ہوڑا جنم لگن کا ۔ بعد اس کے خانہ ۲ ۔ ۳ ۔ ۴ ۔
۵ ۔ ۶ ۔ ۷ ۔ ۸ ۔ ۹ ۔ ۱۰ ۔ ۱۱ ۔ ۱۲ بسلسلہ وار ہوڑا ہوتا ہے اور جب
ایک سلسلہ ختم ہو جاوے تو پھر ایک سے شروع کر کر جہاں ختم ہو ختم کیا جاتا ہے

۲۲۳ ۔ جب ہوڑا قایم ہو جاوے ۔ تو پھر اس سے عمر حاصل کیجاتی ہے ۔ جس راشی
میں ہوڑا اور جنم لگن ہو ۔ اس سے تعداد عمر حاصل کرنے کا طریق نقشہ ذیل
میں درج کیا جاتا ہے۔

عمر	حالت اول	حالت دوم	حالت سوم
الپایی ۳۲ برس	جنم راس استھر ہوڑا راس استھر	جنم راس چر ہوڑا راس دوسبھاؤ	ہوڑا راس چر جنم راس دوسبھاؤ
مدھیایی ۶۴ برس	جنم راس چر ہوڑا راس استھر	ہوڑا راس دوسبھاؤ جنم راس دوسبھاؤ	جنم راس استھر ہوڑا راس چر
دیرگھایی ۹۶ برس	جنم راس چر ہوڑا راس چر	جنم راس استھر ہوڑا راس دوسبھاؤ	ہوڑا راس استھر جنم راس دوسبھاؤ

۲۲۴ ۔ اول ۔ لگنیش اور آٹھویں گھر کے مالک سے
دوسرا ۔ لگنیش اور چاند سے ۔
تیسرا ۔ جنم اور ہوڑا لگن سے ۔
مقدار عمر دریافت کر کر تعداد عمر قایم کی جاوے ۔

۲۲۵ ۔ اگر تینوں طریقوں سے ایک ہی تعداد عمر کی آوے ۔ تو بہتر ۔ ورنہ دو طریق

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کی دریافت سے اگر ایک عمر قایم ہو۔ تو بھی مقدار عمر صحیح اور قابل تسلیم ہے
اگر تینوں طریق سے مقدار عمر کا جا جدا پایا جاوے۔ تو تینوں میں سے تعداد
جو جنم لگن اور ہوڑا لگن سے حاصل ہوئی ہے۔ اُسپر اپنا عملدر آمد کرنا چاہئے
اور اُس کو مقدم رکھا جاوے۔

۴۲۶۔ اگر جنم لگن یا ساتویں گھر میں چاند نہ ہو۔ تو جنم لگن اور چندرماں سے تعداد
عمر حاصل کیجاوے۔

۴۲۷ سینچر۔ لگن یا آٹھویں گھر کا مالک ہو۔ تو عمر کو کم کر دیتا ہے۔ بعمر دراز یعنی
دیرگبھائی ہو۔ تو اُسکو متوسط یعنے مدہیائی کر دیتا ہے۔
اگر متوسط یعنے مدہیائی ہو تو اسکو الپائی کر دیتا ہے۔
اگر الپائی ہو۔ تو اُسکو زائل کر دیتا ہے۔
بشرطیکہ کنبہ یا تلا راشی کا نہ ہو۔ کیونکہ اُن میں سینچر خوش اور ممتاز ہوتا ہے
اس لئے عمر کا نقصان نہیں کرتا ہے۔
اگر سینچر پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بھی نقصان
عمر نہیں کرتا ہے۔

۴۲۸۔ برہسپت لگن یا ساتویں گھر میں ہو۔ تو عمر کو زیادہ کرتا ہے اس حد تک کہ
جو جیو بروز جنم مرتو ہونا ہو۔ اُسکی عمر ۱۲ برس کر دیتا ہے۔
جس کی عمر الپائی ہو۔ اُسکو مدہیائی اور جسکی عمر مدہیائی ہو اُسکو دیرگبھ
اور جس کی عمر دیرگبھ ہو اُسکو پورن کر دیتا ہے۔

۴۲۹۔ جو عمر ہر سہ طریقوں سے حاصل ہووے اُسکو نقشہ ذیل میں
درج کیا جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عمر	لگنیش و آٹھویں گھر کے مالک سے	لگنیش اور چندرماں سے	جنم لگن اور ہوڑا لگن سے
الپایی ۳۲ برس			
مدھیایی ۶۴ برس			
دیرگھایی ۹۶ برس			

اس نقشہ سے یہ نتیجہ فوراً نظر آجاویگا۔ کہ ہر ایک طریق سے کیا کیا مقدار عمر قایم ہوتا ہے۔

اگر ہر ۳ طریق سے ایک عمر حاصل آویگی۔ تو اُسپر عملدرآمد کیا جاویگا۔ ورنہ دو طریق سے جو عمر آویگی۔ اُسپر

اگر ہر ۳ طریق کا نتیجہ مختلف ہوگا تو پھر جنم لگن اور ہوڑا لگن کو قایم رکھکر اُسپر عمل کیا جاویگا۔

نیز حالات چندرماں سینچر۔ برہسپت۔ پر بھی بخوبی غور کی جاویگی جس کی نسبت مد نمبر ۴۲۶۔ ۴۲۷۔ ۴۲۸۔ میں ذکر کیا گیا ہے۔

۴۳۰۔ مثال دے کر ہر ایک طریق سے عمر نکال کر درج کی جاویگی۔ مگر اس سے پہلے گرنتھ جنمی موتر سے نقشہ عمر نکالنے کے لئے درج کئے جاتے ہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

انش چکر عمر نکالنے کا

انش	١	٢	٣	٤	٥	٦	٧	٨	٩	١٠	١١	١٢	١٣	١٤	١٥
برس	١	٢	٣	٤	٥	٦	٧	٨	٩	١٠	١١	١٢	١٣	١٤	١٦
ماہ		١	٢	٣	٤	٤	٥	٦	٧	٨	٨	٩	١٠	١١	٠
دن	٢٤	١٨	١٢	٦	٠	٢٤	١٨	١٢	٦	٠	٢٤	١٨	١٢	٦	٠

انش	١٦	١٧	١٨	١٩	٢٠	٢١	٢٢	٢٣	٢٤	٢٥	٢٦	٢٧	٢٨	٢٩	٣٠
برس	١٧	١٨	١٩	٢٠	٢١	٢٢	٢٣	٢٤	٢٥	٢٦	٢٧	٢٨	٢٩	٣٠	٣٢
ماہ	٠	١	٢	٣	٤	٤	٥	٦	٧	٨	٨	٩	١٠	١١	٠
دن	٢٤	١٨	١٢	٦	٠	٢٤	١٨	١٢	٦	٠	٢٤	١٨	١٢	٦	٠

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کلا چکر عمر نکالنے کا

کلا	سن	دن	گھڑی
۱	۰	۶	۲۴
۲	۰	۱۲	۴۸
۳	۰	۱۹	۱۲
۴	۰	۲۱	۳۶
۵	۱	۴	۰
۶	۱	۸	۲۴
۷	۱	۱۴	۴۸
۸	۱	۲۱	۱۲
۹	۱	۲۷	۳۶
۱۰	۲	۴	۰
۱۱	۲	۱۰	۲۴
۱۲	۲	۱۶	۴۸
۱۳	۲	۲۳	۱۲
۱۴	۲	۲۹	۳۶
۱۵	۳	۶	۰
۱۶	۳	۱۲	۲۴
۱۷	۳	۱۸	۴۸
۱۸	۳	۲۵	۱۲
۱۹	۴	۱	۳۶
۲۰	۴	۸	۰
۲۱	۴	۱۴	۲۴
۲۲	۴	۲۰	۴۸
۲۳	۴	۲۷	۱۲
۲۴	۵	۳	۳۶
۲۵	۵	۱۰	۰
۲۶	۵	۱۶	۲۴
۲۷	۵	۲۲	۴۸
۲۸	۵	۲۹	۱۲
۲۹	۶	۵	۳۶
۳۰	۶	۱۲	۰

کلا	سن	دن	گھڑی
۳۱	۶	۱۸	۲۴
۳۲	۶	۲۴	۴۸
۳۳	۷	۱	۱۲
۳۴	۷	۱۷	۳۶
۳۵	۷	۱۴	۰
۳۶	۷	۲۰	۲۴
۳۷	۷	۲۶	۴۸
۳۸	۸	۳	۱۲
۳۹	۸	۹	۳۶
۴۰	۸	۲۴	۱۰
۴۱	۸	۲۲	۲۴
۴۲	۸	۲۸	۴۸
۴۳	۹	۵	۱۲
۴۴	۹	۱۱	۳۶
۴۵	۹	۱۸	۰
۴۶	۹	۲۴	۲۴
۴۷	۱۰	۰	۴۸
۴۸	۱۰	۷	۱۲
۴۹	۱۰	۱۳	۳۶
۵۰	۱۰	۲۰	۰
۵۱	۱۰	۲۶	۲۴
۵۲	۱۱	۲	۴۸
۵۳	۱۱	۹	۱۲
۵۴	۱۱	۱۵	۳۶
۵۵	۱۱	۲۲	۰
۵۶	۱۱	۲۸	۲۴
۵۷	۱۲	۴	۴۸
۵۸	۱۲	۱۱	۱۲
۵۹	۱۲	۱۷	۳۶
۶۰	۱۲	۲۴	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۱۴ جب تک مثال دیکر عمر نکالکر نہ دکھلا دی جاویگی۔ وودیارتھیوں کا سمجھ میں آنا مشکل ہے۔ اس لئے ایک کنڈلی کی عمر نکالکر ذیل میں درج کیجاتی ہے۔

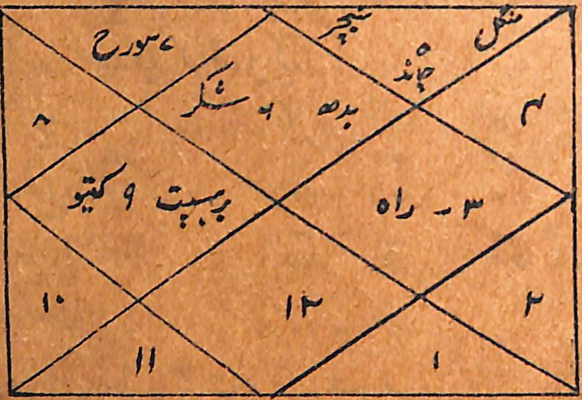

تاریخ جنم ۵۔ کاتک
سمت ۱۹۴۶
ہتھ کرشن پکھ دسمی
وار سنیچر
نچھتر مگھا
لگن کنیا
اشٹ ۵۶ گھڑی ۲۰ پل

۱۔ اول لگنیش اور آٹھویں گھر کے مالک سے عمر

لگنیش دوسبھاؤ راشی میں ہے۔
آٹھویں گھر کا مالک استھر راشی میں ہے } عمر دیرگھ ۹۶۔ برس

دوسرا جنم لگن اور چندرماں سے

لگن دوسبھاؤ ہے
چندرماں استھر راشی میں ہے } عمر دیرگھ ۹۶۔ برس

تیسرا جنم لگن اور ہوڑا سے

لگن دوسبھاؤ ہے۔

اشٹ ۵۶ گھڑی ۲۰ پل شکر کو ۲۰ پر تقسیم کیا۔ ۲۲ صحیح لبے اور ۱ گھڑی ۲ پل باقی بچے
۲۲ کو لگن سے شمار کیا۔ تو ایکبار پورا ہو کر دوسری بار خانہ دس پر ختم ہوا
باقی کسر ۱ گھڑی ۲۰ پل گیارہویں خانہ میں آئے۔ اس لئے کرک
لگن ہوڑا قرار پایا۔ جو چر لگن ہے۔ } عمر الپایو ۳۲۔ برس

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چونکہ دو طریق سے عمر ویرگہہ آئی ہے اس لئے عمر ویرگہہ قرار دیکر اوپر عمل کیا جاتا ہے۔

عمر و یرگہہ خاص تعداد ۹۶ برس ہے۔

تعداد حسب ذیل کو منہائی کیا گیا۔

	آنش	کلا	بکلا
لگنیش	۲۱	۲۶	۴۱
آٹھویں گھر کا مالک	۲۳	۵۵	۱۸
میزان	۴۴	۸۱	۵۹
نصف	۲۲	۴۱	

اب اس نصف کی بابت چکروں سے یہ عمر پائی گئی۔

	برس	ماہ	دن	گھڑی	
۲۲ - انش	۲۴	۵			انش چکر سے
۴۱ - کلا	۰	۸	۲۳	۲۴	کلا چکر سے
۰ بکلا	۰	۰	۰	۰	بکلا چکر سے
میزان	۲۴	۲	۰	۲۳	

اس عمر کو ۹۶ برس سے منہا کیا گیا۔

	برس	ماہ	دن	گھڑی
			۰	۰
عمر ویرگہائی	۹۶	۰		۲۴
منہائی	۲۴	۲	۰	۳۶
باقی	۷۲	۱	۲۹	

۱۹۴۶

چونکہ جنم اس جیو کا $\frac{۵۷}{۲۰}$ گھڑی $\frac{}{\text{پل}}$ - ۵ ر - سکا تک کا ہے - اس میں ۷ - ۳ گھڑی ۲۹ دن - ۱ ماہ ۷۲ برس جمع کئے گئے۔ تو اس کا مجموعہ ۳۲ - گھڑی کا سکا تک سمت ۲۰۱۸ آیا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

	سال	ماہ	دن	گھڑی
جنم	۱۹۴۶	۸	۵	۵۶
عمر	۷۲	۱	۲۹	۳۶
میزان	۲۰۱۸	۱۰	۵	۳۲

بشرطیکہ سپشٹ لگنیش اور آٹھویں گھر کے مالک کا اور اشٹ جنم صحیح ہو۔

نوٹ

ماہ کا شمار ہمیشہ چیت سے شروع ہوتا ہے

طریق پنجم

۳۴۲۔ پاراشر رشی کامل۔ فاضل عالم علم جوتش نے اصول علم جوتش میں زبان سنسکرت میں بڑے بھاری گرنتھ تصنیف فرمائے ہیں۔ اور اُن کو چورانی ادھیائی پر سوتر میں تقسیم کیا ہے۔ اون میں سے صرف ایک ادھیای کا کالادنسفہ اور مارک بچار پر ترجمہ ہوا ہے۔

ترجمہ اشلوک نمبر ۲۲

جنم لگن سے تیسرا اور آٹھواں گھر عمر کے ہیں۔ جنم لگن سے ساتواں اور دوسرا گھر موت کے ہیں۔ عالم ودوان آٹھویں گھر کو موت کا گھر کہتے ہیں۔ یہ امر قرین قیاس نہیں ہے کیونکہ جو گھر جس گھر کے سامنے ہوتا ہے وہ اس کا ہلاک اور مخالف ہوتا ہے۔ چنانچہ جنم لگن سے ساتواں گھر اوسکے سامنے کا اُس کا ہلاک یعنے مارنے والا ہوتا ہے یعنے دوسرے کو ہلاک کرتا ہے۔ جنم لگن سر ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

آٹھویں گھر سے دوسرا گھر اُس کے سامنے کا زندگی یعنے عمر کو ہلاک کرنے

ترجمہ شلوک نمبر ۲۳ و ۲۴

۳۳۴۔ بساتویں گھر سے دوسرا گھر زیادہ بلوان ہے کیونکہ آٹھویں گھر عمر کا ہلاک کرنے والا ہے۔

دوسرے وساتویں گھر کے مالک یا وہ پاپی گرہ جو دوسرے اور ساتویں گھر میں پڑے ہوں یا اُن کے ساتھ ایک گھر میں آئے ہوں اونمیں سے جب کسی گرہ کی دشا آوے۔ تب موت آتی ہے بشرطیکہ یوگ عمر الپاٹی یا مدھیایی یا دیرگھایی کا آگیا ہو۔

اگر وہ لوگ دوسرے اور ساتویں گھر کے مالک یا دیگر پاپی گرہوں کی جو ان گھروں میں ہوں یا اُن کے ساتھ ہوں۔ دشا میں نہ آوے۔ اور ... گھر کے مالک کے دشا ہو۔ اور اُس میں وہ یوگ آجاوے تب ... موت ہو جایا کرتی ہے۔ اگر مارکیش گرہوں کی دشا آجاوے ... وہ یوگ نہ آیا ہو۔ تو پھر موت کا ہونا ممکن ہے۔ اگر دونوں گرہ مارکیش ساتویں اور دوسرے گھر کے مالک شبہ استھان پر بلوان ہوویں تو اپنا موقع آیو کھنڈ کا پورا کرینگے۔

۴۳۵۔ پلاشری کا واک ہے کہ جنم لگن کا مالک پنج دہ میتری چکر میں اگر سورج کا متر ہو۔ تو عمر دیرگھایی ہوگی۔ اگر سم یعنے برابر ہے تو مدھیایی ہوگی۔ اگر شترو ہیں۔ تو الپایی ہوگی۔

لیکن تجربہ میں ثابت ہو چکا ہے کہ جس کی کنڈلی میں الپایی یوگ ہوتا ہے۔ اوسکی موت جنم دشا سے تیسرے دشا میں ہوتی ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جس کی کنڈلی میں بدہیای یوگ ہوتا ہے۔ اسکی موت جنم وشا سے پانچویں وشا میں ہوتی ہے۔ جس کی کنڈلی میں دیرگھای یوگ ہوتا ہے تو اس کی موت جنم وشا سے ساتویں وشا میں ہوتی ہے۔

اگر ہر شتہ آیو مذکورسے کوئی یوگ نہ ہو۔ اور مارکیش وشا آجاوے تو ہرگز موت نہیں ہوتی ہے۔ البتہ پریشانی۔ فکر۔ بیماری۔ رنج۔ غم ضرور آویگا۔

لیکن اس موقع پر کامل بچاؤ اور غور کی ضرورت ہے کیونکہ گرہ مالک وشا جیسی حالت میں ہے۔ وہ ویسی تکلیف پہونچاوے گا۔

مثلاً اگر چھٹویں گھر میں اتفاق ہے۔ تو ترقی بیماری اور مقابلہ مخالفان۔ اور اگر بارہویں گھر میں ہے۔ تو بےجا خرچ۔ نقصان زر۔ خوف سزا اور قید وغیرہ کا ہوتا ہے۔

وشا کے پھل میں جوگ کے پھل کا ضرور خیال کرنا مناسب ہے کیونکہ اوس سے خاص خاص اوقات پر ایسے نتائج نکلتے ہیں جو بالخصوص اس قدرتی علم پر نجم کامل والتے ہیں۔ مثلاً سنگھ لگن کے جنم سے سورج بدھ۔ کرک راشی میں ہیں۔ تو جب سورج کی وشا میں انتر وشا بدھ کی آوے گی۔ تو علاوہ اور پھل کے جو عام ودوان جانتے ہیں۔ داغ سفید ضرور ظاہر ہوویں گے۔ کیونکہ سورج و بدھ کا پھل کرک راشی میں داغ سفید لانا ضروری ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۳۵- اس امر کا خیال کرنا نہایت ضروری ہے۔ کہ بہت لوگ ایسے ہیں۔ کہ
انتظار وشا مارک کا ہرگز نہیں کرتے ہیں۔ اور اُن سے
موت آجاتی ہے۔ جن کو طریق اول میں بیان کر دیا
گیا ہے۔
مثلاً ایست وار کو بہرنی نچھتر میں جنم ہو۔ تو ایک برس میں بچہ
مرجاتا ہے۔ اندرین قسم اور اور۔

ترجمہ اشلوک نمبر ۲۵

۴۳۶- اگر پچھلے وشاوں میں عمر کا کھند نہ آوے۔ اور وہ کھند آیو بر...
قسم میں سے اوس زمانہ میں آجاوے۔ کہ جب وشا اوس گرہ کی آجا...
جو بارھویں گھر کے مالک ساتھ سمبندھ کرتا ہوئے
ایک جگہ ہو یا پورن ورشٹی ہو۔ تو تب موت ہو جاتی
ہے۔
اور شبہ گرہ کی وشا میں بھی لیشر ملے یوگ آیو کھنڈ۔ الپائی
بدھیائی۔ وریگھائی موت آجاتی ہے۔
حالانکہ شبہ گرہ موت کارک نہیں ہوتے ہیں۔ لیکن جو وقت
یوگ عمر کھند کا آجاتا ہے۔ تو شبہ گرہ بھی باعث موت
ہو جاتے ہیں۔
البتہ اس قدر رعایت ضرور ہوتی ہے۔ کہ شبہ گرہوں کی وشا
میں موت ہو۔ تو تکلیف کم پہونچتی ہے۔ جیسا کہ پاپی گرہوں کی
وشا میں کلیش پہونچتا ہے۔
اگر یوگ آیو کھند آجاوے تو آٹھویں گھر کے مالک کی وشا میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بھی موت ہوتی ہے۔ اور ایسے موقعہ پر انتر دشا میں بھی موت آجاتی ہے کہ مالک دشا سے جو گرہ چھیویں۔ آٹھویں۔ بارہویں گھر جنم کنڈلی میں ہو۔ نربل اور است۔ پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو تو ایسے گرہ کی انتر دشا میں بھی موت آجاتی ہے۔

ترجمہ اشلوک نمبر ۲۶

۴۳۷۔ تیسرے چھویں۔ گیارہویں۔ گھر کا مالک گرہ بھی پاپی ہوتے ہیں اون کی دشا بھی اگر یوگ آیو کھنڈ میں آجاوے۔ تو موت ہو جاتی ہے۔

یہ پھل اوسوقت مانا جاوے گا۔ کہ جب مارکیش گرہ کی دشا یوگ آیو کھنڈ میں نہ آوے۔ جہاں تک مارکیش کی دشا کا آیو یوگ میں پھل ہے۔ وہاں تک کسی اور گرہ پاپی کا پھل بلوان خیال نہیں کیا جاویگا۔

ترجمہ اشلوک نمبر ۲۷

۴۳۸۔ سینچر اگر کنڈلی میں پاپی ہو کر مارکیش سے سنبندھ کرتا ہو۔ تو سینچر کی دشا میں اگر آیو یوگ آجاوے۔ تو ضرور موت ہوگی۔ کیونکہ جس حالت میں وہ اکیلا اگر مارکیش ہو۔ تو موت کے لئے کافی ہے تو پھر امداد دوسری گرہ سے موت میں کیا شبہ شک ہو سکتا ہے۔

۴۳۹۔ پستک ہائے سنسکرت اور عربی و یونانی وغیرہ میں عمر کا زیادہ تر تعلق سینچر سے رکھا گیا ہے۔

لگنیش اور برہسپت و سینچر اور اور آٹھویں گھر کا مالک اگر کنڈلی جنم میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بلوان اور شبہ حالت میں ہوں۔ تو عمر دراز یعنے دیرگھای ہوتی ہے
سب سے زیادہ ترشبہ حالت میں ہونا سینچر کا مقدم ہے۔ اگر
آشبہ حالت میں ہو۔ تو تمام عمر تفکرات اور حادثہ اور رنج غم
میں لبسر ہوتی ہے۔

نوٹ

مگر خالی سینچر بلوان اور شبہ حالت میں ہو۔ تو عمر دراز اور ہر طرح
سے زمانہ عمر خوشحالی۔ اور فرخندگی۔ میں لبسر ہوتا ہے۔ کیونکہ جب
یہ گرہ نحوست میں کامل ہے۔ اسیطرح سعادت [illegible] کی بھی بدرجہ
کمال ہے۔

تمریان چندرمان

۔۱۲ خالی چندرماں کسی حالت میں باقی گرہوں کے پہلا دلیش کو نسبھل
کر اپنا پہلا دلیش کامل نہیں دکھلا سکتا۔ کیونکہ باقی گرہوں
کے بل سے نربل حالت میں بھی بلوان ہو جاتا ہے۔ اور جب وہ
نربل ہوں۔ تو اکیلا اس کا پورن پہلا دلیش نہیں دکھلا سکتا
ہے۔ مگر چونکہ وودوانوں نے اس کا اکیلا پہلا دلیش جداگانہ
تحریر کیا ہے۔ اس لئے اُس کو اس موقعہ پر درج کیا جاتا
ہے۔

۔۱۳ میکھ لگن میں چاند ہو۔ پہلے سال بیماری بخ۔ ۱۰۔ ۱۲ ویں سال میں
بیماری وچیچک۔ ۲۲۔ ۲۳ برس میں خوف پانی۔ ۲۵ برس میں جنم
بیٹیا۔ ۲۶ برس میں تکلیف سر پر۔ کاتک سودی ۹ بدھ والے دن
نجھتر۔ آدھی رات کو مرتو ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر چاند ہر طرح بلوان ۔ اور باقی گرہ شبہ حالت میں ہوں ۔ تو عمر ۹۰
برس ہو۔

۲۴۴ ۔ برکھ لگن میں چاند ہو۔ پہلے سال کلیش ۔ تیسرے سال کچھ خطرہ ۔ ۷
۔ ۹ برس شکایت ۔ بیماری ۔ بدہضمی ۔ دسویں سال دم کشی ۔ بارھویں
سال درخت سے گرنیکا خوف ۔ سولھویں سال سانپ کا خطرہ ۔ ۱۹ ویں
برس درد بدن اور رنج وغم ۔ بھاگن شدی ۵ بشکروار ۔ دوپہر چھتر
میں مرتو ہو ۔ اگر چندرمان اور باقی گرہ بلوان اور شبہ حالت میں ہوں تو ۹۰ برس ۔

۳۴۴ ۔ متھن لگن میں چاند ہو ۔ اول اور آخر میں تکلیف ۔ درمیانہ عمر میں
آرام ۔ ۵ برس گرنے کا خوف ۔ ۱۲ ۔ برس دشمن کا ڈر ۔ ۱۸ برس
کلیش ۔ ۳۰ ۔ برس بیماری ۔ پوہ بدی ۱۲ ۔ دن بدھ ۔ اُتھست نچھتر دوپہر
کو مرتو ہو ۔

۴۴۴ ۔ کرک لگن میں چاند ہو ۔ اول عمر غریب متوسط خوشحالی ۔ آخر میں علالت
اور تیرتھ یاترا ۔ ۱ ۔ برس کلیش ۔ ۳ ۔ برس بیماری ۔ ۲۱ ۔ برس
ڈر سانپ ۲۲ ۔ برس بخار شدت ۔ ماگھ شدی ۹ ۔ دن شکر
روہنی نچھتر میں مرتو ۔
چندرماں اور دیگر گرہ بلوان اور شبہ حالت میں ہوں ۔ تو عمر
۸۵ ۔ ۸۶ ۔ برس ۔

۵۴۴ ۔ سنگھ لگن میں چاند ہو ۔ ۱ ۔ برس ڈر سایہ وغیرہ ۔ ۵ برس ڈر
آگ ۷ برس بخار ۔ ۱۵ ۔ برس ڈر سانپ اور بدہضمی ۔ ۲۱ برس
کلیش ۔ ۲۸ برس بیماری ۔ ۳۲ ۔ برس مرض سوداوی بھاگن
بدی ۵ ۔ دن سوم ۔ وقت دوپہر کو مرتو ہو ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر چاند اور دیگر گرہ لگنیش بلوان ہو۔ تو عمر ۶۴ برس

۶ ہم۔ کنیا لگن میں چاند ہو۔ تو ۳۔ برس خوف آگ۔ ۵ برس بیماری آنکھ
۹۔ ۱۲ برس بخار۔ ۱۵۔ برس خوف سانپ۔ ۲۱ برس گرنیکا خوف
۳۰۔ برس جنگل میں خطرہ جان۔ چیت بدی ۱۳ دن آیت کو مرتو ہو۔

اگر چاند بلوان ہو۔ اور باقی گرہ شبہ حالت میں ہوں تو
عمر ۸۰ برس۔

۷ ہم۔ تلا لگن میں چاند ہو۔ ۷۔ برس خوف آگ۔ ۸۔ برس بخار۔ ۱۲ برس خوف
پانی۔ ۳۰ برس خطرہ گرنے کا۔ اور زہر سانپ۔ ۲۱ برس کلیش۔ لبھاکہ
بدی ۸ دن شکرا شلیکھا نچھتر پہلے پہر میں مرتو۔

اگر چاند بلوان ہو۔ اور دیگر گرہ شبہ حالت میں ہوں۔ تو عمر ۸۵ برس

۸ ہم برچھک لگن میں چاند ہو۔ ۱۔ برس بخار ۳ برس خوف آگ ۵۔ ۱۵ برس
بخار۔ ۲۵۔ برس بیماری۔ جیٹھ سدی ۱۰ دن بارھ مہت نچھتر دوپہر کو مرتو ہو

اگر چندرماں بلوان ہو تو ۹۰ برس دوسرے سب گرہ شبھ حالت میں ہوں۔

۹ ہم۔ دہن لگن میں چاند ہو۔ ۱ سال بیماری باد ہا۔ ۱۳۔ ۲۸۔ برس کلیش ہاڑ
سدی ۵۔ مہت نچھتر دن بدھ رات کو مرتو ہو۔

اگر چاند بلوان ہو۔ تو عمر ۷۵ برس اور دوسرے سب گرہ شبھ حالت میں ہوں۔

۱۰ ہم مکر لگن میں چاند ہو۔ ۵۔ برس تکلیف۔ ۷ برس پانی کا ڈر۔ ۱۰ برس گرنے
کا ڈر۔ ۱۲ برس دشمن کا ڈر۔ ۲۰ برس بخار۔ ۲۵۔ ۳۵ برس خطرہ
ساتویں سدی ۱۰ دن شکر جیشٹھا نچھتر کو مرتو۔

چندرماں بلوان اور دیگر گرہ شبہ حالت میں ہوں تو عمر
۹۰ برس۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۵۱۔ کنیہ لگن میں چاند ہو۔ ۱۔ سال کلیش۔ ۵۔ ۱۲ خطرہ ۵۔ ۲۸۔ برس خطرہ سانپ یا چوٹ چور۔ بھادوں شدی ۴۔ دن سنیچر۔ بھرنی نچھتر دوپہر کو مرتو ہو چندرماں بلوان ہو۔ اور باقی گرہ شبھ حالت میں ہوں تو عمر ۷۶۔ برس۔

۴۵۲۔ مین لگن میں چاند ہو۔ ۵۔ برس پانی کا ڈر۔ ۸ برس بخار۔ ۲۲ برس کلیش کاتک بدی ۱۴۔ دن بدھ مرتو ہو۔ اگر چندرماں اور دیگر گرہ بلوان ہوں۔ تو عمر ۱۰۰ سال ہو۔

نوٹ

گو یہ پہلا ویش کسی خاص گھر کنڈلی کے متعلق درج نہیں تھا۔ مگر چونکہ اس سے آیو اور زمانہ تکلیف دکھ ظاہر ہوتا ہے اسلئے اسکو آٹھویں گھر میں لکھا گیا ہے۔

۴۵۳۔ آٹھویں یا بارہویں گھر میں منگل کے گھر میں برہسپت اور برہسپت کے گھر میں منگل ہو۔ اور دن جنم سے بارہویں برس موت ہو۔

۴۵۴۔ ۴۔ ۶۔ ۸ گھر میں چاند ہو۔ اور باقی گرہ اشبھ حالت میں ہوں۔ تو دن جنم سے بارہویں دن مرتو ہو۔

۴۵۵۔ آٹھویں گھر میں چاند۔ چوتھے گھر میں راہو۔ ساتویں گھر میں کوئی پاپی گرہ ہو۔ تو ایک سال میں مرتو ہو۔

۴۵۶۔ نانویں گھر میں سنیچر ہو۔ اور اسکو پاپی گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو جنم دن سے ۱۲ ویں دن مرتو ہو۔

۴۵۷۔ پاپی گرہ جنم لگن کو دیکھتا ہو۔ چھیویں یا آٹھویں گھر میں بدھ ہو تو چوتھے برس مرتو ہو۔

۴۵۸۔ ساتویں یا آٹھویں گھر میں شکر اور نانویں گھر میں سورج ہو تو ۲۵ ویں برس مرتو ہو

۴۵۹۔ چھین چاند لگن میں اور پاپی گرہ آٹھویں یا کیندر گھر میں ہو۔ اور لگنیش آٹھویں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گھر میں ہو۔ تو جلد مرتو ہو۔

۴۶۰۔ ۱۔ ۶۔ ۸ گھر میں چاند ہو۔ اور پاپی گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔ تو جنم دن سے بارہویں دن مرتو ہو۔

۴۶۱۔ جنم لگن میں راہو ۲۔ ۷۔ ۸۔ ۱۰ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو بارہ یا سولہ برس کو مرتو ہو۔

۴۶۲۔ چھن چاند بارہویں گھر میں اور پاپی گرہ آٹھویں ہو۔ کوئی شبہ گرہ کیندر گھر میں نہ ہو۔ تو فوراً مرتو ہو۔

۴۶۳۔ سورج دسویں گھر میں ہو۔ اور کوئی پاپی گرہ میکھ یا برچھک یا کرک راس میں ہوکر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو جلدی مرتو ہو۔

۴۶۴۔ راہو یا برہسپت شترو کے گھر میں ہوکر پہلے یا چوتھے گھر میں ہوں تو ۲۳۔ برس کو مرتو ہو۔

۴۶۵۔ ۸۔ ۱۔ ۱۰ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو جنم سے دو مہینہ میں مرتو ہو۔

۴۶۶۔ ساتویں گھر میں سورج۔ اور دسویں گھر میں منگل۔ اور بارہویں گھر میں راہو ہو۔ تو جلدی مرتو ہو۔

۴۶۷۔ اگر کوئی پاپی گرہ دشمن ہوکر آٹھویں گھر میں ہو۔ اور کوئی اور پاپی گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔ تو ایک برس کے بعد مرتو ہوگا۔

۴۶۸۔ منگل۔ سورج۔ سنیچر۔ مگر دشمن ہوکر آٹھویں گھر میں ہوں۔ اور شبہ گرہ خواہ شبہ استھانوں پر ہوں۔ تب بھی ایک برس کے بعد مرتو ہو۔

۴۶۹۔ ۶۔ ۹ گھر میں چاند ہو۔ اور اوسکو پاپی گرہ پورن دشٹی سے دیکھتا ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو بارہویں دن مرتو ہو۔ اگر اوسکو شبہ گرہ دیکھتا ہو۔ تو آٹھویں برس اور وہ شبہ گرہ اوچ استھان کا ہوکر دیکھتا ہو۔ تو ۱۶ ادیں برس مرتو ہو۔

۲۷۰ - برسات میں رات کے وقت اور گرمی میں دن کے وقت جنم ہو۔ چاند ۶۔ ۸۔ گھر میں ہو۔ تو مرتو کا ہی ڈر ہوگا۔

۲۷۱۔ سینچر کے گھر میں سورج - اور سورج کے گھر میں چاند ۶-۸ گھر میں سورج یا چاند ہو۔ تو بارہویں برس مرتو ہو۔

۲۷۲۔ سینچر و چاند مار ملکر چھیویں آٹھویں گھر میں شترو ہوکر آویں تو چوتھے برس مرتو ہو۔

۲۷۳۔ چاند - بدھ - ملکر چھیویں یا آٹھویں گھر میں آویں تو زہر سے مرتو ہو۔

۲۷۴۔ راہو۔ سورج کے ساتھ سینچر کے گھر مکر۔ کنبھ۔ راس میں ہو۔ تو بیس برس میں اندیشہ مرتو ہو۔

۲۷۵۔ لگنیش آٹھویں گھر میں ہو۔ اور کوئی شبہ گرہ بلوان ہوکر آٹھویں گھر کو دیکھتا ہو۔ تو آٹھویں برس مرتو ہو۔

۲۷۶۔ سنگھ راس میں منگل ہو۔ اور گیارہویں گھر میں سینچر ہو۔ اور ۶-۸ گھر میں چاند ہو۔ تو جلدی مرتو ہو۔ اور اگر ایسے یوگ میں کوئی پاپ گرہ دوسرے یا چوتھے گھر میں ہو۔ تو تمام خاندان کو حیران اور پریشان کرے۔

۲۷۷۔ جنم لگن کا مالک منگل یا سینچر ہو۔ اور وہ آٹھویں گھر میں ہو۔ اور شبہ گرہ کے اوسپر درشٹی نہ ہو۔ تو اُسکی زندگی کا بالکل اعتبار نہیں ہے۔

۲۷۸۔ سینچر۔ سورج۔ منگل۔ راہو۔ پانچویں گھر میں ہوں۔ تو ایک مہینہ تک خوف مرتو ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۷۹۔ پانچویں اور نانویں گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو جلد مرتو ہو۔ اگر زندہ ہے تو مند بھاگ اور نردھن ہو۔

۴۸۰۔ پاکھنڈ یوگ ۱۔۲۔۵ گھروںمیں پاپی گرہ ہوں۔ تو اپنے خاندان کو برباد کردیوے۔ اور اگر کوئی پاپی گرہ ۶۔ گھر میں ہو۔ اور چاند دسویں گھر میں مالک ہوکر ہو۔ اور چوتھے گھر میں منگل ہو۔ تو جلد مرتو ہو۔

۴۸۱۔ جنم لگن سنگھ ہو۔ منگل سنگھ یا برچھک راس ہوکر آوے تو اندر ایک ماہ کے مرتو ہو۔

۴۸۲۔ ۲۔ ۱۲۔ گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ اور کوئی پاپی گرہ اونکو دیکھتا ہو۔ تو بھائی ماتا۔ پتا کو سخت کلیش کاری ہو۔

۴۸۳۔ کھب ایکھا یوگ جنم لگن میں راہو۔ سورج۔ اور آٹھویں گھر میں سنیچر اور تیسرے گھر میں منگل ہو۔ یا لگن میں سنیچر۔ سورج اور دوسرے گھر میں منگل اور کیندر میں چاند ۱۲۔۶ گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو بھائی ماتا۔ پتا سب کلیش میں ہوں۔

۴۸۴۔ ۱۔۴۔ ۷۔۸۔ گھر میں منگل ہو۔ اور شبھ گرہ شبھ استھانوں پر بلوان نہ ہوں۔ تو جلد مرتو ہو۔

۴۸۵۔ برہسپت کیندر میں بلوان ہو۔ تو عمر دیرگھا ہی کرتا ہے۔ اگر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو آیو کا ناس کرتا ہے۔ کیونکہ اوسکا نیم ہے۔ کہ جس گھر میں ہو۔ اوس کا ناس اور جہاں اوس کی پورن درشٹی ہو۔ اوسکی پالنا کرتا ہے۔

۴۸۶۔ آیت۔ منگل سنیچر کے دن جنم ہو۔ بھرنی کرتکا۔ اشلیکھا لبساکھا بھشتر ہو ۲۔ ۸ تتھ ہو۔ تو تمام گھر بار کو ناس کرے گا۔ کیونکہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یہ یوگ دن مجہتر۔ تنتھ کا اُتی آشیبہ اور کلیش کاری ہے

۴۸۷۔ ساتویں یا بارہویں گھر میں سورج اور منگل ہوں۔ ۱۔ ۶۔ ۸ گھر میں سینچر ہو۔ تو بچہ جلدی مرتو ہوگا۔

۴۸۸۔ چندر ماں شکلا پکھہ کا ۱۔ ۸۔ گھر میں ہو۔ تو جلد مرتو ہو۔ اگر اندھیری پکھہ میں دن کو اور چاندنی پکھہ میں رات کو جنم ہو تو دوش ۶۔ ۸ گھر کا دور ہو جاویگا۔

۴۸۹۔ سورج۔ منگل۔ شکر۔ سینچر ملکر پانچویں گھر میں ہوں۔ تو بچہ اور ماتا پتا اور بھائیوں کی مرتو ہو۔

۴۹۰۔ راہو اگر ۱۔ ۷۔ ۸ گھر میں ہو۔ تو چوتھے سال مرتو ہو۔ بشرطیکہ اور گرہ بلوان نہ ہوں۔

۴۹۱۔ راہو اگر ۴۔ ۱۰ گھر میں ہو۔ تو دس مہینہ میں مرتو ہوگا بشرطیکہ اور گرہ بلوان نہ ہو۔

۴۹۲۔ آٹھویں یا کیندر میں چاند سینچر ملکر آویں۔ اور چوتھے گھر میں چاند ہو تو تین ماہ تک امید زندگی ہے۔

۴۹۳۔ چاند۔ سینچر اگر ۱۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ملکر آویں۔ تو بچہ جلدی مرتو ہوگا۔ کیونکہ چاند پاپی گرہ کے ساتھ پاپ استھانوں میں ہے۔

۴۹۴۔ پانچویں چاند ہو۔ اور ترکون میں برہسپت ہو۔ اور دسویں منگل ہو۔ تو عمر دراز ہوگی۔

۴۹۵۔ اگر لگن یا لگنیش کے دونوں طرف آگے اور پیچھے پاپی گرہ ہوں۔ تو منش کے سر کو تکلیف پہونچے گی ❊

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۹۶۔ اگر چندرماں کے دونوں طرف آگے پیچھے پاپی گرہ ہوں۔ تو ور
یعنے ہردے منش کو کلیش ہوگا۔

۴۹۷۔ کرتری یوگ۔ اگر لگن یا لگنیش یا چاند کے دوسرے گھر میں پاپی
گرہ وکری ہو۔ اور بارہویں گھر میں پاپی گرہ مارگی ہو۔ یعنے بر
چلتا ہو۔ تو ایسے یوگ والا قید ہو جاوے یا سخت بیمار ہو کر م
جاوے۔

۴۹۸۔ اگر لگنیش یا چاند آٹھویں گھر میں شترو یا نیچ استھان یا
گھر سے ساتویں گھر میں ہو۔ تو بسبب بیماری اور کلیش دخواری
یا دوکھ... شتروان یا بندن میں ہونے
مرتو ہو۔

وقت موت

۴۹۹۔ لگن اور آٹھویں دسویں گھر کے مالکان اور سنیچر ان چار
میں سے۔ جو گرہ نربل ہو کر راہو کے ساتھ
پڑا ہو۔ اس کی دشا انتر دشا میں موت
آوے گی۔

۵۰۰۔ یا اس گرہ کے ساتھ ہو۔ جو گرہ پڑا ہو۔ یا جو
گرہ اس کو دیکھتا ہو۔ اس کی دشا انتر دشا
میں موت ہوگی۔

۵۰۱۔ بیکھ راشی خانہ ہشتم میں ہو۔ تو خوف تدبیر یاری قرض
نقصان از چوری۔

۵۰۲۔ برکھ راشی خانہ ہشتم میں ہو۔ تو شادی با ساتی ہو۔ ہر ایک کا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

متعلق عداوت و شر کا ئیاں بخوبی انجام ہو۔ جملہ دشمنان اور حاسدان سے محفوظ رہے۔

۵۰۳۔ متھن راشی خانہ ہشتم میں ہو۔ تو مقدمات وراثت۔ خوف معاملات دیوانی و بیماری۔

۵۰۴۔ کرک راشی خانہ ہشتم میں ہو۔ تو تنازعات وراثت میں مال وراثت حاصل ہو۔

۵۰۵۔ سنگھ راشی خانہ ہشتم میں ہو۔ تو حکام اور بزرگان سے خوف تنازعات وراثت۔

۵۰۶۔ کنیہ خانہ ہشتم میں ہو۔ تو مال میراث حاصل ہو۔ زیر باری قرضہ تنازعات میں توقف۔

۵۰۷۔ تلا خانہ ہشتم میں ہو۔ تو صحت سلامتی اور بے خوفی خوشی مال میراث عورت۔

۵۰۸۔ برچھک خانہ ہشتم میں ہو۔ تو تنازعات مال میراث اور جنگ جدل۔ خوف و اندیشہ۔

۵۰۹۔ دہن خانہ ہشتم میں ہو۔ تو خوف دشمن اور تنازعہ مال میراث ہو۔

۵۱۰۔ مکر خانہ ہشتم میں ہو۔ تو جنگ خصومت۔ تنازعات وراثت۔ خوف خطرہ۔ زیر باری قرضہ۔ ملنا وراثت۔

۵۱۱۔ کنبھ خانہ ہشتم میں ہو۔ تو مال میراث ملے۔

۵۱۲۔ مین خانہ ہشتم میں ہو۔ تو خوف دشمن۔ اور امید ملنے املاک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

الارنج بزرگان۔

۵۱۳۔ اگر آیت وار منگل یا سینچر وار مولود تولد ہو۔ بھرنی یا کرتکا یا
اشلیکھا یا بساکھا پچھتر ہو۔ چھٹی یا اشٹمی تتھ ہو۔ اگر لڑکی
پیدا ہو۔ تو تمام گھر کو ناش کردیوے گی۔ کیونکہ یہ تینوں نحس
منحوس ہیں۔

۵۱۴۔ اگر سورج و منگل ۷۔۱۲۔ گھر میں ہوں۔ اور ۱۔۶۔۸ گھر میں
سینچر ہو۔ تو مولود جلدی مرجائیگا۔

۵۱۵۔ اگر شکل پکھ ہو۔ پہلے یا آٹھویں گھر میں چاند ہو۔ تو مولود
جلدی مرجائے گا۔

۵۱۶۔ اگر کرشنا پکھ میں دن کو جنم ہو یا شکلا پکھ میں رات کو جنم ہو اور
۶۔۸ گھر میں چاند ہو۔ تو مولود جلدی نہیں مریگا۔

۵۱۷۔ اگر سورج۔ منگل۔ شکر۔ سینچر۔ پانچویں گھر میں ہوں۔ تو مولود جلدی
مرجائے گا۔ اور ماں باپ اور برادر کے لئے سخت منحوس ہے
اُن کیلئے بھی حادثہ موت ہو۔

۵۱۸۔ لگن میں یا چھٹے یا آٹھویں راہو ہو تو مولود چوتھے سال مرجائیگا
۵۱۹۔ اگر چوتھے یا دسویں راہو ہو۔ تو دس مہینے میں مرجائیگا۔

۵۲۰۔ اگر آٹھویں چاند اور سینچر ہوں۔ یا کیندر میں ہوں۔ اور چوتھے راہو ہو
تو مولود کی زندگی صرف تین ماہ ہے۔

۵۲۱ اگر ۱۔۴۔۵ منگل ہو۔ تو مولود والدین مرجائیں گے۔

۵۲۲۔ اگر ۱۔۸۔۱۲ سینچر اور چاند ہوں۔ تو مولود جلدی مرجائیگا

۵۲۳۔ اگر پانچویں چاند ہو اور ترکون میں سپت ہو۔ اور دسویں منگل ہو تو عمر مولود دوران ہوگی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز دہم - احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۹ - دھرم گھر

۱. سورج - نانویں گھر میں ہو - تو دانا - سچ بولنے والا نیک عمل - اولاد استری سے خوش - عابد - ہردلعزیز - باتدبیر - بھائیوں سے بے آرامی - نربل ہو - تو ادھرمی بخیل سفر بے فائدہ -

۲. چاند - نانویں گھر میں ہو - تو نیک عمل - خوش بخت - تندرست - ہردلعزیز - دیانتدار لوگوں کو فائدہ پہونچا دے - دانا عقلمند - سفر سے فائدہ - اگر نربل ہو - تو سفر میں رنج اور نقصان -

۳. منگل - نانویں گھر میں ہو - تو صاحب بخت زمیندار - کبھی کبھی بیمار ہو - جنگ و تکرار پر آمادہ - صحبت کمینہ - بدن پر نشان - سرخ یا سیاہ داغ بیماری کا ہو - دولت کما دے - ہتھیاروں کا کام سپرد ہو - کم عقل - بڑا بھائی اور بڑا سالا زندہ نہ رہیں - نربل ہو - تو [illegible] تنگ آتی پیش آویں - دکری ہو - تو نقصان مال سفر بے فائدہ - مارگی ہو - تو سفر بافائدہ -

۴. بدھ - نانویں گھر میں ہو - نیک عمل - زر دولت سے آسودہ - نیک خیال - راج دربار - کاروبار سے فائدہ رفاہ - دانا - تیرتھ و عبادت گاہوں کا منتظر - سخی و صاحب اقبال بشرطیکہ جوان ہو یا جوان گرہ کے ساتھ یا [illegible] گرہ کی دشمنی میں ہو - اگر پاپی گرہ کے ساتھ یا دکھی دشمنی میں ہو - تو بدنصیب و بدکار ہو - مارگی اور اچھی حالت میں ہو - تو تیرتھ یاترا کرے اور عابدوں کی خدمت کرے گرو کی [illegible] علم سیاق سباق کا شائق ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵ برہسپت ۔ نانویں گھر میں ہو۔ دہرماتماں ۔ پُر حوصلہ ۔ مالدار ۔ سخی ۔ راجدربار میں معزز اور صاحب قدر ہو۔ عاقل ۔ ہنرمند ۔ بہادر ۔ پراکرمی ۔ نامور اور گیہ پردھان ہو۔ تو تیرتھ یاترا کرے ۔ اور عابد ہو۔ بکری ہو۔ تو سفر زیادہ پیش آوے ۔ نربل ہو تو ہر طرح ناقص ہے ۔

۶۔ شکر ۔ نانویں گھر میں ہو۔ تو سخی دہرماتماں صاحب بخت ۔ ہر ایک کو فائدہ پہونچاوے ۔ اور تیرتھ یاترا اور خیرات کرے ۔ برہم بھوج اور سنگت سادھوں کا شائق ۔ ہر ایک تکلیف اور مصیبت جلد دفع ہو۔ دشمنوں پر غالب مالدار ۔ دولتمند ۔ ہنرمند ۔ علم کیمیاے کا شائق ۔ نربل ہو۔ تو ادہرمی رنج نقصان مال ۔

۷۔ سنیچر ۔ نانویں گھر میں ہو۔ مال اسباب سے خوش ۔ اعمال کا بدلہ جلد پاوے ۔ خیر اور نیکی کرے ۔ ہنرمند ۔ صاحب روزگار ہو۔ اپنے پراکرم سے دولت پیدا کرے ۔ بولنے بھالنے کا شائق ۔ مزدور ہو۔ تو ہر طرح نقصان ۔ اور جسم میں تکلیف اور رنج دھرم سے ہٹا ہو۔ حاسد ۔ مرض داد ۔ خارش ۔

۸۔ راہ کیت ۔ نانویں گھر میں ہو۔ بدکار ۔ مریض بواسیر ۔ ناپاک ۔ مخالف دہرم زرگار درغم و کمینہ صحبت بسست الوجود نقصان شدہ ۔

۹ نانویں گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو۔ تو دہرماتماں ۔ دیوتا ۔ گورو پیاہوؤں کا ماننے والا ۔ راجدربار میں معزز ۔ اعلےٰ منصب ہو لیکن خیرایت میں شوم ۔

۔ نانویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ تو مالدار ۔ دولتمند ۔ نیک مزاج عالم صاحب عزت نامور پیشی زیادہ ۔

۱۱۔ نانویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو عزیز رشتہ داران اور استری کا خوش شکل ہو بھائیوں سے فائدہ ۔

۱۲۔ نانویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو۔ تو عزیز والدین اور اونکا فرمانبردار ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

صاحب جائداد۔ اور وفات ماں باپ کے بعد اونکی کریا کرم بخوبی کرے اور ان کے نام پر خیرائیت دیوے۔

۱۳۔ نانویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو۔ تو دھرماتماں۔ اولاد نیک اور فرمانبردار ہو۔ خوبصورت و خوب سیرت ہو۔

۱۴۔ نانویں گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو ادھرمی۔ بدکار۔ دشمنوں کے مقابلہ میں تنگ۔ بیمار وغیرہ ہو۔

۱۵۔ نانویں گھر کا مالک ساتویں گھر میں ہو۔ تو استری نیک سیرت و نیک صورت فرماں بردار و دھرماتماں رکھنے والی ہو۔

۱۶۔ نانویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ تو شکاری۔ بدکار۔ جانوروں کو مارنیوالا۔ بھائی بندوں کا مخالف۔ ادھرمی بے وفا۔ بدعہد ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو کمزور اور نامرد ہو۔

۱۷۔ نانویں گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو۔ رشتہ داروں کا پیارا۔ نامور۔ معزز خاندان میں سردار ہو۔

۱۸۔ نانویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو۔ تو راجدربار میں معزز منصب اعلےٰ دولت کی پراپتی۔ نامور۔ دھرماتماں۔ منصف مزاج۔ ماں باپ کا تابعدار۔ اور انکو آرام دینیوالا۔

۱۹۔ نانویں گھر کا مالک گیارھویں گھر میں ہو۔ تو عمر کامل۔ امیر کبیر۔ راجدربار میں معزز۔ راجدربار منصب۔ نامور۔ نیک نام۔ دولت دھرم کام سے پراپت ہو۔

۲۰۔ نانویں گھر کا مالک بارھویں گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ ہو۔ تو خوش شکل صاحب عقل۔ پردیس میں نامور اور معزز۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو بے عقل اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فریبی ہو۔

۲۱۔ سورج۔ نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ پہلی عمر میں باپ کی موت۔ گوشہ نشین۔ عام پر مہربانی اور بخشش کرنیوالا۔ اور تیز طبیعت۔ دانشمند۔ نامور معزز نیک نام پورن آیو ہو۔ مگر رشتہ داروں میں دشمنی ہو۔ اُن سے نقصان جائداد۔ اور آخر کار معمولی گذارہ ہو کا۔ سر کا اکثر سفر پیش آوے۔

۲۲۔ چاند۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو جھگڑے رعہ زیادہ پیش آویں۔ نانکوں کا گھر تباہ ہو۔ پریشان صاحب متوسط عمر۔ باپ کی موت جائداد بزرگان سے کچھ فایدہ نہ ہو۔

۲۳۔ منگل نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو دھرم سے رہت۔ بھائی بندوں کا دشمن۔ جوانی کے بعد باپ کا انتقال۔ آخری عمر میں آسودگی۔ آرام اور عزت نصیب ہو۔ اکثر سفر پیش آوے۔

۲۴۔ بدھ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ ہنرمند۔ عام پیشہ اور کاموں میں ماہر۔ ہر ایک کا خیر خواہ اور فایدہ پہونچانیوالا۔ نیک راستہ بتلانے والا۔ یعنی جوانی کے بعد موت عورت زر و مال سے آسودہ شائق سفر۔

۲۵۔ برہسپت۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ خوش نصیب۔ دولتمند ہر ایک کو فیض پہونچانیوالا۔ عمر دراز۔ سایہ باپ دیر تک قایم رہے۔ آخری عمر میں تکالیف اور رنج پیش آویں۔

۲۶۔ شکر نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ ابتداء عمر میں ماں باپ کی موت دانا۔ عالم فاضل جائداد و زمین و مکانات۔ سواریاں نصیب ہوں۔ تب بھی پریشان اور بے قرار رہا کرے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۷۔ سنیچر نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ حیران پریشان۔ ابتداء عمر میں زندگی اور جائیداد اور جائیداد و ماں باپ کا نقصان۔ جیسے عمر زیادہ ہو ویسے نقصان اور رنج بھی زیادہ ہوتے جاویں۔ اور آخری عمر سخت رنج میں گذرے۔

۲۸۔ راہ کیت۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ حیران پریشان۔ فکر مند۔ رنج غم آلود نادار باوجود ایسے خستہ حالات کے نیکنام۔ اور نامور ہو۔ دھرم سے رہت۔

۲۹۔ سورج۔ نانویں گھر برکھ راس میں ہو۔ نیکنام اور صاحب جائیداد خاندان میں جنم ہو۔ راجدربار سے معزز۔ ابتداء عمر میں پریشانی اور معمولی حالت لیکن اوسکے بعد صاحب اقبال اور خوش نصیب ہو۔

۳۰۔ چاند۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو بھائیوں۔ سمبندھیوں سے خوش راج دربار میں صاحب منصب۔ معزز۔ دیانت دار۔ نامور۔ دانا۔ ہر دلعزیز۔ البتہ آخری عمر میں تکالیف پاوے۔

۳۱۔ منگل۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ دھرم سے رہت۔ شاید سفر چھوٹی عمر میں ماں باپ کی موت۔ اور اُن کا نقصان۔ اوسکے بعد خود اپنے پراکرم اور اودم سے آسودہ۔ نامور اور نیک نام ہو۔

۳۲۔ بدھ۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو دانا۔ عالم۔ لیکن بمقدار عقل و علم کے آسودہ حال اور نامور و نیک نام نہ ہو۔ متوسط حیثیت کا نصیب ہو۔

۳۳۔ برہسپت۔ نانویں گھر میکھ راس میں ہو۔ نیکنام۔ آسودہ گھر میں جنم ہو۔ معزز۔ نامور۔ بڑی عمر۔ متوسط عمر سے اقبال اور منصب ترقی پر آوے ضعیفی میں صاحب اقبال و اختیارات ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۴۔ شکر۔ نانویں گھر مکھ راس میں ہو۔ تو صاحب علم۔ دانا۔ چھوٹی عمر میں شادی ہو۔ بڑا صاحب بخت۔ نامور۔ نیک نام۔ دبر ماتمسان دولتمند۔

۳۵۔ سنیچر۔ نانویں گھر برکھ راس میں ہو۔ پہلی عمر میں جائداد۔ زر دولت آرام دھرم۔ عزت کا نقصان ہو۔ اور آخری عمر میں صاحب قسمت و دولت واقبال با اختیار ہو۔ زمیندار اور زمینداروں پر حکومت۔

۳۶۔ راہ کیت۔ نانویں گھر برکھ راس میں ہو۔ چھوٹی عمر میں ماں۔ باپ کی موت۔ بوجہ خیالات متکبرانہ کے عقل اور دولت سے آرام اور فائدہ پہنچے۔ آرام ملک نصیب ہو۔ بلکہ غیر ممالک میں پریشان اور حیران ہو جیسے عمر زیادہ ہوتی جاوے ویسے تکالیف اور رنج بھی دامنگیر ہوں۔

۳۷۔ سورج نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو خوش۔ نامور۔ روشن نام۔ اور پریشان اور حیران روپیہ کی بربادی کا موجب سمبندی یا بیٹے کے ہوں۔ اسواسطے زیادہ تر رنجیدہ خاطر رہے۔ متوسط عمر میں خوف موت اولاد کا ہو۔ جائداد بزرگان نصیب ہو۔

۳۸۔ چاند۔ نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ اچھے گھر میں جنم گذارہ اچھا۔ اچھے کاموں کی ہدایت کرے۔ بعض لوگ اسکو نیکنام بھی خیال کریں لیکن امانت اور دیانتدار نہو۔

۳۹۔ منگل نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو بھائی اسکے نامور اور مشہور ہوں خود پریشان حال نادار جوں جوں عمر زیادہ ہو مصائب اور تکالیف غالب آویں۔ اور انکو اپنی اوپر سے پرا کرم سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دور کرے تاہم ضعیفی کا زمانہ حیرانی میں بسر ہو۔

۴۰۔ بدھ۔ نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عالم و فاضل۔ دانا۔ ہنرمند۔ سخی۔ شائق بتیر تھ۔ آخری عمر میں معزز۔ جائداد معمولی۔

۴۱۔ برہسپت۔ نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو عابد۔ زاہد۔ عالم۔ سخی آرام اور بھجن بندگی کے مکانات بنائے۔ ایشور کا خوف۔ غریب مساکین کی امداد اور پرورش ہمیشہ ہی نیکنام اور نامور ہوں۔ نام خاندان کو روشن کرنیوالا۔

۴۲۔ شکر نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ نامور۔ معزز۔ نیکنام خاندان میں جنم ہو۔ زر دولت سے آسودہ حالی۔ صاحب عزت۔ آخری عمر میں منصب اعلےٰ نصیب ہو۔ نیک نام۔ عورت خوبصورت و نیک سیرت ہنرمند۔ دستکار ہو۔ اور بہ طفیل اوس کے دولت نصیب ہو۔

۴۳۔ سنیچر۔ نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ باپ اور ان کے سمبندھیوں کی موت۔ دولت بکثرت پیدا کرے۔ متوسط عمر سے اقبال دولت و آرام اور عزت ترقی پر ہو۔ وہ زمانہ خوشی سے بسر ہو۔

۴۴۔ راہ کیت۔ نانویں گھر متھن راس میں ہو۔ زمانہ جوانی پریشانی اور حیرانی میں بسر ہو جھگڑے فساد زیادہ ہوں۔ سینہ زوری سے مال۔ جائداد اور دولت پیدا کرے۔ اور منصب حکومت نصیب ہو۔ لیکن موت فرزنداں کا حادثہ پیش آوے۔ اور دشمن تنگ کریں۔

۴۵۔ سورج نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ عاقل۔ عالم دانا۔ معزز۔ نامور۔ نیکنام بلوان۔ راجہ دربار میں منصب اور درجہ اعلیٰ ہو۔ مندر بنائے اور چھوٹی عمر میں زندگی ماں باپ اور جائداد کا نقصان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۶- چاند نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ عالم۔ دھرماتماں۔ امیر۔ صاحب زور طاقت اور اقبال سے جائیداد قابو میں لاوے۔ دولتمند۔ آخری عمر میں زیادہ خوشی اور آسودہ حال ہو۔

۴۷ منگل۔ نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ پہلی عمر میں اپنے دھرم سے اعتقاد دور ہو۔ ماں باپ مرجاویں فن حکمت اور زخم پھوڑا میں ماہر سیر جنگ کا شائق۔ آخری عمر میں اپنے دھرم کرم میں متوجہ ہو۔

۴۸- بدھ نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو عالم مذہبی علوم میں تعلیم دینیوالا شاعر نادار ضعیفی میں حالت اچھی ہوجاوے۔

۴۹ ۔برہسپت نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ دھرماتماں ۔ نیک مزاج تعلیم دینے والا۔ دوسرے مذہبوں کا مخالف۔ خلیق۔ کمیٹی کاموں اور ہنروں میں ماہر۔ نادار۔ کئی پیشوں پر گذارہ اوقات ہو کم دولت۔

۵۰ ۔شکر نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ دانا۔ عالم۔ دولتمند۔ عورات سے فائدہ ذر۔ ابتداءعمر کوششوں میں گذرے۔ آخری عمر میں غیر ملک میں جاکر عزت اور درجہ و دولت حاصل کرے۔

۵۱ ۔سنیچر۔ نانویں گھر کرک راسمیں ہو۔ ادہرمی۔ فریبی۔ دولتمند۔ جائداد وراثت حاصل ہو۔

۵۲ ۔راہ کیت نانویں گھر کرک راس میں ہو۔ تو قانون دان دور دراز ملکوں کا مسافر دھرم سے رہت۔

۵۳ ۔سورج نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ چھوٹی عمر میں ماں باپ کی موت۔ سخی ہر ایک پر مہربانی اور بخشش کرنے والا۔ نامور۔ معتبر۔ اپنی عزت کا محافظ نیکنام۔ عالم۔ فاضل۔ وزیروں اور مصاحبت کے ۔۔ میں لایق۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۴ چاند۔ نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ پریشان۔ بے فیض۔ بے عقل۔ بدکار۔ فضول خرچ۔

۵۵ منگل نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ دلاور۔ جنگ جو۔ سفر میں بہادر۔ جائیداد زمین و مکان پیدا کرے۔ مگر متوسط عمر میں حادثہ نقصان جائیداد اور زر موت فرزنداں سے سخت رنج پیش آویں۔

۵۶۔ بدھ نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تو آہستہ چلنے والا متحمل مزاج کئی ہنروں میں ماہر۔ تلون مزاج۔ لکھنے پڑھنے میں دھیما۔ زندگی میں راز کا حریص۔

۵۷۔ برہسپت نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اعلےٰ خیال۔ نیک اور سخاوت وبخشش کے کام کرنیوالا صرف اپنے خرچ سے بلکہ اور دل سے چندہ لے کر آرامگاہ اور مسافر خانہ اور بھجن بندگی کے۔ واسطے مندر۔ مکانات تیار کرائے۔ نیکنام۔ البتہ دولت کم ہو آخری عمر میں نقصان دولت اور موت فرزنداں کے صدمہ دیکھے۔ اپنی کمائی سے زر دولت پیدا کرے۔

۵۸ شکر نانویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ معزز۔ معتبر۔ صاحب دولت لیکن ماں باپ کا نافرمان اور ان کو تکلیف دینے والا۔

۵۹ سنیچر نانویں گھر سنگھ راس میں ہو تو بدبخت۔ منحوس۔ ہٹی۔ ادھرمی ماں باپ اور اولاد کا مخالف۔

۶۰ راہ کیت۔ نانویں گھر سنگھ راس میں ہو چھوٹی عمر میں ماں باپ کی موت کا حادثہ۔ چندہ دولت غیر سے کم خیرات کرے۔ اپنا گذارہ فریب اور ٹھگی پر ہو۔ مگر لوگوں میں اعتبار اور قدر ہو بیٹے شائق بحری سفر ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۱ سورج - نانویں گھر کنیا راس میں ہو - رزق جائیداد ماں باپ سے بے بہرہ ہو - تاہم اپنی کمائی سے سخاوت کرے - اور راجدربار یا کسی ریاست میں بڑا درجہ اور عزت پاوے -

۶۲ چاند نانویں گھر کنیا راس میں ہو - تو جائیداد وراثتاً حاصل ہو - بیوپار اور کاروبار کھیتی کا شائق ہو - خواہان سفر - کبھی رنج کبھی خوشی -

۶۳ منگل نانویں گھر کنیا راس میں ہو - بیوپار میں لائق ہنرمند اور بددیانت بدنام - شائق سفر - کم دولت -

۶۴ - بدھ نانویں گھر کنیا راس میں ہو - ہنرمند - علم حساب اور نقشہ و تصویر بنانے میں لائق - سفر - جائیداد بزرگان سے فائدہ اوٹھاوے - آخری عمر میں صاحب دولت ہو -

۶۵ برہسپت نانویں گھر کنیا راس میں ہو - سفر - صاحب علم - اعلےٰ درجہ نصیب ہو مسافر خانہ - اور آرام گاہیں تیار کرے اور لوگوں کو تعلیم دیوے -

۶۶ شکر نانویں گھر کنیا راس میں ہو - جائیداد بزرگاں کو نقصان پہونچاوے بدخیال کسی پر اعتقاد اور نتیجہ نہو -

۶۷ سنیچر - نانویں گھر کنیا راس میں ہو - تو جائیداد بزرگاں نقصان کرے - چھوٹی عمر میں ماں باپ کی موت - عالم اور لوگوں کو علم میں تعلیم دینے والا ہو مگر بدکار اور بدنام ہو -

۶۸ راہ کیت - نانویں گھر کنیا راس میں ہو - ہمیشہ بیمار سمیند صیبوں اور ہمسایوں کا دشمن ماں باپ سے ناراض کسی کو فائدہ نہ پہونچاوے -

۶۹ سورج نانویں گھر تلا راس میں ہو - پہلی عمر میں ماں باپ کی موت ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بڑے فایدہ پہونچانیوالا - نیک نام - مکانات بنانیکا شایق - کاروبار میں لایق - ہوشیار -

۷۰ چاند - نانویں گھر تلا راس میں ہو - تو اپنے خاندان کے آدمیوں کی موت دولت کا نقصان - مکانات - مسافرخانہ آب رسانی کیلئے چشمہ تیار کرائے -

۷۱ منگل - نانویں گھر تلا راس میں ہو تو رشتہ داروں اور عام لوگوں کا دشمن بخیل چور دل - ڈاکوؤں کا ساتھی - شریک جرایم - بے رحم - خونخوار جایداد و بزرگاں کو نقصان کرے -

۷۲ بدھ نانویں گھر تلا راس میں ہو - تو صاحب علم اور لوگوں کو تعلیم دینیوالا - سخی - خیراتی کے کام کرے - اور خیراتی کاموں کا مہتمم ہو -

۷۳ برہسپت - نانویں گھر تلا راس میں ہو - تو جایداد و بزرگاں فضول خرچی میں برباد ہو - اپنے آپکو دانا قانوندان اور لوگوں کے دل کی بات جاننے والا ہو پہلی عمر میں اولاد نہ ہو - آخری عمر میں اولاد پاوے -

۷۴ شکر - نانویں گھر تلا راس میں ہو - جایداد بزرگان سے ممتاز دہرتاں علم - سخی - عام کو فایدہ پہونچانیوالا - کئی بیاہ ہوں عورت سے خوش

۷۵ سنیچر - نانویں گھر تلا راس میں ہو - تو بخیل فریبی - نامناسب کاموں سے روپیہ کمائے -

۷۶ راہ کیت - نانویں گھر تلا راس میں ہو - تو پہلی عمر میں ماں باپ کی موت ہو - بسبب صیبوں کا محتاج ہو جاوے - بھائیوں کی موت سے بازو ٹوٹ جاویں - کافی تعلیم کا موقعہ نہ ملے اولاد میں حادثہ موت کے سخت رنج دکھلادیں -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۷ سورج ۔ نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ جائیداد بزرگان سے فائدہ نہ ہو ہمیشہ بیمار۔ درمیانی عمر میں پریشانی اور حیران ہو۔ البتہ اپنے پراکرم اور ہمت سے صاحب دولت و نیکنام ہو۔

۷۸ چاند نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ وراثتاً اور اپنی کمائی سے دولتمند ہو۔ خوش اور مالدار لیکن وسط عمر میں موت فرزنداں کا حادثہ دیکھے۔

۷۹ منگل نانویں برچھک راس میں ہو۔ موت اولاد کا صدمہ اٹھاوے اور بخیل ہو۔ مگر دلاور بہادر۔ دولت خوب پیدا کرے۔

۸۰ بُدھ نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ گو معمولی گھر میں پیدا ہو۔ مگر عام اُس کی صلاح اور مشورہ کو پسند کریں۔ لالچی وسط عمر میں موت دختراں کا رنج دیکھے اور بدنام ہو جاوے۔

۸۱ برہسپت ۔ نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ عالم ۔ فاضل ۔ زاہد ۔ ہنرمند غور کرنے والا صاحب دولت متوسط عمر میں اعلےٰ درجہ پا جاوے۔

۸۲ شکر ۔ نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بدخیال بدصحبت ۔ بدکار عیاش شائق صحبت عورات ۔ اول عمر میں دولت پیدا کرے آخری عمر میں فرزند کی موت ہو۔

۸۳ سنیچر نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو بدنصیب بے فیض بے دھرم بدنام بدکام مورد آلام ہو۔

۸۴ راہ کیت ۔ نانویں گھر برچھک راس میں ہو۔ دھرماتماں وسط عمر میں دولت جمع کرے سخت بخیل اور بدنام لوگوں سے ناموافقت لیکن راج دربار میں عزت اور قدر ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۵ سورج ۔ نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ بچے معزز اور خوش قسمت خاندان میں جنم ہو ۔ صاحب اختیار اور اعلےٰ منصب راجدربار سے دولت کی حاصل ہو ۔ خوش تقریر ۔ خوش تحریر ۔ سخی ۔ جائداد بزرگان زیادہ بھاری امیر و دولت مند ہر ایک قسم کے آرام اور عیش سے زمانہ زندگی بسر کرے ۔ عورت اولاد سے خوش ۔ عمارات باغات کا آرام ۔ غرضیکہ ہر طرح سے ممتاز ہو بشرطیکہ دیگر گرہ شبھ حالت میں ہوں ۔

۸۶ چاند ۔ نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ ابتدا عمر میں ماں باپ کی موت زمین مکان بزرگان سے نہ ملے اور نہ نوکری ۔ بیوپار ۔ ٹھیکہ ۔ بدنام کاموں پر گذارہ زندگی کا ہو ۔ اولاد کا رنج ۔ عورت اچھے گھر کی ہو ۔

۸۷ ۔ منگل ۔ نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ اودمی ۔ بدکار ۔ عورت ۔ اولاد کا رنج ۔ ابتدا عمر میں راجدربار میں عزت مگر تھوڑے عرصہ بعد روزگار زمین دولت جاتا رہے ۔ نادار قرضدار ہو ۔ خوف حکام ۔

۸۸ بدھ نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ تو نامور ۔ راجدربار میں عزت فائدہ دولت اختیارات اعلےٰ ۔ صاحب جائداد ۔ شیریں کلام ۔ عمدہ منشی ۔ عورت اولاد ۔ دولت مکانات باغات سے خوش و خرم ہو ۔

۸۹ ۔ برہسپت نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ تو عالم ۔ فاضل ۔ اعلےٰ خاندان اعلیٰ مرتبہ صاحب اختیارات شاہی خوش قسمت بلند اقبال ۔ امیر کبیر ۔ نیکنام عورت اولاد ۔ جائداد کا آرام ۔ سخی فیاض ۔ آرامگاہ مسافرخانہ عبادت گاہ تیار کرائے ۔

۹۰ ۔ شکر نانویں گھر دھن راس میں ہو ۔ تو مشہور ۔ نیکنام اور عام پسند بھی ہو ۔ اپنے جائداد و پیشہ نوکری اور نہ یا بیوپار ۔ یا ٹھیکہ یا کسی بدکام پر گذارہ کرنا ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شائق سفر بحری۔ اولاد کا رنج۔ ابتداء عمر میں ماں باپ کی موت۔ الغرض
عورت اچھی اور تابعدار ہو۔

۹۱ سینچر۔ نانویں گھر دہن راس میں ہو۔ دھرم اپنا بدل لیوے۔ جائداد
بزرگان کو نقصان پہونچاوے خود جائداد پیدا کرے ہمیشہ مسافر
غیر ممالک کا شائق ہنرمند۔ بے پرواہ مزاج۔ دشمنوں سے مقابلہ اور
روپیہ کما کر آخر پر نیکنام ہو جاوے۔

۹۲ راہ کیت۔ نانویں گھر دہن راس میں ہو۔ تنگ حال پریشان خاطر ہو
اولاد کا رنج۔ حکام وقت کا خوف۔ ابتدائے عمر میں درجہ
پاوے مگر پھر وہ درجہ۔ دولت۔ زمین روزگار جاتا رہے اور
بدکاموں میں مشغول رہے۔

۹۳۔ سورج۔ نانویں گھر مکر راس میں ہو جھگڑے زمین رشتہ داران عورت
اور اپنے خاندان سے دشمنی زیادہ ہو جاوے۔ تاہم نیک کار اور نیک نام
سرکاری عہدہ اور رتبہ نصیب ہو۔ درمیانی عمر میں نقصان بہت
اٹھاوے۔ بعدہ بخت یاور ہو اور باقیماندہ زمانہ زندگی آرام
اور آسائش سے بسر ہو۔

۹۴ چاند۔ نانویں گھر مکر راس میں ہو۔ ابتدائے عمر میں ماں باپ کا انتقال
ہو۔ علاوہ اپنی جائداد کے داشتہ جائداد حاصل ہو۔ اور علم تجارت
میں مشہور اور نامور ہو۔

۹۵۔ منگل نانویں گھر مکر راس میں ہو۔ خوش قسمت اور نامور خاندان میں ہو بھائی بہن
معزز اور خوش اقبال ہوں۔ خدا ترس اور با اختیار درجہ نصیب
فوجداری نصیب ہو۔ لیکن بے رحم اور ظالم ہو۔ اگر نیو جب تنی مشکلات

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میں ماخوذ ہو. لیکن آخرکار بچ جاوے۔

۹۶- بدھ نانویں گھر مکر راس میں ہو۔ اعلےٰ درجہ صاحب اختیار- بیوپار میں بہت روپیہ کماوے۔ ہیسے معاملات پیش آویں۔ کر بڑے منصب والے صاحبان کا پناہ گزیر ہو۔ اور زیادہ عرصہ ایک جگہ قیام نہ ہو

۹۷- برہسپت- نانویں گھر مکر راس میں ہو- تو اچھے خاندان میں جنم لے کر بدکام کرے اپنے ارادیوں اور مرادوں میں کامیاب نہ ہو ہر ایک کام میں نقصان اور رنج اٹھاوے۔

۹۸- شکر- نانویں گھر مکر راس میں ہو. عورت نیک اور تابعدار ہو سال ہاتھ لاوے خود عالم اور اُستاد علم ہو سخت بددیانتی اور فریب کے معاملات پر دیانت دار رہے۔

۹۹- سنیچر- نانویں گھر مکر راس میں ہو- تو ماں باپ مرجاویں اور کہیں سے زمین اور اسباب بلا محنت ہاتھ آجاوے- صاحب اولاد ہو- اور دوسروں کے مال لینے کی بہت خواہش رہے مشہور ہو.

۱۰۰- راہ کیت نانویں گھر مکر راس میں ہو. تو ادھرمی لوگوں کا دکھ دائے ابتدا عمر میں ماں باپ کی موت کا رنج۔

۱۰۱- سورج- نانویں گھر کنبھ راس میں ہو. راجدربار شاہی یا ریاست میں معزز با اختیار- نامور- نیکنام- صاحب دولت ہر طرح سے آرام الا ابتدائے عمر میں موت ماں باپ کا صدمہ دیکھے۔

۱۰۲- چاند- نانویں گھر کنبھ راس میں ہو. نام- دولت- جائداد- خاندان ہمسایوں کا نام نشان بھی ختم ہو۔

۱۰۳- منگل- نانویں گھر کنبھ راس میں ہو- بے فیض- شوم- دھرم سے ماہت

افسر۔ ماتحت رعایا سے دشمنی۔ خویش اقارب کا مخالف۔

۱۰۴۔ بُدھ ناویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ صاحب عقل اور دولتمند کے گھر میں جنم ہو۔ بڑا بردار۔ عورت بچہ زیادہ ہوں۔

۱۰۵۔ برہسپت۔ ناویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو عالم۔ فاضل۔ دھرماتما۔ حسن اختیارات درجہ اعلےٰ۔ سخی نیک مزاج۔ دوسری عورت سے اولاد ہو۔

۱۰۶ شکر۔ ناویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ عورت خوش نصیب اور صاحب دولت خاندان سے ہو کسی امیر کبیر یا راجہ دربار سے دولت حاصل ہو۔

۱۰۷ سنیچر۔ ناویں گھر کنبھ راس میں ہو جاہل۔ کم عقل۔ عیاش۔ بدکار جوانی میں نقصان۔ چوروں کا خوف۔ نادار۔ قرضدار۔ جائیداد بزرگان برباد کرے۔

۱۰۸ راہ کیت ناویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ جائیداد بزرگان اور عزت و نام و نمود برباد ہو۔ عام سے دشمنی اور مخالفت پیش آوے۔

۱۰۹ سورج ناویں گھر مین راس میں ہو۔ تو تمام تعلقات میں تباہی ہو۔ باپ جوانی میں ماموں مر جاویں۔ جائیداد بزرگان برباد۔ مقابلہ یا مخالفت بادشاہ وقت سے سخت مصائب پیش آویں۔

۱۱۰۔ چاند۔ ناویں گھر مین راس میں ہو۔ صاحب نصیب اور خوش اقبال ہو جائیداد پیدا کرے۔ امیر و دولتمند آخری عمر میں نمود۔ نیکنامی اقبال ہو۔

۱۱۱۔ منگل ناویں گھر مین راس میں ہو۔ ہر طرح تکلیف و رنج۔ سفر سے فائدہ بھائیوں سے رنج۔ مخالفت دھرم۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۲۔ بُدھ۔ نانویں گھر مین راس میں ہو۔ صاحب علم و ہنرمند۔ جوانی میں ماں باپ و بزرگان کی موت۔ جائداد بزرگان کم ہاتھ آوے۔

۱۱۳۔ برشکر۔ نانویں گھر مین راس میں ہو۔ بڑے نامور اور صاحب اقبال با اختیار اعلےٰ درجہ کا بھائی ہو۔ راجہ دربار سے روپیہ کماوے بسمبندھیوں کے مقدمات میں تکلیف اوٹھاوے۔ سفر کا شائق۔

۱۱۴۔ سنیچر۔ نانویں گھر مین راس میں ہو بے جائداد۔ دشمنوں کا مقابلہ ہمیشہ سفر۔ بیمار۔ و ہرم سے رہت۔

۱۱۵۔ راہ کیت۔ نانویں گھر مین راس میں ہو۔ جائداد سے فائدہ کم۔ بھائیوں سے مقدمات ہوں درجہ اور مرتبہ اعلےٰ وسط عمر میں جاتا رہے۔ عورت نیک سیرت اور خوبصورت نہ ہو۔ کمینہ لوگوں سے محبت دھرم سے متنفر ہو۔

۱۱۶۔ چوتھے گھر میں شکر۔ بدھ یکجا ہوں۔ تو دہرماتماں ہو۔

۱۱۷۔ نانویں گھر کو برسپت پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو نہایت دہرماتماں ہو۔

۱۱۸۔ چندرماں منگل پنجم لگن میں ہوں سنیچر ساتویں گھر میں ہو۔ تو ادہرمی ہو۔

۱۱۹۔ لگنیش منگل کے ساتھ ہو۔ اور چاند پاپی گرہ کے ساتھ چھٹے گھر میں ہو۔ تو پاپی ہو۔

۱۲۰۔ سورج منگل کے ساتھ نانویں گھر میں ہو۔ تو پاپی اور ادھرمی ہو۔

۱۲۱۔ نانویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو ادہرمی ہو۔

۱۲۲۔ راہو و چاند پاپی کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہوں۔ تو ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ادہرمی ہو۔

۱۲۳ بارہویں گھر میں سینچر ہو۔ تو ادہرمی ہو۔

۱۲۴۔ سورج۔ چاند۔ مل کر۔ ساتویں گھر میں سینچر کی درشٹی میں ہو۔ تو بدکار ہو۔

۱۲۵۔ جنم لگن میں برہسپت اور ساتویں گھر میں سینچر ہو تو بدکار ہو۔

۱۲۶۔ پانچویں گھر میں سورج یا اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو سورج یا دیوتا شیوجی کا پوجا کرنیوالا ہو۔

۱۲۷۔ بارہویں گھر کا مالک دوسرے یا آٹھویں گھر میں ہو۔ اور پانچویں گھر کے مالک سے سمبندھ درشٹی رکھتا ہو۔

تو دیوتا کا پوجنے والا ہو۔

۱۲۸۔ پانچویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ اور برہسپت دیکھتا ہو۔ تو گوروؤں کا ماننے والا ہو۔

۱۲۹۔ پانچویں گھر کا مالک چندرماں سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو دہرم بام مارگی میں آگر دیوی کو پوجنے والا ہو۔

۱۳۰ پانچویں گھر کا مالک منگل سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو بھیرو یا کسی تامشی دیوتا کو پوجنے والا ہو۔

۱۳۱۔ پانچویں گھر کا مالک بدھ سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو دیو پرماتماں کو ماننے والا ہو۔

۱۳۲۔ پانچویں گھر کا مالک اگر برہسپت سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو بردے منتر گائتری۔ سرتی سمرتی ایشور کا بھگت ہو۔

۱۳۳۔ پانچویں گھر کا مالک شکر سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو دیوی کا پوجا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کرنے والا ہو۔

۱۳۴۔ پانچویں گھر کا مالک اگر سینچر سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو معمولی کرم کرنے والا ہو۔

۱۳۵۔ پانچویں گھر کا مالک راہ سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو تامسی دیوتا کا ماننے والا ہو۔

۱۳۶۔ پانچویں گھر کا مالک شکر چندرماں سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو دیوی کا یا کسی مؤنث دیوتا کا ماننے والا ہو۔

۱۳۷۔ پانچویں گھر کا مالک اگر مذکر گرہ سے سمبندھ رکھتا ہو۔ تو مذکر دیوتا کا پوجنے والا ہو۔

۱۳۸۔ شکر یا چندرماں سے دوسری گھر میں سینچر ہو۔ تو کسیکو فائدہ نہ پہونچاوے۔

۱۳۹۔ بدھ یا برسپت اگر دسویں گھر کا مالک ہوکر بلوان ہو۔ اور خانہ ۵ یا ۹ میں ہو۔ تو یگ کرنیوالا ہو۔

۱۴۰۔ بدھ دسویں گھر میں بلوان ہوکر شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو تو جگ کرنیوالا ہو۔

۱۴۱۔ بدھ نویں گھر میں اوچ کا یا بلوان ہوکر شبھ حالت میں ہو اور کوئی پاپی گرہ اوسکو نہ دیکھتا ہو۔ تو یگ کرنیوالا ہو۔

۱۴۲۔ شکر چندرماں جنم لگن میں ہوں۔ اور سینچر دیکھتا ہو تو کسیکو فائدہ نہ پہونچاوے۔

۱۴۳۔ چوتھے گھر کا مالک آٹھویں گھر میں ہو۔ تو نربھاگ ہو۔ کم نصیب ہو۔

۱۴۴۔ ساتویں گھر کا مالک چھیویں گھر میں پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برنبھاگ ہو۔

۱۴۵ لگنیش نربل ہو۔ تو کم نصیب ہو۔

۱۴۶ نانویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے انس میں ہو۔ یا نیچ راس میں ہو۔ تو کم نصیب ہو۔

۱۴۷۔ دوسرے گھر کا مالک گیارہویں گھر میں دسویں گھر کے مالک کی درشٹی میں ہو۔ تو خوش نصیب ہو۔

۱۴۸ جنم لگن چر ہو۔ مالک اس کا پاپی گرہ یا اسکو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو غیر ملک میں بخت یاور ہو۔ اور اقبال عروج پر آوے۔

۱۴۹ جنم لگن استھر ہو۔ مالک اوسکا شبھ گرہ ہو۔ اور شبھ گرہ اوسکو دیکھتا ہو۔ تو وطن میں بخت یاور ہو۔

۱۵۰ جنم لگن دوسبھاو ہو۔ مالک لگن کا اوسمیں ہو یا اوسکو دیکھتا ہو۔ یا کوئی شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو وطن اور باہر ہر جگہ نصیب یاور ہو۔

۱۵۱۔ نانویں اور دسویں گھروں کے مالک آپسمیں سمبندھ رکھتے ہوں تو خوش اقبال ہو۔

۱۵۲۔ نانویں گھر کا مالک نانویں گھر میں اور دسویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہوں۔ اور ہر طرح بلوان اور پاپی گرہوں کی درشٹی سے بچے ہوئے ہوں۔ تو بڑا صاحب اقبال اور خوش قسمت ہو۔

۱۵۳۔ نانویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں اور دوسرے گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو۔ تو دولتمند ہو۔

۱۵۴۔ نانویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو تو خوش بخت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۵۔ گیارہویں گ

یں ہو۔ تو خو

۱۵۶ ابشکر ساتویں گ

۱۵۷ نانویں گھر کا

مالک یا کو

اور ...

۱۵۸ گیارہویں

گھر میں

گھر کا مالک

۱۵۹ لگنیش

نو بھائی

۱۶۰۔ لگنیش

ہوں

۱۶۱۔ نانویں

بیٹے

۱۶۲۔ لگنیش

درنیش

۱۶۳۔ نانویں گھر کا مالک شبھ گرہ ہو۔ اور شبھ ہو۔ دوسرے گھر میں ہو۔

تو خوش نصیب ہو۔

۱۶۴۔ جنم لگن اور دوسرے و تیسرے گھر میں شبھ گرہ بلوان ہوں۔ تو

خوش نصیب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہزبھاگ ہو۔

۱۴۵ الگیشٹ بزل ہو۔ تو کر نفع ...

MDH Masale

ਮੱਲੇ ਵਾਲੇ ਹਕੀਮ

ਚਰੰਜੀ ਲਾਲ ਵੈਦ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰ

(ਗੋਲਡ ਮੈਡਲਿਸਟ)

ਇਥੇ ਹਰ ਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਦੇਸੀ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੀਆਂ ਦਵਾਈਆਂ
ਵਿਆਹ ਸ਼ਾਦੀ, ਅਖੰਡ ਪਾਠ, ਪੰਜੀਰੀ ਦਾ ਸਮਾਨ
ਅਤੇ ਕਰਿਆਨਾ ਠੀਕ ਭਾ ਤੇ ਮਿਲਦਾ ਹੈ।

ਹਕੀਮ ਚਰੰਜੀ ਲਾਲ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰ

ਨਹਿਰੂ ਮਾਰਕੀਟ, ਜਗਰਾਉਂ।

☎ ਦੁਕਾਨ 23186, ਘਰ 22172

... ہر میں ہو۔ تو دولتمند ہو۔

۱۵۴۔ نانویں گھر کا مالک ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵۵۔ گیارہویں گھر کا مالک اپنے گھر میں یا جنم لگن میں دسویں گھر کے کی درشٹی
میں ہو۔ تو خوش بخت ہو۔

۱۵۶۔ اگر شکر ساتویں گھر میں بلوان ہو۔ تو بعد شادی بخت یاور ہو۔

۱۵۷۔ نانویں گھر کو شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ یا نانویں گھر کا
مالک یا کوئی اور گرہ شبھ بلوان ہو کر نانویں گھر کو دیکھتا ہو وطن
اور ... پردیس میں ہر جگہ بخت یاور ہو۔

۱۵۸۔ گیارہویں گھر کا مالک جنم لگن میں اور دوسرے گھر کا مالک گیارہویں
گھر میں اور نانویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہوں۔ اور دوسرے
گھر کا مالک اسکو دیکھتا ہو۔ تو بڑا خوش قسمت ہو۔

۱۵۹۔ لگنیش اور تیسرے گھر کا مالک شبھ گھر میں شبھ گرہ کی درشٹی میں ہوں
تو بھائی کی طفیل یا اسکی دولت سے اقبال یاور ہو۔

۱۶۰۔ لگنیش اور پانچویں گھر کا مالک شبھ گرہ کی درشٹی میں شبھ حالت میں
ہوں۔ تو بیٹے کی طفیل بخت یاور ہو۔

۱۶۱۔ نانویں گھر کا مالک پورن درشٹی سے پانچویں گھر کو دیکھتا ہو۔ تو
بیٹے کے ذریعہ قسمت یاور ہو۔

۱۶۲۔ لگنیش اور دوسرے گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہوں۔ تو بیٹے کے
ذریعہ صاحب اقبال ہو۔

۱۶۳۔ نانویں گھر کا مالک شبھ گرہ ہو۔ اور شبھ ہو کر دوسرے گھر میں ہو
تو خوش نصیب ہو۔

۱۶۴۔ جنم لگن اور دوسرے و تیسرے گھر میں شبھ گرہ بلوان ہوں۔ تو
خوش نصیب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۵ بارھویں گھر میں سورج یارا ہو ہو۔ تو اشنان تیرتھ یا گنگا کا کرے

۱۶۶۔ نانویں گھر کو برسپت دیکھتا ہو۔ یا بارھویں گھر میں برسپت ہو۔ تو اشنان تیرتھ اور گنگا کا ہو۔

۱۶۷۔ بدھ بارھویں گھر میں بلوان ہو۔ تو اشنان گنگا یا کسی تیرتھ کا ہو۔

۱۶۸۔ جل راس کے چندرماں تیسرے گھر میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ پورن درشٹی سے دیکھتا ہے تو اشنان تیرتھ گنگا کا ہو۔

۱۶۹ بُدھ۔ اٹھویں گھر میں شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو کئی تیرتھوں کا اشنان کرے۔

۱۷۰۔ نانویں اور دسویں گھر کے مالک نانویں گھر میں بلوان ہوں۔ تو بہت تیرتھوں کا اشنان ہو۔

۱۷۱ چندرماں سے نانویں گھر کا مالک کیندر میں ہو۔ تو بڑے تیرتھوں کا اشناں کرے۔

۱۷۲۔ چندرماں سے نانویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو بڑے تیرتھوں کا اشنان ہو۔

۱۷۳۔ چوتھے گھر میں سورج۔ چھٹویں گھر میں برسپت ہو۔ تو سنیاسی ہو مگر تپ نہ کرے۔

۱۷۴۔ سنگھ راس نانویں گھر میں ہو۔ منگل بلوان اور شبھ حالت میں ہو۔ تو شبھ کرم کرنیوالا۔

اور گائے کی پوجا کرے

۱۷۵ نانویں گھر میں برکھ راس ہو۔ اور شکر بلوان اور شبھ حالت میں ہو تو شبھ کام کرنیوالا سخی۔ گو برہمن کو ماننے والا ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۶ نانویں گھر میں متھن راس ہو۔ اور بُدھ بلوان ہو۔ تو نکوکار اور سادھو برہمن کو بھوجن کھلانیوالا ہو

۱۷۷۔ نانویں گھر میں کرک راس ہو۔ اور چندرماں بلوان ہو۔ تو تیرتھ برت نیم پرہیز گار ہو۔

۱۷۸۔ نانویں گھر میں سنگھ راس ہو۔ اور سورج بلوان ہو۔ تو پراوپکاری اور لوگوں کے کام کرنیوالا ہو

۱۷۹۔ نانویں گھر میں کنیا راس ہو۔ اور بُدھ بلوان ہو۔ تو مکار۔ حیلہ ساز۔ شائق تجارت ہو۔

۱۸۰۔ نانویں گھر میں تلا راس ہو۔ اور شکر بلوان ہو۔ تو مسافرخانہ اور آرام گاہ بنوا دے۔

۱۸۱۔ نانویں گھر میں برچھک راس اور منگل بلوان ہو۔ تو بہادر اور بلوان ہو۔

۱۸۲۔ نانویں گھر میں دھن راس ہو۔ اور برہسپت بلوان ہو۔ تو دھرماتماں مسافرخانہ آرامگاہیں تیار کرادے۔

۱۸۳ نانویں گھر میں مکر راس ہو۔ اور سنیچر بلوان ہو۔ تو سخی اور شبھ کام کرنیوالا ہو

۱۸۴۔ نانویں گھر میں کنبھ راس ہو اور سنیچر بلوان ہو۔ تو مسافرخانہ اور چاہ تالاب بنوادے۔ اور شبھ کام کرے۔

۱۸۵۔ نانویں گھر مین راس ہو۔ اور برہسپت بلوان ہو۔ تو مندر مسافرخانہ باغ تالاب بنوادے سبزہ اور نامور نیکنام۔ دھرماتماں ہو۔

۱۸۶ اور برہسپت ودا ہو مکر دھن راس میں کسی جگہ ہوں۔ منگل و شکر مل کر ساتویں گھر میں ہوں۔ اور آٹھویں گھر میں سورج و چاند مل کر آویں۔ تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ملیچھ ہوگا۔ اگر بدھ برہسپت شکر میں سے کوئی گرہ بلوان ہوکر شبھ
حالت میں کیندر استھان پر ہو۔ تو دوش اوسکا دور ہو جاویگا

۱۸۷ کیندر استھان میں بدھ۔ برہسپت نہ ہوں۔ اور دسویں گھر کو منگل ہو
تو پاپ کرم ہوگا۔ کبھی کوئی بھلا کام نہیں کریگا۔

۱۸۸ جنم لگن سنگھ . . . ہو اور ساتویں سنیچر ہو۔ تو وہ منش اپنے دھرم
بزرگان پر قایم نہیں رہیگا۔

۱۸۹ چاروں کیندر میں کوئی گرہ نہ ہو۔ نہ کوئی اور گرہ بلوان ہو۔ تو منش
مندبھاگ اور مانگنے والا ہوگا۔

۱۹۰ جنم لگن میں منگل اور برہسپت اور راہو ہوں۔ اور ساتویں گھر میں شکر
ہو۔ اور اٹھویں سورج ہو۔ تو ادھرمی اور پر استریوں سے صحبت
کرنیوالا۔ اور پچیسویں برس اپنا دھرم چھوڑ دیویگا

۱۹۱ تیسرے گھر میں چاند۔ ساتویں منگل اور آٹھویں سنیچر اور سورج ہوں
تو دھرم اپنا چھوڑ دیویگا۔

۱۹۲ جنم لگن سنگھ ہو۔ اور ساتویں گھر کمبھ اس میں سنیچر ہو۔ تو دھرم چھوڑ
دیویگا۔ کیونکہ وہ اپنے گھر میں بلوان ہوکر دھرم استھان کو پورن
درشٹی سے دیکھتا ہے۔ اور اس کا نیم ہے کہ جہاں اسکی درشٹی
ہو۔ اس کا ناش کرتا ہے۔

۱۹۳۔ میکھ راشی خانہ نہم میں ہو۔ تو خوف ہلا چور۔ واسی پریشان

۱۹۴ برکھ راشی خانہ نہم میں ہو۔ تو چوروں رہزنوں سے سفر میں خوف ہوا
دھرم میں اعتقاد عبادت بندگی۔ خواب خوشی آویں۔

۱۹۵ متھن راشی خانہ نہم میں ہو۔ تو کار عظیم سے فایدہ خواب خوشی سفر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یا ظفر اور تجارت اور شراکت سے فائدہ۔

۱۹۶۔ کرک راشی خانہ بہ نہم میں ہو۔ تو اعتقاد دھرم۔ بندگی۔ پرستش۔ خواب خوش۔ سفر نیک۔

۱۹۷۔ سنگھ راشی ناویں گھر میں ہو۔ تو سفر اختیاری یا نفع۔ توبہ بدکاری شغل عبادت خواب خوش۔

۱۹۸۔ کنیہ خانہ نہم میں ہو۔ تو خواب پریشان اور دیکھنا شیر و بھینس و فیل کا خواب میں سفر دور دراز اور تکالیف سفر۔

۱۹۹۔ تلا خانہ نہم میں ہو۔ تو پابندی دھرم بندگی عبادت ست سنگ راگ رنگ آواز شیریں۔ رقص سرود۔ باغ و سبزہ زار کنارہ آب محبت مادر فائدہ کثیر۔

۲۰۰۔ برچھک خانہ نہم میں ہو۔ تو سفر میں پریشانی اور خواب رنگارنگ ملنا امداد

۲۰۱۔ دھن خانہ نہم میں ہو۔ تو اعتقاد دھرم اور خواب راست آویں۔ اور سفر نزدیک سے فائدہ ہو۔

۲۰۲۔ مکر خانہ نہم میں ہو۔ تو سفر دور دراز سے فائدہ خواب ہائے پریشان اگر سیاہ رنگ مثلاً بھینس۔ ہاتھی وغیرہ بہتری عورات سے اور معاملات شراکتی سے۔

۲۰۳۔ کنبھ خانہ نہم میں ہو۔ تو ترقی علم اور زیادہ سفر۔ خواب ہائے پریشان

۲۰۴۔ مین خانہ نہم میں ہو۔ تو علم اور ست سنگ دھرم اور شادی سفر

۲۰۵۔ اگر سیم گن سنگھ ہو۔ اور ساتویں گھر میں پنجم ہو۔ تو مولود اپنے دھرم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یا مذہب ہیں نہیں رہیگا۔

۲۰۶ - اگر لگن میں منگل اور برہسپت اور راہو ہو۔ ساتویں شکر ہو۔ اور آٹھویں سورج ہو۔ تو مولود زناہ کار ہوگا۔ اور چھبیسویں سال دہرم اپنا ترک کرے گا۔

۲۰۷ - اگر تیسرے چاند اور ساتویں منگل اور آٹھویں سینچر و سورج ہوں تو مولود اپنا دہرم اور مذہب چھوڑ دیوے گا۔

۲۰۸ - اگر سنگھ لگن کا جنم ہو۔ اور ساتویں سینچر ہو۔ تو مولود دہرم اپنا ترک کریگا۔ کیونکہ ساتویں سینچر اپنے گھر کا ہوگا۔ اور سینچر تیسرے اور دسویں کامل نظر سے دیکھتا ہے۔ اور ساتویں سے نانواں گھر تیسرا ہوتا ہے۔ اور نانواں گھر متعلق دہرم اور مذہب کے ہے۔ اس لئے وہ دہرم بگاڑ دیویگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز یازدھم احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۱۰ - کرم گھر

۱- سورج دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو صاحب بخت اور دولتمند اور عالی مراتب ہو۔ بادشاہوں۔ حکام۔ بزرگوں سے فائدہ پہونچے۔ ورثہ پاوے۔ نربل ہو۔ تو ہر طرح روزگار۔ عزت اعتبار۔ رزق دولت میں کمی لاتا ہے۔

۲- چاند۔ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو نامور۔ دولتمند۔ ماں باپ کا آرام راجدربار سے عزت۔ و مرتبہ حاصل ہو۔ عیاش ہو۔ عورت کا پیارا عمدہ لباس و زیور ہوں۔ اگر نربل ہو۔ تو رنج تکلیف۔ آرام ماں باپ سے محروم۔ روزگار سے تنگ ہو۔

۳- منگل۔ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو صاحب اختیار۔ بلند مرتبہ نیک پرہیزگار۔ ہر ایک کام مشکل اور مقابلہ میں فتح پاوے۔ دلاور بہادر۔ سردار یا افسر فوج یا مہتمم کارخانہ ہتھیار۔ رعب والا لوگوں پر خوف ہو۔ اگر نربل ہو۔ تو معزولی درجہ۔ نقصان حکام رنج۔ تہمت زخم سفر بیفائدہ۔

۴- بُدھ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو نیکنام و صاحب قدر۔ ہر ایک ارادہ میں کامیاب معزز۔ ہردل عزیز۔ ہر ایک کا خیرخواہ۔ راجدربار سے مرتبہ حکومت نصیب ہو۔ دانا۔ نیک۔ اچھے روزگار۔۔۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

والا ہو۔ اگر نربل ہو۔ تو روزگار۔ عزت۔ درجہ میں خلل۔ زر دولت کا نقصان لوگوں میں بدنام۔

۵ برہسپت۔ دسویں گھر میں بلوان ہو دھرماتما۔ مالدار دولتمند۔ سخی متحمل باحوصلہ حلیم مزاج۔ خوبصورت خوش طالع۔ معزز صاحب اقبال نیک کام راجدربار میں قدر منزلت ہو۔ اگر نربل ہو۔ تو روزگار عزت رزق دولت میں نقصان۔ لوگوں میں بدنامی ہو۔

۶ شکر۔ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ عمدہ روزگار۔ تجارت سے فائدہ عورت نیک شائق سیر باغ۔ اکثر بیماری آنکھ کی ہو۔ اور آنکھوں کی بیماری کا حکیم ہو۔ اولاد زیادہ نامور۔ نیک خصلت صاحب دولت۔ اگر نربل ہو۔ تو نقصان زر دولت ماں باپ سے رنج۔ روزگار میں خلل۔

۷ سنیچر۔ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو حاسد مزاج۔ کمینہ روزگار بخیل بے فیض۔ بدی پسند۔ مرض داد خارش سے تکلیف۔ ماں باپ سے آرام نہ ملے۔ اپنی محنت سے دولت پیدا کرے۔ اگر نربل ہو۔ تو کاروبار میں خلل۔ نقصان دولت۔ ماں باپ کی موت۔

۸ راہ کیت۔ دسویں گھر میں ہو تو ادھرمی۔ بدکار۔ کمینہ۔ روزگار۔ زنانہ مزاج مرض بواسیر کا شاکی میلا۔ دھرم کا مخالف۔ آرام باپ سے محروم۔ روپیہ کمانے میں زیادہ متوجہ ہو۔ اور راجدربار سے عزت اور مرتبہ پاوے۔

۹ دسویں گھر کا مالک جنم لگن یعنے خانہ اوّل میں ہو۔ تو اپنی ماں کی خدمت نہ کرے۔ باپ کا تابعدار۔ روزگار اچھا۔ معزز۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰ دسویں گھر کا مالک دوسری گھر میں ہو. ماں سے پیار- باپ سے رنج جائیداد تھوڑی روزگار. اور بیوپار سے آسودہ

۱۱ دسویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں ہو. تو ماں اور اپنے رشتہ داروں سے رنج رکھے- اور نانکے اوسکی پرورش کریں۔

۱۲- دسویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو- تو آرام اور ماں باپ کا تابعدار اور سب لوگوں کا پیارا- اور راجدربار میں عزت- زمین مکان سے آسودہ۔

۱۳ دسویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو- تو نیکنام اور نیک کام- راگ رنگ کا شایق- معزز- صاحب علم۔

۱۴- دسویں گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو شبھ گرہ ہو. تو راجدربار اور باپ اور نانکیوں سے دولت پاتا ہے- الا خوف دشمن- پاپی گرہ ہو- تو رنج اور تکلیف و سفر بے فایدہ۔

۱۵ دسویں گھر کا مالک ساتویں گھر میں ہو. تو اوسکی عورت خوبصورت نیک خصلت خدمتگار خاوند و ساس سسر ہو. کاروبیوہار میں فایدہ عزت۔

۱۶ دسویں گھر کا مالک اٹھویں گھر میں ہو سخت دل- جھوٹھ بولنے والا- چور بدکار- ماتا کو تکلیف دینے والا- چھوٹی عمر- فریبی۔

۱۷- دسویں گھر کا مالک نانویں گھر میں ہو- تو دھرماتماں- ماں باپ سخی اور اور غریب مفلس کی خدمت کرنے والے ہوں- راجدربار میں عزت صاحب اقبال- بڑا مرتبہ۔

۱۸- دسویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو. تو معزز اور صاحب منصب

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دولتمند۔ امیر۔ ماں باپ کا فرمانبردار۔ راجدربار میں رتبہ اور

۱۹ دسویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو۔ عمر دراز۔ دولتمند۔ معزز۔ راجدربار میں درجہ اعلےٰ اور عزت۔ ماں باپ کا پیارا۔ اور اونکا خدمت گذار۔ خوش تقریر۔ ہر ایک کام اور مجلس میں ہوشیار۔

۲۰ دسویں گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو خرچ زیادہ۔ روزگار کیلئے ہمیشہ سفر ہو۔

۲۱ سورج۔ میکھ راس میں دسویں گھر ہو۔ صاحب اقبال معزز۔ جائداد بزرگان زیادہ اور چند مقامات پہ ہو۔ ماں باپ کی عمر دراز۔ راجدربار میں منصب اعلےٰ اور عزت نامور۔ اعلیٰ روزگار۔

۲۲۔ چاند۔ دسویں گھر میکھ راس بلوان ہو۔ راجدربار میں اعلےٰ درجہ یا کسی وقت کسی ملک کا راجہ یا حکمران باختیار ہو۔ زبان اور عزت کا بڑا بھاری خیال رکھے مختلف حصوں میں حکومت ہو۔ جائداد اراضی و مکانات بکثرت ہو۔ لیکن ایک وقت ایسا آجاوے کہ اوس کے پاس کچھ نہ رہے۔ آخری زمانہ پھر عزت اور اقبال میں بسر کرے۔

۲۳ منگل دسویں گھر میکھ راس میں ہو۔ پہلی عمر زمانہ اچھا گذارے۔ متوسط میں جاکر تکالیف پیش آویں۔ اور گذارہ سے تنگ ہوجاوے کام زیادہ اور روزگار معقول اور کئی مقامات پر کرے۔ بھائی بند بھی معمولی صاحب روزگار ہوں۔ اُن کی تکالیف اور مصائب کا بار اپنے اوپر لیوے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۴- بُدھ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ خواہان عزت۔ کئی کام۔ اور بسبب گذارہ کے ہوں۔ ہر ایک کام عقل اور سوچ سے کرے۔ نالائق بھائیوں سے رنج اُٹھاوے۔ تاہم لوگوں میں عزت اور نیکنام آخری عمر میں کس قدر ناموری پر دھبہ لگے۔

۲۵ برہسپت دسویں گھر سنگھ راس میں بلوان ہو۔ ابتدائے زمانہ سے صاحب اقبال بڑا نامور بہادر بڑے اختیارات منصب شاہی متوسط عمر میں کسی ملک کا راجہ یا مہاراجہ ہو جاوے۔ کسی زمانہ میں لوگوں کو تعلیم دیوے۔ اور اس کے بعد ستارہ قسمت بلندی اور عروج پر آوے۔ آخری عمر میں سب کچھ

۲۶ شکر- دسویں گھر سنگھ راس میں بلوان ہو۔ لائق ہوشیار۔ فصیح زبان اور کارعمدہ چاندی۔ سونا۔ جواہرات کا بیوپار کرے عورت سے رنج اور آخری عمر میں

۲۷ سنیچر- دسویں گھر سنگھ راس میں بلوان ہو۔ ابتدائے عمر سے پریشان اور گذارہ سے لاچار۔ رزق دولت جائداد و بزرگان تباہ کر دیوے کام کمینہ اور روزگار ناپسند خاندان ہو۔ بیشک ہر ایک کام میں کامیاب اور ہنر مند۔ لیکن جھوٹا۔ بے شرم بدصحبت۔ بدکارہ ۔

۲۸ . راہ کیت- دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ ظالم غصہ ور جنگ جو لڑائی میں فتح اور فائدہ حاصل ہو۔ متوسط عمر میں سخت خراب اور گذارہ سے تنگ لیکن آخر عمر میں دولتمند ہو۔

۲۹ سورج دسویں گھر برکھ راس میں بلوان ہو۔ نامور نیک

ہنرمند شاہی معاملات اور مقدمات میں کامیاب۔ معزز۔ اچھے کام کرنیوالا۔ بلند اقبال۔

۳۰ چاند۔ دسویں گھر برکھ راس میں بلوان ہو۔ تو معزز۔ نیکنام غیر ملک میں سفر۔ اعلےٰ درجہ اور مرتبہ نصیب ہو۔ دایم السفر۔ شائق سفر بحری روزگار عمدہ ہر ایک کام میں کامیاب ہو۔

۳۱ منگل دسویں گھر برکھ راس میں ہو۔ زبردست دلاور سخت مزاج ظالم معزز۔ صاحب دولت دشمنوں پر غالب اگر دیگر گرہ شبھ حالتمیں ہوں۔ تو مجسٹریٹ درجہ اعلےٰ ہو۔

۳۲ بدھ۔ دسویں گھر برکھ راس میں بلوان روزگار عمدہ صاحب علم۔ علم حکمت ورياضی میں لایق۔ سلیق۔ سخی۔ ماں باپ کو آرام دیوے۔

۳۳ برہسپت۔ دسویں گھر برکھ راس میں ہو۔ معزز۔ دولتمند۔ صاحب اولاد منصب و درجہ اعلےٰ نصیب ہو۔ منصب و عادل مزاج نیکنام۔ نیک کام۔ اختیارات فیصلہ مقدمات حاصل ہوں۔ روزگار عمدہ۔

۳۴ شکر۔ دسویں گھر برکھ راس میں بلوان ہو۔ گو ایک زمانہ سخت نقصانات کا پیش آوے۔ تاہم جائیداد زمین۔ مکان۔ سواری دولت۔ درجہ باختیار کام تجارت عمدہ نصیب ہو۔ لایق ادیب مصنف وغیرہ ہو۔ ماں باپ کو آرام۔

۳۵ سنیچر۔ دسویں گھر برکھ راس میں بلوان ہو۔ جائیداد زمین مکانات دولت۔ قدر زیادہ ہو۔ مگر باوجود اُس کے پہلی عمر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جھوٹھ ۔ غریب اور کمینہ کام اور کمینہ روزگار میں بسر کرے باپ
کو تکلیف اور ان کا نافرمان ۔

۳۶ ۔ راہ کیت ۔ دسویں گھر برکھ راس میں ہو ۔ ہنرمند ۔ کام دستکاری
کل سازی میں ماہر ۔ معزز ۔ لیکن جھگڑوں میں پریشان اور بے
قرار و نادار ہو ۔ اکثر تکالیف اور رنج پیش آویں ۔ اُن سے
آزادی پاکر وطن چھوڑ جاوے ۔

۳۷ ۔ سورج ۔ دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ ہنرمند ۔ دستکار ۔ نامور ۔
مشہور ۔ دلیر ۔ بہادر ۔ امیر کبیر ۔ معزز ۔ راجہ دربار میں صاحب
قدر ہو ۔

۳۸ چاند ۔ دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ روزگار عمدہ ۔ مویشی زیادہ معزز
سخی ۔ نیک نام ۔ کئی آدمی ماتحت ہوں ۔ دولتمند ۔ ماں باپ
خوش ۔

۳۹ ۔ منگل ۔ دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ تو کسی کی اطاعت نہ کرے اپنی
کمائی پر گذارہ ۔ بکہ روزگار نہ ہو ۔ ماں باپ سے مخالفت ۔

۴۰ بُدھ دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ کئی کام کرے ۔ مختلف کاموں پر گذارہ
ہو ۔ پہلی عمر پریشانی میں گذرے ۔ آخری عمر میں گذارہ آمدنی اچھی ہو
اور لوگوں میں عزت راجدربار میں قدر ہو ۔

۴۱ برہسپت دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ تو معزز ۔ نامور ۔ نیک نام ۔ راج
دربار میں عزت پیشہ تعلیم علم ۔ ماں باپ کو آرام ۔

۴۲ ۔ شکر ۔ دسویں گھر متھن راس میں ہو ۔ صاحب علم علم بیدانت قیافہ
منطق ۔ دہرم ودیا میں لائق پنڈت اور استاد ہو ۔ راجہ دربار ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہیں۔ اعلےٰ درجہ اور بلند منصب ہو۔ متوسط عمر میں درجہ اور منصب
اختیارات نصیب ہو۔ نامور مشہور ہو۔

۴۳ - سنیچر دسویں گھر متھن راس میں ہو۔ ادبرمی - پاپی - بد دیانت ماتحتوں کو
تکلیف اور رنج دینے والا - ماں باپ کا مخالف -

۴۴ راہ کیت - دسویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو ہنرمند - دستکار مشین بنانے
والا۔ عاقل دانا - دولتمند - سخی - لوگوں کے کام کرنیوالا - کئی ملکوں
کا سیر سفر پیش آوے

۴۵ - سورج - دسویں گھر کرک راس میں ہو - دانا - عقل کل - وزیر یا
کوئی اعلےٰ درجہ نصیب ہو - معزز مشہور - زبردست - دلیر - بہادر صاحب
اقبال دبدبہ والا -

۴۶ چاند - دسویں گھر کرک راس میں بلوان ہو - معزز نامور - صاحب جائیداد
لائق - نیک نام - دولت زمین سے آسودہ - ہر ایک کام میں ماہر -
ماں باپ کا تابعدار

۴۷ - منگل - دسویں گھر کرک راس میں ہو - ادنےٰ اور کمینہ گذارہ - سمبندیوں
سے نقصان - جائیداد کی بربادی - ماں - باپ سے مخالفت - اعزاز -
خاندان میں تنزل -

۴۸ - بدھ دسویں گھر کرک راس میں ہو - کم علم - اور صاحب عقل تجارت میں
ماہر - متوسط عمر کے بعد شادکام اور دولتمند ہو جاوے -

۴۹ برہسپت - دسویں گھر کرک راس میں ہو - عالم فاضل عقل کل دانا
خوش نصیب - راج دربار میں بڑا درجہ - یا وزیر سلطنت
آخری عمر میں عزت اور آرام زیادہ - ماں باپ معزز اور مسرور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۰ شکر۔ دسویں گھر کرک راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ بلکہ استاد علم ہو۔
کئی قسم کی سواریاں۔ درجہ اور منصب باختیار نصیب ہو۔
اس کے اعلیٰ عہدہ دار اوسکو اول تکلیف اور رنج پہونچاویں
مگر آخیر کار وہ مددگار۔ اور مہربان ہوں۔ ہر ایک کام و روزگار میں
کامیاب ہو۔

۵۱۔ سنیچر دسویں گھر کرک راس میں ہو۔ ادھری جھوٹا۔ بد دیانت بے ٹکانہ
نکما اور کمینہ مزاج۔ بدنام۔

۵۲۔ راہ کیت۔ دسویں گھر کرک راس میں ہو تعلیم یافتہ ہوشیار۔ مگر بے
عقل جاہل بے ٹکانہ اور بے اعتبار مزاج۔ رشتہ داروں کا مخالف
بدنام۔

۵۳۔ سورج۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ بلوان بہادر
زمین مکانات۔ سواریاں نصیب ہوں۔ راج دربار میں عزت
دہرماتماں سیر سفر پہاڑوں وغیرہ کا شائق۔

۵۴ چاند دسویں گھر سنگھ راس میں بلوان ہو۔ پہلی عمر اچھی گذرے اور
اچھے کام کرے۔ لیکن متوسط عمر میں روزگار جاتا رہے کسی
اور کا ترکہ ہاتھ آوے مختلف کاموں پر گذارہ ہو۔ البتہ مشہور اور
نامور۔

۵۵ منگل دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ ہر ایک سے مخالفت بمبند ہوں
سے دشمنی بخیل۔ جائداد بزرگان کا نقصان عزت خاندان میں
خلل۔

۵۶ بدھ۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عالم۔ دانا۔ شاعر بلکہ خود

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کتابیں بناوے بڑے اعلےٰ خیالات اور ایسی سمجھ ہو۔ گذارہ معقول۔ روزگار
اچھا مگر باوجود اس کے پھر بھی نادار اور تنگدست۔

۵۷ برہسپت۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عالم فاضل۔ نامور۔ معزز۔ نیک
مزاج۔ دھرماتماں۔ دھرم کی ہدایت کرنے والا۔ اُستاد معزز عہدہ
یا معزز روزگار اور شریف پیشہ۔ ماں۔ باپ کو آرام۔

۵۸ شکر۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ اعتباری اور اعلیٰ
درجہ منظور نظر شاہی۔ جائداد اور زمین پیدا کرے۔ خوشحال خوش مزاج
اور کئی فنون اور شعبدہ وغیرہ کا شائق۔

۵۹ سنیچر۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ ادھرمی۔ پاپی۔ بدکار۔ مدد گار۔
کمینہ پیشہ۔ بدنام۔ بدکلام۔ شائق سفر۔

۶۰ راہ کیت۔ دسویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ دلیر ہمت والا۔ جوان مرد
کئی ہنروں میں ماہر۔ دور ملکوں کا سفر اور سیر کرنے والا آخری
عمر میں زیادہ تر خوشحال ہو۔ کمینہ لوگوں اور کاموں سے
زیادہ فائدہ۔

۶۱ سورج۔ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ دھرماتماں۔ معزز۔ نامور معزز
روزگار اور اعلیٰ عہدہ با اختیار۔ نیکنام۔ صاحب جائیداد۔

۶۲ چاند۔ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو ہر طرح بدحال۔ پریشان۔ جھوٹا
نقصان جائداد بے وقت موت ماں یا باپ کا حادثہ پیش آوے دُبلا
بے قرار خیال۔

۶۳ منگل۔ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ ظالم بے رحم رشتہ داروں کا قاتل
گرفتہ گیرا۔ چوروں وغیرہ میں مستعد۔ دولت نہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۴ بدھ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ نیک لوگوں کو فائدہ پہونچاوے دستکار ہنرمند۔ جائیداد میں انقلاب۔

۶۵ برہسپت۔ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ اور اچھے کام کرنے والا۔ نیکنام عالم۔ فاضل۔ زاہد۔ بلکہ کئی کتابیں بناوے۔ اور تعلیم دیوے غیب کے معاملات از خود اوس کے خیال میں حاضر آویں۔ معزز نامور۔ جوگیشر ہو۔

۶۶ شکر دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو سمجھدار ہوں اور کئی خاندانوں کی پرورش کرے۔ عام حالات اور واقعات ملکی سے واقف اور اُن کو بخوبی مشتہر کرنے والا ہو۔ اچھے علوم کا استاد معزز

۶۷ سنیچر۔ دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ پہلی عمر رنج اور تکالیف میں گذرے۔ جائیداد وراثتاً حاصل ہو۔ روزگار اور گذارہ کئی وسائل پر ہو۔ کچھ مدت ملازمت بھی کرے آخری عمر میں زیادہ خوشحال ہو۔

۶۸ راہ کیت دسویں گھر کنیا راس میں ہو۔ چلنے پھرنے کا کام ہو۔ آرام کم تکلیف زیادہ۔ روزگار۔ اچھا ہو کر آخری عمر میں صاحب دولت ہو۔ ہر ایک کام دیانت داری سے کرے۔

۶۹ سورج۔ دسویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو ناموری اور عزت عہدہ روزگار میں خلل۔ کئی تکالیف کا حادثہ۔ بد دیانت۔ زمین پیدا کرکے اوسط فائدہ اور آرام نصیب ہو۔ نہ وہ زیادہ عرصہ تک قایم رہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۰ چاند۔ دسویں گھر تلا راس میں ہو۔ سفر کا شائق معزز۔ دولت سے تنگ زمین۔ مکان پیدا کرے۔ متلون مزاج۔

۷۱ منگل دسویں گھر تلا راس میں ہو۔ کوئی روزگار شوق یا پکا ارادہ نہ ہو۔ نہ کسی سے سلوک بلکہ دشمنی عام ہو۔ زمین اور جائیداد ہو کر زر دولت کا نقصان کرے لوگوں میں عزت نہ ہو۔

۷۲ بُدھ۔ دسویں گھر راس میں ہو۔ ہنر مند۔ ہوشیار۔ بے قرار۔ خیال جائیداد۔ وراثتاً پاوے۔ نامور مشہور۔ روزگار اچھا۔

۷۳ برہسپت دسویں گھر تلا راس میں ہو۔ صاحب علم۔ ہنر مند۔ بے اعتبار طبیعت پہلی عمر میں ضرور کسی کے تابع اور زیر سایہ ہو مگر اس کے بعد خود مختار اور صاحب درجہ افسر ہو جاوے معزز روزگار اچھا۔ ماں۔ باپ کا تابعدار۔

۷۴ شکر دسویں گھر تلا لگن میں ہو۔ تو صاحب علم و عقل ہو۔ اعلیٰ درجہ اور معزز۔ نامور۔ نیک نام۔ نیک کام۔ دولت مند صاحب جائیداد۔ اور جائیداد وراثتاً بھی حاصل ہو اچھا روزگار لوگوں میں سلوک اور اخلاق۔

۷۵ سنیچر۔ تلا لگن میں دسویں گھر ہو۔ تو درجہ اعلیٰ اور اختیارات حکومت۔ دانا۔ ہمیشہ مسافر۔ کمینہ روزگار۔ ادھرمی۔ فریبی ہانسی ٹھٹھولی کا شائق۔

۷۶ راہ کیت۔ دسویں گھر تلا راس میں ہو۔ کمینہ روزگار ہمیشہ محتاج شائق سفر۔ آرام گھر نصیب نہ ہو۔ موت اولاد کا حادثہ۔ بدنام۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۷۷. سورج - دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو نامور۔ معزز۔ صاحب جائیداد۔ الاد دشمن زیادہ ہوں۔ وقت موت ماں باپ آخری وقت اونکی خدمت سے محروم رہے۔

۷۸. چاند - دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو صاحب دولت اور عزت ہو۔ جائیداد وراثتاً حاصل ہو۔ اور جائیداد بزرگان بھی سخت تکالیف سے حاصل ہو۔ اور اوس کا نقصان بھی پیش آوے۔

۷۹. منگل - دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ لوہے کے کام کے لائق ہمیشہ سفر۔ کاریگر۔ دلادر۔ حوصلہ والا۔ روزگار۔ درجہ اوسط۔ زمین اور جائیداد نہ ہو۔ زیادہ تر نامور یا معزز نہ ہو۔

۸۰. بدھ دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ علم ہندسہ میں لائق۔ تعلیم کا دوستدار۔ دھرماتماں۔ دھرم کے کاموں میں دیا کھیان کرنے والا۔ حکمت علم جوتش میں تھوڑے مہارت دولتمند۔

۸۱. برہسپت دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ عالم کم روزگار کم گذارہ اور پہلی عمر پریشانی میں بسر ہو۔ زیادہ تر دولتمند یا معزز نہ ہو۔

۸۲. شکر دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تو پہلی عمر روزگار ادنےٰ مگر اوس کے بعد روزگار اعلےٰ اور نامور۔ نیک نام ہو جاوے صاحب جائیداد۔ شائق رنگ راگ اور تماشہ بین اور تماشہ گر کمپنیوں کا ممبر ہو۔

۸۳. سنیچر - دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ کمینہ روزگار تمام زمانہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

زندگی پریشانی اور مصائب میں بسر کرے بخیل کسی کو فایدہ نہ پہونچاوے۔

۸۴ راہ کیت۔ دسویں گھر برچھک راس میں ہو۔ کمینہ روزگار۔ اپنے دہرم کا مخالف ہانسی ٹھٹولی کا شایق صحبت کمینہ۔

۸۵ سورج دسویں گھر میں دہن راس میں ہو۔ غریب گھر میں جنم ہو عادات اچھے نہ ہوں۔ فسادی۔ فریبی۔ دغاباز۔ علم میں استاد متوسط عمر میں اقبال اور عزت راجدربار ترقی پر ہو۔ مشہور۔ نامور۔ نیک نام۔ آخری عمر میں موت فرزندان کا حادثہ۔

۸۶ چاند۔ دسویں گھر دھن راس میں ہو۔ علم اور کئی ہنروں میں ماہر جائیداد بزرگان کمتر ہو۔ ہمیشہ بیمار رہے۔ موت فرزندان کا حادثہ

۸۷ منگل دسویں گھر دہن راس میں ہو۔ صاحب اقبال۔ امیر دولتمند اختیارات مجسٹریٹی۔ شایق سفر۔ اور متوسط عمر میں تکالیف پیش آدیں۔ دلیر۔ بہادر۔

۸۸ بدھ دسویں گھر دھن راس میں ہو تو صاحب علم و تعلیم خاص حاصل ہو۔ دولتمند ہو کر بخیل طبعیت اور خیال مستقل نہ ہو۔

۸۹ برہسپت۔ دسویں گھر دہن راس میں ہو۔ علم قیافہ اور قیاس میں ماہر معزز صاحب علم۔ اور دولتمند امیر۔ نیک کام سخی فیاض تیرتھ اور آرام گاہ مسافراں بنواوے۔ بڑی عمر ہو۔

۹۰ شکر دسویں گھر دہن راس میں ہو۔ سواریاں زیادہ۔ نیک نام۔ سخی شایق عورات صحبت اشخاص بدفعل۔

۹۱ سینچر۔ دسویں گھر دھن راس میں ہو۔ کمینہ روزگار۔ کئی کاموں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پر گذارہ نہ ہو۔ دہرم سے رہت ہمیشہ پریشان خاطر

۹۲ راہ کیت۔ دسویں گھر دہن راس میں ہو۔ ہمیشہ مسافر۔ ادہری کئی کاموں پر گذارہ ہو۔ ماں باپ کو تکلیف۔ لوگوں میں بدنام۔

۹۳۔ سورج۔ دسویں مکر راس میں۔ ادنٰے روزگار۔ کوئی پیشہ مستقل نہ ہو۔ لوگوں کی نظر میں حقیر اپنے دہرم کا مخالف۔ چوری کا متہم اور کسی ناجائز کام سے خوف سزا۔ خدمت ماں باپ سے محروم ہر طرح تکلیف۔

۹۴۔ چاند۔ دسویں گھر مکر راس میں بلوان ہو۔ صاحب اقبال بلند شان جائیداد اور دولت اور حکومت با اختیار سے خوشحال۔ عیاش درمیانی عمر میں اکثر سفر۔ اعلیٰ درجہ اور مرتبہ کھویا جاوے عالم بلکہ شاعر۔ دہرم کرم میں پکا۔ عورت سے ترقی دولت اور مرتبہ ہو۔ ہر ایک کام اور قاعدہ شاہی میں ماہر۔

۹۵۔ منگل دسویں گھر مکر راس میں ہو۔ بہادر۔ دلیر۔ جائیداد۔ زمین دولت اقبال اختیارات سے مالا مال ہو۔ درمیانی عمر میں نقصان عزت اور مرتبہ۔ عیاش۔ اور عورات سے فائدہ۔ کارخانہ لوہے میں زیادہ فائدہ۔

۹۶ بدھ دسویں گھر مکر راس میں ہو۔ علم تجارت۔ جائیداد بزرگان سے فائدہ ہو۔ بلکہ نقصان جائیداد۔ اور کئی اقسام کی مصائب میں مبتلا ہو۔

۹۷۔ برسپت۔ دسویں گھر مکر راس میں ہو۔ عزت۔ دولت۔ جائیداد مال تجارت روزگار میں نقصان۔ زیر بار قرضہ۔ بہت تکالیف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پیش آویں۔

۹۸ شکر۔ دسویں گھر مکرراس میں بلوان ہو۔ تو بڑے درجہ اور اعلے رتبہ شان و شوکت اقبال۔ اقبال عورت سے فایدہ نصیب ہو۔ درمیانی عمر میں معزز اور اعلے مرتبہ اور اقبال میں تنزل ہو۔ دھرم میں قایم رہے۔

۹۹ سینچر۔ دسویں گھر مکرراس میں ہو۔ ادنےٰ درجہ۔ نکارہ پیشہ۔ بدعادت بدکار۔ فریبی کے فریب کے معاملہ میں خوف سزا اور مخالف دھرم۔ماں باپ کی خدمت نہ کرے۔ کئی مصیبتیں دیکھے۔

۱۰۰ راہ کیت۔ دسویں گھر مکرراس میں ہو۔ ہر طرح نتیجہ بد ہے۔

۱۰۱ سورج۔ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ ابتدا ء عمر میں عادات نافرمانی ماں باپ ناراض ہو جاویں۔ روزگار سرکاری میں خوف اور اندیشہ ہو۔ روزگار اچھا نہ ہو۔ نہ لوگ عزت کی نگاہ سے پیش آویں۔

۱۰۲ چاند۔ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ ابتداء عمر میں اچھا روزگار لیکن موت ماں باپ کا حادثہ اور مخالفت بھائیوں سے رنج اور تکلیف پیش آوے۔ اولاد سے محروم۔عزت آرام میں خلل۔

۱۰۳۔ منگل۔ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔کثیر تکالیف میں مبتلا۔ جوانی موت عورت اور فرزندان کا حادثہ۔ جائیداد کا نقصان روزگار بے رحمی پر گذارہ۔ پریشان۔ ہر ایک کام میں تکالیف۔

۱۰۴ بدھ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ دانا۔ صاحب علم۔ کام تعلیم یا تجارت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سے فایدہ۔ روپیہ اچھا کما دے۔ مگر کام ہمیشہ ادنی درجہ کے ہوں جو شایانِ عزت خاندان کے نہ ہو۔

۱۰۵ برہسپت۔ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ عالم فاضل۔ نامور۔ معزز۔ سخی نیک کام کرنے والا۔ اور علم وید کی میں استاد ہو۔ معزز اور دیانت دار مشہور نیکنام ہو۔

۱۰۶ شکر۔ دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ چھوٹی عمر میں شایق رنگ راگ عورت خوش بخت اور صاحب دولت ہو وہ دولت ساتھ لا دے۔ ہنرمند۔ متوسط عمر میں زمین سے بڑا فایدہ اور دولت حاصل ہو۔ اچھے مکان اور بڑے سامان اور اعلیٰ رتبہ و شان نصیب ہوگا۔ نامور۔ نیک نام ہو۔

۱۰۷ سنیچر دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ کمینہ روزگار۔ مسافر۔ دستکار۔ کلوں کے کام میں ماہر۔ ماں باپ کو تکلیف۔

۱۰۸ راہ کیت دسویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ کمینہ روزگار۔ بدکار بیکار ہمیشہ مسافر۔ مخالفت سے نقصان۔

۱۰۹۔ سورج دسویں گھر مین کی راس میں ہو۔ ابتدا عمر میں صدمہ موت باپ تباہی جائیداد بزرگان اور نقصان زر دولت۔ اس کے بعد جوانی میں کسیقدر آرام اور عزت نصیب ہو۔

۱۱۰۔ چاند۔ دسویں گھر مین کی راس میں ہو۔ جائیداد۔ دولت۔ عزت والے گھر میں جنم ہو۔ مگر اسکو نقصان پہونچا دے۔ جوانی میں صدمہ موت ماں سے کئی کام بگڑ جاویں۔ اسکے بعد پھر جائیداد اور مال دولت ہاتھ آوے۔ حالات دولت۔ عزت جلدی بدلتے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹۲۔ یوگ مذکور۔ اگر کیندر میں چاند بلوان ہو۔ اور شبھ گرہ بلوان ہوکر اوسکو دیکھتے ہوں۔ تو وہ شخص دانا اور دھنوان ہو۔

۲۹۳۔ یوگ مذکور پانچویں گھر میں برہسپت اور تیسرے گھر میں سورج اور باقی گرہ اپنے اپنے استھانوں پر یا شبھ استھانوں پر بلوان ہوں تو اندر یوگ کا مانند راجہ اندر کے آنند اور سکھ پراپت ہو۔ اگر بدھ کیندر میں ہو۔ تو ہر قسم کی سواری اور سکھ سنتان سے بھرپور ہو۔

۲۹۴۔ بھوپ یوگ ۱۔ ۲۔ ۹۔ ۵۔ گھر میں چاند بلوان ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ بلوان ہوکر اوس کے ساتھ ہو۔ تو شخص پرتھی پت اور راجہ ہو۔

۲۹۵۔ ایک گرہ لگن سے دوسرے گھر میں اور دو گرہ بلوان کسی اور گھر میں ہوں۔ تو اپنے خاندان میں سردار اور نامور ہو۔

۲۹۶۔ چہتر سار یوگ۔ چاروں کیندر میں چاروں شبھ گرہ جدا جدا بلوان ہوں تو بڑا امیر۔ دھنوان۔ سنتان۔ پرواد۔ اقبال والا راجہ کے مانند ہو۔

۲۹۷۔ سنگھاسن یوگ۔ ۹۔ ۵۔ ۶۔ ۱۲۔ ۳۔ گھر میں کوئی گرہ بلوان ہو یا لگنیش کیندر میں بلوان ہو۔ یا چاند۔ سورج۔ برہسپت۔ اپنے گھر کے ہوکر جنم لگن میں ہوں۔ یا سورج و برہسپت۔ پانچویں یا نویں گھر میں بلوان ہوں۔ اور منگل ساتویں گھر میں اور بدھ جنم لگن میں خواہ راہو نربل ہوکر لگن میں یا ۶۔ ۳۔ ۱۱۔ میں ہو تو شخص بڑا نامور۔ دھنوان۔ ہاتھی۔ گھوڑا۔ اونٹ سے سنتان سے خوشحال ہو۔ شتروں کا ناش۔

۲۹۸۔ راہو۔ کیتو۔ برکھ۔ کرک میں ہوکر جنم لگن میں ہو۔ تو راج نیتری ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۸ دسویں گھر کا مالک کیندر یا ترکون میں بلوان ہو۔ اور اُس کو یا دسویں گھر کو شبھ گرہ بلوان ہو کر دیکھتے ہوں۔ تو راج دربار میں اعلیٰ درجہ اور روزگار پاوے۔

۱۱۹۔ سورج مالک، لگن جنم یا دسویں گھر کا ہو کر پہلے یا دسویں گھر میں ہو۔ تو اعلےٰ روزگار اور راج دربار میں عزت نصیب ہو۔

۱۲۰ دسویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو اچھا روزگار اور اقبال نصیب ہو۔

۱۲۱۔ جنم لگن یا چوتھے گھر میں برہسپت بلوان ہوں۔ تو راج دربار میں عزت اور روزگار حاصل ہو۔

۱۲۲۔ تیسرے گھر میں برہسپت اور گیارہویں گھر میں چاند بلوان ہو۔ تو کُل دیپک ہو۔

۱۲۳ جنم لگن سنگھ ہو۔ اور اس میں منگل۔ پانچویں گھر میں چاند بلوان ہوں۔ بارہویں گھر میں راہو ہو۔ تو کُل دیپک ہو۔

۱۲۴۔ چھٹے اور اٹھویں گھر کے مالک ایک دوسرے کے گھر میں ہوں تو صاحب اقبال ہو۔

۱۲۵۔ چھٹے گھر میں برہسپت اور گیارہویں گھر میں چاند بلوان ہو۔ تو صاحب اقبال ہو۔

۱۲۶ دسویں گھر کا مالک پاپی گرہ سے سمبندھ رکھتا ہو۔ بے نشان اور بے عزت ہو۔

۱۲۷۔ سورج سے دسویں گھر کے مالک کو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو باپ کو تکلیف اور نقصان پہونچے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۸ - سورج و منگل ملکر دسویں یا نانویں گھر میں ہوں - تو موت باپ جلد آوے -
۱۲۹ - سورج و منگل ساتویں گھر میں راہ یا سنیچر کے ساتھ ہوں تو موت باپ جلد آوے -
۱۳۰ سورج ساتویں - منگل دسویں - راہ بارہویں ہو - تو موت باپ جلد آوے -
۱۳۱ - جنم لگن میں برہسپت اور دوسرے گھر میں بُدھ - منگل سنیچر ہوں - تو وقت شادی باپ کی موت ہو -
۱۳۲ - بین لگن میں سورج و چاند ہوں - اور اونکو پاپی گرہ دیکھتا ہو - تو باپ کی موت پانی میں ڈوبنے سے ہو -
۱۳۳ - سورج - شکر - دونو چر راشی میں ہوں - اور منگل اونکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو - تو موت باپ کی پردیس میں ہو -
۱۳۴ - سنیچر و منگل ملکر دسویں گھر میں ہوں - تو باپ کی موت ہو -
۱۳۵ - دسویں گھر کا مالک برہسپت یا شکر کے ساتھ یا اُن کی درشٹی میں بلوان ہو - تو باپ سے ہر طرح آرام اور عزت پاوے -
۱۳۶ چوتھے گھر کا مالک دسویں گھر کے مالک کے ساتھ دسویں گھر میں ہو تو باپ عیاش اور پر استری سے لگن کرنیوالا ہو -
۱۳۷ دسویں گھر میں سورج چاند ہوں - تو باپ پانی میں ڈوب جاوے -
۱۳۸ دسویں یا چھٹے گھر میں منگل ہو - تو بھر جوانی موت باپ کی آوے
۱۳۹ - دسویں گھر کا مالک سورج و منگل کے ساتھ ہو - تو موت باپ جلد ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۰ - جنم لگن میکھ ہو۔ اوس میں بُدھ اور ساتویں گھر میں برہسپت چوتھے گھر میں چاند دسویں گھر میں شکر ہوں تو صاحب اقبال اور اختیارات شاہی ہوں۔

۱۴۱ - جنم لگن کرک ہو۔ اوس میں برہسپت چوتھے گھر میں سینچر۔ ساتویں گھر میں شکر دسویں گھر میں منگل ہو۔ تو بڑا پرتاپ بمثل راجہ کے ہو

۱۴۲ پانچویں گھر میں برہسپت۔ چاند شبھ انش کے ہوں تو معزز اور پرتاپی ہو۔

۱۴۳ دسویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں۔ چوتھے گھر کا مالک، دسویں گھر میں بلوان ہو۔ ساتویں گھر کا مالک اونکو پورن درشٹی سے بلوان ہو کر دیکھتا ہو۔ تو تخت نشیں یا صاحب گدی یا بڑے اقبال اور پرتاپ والا ہو۔

۱۴۴ جنم لگن کنیا اور اُس میں بدھ ہو۔ منگل و سورج تیسرے گھر میں اور سینچر چھٹے گھر میں بلوان ہوں۔ تو بلند اقبال اور مرتبہ تخت نصیب ہو

۱۴۵ چوتھا گھر کرک راس کا ہو۔ اور اُس میں برہسپت ہو۔ دسویں گھر میں منگل ہو۔ تو دولتمند اور بڑا پرتاپ ہو۔

۱۴۶ جنم لگن میکھ اور اس میں چاند ہو سنگھ راس میں سورج دھن راس میں برہسپت مکر راس میں منگل کنبھ راس میں سینچر ہوں۔ تو بڑا اقبالمند یا راجہ ہو۔

۱۴۷ دو گرہ اپنے نوانسہ میں ہوں۔ تو اپنے خاندان میں دیپک اور سردار ہو

۱۴۸ دسویں گھر میں سینچر و سورج ملکر آویں۔ تو بدنام اور بے نشان و بے قدر ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۹ پہلے - دوسرے - چوتھے گھروں کے مالک اپنے اپنے گھروں میں اور
ناویں گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو۔ تو پرتاپی اور بڑے مرتبہ والا ہو
۱۵۰ پہلے چوتھے - ناویں دسویں گھروں کے مالک ملکر دسویں گھر میں
ہوں۔ تو صاحب جائداد اور امیر عالیشان ہو۔
۱۵۱ - چوتھے گھر کا مالک ناویں گھر میں ہو۔ اور ناویں گھر کا مالک کیندر
یا ترکون میں بلوان ہو۔ اور چوتھے گھر میں شکر برہسپت - بلوان
ہوں تو صاحب تخت اوربخت ہو۔
۱۵۲ جنم لگن برکھ ہو اوس میں چاند چوتھے گھر میں سورج ساتویں گھر میں
برہسپت دسویں گھر میں سنیچر بلوان ہوں تو صاحب تخت اوربخت
ہو۔
۱۵۳ - جنم لگن میں کوئی شبھ گرہ بلوان ہو۔ چھٹے گھر میں بدھ و برہسپت
ہوں۔ اور کرک لگن میں چندرماں و سورج ہوں تو پرتاپی اور
امیر کبیر ہو۔
۱۵۴ جنم لگن میں چاند - دوسرے گھر میں شکر اور چوتھے گھر میں برہسپت
بلوان ہو۔
سنیچر تلا راشی میں ہو۔ تو صاحب تخت وبخت ہو۔
۱۵۵ کیندر میں شبھ گرہ اور ۳-۶-۱۱ - پاپی گرہ بلوان ہوں - تو بڑا
پرتاپی ہو۔
۱۵۶ کوئی گرہ بین لگن میں ہو۔ اور شکر و برہسپت کیندر میں ملکر بلوان ہوں
تو بڑا پرتاپی ہو۔
۱۵۷ جنم لگن میں چاند شکر - برہسپت کیندر یا ترکون میں بلوان ہوکر...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ایک دوسرے کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں تو بڑا پرتاپی ہو۔

۱۵۸ - جنم لگن میں برہسپت اور دسویں گھر میں شکر بلوان ہو۔ تو راج پدوی پراپت ہو۔

۱۵۹ - جنم لگن میں برہسپت اور کیندر میں بدھ بلوان ہو۔ اور نانویں گھر کا مالک پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔ تو صاحب اقبال ہو۔

۱۶۰ - جنم لگن مین ہو اور اوس میں برہسپت بلوان ہوں۔ نانویں گھر کا مالک اپنے نوانشہ کا ہوکر آٹھویں گھر میں ہو۔ تو صاحب اقبال اور بلند مرتبہ ہو۔

۱۶۱ - چھ گرہ اوچ استھان پر ہر طرح سے بلوان ہوں۔ تو شہنشاہ ہو

۱۶۲ - چاند سے تیسرے گھر میں سورج و سنیچر۔ اور چوتھے گھر میں بدھ و شکر اور گیارہویں۔ گھر میں برہسپت ہوں۔ تو بڑا پرتاپی اور صاحب اقبال ہو۔

۱۶۳ - جنم لگن کنیا اور اوسمیں بدھ ہو۔ اور ساتویں گھر میں برہسپت نانویں گھر میں شکر اور گیارہویں گھر میں سنیچر ہو۔ تو امیر الملک یا راجہ ہو۔

۱۶۴ نانویں گھر میں تلا راس کے سنیچر۔ پانچویں گھر میں منگل۔ بدھ۔ برہسپت شکر ہوں۔ تو بلند اقبال ہو۔

۱۶۵ - میکھ لگن کے سورج نانویں گھر میں تیسرے گھر میں سنیچر۔ چھٹویں گھر میں منگل دسویں گھر میں شکر ہوں۔ تو امیر یا راجہ ہو۔

۱۶۶ - برکھ۔ کنیا۔ برچھیک۔ مین۔ راسوں میں تمام گرہ ہوں۔ تو خوش بخت ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۶۷ جنم لگن بسنگھ۔ دشمن۔ کنبہ راسیوں میں تمام گرہ ہوں۔ تو مرتبہ بلند ہو

۱۶۸ جنم لگن میکھ ہو۔ اوسمیں سورج و برہسپت ہوں۔ دسویں گھر میں منگل۔ نانویں گھر میں چاند۔ بدھ شکر۔ بلوان ہوں۔ تو راجہ یا امیر کبیر ہو۔

۱۶۹ چاند۔ بدھ۔ برہسپت کے گھر و نمیں تمام گرہ بلوان ہو تو بڑا امیر کبیر ہو

۱۷۰۔ لگن یا چاند سے نانویں اور دسویں گھر کے مالک ایکدوسرے کے گھر میں ہوں تو صاحب اقبال یا راجہ ہو۔

۱۷۱۔ ہر سات گرہ اپنے اپنے متر کے گھروں میں۔ بلوان ہو۔ تو بلند مرتبہ ہو۔

۱۷۲۔ ساتویں گرہ اگر اپنے اپنے گھروں میں بلوان ہوں۔ تو راجہ ہو یا امیر

۱۷۳۔ اگر تین گرہ اپنے اپنے اوچ گھروں میں ہو۔ تو راجہ یا راج منتری ہو۔

۱۷۴۔ اگر پانچ گرہ اپنے اپنے اوچ استہان پورن بلوان اور شبھ گھروں میں ہوں۔ تو بادشاہ یا راجہ ہو۔

۱۷۵۔ پورن چندرماں بلوان کو بدھ۔ شکر۔ برہسپت۔ بلوان ہو کر پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو راجہ یا امیر ہو۔

۱۷۶ جنم لگن برکھ ہو۔ اور اس میں پورن چاند ہو۔ اوسکو شکر و برہسپت پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں تو بلند اقبال یا راجہ ہو۔

۱۷۷ جنم لگن کنیا ہو۔ اور اُس میں بدھ ہو۔ دوسرے گھر میں شکر نانویں گھر میں چاند۔

۱۷۸ جنم لگن میں مکر کے برہسپت ساتویں گھر میں چاند۔ گیارہویں گھر میں منگل آٹھویں گھر میں شکر ہو۔ تو خوش اقبال۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷۹۔ جنم لگن کرک ہو۔ اُس میں چاند اور برہسپت ہوں۔ گیارہویں گھر میں شکر دسویں گھر میں سورج بلوان ہوں۔ تو راجہ یا امیر ہو۔

۱۸۰۔ جنم لگن میکھ ہو۔ اوس میں سورج و چاند ہوں۔ نانویں گھر میں برہسپت ہو تو راجہ یا صاحب اقبال ہو۔

۱۸۱۔ بُدھ۔ برہسپت کیندر۔ ترکوں میں ہو کر ایک دوسرے کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو بلند اقبال امیر ہو۔

۱۸۲۔ میکھ کے سورج۔ برکھ کے چاند جنم لگن میں متھن کے بُدھ یا سنگھ کے برہسپت۔ یا برچھک کے منگل ہوں تو راجہ یا امیر ہو۔

۱۸۳۔ تلا کے سنیچر جنم لگن میں اور کرک راس میں پورن چاند ہوں۔ اور اُن کو شبھ گرہ۔ پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو تخت نشین یا امیر ہو۔

۱۸۴۔ جس گھر میں چاند ہو۔ اُس کا مالک اور لگنیش دونوں بلوان ہو کر چندرماں کے ساتھ ہوں۔ تو راجہ یا امیر ہو۔

۱۸۵۔ جنم لگن میکھ ہو۔ اوس میں سورج۔ چاند مکر آدیں۔ شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو راج منتری ہو۔

۱۸۶۔ جنم لگن مکر ہو۔ اوس میں چاند اور منگل مکر آدیں۔ بُدھ نانویں گھر میں ہو۔ تو بلند مراتب ہو۔

۱۸۷۔ جنم لگن مکر ہو۔ اس میں سنیچر و منگل اور دھن راشی میں سورج و چاند ہوں تو خوش بخت اور صاحب اقبال ہو۔

۱۸۸۔ جنم لگن کرک اور اُس میں چاند ہو۔ نانویں گھر میں برہسپت۔ دسویں گھر میں منگل ہو۔ تو بڑا پرتاپی اور بلند مرتبہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر بدھ ۔ برہسپت ملکر آویں تو راجہ یا جوگیشر ہو۔

۲۰۸ دسویں گھر میں سورج و بدھ چھیویں گھر میں راہو و منگل ہوں تو صاحب رتبہ ہو۔

۲۰۹ دسویں گھر میں استھر راشی ہو اور اُس میں دسویں گھر کا مالک ہو اور برہسپت کیندر میں ہو۔ تو صاحب رتبہ ہو۔

۲۱۰ پانچویں گھر کا مالک دسویں گھر میں نانویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں اور لگنیش گیارہویں گھر میں ہو۔ تو وزیر یا مصاحب راجہ کا ہو۔

۲۱۱ پہلے ۔ چوتھے دسویں گھر کے مالک اگر پانچویں ۔ نانویں گھر کے مالک کے ساتھ ہوں تو صاحب مرتبہ اور بلند اقبال ہو۔

۲۱۲ بشکر برہسپت چوتھے گھر میں ہوں تو بلند مرتبہ اور صاحب اقبال ہو۔

۲۱۳ ۔ ہنم لگن کنیا میں بدھ چاند ہوں ۔ خواہ نانویں دسویں گھر میں ہوں تو صاحب اقبال اور بلند مراتب ہو۔

۲۱۴ ۔ ایک گرہ بھی اوج استھان پر ہو اور متر اوسکا اُسکو دیکھتا ہو۔ تو صاحب اقبال اور بلند مرتبہ ہو۔

۲۱۵ چوتھے گھر کا مالک اگر پہلے یا پانچویں یا نانویں یا دسویں گھر میں ہوں تو صاحب مرتبہ ہو۔

۲۱۶ ۔ دسویں گھر کا مالک کیندر یا ترکون یا دوسرے گھر میں بلوان ہو تو صاحب مرتبہ ہو۔

۲۱۷ نانویں گھر کا مالک دھن راس میں ہو۔ تو صاحب اقبال اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بلند مراتب ہو

۲۱۸ دسویں گھر کا مالک شبھ گرہ کے ساتھ پانچویں گھر میں ہو۔ تو صاحب اقبال ہو۔

۲۱۹ نانویں خواہ گیارہویں گھر میں دو شبھ گرہ بلوان ملکر آویں اور ایک پاپی گرہ دسویں گھر میں ہو۔ تو بڑا امیر اور اعلےٰ رتبہ والا ہو۔

۲۲۰ کوئی گرہ اوچ ہو کر دسویں خواہ پانچویں گھر میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ نانویں گھر میں ہو۔ اور ۶-۸-۱۲- گھر میں راہو ہو۔ تو راجہ یا بڑا امیر ہو۔

۲۲۱ اشنی۔ کرتکا یکھ نچھتر میں جنم ہو۔ شکر یا برہسپت شبھ استھان پر بلوان ہوں۔ تو صاحب اقبال اور خوش بخت ہو۔

۲۲۲ لگن جنم میں کوئی گرہ نہ ہو۔ بارہویں اور دوسرے گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو پتا جلد مر جاوے۔

۲۲۳۔ اٹھویں گھر میں منگل۔ بارہویں گھر میں چاند و سورج۔ تیسرے گھر میں برہسپت سینچر ہوں تو باپ فوراً مر جاوے۔

۲۲۴۔ دسویں گھر کے مالک سورج شکر کے ساتھ ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو باپ کی نظر اور آنکھ کو نقصان پہونچاوے۔

۲۲۵۔ دسویں گھر کے مالک برہسپت ہو کر ۶-۸-۱۲ گھروں میں آویں تو ماں باپ کو گنگ کر دیویں یا نقصان پہونچاویں۔

۲۲۶ چاند اور جنم لگن کو اگر کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ تو راج یوگ اپنا پھل نہ کریں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۷ سورج اپنی انس کے ہوں۔ اور چاند است ہو کر پاپی گرہوں
کی درشٹی میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ بلوان ہو کر نہ دیکھتا ہو۔
تو راج یوگوں کا پھل نہ ہو۔

۲۲۸۔ سورج نیچ استھان میں ہو۔ تو راج یوگ جاتا رہے۔

۲۲۹ برہسپت است ہو یا شکر سنیچر بدھ پاپی گرہ کے گھر میں ہوں اور
جنم لگن کنبھ ہو۔ دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو راج یوگ
جاتا رہے۔

۲۳۰۔ برہسپت نیچ استھان پر ہوں۔ تو راج یوگ نشپھل جاوے۔

۲۳۱۔ جنم لگن میں راہو۔ ساتویں گھر میں چاند تیسرے گھر سنیچر و منگل
ہوں۔ تو کیندر میں کوئی شبھ گرہ نہ ہو۔ تو راج یوگ
نشپھل ہو۔

۲۳۲۔ سب شبھ گرہ چھیویں گھر میں یا نیچ استھان میں خواہ چھیویں گھر
میں چار گرہ مل کر آویں تو راج یوگ نشپھل ہو۔

۲۳۳ شکر نیچ استھان پر ہوں۔ تو راج یوگ نشپھل ہو۔

۲۳۴ بین لگن اور کیندر میں پاپی گرہ ہوں اور کوئی شبھ گرہ اون کے
ساتھ نہ ہو۔ نہ دیکھتا ہو۔ یا سب گرہ شبھ اس میں یا دشمن کے گھر میں
یا بارہویں گھر میں ہوں تو راج یوگ نشپھل ہو۔

۲۳۵ چھن چندرماں اپنے اوچ استھان پر ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ اُسکو دیکھتا
ہو تو دوش چندرماں جاتا رہے۔

۲۳۶۔ پورن چاند شبھ گرہ کے دو اونس میں ہو۔ تو دوش چاند کا
جاتا رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بلند مراتب ہو

۲۱۸ دسویں گھر کا مالک شبھ گرہ کے ساتھ پانچویں گھر میں ہو۔ تو صاحب اقبال ہو۔

۲۱۹ نانویں خواہ گیارہویں گھر میں دو شبھ گرہ بلوان ملکر آویں اور ایک پاپی گرہ دسویں گھر میں ہو۔ تو بڑا امیر اور اعلےٰ رتبہ والا ہو۔

۲۲۰ کوئی گرہ اوج ہو کر دسویں خواہ پانچویں گھر میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ نانویں گھر میں ہو۔ اور ۶-۸-۱۲- گھر میں راہو ہو۔ توراج یا بڑا امیر ہو۔

۲۲۱ اشنی۔ کرتکا پکھ نچھتر میں جنم ہو۔ شکر یا برہسپت شبھ استھان پر بلوان ہوں۔ تو صاحب اقبال اور خوش بخت ہو۔

۲۲۲ لگن جنم میں کوئی گرہ نہ ہو۔ بارہویں اور دوسرے گھر میں پاپی گرہ ہوں۔ تو پتا جلد مر جاوے۔

۲۲۳۔ اٹھویں گھر میں منگل۔ بارہویں گھر میں چاند و سورج۔ تیسرے گھر میں برہسپت سینچر ہوں تو باپ فوراً مر جاوے۔

۲۲۴۔ دسویں گھر کے مالک سورج شکر کے ساتھ ۔ ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو باپ کی نظر اور آنکھ کو نقصان پہونچاوے۔

۲۲۵۔ دسویں گھر کے مالک برہسپت ہو کر ۶-۸-۱۲ گھروں میں آویں تو ماں باپ کو گنگ کر دیویں یا نقصان پہونچاویں۔

۲۲۶ چاند اور جنم لگن کو اگر کوئی شبھ گرہ نہ دیکھتا ہو۔ تو راج یوگ اپنا پھل نہ کریں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۲۷ سورج اپنی انس کے ہوں۔ اور چاند است ہو کر پاپی گرہوں کی درشٹی میں ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ بلوان ہو کر نہ دیکھتا ہو۔ تو راج یوگوں کا پھل نہ ہو۔

۲۲۸۔ سورج نیچ استھان میں ہو۔ تو راج یوگ جاتا رہے۔

۲۲۹ برسپت است ہو شکر۔ سنیچر بدھ پاپی گرہ کے گھر میں ہوں اور جنم لگن کنبھ ہو۔ دسویں گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو راج یوگ جاتا رہے۔

۲۳۰۔ برسپت نیچ استھان پر ہوں۔ تو راج یوگ نسپھل جاوے۔

۲۳۱۔ جنم لگن میں راہو۔ ساتویں گھر میں چاند تیسرے گھر سنیچر و منگل ہوں۔ تو کیندر میں کوئی شبھ گرہ نہ ہو۔ تو راج یوگ نسپھل ہو۔

۲۳۲۔ سب شبھ گرہ چھیویں گھر میں یا نیچ استھان میں خواہ چھیویں گھر میں چار گرہ ملکر آویں تو راج یوگ نسپھل ہو۔

۲۳۳ شکر نیچ استھان پر ہوں۔ تو راج یوگ نسپھل ہو۔

۲۳۴ جن لگن اور کیندر میں پاپی گرہ ہوں اور کوئی شبھ گرہ اون کے ساتھ نہ ہو۔ نہ دیکھتا ہو۔ یا سب گرہ شبھ اس میں یا دشمن کے گھر میں یا بارہویں گھر میں ہوں تو راج یوگ نسپھل ہو۔

۲۳۵ چھن چندرماں اپنے اوچ استھان پر ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ اسکو دیکھتا ہو تو دوش چندرماں جاتا رہے۔

۲۳۶۔ پورن چاند شبھ گرہ کے دواونس میں ہو۔ تو دوش چاند کا جاتا رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۳۷ - اگر جنم رات کیوقت چاندنی پکھ میں ہو۔ اور چاند کو شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو دوش اوسکا جاتا رہے۔

۲۳۸ - اگر جنم کرشن پکھ میں دن کو ہو۔ اور چندرماں کو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو دوش اُس کا جاتا رہے۔

۲۳۹ - چاند پاپی گرہ کے گھر میں ہو۔ اور اُس گھر کا مالک چاند کے ساتھ ساتھ ہو۔ یا اوسکو دیکھتا ہو۔ تو دوش چاند دور ہو جاوے۔

۲۴۰ لگنیش بلوان ہو کر شبھ گرہ درشٹی میں یا اپنے متر کے گھر میں ہو۔ تو تمام دوش کنڈلی کے دور ہو جاویں۔

۲۴۱ پکھ پنچھتر کے ۲-۳-۴ چرن میں یا دو ہتی پنچھتر کے دوسرے چرن میں چاند ہو۔ تو دوش کنڈلی دور ہو جاوے۔

۲۴۲ - لگن پنچھتر جوگ شبھ ہو۔ اور شبھ گرہ جنم لگن کو دیکھتا ہو۔ تو تمام دوش کنڈلی دور ہو جاویں۔

۲۴۳ - میکھ - برکھ - متھن - کنیا - کرک - ملی کے راس - جنم لگن میں ہوں۔ تو تمام دوش دور ہو جاویں۔

۲۴۴ - کنڈلی میں شبھ یوگ زیادہ ہوں۔ اور اشبھ یوگ کم - تو کچھ نقصان نہیں ہوتا ہے۔

۲۴۵ - جنم لگن میں اپنے یا اپنے متر یا اوچ استھان - یا مول ترکون کے برہسپت یا شکر یا بدھ ہوں۔ تو تمام دوش کنڈلی کے دور ہو جاویں

۲۴۶ سب شبھ گرہ کیندر یا ترکون میں ہوں۔ تو کوئی دوش کنڈلی کا اثر نہیں کر سکتا ہے۔

۲۴۷ - ۳-۳-۶-۱۱ گھر میں راہو ہو۔ تو سب دوشوں کو دور کرتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۴۸- پورن چاند کیندر- ترکون میں برہسپت کی درشٹی میں ہو- تو سب دوشوں کو دور کرتا ہے۔

۲۴۹- شبھ گرہ بلوان- اور اشبھ گرہ نربل ہوں- تو کوئی دوش نہیں آتا ہے۔

۲۵۰- ۱-۴-۵-۹-۱۰- گھروں میں برہسپت یا بدھ- یا شکر اپنے گھر یا اپنے متر کے گھر میں یا اوچ استھان میں، یا اور صورت سے بلوان ہو کر آویں تو تمام دوشوں کو دور کرتی ہیں۔

۲۵۱- سورج میکھ لگن میں ہو تو ودیاوان- دانا- کئی ہنروں میں ہوشیار

۲۵۲- چاند- برکھ لگن میں ہو- تو اچھا کھانا- اور سندر لبتر پراپت ہوں۔

۲۵۳- منگل- مکر لگن میں ہو- تو دھن وان- پرتاپی- اور غلاموں کا سوامی ہو۔

۲۵۴- بدھ- کنیا لگن میں ہو- تو راج منتری- دھنوان- بڑے اقبال والا

۲۵۵- برہسپت کرک لگن میں ہو- پرتاپی- اقبال والا بڑے اختیارات مرتبہ بلند- امیر یا راجہ ہو۔

۲۵۶- شکر مین لگن میں ہو- تو دولتمند- پرتاپ والا- بڑا درجہ اعلیٰ مرتبہ امیر یا راجہ ہو۔

۲۵۷- سنیچر- تلا لگن میں ہو- تو بڑا امیر- دھنوان- اعلیٰ اقبال راجہ یا مہاراجہ ہو۔

۲۵۸- جب تین شبھ گرہ اپنے اپنے گھروں میں بلوان ہوں- تو راج منتری ہو- اگر تین شبھ گرہ اپنے اپنے گھروں کے سوا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دوسرے شبھ استھانوں پر ہوں اور تین اشبھ گرہ ایک گھر میں یا جُدا جُدا گھروں میں پاپی ہوکر آویں تو کسی کا ٹہلیا ہو یعنے خدمتگار ہو۔

۲۵۹۔ چاندر، سورج، شکر۔ ایک گھر میں ہوں تو نیچ بدھی۔ مورکھ ہوگا۔

۲۶۰۔ بدھ، برہسپت، شکر، چاند۔ بلوان ہوکر کیندر میں ہوں۔ تو دانا خوشحال ویرگھ آیو۔ راجہ ہو۔ اگر اوچ استھان کے ہوں تو مہاراجہ ہو۔

۲۶۱۔ سورج، منگل، سینیچر، راہ کیت۔ بلوان ہوکر ۳-۶-۹-۱۱ گھروں میں مکر یا جُدا جُدا ہوں۔ تو راج تل شبھ پھل کرتے ہیں۔

۲۶۲۔ برہسپت جنم لگن میں بلوان ہو۔ باقی گرہ شبھ اشبھ۔ کسی گھر میں ہوں تو منش کل دیپک اور اپنے گھر میں سردار ہوگا۔

۲۶۳۔ ۲-۷-۱۲۔ گھروں میں شبھ خواہ اشبھ گرہ ہوں تو راج منتری اور اپنے خاندان میں سردار ہوگا۔

۲۶۴۔ پانچویں گھر میں برہسپت دسویں گھر میں چاند ہو۔ تو کاریگر۔ دھنوان ہو

۲۶۵۔ دسویں گھر کنڈلی میں تو تلا یا مین راس میں شکر و برہسپت ہوں۔ تو راج گدّی دھنوان اور لوگوں پر احسان کرنیوالا اور اسکے گھر سیتے بدھوان بلوان ہوں

۲۶۶۔ سب گرہ پہلے اور چوتھے گھر میں ہوں۔ باقی سب گھر خالی ہوں تو خوشحال دھنوان۔ آدھی اوستھا میں راج پدوی یا تپسی جوگیشر ہو جاوے۔

۲۶۷۔ سنگھ راس میں سورج اور کرک راس میں چاند اور چاند سے ۳-۱۱ گھر میں برہسپت بلوان ہو۔ تو راجہ ہوگا۔

۲۶۸۔ کوئی گرہ (سورج کے سوا) یارہویں خواہ دوسرے گھر میں ہو۔ تو دھنوان خوشحال۔ راج منتری۔ سخی نامور۔ ودوان۔ بلوان نرم سبھاؤ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶۹ ایک گرہ بارہویں گھر میں اور ایک گرہ دوسری گھر میں (سورج کے سوا) ہو۔ تو وہ ملک میں نامور۔ ساتھ نیکی کے ہونیچی رکھنا عمدہ۔ سمبندیوں کی پرورش کرنیوالا ہو۔ دھنوان۔ راجدربار ماننا ہو۔

۲۷۰ کیمنارم یوگ (سورج کے سوا) کوئی گرہ تیسرے گھر میں اور ایک گرہ گیارہویں گھر میں ہو۔ توراجہ کے گھر میں جنم لیوے تو فودبن اور اپرادھی۔ چور۔ کامی۔ بدنام ہوگا۔ اور سدا روگی۔ سوگی رہیگا۔ اس کا بھائی بھی جلد مرتو ہوگا۔

۲۷۱ سینچر تو تلا لگن خواہ دھن لگن میں ہوکر جنم لگن میں ہو۔ توراجہ ہوگا۔

۲۷۲۔ پانچویں اور نانویں گھر میں ایک ایک شبھ گرہ ہو۔ تو مہاراجہ ہوگا۔

۲۷۳۔ راج گتی یوگ مکر۔ کنبھ۔ برکھ۔ دھن لگنوں میں بلوان ہوکر شبھ گرہ ہوں۔ تو بڑا نامور اور بلوان راجہ ہوگا۔
اگر اون لگنوں میں کوئی گرہ نہ ہو۔ تو اپنے خاندان میں با اختیار سردار ہوگا۔

۲۷۴ آٹھویں۔ بارہویں گھر میں سینچر۔ بدھ۔ راہو۔ ہوں۔ اور دوسرے گرہ آٹھویں اور بارہویں گھر کے مدھ میں ہوں۔ توراجہ ہوگا۔ بشرطیکہ فوراً مرتو نہ ہو۔ اگر جیتا رہیگا۔ تو ۴۰ برس کے بعد مرتو ہوگا۔

۲۷۵ جنم لگن برچھک ہو۔ سورج سنگھ راس میں ہو۔ چاند۔ منگل۔ بدھ۔ برہسپت شکر۔ سینچر۔ راہو کیت اور گھر میں ہوں۔ توراجہ ہوگا مگر اسکے بھائی کی موت کا اندیشہ ہوگا۔

۲۷۶ جو گرہ کیندر میں بلوان ہوگا۔ اوسکے تعلق سے روزگار اور کام کاج ہوگا
۱۔ سورج کیندر میں ہو۔ توراجدربار میں روزگار ہوکر دھن کی پراپتی ہوگی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

٢- چاند کیندر میں ہو۔ تو ساہوکاران اور بیوپاریاں کے روزگار سے دھن پراپت ہوگا۔

٣- کیندر گھر میں منگل یا راہو ہو۔ تو سوداگری کپڑہ سے دولت پراپت ہوگی۔

۴- کیندر گھر میں بدھ ہو۔ تو روزگار ودیا پڑھانے اور بید پڑھنے پڑھانے کا ہو۔ ودیا کے کاموں میں دھنوان ہو۔

۵- برہسپت کیندر میں ہو۔ سچ بولنے والا۔ بدھوان۔ پنڈت ودوان ہو۔ ودیا راج دربار سے دھنوان ہو۔

٦- شکر کیندر میں ہو۔ ودوان۔ بڑا پنڈت۔ لوگوں میں قدر اور مانتا ہو۔ ودیا اور کار بیوہار سے دھن پراپت ہو۔

۷- کیندر گھر میں سنیچر ہو۔ تو کھیتی اور نوکری پیشوں سے دھنوان ہو۔

٢٧٧ چھٹے گھر میں چاند پہلے گھر میں سنیچر۔ ساتویں گھر میں منگل ہو۔ تو پتا مرتو ہو۔

٢٧٨- ١- ٨ گھر میں راہو ہو اور چاند اسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو تو پیدائش کے وقت بیاد باپ مرتو ہو۔ سنیچر تو تلا۔ مکر کمبھ میں ہو کر ١-٣-٨- گھر میں ہو۔ تو وہ ودیتی حیات رہیگا۔

٢٧٩- دسویں گھر کا مالک کیندر۔ ترکون یا دوسرے گھر میں بلوان ہو تو بڑے مرتبہ والا۔ نیکنام دولتیوں اور سواریوں کا سوامی ہو۔

٢٨٠- شبھ گرہ اوچ استھان ہو کر ۵- ١٠- ٩- ٦- ٨- ۴- ١٢- گھروں میں ہوں تو راجہ یا بادشاہ یا بڑا امیر ہو۔

٢٨١- دوسرے گھر میں شکر نویں گھر میں برہسپت چھٹے گھر میں راہو ہو۔ تو بادشاہ ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۸۲ برہسپت اپنے گھر میں بلوان ہو تو دولتمند یا وزیر یا افسر لشکر ہو۔

۲۸۳- چاند بلوان ہوکر ۱-۲- ۱۲- گھر میں ہو۔ تو راجہ یا راجہ کا دوست ہو۔ مگر پاپی گرہ اسکے ساتھ نہ ہو۔ نہ اوسکو دیکھتا ہو۔

۲۸۴- اگر کل گرہ جنم سے ایک طرف بارہویں یا دوسرے گھر میں ہوں تو راج یوگ ہے

۲۸۵- جنم لگن -میکھ- برکھ- دہن ہو۔ اور اسمیں گرہ بلوان ہو تو با اختیار حاکم ہوگا۔ اور سزا دیا کریگا۔

۲۸۶- سنگیاسن یوگ- جنم لگن سیکھ- دہن- تولا- مکر- مین ہو اور اُس میں مالک لگن بلوان ہو۔ تو راجہ ہوگا۔

۲۸۷- راج یوگ نو پرکار کے رکھیشران نے لکھے ہیں۔

۱- چاند- برہسپت- بلوان ہوکر مکر کیندر میں ہوں۔

۲- سنیچر جنم لگن میں بلوان ہو اور شکر اوسکو بلوان ہوکر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔

۳- شکر و چاند- کرک راس ہوکر کیندر میں بلوان- اور پورن درشٹی سے برہسپت دیکھتا ہو۔

۴- دسویں گھر میں بدھ ہو۔ سورج منگل- راہو۔ چھٹے گھر میں برہسپت بلوان ہوکر دہن میں ہو۔

۵- لگنیش پانچویں گھر میں ہو سنیچر و چاند اپنے اپنے گھر کو دیکھتے ہوں۔

۶- شکر و چاند جنم لگن میں بلوان ہوں۔ برہسپت بلوان ہوکر دسویں گھر میں ہو۔

۷- برہسپت پانچویں گھر میں اور سورج و چاند دسویں گھر میں بلوان ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸ - بدھ - چھٹے گھر میں بلوان ہو یا بلوان ہو کر اوسکو دیکھتا ہو۔ نویں گھر میں منگل ہو۔ اور برہسپت اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہو۔

۹ شکر مین راس میں بلوان ہو کر جنم لگن میں ہو۔ یا سنیچر تلا راس ہو کر بلوان جنم لگن میں ہو۔ یا چوتھے گھر میں کوئی گرہ اوچ استھان کا ہو۔ اور تین گرہ اپنے اپنے گھر میں بلوان ہو کر ہوں۔

ان یوگوں سے منش راجہ یا امیر۔ یا سردار۔ یا حاکم ہوتا ہے بشرطیکہ کوئی پاپی گرہ بلوان ہو کر پاپی گھروں میں کلیش کاری یا بھن یا راج یوگ بھنگ کرنیوالا نہ ہو۔

۲۸۸ - راہو یوگ ۱ - ۴ - ۷ - ۳ - ۶ - ۸ - ۹ - گھر میں تھن راس میں راہو ہو تو شبھ کام کرنے والا - راج منتری - سورماں - بلوان مشہور - پرتاپی ہو۔

۲۸۹ - خسو یوگ وسنگھ کر یوگ۔ چاند جس گھر میں ہو۔ اوس گھر سے ساتویں گھر میں برہسپت بلوان ہو۔ یا لگن سے ساتویں گھر میں برہسپت وسنیچر و چاند ملکر ہوں۔ یا شکر کیندر میں بلوان ہو تو منش تمام آیو سکھ آنند میں رہے اور استریوں سے پیار رکھے اور پھر سبھا میں نامی اور سردار ہو۔

۲۹۰ - یوگ مذکور - بدھ برہسپت - شکر - بلوان ہو کر کیندر میں ہوں اور اون سے دسویں گھر میں منگل بلوان ہو - تو دھنوان اور اپنی کل میں دیپک ہو۔

۲۹۱ یوگ مذکور اگر اون گھروں کو چاند بلوان ہو کر پورن درشٹی سے دیکھتا ہو - تو منش - مال - سنتان سے ہر طرح مالا مال اور آنند رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹۲- یوگ مذکورہ اگر کیندر میں چاند بلوان ہو۔ اور شبھ گرہ بلوان ہو کر اوسکو دیکھتے ہوں۔ تو وہ منش دانا اور دھنوان ہو۔

۲۹۳- یوگ مذکور پانچویں گھر میں برہسپت اندر تیسرے گھر میں سورج اور باقی گرہ اپنے اپنے استھانوں پر یا شبھ استھانوں پر بلوان ہوں۔ تو اندر یوگ کا مانند راجہ اندر کے آنند اور سکھ پراپت ہو۔ اگر بدھ کیندر میں ہو۔ تو ہر قسم کی سواری اور سکھ سنتان سے بھرپور ہو۔

۲۹۴- بھوپ یوگ ۱-۲-۹-۵ گھر میں چاند بلوان ہو۔ اور کوئی شبھ گرہ بلوان ہوکر اوس کے ساتھ ہو۔ تو منش پرتھی پت اور راجہ ہو:

۲۹۵- ایک گرہ لگن سے دوسرے گھر میں اور دو گرہ بلوان کسی اور گھر میں ہوں۔ تو اپنے خاندان میں سردار اور نامور ہو۔

۲۹۶- چھتر سار یوگ۔ چاروں کیندر میں چاروں شبھ گرہ جدا جدا بلوان ہوں تو بڑا امیر۔ دھنوان سنتان۔ پروار۔ اقبال والا راجہ کے مانند ہو۔

۲۹۷- سنگھاسن یوگ۔ ۹-۵-۴-۱۲-۳-۲ گھر میں کوئی گرہ بلوان ہو یا لگنیش کیندر میں بلوان ہو۔ یا چاند۔ سورج۔ برہسپت۔ اپنے گھر کے ہوکر جنم لگن میں ہوں۔ یا سورج و برہسپت۔ پانچویں یا نویں گھر میں بلوان ہوں۔ اور منگل ساتویں گھر میں اور بدھ جنم لگن میں خواہ راہو نربل ہوکر لگن میں یا ۲-۳-۱۱ میں ہو تو منش بڑا نامور۔ دھنوان۔ ہاتھی۔ گھوڑا۔ اونٹ سے سنتان سے خوشحال ہو۔ شتروں کا ناش۔

۲۹۸- راہو۔ میکھ۔ برکھ۔ کرک میں ہوکر جنم لگن میں ہو۔ تو راج منتری ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور اس کے شترو کا ناش ہو۔

۲۹۹ - راہو ۔ متھن ۔ کنیا ۔ راس ہو کر جنم لگن میں ہو ۔ دھنوان ۔ راج منتری ہو۔

۳۰۰ بسنیچر جنم لگن میں ہو ۔ چاند ۔ میکھ یا سنگھ راس میں ہو ۔ اور منگل ساتویں گھر میں ہو ۔ تو باپ کی مرتو ہو۔

۳۰۱ تیسرے گھر میں برہسپت و سنیچر ہوں ۔ اور آٹھویں گھر میں منگل و چاند ہوں اور بارہویں گھر میں سورج ہو ۔ تو پتا فوراً مرتو ہو ۔ اگر آٹھویں گھر میں چاند ۔ بدھ ہوں ۔ تو دو برس میں پتا مرتو ہو۔

۳۰۲ جس کنڈلی میں تین گرہ اوچ استھان پر ہوں ۔ اور باقی گرہ بھی شبھ حالت میں ہوں ۔ تو راجہ یا با اختیار حاکم ہوگا۔

۳۰۳ - تین گرہ اپنے اپنے گھروں میں بلوان ہوں ۔ اور باقی گرہ بھی شبھ حالت میں ہوں ۔ تو راج منتری اور امیر ہوگا۔

۳۰۴ تین گرہ نیچ استھان پر ہوں اور کوئی گرہ بلوان ہو کر شبھ استھان پر نہ ہو تو نردھن اور نہلیا ہوگا۔

۳۰۵ جو گرہ نیچ استھان پر ہو ۔ اوس نیچ گھر کا مالک یا اوس کے اوچ کا مالک کیندر یا ترکون میں بلوان ہو کر شبھ گرہوں کی درشٹی میں ہو ۔ تو راجہ یا حاکم ہوگا ۔ کیونکہ کیندر اور ترکون گھر بلوان اور شبھ پھل دینے والے ہیں۔

۳۰۶ دسویں گھر میں منگل ہو ۔ اور پانچویں یا نویں گھر میں سورج و برہسپت ہوں ۔ تو شبھ کام کرنیوالا ۔ اور دولتمند ہوگا۔

۳۰۷ دسویں گھر میں اس میں برہسپت اور شکر ہوں اور میکھ میں سورج

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کمر میں منگل ہوں۔ تو نیچ اور غریب کے گھر میں جنم پاکر بھی راجہ ہوگا کیونکہ تین گرہ اوچ استھان پر اور ایک برہسپت اپنے گھر میں ہے

۳۰۸ لگن میں چاند اور سنیچر ہوں۔ ۵۔ ۹۔ گھر میں سورج اور برہسپت ہوں دسویں گھر میں منگل ہو تو راجہ ہوگا۔

۳۰۹۔ جنم لگن دھن ہو اوس میں سورج۔ چاند۔ منگل۔ برہسپت مکر آویں تو بچہ کے بیاہ کے نزدیک بیاہ سے پہلے باپ اُس کا مرجاویگا۔

۳۱۰۔ لگن میں چاند شکر ہوں۔ اور تیسرے برہسپت ہو۔ تو اپنے باپ کی کمائی پر گذارہ کریگا۔

۳۱۱ لگن میں سنیچر اور چھٹے گھر میں چاند ہو۔ اور دسویں منگل ہو۔ تو بچہ کا باپ جلدی مرتو ہوگا۔

۳۱۲۔ میکھ راشی خانہ دہم میں ہو۔ تو رنجش بزرگان۔ خوف حکام پریشانی روزگار وخلل پیشہ اور تفرقہ والدہ۔

۳۱۳۔ برکھ دسویں گھر میں ہو۔ تو والدہ سے خوشی۔ ترقی کار روزگار کاربار حکام۔

۳۱۴۔ متھن راشی خانہ دہم میں ہو۔ تو راجدربار اور اہل قلم سے فائدہ تجارت اور شراکت سے نفع۔

۳۱۵۔ کرک راشی خانہ دہم میں ہو۔ تو ترقی روزگار وکاربار راجدربار وبزرگان اجرار کارہا اور کامیابی امید۔

۳۱۶ سنگھ راشی خانہ دہم میں ہو۔ تو ترقی عزت ومرتبہ اور فائدہ راج دربار۔ اور آغاز کاروبار عظیم۔

۳۱۷۔ کنیا۔ خانہ دہم میں ہو۔ تو ملنا روزگار اور کاروبار دیوانی۔ الا خوف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دامنگیر رہے۔ والدہ سے خوشی۔

۲۱۸ تلا۔ خانہ دہم میں ہو۔ تو والدہ سے فائدہ۔ اور روزگار و کاروبار میں منفعت کثیر۔

۲۱۹۔ برچھک۔ خانہ دہم میں ہو۔ تو جنگ اور لڑائی اور مقابلہ سلطانی۔ دوستوں سے تنازعات۔

۲۲۰۔ دھن خانہ دہم میں ہو۔ تو ترقی مرتبہ۔ عزت اور حصول مراد و خوشی ازجانب والدہ

۲۲۱۔ مکر۔ خانہ دہم میں ہو۔ تو تفرقہ اور خوف خطرہ حکام۔ حصول مراد اور فائدہ جائداد مشترکہ۔

۲۲۲ کمبھ خانہ دہم میں ہو۔ تو فائدہ از حکام۔ کار روزگار۔

۲۲۳ مین۔ خانہ دہم میں ہو۔ تو ترقی روزگار۔ امداد حکام۔ عروج اقبال ترقی دولت و اسباب۔

۲۲۴ اگر جنم کنڈلی میں تین گرہ اوچ استھان میں ہوں۔ تو مولود راجہ یا امیر ہوگا۔

۲۲۵ اگر تین گرہ اپنے گھر میں ہوں۔ تو مولود بڑا امیر ہوگا۔

۲۲۶۔ اگر تین گرہ نیچ استھان میں ہوں۔ تو مولود خدمتگار ہوگا۔

۲۲۷۔ اگر گرہ جو نیچ استھان میں ہو۔ اوس راس کا مالک یا اُس گرہ شرف (اوچ) جس راس میں ہو۔ اوس راس کا مالک کیندر یا ترکون میں ہو تو مولود راجہ ہوگا۔

۲۲۸ اگر چاروں کیندر میں کوئی گرہ نہ ہو تو مولود گداگر اور بدنصیب ہوگا۔

۲۲۹ دسویں گھر میں منگل ہو۔ اور ترکون میں سورج اور برہسپت ہو۔ تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مولود نیک کام کریگا۔ اور دولتمند ہوگا۔

۲۳۰ دسویں گھر میں برسپت شکر ہوں۔ اور میکھ میں سورج اور مکر میں منگل ہو۔ تو مولود کنگال یا خدمتگار یا کمین کے گھر میں بھی تولد ہو۔ تو راجہ یا صاحب اقبال ہوگا۔

۲۳۱ لگن میں بدھ اور شکر ہوں۔ برسپت کیندر میں ہو۔ دسویں منگل ہو تو مولود بزرگ خاندان ہوگا۔ اگر ایسا نہ ہو تو بالکل خراب ہوگا۔

۲۳۲ لگن میں سینچر چھٹے گھر میں چاند۔ دسویں گھر میں منگل ہو۔ تو مولود کا باپ جلدی مرجاویگا۔

۲۳۳ اگر کیندر میں بدھ۔ برسپت یا شکر ہو۔ تو مولود خوش رہیگا۔ اگر کیندر میں کوئی شبھ گرہ نہ ہو تو مولود بدنصیب ہوگا۔

راز دوازدھم احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۱۱ لابھ گھر

۱ سورج گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو مال دولت سے مالا مال زر جواہرات۔ غلام۔ تابعدار ہوں۔ نیکنام و نیک کام اور مخالفوں پر فتحیاب ہو۔ مرتبہ اعلےٰ با اختیار۔ سواریاں۔ دوستوں سے آرام۔ دلی امیدوں میں کامیاب۔ اگر نربل ہو۔ تو ہر طرح زر دولت اقبال کا نقصان ہو۔

۲ چاند۔ گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو زر۔ دولت۔ اقبال۔ سواری غلام۔ اولاد سے خوشحال۔ دراز عمر۔ نیک بخت۔ نکو کار۔ ہر ایک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کا دوست - عام کو فائدہ پہونچانیوالا - دشمنوں پر غالب - بیوپار سے فائدہ - عورت سے آرام - دانا - معزز - اگر زبل ہو - تو ہر ایک آرام اور فائدہ سے محروم ہو -

۳- منگل - گیارہویں گھر میں بلوان ہو - تو زر دولت اقبال - آرام زمین مکان سے مالا مال - خلیق - ہر دل عزیز - صاحب اولاد - سواریاں اعلیٰ درجہ - عمارت عمدہ - سخی - فیاض - عاقل - اعلیٰ روزگار غلہ کے بیوپار سے فائدہ زیادہ -

اگر زبل ہو - تو تنگی رزق - بیماری مرض بخار - دست وغیرہ سے تکلیف -

۴- بدھ - گیارھویں گھر میں بلوان ہو - دانا ہوشیار - زر - دولت سے آسودہ - عمر دراز - مالدار - نیک نام - خوش خوراک - خوش پوشاک غلاموں سے آرام -

۵- برہسپت - گیارہویں گھر میں بلوان ہو - تو بڑی عمر - دونوں جہان میں نامور - نیک - مالدار - صاحب اقبال - غلام - سواریوں سے آسودہ و خوشحال - عالم - فاضل - دانشمند - ہنرمند - سردار - پنڈت اولاد - پروار زیادہ - راجدربار میں عزت - دشمنوں پر فتحیاب پانچ فرزند - کمائی اولاد کے کام آوے - عورت خوبصورت نامور - ہر ایک امید میں کامیاب - اگر زبل ہو - تو ہر ایک فائدہ سے محروم رہے -

۶- شکر - گیارہویں گھر میں بلوان ہو - تو امیر - دولت مند - امیر - زر دولت - جواہرات - سلام - اپنے خاندان میں نامور - اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فخر خاندان۔ نیک نام۔ ہر امید میں کامیاب۔ اولاد پروار سے بھرپور۔ دراز عمر۔ لڑکیاں۔ زیادہ۔ نرم طبیعت۔ ہمیشہ خوش۔ ہر ایک خواہش میں کامیاب اگر نیچ ہو۔ تو ہر ایک امید میں مایوس اور محروم ہو۔

۷۔ سینچر۔ گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو عمر دراز۔ دانشمند۔ مالدار نیک کار۔ عمر دراز۔ خوشحال۔ سخی۔ ہر ایک امر میں فائدہ پرہیزگار۔ دولت مند۔ مخالفوں پر غالب۔ الا اولاد کا سکھ کمتر اگر نیچ ہو۔ تو امیدوں میں ناکامی اور زر دولت کا نقصان۔ دوستوں سے مخالفت۔

۸۔ راہ کیت۔ گیارہویں گھر میں ہوں۔ تو زر دولت سے خوشحال دشمنوں پر غالب۔ صاحب اولاد۔ عورت۔ تابعدار نیک مزاج ہمیشہ امیری اور عیش آرام میں زمانہ بسر ہو۔ ہر ایک امید میں کامیاب۔ کمینہ لوگوں سے فائدہ۔ راجدربار میں عزت و مرتبہ بلا محنت دولت حاصل ہو۔ البتہ بھائیوں سے رنج اور کوئی نہ کوئی فکر اندیشہ دامنگیر رہے۔

۹۔ گیارہویں گھر کا مالک اگر پہلے گھر میں ہو۔ تو فیاض۔ دولت مند۔ دلیر۔ ہر ایک کا دوست۔ بیماری خشکی سے اندیشہ موت ہو۔ ہر ایک کام میں فائدہ بہت ہو۔

۱۰۔ گیارہویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو اپنی کمائی سے دولت پیدا کرے اور خوشحال و مالامال ہو۔ اگر پاپ گرہ ہو۔ تو ہمیشہ بیمار اور گذارہ سے لاچار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱- گیارہویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں شبھ اور بلوان ہو تو مالدار۔ آسودہ۔ قوت بازوے زر دولت کانیوالا۔ بھائیوں کا خیرخواہ سمبنا۔ ھمیوں میں عزیز اگر شبھ گرہ ہو۔ تو قلبہ کو تکلیف دکھلاوے۔

۱۲- گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ چوتھے گھر میں بلوان ہو۔ تو عمر دراز ماں۔ باپ کا فرماں بردار۔ ہر ایک کام انجام نیک زمین زر لوت مکان سے فایدہ مند۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو نقصان

۱۳- گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ پانچویں گھر میں بلوان ہو۔ تو اولاد علم عقل کی ترقی۔ ہر طرح خوش نصیب ہو۔ پاپی ہو۔ تو رنج پہونچاوے

۱۴- گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ بلوان ہو کر چھٹے گھر میں ہو تو طبیعت تندرست نانکیوں کی ترقی۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو ہمیشہ بیماری۔ اور ڈاکوؤں۔ مخالفوں کے ہاتھ سے خطرہ موت۔

۱۵- گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ بلوان ہو کر ساتویں گھر میں ہو۔ تو عورت کا۔ بیوپار سے آرام۔ نیکنام۔ دولتمند۔ بارعب۔
اگر پاپی گرہ ہو۔ تو ہر طرح تکلیف اور رنج پہونچتا ہے عورت سے تکلیف۔

۱۶ گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ آٹھویں گھر میں ہو۔ تو مال وراثت کا فایدہ۔ عمر دراز۔ بیماری سے محفوظ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو ہمیشہ بیمار عمر کمتر۔

۱۷ گیارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ نانویں گھر میں بلوان ہو۔ تو دھرم۔ عزت۔ دولت کی ترقی۔ اگر اشبھ گرہ ہو۔ تو دھرم بخت۔ دولت میں نقصان۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۸- گیارھویں گھر کا مالک شبھ گرہ دسویں گھر میں بلوان ہو۔ تو عزت دولت سواری۔ اقبال۔ رتبہ۔ ناموری میں ترقی۔ دراز عمر۔ ماں کا تابعدار۔ باپ کا مخالف۔ اگر پاپی گرہ ہو تو نقصان پہونچاوے۔

۱۹- گیارھویں گھر کا مالک اگر گیارھویں گھر میں بلوان ہو تو صاحب اقبال دولت۔ سواری۔ آرام۔ عزت۔ اولاد۔ خوش شکل۔ دراز عمر۔ بردبار نیکنام۔ تندرست۔

۲۰- گیارھویں گھر کا مالک بارھویں گھر شبھ گرہ بلوان ہو۔ تو اچھے کاموں میں خرچ کرنے والا۔ اپنی کمائی خود خرچ کرے کھاوے اور دوستوں کو کھلاوے۔ سیر سفر میں روپیہ صرف ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو برے کاموں اور فسادوں میں زر دولت اور عزت کا نقصان ہو۔

۲۱- گیارھویں گھر شبھ گرہ بلوان ہو۔ یا بلوان ہو کر دیکھتا ہو۔ تو لابھ بہت ہو۔

۲۲- گیارھویں گھر کا مالک کیندر یا ترکون میں ہو۔ تو زر دولت بہت حاصل ہو۔

۲۳- گیارھویں گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو۔ تو زر و دولت کا بہت فائدہ ہو۔

۲۴- چندرماں سے ساتویں گھر میں شکر ہو اور مالدار ہو

۲۵- گیارھویں اور چوتھے گھر کا مالک گیارھویں گھر میں ہوں اور شبھ گرہ دیکھتے ہوں۔ تو اعلےٰ رتبہ اور سواریاں۔ اعلےٰ نصیب ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶۔ چوتھے گھر کا مالک برہسپت و شکر کے ساتھ کیندر۔ ترکون میں ہو۔ تو جائیداد۔ املاک۔ سواریاں۔ عزت نصیب ہو۔

۲۷ نانویں گھر کا مالک شکر اور برہسپت کے ساتھ چوتھے یا گیارہویں گھر میں ہوں۔ تو سواریاں۔ جائیداد حاصل ہوں۔

۲۸۔ نانویں۔ دسویں۔ گیارہویں گھر کے مالک چوتھے گھر میں بلوان ہوں تو کئی سواریاں اعلےٰ درجہ نصیب ہوں۔

۲۹۔ دسویں گھر میں گرہ اوچ استھان پر ہو۔ اد سکو لگنیش و نانویں گھر کے مالک دیکھتے ہوں۔ تو بڑا صاحب اقبال اور طالعمند اور سواریاں اعلیٰ درجہ نصیب ہوں۔

۳۰۔ چوتھے گھر کا مالک جنم لگن میں شکر اور برہسپت کے ساتھ ہو۔ تو اعلیٰ مرتبہ اور سواریاں اعلےٰ درجہ نصیب ہوں۔

۳۱ دوسرے گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہو۔ تو بہت دولت ہاتھ آوے تجارت میں ترقی زر دولت ہو۔

۳۲ سورج گیارہویں گھر میکھ راس میں ہو۔ نامور۔ معزز۔ صاحب دولت و اقبال راج دربار میں عزت۔ اچھے خاندان میں جنم سمبندھیوں سے مال اور جائیداد حاصل ہو

۳۳۔ چاند۔ گیارہویں گھر میکھ راس میں بلوان ہو۔ دو بیاہ بیٹیں زیادہ نانکیوں کی تباہی مشہور صاحب دولت اور معزز ہو۔ بیماری مہلک تپ دق وسل کا خوف۔ اگر نربل ہو۔ تو بشٹ پاپی گرہوں کے نقصان کرتا ہے۔

۳۴۔ منگل۔ گیارہویں گھر میکھ راس میں بلوان ہو۔ تو مالک زمین۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہو کر قرضدار ہو جاوے زخم پھوڑا کا حکیم - بھائیوں کا نقصان زر دولت کا نقصان -

نوٹ :- یہ پھلا دیش دیگر گرنتھوں کے برخلاف ہے -

۳۵ - بدھ - گیارہویں گھر سیکھ راس میں - - بلوان ہو - گو پہلی عمر کا کچھ حصہ پریشانی میں گذرے اور وطن بھی چھوٹ جاوے - تاہم اوسکے بعد علم اور عقل اور ہنر و زبان دانی میں ماہر اور بڑے امیرزادیوں کا استاد ہو - بڑے مہاجان اور امیر اُس پر مہربان ہوں - اگر زبل ہو تو کوئی فائدہ نہ پہونچاوے -

۳۶ - برہسپت گیارہویں گھر سیکھ راس میں بلوان ہو - پہلی عمر میں درجہ کمتہ اور تعلیم کا اوستاد ہو - لیکن رفتہ رفتہ مشہور - نیک نام اچھا روزگار - راجدربار میں عزت بلکہ خودمختار ہو - دولتمند اور معزز ہو - سواریاں کا آرام - ہر ایک امید میں کامیاب ہو -

۳۷ - شکر گیارہویں گھر سیکھ راس میں بلوان ہو - صاحب اقبال درجہ علی حکومت یا اختیار ہو - جائیداد - زمین - مکان و دولت سے مالا مال - سواریاں عمدہ - معزز - ماموں -

۳۸ - سینچر - گیارہویں گھر سیکھ راس میں ہو - عمر اول تنگی سے بسر نہ ہو - الا روپیہ جہاں واسطے فائدہ کے دیوے وہاں سے واپس نہ ملے - جائیداد بزرگان کا نقصان ہو - بھائیوں سے تکلیف طبیعت میں رنج اور غصہ زیادہ ہو - آخری عمر میں زیادہ مصایب دیکھے -

۳۹ راہ کیت - گیارہویں گھر سیکھ راس میں ہو - تو زر دولت اور اقبال

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عزت سے آسودہ۔ بھائی سمبندھیوں میں قدر اور محبت ہو۔

۴۰۔ سورج۔ گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ روزگار کافی نہ ہو۔ نہ مستقل پیشہ ہو۔ اپنے بھائی یا سمبندھیوں کا مرتبہ اور جائیداد ہاتھ آوے عیاش ہو۔

۴۱۔ چاند گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ کم حوصلہ۔ ڈرپوک۔ زمین زراعت اور بیوپار غلہ سے دولتمند ہو۔ کئی بہنیں ہوں۔ عمدہ سواریاں عزت اور اقبال سے خوشحال ہو۔ اگر چاند نربل ہو۔ تو کچھ فایدہ نہ پہونچاوے۔

۴۲۔ منگل۔ گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو تکالیف مصایب تیکھے ابتدا عمر میں جائیداد بزرگان کا نقصان مگر پھر پیدا کرے۔ اخیر عمر میں زر و دولت سواریاں اور ملاقات معززین سے شادکام اور خوشحال ہو۔

۴۳۔ بدھ گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ فیاض اور عابد زاہد ہو کمینہ روزگار سے دولت کماوے جائیداد بزرگان کچھ نہ ہو۔

۴۴ برہسپت۔ گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ دو بیاہ ہوں۔ قرضے کر منکر ہو جاوے۔ بھائیوں کی وجہ سے تکالیف اوٹھاوے زیادہ تر عزت اور ناموری نہ ہو۔

۴۵ شکر۔ گیارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ دو بیاہ ہوں۔ عورت اول کی موت ہو۔ عورت مال و جائیداد ساتھ لاوے۔ باوجود اس کے پھر بھی لوگوں کا دینداار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بہینیں آسودہ گہروں میں بیاہی جاویں۔ سواری ہر قسم اور عزت آبرو اچھی ہو۔ تجارت میں فائدہ

۴۶۔ سنیچر۔ گیارہویں گہر برکہ راس میں ہو۔ پہلی عمر اچھی نہ گزرے۔ لیکن بعد میں جائیداد بہمندھیوں اور غیروں کی ہاتھ آجاوے۔ اس لئے صاحب اقبال اور خوش قسمت ہو۔ زر و مال اور زمین وغیرہ سے آسودہ رہے۔

۴۷۔ راہ کیت۔ گیارہویں گہر برکہ راس میں ہو۔ بھائیوں کے جھگڑے فساد تکلیف دیویں۔ کوئی مستقل گذارہ یا جائیداد نہ ہو۔ نہ آخری عمر میں روزگار قائم رہے۔ نربل سسر ہو۔ عورت بدخلق و بدشکل ہو عزت ناموری زیادہ نہ ہو۔

۴۸۔ سورج گیارہویں گہر متھن راس میں ہو۔ عالم دانشمند۔ معزز۔ نامور رتبہ اعلےٰ۔ ایک مرتبہ روزگار اور رتبہ میں خلل آوے۔ صاحب دولت دوستوں کو فائدہ پہونچانیوالا۔ سواری اعلےٰ درجہ۔ دشمنوں پر غالب۔

۴۹۔ چاند۔ گیارہویں گہر متھن راس میں ہو۔ ہنرمند۔ ہوشیار۔ شیریں کلام۔ ہر ایک کام میں فتحیاب۔ نامور معزز۔ دولتمند۔

۵۰۔ منگل۔ گیارہویں گہر متھن راس میں ہو معزز۔ نامور۔ دولتمند۔ بڑا بھائی نہ ہو۔ اگر ہو۔ تو اُس سے مخالفت۔ بھائی بہنیوں کو اولاد کا رنج دشمنوں پر غالب۔ نربل ہو۔ تو زر و دولت کا نقصان۔ دوستوں سے دشمنی۔

۵۱۔ بدھ۔ گیارہویں گہر متھن راس میں ہو۔ زر و دولت۔ زمین سواری۔ عزت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

آبرو سے خوشحال سخی - آمدنی سے خرچ زیادہ ہو۔ ہر دلعزیز۔ ہمنشینوں کا پیارا۔

۵۱. برسپت - گیارھویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو اعلےٰ رتبہ۔ معزز صاحب جائیداد عمدہ مکانات - اراضیات - راجدربار میں قدر۔ عمدہ روزگار اچھی سواری۔

۵۳. شکر - گیارھویں متھن راس میں ہو۔ درمیانی عمر میں اقبال مادر اور عورت سے فائدہ۔ عزت اقبال - لیکن آخر عمر میں مصاحب اور تکالیف دیکھے زر و دولت کا نقصان ہو۔

۵۴. سنیچر - گیارھویں گھر متھن راس میں ہو - زمین زراعت سے فائدہ زمینداروں میں نیکنام بڑے بھائیوں سے محروم - جھوٹھ اور مقدمہ بازی میں مصروف۔ دوستوں سے رنج۔

۵۵. راہ کیت - گیارھویں گھر متھن راس میں ہو۔ ہنرمند - لائق - دلاور نیکنام بہادر - غیر ملکوں سے فائدہ دولت - دشمنوں کا مقابلہ - آخری عمر میں زر دولت عزت کا نقصان ہو۔

۵۶. سورج - گیارھویں گھر کرک راس میں ہو۔ معزز - نامور - بھائی خوش اقبال رزق دولت سے خوشحال - راجدربار میں قدر۔

۵۷. چاند - گیارھویں گھر کرک راس میں ہو۔ نامور - نیک نام - معزز - راج دربار میں صاحب قدر - روزگار عمدہ - سواریاں جائیداد حاصل ہو۔

۵۸. منگل - گیارھویں گھر کرک راس میں ہو۔ زر دولت جائیداد نامور ہی خاندان عزت - عروج میں تنزل ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۹۔ بدھ۔ گیارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ ہنرمند۔ مختلف زبانوں میں ماہر
زر و دولت۔ راجدربار میں عزت۔ اگر زبل ہو۔ تو فائدہ نہیں
دے سکتا۔

۶۰۔ برہسپت۔ گیارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ امیر کبیر۔ نامور۔ نیکنام۔ صاحب
اقبال۔ راج دربار میں مرتبہ بلند۔ درجہ اعلےٰ باختیار سواری مکان
عمدہ۔ فیاض۔ سخی۔

۶۱۔ شکر۔ گیارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ زر دولت۔ سواریاں خوشرنگ
مکانات سے خوشحال ہو۔ بیاہ زیادہ کرے۔ فیاض سخی۔

۶۲۔ سنیچر۔ گیارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ تمام عمر پریشانی میں گذرے۔ عورت
ناپسند طبیعت اور جنگ جو ہو۔ زر دولت سے تنگ لوگوں
میں حقیر۔

۶۳۔ راہ کیت۔ گیارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ پُراثر کلام۔ زر و دولت
ناموری۔ عزت رتبہ۔ اعلےٰ۔ دلیر۔ بہادر سخی ہو۔ اور بڑے
بھائیوں کے حق میں نہائیت پاپی ہو۔

۶۴ سورج۔ گیارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ خاندان نامور۔ معزز۔ دولتمند
میں جنم ہو۔ جائیداد بزرگاں۔ بھائیوں سے خوشحال اعلیٰ
منصب۔

۶۵۔ چاند۔ گیارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اوّل جائیداد بزرگاں کا
نقصان ہو۔ مگر وہ تردد تکالیف سے ہاتھ آوے مقدمات پیش
آویں۔ متوسط عمر میں خوشحال اور آسودہ ہو۔ رزق دولت
کا آرام۔ اگر زبل ہو تو فائدہ نہیں ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۶- منگل- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- صحبت سادھوؤں کا شائق بخیال فقیری کئی ممالک کا سیر کرے- متوسط عمر میں موت بھائیوں سے اُداس اور پریشان خاطر ہو-

۶۷- بُدھ- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- محبت عورت اور بیوپاری کا شائق- کئی کام اور روزگار کرے- مگر گذارہ پورا نہ ہو- ہمیشہ حاجتمند رہے-

۶۸- برہسپت- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- عاقل- عالم- دانشمند- نیکنام سخی- فیاض- امیر- دولتمند- ہمیشہ خوش وخرم ہو- سواریاں عمدہ روزگار اعلےٰ- راجدربار میں عزت-

۶۹- شکر- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- زر دولت- عورت کی دولت سے خوشحال- فیاض سخی- نیک مزاج- معزز-

۷۰- سنیچر- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- جوڑوں میں درد- بھائی کے خاندان کی تباہی- دشمنوں کا مقابلہ- رزق- دولت کا نقصان- راجدربار میں خوف عزت-

۷۱- راہ کیت- گیارھویں گھر سنگھ راس میں ہو- گو خیالات عابدانہ ہوں مگر اولاد- اور مقابلہ دشمناں کا رنج- زر دولت کا نقصان دوستوں سے دشمنی-

۷۲- سورج- گیارھویں گھر کنیا راس میں ہو- تو نامور اور معزز خاندان میں جنم ہو- ہوشیار- دانا- دوست- امیر الملک یا راجہ ہوں- زر دولت سواریاں سے مالا مال-

۷۳- چاند- گیارھویں گھر کنیا راس میں ہو- تو علم ہندسہ میں ماہر و بیاہ ہوں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

متوسط عمر کے بعد خوف مرض تپ دق وسل کا ہو۔ امیدوں کی کامیابی
میں اکثر رکاوٹیں پیش آویں۔

۷۴۔ منگل۔ گیارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ دشمنوں کا مقابلہ۔ حکام سے عداوت
عیاش۔ صحبت بد۔ بدکار آدمیوں کا دوست۔ بدکاروں میں خون
تہمت والزام ہو۔

۷۵ بدھ گیارہویں گھر کنیا راس.. میں ہو۔ علم ہندسہ حکمت میں ماہر ہو
نامور۔ دوست زیادہ ہوں۔ زر دولت سے آسودہ۔ مگر آخری زمانہ
میں تنگ حال اور نادار ہو جاوے۔

۷۶۔ برہسپت۔ گیارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ صاحب اقبال خوش بخت نامور
معزز۔ فیاض۔ سخی۔ آرام کا ہیں بنوا لینے والا۔ امیران ملک کا
دوست۔ زر۔ دولت۔ سواریاں۔ عمدہ مکانات۔

۷۷۔ شکر۔ گیارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ بھائی بندوں۔ زر دولت
جائیداد کی تباہی۔ عورت ہمیشہ بیمار۔ مقدمات اور فساد۔ بھین بھائیوں
کی موت۔ گذارہ سے لاچار۔

۷۸۔ سنیچر۔ گیارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ عقل اور ہوش قایم نہ رہے
ہمیشہ بیماری بدہضمی۔ موت اولاد کا رنج۔ زر۔ دولت کا نقصان
دوستوں سے دشمنی۔

۷۹ راہ کیت۔ گیارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ کاریگر۔ دستکاری کا روزگار
بڑے بھائیوں کا نقصان۔

۸۰۔ سورج۔ گیارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ خوش قسمت صاحب جائیداد
زمین باغ مکان عمدہ ہوں۔ عورتوں سے فائدہ۔ سواریاں ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نوٹ نمبر ۱۔ اسجگہ سورج نیچ استھان پر ہے پہلا دیش اس کا دوسرے گرنتھوں سے برخلاف ہے۔

۱۔ چاند گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ دو بیاہ ہوں۔ ہنرمند۔ دستکاری میں ماہر۔ مویشی اور غلہ کا بیوپار کرے۔ زر دولت ہو۔ مگر زمانہ خوشی سے بسر نہ ہو۔

۲۔ منگل۔ گیارھویں گھر تلاراس میں ہو مسخرہ مزاج۔ کئی کام کرے مستقل روزگار نہ ہو۔ متوسط عمر میں حکام سے خوف سزا و نقصان ہو۔ عورت سے مخالفت اور دشمنوں کا مقابلہ۔

۳۔ بدھ۔ گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ عیاش تماش بین یا تماشہ گر ہوں۔ زر۔ دولت۔ زمین سے آسودہ۔

۴۔ برہسپت۔ گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ نیکنام بھائی بند۔ معزز۔ سواریاں اعلےٰ درجہ نصیب ہوں۔ زر۔ دولت سے ممتاز۔ متوسط عمر میں عورت کی موت۔

۵۔ شکر گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ زر دولت۔ زمین۔ زراعت سے خوشحال ہو۔ کئی عورتیں۔ خوشبودار چیزوں کا شائق۔ البتہ کسیوقت مرض کھانسی سے تکلیف ہر ایک امید میں کامیاب جو کام تجارت کرے فائدہ اٹھاوے۔

۶۔ سنیچر گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ بڑا نامور۔ صاحب دولت۔ اقبالمند۔ اچھی جائیداد۔ امیر کبیر۔ مگر بدنام اور مریض رنج اولاد۔

۷۔ راہ۔ کیت۔ گیارہویں گھر تلاراس میں ہو۔ متلون مزاج۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

موت اولاد کا رنج گذارہ کیلئے کئی کام کرے۔ پریشان۔ بدنام

۸۸ سورج۔ گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ کم سرمایہ روزگار کم درجہ ادنےٰ لالچی۔ عیاش۔ جائیداد نہ ہو۔

۸۹ چاند۔ گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ کم عقل۔ کم نصیب۔ مال باپ سے رنج بے قرار پریشان۔ کھیتی پر گذارہ ہو۔ کاروبار میں فائدہ نہ ہو۔ امیدیں لبستہ رہیں۔

۹۰۔ منگل۔ گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ جائیداد بزرگان کا نقصان۔ بھائیوں سے رنج۔ بیاہ زیادہ۔ زر و دولت کی خواہش پوری نہ ہو۔

۹۱ بدھ گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ غریب گھر میں جنم بھائیوں کی موت گذارہ معمولی، ادنےٰ روزگار۔ امیدیں کم سے پوری ہوں۔

۹۲ برہسپت گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ زمیندار۔ زراعت پیشہ نامور۔ معزز۔ دیانتدار۔ دھرماتما۔ دھرم کرم سے دولت جمع کرے۔

۹۳ شکر گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہوں۔ نامور معزز۔ مالدار۔ آسودہ حال معزز خاندان میں جنم کئی بیاہ ہوں عورت سے خوش پوشاک عمدہ۔ دانشمند۔ خوش کلام۔

۹۴ سنیچر گیارھویں گھر برچھک لگن میں ہو۔ بدمزاج۔ بدخلق۔ بدنام دولت ختم ہو کر ہمیشہ تکلیف میں رہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹۵ - راہ کیت ۔ گیارھویں گھر برچھک راس میں ہو ۔ لائق ۔ ہوشیار ہنرمند و دستکاری میں ماہر ۔ اول عمر میں کمتر درجہ پھر رتبہ اور درجہ میں ترقی ہو ۔ فقر دوست ۔

۹۶ - سورج ۔ گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ نقصان جائیداد بزرگاں کرکے پھر حاصل کرے ۔ بعمر جوانی بلند جگہ سے گرنے سے خطرہ موت اور کسی طرح سے رنج اور تکالیف دیکھے ۔

۹۷ - چاند ۔ گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ تو اعلیٰ درجہ صاحب جائیداد زمین زراعت سے فائدہ ۔ بھائیوں سے بگاڑ دوستوں سے رنج ۔

۹۸ - منگل گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ بیماری درد کان بھائی نہ ہوں ۔ دولتمند ہو کر حیران و پریشان رہے ۔ امید وں میں ناکامی ۔

۹۹ - بدھ ۔ گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ نانکے خاندان میں نقصان صاحب جائیداد ۔ نک دیپک سردار ۔ خاندان ۔ کئی زبانوں میں ماہر زر دولت سواری سے آسودہ ہو ۔

۱۰۰ - برہسپت ۔ گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ عالم ۔ فاضل ۔ جگیشر ۔ زاہد بھائی ۔ زر ۔ دولت سے خوشحال ۔ نیک نام ۔ قیافہ دان ۔ فیاض ۔ سخی ۔ نامور ۔ معزز ۔ دربار میں قدر ۔ اعلیٰ مرتبہ ۔

۱۰۱ - شکر گیارھویں گھر دھن راس میں ہو ۔ عیاش ۔ صاحب جائیداد ۔ خوش مکان و باغ تحریر میں لائق ۔ دانا ۔ منصف مزاج ۔ لائق حاکم ۔

۱۰۲ - سنیچر گیارھویں گھر دھن راس میں ہو گو پہلی عمر اچھی گذرے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مگر متوسط عمر میں حادثہ موت عورات۔ سفر بے فایدہ۔ نقصان
عزت زر و مال کی بربادی ہو۔
۱۰۳۔ راہ کیت گیارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ دشمنوں کا مقابلہ سخت مزاج
طاقت بھائیوں سے محروم۔ زر۔ دولت کا نقصان۔
۱۰۴۔ سورج۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو تو بربادی جائداد۔ تباہی و موت
اولاد و عورت۔ بیماری آنکھ و سر۔ خلل روزگار۔ مقابلہ دشمن۔
۱۰۵۔ چاند۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ خوش مزاج۔ خوش تقریر۔ ہمیشہ
مسافر۔ فرزندوں سے خوش۔ مگر موت عورت کا صدمہ۔ رنج پہونچاوے
نقصان زر دولت ہو۔
۱۰۶۔ منگل۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ امیر کبیر۔ نامور۔ دولتمند۔ تکلیف
بیماری۔ موت عورت۔ اعلیٰ رتبہ۔ معزز۔
۱۰۷۔ بدھ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ روزگار۔ اچھا۔ معمولی جائیداد
علم ہندسہ میں ہشیار۔
۱۰۸۔ برہسپت۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ نادار تنگ حال کمینہ خیال
روزگار ادنے۔ عزت اور درجہ میں تنزل۔
۱۰۹۔ شکر۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو بیمار۔ تنگدست نادار۔ ابتدائے عمر
میں فرزند پیدا ہوں۔ مگر جوانی میں اُن کی موت کا حادثہ۔ بھائی بھی
جوانی میں مر جاویں۔ بیاہ کئی ہوں۔ ہر طرح رنج تکلیف میں
زمانہ زندگی بسر ہو۔ دوستوں سے دشمنی۔ امیدوں میں ناکامی۔
۱۱۰۔ سنیچر۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ تو کمینہ روزگار۔ ادنے گذارہ
رنج اولاد۔ دشمنوں سے مقابلہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۱۔ راہو کیت۔ گیارہویں گھر مکر راس میں ہو۔ دانشمند۔ ہوشیار۔ قواعد شاہی میں ماہر۔ کمینہ کاموں سے گذارہ۔ لوگوں میں بدنام۔

۱۱۲۔ سورج۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ نامور۔ معزز۔ اعلیٰ درجہ باختیار۔ فیاض۔ نیک نام۔ کئی بیاہ۔ خاندان بزرگان۔ معزز۔ اولاد۔ دولت زیادہ راج دربار سے دولت عطا ہو۔

۱۱۳۔ چاند۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ زر دولت۔ بیوپار۔ سواری سے آسودہ لڑکیاں زیادہ ہوں۔

۱۱۴۔ منگل گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ صاحب اقبال۔ زر دولت اولاد سے خوشحال۔

۱۱۵ بُدھ۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ رنج تکلیف۔ ہر ایک کام میں ناکامی۔ بڑے بھائی کی موت۔ جائیداد کی بربادی۔

۱۱۶ برہسپت۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ بلند درجہ۔ باختیار سخی نیکنام دولت۔ اولاد میں ترقی۔ راجدربار میں معزز۔

۱۱۷۔ شکر۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ تو نامور۔ معزز۔ بڑا مرتبہ صاحب اختیار۔ معزز خاندان۔ اولاد۔ دولت میں ترقی۔ تجارت میں فائدہ ہر ایک کام میں کامیابی۔

۱۱۸ سنیچر۔ گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ جائیداد۔ زر دولت کا نقصان مصیبت زدہ۔ ہر ایک کام میں ناکامی۔

۱۱۹۔ راہو کیت گیارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ نقصان زر۔ دولت جائیداد کی بربادی۔ ہر ایک کام میں ناکامی۔

۱۲۰ سورج گیارہویں گھر مین راس میں ہو۔ معزز درجہ۔ اعلیٰ عہدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راجدربار سے زر دولت عزت ۔ اختیارات حاصل ہوں نیکی نامور
نیکنام ۔ بھائی بہنوں سے ممتاز ۔ وسط عمر میں راجدربار میں اندیشہ
روزگار ۔

۱۲۱ چاندر ۔ گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ بدنام ۔ بدکام ۔ بیمار ۔ ادنے
روزگار ۔

۱۲۲ ۔ منگل ۔ گیارھویں گھر مین راس میں ہو ۔ صاحب جائیداد ۔ زمین ہو بڑے
خاندانوں سے مقابلہ ۔ جھگڑوں سے روپیہ پیدا کرے ہمیشہ
مسافر ۔ بمقابلہ آمدنی خرچ زیادہ ہو ۔

۱۲۳ ۔ بدھ گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ ادنے روزگار ۔ گذارہ ۔ دولت
سے لاچار ۔ ہمیشہ اوروں کی محتاجی ۔ سفر ۔ غلامی ۔ ہر ایک کام
میں دقت ۔

۱۲۴ ۔ برہسپت ۔ گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ عالم ۔ فاضل ۔ دولت
اپنی صنعت سے حاصل کرے ۔ دوست سے مخالفت ۔ عورات
سے رنج ۔

۱۲۵ شکر ۔ گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ تو بیاہ زیادہ ۔ دولتمند ۔ عورات
سے فائدہ ۔ معزز نامور ۔ راجدربار میں قدر ۔ عیاش فضول خرچ
مکانات باغ وغیرہ کا آرام ۔

۱۲۶ سنیچر گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ بیمار ۔ ڈھیلا ۔ زر دولت
کا نقصان بھائیوں کی موت کبھی مشکلات پیش آویں ۔

۱۲۷ راہ کیت ۔ گیارہویں گھر مین راس میں ہو ۔ مفلس ۔ نادار ۔ فضول
خرچ ۔ بیمار ۔ عزت میں خلل ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲۸۔ بیکھ راشی خانہ یازدہم میں ہو۔ تو حکام اور وزرا سرکاری سے رنج۔ دوست دشمن ہوں۔ مال اسباب کی چوری ہووے۔

۱۲۹ برکھ راشی خانہ یازدہم میں ہو تو دوست زیادہ ہوں۔ اور ان سے امیدیں حاصل ہوں۔ اور ترقی آمدنی و منافع بہر کار۔ فائدہ ز بزرگان۔

۱۳۰۔ متھن راشی خانہ یازدہم میں ہو۔ کاروبار راجدربار میں کامیاب دوستوں سے امید حاصل ہو۔ نئے کام شروع کرے۔ شادی سے فائدہ اور خوشی حاصل ہو۔

۱۳۱ کرک راشی خانہ یازدہم میں ہو۔ تو حکام سے فائدہ دوستی بزرگان حصول مرادات از مسافران و عورت۔

۱۳۲۔ سنگھ راشی خانہ یازدہم میں ہو۔ تو دوستوں سے مرادیں حاصل ہوں۔ خوشحالی بزرگان۔ فائدہ بزرگان عزت راجدربار۔

۱۳۳۔ کنیا خانہ یازدہم میں ہو۔ تو دوستوں سے امیدیں حاصل ہوں۔ اور مال جمع ہو۔

۱۳۴۔ تلا خانہ یازدہم میں ہو۔ تو حصول مراد اور دوستان سے فائدہ کاربار سرکاری میں بہتری۔ اولاد سے خوشی۔

۱۳۵۔ برچھک خانہ یازدہم میں ہو۔ تو دوستوں سے رنج اور خسارہ آمدنی۔

۱۳۶۔ دھن خانہ یازدہم میں ہو۔ تو خوف دشمن اور نقصان جانوران چہارپایہ۔

۱۳۷۔ مکر خانہ یازدہم میں ہو۔ تو شادی فرزنداں اور حکام سے اعلیٰ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۸۔ کبنھ خانہ یازدہم میں ہو۔ تو دوستوں سے خوف ۔ حکام سے رنج آمدنی
اور فائدہ میں خلل۔

۱۳۹۔ مین خانہ یازدہم میں ہو۔ تو امیدیں حاصل ہوں۔ اور دوستوں سے
خوشی اور فائدہ ملنا ال مصاحب۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز سیزدھم احکام جنم کنڈلی

خانہ نمبر ۱۲ پانچ گھر

۱۔ سورج۔ بارہویں گہر میں بلوان ہو۔ دُبلا۔ بیمار۔ بدکار۔ آنکھوں میں روگ۔ نقصان دولت۔ چوروں وغیرہ کا خوف میلا رنگ اگر نربل ہو۔ توخوف سزا۔

۲۔ چاند۔ بارہویں گہر میں ہو سُست۔ بدخلق ہمیشہ بیمار۔ پیٹ میں تکلیف۔ مفلس۔ نادار۔ آنکھوں میں روگ۔ بے فائدہ خرچ اور نقصان دولت۔ سمبندھیوں سے رنج۔ عمر تھوڑی۔ جھوٹھ بولنے والا۔ دشمنوں کے مقابلہ میں ہار جاوے۔

۳۔ منگل۔ بارہویں گہر میں بلوان ہو۔ دو بیاہ۔ بیمار۔ بدکار۔ آنکھ اور کان میں روگ۔ بے شرم۔ دربار شاہی میں خوار۔ اور بیقدر۔ بیماری دردسر۔ جنگ جو۔ ہر ایک سے مخالفت عورت بیمار۔ بد عادت۔ عیاش۔ نقصان زر دولت اگر نربل اور مخالف ہو توخوف سزا۔

۴۔ بدھ۔ بارہویں گہر میں بلوان ہو۔ تو سست اور شیریں کلام۔ بدکار۔ تنگ حال تندخو۔ سختی دشمنان کا ہمیشہ خوف۔ اگر نربل ہو۔ تو نقصان دولت۔ دوستوں سے رنج۔ خوف سزا۔

۵ برہسپت۔ بارہویں گہر میں ہو۔ تو سست ہمیشہ بیمار۔ کم عقل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خرچ بیفائدہ۔ مگر موت اچھی ہو۔ اچھائی کا بدلہ بدلے۔ دھوکہ باز۔ لالچی بدصحبت۔ اگر نربل ہو۔ بیماری زیادہ۔ دوستوں سے رنج۔

۶۔ شکر بارہویں گھر میں ہو۔ موٹا بدن سست مزاج۔ مٹھائی چیزوں سے پیار۔ گھر کے کاموں میں ہوشیار و منتظم۔ مالدار۔ مگر اپنی کمائی کا زر برباد کر دیوے۔ بیماری کھانسی۔ اور جریاں۔ منی کا شلک ہیو پار مویشی سے فائدہ نربل ہو تو فکر۔ اندیشہ کسی عورت کی طرف سے رنج نقصان ہو۔

۷۔ سنیچر۔ بارہویں گھر میں ہو۔ ہمیشہ بیمار۔ بے شرم۔ فکرمند خوف سزا نربل ہو۔ تو نقصان دولت مقابلہ دشمن۔

۸۔ راہ کیت۔ بارہویں گھر میں ہو۔ ادھرمی۔ ہمیشہ پردیش۔ مالدار دشمن پر غالب۔ صاحب اولاد۔ عورت اچھی۔ صاحب اقبال۔ ایک انگ سر یا آنکھ۔ یا ناہی یا اندام نہانی میں کوئی روگ ہو۔

۹۔ بارہویں گھر کا مالک پہلے گھر میں ہو تو زیادہ پردیس میں رہے خوش شکل۔ نرم گفتار۔ شیریں کلام ہو۔ الا صحبت بد اور طبیعت بیکار و بیقرار ہو۔

۱۰۔ بارہویں گھر کا مالک دوسرے گھر میں ہو۔ شوم۔ بدکلام۔ نادار مقروض تجارت میں نقصان۔ آگ اور چور و سزا کا خوف۔

۱۱۔ بارہویں گھر کا مالک شبھ گرہ تیسرے گھر میں ہو۔ تو شوم اور بھائی بندھیوں سے جدائی پاپی ہو تو بھائی بندھیوں رشتہ داروں سے محروم

۱۲۔ بارہویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو زمین مکان اور دیگر شبھ کاموں پر خرچ۔ پاپی گرہ ہو تو ماتا کو تکلیف۔ زمین مکان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جائیداد کا نقصان ہمیشہ بیمار۔ موت کسی نوکدار آلے سے ہو۔

۱۳۔ بارہویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو اولاد اور علم اور تابعداری ماں باپ نصیب ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو علم عقل اولاد کا رنج۔

۱۴۔ بارہویں گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو شبھ گرہ ہو۔ تو ننھیال خاندان اور دشمنوں کی ترقی کرتا ہے پاپی ہو۔ تو بدخواہ شوم الٹا دشمنوں کو تباہ کرتا ہے۔

۱۵۔ بارہویں گھر کا مالک ساتویں گھر میں ہو۔ تو بدطبیعت بدعادت چالاک شبھ گرہ ہو۔ تو اپنی عورت سے اور اگر پاپی گرہ ہو۔ تو کسی بدچلن سے خوف موت ہو۔ کاروبار میں نقصان مقابلہ دشمن۔

۱۶ بارہویں گھر کا مالک آٹھویں گھر میں شبھ گرہ ہو۔ تو ادم جمع زر دولت ضائع ہو جاوے۔ مال وراثت کا نقصان ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو۔ تو ہر ایک سے دشمنی اور تمام کام بگڑ جاویں موت پردیس میں ہو۔ عمر کم۔

۱۷۔ بارہویں گھر کا مالک نائویں گھر میں شبھ ہو۔ تو تیرتھ جاترہ اور اچھے کاموں میں خرچ۔ پن دان ہو۔ اگر پاپی گرہ ہو تو نقصان زر سفر بے فائدہ۔

۱۸ بارہویں گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو۔ تو نقصان روزگار عزت دولت۔ راجدربار میں بے قدر۔ غیر عورت سے اولاد پیدا کرے ماں باپ کا مخالف۔

۱۹ بارہویں گھر کا مالک شبھ ہو کر اگر گیارہویں گھر میں آوے تو بڑی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عمر نا ہو۔ معزز اور دیانتدار ہو۔ پاپی گرہ ہو۔ تو نقصان زر دولت کرے۔

۲۰۔ بارہویں گھر کا مالک بارہویں گھر میں ہو۔ تو ہمیشہ خوشحال اور تمام عمر کسی گاؤں میں گذرے۔ بزدل اور ڈرنیوالا ہو۔

۲۱۔ ساتویں گھر میں سنیچر۔ چھٹے۔ آٹھویں گھر میں چاند ہو۔ تو زر و مال کا بہت نقصان ہو۔

۲۲ بارہویں گھر کو پاپی گرہ دیکھتا ہو۔ تو زر دولت کا نقصان ہو۔

۲۳ نانویں گھر میں اوچ گرہ ہو۔ یا شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو شبھ کاموں میں خرچ کرے۔

۲۴۔ چھن چندرماں و سورج بارہویں گھر میں ہوں تو خوف سزاء یا ضبطی جائیداد ہو۔

۲۵ بارہویں گھر میں سنیچر و منگل ہوں۔ تو بھائیوں سے نقصان دولت ہو۔

۲۶۔ دوسرے گھر میں کوئی پاپی گرہ اور بارہویں گھر میں لگنیش ہو۔ اور دسویں گھر کے مالک کو گیارہویں گھر کا مالک دیکھتا ہو تو سخت نادار اور قرضدار ہو۔

۲۷۔ گیارہویں اور تیسرے گھر کے مالک پاپی انس یا مین رلس میں ہوں تو مفلس اور قرضدار ہو۔

۲۸۔ لگنیش پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھروں کے مالک دیکھتے ہوں۔ تو قرضدار ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۹- ۲-۵-۹-۱۲ گھروں میں پاپی گرہ ہوں۔ تو خوف سزا سخت قید کا ہو۔
۳۰- لگنیش چھٹے گھر کا مالک سنیچر کے ساتھ کیندر میں ہو۔ تو قید ہو
۳۱- بارھویں گھر کا مالک بارھویں گھر میں ہو۔ تو زمیندار۔ مویشی دار ہو۔ مگر شوم ہو۔
۳۲ بارھویں گھر کا مالک چھٹے گھر میں ہو۔ تو پاپوں سے ڈر ہو۔
۳۳- بارھویں گھر کا مالک نانویں یا دسویں گھر میں ہو۔ تو اچھے کام کرنے والا اور تیرتھ یاتری ہو۔
۳۴ بارھویں گھر کا مالک پاپی گرہ کے ساتھ نانویں گھر میں ہو۔ تو پاپی اور بدکار ہو۔
۳۵ بارھویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ تو خوش کلام ہو۔
۳۶ بارھویں گھر کا مالک اٹھویں گھر میں ہو۔ تو ایشور کا خوف کرے۔
۳۷ سورج بارھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ اعلیٰ درجہ حکومت با اختیار عمر دراز۔ غیر ملک یا پہاڑوں میں رہائش اختیار کرے۔ خرچ زیادہ ہو۔
۳۸ چاند۔ بارھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ خوف حکام۔ خرچ زیادہ
۳۹- منگل۔ بارھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو درجہ نوکری فوجی۔ کئی بیاہ ہوں۔ جائیداد کے جھگڑوں میں بربادی دولت ہو۔ آخری عمر میں تکلیف۔ بیماری تنگ دستی۔
۴۰ بدھ بارھویں گھر میکھ راس میں ہو۔ ہنرمند۔ دستکاری میں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہر خرچ آمدنی سے زیادہ کاربیوپار میں فایدہ کم۔
۴۱۔ برہسپت بارہویں گھر میکھ راس میں ہو۔ تو لوگوں کو دھرم کرم میں ویاکھیان سناوے۔ روز زیر بار خرچ ہو کر قرضدار ہو جاوے۔
۴۲۔ شکر بارہویں گھر میکھ راس میں ہو۔ ہنر مند۔ شاعر۔ کتابیں تصنیف کرے۔ تماش بین یا تماشہ کرنیوالا ہو۔ عورت کے کاموں میں دولت کماوے۔
۴۳۔ سنیچر۔ بارہویں گھر میکھ راس میں ہو۔ کمینہ کام۔ خرچ بے فائدہ خوف نقصان۔
۴۴۔ راہ کیت۔ بارہویں گھر میکھ راس میں ہو۔ کمینہ اور بڑے کاموں پر گذارہ ہو۔ مخالفوں پر کامیاب ہو۔ بدکاری میں خرچ۔
۴۵۔ سورج۔ بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ تو خوش بخت۔ راجدربار میں عزت۔ بددیانت۔
۴۶۔ چاند۔ بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ کئی کام کرے اور کئی کاموں پر گذارہ ہو۔ ادنےٰ روزگار۔ مفلس قرضدار۔ ماں۔ اور ماں کے رشتہ داروں سے رنج۔
۴۷۔ منگل۔ بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ درجہ اعلےٰ باختیار ظالم شراب خور۔ بدکاری میں نقصان زر دولت۔
۴۸۔ بدھ۔ بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ صاحب علم۔ خاص زبانوں میں ماہر۔ حکام وقت میں معزز۔ ویاکھیان کرنے والا معمولی گذارہ۔ عورتوں سے تکلیف۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۹ - برہسپت - بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ عالم - ہنرمند - خوش نصیب دانشمند دو بیاہ - نیک کاموں میں خرچ۔

۵۰ - شکر - بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ جائیداد بزرگان کا نقصان مگر اپنی کمائی سے جائیداد اور دولت پیدا کرے۔ حکام وقت سے عزت - عمدہ سواری اور آرام۔

۵۱ - سنیچر بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ ہر طرح تکلیف - نقصان زر دولت - دائمی سفر - فریبی - بے اعتبار - گذارہ کیلئے کئی کام کرے ہر فساد میں شریک۔

۵۲ - راہ کیت بارہویں گھر برکھ راس میں ہو۔ دشمنوں سے مقابلہ اور جھگڑا - قرضدار - فن جادوگری میں ماہر - ہمیشہ مسافر - بدنام

۵۳ - سورج بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ تو پہلے عمر میں ماں باپ کی موت - جائیداد بزرگان سے محروم - پردیس میں ادنے روزگار قرضہ لے کر ادا نہ کرے - بدنام ہو۔

۵۴ چاند - بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ دبلا - دور ملکوں میں سیر کرنے والا - اچھی چیزوں کو ناپسند کرے۔

۵۵ - منگل - بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ بے رحم - ظالم غیر ملکوں میں پھرنے والا بدکار - بدنام - ہر ایک سے مخالفت۔

۵۶ - بدھ - بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ رحم دل - دردمند - خیرخواہ عام تعلیم دینے والا - کبھی مقامات پر کئی کام کرے - آخر کام تجارت کرے اور اس میں فائدہ پاوے اچھے کاموں میں خرچ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۷۔ برہسپت۔ بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ عالم۔ فاضل۔ عابد صاف دل ہر ایک سے نیکی کرنیوالا۔ فیاض ہو۔

۵۸۔ شکر۔ بارہویں گھر متھن راس میں ہو عزت۔ آرام۔ عمدہ سواریاں عورت مالدار۔ بلکہ جائیداد ساتھ لاوے۔ علم میں ہوشیار۔ سفر بحر نما اور ممالک غیر کا شائق۔

۵۹۔ سنیچر۔ بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ کام۔ روزگار۔ تجارت سفر سے کچھ فائدہ حاصل نہ ہو۔ قرضہ لے کر ادا نہ کرے۔ پردیس میں بڑے امیروں سے فساد کرے۔

۶۰۔ راہ کیت بارہویں گھر متھن راس میں ہو۔ گذارہ مستقل نہ ہو۔ نہ رہائش مستقل ہو۔ مقدمات۔ زیادہ وقت ضایع کرے۔

۶۱۔ سورج۔ بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ نامور معزز۔ اعلےٰ درجہ عزیز راجگان نہائیت دیانت دار۔ فیاض۔ ہر ایک کے ساتھ نیکی کرنیوالا۔

۶۲۔ چاند۔ بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ لوگوں میں اعتبار عزت۔ روزگار۔ متوسط اکثر پردیس میں رہے۔

۶۳۔ منگل بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ زر دولت اور روزگار کا نقصان جائیداد بزرگان برباد کر دیوے۔ فضول خرچ۔

۶۴۔ بُدھ۔ بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ ہر طرح تکلیف اور رنج میں زمانہ زندگی بسر کرے۔

۶۵۔ برہسپت۔ بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ نیک کاموں میں خرچ روزگار متوسط عمر میں ترک ہو۔ نیک کاموں میں خرچ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۶ - شکر - بارہویں گھر کو کرک راس میں ہو۔ صاحب اقبال اور خوشحال سواریاں زمین سے آسودہ حال ہو۔ مگر آخر کار فضول خرچی میں جائیداد کا نقصان کرے نیکنام ہو کر بدنام ہو جاوے۔

۶۷ - سنیچر - بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ رزق - دولت جائیداد بزرگان خاندان کا نام و نشان ضائع ہو جاوے۔

۶۸ - راہ و کیتت - بارہویں گھر کرک راس میں ہو۔ پہلی عمر تباہی اور تکالیف مقدمات میں ضائع جاوے۔ سفر میں ناکامی متوسط عمر کے بعد قسمت یاور ہو۔ اور راجدربار میں عزت اور روزگار حاصل ہو۔

۶۹ - سورج - بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ اعلیٰ مرتبہ - معزز - راج دربار میں عزت - البتہ ابتدا عمر میں ماں باپ کی موت کا صدمہ دیکھے - نیکنام ہو۔

۷۰ - چاند - بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ پہلی عمر میں تکلیف پچھلی میں آرام - شائق سفر - خرچ زیادہ۔

۷۱ - منگل - بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ جائیداد کا نقصان لیکن حالت زمانہ مستقل نہ رہے - کبھی آرام کبھی تکلیف۔

۷۲ - بُدھ - بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عالم ہو۔ ماں - باپ مر جاویں رنج - غم نہ دیکھے - البتہ متوسط عمر میں روزگار اچھا - اور آسودہ حال دولتمند ہو جاوے۔

۷۳ - برہسپت - بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ ابتدا عمر سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ترقی عزت درجہ اول اور دولت ہو کر تا آخر عمر میں ہر طرح کے آنند اور آرام نصیب ہوں۔ منصف مزاج۔ درجہ باختیار نیک نام نامور راجدربار میں منصف اعلیٰ ہو۔

۷۴۔ شکر۔ بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ فیاض۔ نامور۔ سواریاں۔ عمدہ مکانات۔ دولتمند۔ کبھی کبھی بسبب فضولخرچی قرضدار بھی ہو جاوے۔

۷۵۔ سنیچر۔ بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ عمر پریشانی اور حیرانی میں گذرے۔ گو درمیان میں عزت ناموری حاصل ہو۔ مگر ہمیشہ مفرد اور بے آرامی دامنگیر ہو۔

۷۶۔ راہ کیت۔ بارہویں گھر سنگھ راس میں ہو۔ تمام عمر فکر فاقہ تکلیف اور پردیس میں ضائع جاوے۔

۷۷۔ سورج۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ اعلےٰ مرتبہ عہدہ دار سرکار۔ فیاض۔ ہر ایک پر مہربانی کرنیوالا ہو۔ خرچ زیادہ کبھی کبھی پریشانی اور بعض خرچ زیادہ گھبرایا کرے۔

۷۸۔ چاند۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ تو زمین زراعت اور اس کے اہتمام اور انتظام سے فائدہ۔ متوسط عمر میں ناموری اور عزت نصیب ہو۔

۷۹۔ منگل۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ پہلا حصہ عمر کا عیش عشرت میں بسر ہو۔ مگر زیر باری خرچ قرضدار کر دیوے اور مقابلہ مخالفان سخت رنج پہونچاوے۔

۸۰۔ بدھ۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو کام تجارت میں فائدہ۔ مگر رنج جرکم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سے بڑے نقصان۔ اور ہمیشہ اونکی ناراضگی میں تکلیف اُٹھاوے۔

۸۱ برہسپت۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ معزز۔ نامور۔ لوگوں کا استاد گذارہ متوسط کہیں موت اولاد کا مغت صدمہ دیکھے۔ آمدنی سے خرچ زیادہ ہو۔ مخالفوں کی شرارت سے رنج آلودہ رہے۔

۸۲ ۔شکر۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ زمانہ زندگی اچھا بسر ہو۔ رزق دولت سے آسودہ خوش کی شکل۔ لیکن خرچ زیادہ اکثر وقت پریشانی میں رہے۔ عورات سے رنج۔

۸۳ ۔سینچر۔ بارہویں گھر کنیا راس ہو۔ تمام عمر رنج۔ فکر۔ تکلیف بمقابلہ دشمنان میں بسر ہو۔ آمدن سے خرچ زیادہ۔

۸۴ راہ کیت۔ بارہویں گھر کنیا راس میں ہو۔ پہلی عمر۔ فکر۔ تکلیف تنگی گذارہ میں بسر ہو۔ البتہ آخری عمر میں گذارہ اچھا اور آرام نصیب ہو۔

۸۵ ۔سورج۔ بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ سفر۔ بیماری۔ تکلیف۔ خرابی مقدمہ بازی۔ بیماری آنکھ غرضیکہ ہر طرح رنج اور تکلیف میں زندگی بسر ہو۔

۸۶ ۔چاند۔ بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ تو پہلی عمر میں ماں باپ کی موت جائیداد بزرگان سے فایدہ حاصل نہ ہو۔ آنکھوں میں پانی یا پڑوال کا روگ۔ خرچ زیادہ۔

۸۷ ۔منگل۔ بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ فکر۔ اندیشہ خرچ زیادہ کام یا روزگار جنگی یا سناروں کا ہو۔ دشمنوں کا مقابلہ۔ کلام پر اثر۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۸ - بدھ - بارہویں گھر تلا راس میں ہو - خرچ زیادہ - دشمنوں کا مخالف کلام پر اثر۔

۸۹ - برہسپت - بارہویں گھر تلا راس میں ہو - دانا - ہوشیار - سخن سنجیدہ رزق دولت سے آسودہ - اولاد کا رنج - کئی کام اور روزگار کرے۔

۹۰ - شکر بارہویں گھر تلا راس میں ہو - صاحب دولت - نیک نام نامور - معزز - خوش اقبال - عورت نیک اور دولت ساتھ لاوے سخی نیک کاموں میں خرچ۔

۹۱ - سینچر - بارہویں گھر تلا راس میں ہو - کمینہ کام - منحوس - ہمیشہ پریشان اور بے قرار - لاوارث - رزق دولت سے آسودہ۔

۹۲ - راہ کیت بارہویں گھر تلا راس میں ہو - دور دور کا سفر - ناقص کاموں سے روپیہ کماوے - دولتمند نہ ہمیشہ فکرمند اور پریشان خاطر ہو - سخت موت ہو۔

۹۳ - سورج - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو - نامور - معزز - بڑے امیروں کا دوست اور بڑے بڑے کام کرنیوالا - اور دور تک سفر کرے مگر جگر یا پھیپھڑے کی بیماری سے اچانک موت ہو۔

۹۴ - چاند - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو - بیقرار و پریشان - بحری سفر بڑے امیروں کا دوست ہو کر اون سے دشمن ہو جاوے - دھرم ہارنے کا خوف - خرچ زیادہ - رتبہ میں تنزل۔

۹۵ - منگل - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو - جنگ جو - مسافر جنگ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیطرف سفر پیش آوے موت اولاد کا صدمہ۔ لباس خلاف رواج ہو۔ ضعیفی میں زر و مال سے آسودہ ہو۔

۹۶ بُدھ۔ بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ رنج اولاد ضعیفی میں بیاہ ہو۔ قانون سرکار میں ماہر۔ سخی خیرات کرنیوالا۔ مگر دشمنوں سے مقابلہ۔

۹۷۔ برہسپت۔ بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بڑے امیروں اور حکام کا دوست نامور۔ معزز۔ فیاض۔ سخی۔ کام خیراتی اور آرام گاہ مسافرین زیادہ کرے۔

۹۸۔ شکر۔ بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ مال جائیداد وراثتاً حاصل ہو۔ غیر ملکوں میں نامور۔ دشمنوں سے تکلیف۔ غریبی سے امیر اور دولتمند ہو۔ منصف مزاج۔ اور اعلےٰ درجہ کا عہدہ دار بااختیار ہو۔

۹۹ سنیچر بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تمام عمر جھگڑے۔ فساد نقصان دولت کمینہ روزگار۔ بیکار۔

۱۰۰۔ راہ کیت بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بیمار۔ موت اولاد اور استری کا حادثہ۔ پہاڑوں کا سفر۔ شرم۔ تندخو بے ڈر۔

۱۰۱۔ سورج۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ پہلی عمر اچھی حالت میں آرام اور عزت سے گذرے نیکنام۔ دور دور کا سفر متوسط عمر میں موت فرزند اور تنزل روزگار کا صدمہ پیش آوے نقصان زر دولت۔ لوگوں میں بدنامی۔

۱۰۲۔ چاند۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ دُبلا۔ بیمار نقصان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دولت پریشان خاطر۔ خرچ فضول

۱۰۳۔ منگل۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ فکر اندیشہ نقصان دولت ہمیشہ سفر۔ غمگین۔ بیماری گرمی یا آتشک۔

۱۰۴۔ بدھ۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ خرچ بے فائدہ ہمیشہ سفر ضعیفی میں بیماری دم کشی ہو۔

۱۰۵۔ برہسپت بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ اچھے کام کرنیوالا۔ خیراتی کاموں میں خرچ۔ تیرتھ یاترا کرے۔ خوش تقریر ہو۔ قانون میں ماہر۔ عالم۔

۱۰۶۔ شکر۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ بیوپار اور سوداگری میں نقصان لیکن اعلیٰ درجہ اور بلند مرتبہ نصیب ہو۔ ہر خرچ سے آنند اور آرام سے زمانہ زندگی بسر ہو۔ خیراتی اور نیک کاموں میں روپیہ خرچ کرے۔

۱۰۷۔ سنیچر۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ ادھرمی۔ ادنے روزگار پاپ کرموں سے دولت پیدا کرے۔ کوئی ایک روزگار نہ ہو پاپی کاموں میں خرچ۔

۱۰۸۔ راہ کیت۔ بارہویں گھر دھن راس میں ہو۔ پورن عمر نہ ہو ہمیشہ سفر۔ دشمنوں کا مقابلہ۔ بچوں کی موت۔ کمینوں سے دوستی اور بریوں سے ملاپ۔

۱۰۹۔ سورج بارہویں گھر مکر راس میں ہو غیر ملکوں اور غیر سرکاروں میں جا کر روزگار کرے۔ مگر کچھ دولتمند نہ ہو۔ مخالفوں سے رنج اور زر دولت کا نقصان ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۱۰- چاند- بارہویں گھر مکر راس میں ہو- ادنےٰ درجہ کی قسم کا بیوپار ہمیشہ سفر- دشمنوں سے نقصان زر-

۱۱۱- منگل- بارہویں گھر مکر راس میں ہو- جھگڑوں میں بربادی دولت بیماری آتشک ہتھیاروں اور جنگی نوکری کا کام ہو-

۱۱۲- بدھ بارہویں گھر مکر راس میں ہو- بیوپار کیلئے ہمیشہ مسافر- دولت مال سے آسودہ- سچی خیراتی کام کرنے والا- اگر نربل ہو- تو نقصان دولت ہو-

۱۱۳- برہسپت- بارہویں گھر مکر راس میں ہو- جائیداد بزرگان برباد بددیانت- نادار- قرضدار- آخری عمر میں آنکھوں میں روگ بے فایٔدہ خرچ-

۱۱۴- شکر- بارہویں گھر- مکر راس میں ہو- بزرگوں کی جائیداد ہاتھ نہ آوے مگر مکانات اور باغ اور مکان بناوے میٹھی زبان سفر میں لایٔق اور ہوشیار ہو-

۱۱۵- سنیچر- بارہویں گھر مکر راس میں ہو- سفر میں لباس اور صورت بدل لیوے- عمر اچھی حالت میں بسر نہ ہو- کسی کے تابع ہو کر روزگار- اور گذارہ کرے-

۱۱۶- راہ کیت- بارہویں گھر مکر راس میں ہو- متوسط عمر کے بعد کمائے دولت کو نقصان کرے- سفر میں رہے- بدنام ہو جاوے جھگڑوں میں تکلیف-

۱۱۷- سورج- بارہویں گھر کمبھ راس میں ہو- سفر زیادہ- روزگار سفر کام پیمایٔش زمینات یا ملکوں کا ہو- آخری عمر میں تکلیف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پریشانی اور بیماری دمہ کی ہو۔

۱۱۸ - چاند - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ جائیداد بزرگان کی تباہی دولت عزت ماں باپ کی بربادی - بمیلاد فضول خرچ - فکر اندیشہ۔

۱۱۹ - منگل - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ پہلی عمر تکلیف میں گذرے اُس کے بعد جسقدر دولت پیدا کرے۔ وہ سب تباہ اور برباد کردیوے نہایت عاجز ہوکر زمانہ بسر کرنا پڑے۔

۱۲۰ - بدھ - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ کم علم مگر عزت اقبال اچھا ہو۔ بمقابلہ آمدنی خرچ زیادہ۔ فکر اور تشویش۔

۱۲۱ - برسپت بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو سخی۔ خیراتی کام کرنیوالا ہر دل عزیز۔ معزز۔ نامور۔ غیر ملکوں میں روزگار۔ مگر عمر متوسط اور زیادہ طبیعت پریشان رہا کرے۔

۱۲۲ - شکر - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ معمولی گذارہ۔ درپردہ قرضدار۔ بظاہر آسودہ۔ نیکی کام کرے۔ متوسط عمر میں موت عورت خرچ زیادہ۔ بیماری۔

۱۲۳ - سنیچر - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ شوم بے عقل۔ فریبی تمام عمر خرابیوں میں بسر ہو۔ دشمنی اور شرارت مول لیوے۔

۱۲۴ - راہ کیت - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ دور دراز ملک میں روزگار۔ جائیداد بزرگان میں مقدمہ اور فساد ہوں۔ متوسط عمر میں حکام سے ناراضگی اور تکلیف خرچ زیادہ۔ بیماری آنکھ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

١٢٥ - سورج - بارہویں گھر مین راس میں ہو - صاحب اقبال - اعلےٰ رتبہ حکام اور شریفوں کی تواضع میں خرچ زیادہ کرے - اور پہلی خدمات کی وجہ سے آخری عمر میں راجدربار دولت اور عزت حاصل کرے

١٢٦ - چاند - بارہویں گھر مین راس میں ہو - اچھی جائیداد اور کام کا مہتمم ہو - تمام عمر اچھے کاموں میں بسر ہو - نیکنام - اعتباری اور دیانتدار ہو -

١٢٧ - منگل - بارہویں گھر مین راس میں ہو - بے رحم - بے درد - نامور ... عمر میں تکالیف اور رنج پیش آویں -

١٢٨ - ... نامور - بیوپاری اور سرکاری ... شریفوں سے

होवे तब
... बहुतसा भय होवे ॥ २
... भौमसौरी च वृषे स्थित्वा त्रयो य
दुर्भिक्षं राज्यभङ्गं च मेदिन्यामग्नितो भय
शुक्र मंगल शनि ये तीनों वृषपै स्थित होवें
होवे और राज्यभंग होवे पृथ्वीपै अग्निसे भय होवे
मेषे शनैश्चरो भानुर्भार्गवो भूसुतस्तथा ।
एकार्णवो महान्पृथ्व्यां दुर्भिक्षं तत्र जाय
... पै शनि सूर्य शुक्र मंगल ये स्थित हो

١٢٩ - ...

١٣٠ - ... میں ... ہو -

١٣١ - سنیچر - بارہویں گھر مین راس میں ہو - تمام پریشانی اور نقصان دولت مقابلہ دشمنوں میں بسر ہو -

١٣٢ - راہ کیت - بارہویں گھر مین راس میں ہو - رزق - روزگار سے تکلیف گذارہ کی تنگی - مگر آخری عمر میں آسائش اور آرام مل جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پریشانی اور بیماری وغیرہ کی ہو۔

۱۱۸ - چاند - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو۔ جائیداد بزرگان کی تباہی اور...
عزت ماں باپ کی بربادی - بیماری فضول خرچ - فکر
اندیشہ۔

۱۱۹ - منگل - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو - پہلی عمر تکلیف میں گذرے اس کے
بعد جسقدر دولت پیدا کرے - وہ سب تباہ اور برباد کر دیوے
نہایت عاجز ہو کر زمانہ بسر کرنا پڑے۔

۱۲۰ - بدھ - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو کم علم ...
بمقابلہ آمد ...

र्कं भवेच्चूर्ण ९॥
याके दिन तुलाका चंद्रमा हो।८
याके चक्र आदि शस्त्रके विनाडी अर्थात
ाके चूर्ण हो जावे और वणिजव्यवहार नि-
का ॥
२५ ॥
कौ क्षितिनन्दनो वा यद्येकऋक्षे ह्यथवै-
। सुभिक्षमन्नं नृभिरत्र ग्राह्यं मासे चतुर्थे
शुभः ॥ २६ ॥
क मंगल ये एक नक्षत्रपै अथवा राशिपै

۱۲۳ - سنیچر - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو ... قرضی
تمام عمر خرابیوں میں بسر ہو - دشمنی اور شرارت
...دل لیوے۔

۱۲۴ راہ کیت - بارہویں گھر کنبھ راس میں ہو - دور دراز ملک میں
روزگار - جائیداد بزرگان میں مقدمہ اور فساد ہوں - متوسط
عمر میں ... سے ناراضگی اور تکلیف خرچ زیادہ - بیماری آنکھ

۱۲۵ ۔سورج۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ صاحب اقبال۔ اعلےٰ رتبہ حکام اور شریفوں کی تواضع میں خرچ زیادہ کرے۔ اور پہلی خدمات کی وجہ سے آخری عمر میں راجدربار دولت اور عزت حاصل کرے

۱۲۶ ۔چاند۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ اچھی جائیداد اور کام کا مہتمم ہو۔ تمام عمر اچھے کاموں میں بسر ہو۔ نیکنام۔ اعتباری اور دیانتدار ہو۔

۱۲۷ ۔منگل۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ بے رحم۔ بے درد۔ نامور نیکنام۔ مگر درمیانی عمر میں تکالیف اور رنج پیش آویں۔

۱۲۸ ۔بدھ۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ نامور۔ بیوپاری اور سرکاری معاملات میں تکلیف۔ آخیر کامیاب ہو۔ خرچ زیادہ۔ شریفوں سے رنج۔

۱۲۹ ۔برہسپت۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ تو معزز اور مال دولت سے آسودہ مگر بسبب فیاضی کے قرضدار ہو جاوے۔ موت اولاد کا حادثہ دیکھے لوگ زیادہ خیر خواہ اور ہمدرد ہوں۔

۱۳۰ ۔شکر۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ خوش اقبال۔ امیر ہمیشہ خوشی میں زمانہ بسر ہو۔ خوش شکل۔ الا مستقل مزاج نہ ہو۔

۱۳۱ ۔سنیچر۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ تمام پریشانی اور نقصان دولت مقابلہ دشمنوں میں بسر ہو۔

۱۳۲ ۔راہ کیت۔ بارہویں گھر مین راس میں ہو۔ رزق۔ روزگار سے تکلیف گذارہ کی تنگی۔ مگر آخری عمر میں آسایش اور آرام مل جاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۳۳- میکھ راشی خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو خوف دشمن۔ خرابی املاک
بیماری۔ الا ترقی جانوراں چوپایہ۔

۱۳۴- برکھ راشی بارہویں گھر میں ہو۔ تو شتر۔ اسپ زیادہ ہوں۔
مخالفان سے خوف۔

۱۳۵- متھن راشی خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو ترقی جانوراں چارپایہ۔ مخالف
اہلکاراں سرکاری۔

۱۳۶- کرک راشی خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو ترقی جانوراں چوپایہ شتر و
اور عہد پیمان دشمن۔

۱۳۷- سنگھ راشی خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو ترقی جانوراں کلاں۔ او
مصالحت دشمن۔

۱۳۸- کنیا خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو جماعت دشمناں مستعد دشمنی
مرادوں میں ناکامی۔ فایدہ جانور چوپایہ۔ املاک بہ قبضہ دشمن
رہے۔

۱۳۹- تلا خانہ دوازدہم میں ہو۔ نفع جانوراں۔ اولاد دوست بھی
دشمن ہو جاویں۔

۱۴۰- برچھک خانہ دوازدہم میں ہو۔ دشمن قوی ہو۔ خوف حکام
ترقی مویشی۔

۱۴۱- دھن خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو حصول مراد از دوستاں و
فایدہ و نکوئی حالات۔

۱۴۲- مکر خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو دشمنوں سے خوف گرفتاری مو
دشمن۔ ترقی مویشی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۴۳-کمبھ خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو دشمنوں سے رنج اور اندیشہ نقصان

۱۴۴-مین خانہ دوازدہم میں ہو۔ تو دوستوں سے رنج اور دوست دشمن ہو جاویں۔ انجام اُن سے صلح ہو۔

راز چہاردہم

احکام متفرق یوگ

اب ان یوگوں کا حال لکھا جاتا ہے۔ جو کنڈلی کے کسی گھر میں نہیں آے ہیں۔

قران

جب کوئی گرہ دوسرے گرہ سے ملاپ سمبندھ ایک گھر میں ایک انش دا ایک کلا دا ایک بکلا پر کرے تو اُس کو قران کہتے ہیں۔ ایسے حالت میں اونکا بل آپس میں مل کر ایک خاص اثر پیدا کرتا ہے جیساکہ دوائی یا کوئی اور چیز جدا جدا ہوں۔ تو اونکا اثر جدا جدا اور کمتر ہوتا ہے۔ مگر جب اونکو ملا کر یکجان کر دیا جاوے تو پھر اونکا ایک خاص اثر پیدا ہو جاتا ہے۔ مثلاً گندھک۔ شورہ۔ کوئلہ۔ جدا جدا ہوں۔ تو کوئی طاقت نہیں رکھتے ہیں۔ لیکن جب اُونکو ملا کر یکجان کیا جاوے تو پھر بارود بن جاتا ہے۔ اُس میں ایک طاقت پیدا ہو جاتی ہے اسی طرح جب قدرتاً گرہوں کا آپس میں سمبندھ ہو جاتا ہے تو ایک خاص

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اثر دکھلاتے ہیں۔

قران وگرہوں کا

۱۔ سورج۔ چاند کا قران ہو۔ تو سخت مزاج۔ غصہ والا۔ لالچی اور معمولی روزگار ہو۔ کاریگر۔

۲۔ سورج۔ منگل کا قران ہو۔ تو دلاور۔ غصہ ور۔ پاپی۔ بلوان اور دل کو دبانیوالا۔ بخت اور بدکلام۔ مہتر۔

۳۔ سورج۔ بدھ کا قران ہو۔ تو عقلمند۔ دانا۔ ہوشیار۔ رزق دولت سے آسودہ ہو۔

۴۔ سورج۔ برہسپت کا قران ہو۔ تو عقلمند۔ دانا۔ ہوشیار۔ امیر دولتمند لوگوں کے کام نکالنے والا ہو۔

۵۔ سورج۔ شکر کا قران ہو۔ تو بہادر۔ دلیر۔ شائق۔ رنگ راگ فن دستکاری میں ہو ہوشیار۔ عورت کا تابعدار۔

۶ سورج سینچر کا قران ہو۔ تو لین دین میں ہوشیار۔ بیوپار میں لائق ہرایک چیز اچھی بری کو مثل صراف کے پہچاننے والا۔

۷۔ چاند۔ منگل کا قران ہو جنا جو سخت پاپی۔ جھوٹھ بولنے والا۔ چغلخور۔ بیمار ہو۔

۸۔ چاند۔ بدھ کا قران ہو۔ تو رحمدل۔ سخی۔ دھرماتما۔ دولتمند۔ بدھ وان ہو۔ دانا۔

۹۔ چاند۔ برہسپت کا قران ہو۔ تو دولتمند۔ شبھ کام کرنیوالا۔ خاندان میں معزز اور ہرایک کو سہارہ دینے والا۔ خاندان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کے لوگ اوسکا حکم مانیں۔

۱۰۔ چاند۔ شکر کا قران ہو۔ تو دانا۔ اور ہر ایک کام میں عقل اوسکی لائق صلاح اور مشورہ کے ہو۔ لیکن عیاش ہو۔

۱۱۔ چاند۔ سنیچر کا قران ہو۔ تو اچھے کام کرنیوالا۔ عام کا خیر خواہ

۱۲۔ منگل۔ بدھ کا قران ہو۔ تو بہادر۔ دلاور۔ کھیل اور لڑائی میں پہلوان ہو۔ قبیلہ پرور۔

۱۳۔ منگل۔ برہسپت کا قران ہو۔ تو خاندان کا پرورش کرنیوالا۔ بلند مراتب۔ معزز۔ بہادر۔ دلاور ہو۔

۱۴۔ منگل۔ شکر کا قران ہو۔ تو فکر مند۔ بیقرار۔ ہمیشہ اندیشہ اور پریشانی میں رہے۔ جھوٹھ بولنے والا لیکن دشمن پر فتح پاوے۔ شایق عورات وغیرہ

۱۴۔ ثانی منگل۔ شکر کا قران ہو۔ تو حیران و پریشان رہے۔

۱۵۔ بدھ۔ برہسپت کا قران ہو۔ ہمیشہ خوشحال اور خوشبودار چیزوں کا خواہشمند ہو۔ راگی۔

۱۶۔ بدھ۔ شکر کا قران ہو۔ تو معزز۔ نامور۔ خاندان میں سردار دانا۔ دستکار۔ اور کئی ہنر جانتا ہو۔ میٹھی زبان۔

۱۷۔ بدھ۔ سنیچر کا قران ہو۔ ہمیشہ خوشحال۔ قبیلہ کو پالنے والا۔ احسان اور مروت کرنے والا۔ لیکن دُبلا۔ دغا باز۔ جھوٹھ بولنے والا۔

۱۸۔ برہسپت۔ شکر کا قران ہو۔ تو خوشحال۔ صاحب اولاد۔ دولتمند عالم۔ فاضل۔ بکچرار۔ بلند آواز۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۸ - بدھ - بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ خرچ زیادہ - دشمنوں کا مقابلہ کلام پر اثر۔

۸۹ - برہسپت - بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ دانا۔ ہوشیار۔ سخن سنجیدہ رزق دولت سے آسودہ - اولاد کا رنج۔ کئی کام اور روزگار کرے۔

۹۰ - شکر بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ صاحب دولت - نیک نام نامور۔ معزز خوش اقبال - عورت نیک اور دولت ساتھ لاوے سخی نیک کاموں میں خرچ۔

۹۱ - سینچر - بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ کمینہ کام بیشوم - ہمیشہ پریشان اور بے قرار۔ لاوارث - رزق دولت سے آسودہ۔

۹۲ - راہ کیت بارہویں گھر تلا راس میں ہو۔ دور دور کا سفر۔ ناقص کاموں سے روپیہ کماوے - دولتمند مگر ہمیشہ فکرمند اور پریشان خاطر ہو سخت موت ہو۔

۹۳ - سورج - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو - نامور۔ معزز - بڑے امیروں کا دوست اور بڑے بڑے کام کرنیوالا - اور دور تک سفر کرے مگر جگر یا پھیپھڑے کی بیماری سے اچانک موت ہو۔

۹۴ - چاندہ - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بیقرار و پریشان بحری سفر بڑے امیروں کا دوست ہو کر اون سے دشمن ہو جاوے - دھرم بدلنے کا خوف - خرچ زیادہ - رتبہ میں تنزل۔

۹۵ - منگل - بارہویں گھر برچھک راس میں ہو۔ جنگ جو مسافر جنگ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیلئے سفر پیش آوے۔ موت اولاد کا صدمہ۔ لباس خلاف رواج
ہو۔ ضعیفی میں زر و مال سے آسودہ ہو۔

۹۶ بدھ۔ بارھویں گھر برچھک راسی میں ہو۔ رنج اولاد ضعیفی میں
بیاہ ہو۔ قانون سرکار میں ماہر۔ سخی خیرائیت کرنیوالا۔ مگر دشمنوں
سے مقابلہ۔

۹۷۔ برہسپت۔ بارھویں گھر برچھک راسی میں ہو۔ بڑے امیروں اور
حکام کا دوست نامور۔ معزز۔ فیاض۔ سخی۔ کام خیرائیتی اور آرام
گاہ مسافرین زیادہ کرے۔

۹۸۔ شکر۔ بارھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ مال جائیداد وراثتاً
حاصل ہو۔ غیر ملکوں میں نامور۔ دشمنوں سے تکلیف۔ غریبی
سے امیر اور دولتمند ہو۔ منصف مزاج۔ اور اعلےٰ درجہ کا عہدہ
دار بااختیار ہو۔

۹۹ سنیچر بارھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ تمام عمر جھگڑے۔ فساد نقصان
دولت کمینہ روزگار۔ بدکار۔

۱۰۰۔ راہو کیت بارھویں گھر برچھک راس میں ہو۔ بیمار۔ موت اولاد
اور استری کا حادثہ۔ پہاڑوں کا سفر۔ شہوت۔ تندخو بے ڈر۔

۱۰۱۔ سورج۔ بارھویں گھر دھن راس میں ہو۔ پہلی عمر اچھی حالت میں
آرام اور عزت سے گذرے نیکنام۔ دور دور کا سفر متوسط عمر میں موت
فرزند اور تنزل روزگار کا صدمہ پیش آوے نقصان
زر دولت۔ لوگوں میں بدنامی۔

۱۰۲۔ چاند۔ بارھویں گھر دھن راس میں ہو۔ دبلا۔ بیمار نقصان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۷ - چاند۔ منگل۔ سنیچر۔ کا قران ہو۔ بدنام۔ زنا کارہ۔ روزگار۔ بچپن میں ماتا کی موت۔ رنج۔ تکلیف۔

۳۸ - چاند۔ برہسپت۔ بدھ کا قران ہو۔ صاحب علم۔ خوشحال۔ خوش قسمت نامور۔ نیک نام۔

۳۹ - چاند۔ بدھ۔ شکر۔ کا قران ہو۔ ودوان۔ لالچی۔ ہوشیار۔ روپیہ کمانے میں صبح و شام سرگردان ہو۔

۴۰ - چاند۔ بدھ۔ سنیچر کا قران ہو۔ تو بڑا دانا اور خوشحال۔ نامور معزز۔

۴۱ - چاند۔ برہسپت۔ شکر۔ کا قران ہو۔ تو بلند اقبال اور خوش بخت ہو۔

۴۲ - چاند۔ برہسپت۔ سنیچر کا قران ہو۔ تو یقین پہونچانے والا۔ نامور معزز۔ راجدربار میں قدر منزلت ہو۔ جادوگری کا شائق۔

۴۳ - چاند۔ شکر۔ سنیچر کا قران ہو۔ عالم۔ فاضل۔ پنڈت بیدوں تک تعلیم دہرا تھاں۔ پرہیزگار۔

۴۴ - منگل۔ بدھ۔ برہسپت کا قران قبیلہ پرور۔ خاندان میں سردار اور کل دیپک ہو۔ اچھے سخنوں اور شعروں کا پیارا۔

۴۵ - منگل۔ بدھ۔ شکر۔ کا قران ہو۔ دبلا بدن تھوڑا بولنے والا۔ رزق دولت سے آسودہ۔

۴۶ - منگل۔ بدھ۔ سنیچر کا قران ہو۔ تو ادھرمی۔ پاپی۔ دبلا لوگوں کے سندیسہ اور خط خبروں پہونچانیوالا۔

۴۷ - منگل۔ شکر۔ برہسپت کا قران ہو۔ تو بڑے مرتبہ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منصب والا۔ اولاد و استری سے خوشحال معزز۔ نیکنام۔ دلاور

۴۸۔ منگل برہسپت سنیچر کا قران ہو۔ کمینہ روزگار بے رحم۔ ظالم الطبیعت بدعہد۔ اپنے اقرار اور وعدہ سے پھر جاوے۔

۴۹۔ منگل سنیچر شکر کا قران ہو۔ ہمیشہ سفر۔ عورت نافرمان اور لڑائی کرنیوالی۔

۵۰ بُدھ۔ برہسپت شکر کا قران ہو۔ تو نامور۔ معزز۔ بڑے قدر والا دشمنوں کا قاتل۔

۵۱ بدھ۔ برہسپت سنیچر۔ کا قران ہو۔ تو امیر۔ صاحب جائیداد۔ زمین مکان سے خوشحالی۔ نیک نام۔ اچھے کام۔

۵۲۔ بُدھ شکر سنیچر۔ کا قران ہو۔ تو بدکار۔ دھوکہ دینیوالا۔ تیز زبان بے اعتبار۔ بے قدر۔ بدنام۔

۵۳۔ برہسپت۔ شکر سنیچر کا قران ہو۔ تو گو غریب یا کمینہ یا بے نشان خاندان اور گھر میں جنم ہو۔ تب بھی نامور۔ بڑے اقبال والا۔ راجہ یا امیر ہو۔

چار یا چار سے زیادہ گرہوں کا قران

۵۴۔ چار یا چار سے زیادہ گرہ کیندر یا ترکون میں ہوں۔ تو سادھو یا فقیر یا فقیروں کے فرقہ میں شامل ہوتا ہے۔

سورج۔ بلوان ہو۔ تو گیرو لستر دھاری وتپسی ہو۔

چاند۔ بلوان ہو۔ تو کھپر دھاری ہو۔

منگل بلوان ہو۔ تو کپالی ہو۔

بدھ بلوان ہو۔ تو دوان اور ڈنڈی سنیاسی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت بلوان ہو۔ تو جتی ہو۔
شکر بلوان ہو۔ تو چکر دہاری ہو۔
سینچر بلوان ہو۔ تو پانگس ہو۔

یوگ سورج و چاند

۵۵ ویس یوگ۔ سورج سے بارہویں گھر میں (چندرماں کے سوا) کوئی گرہ ہو۔ تو تھوڑی درشٹی اور تھوڑا بولنے والا ہو۔ مگر کاموں میں چست اور ہوشیار۔

۵۶ ۔بیجا یوگ۔ سورج سے دوسرے گھر میں (چندرماں کے سوا) کوئی گرہ ہو۔ تو میٹھی بانی دھیمی اور نرم۔ طبیعت ہر ایک پر کرپا کرنے والا۔ بڑا پراکرمی اور بلوان ہو۔

۵۷ اوبھی چری یوگ۔ سورج سے آگے اور پیچھے (چندرماں کے سوا) کوئی گرہ ہو۔ تو میانہ قد اور دانا و سمجھ والا ہر ایک کام سوچ سمجھ کر کرنیوالا۔ بڑے امیروں اور بھاگ والوں کی سنگت۔ لوگوں میں پرتیت اور مانتا ہو۔

۵۸ ۔انفا یوگ۔ چاند سے بارہویں گھر میں (سورج کے سوائے) کوئی گرہ ہو تو نیکنام پن دان کرنیوالا۔ ہر ایک پر احسان اور دیا کرے۔

۵۹ ۔سونفا یوگ۔ چاند سے دوسرے گھر میں (سورج کے سوائے) کوئی گرہ ہو۔ ہاتھوں اور اپنے پراکرم وادوم سے کمائی کر کر دولت پیدا کرنے والا ہمیشہ آنند اور خوشحال۔ لوگوں میں قدر اور مانتا ہو

۶۰ دہور۔ دہرا۔ یوگ۔ چاند سے آگے اور پیچھے (سورج کے سوائے) کوئی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گرہ ہو۔ تو دھنوان۔ دھن دان کرنیوالا۔ بڑے پرتاپ اور اقبال والا کرپالو۔ دیالو۔ سب پر احسان اور مہربانی کرنے والا۔ بڑا خوش نصیب ہو۔

۶۱ - سورج۔ چاند کے آگے پیچھے شبھ گرہ بلوان ہو ویں گے۔ تو پھل پورن کریں گے۔ اگر اشبھ گرہ ہونگے۔ تو تھوڑا پھل کریں گے۔

۶۲ کیمدرم یوگ۔ سورج و چاند کے آگے پیچھے کوئی گرہ نہ ہو۔ تو نردھن نرآدری نیچ کام یا ٹہل سیوا پر گزارہ کرنیوالا۔ اور ہمیشہ سوگ اور چنتا میں رہے۔

۶۳ - کیمدرم رد یوگ۔ سورج سے چوتھے۔ ساتویں۔ دسویں گھر میں چندرماں ہو۔ تو تمام دوش کیمدرم یوگ (۶۲) کو ناش کر دیتا ہے۔

۶۴ جنم لگن یا چندرماں سے کیندر استھان میں کوئی گرہ ہو۔ یا اس استھان پر چاند کے ساتھ نواس کرتا ہو۔ تو کیمدرم یوگ دور ہو جاتا ہے اور پھل اوسکا نشٹ ہو جاتا ہے۔ پستک برہد جاتک میں اس کی ساکھا لکھی ہے۔

۶۵ - چندرماں اپنے گھر یا اپنی ہورا میں ہو۔ دوسرے گرہ جو چندرماں کی ہورا میں ہوں۔ وہ چاند کو دیکھتے ہوں تو پھل شبھ ہوتا ہے

۶۶ ادھے یوگ۔ چندرماں سے چھٹے۔ ساتویں۔ آٹھویں۔ گھر میں بدھ۔ برہسپت۔ شکر ہوں۔ تو شبھ پھل کرتے ہیں۔ اوس صورت میں کہ جب تینوں گھر وں میں ملکر یا جدا جدا تینوں گرہوں کا نواس ہو۔ یہ یوگ چاند کے تمام دوشوں کو دور کر دیتا ہے اور اونکا ناش کرتا ہے۔

۶۷ - شبھ گرہ چندرماں کی ہورا میں ہوں۔ تو وہ جیو بھاگوان اور بڑے پرتاپ والا ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۸ چاند کو دن کے جنم میں برہسپت پورن درشٹی سے اور رات کے جنم میں شکر پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں۔ تو بہت شبھ پھل کرتے ہیں۔

۶۹۔ بعض ودوانوں کا واک ہے کہ اگر جنم لگن یا چاند سے چوتھے گھر میں کوئی گرہ ہو۔ تو انفا یوگ (۵۸) ہوتا ہے۔

۷۰۔ جنم لگن یا چاند سے دسویں گھر میں کوئی گرہ ہو۔ تو سونفا یوگ (۵۹) ہوتا ہے۔

۷۱۔ جنم لگن یا چاند سے چوتھے اور دسویں گھر میں کوئی گرہ ہو تو دھوردھرا یوگ (۶۰) ہوتا ہے۔

۷۱۔ جنم لگن یا چاند سے چوتھے۔ دسویں گھر میں کوئی گرہ نہ ہو تو کیمدرم یوگ (۶۲) ہوتا ہے۔

یوگ کنڈلی کے گھروں کے

۷۲ رجو یوگ۔ اگر سب گرہ چر لگنوں میں ہوں۔ تو نشٹ دیش بدیش پھرنیوالا۔ کرودھ سبھاؤ۔ بہت جوڑ توڑ ملانیوالا فریبی جھگڑالو۔

۷۳ موسل یوگ اگر سب گرہ استھر لگنوں میں ہوں۔ تو شبھ اچاری شبھ بیوپاری۔ بڑا نامور۔ پرتاپ والا۔ بھلے کاموں پر اگری دھیرج والا۔

۷۴ نل یوگ۔ اگر سب گرہ دوبھاؤ لگنوں میں ہوں تو استری سنتان دھن دولت سے خوشحال ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶۵- مالا یوگ۔ اگر سب شبھ گرہ تین گھر کیندر میں ہوں تو منش بین دان کرنیوالا متر سجنوں کا ہتکاری۔ دھن۔ بھوشن۔ بستر۔ سنتان سے خوشحال

۶۶- بیال یوگ۔ اگر شبھ گرہ تین گھر کیندر میں نہ ہوں۔ تو نردھن اور بیمار روگی ہوتا ہے:۔

۶۷- گدا یوگ۔ سب شبھ گرہ دو گھر کیندر میں آجاویں۔ تو منش ہر ایک کام میں فتح پاتا ہے۔ اور شترووں پہ ہمیشہ اوس کی جیت رہتی ہے۔ اگنی اور منتر تنتر ودیا میں پرپتی رکھتا ہے:۔

۶۸- سکٹ یوگ۔ اگر سب گرہ ساتویں گھر میں ہوں۔ تو منش نردھن نراش نراسرا روگی۔ سوگی ہوتا ہے۔

۶۹- بلیگ یوگ اگر سب گرہ چوتھے۔ دسویں گھر میں ہوں۔ تو اپنی محنت اور ادوم پر گذارہ ہو۔ اور سدا پردیس میں رہے۔

۷۰- سرنگاٹک یوگ۔ اگر سب گرہ پانچویں۔ نانویں گھر میں آویں۔ تو بدھیوان اور خوشحال ہوتا ہے

۷۱- ہل یوگ۔ اگر سب گرہ ۲-۳-۴-۶-۷-۸-۱۰-۱۱-۱۲ گھروں میں ہوں تو محنت اور کھیتی پر گذارہ ہو۔ تنگی سے سا گذارہ کرے۔ نردھن ہو:۔

۷۲- بجر یوگ۔ ساتویں اور جنم لگن میں شبھ گرہ بلوان ہوں چوتھے اور دسویں گھر میں پاپی گرہ ہوں تو سریر میں گرمی بلوان کامی۔ پہلی اور پچھلی اوستھا خوشی سے گذرے۔ پرنتو مدھ میں دکھ اور کلیش دیکھے

۷۳- جو یوگ۔ چوتھے۔ دسویں گھر میں شبھ گرہ اور جنم لگن و ساتویں گھر میں یا شبھ گرہ اور جنم لگن و ساتویں گھر میں اشبھ گرہ میں ہوں۔ پہلی اور پچھلی اوستھا میں دکھ کلیش دھن کا ناش۔ مان کا اپمان ہو۔ مگر مدھ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوستھامیں سکھ۔ آرام دھن دولت سے اچھا وقت گذرے۔

۷۴۔ سروج یا کمل یوگ۔ شبھ آشبھ گرہ چاروں کیندر گھروں میں آجاویں تو اُس منش کی تمام اوستھا رنج اور خوشی میں گذرتی ہے حالت اُس کی ہمیشہ بدلتی رہتی ہے۔ کبھی دکھ کبھی سکھ۔

۷۵۔ کوپ یوگ پورے چاروں گھر کیندر کے باقی آٹھ گھروں میں سب گرہ ہوں۔ کوئی گھر سوائے کیندر گھروں کے خالی نہ ہو۔ تو منش کل دیپک اور خاندان میں سردار۔ بھلے سبھاؤ والا۔ بھلے کام کرنیوالا۔ دیرگھ آیو۔ دھنوان ہو۔

۷۶۔ جوپ یوگ۔ ساتوں گرہ اگر جنم لگن سے تیسرے گھر تک برابر ہوں باقی نوگھر۔ چوتھے سے بارہویں گھر تک خالی ہوں۔ ودوان۔ دھنوان دھرماتماں۔ پن دان کرنیوالا ہے۔

۷۷۔ سریوگ۔ ساتوں گرہ چوتھے گھر سے چھٹے گھر تک ہوں۔ اور باقی سب گھر خالی ہوں۔ تو ڈاکو۔ چور۔ نردھن۔ نردیا غریبوں کو لوٹنے والا۔

۷۸۔ شکت یوگ۔ ساتوں گرہ ساتویں گھر سے نانویں گھر تک ہوں۔ اور باقی سب گرہ خالی ہوں۔ تو نردھن اور کلپنا کرنیوالا۔ ہر ایک سے جھگڑا

۷۹ ونڈ یوگ سب گرہ دسویں گھر سے بارہویں گھر تک ہوں باقی گھر پہلے سے نانویں تک خالی ہوں۔ تو منش نردھن۔ اور سنتان ودیا و بدھی سے رہت ہوتا ہے۔ تمام آیو اس کی کلیشوں میں گذرتی ہے۔

۸۰۔ نوی یوگ۔ پہلے گھر سے ساتویں گھر تک سب گرہ ہوں۔ باقی آٹھویں سے بارہویں گھر تک خالی ہوں۔ تو بے ٹکانہ سبھاؤ اور لالچی۔ بیوپار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اناج یا کام کرایہ یا دریا میں ناؤ چلانے کے کام پر گذارہ ہو۔

۸۱ چھتر یوگ۔ ساتویں گھر سے پہلے گھر تک کل گرہ آجاویں۔ باقی گھر دوسرے سے چھٹے گھر تک خالی ہوں۔ تو پہلے اور پچھلی عمر نہایت سکھ اور آنند سے امیری میں گذرے۔ بڑا مانی۔ پرتاپی۔ نامور۔ نیک نام ہو۔

۸۲۔ دھنک یوگ۔ اگر ساتوں گرہ دسویں سے چوتھے گھر تک ہوں۔ تو پہلی اور پچھلی اوستھا بہت سکھ۔ آنند۔ دھن سنتان سے خوش گذرے۔ بنوں اور پربتوں پر رہنا پسند کرے۔

۸۳ یکوڑ یوگ۔ سب گرہ چوتھے سے دسویں گھر تک ہوں۔ تو منش چور پاپی۔ ادھرمی۔ ڈاکو۔ بنوں اور ویران استھانوں پر رہنے والا ہو۔

۸۴ اردھ چندر یوگ۔ اگر چاروں کیندر ۱۔۴۔۷۔۱۰۔ چھوڑ کر تمام گرہ ۲۔۳۔۵۔۶۔۸۔۹۔۱۱۔۱۲۔ گھروں میں ہوں۔ تو منش افسر لشکر اور بڑے اختیار والا۔ نامور۔ خوشحال۔ سدا آنند دھنوان پرتاپی ہوتا ہے۔

۸۵۔ چکر یوگ۔ اگر ۱۔۳۔۵۔۷۔۹۔۱۱۔ گھروں میں سب گرہ ہوں۔ تو منش سندر روپ۔ نامور۔ بڑے مرتبہ اور درجہ اور عہدہ۔ دھنوان بدھ وان ہوتا ہے۔

۸۶۔ سمندر یوگ۔ اگر سب گرہ ۲۔۴۔۶۔۸۔۱۲۔۱۰۔ گھروں میں ہوں تو منش سخی۔ پن دان کرنیوالا۔ بڑا مرتبہ۔ بڑا قدر۔ بڑا اختیار پرتاپ دیا وان۔ دھنوان ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۷ - گوری یوگ - اگر سب گرہ جنم لگن میں ہوں - تو دانا - سچ بولنے والا سخی - پن دان کرنے والا - دھرماتما - لوگوں میں مانتا - قدر -

۸۸ - جگت یوگ - اگر سب گرہ صرف دو گھروں میں ہوں - تو لالچی فریبی دھوکہ دینوالا - شوم ٹھگ ہوتا ہے -

۸۹ - شول یوگ - اگر سب گرہ تین گھروں میں ہوں - تو دلاور - بہادر جنگی بلوان سخت دل - نردہن - نردیا - کو بدہی شریر -

۹۰ - کیدار یوگ - تمام گرہ اگر چار گھروں میں ہوں - لوگوں کے کام کرنے والا - دھنوان - بھارے اور دھیرج والا - بہلے سبھاؤ والا ہو -

۹۱ - پاس یوگ - اگر تمام گرہ پانچ گھروں میں ہوں - کرودہی - پاپی - دکھ دائی نقصان پہونچانیوالا - ادہرمی -

۹۲ دامنی یوگ - اگر تمام گرہ چھ گھروں میں ہوں - تو دھنوان سنتان سے آننددار - داتا - بدھ وان - کومل سبھاؤ - سدا آنند میں رہنے والا ہوتا ہے -

۹۳ بنیا یوگ - تمام گرہ اگر سات گھروں میں ہوں - تو ونش ودوان - بدھوان - پن دان کرنیوالا سخی - دھنوان - راجی ہوتا ہے -

۹۴ - بیسی یوگ - سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں جب گرہ آویں تو وہ اپنا اپنا پھل پورن دکھلاتے ہیں -

۱ - سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں منگل ہو - تو دلاور مالدار - چور ہوگا -

۲ - سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں بدھ ہو - تو جوگیشر یا ولی اور راہ حقیقت و معرفت کو جاننے والا بڑا دانا ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۔ سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں شکر ہو۔ تو امیر۔ مالدار ہمیشہ خوشحال اور خوش بخت۔ بڑی بڑی نعمتیں نصیب ہوں۔

۴۔ سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں برہسپت ہو۔ عالم فاضل اور بڑے امیروں کا وزیر اور صلاح کار ہو۔

۵۔ سورج سے بارہویں یا دوسرے گھر میں سینچر ہو۔ تو اوسکے بھائی رشتہ دار متر سجن بہت ہوں۔

۹۵۔ ایکسا گھر میں یوگ شکر۔ بدھ سینچر۔ تینوں۔ ملکر۔ ایک گھر میں آویں۔ تو جھوٹھ بولنے والا۔ عورت غیر سے دوستی۔ شہر بشہر پھرے دل کا بھید کسی کو نہ دیوے۔

۹۶۔ شکر۔ بدھ سینچر۔ سورج۔ راہو۔ پانچ گرہ ایک گھر میں ہوں تو دانشمند اور جنگ جدل میں مستقل مزاج۔ سچ بولنے والا۔ پوتر پاک۔

۹۷ بدھ۔ شکر۔ سورج۔ تینوں ایک گھر میں ہوں۔ تو دانا۔ معزز میٹھی زبان۔ خوبصورت۔ عورتوں سے محبت۔

۹۸ چاند۔ منگل وسینچر۔ راہ۔ چاروں گرہ ایک گھر میں ہوں۔ دلاور بہادر۔ معزز۔ اہنکاری۔ ابھمانی۔ دانا۔ مالدار۔ بڑے پروار والا لوگوں پر احسان اور مروۃ زیادہ کرے۔

۹۹۔ برہسپت۔ چاند۔ ایک گھر میں ہوں۔ تو اپنے بھائیوں سے سلوک ہر ایک کا صلاح کار۔ خاندان اچھا۔ عورت نیک بہادر سورماں۔ دولتمند۔ پرتاپی افسر لشکر یا رعیت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۰ - منگل - بدھ - سورج - شکر - ایک گھر میں ہوں - تو بدکاری کا شائق
لڑائی میں دلاور -

۱۰۱ - چاند - سورج - منگل - بدھ - چاروں گرہ ایک گھر میں ہوں - تو
سخی اور شبھ کام کرنیوالا - خوبصورت - بہادر پہلوان - بلوان استری
اولاد سے خوشحال - نیک نام -

۱۰۲ - سورج - شکر - ایک گھر میں ہوں - تو عالم - مالدار - عورتوں
کے کام سے خوش - دلیر - جنگ میں بہادر -

۱۰۳ - چاند - شکر - ایک گھر میں ہوں - خوبصورت - تماش بین - خوراک
پوشاک عمدہ - دلیر -

۱۰۴ - چاند - منگل - ایک گھر میں ہوں - تو لڑائی اور جنگ میں چالاک
راگ رنگ کا پریمی - سخی مالدار - لیکن جھوٹھ سے زیادہ
کام ہو -

۱۰۵ بدھ - چاند - سورج - ایک گھر میں ہوں - سواری کا شوق ہر
ایک کا کام محبت اور دل سے انجام دیوے - سادھواں کا
دوست -

۱۰۶ - سورج - منگل - برہسپت - چاند - ایک گھر میں ہوں تو سخی و دانا
کولیشری شاعری میں ماہر - مصاحب - راج منتری -

۱۰۷ سورج - شکر - چاند - سنیچر - ایک گھر میں ہوں - راہو ایک گھر
میں ہو - تو سر یشٹ اور بلوان ہو - پرنتو ہمیشہ دکھی رہے
ابھیمانی - گیانی - اچھا گھر اور اچھی عورت - سندر استان حال
باگ رنگ سے پریت -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۰۸ - برہسپت - چاندر - منگل - ایک گھر میں ہوں - اپنی بات کو پورا کرنیوالا - جبتک اوسکی بات پوری نہ ہو غمگین رہے - اوس کے سریر میں دُوکھ - پھوڑا پھنسی - سندر روپ۔

۱۰۹ - سینچر - بدھ - ایک گھر میں ہوں - ہر ایک کا کام نکالے - جلدی رنج ہو - بدھوان۔

۱۱۰ پنچہتر - اشنی - کرتکا - ریوتی - پکھ میں جنم ہو - اور شکر شبھ استھان پر ہو - تو شبھ پھل کرے - منش سردار اور راجہ ہو - اگر شکر اشبھ استھان پر ہو - تو بھی سردار اور جاگیر دار ہو۔

۱۱۱ - ۱ - پنچہتر - مولا - مگھا - پوربا - پھالگنی - ریوتی میں جنم ہو - سورج جنم لگن میں ہو - تو کنگال اور نردہن ہو - ہمیشہ پریشان اور حیران ہو۔

۲ - چاندر - اوچ استھان پر ہو - تو منش راجہ اور پرتاپی ہو۔

۳ - سورج - دسویں گھر میں ہو - تو خوش قسمت اور بھاگوان ہو۔

۴ - منگل - برہسپت - سورج دسویں گھر میں ہو - تو سواری و جمعیت سے آسودہ رہے۔

۵ - برہسپت سنگ دسویں گھر میں ہوں - تو سردار - دھنوان سنتان والا ہو۔

۱۱۲ - شکر یا برہسپت - یا بدھ - یا چاندر - اوچ - استھان یا اپنے گھر میں بلوان ہو کر دسویں گھر میں ہو - تو دھنوان اور خوشحال اور آرام و اطمینان سے آیو گذارے۔

۱۱۳ - جنم لگن کا مالک بلوان ہو کر کیندر - ترکون میں ہو - تو سدا سُکھی اور تندرست دھنوان بلشٹ والا - تھوڑے کام اور پراکرم سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فائدہ بہت اوٹھاوے۔

آرشٹ نوران یوگ

۱۱۴- جس کنڈلی میں پاپ گرہوں کا آرشٹ ہے۔ اور اُس میں یہ یوگ آجاویں تو تمام دوش اُس کے دور ہوجاتے ہیں۔

۱- شکر۔ برہسپت۔ ملکر کیندر میں بلوان ہوں۔

۲- مہاں سندہ یوگ۔ راہو ۳ گھر میں اور منگل ۶ گھر میں ہو۔ اور باقی گرہ شبھ استھان پر ہوں۔

۳- چاند۔ کرک راس۔ بلوان ہوکر جنم لگن میں ہو۔ اور ساتویں گھر میں کوئی پاپی گرہ نہ ہو۔

۴- برہسپت بلوان ہوکر کیندر میں ہو۔ اور سورج پانچویں گھر میں ہو۔

۵- برہسپت یا شکر بلوان ہوکر کیندر گھر میں ہو۔

۶- راہو۔ منگل۔ سنیچر۔ سورج۔ ملکر ساتویں گھر میں ہوں۔

۱۱۵- سورج سے نانویں باپ کا گھر۔ چاند سے چوتھے ماں کا گھر۔ اور منگل سے تیسرے بھائی کا گھر۔ اور بدھ سے چوتھے ماما کا گھر اور برہسپت سے پانچویں اولاد کا گھر۔ اور شکر سے ساتویں استری کا گھر۔ اور سنیچر سے آٹھویں باقی سمندیوں کا گھر ہے۔ جن گھروں میں شبھ گرہ بلوان ہوں گے۔ یا بلوان ہوکر اُنکو دیکھتے ہونگے تو اون کے لئے شبھ پھل ہوگا۔ اور جن گھروں میں پاپی گرہ بلوان ہونگے یا اونکو دیکھتے ہوں گے۔ تو جن میں کلیش کاری

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور دوکھ دائی ہوگا۔

گربھ ٹھہرنیکا وقت (حمل)

۱۱۶۔ جنم لگن سے پانچویں لگن اور چوتھے مہینہ تیسری تتھ۔ تیسرے دار اور دسویں نچھتر میں بیرج یا گربھ ماتا کے اودر میں ٹھہرتا ہے اس حساب سے وقت ٹھیرنے گربھ کا معلوم ہوسکتا ہے۔

مثلاً

۳۰ اکتوبر ۱۹۰۵ء ۱۵ ار کارتک سمت ۱۹۶۲ بکرم بروز سوار۔ تتھ دوج شکلا پکھ کو بوقت ۱ بجے ۱۶ منٹ دن کے اسٹنٹ ۵ گھڑی ۲۵ پل پر مکر لگن میں ایک لڑکا پیدا ہوا۔

مکر لگن سے پانچویں لگن برکھ اور چوتھا مہینہ کارتک سے مانگھ اور دوج تتھ سے تیسرے تتھ چوتھ اور تیسرا وار سوار سے بدھ اور دسواں نچھتر اسراد ہا سے اوترا بھادر پد پایا گیا۔ جب ان کو جنتری میں دیکھا گیا۔ تو یہ سب یوگ ۸۔ فروری ۱۹۰۵ء ۲۷ ر مانگھ سمت ۱۹۶۱ میں پائے گئے۔ نشچے کرنا پڑا۔ کہ واقعی یہ دہروا رکیشراں معلوم کرتی وقت قرار حمل یعنے ٹھیرنے … گربھ کا درست ہے۔

۱۱۷۔ کتاب عربی غنیۃ المستفید میں محی الدین عربی لکھتے ہیں کہ منجملہ متقدمین نے جنم بچہ میں ساعات کا اثر بھی بمثل پہلا ویشں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

لگنوں کے لکھا ہے۔

دن اور رات کی بارہ بارہ ساعتیں ہوتی ہیں۔ خواہ وہ آپس میں برابر ہوں۔ یا کم وبیش غرضیکہ جسقدر رات دن کی گھڑی پل ہوں۔ اُن کو جدا جدا بارہ ساعتوں پر تقسیم کیا جاتا ہے جتنا دنمان ہے۔ اوسکی گھڑی پل کو بارہ پر اور جتنی راتری ہو۔ اس کی گھڑی پل کو بارہ پر تقسیم کرتے ہیں۔

ہر ایک ساعت کا ہر ایک گرہ مالک ہوتا ہے۔ جو شبھ گرہ کی ساعت ہو۔ وہ شبھ پھل کرتی ہے۔ اور جو آشبھ گرہ کی ساعت ہو تو آشبھ پھل کرتی ہے۔ اس لئے اول ہر ایک دن اور ہر ایک رات کی ساعتوں کو نقشہ ذیل میں درج کیا جاتا ہے۔ اور اس میں ہر ایک ساعت کے مالک کا نام تحت۔ ہر ایک ساعت کے لکھا جاتا ہے۔ تاکہ فوراً معلوم ہو جاوے۔

نقشہ ساعات اگلے صفحہ پر درج ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ساعات چکر

نام	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
دن ادیت	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر
رات سوم	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ
دن سوم	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج
رات منگل	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت
دن منگل	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند
رات بدھ	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر
دن بدھ	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل
رات برہسپت وار	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر
دن برہسپت وار	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ
رات جمعہ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج
دن جمعہ	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت
رات سنیچر	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند
دن سنیچر	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر
رات ادیت	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل

اب ہر ایک ساعت کا پہلا دیش نیچے اگلے چکر میں لکھا جاتا ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پہلا دیش چکر ہر ایک ساعت

نام دن رات	نام سوامی	پہلا دیش
دن آیت رات ویر	سورج	اگر جنم ساعت ۱-۲-۳-۶-۸-۹-۱۰- دن آیت یا رات ویر وار میں ہو۔ تو بڑے مرتبہ والا اور شان شوکت و عزت و ریاست اور بڑے امیروں کا دوست ہوگا۔
دن سوم رات جمعہ	چاند	اگر جنم ساعت ۱-۲-۳-۶-۸-۹-۱۰- میں دن سوم یا رات جمعہ کو ہو۔ تو بڑے بڑے کام کرنیوالا۔ اور عجائب معاملات اور بڑے فایدہ پہونچانیوالا۔ اور ہر ایک سے نیکی کرنیوالا۔ دولتمند۔ اور انجام اوسکا نیک ہو۔
دن منگل رات سنیچر	منگل	اگر جنم بچہ کا ساعت ۱-۵-۶-۸- میں دن منگل یا رات سنیچر کو ہو۔ تو وہ چھوٹی عمر میں قتل کیا جاویگا۔ یا اوس پر الزام قتل لگایا جاویگا۔
دن بدھ رات آیت	بدھ	اگر جنم بچہ کا ساعت ۱-۴-۶-۸- میں دن منگل یا رات آیت کو ہو۔ تو نیک خیالات اور تواریخ دان عالم حکیم ہوگا۔
دن ویر رات سوم	برہسپت	اگر جنم بچہ کا ساعت ۱-۴-۸-۱۱- میں دن ویر یا رات سوم کو ہو تو بڑا نامور۔ رئیس۔ معزز۔ عالم۔ دھرماتما ہوگا۔ لیکن عیاش اور صحبت عورت کا شایق ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دن شکر	شکر	اگر جنم بچہ کا ساعت ۱-۲-۵-۸-۹-۱۰- میں دن شکر یا رات منگل کو ہو۔ تو مال دولت جمع کریگا۔ اور آبی مقامات کا سیر پسند کریگا۔ اور دھرم میں کامل توجہ رکھیگا۔ مگر کھیل میں زیادہ متوجہ رہیگا۔
دن سینچر رات بدھ	سینچر	اگر جنم بچہ کا ساعت ۱-۲-۸-۱۰- میں دن سینچر یا رات بدھ کو ہو۔ تو وہ زندہ نہیں رہیگا۔ اگر زندہ رہیگا۔ تو ہمیشہ بیمار۔ اور بدکار ہوگا۔

وقت پھلادیش یعنی جنم وشا

چونکہ ہر ایک گرہ کا دورہ اور وقت پھلادیش معین اور مختلف ہے۔ اوس کو اس کتاب میں درج کرنا ضخامت کو بڑھاتا ہے۔ اس لئے اوس کو کتاب راز قسمت حصہ دوم چشمہ جنم وشا میں درج کیا جاویگا۔ کیونکہ ہر ایک گرہ اپنے زمانہ دور یعنے اپنی وشا میں کامل پھل دکھلاتا ہے اون کے مکمل پھلادیش کتاب مذکورہ میں بیان کی جاویں گی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جنم کنڈلی عورات

گرہوں کا اثر عالم عورات پر بھی بمثل مردوں کے منجماں نے تحریر فرمایا ہے۔ اوس کے اظہار کی کتاب ہذا میں گنجائش نہیں دیکھی گئی۔ اسواسطے اوس کو کتاب راز قسمت کے حصہ سوم چشمہ جنم پتری استریاں میں درج کیا جاوے گا۔

وقت خاتمہ کتاب

چونکہ زمانہ دراز سے اس کتاب کی تیاری میں مصروف رہا ہوں اس کے خاتمہ کا ۴ رجنوری سنہ ۱۹۰۶ء میں وقت مبارک آیا۔ اس کو ختم کر کر ایشور پرماتماں کا شکریہ ادا کرتا ہوں۔ اور دعا دیتا ہوں۔ کہ شائقین علم نجوم اور مطالعہ کنندگان کتاب ھذا کو تسلیم اس کی مبارک ہو۔ جہانتک پہلا دلیش اس کے خاکسار کے تجربہ میں آئے۔ وہ بالکل صحیح اور مطابق اس کے پائے گئے بشرطیکہ استخراج لگن ہا دہر ایک گرہ صحیح و درست ہو۔ اور حالات کا اندراج صحیح لگایا جاوے۔ خاکسار چیت رام منجم سکنہ کمالیہ ضلع منٹگمری ۱/۴/۰۶

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فہرست ہذا کو ملاحظہ فرما کر اپنے دوستوں کو بھی ان کتب سے مطلع فرما کر مشکور فرماویں

مُژدہ

گردش فلکی سے علم نجوم یعنے جوتش بالکل پردہ تاریکی میں آگیا تھا۔گو اب انگریزی خوان۔ انگریزی میں اور سنسکرت دان سنسکرت میں اس کا حظ حاصل کر رہے ہیں۔ مگر اردو خوان و ہندی بھاشا و گورمکھی دان شائقین اس سے محروم ہیں۔ اُن کی خاطر چند کتب شائع کی گئی ہیں۔ جن کے مطالعہ سے ہر معمولی خواندہ آدمی چند روز میں اعلے درجہ کی لیاقت پیدا کر سکتا ہے۔ اس سے پیشتر آج تک ملک ہندوستان میں بزبان اردو کسی عالم نے ایسی سلیس اور مشرح و مفصل جماعت وار مکمل علم حاصل کرنے کی کتب شائع نہیں کیں۔

ہدیہ ناظرین کی جاتی ہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تفصیل کتب نجوم

یعنی

جوتش

کلید نجوم

معروف

چشمۂ لگن سارنی (حصہ اوّل)

ایسی سارنی آج تک کسی ملک کسی زبان کسی زمانہ میں کسی عالم نے شائع نہیں کرائی۔ اس کے ایک بار کے مطالعہ سے ہر حرف شناس دو منٹ میں سارنی سے لگن دیکھکر کنڈلی بناکر پہلا دیش نوگرہ تعداد عمر وقت پیدائش صورت سفر۔ تلاش مال چوری۔ دریافت نرخ اجناس وغیرہ بتارتی شیا گرہ گوچر دیہ پرشن بتلا سکتا ہے۔ یہ سارنی تاقیام نظام شمسی کار آمد رہیگی۔ یہ سارنی نو ایجاد ہے۔ اسمیں قاعدہ صحت لگن مستند اور معتبر درج کیا گیا ہے قیمت اردو ۱۲ ار شاستری ۱۲ ار گورمکھی ۱۲ ار محصولڈاک بذمہ خریدار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲- کلید نجوم معروف چشمہ لگن سارنی حصہ دوم

اس میں مختلف قواعد دریافت وصحت لگن ووقت بمعہ تفاوت الوقت مختلف مقامات کثیر التعداد بمقابلہ مدراس وپہلاویش جنم۔ سال۔ رتو۔ ماہ۔ تتھ۔ یوم۔ پکھ۔ کرن۔ یوگ لگن راس مفصل ومشرح بحوالجات مختلف درج ہیں گویا ہر ایک انسان کا زندگی نامہ ہے قیمت ۸/ محصولڈاک بذمہ خریدار

۳- راز نجوم حصہ اوّل معروف چشمہ لگن

اس کتاب میں فاضل مصنف نے بڑی بھاری مشکل کو حل کیا ہے۔ جس کے باعث کہ علم نجوم آجتک اُردو خوان شائقین کے لئے ناممکن چلا آتا تھا۔ یعنے گرہوں کا استخراج یعنے سپشٹ بڑی خوبی سے مثالیں دیکر سمجھایا ہے۔ علاوہ ازیں گرہوں اور راسوں کے منسوبات بھی مکمل طور پر درج کئے گئے ہیں۔ یہ ایک ضخیم کتاب ہے قیمت صرف عہ/ علاوہ محصولڈاک

۴- راز قسمت حصہ اوّل معروف چشمہ جنم پتری

اس ضخیم کتاب کے اوصاف ومضامین نایاب کے درج کرنے کیلئے بھی علیحدہ ایک کتاب کی ضرورت ہے بخوف طوالت اسکے چند اوصاف مختصراً ذیل میں درج ہیں۔ اسمیں قریباً ساڑھے تین ہزار نمرہ یعنے پہلاویش ہر ایک گرہ مفرد ومجمل معہ یوگہائے کے درج ہیں۔ جن سے حالات سکھ۔ دکھ ترقی۔ اقبال۔ زوال۔ آمدنی۔ نقصان دولت۔ برادران۔ ملک املاک۔ جائیداد۔ مکان باغ۔ آرام والدین۔ علم۔ تعداد اولاد معہ وقت تولد وموت۔ اولاد۔ بیماری۔ شادی غمی دشمن عورات۔ فتح شکست۔ مقدمات تجارت۔ روزگار۔ وقت موت بقاعدہ منجمان ہند راپاراشر۔ رشی جیمنی دکھ، عروج۔ مراتب حکومت۔ آمدنی عطایات شاہی خرچ نقصان سزا وغیرہ درج ہیں آجتک اسکی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہم نظیر کوئی کتاب شایع نہیں ہوئی جنم پتّرہ کے پھلادیش کیلئے لاثانی نسخہ ہے الغرض انسانی قسمت کا فوٹو ہے۔ باوجود اوصاف اعلےٰ اور ضخامت کثیر کے قیمت صرف عمار علاوہ محصولڈاک

۵۔ رازِ قسمت حصہ دوم معروف چشمہ جنم دشا

اس کتاب میں اشٹوتری دشا مہا انتر پرتیر سوکھشم و پران دشا مفصلاً ... شرح عام سارنی و پھلادیش جوگنی دشا و فرو ارات یونانیاں دسود رشن چار کے ... ہیں۔ گویا وقت تولد سے وقت موت کے گھڑی پل تک کل حالات مکمل اس سے حاصل ہوسکتے ہیں علاوہ ازیں ہر انسان کے ایک ایک جنم گذشتہ کا حال بموجب کرم بپاک شاستر درج کیا گیا ہے تاہم قیمت صرف علاوہ محصولڈاک صرف عہر روپیہ۔

۶۔ رازِ قسمت حصہ سوم معروف چشمہ جنم پتری عورات

اس میں دردناک حالات۔ بیوگان۔ ثمرہ یعنے پھلادیش پنچتر۔ دیکھائے ہوئی۔ آوارگی۔ چال چلن اولاد و موت بیماری حمل وغیرہ درج ہیں۔ اس کے علاوہ ترجمہ اصل کوک شاستر بھی بعد ضروری ترمیم درج کیا گیا ہے۔ قیمت صرف ۸ر محصولڈاک بذمہ خریدار

۷۔ رازِ غیب معروف چشمہ پرشن حصہ اوّل

اس کتاب میں ضعف وقوت ستارگان ۱۶ یوگ پستک نیل کنٹھ اور کئی قواعد دریافت ضمیر سائل دہر پرشن کا جواب بحوالہ قول رکھیشران ہند و منجمان یونان و مصر و مستند کتب کا انتخاب معہ ذاتی تجربات کے درج کیا گیا ہے۔ گویا حالات قسمت انسانی فی البدیہہ راز غیب بتلاسکتا ہے جس سے عقل انسان دنگ رہجاتی ہے۔ اس میں کمی بیشی نرخ اشیائے تجارتی۔ تلاش دفینہ۔ ترقی اقبال۔ ہنرن بیماری۔ چوری۔ روزگار۔ وغیرہ حوادثات زمانہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کے ۱۲۰ سوالات متعلق تمام کاروبار دنیا بمعہ مفصل جوابات درج کئے گئے ہیں باوجود ضخامت کثیر اور مضامین عظیم الشان کے قیمت صرف عما رعلاوہ محصولڈاک۔

۸۔ رازغیب معروف چشمہ پرشن حصہ دوم

اس میں دنیا کے تمام کاروبار کے متعلق ہر ممکن سوال کا جواب بقاعدہ علم ابجد اہل یونان وعلم کیرل ترجمہ پستک گرگ منورمے وترجمہ کھٹ پنچاسکا درج ہیں اس میں کئی طریقوں سے ہر ایک سوال کا جواب مفصل درج کیا گیا ہے۔ قیمت ۸ رعلاوہ محصولڈاک

التماس

سوامی جی مہاراج معززین قدردانان وامیران ملک کا شکریہ ادا کرتے ہیں۔ کہ جنہوں نے بخیال قدردانی وحوصلہ افزائی مصنف اپنے عطائیات خلعت وامداد وسارٹیفکیٹ سے مصنف کو ممتاز اور مفتخر فرمایا۔ اور عام خواندہ صاحبان ملازم غیر ملازم کی توجہ دلا کر کتب ہا رمتذکرہ صدر کا مطالعہ شروع کرادیا ہے۔ صرف چند سارٹیفکیٹ ذیل میں درج کئے جاتے ہیں۔ تمام کو طوالت کی وجہ سے درج نہیں کیا جاتا۔

۱۔ از کونسل انتظامیہ ریاست کپورتھلہ پنجاب

لالہ چیت رام صاحب کپورتھلہ میں چند روز سے آئے ہوئے ہیں۔ ان کی ملاقات سے مجھکو بہت خوشی حاصل ہوئی۔ انہوں نے بڑا حصہ اپنی زندگی تحصیل علم جوتش میں صرف کیا ہے اور یہ تحصیل ان کو کتب قدیم زبان عربی اور فارسی سے ہوئی ہے۔ یہ کتب معلوم ہوتا ہے کہ خلفائے عباسیہ کے وقت میں سنسکرت سے ترجمہ ہوئی تھیں اور وہ اصل پستک اب ہندوستان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میں کمیاب ہوگئی ہیں۔ لالہ صاحب اب ایسی کتابوں سے اردو میں اور ہندی میں ترجمہ کر رہے ہیں چنانچہ ایک پستک انہوں نے ہندی میں بنام نہاد چشمہ لگن ساری تصنیف کر کے بصرف کثیر چھپوائی ہے جس سے امید ہے۔ کہ پنڈتان و برہمنان کو اس قدیم ودیا کی تجدید میں بڑی مدد ملیگی۔ جملہ شائقین علوم قدیم ہند کو لازم ہے۔ کہ لالہ صاحب کو بذریعہ خریداری کتاب مطبوعہ کے اپنے مقصد اعلےٰ کے بر کرنے میں امداد دیویں گے۔

الراقم ہریچند ممبر کونسل انتظامیہ ریاست کپورتھلہ ٹرسٹی بھارت دھرم مہامنڈل فیلو پنجاب یونیورسٹی وغیرہ مقام کپورتھلہ ۱۸ ار چیت سمت ۱۹۶۲ مطابق ۳۰ مارچ سنہ ۱۹۰۶ء

۲- حکم ممبر سری گوبند سنگھ سبھا کپورتھلہ ہے

از سنگھ سبھا کپورتھلہ

آج واقعہ ۱۶ ار چیت سمت ۱۹۶۲ کو جلسہ سبھا بمکان بونگہ صاحب پلٹن میں منعقد ہوا جس میں جوتشی عالیشان لالہ چیت رام صاحب ساکن کمالیہ ضلع منٹگمری نے سکھی دھرم پر عمدہ لیکچر دیا جس سے حاضرین جلسہ نہائت خوش ہوئے اور ایک پستک چشمہ لگن ساری بحروف گورمکھی پیش کیا جس کے ملاحظہ سے نہائت خوشی ہوئی۔ کیونکہ یہ جوتش ودیا پہلی دفعہ گورمکھی میں تحریر ہوئی ہے۔ اور ایک ایسے طریق سے پستک بنا ہوا ہے جسکو ہر ایک بشر باسانی سمجھ سکتا ہے اور سنگھ سبھا کی طرف سے خلعت بھی صاحب موصوف کو دیا گیا اس لئے یہ یادداشت صاحب موصوف کو دی جاتی ہے۔ المرقوم ۱۶ ار چیت سمت ۱۹۶۲ بکرم

۳- ۳۰ $\frac{۴}{۴}$ از دفتر سناتن دھرم سبھا پھلور

لالہ چیت رام صاحب جوتشی عالیشان ہماری سبھا میں تشریف لائے ہیں تقریباً پانچ چھ روز قیام فرمایا۔ آپکے لیکچر دربارہ جوتش واقعی موثر ہیں آپکی ایک کتاب موسومہ چشمہ لگن ساری کا جسمیں جوتش مبتدیین کیلئے سہل لکھا ہے مطالعہ کیا اس پر بہت تھوڑا سا وقت صرف کیا۔ مطالعہ سے معلوم ہوا کہ واقعی یہ کتاب علم جوتش کے سیکھنے کیلئے ایک اعلےٰ درجہ کی کتاب ہے مصنف نے اسکی تصنیف میں بہت جانفشانی کی ہوگی۔ دستخط انگریزی۔ گجن رام بی۔ اے پھلور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴- از اجلاس کونسل آف اڈمنسٹریشن ریاست فریدکوٹ

(مہر) دستخط انگریزی - سردار بہادر رسالدار پرتاب سنگھ صاحب ای - اے - سی -
پریذیڈنٹ کونسل آف اڈمنسٹریشن ریاست فریدکوٹ پنجاب

دستخط فارسی - عبدالغفور خاں ممبر کونسل (مہر سنہری دربار)

فضیلت ارتسام لالہ چیت رام صاحب متوطن کوٹ کمالیہ ضلع منٹگمری منجم عالیشان المعروف سوامی چکرورتی ہرلاپی جن کی عالمگیر شہرت علم نجوم میں کسی زائد تصدیق کی محتاج نہیں اتفاقاً فریدکوٹ میں آئے - اپنی مؤلفہ کتابیں پیش کیں اپنے کمال علمی سے ہمارے جنم کنڈلیوں اور پرشنوں کا مطابق زمانہ ماضی - حال - استقبال کے احکام لگا کر تجربہ علم کا ثبوت دیا - ہم نے انکے لگائے ہوئے احکام کو واقعات کے ساتھ مطابق پایا - علم نجوم ملک سے قریب معدوم ہونیکو پہنچ چکا تھا - کیونکہ اس فن کے عام مدعیوں کے کاموں میں صداقت باقی کم رہگئی تھی جو صاحبان ہنر کسی درجہ کمال تک پہنچ چکے ہیں - وہ جوتش جیسے گراں بہا فن کو برائی کیطرح مخفی رکھتے تھے جسوجہ سے جوتشیوں پر عام نیک خیال کی جگہ بدخیالی نے پا رکھی تھی - ایسے پرآشوب زمانہ میں "سوامی چکرورتی" کا جوتش کے باریک مسائل کو اردو زبان کے ذریعہ چھوٹی بڑی کتابیں تصنیف کی چھپوا کر شائع کرنا شوقمندوں نکو فہم و تفہیم کرنے کے واسطے ہر وقت مستعد رہنا اور پھر عام بے علم لوگونکے لئے اردو سے گورمکھی و بھاشا وغیرہ زبان میں ترجمہ کر کے زیادہ اشاعت کا ارادہ رکھنا ایسا کام ہے جسکی توجہ خاص خاص دھرم آتما جوتشیوں سے بھی نہیں رکھی جا سکتی یہ خصوصیت سوامی ہرلاپی کی فیاضدلی کی ایک قوی دلیل ہے - جو انکو معصروں میں اعلیٰ درجہ کی روز افزوں ناموری بخشیگی یقین ہے کہ دیسی دربار دل میں قدر دانی مزید کا سبب ہوگی - کونسل نے دوبار ریاست کیطرف سے خلعت مالیتی مبلغ پچاس روپیہ اس سند کے ہمراہ دیا ہے - کہ ان کے ریاست میں اپنے ہنر کے اظہار سے خوشوقت کرنیکا یادگار ہے فقط

المرقوم ۵ اجیٹھ سمت ۱۹۶۵ مطابق ۲۷ مئی سنہ ۱۹۰۸ء - بقلم سنت سنگھ -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۔ از سناتن دھرم سبھا نابھہ

سوامی چیت رام جی صاحب المعروف چکرورتی ہرملاپی بطور سیاحت وارد نابھہ ہو کر سبھا میں پدھارے اثنائے مکالمہ قیل و قال سوامی جی صاحب اسوقت کے جو ہر روزگار ثابت ہوئے اگر ہم ان کو مجدد کا لقب دیں بجا و سزا ہے زیرا کہ آپنے ایک عجیب کرشمہ دکھلایا ہے یعنی علم نجوم میں آٹھ رسالہ تصنیف فرمائے ہیں۔ جو بذاتہ ہر ایک بے بدل ہے۔ علم جوتش کے دقایق مالاینحل بڑی وضاحت و صراحت سے منقول فرمائے ہیں۔ اور طرفہ یہ کہ جوتش اور اصطلاحات کی تطبیق انسانی بیان کی ہے۔ واقعی دریا کو کوزہ میں بند کیا گیا ہے ایسی تصنیف اس علم میں بہت کمتر ہے۔ اب قدردانی اور ہمت افزائی ناظرین والا تمکین کے ہاتھ ہے۔ تاکہ قوی دل ہو کر مصنف صاحب اور انتخاب کر کے اردو میں ذخیرہ جمع فرما دیں اور دھرما امکن اشتراء رسائل مصنفہ میں سعی بلیغ مبذول فرما دیں۔ فی زمانہ حالت سناتن دھرم متنزل ہے۔ اسکی پشتی کیلیے جسقدر توجہ کیجاوے۔ اندک ہے خصوصاً جوتش بدیا کی نسبت ہر ایک طفل ابجد خوان بھی منہ پھاڑ پھاڑ کر چہ میگوئیاں اور علم وہمی بتلاتا ہے۔ حالانکہ یہ وید اقدس کا ایک رنگ ہے اسکی تائید سناتن دھرمی صاحبوں پر فرض واجب ہے چند کتب مترجمہ سوامی صاحب موصوف برائے ترویج منجانب سبھا خرید ہوئی ہیں۔ تاکہ اردو خوان بھی اس سے مستفید و مستفیض ہوں۔ فقط ۲۸ چیت سمت ۱۹۶۵ دستخط پربھدیال اہلکار مجلسٹریٹ ریاست نابھہ پریذیڈنٹ سبھا۔ بندہ اودیرام سیکرٹری سناتن دھرم سبھا۔ نابھہ۔ بندہ گوبندرام ممبر سبھا نابھہ۔

ملنے کا پتہ: امرناتھ بی اے منیجر دفتر منجم عالیشان ڈاکخانہ کمالیہ ضلع منٹگمری پنجاب

P.O. Kamalia

District Montgomery (PUNJAB)

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یوگ‌ہائے طریق دوم دریافت عمر	۲۴۹
طریق سوم دریافت عمر	۲۵۰
طریق چہارم دریافت عمر بقاعدہ جیمنی سوتر	۲۵۶
طریق پنجم دریافت عمر بقول پاراشر	۲۶۷
وقت موت	۲۸۰
ثمرہ ہر ایک راشی بخانہ ہشتم	۲۸۰
اثر تولد مولود دبر والدین وغیرہ	۲۸۲
راز دہم احکام خانہ نہم	
ثمرہ ہر ایک گرہ بارہ گھروں میں	۲۸۳
ثمرہ مالک خانہ نہم بارہ گھروں میں	۲۸۴
ثمرہ ہر ایک گرہ میکھ راشی میں	۲۸۶
,, برکھ راشی	۲۸۷
,, متھن راشی	۲۸۸
,, کرک راشی	۲۸۹
,, سنگھ راشی	۲۹۰
,, کنیا راشی	۲۹۲
,, تلا راشی	۲۹۳
,, برچھک راشی	۲۹۴
,, دھن راشی	۲۹۵
,, مکر راشی	۲۹۶
,, کنبھ راشی	۲۹۷
,, مین راشی	۲۹۸
ثمرہ یوگ‌ہائے دھرم وبخت وغیرہ	۲۹۹
ثمرہ ہر ایک راس بخانہ نہم	۳۰۴
یوگ‌ہائے آرام تکلیف و دھرم وغیرہ	۳۰۶
راز یازدہم احکام خانہ دہم	
ثمرہ ہر ایک گرہ بارہ گھروں میں	۳۰۹
ثمرہ مالک خانہ دہم بارہ گھروں میں	۳۱۰
ثمرہ ہر ایک گرہ میکھ راشی	۳۱۲
,, برکھ راشی	۳۱۳
,, متھن راشی	۳۱۵
,, کرک راشی	۳۱۶
,, سنگھ راشی	۳۱۷
,, کنیا راشی	۳۱۸
,, تلا راشی	۳۱۹
,, برچھک راشی	۳۲۱
,, دھن راشی	۳۲۲
,, مکر راشی	۳۲۳
,, کنبھ راشی	۳۲۴
,, مین راشی	۳۲۵
ثمرہ یوگ‌ہائے روزگار اقبال منصب وباج وغیرہ	۳۴۷
ثمرہ ہر ایک راشی	۳۴۸
راز دوازدہم احکام خانہ یازدہم	۳۵۰
ثمرہ ہر ایک گرہ بارہ گھروں میں	۳۵۰
ثمرہ مالک خانہ یازدہم بارہ گھروں میں	۳۵۲
ثمرہ یوگ‌ہائے لابھ وترقی دولت وعطایا سلطانی	۳۵۴
ثمرہ ہر ایک گرہ میکھ راشی	۳۵۶
,, برکھ راشی	۳۵۷
,, متھن راشی	۳۵۸
,, کرک راشی	۳۵۹
,, سنگھ راشی	۳۶۰
,, کنیا راشی	۳۶۱
,, تلا راشی	۳۶۲
,, برچھک راشی	۳۶۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ثمرہ ہر ایک گرہ دھن راشی	۳۶۵
〃 مکر راشی	۳۶۶
〃 مین راشی	۳۶۷
ثمرہ ہر ایک راشی بخانہ یازدہم	۳۶۹
راز سیزدہم احکام خانہ	
دوازدہم	۳۷۱
ثمرہ ہر ایک گرہ بارہ گھروں میں	۳۷۱
ثمرہ مالک خانہ دوازدہم بارہ گھروں میں	۳۷۲
ثمرہ یوگ ہائے خرچ نقصان و سزا وغیرہ	۳۷۴
ثمرہ ہر ایک گرہ میکھ راشی	۳۷۵
〃 برکھ راشی	۳۷۶
〃 متھن راشی	۳۷۷
〃 کرک راشی	۳۷۸
〃 سنگھ راشی	۳۷۹
〃 کنیا راشی	۳۸۰
〃 تلا راشی	۳۸۱
〃 برچھک راشی	۳۸۲
〃 دھن راشی	۳۸۳
〃 مکر راشی	۳۸۴
〃 کمبھ راشی	۳۸۵
〃 مین راشی	۳۸۷
〃	۳۸۸
ثمرہ ہر ایک راشی	
راز چہاردہم احکام	۳۹۰
متفرق یوگ	
ثمرہ قران و دیگر گرہوں کا	۳۹۰
〃 تین گرہوں کا	۳۹۰
ثمرہ قران چار [illegible] گرہوں کا	[illegible]

ثمرہ یوگ سورج و چاند	۳۹۴
ثمرہ یوگ کنڈلی کے گھروں کا	۳۹۸
ثمرہ آرشٹ نوارن یوگ	۴۰۶
گربھ ٹھہرنے کا وقت	۴۰۷
ثمرہ ساعات	۴۰۷
وقت ثمرہ جنم و شاہ	۴۱۱
جنم کنڈلی عورات	۴۱۲
وقت خاتمہ کتاب	۴۱۳

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز قسمت حصہ دوم

المعروف

چشمۂ جنم وشا

جسکو ماہر حالاتِ فلکی جناب لالہ جییت رام صاحب
منجم عالیشان المعروف سوامی چکرورتی ہرملانی سکنہ
کمالیہ ضلع منٹگمری۔ صوبہ پنجاب نے بزبان اُردو گورمکھی
و ناگری تصنیف فرما کر اور :-

حق تصنیف معہ ترجمۂ ہر زبان

بحق خود محفوظ رکھ کر حسب ضابطہ رجسٹری کرایا۔ لہذا
کوئی صاحب بلا اجازت مصنف قصد طبع۔ ترجمہ۔ یا نقل
جزو و کل نہ فرماویں

سرورق مفید عام پریس سیالکوٹ
میں چھپا

قیمت فی جلد [illegible] علاوہ محصولڈاک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نوٹ

۱۔ کتاب کے مطالعہ سے پیشتر غلطنامہ مندرجہ صفحہ ۳۹۸ کے بموجب غلطیاں درست کرلیجاویں تاکہ مطلب میں فرق نہ آوے۔ اور پڑھنے میں تکلیف نہ ہو۔

۲۔ فہرست مضامین ۴۰۷ صفحہ پر درج ہے۔

عالیشان کمالیہ ایجنسی

کمالیہ کی ساختہ اشیاء از قسم میز پوش۔ پلنگ پوش تخت پوش۔ جاے نماز۔ پردہ ہاے درودیوار۔ بنگ و غلاف ہاے لحاف۔ سرہانہ و تکیہ۔ سائبان خیمہ۔ دستر خوان۔ جزدان وغیرہ الغرض ہر ایک قسم کا کام رنگریزی دیسی کپڑا کھدر پر نہایت عمدہ اور خوبصورت درخواست آنے پر مہیا کیا جاتا ہے۔ قیمت وغیرہ بذریعہ خط وکتابت۔

المشتہر

منیجر دفتر منیجم عالیشان بمقام کمالیہ ضلع منٹگمری پنجاب

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوم اوم

جب کتاب پر مصنف یا پیر مصنف کی مہر یا دستخط نہ ہوں مال مسروقہ تصور ہوگا

مالک کارخانہ منجم عالیشان ... منٹگمری پنجاب

رازِ قسمت حصہ دوم

معروف

چشمۂ جنم دشا

خاکسار جیت رام ولد لالہ دیپ چند صاحب سکنہ کمالیہ ضلع منٹگمری پنجاب بدرگاہ نارائن جوتی سروپ دیا سندھو دینِ دیال دست بستہ التماس کرتا ہے

کریما کارسازا فیض بخشا	خداوندا رحیما لطف فرما
توئی تو ہر طرف جلوہ نما ہیں	تو بیشک مالکِ ارض و سما ہیں
سدا بندہ نوازی کام تیرا	پناہ و عاجزاں ہے نام تیرا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کریں ہیں صدق دل سے جو تیری یاد	رہے ہیں وہ غم دنیا سے آزاد
ہوئی لہو و لعب میں عمر آخر	کری ہیں تونے نہ تیری یاد دم بھر
سراسر ہیں عمل میں اب عادی گنہگار	وسلے ہوں تیری بخشش کا طلبگار
غم دنیا سے کر آزاد مجھکو	ہمیشہ رکھ جہاں میں شاد مجھکو
نہ کچھ تکلیف ہو ہنگام پیری	تجھے زیبا ہے میری دستگیری
رہے مقصد نہ کچھ شاہ و گدا سے	جو کچھ چاہوں سو چاہوں تجھ خدا سے
نہیں تیرے سوا کوئی مددگار	مجھے ہے تجھ سے نارائن سروکار

رہوں اب بندگی میں تیرے مشغول
غم دنیا سراسر جاؤں میں بھول

چونکہ اوصاف ایشور پرماتماں تقریر کرنے سے زبان اور تحریر کرنے سے قلم عاجز ہے اسلئے اسی پر اکتفا کر کر اظہار مدعاء کی طرف رجوع کرتا ہوں۔ عامل اس علم کے لئے ریاضت اور عبادت ضروری ہے تاکہ دل اسکا روشن اور زبان بابرکت ہو جاوے پرہیزگار۔ صادق الکلام ہونا انسان کو عابد زاہد اور پاک نفس بنا دیتا ہے بھجن بندگی

خیرائیت حلم اور صبر منجم کیلئے موجب نجات عین ہیں۔

علم جوتش و نجوم سے صداقت اس امر کی ہو سکتی ہے کہ کیا ان ایشور نشٹ بذریعہ وید مقدس رکھیشران نے علم ریاض میں کس حد تک کمال دکھلایا اور شاستروں میں جوتش شاستر کو شرو من قرار دیکر چار لاکھ شلوک بنائے ✦

اور ان میں تاثیر الوقت کی کسقدر عظمت اور شان شوکت دکھلائی۔ بلکہ

کُل کائنات کا دار و مدار نیک و بد اسی وقت پر موقوف رکھا۔
وقت میں تاثیر گردش فلکی اور سیارگان ایسی غالب ہے کہ انسان کو
کیا مقدور ہے کہ ایک سر مو بھی تجاوز کر سکے۔ یا اوس کی [illegible] و سعیں
کارگر ہو۔ اس علم کی صحت کا زیادہ تر حصر صحت لگن و [illegible] اوس کے ہے
پر ہے صحت سے لگن کا قائم کرنا کامل الاستعداد منجمان و جوتشیان
کا کام ہے نہ کہ عام خاص۔
از انجملہ کہ لگن صحیح قائم نہیں کیا جاتا۔ اسلئے احکام جنم پتری بھی
صحیح اور صادق نہیں آتے ہیں۔ اسی بموجب عوام الناس کا اعتبار
اس علم سے جاتا رہا۔ بلکہ زیادہ تر اس کی ہستی اور راستی سے بھی
منکر ہیں۔

دریافت صحیح لگن کے قاعدہ کتاب کلید نجوم معروف چشمہ لگن
ساری میں درج کئے گئے ہیں اور ان کے سپشٹ اوس سے دوسری
کتاب آئینہ نجوم میں تحریر کئے گئے ہیں۔ مع تمام حالات ستارگان۔
اس قدر تعلیم کے بعد ضرورت اس امر کی ہے کہ جنم کنڈلی میں
گرہ مفرد اور مجمل کیا کیا اثر دکھلاتے ہیں۔ سو ان کے کئی ہزار یوگ
کتب ہائے مستند اور معتبر زمانہ سلف سے انتخاب کر کر کتاب رازِ
قسمت کے حصہ اول میں درج کئے گئے ہیں ان سے بخوبی معلوم
ہو سکتا ہے۔ کہ انسان کے ساتھ تمام عمر میں کیا کیا معاملات پیش
آویں گے۔ اور وہ کس درجہ تک سکھ، دکھ اور دھن اور بھائی بند
اور آرام و والدین و زمین مکان و اولاد و بیماری و عورات و مقابلہ
دشمنان اور تکلیف وقت موت و دھرم و کرم راج دربار اور فائدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور تکلیفات دیکھے گا +

اب رہا یہ امر کہ وہ پہلا دیش ہر ایک گرہ کس کس وقت میں ظہور پذیر ہونگے۔ سو اُن کے نسبت ارباب فن نے جو اوقات بتلائے ہیں اونکو جنم دشا کے نام سے نامزد فرمایا ہے وہ اس کتاب میں بتلائی جاویں گے۔ اِس لئے اِس کتاب کا نام رازِ قسمت حصہ دوم معروف بہ چشمہ جنم دشا رکھا جاتا ہے اور اُس کو ہر زبان ناگری گورمکھی وغیرہ میں تحریر کیا گیا ہے۔ ہر ایک قسم کے ضروری مدارج رازوار ذیل درج کرتا ہوں تاکہ طالب العلم کو اُن کی تعلیم و تفہیم اور عملدرآمد میں کوئی وقت یا غلطی پیش نہ آوے

راز اوّل

جنم کنڈلی میں جس جس یوگ سے گرہوں کا قیام ہے اُن کے تمام پہلا دیش کتاب رازِ قسمت کے حصہ اوّل میں بیان کئے گئے ہیں اب دیکھنا اس امر کو ہے کہ وہ ثمرہ اپنا کس کس زمانہ میں دکھلاینگے سو ہر ایک گرہ اوس یوگ و رمبندھ سے اپنی دشا کے زمانہ میں ثمرہ اپنا دکھلاتا ہے۔ پاراشر رشی عالم فاضل نے ہنشوتری دشا میعادی ۱۲۰ برس ایجاد کرکے اوس کے پانچ منازل حسب ذیل قرار دیئے ہیں

اوّل - مہاں دشا جو گرہ اوّل کا زمانہ دورِ حکومت ہے۔

دوم - جس گرہ کی مہا دشا ہو اوس کے اندر تمام گرہ اپنے اپنے زمانہ دورِ حکومت میں شامل گرہ اوّل کے۔ اثر دکھلاتے ہیں اوسکو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

انتروشا کہتے ہیں۔

سوم۔ علیٰ ہذا انتروشا والے گرہ کے زمانہ حکومت میں پھر ایک گرہ اوس کے زیر سایہ ہوکر اپنا اثر ظاہر کرتا ہے۔ اوسکو پرانتروشا کہا جاتا ہے۔

چہارم۔ علیٰ ہذا اوس پرانتروشا والے گرہ کے زمانہ حکومت میں زیر سایہ اوس کے باقی تمام گرہ اپنا اپنا اثر بشمولیت اوس کے ظاہر کرتی ہیں اوسکو سوکھشم وشا کے نام سے نامزد کیا گیا ہے۔

پنجم۔ علیٰ ہذا اوس سوکھشم وشا والے گرہ کے زمانہ حکومت میں باقی تمام ستارگان اپنا اپنا اثر تابع رائے اوس کے ظاہر کرتی ہیں۔ اوسکو ہرن وشا کہتے ہیں۔

اب جملہ تصانیف رشی موصوف کا ترجمہ کرنا تو طاقت انسانی سے تھوڑے زمانہ میں امر محال ہے۔ البتہ اُن سے ضروری مدارج متعلق وشا مذکور جو منجمان نے اون سے انتخاب کئے ہیں کتاب ہذا میں درج کئے جاتے ہیں۔

۱۔ پہلا اصول اونکا ضروری اور مقدم الامور صحت لگن اور انکا سپشٹ ہے جسکو عالمان نے پتک ہے سنکرت گرولا گھو۔ کیشوی وغیرہ میں مفصل تحریر فرمایا ہے۔ اون میں سے ضروری مدارج کسیقدر تو اپجا دین شامل کر کر کتاب۔ کلید نجوم اور راز نجوم میں دکھلائے گئے ہیں۔

۲۔ گرہوں کے یوگ اونکا پہلا دبش حتی الامکان۔ انکو کتاب راز قسمت میں مفصل دکھلایا گیا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲ - سنبندہ ہیں کے چار قسم پاراشر رشی نے فرمائے ہیں

الف - ایک گرہ جس گھر میں ہے اوسکا مالک - اوس گرہ کے گھر میں ہو - مثلاً - برہسپت شکر کے گھر میں اور شکر برہسپت کے گھر میں ہو - اسکو علاوہ چھتر سنبندہ اور بلوان کہتے ہیں -

ب - کوئی گرہ کسی راشی میں ہو اوس راشی کا مالک گرہ مذکور کو دیکھتا ہو - دوسرا گرہ خواہ اوسکو دیکھے یا نہ - مثلاً شکر برہسپت کے گھر میں ہے اور برہسپت اوسکو پورن درشٹی سے دیکھتا ہے مگر شکر نہیں دیکھتا - اسلئے اس سنبندہ میں قوت کم ہے -

ج دو گرہ ایک دوسرے کو پورن درشٹی سے دیکھتے ہوں - مثلاً شکر برہسپت کو اور برہسپت شکر کو ؛

اس سنبندہ میں بمقابلہ سنبندہ ب کے طاقت کم ہے -

د - دونوں گرہ ایک درشٹی میں ہوں - اسکو اجتماع یعنے جگت سنبندہ کہتے ہیں اس میں سب سے طاقت کم ہے -

چونکہ سنبندہ میں درشٹی سپشٹ کرنیکی بھی ضرورت پیش آتی ہے - اسلئے اسکو راز نجوم میں مفصل تحریر کیا گیا ہے -

۳ - جہاں جگت سنبندہ متذکرہ فقرہ د پیش آوے - اس موقعہ پر پانچ طریقہ سے دوستی دشمنی گرہوں کا دیکھنا ضروری ہے - اوسکو بالتشریح کتاب راز نجوم میں دکھلایا گیا ہے -

۴ - قوت ستارگان بذریعہ سپشٹ دیکھنی ازبس ضروری ہے - اگر سنبندہ ہائے بالا یا دوستی دشمنی میں گرہ بلوان ہیں مگر اصلی قوت اون کی کم ہے تو سنبندہ میں اور دشا میں بھی طاقت نہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہو ویگی۔

گرہوں کی تحقیقات طاقت پستک کھشوی میں بہتر طریق سے درج ہے۔ اور اوسکے کئی قاعدہ ہیں۔ مگر منجملہ اون کے ایک قوت (سپت برگ بل ہے) اور اس قوت کی تعریف کتب ہائے زمانہ سلف میں بکثرت لکھی ہے۔ سنسکرت میں لفظ سپت کے معنے سات اور لفظ برگ کے معنے حصہ کے ہیں یعنے سات حصوں سے مرکب جو طاقت ہر ایک گرہ کی ہوتی ہے وہ قابل اعتماد ہے۔ اور مستند ہوتی ہے۔

۱۔ اعلے سنبندہ کہ ایک گرہ جس راشی میں ہو اوس راشی کا مالک گرہ مذکور کے گھر میں ہو۔ یعنے دو گرہ ایک دوسری کے گھر میں ہوں

۲۔ ہورا۔ اسمیں دو حصے ہوتے ہیں ہر ایک راشی کے۔

۳۔ دریشں کانڈ۔ اس میں تین حصے ہر ایک راشی کے ہوتے ہیں

۴۔ سپتانش۔ اس میں سات حصے کئے جاتے ہیں۔ ہر ایک راشی کے۔

۵۔ نوانسی۔ اس میں ہر ایک راشی کے نو حصے ہوتے ہیں۔

۶۔ دوادانش۔ اسمیں ہر ایک راشی کے بارہ حصے کئے جاتے ہیں۔

۷۔ حد یعنے ترنشانش۔ اسمیں پانچ حصہ مختلف تعداد الشوں کے کئے جاتے ہیں۔ اس کے قاعدہ استخراج یعنے سپشٹ کتاب راز نجوم میں بیان کئے گئے ہیں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴ - علاوہ اُس قوت مذکورۃ الصدر کے جو قوت کہ ہر ایک گرہ بذریعہ دیگر وسائل حاصل ہوتی ہے۔ اوسکو بھی بقول پاراشر رشی ذیل میں بیان کیا جاتا ہے۔

۵ - ہر ایک کنڈلی یا خانہ میں مالکان خانہ ۵ - ۹ - خاصہ نیک رکھتے ہیں اور ثمرہ اونکا صرف جنم کنڈلی کسی مولود میں جنم لگن سے خانہ ۵ - ۹ کے مالکان کا مولود کیلئے ہی نیک اثر نہیں دکھلاتا ہے بلکہ ہر ایک خانہ کے منسوبات کے لئے سعادت اونکی مؤثر ہے - مثلاً خانہ ۵ اولاد کا ہے - خانہ ۵ سے خانہ ۵ اور ۹ کے مالکان بحق اولاد ثمرہ نیک دکھلاویں گے - علےٰ ہذا خانہ ۴ - مادر اور آرام و زمین وغیرہ کا ہے - اوس سے مالکان خانہ ۵ - ۹ بحق ان کے ثمرہ نیک دیویں گے - علےٰ ہذا دیگر خانجات -

۶ - مالکان خانہ ۳ - ۶ - ۱۱ - کا ذاتی خاصہ نحس ہوتا ہے -

۷ - شبھ گرہ - برہسپت - شکر - بدھ - چاند - اگر خانجات کیندر ۱ - ۴ - ۷ - ۱۰ کے مالک ہوں - تو ثمرہ شبھ نہیں دکھلاتے ہیں - بلکہ شکر - برہسپت زیادہ نحس ثمرہ دیتے ہیں - اس حد تک کہ اگر خانہ ۲ - ۷ میں ہوں - تو اپنی دشا میں موت دکھلاتے ہیں - اگر اشبھ گرہ سورج - منگل - سنیچر - کیندر گھروں کے مالک ہوں تو ثمرہ نیک دکھلاتے ہیں

خانجات کیندر میں ایک دوسرے سے قوت زیادہ ہوتی ہے - لگن سے چوتھے گھر کو قوت زیادہ ہے -

چوتھے گھر سے دسویں گھر کو قوت زیادہ ہے بمقابلہ ساتویں گھر کے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸ - جنم لگن سے دوسرے اور بارھویں گھر کے مالکان خاصہ ذاتی نہیں رکھتے ہیں - جس گرہ کے ساتھ ایک گھر میں ہوتے ہیں - خاصہ اوسکا اختیار کرتے ہیں - یعنے اس گرہ کو کہ جس کے ساتھ وہ ایک گھر میں جمع ہوتے ہیں بسبب اپنے گھر کے شبھ اشبھ قوت حاصل ہوتی ہے وہی ثمرہ مالکان خانہ ۲ - ۱۲ - اپنی دشا میں دیتے ہیں - مثلاً کسی جنم کنڈلی میں سنیچر دوسرے گھر کا مالک ہوکر پانچویں گھر کے مالک کے ساتھ واقعہ ہے تو سنیچر بھی خانہ پنجم کا ثمرہ دیوے گا - اگر کوئی گرہ سنیچر کے ساتھ نہ ہو اور نہ وہ خانہ کیندر ۱ - ۴ - ۷ - ۱۰ - یا ترکون - ۵ - ۹ - میں ہو - بلکہ وہ ۶ - ۸ - ۱۲ - گھروں میں سے ہو - تو اپنی دشا میں ثمرہ دکھلا دے گا -

۹ - آٹھویں گھر کا مالک اپنی دشا میں ثمرہ نیک نہیں دکھلاتا ہے

مستثنیٰ

اگر وہ آٹھویں گھر کا مالک - لگن کا مالک بھی ہو - تو اپنی دشا میں نیک ثمرہ دکھلاتا ہے - اور آٹھویں گھر کا دوش دور ہو جاتا ہے -

یہ اتفاق میکھ اور تلا جنم لگن میں پیش آتا ہے لیکن سورج چاند اگر آٹھویں گھر کے مالک ہوں تو وہ منحوس نہیں ہوتے ہیں -

۱۰ - پہلے فقرہ میں ذکر آچکا ہے - کہ اگر شبھ گرہ برہسپت - شکر - بدھ - چاند - کیندر - گھروں کے مالک ہوں تو اپنی دشا میں شبھ پھل نہیں دیتے ہیں - بلکہ کلیش کاری ہیں منجملہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اُن کے جب برہسپت رشکر۔ نہایت نحوست دکھلاتے ہیں۔ اس حد تک کہ اگر مالک کیندر ہو کر خانہ ۲ - ۱۲ میں ہوں تو اُن کی دشا میں مولود کو موت پیش آتی ہے۔ بمقابلہ برہسپت اور شکر کے بدھ کسیقدر کم تکلیف دیتا ہے اور چاند اس سے کم۔

۱۱ - اگرچہ کہ عام ارباب فن نے سعادت منگل خانہ دہم کو اعلیٰ درجہ پر راج یوگ تسلیم فرمایا ہے۔ لیکن منگل صرف دسویں گھر کی ملکیت سے نیک ثمرہ نہیں دکھلاتا ہے تاوقتیکہ وہ پانچویں گھر کا بھی مالک ہو۔

یہ اتفاق کرک راس کے جنم سے واقع ہوتا ہے کیونکہ اس سے برچھک پانچویں اور میکھ راس دسویں گھر میں آتی ہے ایسے یوگ میں منگل راج دلاتا ہے۔ بشرطیکہ سنبندھ کرنیوالے راج کارک ہوں۔

سنگھ راس کے جنم سے بھی منگل ثمرہ نیک دکھلاتا ہے اسلئے کہ اس سے میکھ راس نانویں گھر اور برچھک چوتھے گھر آتی ہے اگر سنبندھ دراج کارک گرہ کا ہو جاوے تو راج دلاتا ہے

ورنہ امیر کبیر بنا دیتا ہے۔

۱۲ - راہ کیت کے دو سنبندھ ہیں ایک ورشٹ دوسرا ایک کسی گرہ کے ساتھ یکجا ہوتا ایک گھر میں جمع ہونے گھر میں سنبندھ بلوان ہے۔

سے درشٹ کے ساتھ ہوتے ہیں۔ یا جسکے گھر میں قیام رکھتے ہیں

راہ کیت جس گرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جیسی حالتیں شبھ آشبھ وہ گرہ ہوں۔ اُنہی وشا ہیں
ویسا ثمرہ دیتی ہیں۔ بذاتہ یہ کوئی پھل نہیں دکھلاتے ہیں۔

(راج یوگ)

۱۳۔ مالکان ترکون خانہ ۵۔ ۹۔ و مالکان کیندر۔ خانہ ۱۔ ۴۔ ۷۔
۱۰۔ باہم کوئی سنبندھ کرتی ہوں۔ تو راج یوگ ہوتا ہے۔
بشرطیکہ مالکان خانہ ۳۔ ۶۔ ۸۔ ۱۱ کا اون سے کوئی سنبندھ
نہ ہو۔

۱۴۔ مالکان کیندر۔ ترکون خواہ وہ بد خانجات کے مالک بھی
ہوں۔ باہم سنبندھ کرتی ہوں تو تاثیر سنبندھ سے نحوست
بد خانجات دور ہو کر راج کاری ہوتی ہے۔

۱۵۔ منجملہ ترکون اور کیندر کے اگر مالکان خانہ ۹۔ ۱۰ اپنے اپنے
گھر میں ہوں یا ایک دوسرے کے گھر میں ہوں یا دونوں خانہ
۹۔ یا ۱۰ میں ہوں تو راج کاری ہوتے ہیں۔

۱۶۔ کسی ترکون خانہ ۵ یا ۹ کا مالک دسویں گھر کے مالک سے سنبندھ
کرتا ہو۔ تو راج کاری ہوتا ہے۔

۱۷۔ راج یوگ کرنیوالے گرہوں میں سے کسی گرہ کی مہادشا ہو اور
اوس کے انتر کسی شبھ گرہ کی دشا آجاوے اور وہ شبھ گرہ
ان دونوں سے سنبندھ نہ کرتا ہو۔ تب بھی وہ ادنے درجہ کا
راج یوگ دکھلاتا ہے۔

پنڈت پرم سنگھ بنارسی جوتشی کامل الاستعداد اسکی نسبت
رائے ظاہر فرماتے ہیں کہ ایسی حالتیں میں گا ہو راج یوگ نہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہوتا ہے۔ بہر صورت گرہ سنبندی راج یوگ سے راج یوگ پورن بلوان ہوتا ہے۔

۱۸ - اگر مالکان خانہ ۹ - ۱۰ سے کسی پاپی گرہ کا سنبندھ ہو۔ تو بزمانہ دشا اپنی گرہ مذکور و انتر دشا مالکان خانہ ۹ - ۱۰ راج یوگ اپنا ثمرہ دکھلاویگا۔

مہا دشا مالکان خانہ ۹ - ۱۰ میں جب اوس پاپی گرہ سنبندھ کاری کی انتر دشا آویگی۔ او سوقت ثمرہ راج یوگ ظہور پذیر ہووے گا۔

۱۹ یہ امر پہلے بد فقرہ نمبر ۱۱ میں ظاہر کیا گیا ہے۔ کہ مالکان خانہ ۹ و ۱۰ کے سنبندھ سے راج یوگ ہوتا ہے اگر مالکان خانہ - ۵ - ۹ - ۱۰ - ہر سہ کا باہم سنبندھ ہو تو اعلے درجہ یعنے شہنشاہی کا یوگ ہوتا ہے - جب منجملہ ان کے کسی گرہ کی مہادشا اور کسی کی انتر دشا آجاوے۔ تو اوسوقت ثمرہ اوسکا جلوہ گر ہوتا ہے۔

۲۰ لگنیش اور دسویں گھر مالک اگر باہم اعلے چنر سنبندھ کرتی ہوں یعنے لگنیش دسویں گھر میں ہو اور دسویں گھر کا مالک جنم لگن میں ہو۔ تو راج یوگ ہوتا ہے اور انکی مہادشا اور انتر دشا میں مولود صاحب اقبال اور فاتح اور نامور ہوتا ہے۔

۲۱ راہ یا کیت کیندر میں ہو کر مالکان ترکون سے سنبندھ کریں۔ یا ترکون میں ہو کر مالکان کیندر سے سنبندھ کریں تو راج یوگ ہوتا ہے۔

ایسی صورت میں جب راہ یا کیت کی مہادشا آوے اور راج یوگ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کاری گرہ سنبندھے کی انتر دشا آوے تو اوسوقت راج حاصل ہوتا ہے۔

پستک پارجات میں مصنف نے تحریر کیا ہے کہ اگر برادہ۔کنیا این ترُ دہن راشی میں ہو اور خانہ ۳-۶-۸-۱۲ میں نہ ہو۔ نہ اُن کے مالکان یا اور کسی گرہ سے سنبندہ کرتا ہو۔ تو بھی اپنی دشا میں اعلےٰ مراتب پر پہونچتا ہے

مخالف راج یوگ

۴۲ اگر راج یوگ کاری گرہوں کا سنبندہ شبھ گھروں میں نہیں ہے تو وہ ثمرہ راج یوگ نہیں دیتے ہیں۔ بلکہ راج یوگ کرنیوالا گرہ استہوند است ہونیوالا ہو۔ نہ نیچ گرہ کے ساتھ ہو۔ نہ خود نیچ حالت میں یا وکری ہو۔ نہ گرہن ہو اور نہ کسی اور صورت سے نربل ہو۔ تو وہ ثمرہ اپنا دشا اپنی پورن دکھلاوے گا۔ ورنہ راج یوگ بالکل باطل اور زائل ہوگا۔

۴۳ الف - نانویں اور دسویں گھر کے مالکان اگر آٹھویں اور گیارھویں گھر کے مالک ہوکر آپسمیں سنبندہ کریں تو راج یوگ باطل ہوجاوے گا۔

ب - مالکان خانہ ۹-۱۰- اگر مالکان ۸-۱۱ سے سنبندہ کریں تو بھی راج یوگ زائل ہوجائے گا۔ البتہ اگر آٹھویں گھر کا مالک لگن کا بھی مالک ہو۔ اور راج یوگ کاری گرہ سے سنبندہ کرتا ہو۔ تو وہ یوگ زائل نہیں ہووے گا۔ آٹھویں گھر کے مالک سورج وچاند بھی راج یوگ کو باطل نہیں کرتے ہیں۔

ج - اگر یہ سنبندہ کیبتہ راسس میں ہو۔ تو نربل ہوگا۔ البتہ اگر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نقصان کرنیوالے گرہ کا سبندہ ہوگا۔ تو بلوان ہوگا۔ کیونکہ یہ راشی بھی منحوس اور گرہ بھی منحوس جب دو منحوس طاقتیں یکجا جمع ہو جاویں تو پھر نحوست اون کی دو چند ہو جاتی ہے۔ اگر یہ راشی دسویں گھر میں آجاوے تو راج یوگ باطل ہو جاویگا کیونکہ اس کی نسبت سبتا جاتک اور جون نے اسقدر نحوست کا اظہار فرمایا ہے۔ کہ جس گھر میں یہ راشی واقعہ ہوگی۔ اگر دیگر حالتیں شبہ اور بلوان نہ ہوں تو اوس گھر کے منسوبات کا ناش کر دیوےگی۔

عمر

۲۴ - جنم لگن سے تیسرا۔ آٹھواں گھر متعلق زندگی ہے اور دوسرا اور ساتواں گھر مقام موت ہے۔ عام رائے خانہ موت آٹھویں گھر کی نسبت ہے۔

مقام غور ہے کہ ہر ایک خانہ سے اوسکا خانہ مقابل اوسکا مخالف اور مہلک ہوتا ہے۔ جیساکہ جنم لگن سے ساتواں گھر مہلک اور مخالف جسم ہے

خانہ آٹھویں سے ساتواں گھر لگن سے خانہ دوم مہلک زندگی ہے ساتویں گھر سے دوسرا گھر زیادہ تر بلوان ہے۔

دوسری اور ساتویں گھر کے مالک یا جو پاپی گرہ اون گھروں میں ہوں۔ یا اس کے ساتھ ہوں۔ جب اون کی دشا اور انتر دشا آویگی تب موت واقع ہوگی۔ بشرطیکہ دیگر قواعد استخراج عمر سے بھی وہ موقعہ موت ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

علی ہذا جب مالک بارھویں گھر کی دشا آوے اور اوس زمانہ استخراج عمر سے بھی موقعہ موت ہو۔ تو مولود مر جائے گا۔

استخراج عمر کے مفصل قواعد راز قسمت کے حصہ اوّل میں بیان کئے گئے ہیں اس لئے اس موقعہ پر دوبارہ اون کو درج نہیں کیا گیا۔

۲۵۔ دشا کے پھل میں یوگ کا ملحوظ رکھنا اس ضروری ہے مثلاً کسی جنم کنڈلی میں سورج و بدھ کرک راشی میں بخانہ چہارم ہوں تو بوقت دشا سورج علاوہ دیگر ثمرہ کے وہ بدن مولود پر داغ سفید کا ضرور ظہور دکھلاوے گا۔ کیونکہ ایسے یوگ میں یہ ثمرہ اوسکا ضرور ظہور پذیر ہوتا ہے۔

۲۶۔ اگر خاتمہ عمر کا موقعہ از روے دیگر حساب پہلی کسی دشا میں نہ آوے اور اُس گھر کی دشا میں آوے۔ جو بارھویں گھر کے مالک سے سبندھ کرتا ہو۔ تو ضرور موت واقعہ ہوتی ہے۔ اور شبھ گرہ کی دشا میں بھی اگر موقعہ اوسکا آجاوے تو مولود لقمہ موت ہو جاتا ہے۔

حالانکہ شبھ گرہ موت سے بچاتے ہیں۔ لیکن جب اوس کے وقوع کا موقعہ آجاتا ہے تو شبھ گرہ بھی باعث موت ہو جاتے ہیں۔ اور شبھ گرہ کی دشا میں موت بلا تکلیف اور تشدد کے ہوتی ہے۔ اور پاپی گرہ کی دشا میں سختی اور تکلیف سے موت آتی ہے اس موقعہ پر پاپی گرہ سے مراد اُس گرہ کی ہے۔ جو از روئے خاتمات متذکرہ بالا فقرہ ہا صدر موت کاری تصور کئے گئے ہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور بشرط موقعہ موت کے آٹھویں گھر کے مالک کی دشا بھی موت کارک ہوتی ہے۔ مالک دشا سے جو گرہ خانہ ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ اور کمزور یا است اور پاپی گرہوں کے ساتھ ہو یا پاپی گرہوں کی درشٹی میں ہو۔ اوسکی انتر دشا میں موت آجاتی ہے۔ مالکان خانہ ۳-۶-۱۱- کی دشا میں بھی بشرط موقعہ موت کے موت واقعہ ہوتی ہے۔ جب تک موت کا یوگ ازروے حساب نہ آوے تب تک سبندھ ہار مالکان خانجات متذکرہ صدر کی دشا میں موت کا ہونا یقینی نہیں ہے۔

۲۷- سینچر اگر مالک خانہ ۳-۶-۸-۱۱-۱۲- ہو کر مارنیوالے گرہ سے سبندھ کرتا ہو۔ اور دیگر حساب سے خاتمہ عمر ہو۔ تو موت واقعہ ہونے میں شک نہیں ہے۔

اگر سینچر خود مارنیوالا ہو اور اوس سے کوئی گرہ مارنیوالا سبندھ کرے تو اوسکی دشا اور انتر دشا میں موت کا واقعہ ہونا یقینی ہے

۲۸- پستک ہائے سنسکرت میں عمر کو زیادہ تر متعلق سینچر کے کہا گیا ہے۔ مگر اوسکی دریافت اور تحقیقات میں لگنیش اور سینچر و برہسپت و آٹھویں گھر کے مالک معتمد تسلیم کئے گئے ہیں۔ جس مولود کی جنم کنڈلی میں یہ چاروں گرہ بلوان اور شبھ استھان میں ہوں عمر اسکی طبعی اور زیادہ ہوتی ہے۔

بالخصوص اگر صرف سینچر بلوان اور شبھ استھان پر ہو تو عمر کو زیادہ کرتا ہے اگر نربل اور نحس ہو تو عمر کو کم کرتا ہے۔

۲۹- کوئی گرہ بوجہ مالک ہونے کسی راس کے نیک یا بد خاصہ ہونگی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مہادشا یا انتر دشا یا پرنتر دشا کوئی ثمرہ نیک یا بد نہیں دے سکتا ہے تاوقتیکہ ثمرہ اوسکا انتر دشا والے گرہ سے ممتزج نہ ہو - کیونکہ مہادشا کا مالک راجہ اور انتر دشا والا اوسکا وزیر ہے - راجہ بدوں رائے وزیر انتظام مملکت نہیں کر سکتا ہے -

انتر دشا کارکن ہے سوائے انتر دشا مہادشا کا پھل نہیں ہو سکتا ہے انتر دشا کا مالک پھل مہادشا کے مالک کا بواسطہ خود دیتا ہے -

جس گھر جنم کنڈلی میں گرہ ہوتا ہے اوس گھر کے منسوبات اور تعلقات سے اپنی دشا میں پھل دیتا ہے -

مثلاً - پانچویں گھر میں کوئی گرہ ہے تو وہ ثمرہ اپنا بذریعہ اولاد و علم وغیرہ کے دیوے گا - جو گرہ سر کھودی راس - متھن - سنگھ - کینا - تلا - برچھک - کنبھ مین ہوتا ہے وہ دشا کے شروع میں پھل دینا شروع کر دیتا ہے -

جو گرہ پرشٹودی ہو وہ راس میکھ - برکھ - کرک - دھن - مکر مین ہوتا ہے وہ آخر دشا میں جا کر پھل دیتا ہے -

مین راشی مشترک ہے -

۲۰ - سنبندھ دو طرح کا بتلایا گیا ہے ایک اوتم - دوسرا نحس - کیندر - اور ترکون کے مالکان باہم اوتم سنبندی ہیں -

صرف کیندر کے مالکان آپسمیں نحس سنبندی ہیں -

علیٰ ہذا ترکون کے مالکان آپسمیں نحس سنبندی ہیں -

۲ - ۷ کے مالکان جنکو مارکیش کہتے ہیں - آپس میں نحس سنبندی ہیں

۳ - ۶ - ۸ - ۱۱ - ۱۲ - گھروں کے مالکان باہم نحس سنبندی ہیں -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

البتہ مالکانِ خانہ ۲-۷- مالکان خانہ ۳-۶-۸-۱۱-۱۲ کے سنبندی ہیں۔ جیسا خاصہ شبہہ اشبھ ان گرہوں کا ہوتا ہے اپنی مہادشا اور انتردشا میں ویسا ہی پھل دیتے ہیں۔

اُتم سنبندی کی مہادشا میں اگر نیک گرہ کی دشا آجاویگی۔ تو نیک پھل دیویگی۔ اگر پاپی گرہ کی دشا آجاویگی تو بد پھل دیویگی۔

اگر نخس سنبندھی کی دشا میں پاپی گرہ کی انتر دشا آجاویگی تو بد نتیجہ دکھلاویگی۔

اگر شبھ گرہ کی انتردشا آجاویگی تو وہ اشبھ اور شبہہ پھل ملا ہوا کرے گی۔

۳۱- جس گرہ کی مہادشا ہے۔ وہ نیک پھل دینے والا ہے مگر جس گرہ کی انتردشا ہے وہ بد پھل کے دینے والا ہے۔ تو مالک مہادشا بھی بد پھل دیوے گا کیونکہ مالک مہادشا پھل مطابق پھل گرہ انتر دشا والے کے ہوتا ہے۔

۳۲- کیندر کے مالکان کی مہادشا میں اگر مالکان ترکوں کی انتردشا آجاوے تو پھل اوسکا نیک ہوتا ہے۔ بشرطیکہ جنم کنڈلی میں سنبندہ باہم اون کے ہو۔ اگر باہم اُن کے سنبندہ نہ ہو تو پھل نیک نہیں ہوتا ہے۔

۳۳- اگر مالک یعنی مالکان خانہ ۴-۵ کی انتردشا میں راج یوگ شروع ہو تو راج اور اقبال میں روز بروز کمی اور تنزل مراتب دولت پیدا ہوتا ہے۔

۳۴- راج یوگ کرنیوالا گرہ کسی نحوسے شبھ گرہ سے سنبندہ کرتا ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تو مہادشا راج یوگ کاری گرہ میں جب دوسرے شبھ گرہ سنبندھ
کرنیوالی کی انتردشا آویگی تو اُس زمانہ میں راج یوگ کا ثمرہ شروع
ہووے گا۔ اور روز بروز ترقی اقبال اور مدارج دکھلاوے گا۔
اگر راج یوگ کاری گرہ سے اوس شبھ گرہ کا جنم کنڈلی میں سنبندھ
نہیں ہوگا۔ تو اُسکی انتردشا میں راج یوگ کا پھل معمولی حالتمیں
رہے گا۔ نہ ترقی نہ تنزل بشرطیکہ راج یوگ کرنیوالا گرہ بلوان ہو۔

۳۵ جہاں شبھ گرہ۔ راج یوگ کاری گرہ سے سنبندھ کرتا ہو اور اُس
شبھ گرہ کی مہادشا آوے اور راج یوگ کاری گرہ کی انتردشا
ہو تو راج یوگ کاری گرہ کی انتردشا میں بعض جگہ پر پھل راج
ظہور پذیر ہوتا ہے۔ ورنہ عام جگہ نہیں ہوتا ہے۔
لیکن جب راج یوگ کاری گرہ کی مہادشا میں دوسرے راج یوگ
کاری کی انتردشا آجاوے اور کسی طرح سے نربل بھی نہ ہوں
تو یقیناً راج دلاتی ہیں۔

نوٹ

کتاب ہذا میں چار قسم کے گرہ بتلائے گئے ہیں۔
۱۔ کارک یعنے کام کرنے والے۔
۲۔ مارک یعنے کام خراب کرنیوالے۔
۳۔ شبھ۔ برہسپت۔ شکر۔ بدھ۔ چاند۔ اور وہ شبھ گھروں میں
ہوں۔ یا شبھ گھروں کے مالک ہوں۔
۴۔ پاپی گرہ۔ سنیچر۔ منگل۔ سورج۔ راہ۔ کیت اور وہ جو اشبھ
گھروں میں ہوں۔ یا ان کے مالک ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۶ راہ یا کیت - کیندر - یا ترکون گھروں میں آویں کسی گرہ سے
سنبندھ ہو یا نہ جب اُن کی مہادشا آویگی اور راج کارک گرہ کی
انتردشا آویگی - تو راج یوگ کا پھل شروع ہو جاوے گا -
یا جس راشی میں ہوں جب اوس راس کے مالک کی انتردشا -
اُن کی مہادشا میں آویگی - راج یوگ شروع ہو جاوے گا -

نوٹ

راہ - کیت اپنا ذاتی خاصہ نہیں رکھتے ہیں - جسکی راشی میں
ہوتے ہیں - خواص اوسکا اختیار کرتے ہیں - اسلئے اگر وہ شبھ
ہے تو اوس کی انتردشا میں اور اپنی مہادشا میں راج یوگ کا
پھل دیتے ہیں اور راس سے زیادہ تر اثر ساتھ والے گرہ کا
اختیار کرتی ہیں + اگر کسی گرہ کے ساتھ ہیں - تو مالک راس کا
اثر چھوڑ کر اپنے ساتھ والے گرہ کا خاصہ اختیار کر لیتے ہیں -
اُس حالت میں اگر راج یوگ کاری گرہ کی انتردشا آویگی - تو
اُسکا پھل مطابق پھل اپنے ساتھ والے گرہ کے ظاہر کرینگے -
مختلف اوقات راج یوگوں سے یہ مدعا ہے کہ جس کنڈلی میں یوگ
راج یوگ کا ہو - وہ اپنے زمانہ میں راج یوگ دکھلاوے گا -
اگر راج یوگ بلوان اور پورن نہیں ہو گا - تو اُن کی دشا میں راج
یوگ کا پھل نہیں کرینگے - البتہ اپنی اپنی دشا میں ثمرہ نیک
دکھلاویں گے -

۳۷ - مالک مہادشا اگر بوجہ مالک ہونے اپنی راس کے شبھ
پھل دینے والا ہے اور اُس کی انتردشا میں شبھ گرہ آجاوے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور وہ شبھ گرہ اپنے مالک جہادشا سے سنبندھ نہیں کرتا ہے۔ تو شبھ پھل نہیں دیوے گا۔

مثلاً کوئی گرہ ۳-۶ گھر کا مالک ہے تو نحس ہو گیا اوسکی جہادشا آوے اور اس جہادشا میں مالک خانہ نہم کی انتردشا آجاوے اور اس میں دونوں کا جنم کنڈلی میں کوئی سنبندھ نہیں ہے۔ تو مالک خانہ نہم کی انتردشا میں ثمرہ ناقص ظہور میں آوے گا۔ بیماری طبیعت اور بے اتفاقی برادران و تکلیف جسم و پریشانی خاطر پیش آویگی۔

مالک خانہ نہم بسبب نہ ہونے سنبندھ کے اپنا نیک ثمرہ نہیں دکھلاویگا جو گرہ شبھ اوس گرہ سے سنبندھ کرتا ہو۔ تو نحس گرہ کی جہادشا میں اوس شبھ گرہ کی انتردشا میں آجاوے تو اُس شبھ اشبھ پھل دونوں قسم کے ملے ہوئے ہونگے۔

۳۸ مالک جہادشا ثمرہ بد دینے والا ہے۔ یوگ کاری گرہ اوس سے سنبندھ نہیں کرتا ہے۔ تب اُس یوگ کاری کی انتردشا بدرجہ کمال بد ثمرہ دینے والی ہے۔

اور جو پاپی گرہ کی جہادشا میں سنبندھ کرنیوالے پاپی گرہ کی انتردشا آجاوے تو غائت درجہ کا ناقص ثمرہ ظہور میں آوے گا۔

۳۹ - مارکیش ۲-۷ گھر کا مالک کی جہادشا میں اگر سنبندھ کرنیوالے شبھ گرہ کی دشا آجاویگی تو موت نہیں ہو ویگی۔

مارکیش سے اگر کوئی پاپی گرہ سنبندھ بھی نہیں کرتا ہے مگر اوس پاپی گرہ سنبندھ نہ کرنیوالی کی انتردشا آجاوے تو موقعہ موت ہے۔

اگر اُس پاپی گرہ سے مارکیش کا سنبندھ ہے تو اوس پاپی گرہ کی انتردشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مارکیش کی مہادشا میں ضرور موت واقعہ ہوویگی کیونکہ مہادشا کی میعاد بہت
زیادہ ہوتی ہے۔ جو پاپی گرہ نہایت بلوان ہوکر مارکیش سے سبندکرتا ہو تو
بشرطا موقعہ موت از دیگر حساب۔ ضرور اوسکی انتر دشا میں موت آویگی۔

۴۰۔ شکر اور سینچر باہم دلی دوست ہیں مگر اپنی اپنی مہادشا کے انتر دشا
میں باہم اولٹا پھل دیتے ہیں۔

شکر کی مہادشا میں سینچر کی انتر دشا آجاوے تو سینچر اپنا ذاتی پھل
نہیں دیوے گا۔ بلکہ شکر کا پھل دیوے گا۔

اسی صورت سے سینچر کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا ہو تو شکر اپنا ذاتی
پھل نہیں دیوے گا۔ بلکہ سینچر کا پھل دیوے گا۔

نوٹ

یہ ثمرہ تمام ثمرہ دشاؤں سے برخلاف ہے۔ بالخصوص یہ ثمرہ سینچر
اور شکر کیلئے ہے۔

راز دوم شغل ستارگان

چونکہ ستارگان بھی بمثل انسان کے ہر ایک کام کرتے ہیں اور اُن کے
کام کا ذات انسان پر اثر پڑتا ہے اسلئے اُن کے شغل کا مطابق
جنم کنڈلی کے اخذ کیا گیا ہے مگر اسمیں رائے منجان کا اختلاف ہے اسواسطے
دو مختلف حالتیں درج کرتا ہوں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

قاعدہ اوّل

کنڈلی میں اول میکھ سے لگن تک شمار کر کے ہندسہ لیویں کہ کتنے عدد ہیں۔ اوس ستارہ تک شمار کرو جسکا شغل مطلوب ہے وہ عدد شمار بھی لکھ لو۔

ہر دو عدد متذکرہ صدر کا میزان دیا جاوے حاصل جمع کو دس سے ضرب دیویں اور پھر اوس حاصل ضرب کو میعاد ستارگان مندرجہ ذیل میں سے اوس ستارہ کے میعاد سے ضرب دیویں جسکا نیل شغل دریافت کرنا مطلوب ہے۔

سورج - چاند - منگل - راہو - برہسپت - سنیچر - بدھ
۶ سال ۱۰ سال ۷ سال ۱۸ سال ۱۶ سال ۱۹ سال ۱۷ سال

کیتو - شکر } ۱۲۰ سال - حاصل ضرب کو ۲۷ پر تقسیم کریں - جو باقی
۷ سال ۲۰ سال

بچے وہ شغل ستارگان اور ثمرہ اوس شغل کا نقشہ شغلًا و ثمرہ شغل ستارگان سے دیکھ لیویں۔

مثلاً - میکھ سے لگن تک شمار کیا ہے ہوئے سورج کا پتہ دریافت کرنا ہے اوسکو لگن سے شمار کیا تو ۳

۵ ہوئے ۱۲۰ اب ۱۲۰ کو ۲۷ پر تقسیم کیا تو باقی ۱۲ بچا اب اوسکو نقشہ مجوزہ میں دیکھا تو پایا

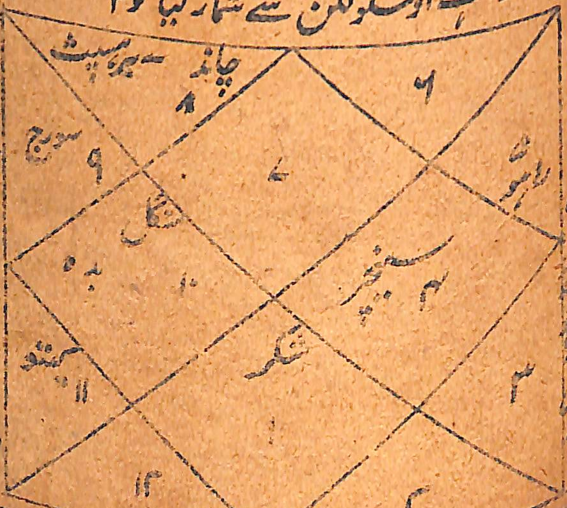

ہوئے [illegible]

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گیا کر وقت تولد اُس مولود کے سورج دونوں سے ملاقات کر رہے ہوں
اُن کے وشا میں بحق مولود یہ ثمرہ ظہور میں آوے گا۔ فریبی جادوگر
اور اسکو خزانہ چھپا ہوا ہاتھ آوے بشرطیکہ اور دلائل مخل نہ ہوں
باقی ماندہ ستارگان کا علیٰ ہذا القیاس۔

شغل ستارگان و ثمرہ

نمبر	بھاؤ	ثمرہ
۱	اشنان	ترقیات۔ عالی خاندان۔ عزت۔ اولاد۔ کامیابی ہر ایک کام
۲	پہننا پوشاک	خوش لباس عمدہ غذا۔ بارعب۔ دولتمند امیر۔
۳	خوشبو سونگھنے	ہر دلعزیز۔ غیر ملک سے فوائد۔ دستکار۔ عقیل۔ مخزن
۴	تیاری پوجا	عمدہ سواریاں۔ آرام ہر قسم۔ سامان۔ اراضیات سے فایدہ
۵	پوجا پڑھنا ہاپوجا میں	تنازع اراضیات۔ تکالیف از حکام اکابر۔ نقصان نقدی شغل غیر [illegible]
۶	پوجا	دولتمند۔ ہر دلعزیز۔ جنگ اور دون سے عزت۔
۷	قربانی کی تیاری	عمدہ تعلیم اور امراض پیچ اور آفت ہا ناگہانی۔
۸	وہیان اشور	رشتہ دار دولتمند اراضیات سے مفاد۔ ترقی دولت۔ تباہی دشمنان
۹	سجدہ	سکون مزاج۔ شیرین کلام۔ عمدہ سواری۔
۱۰	طواف پہننے پھولوں	جگر کی مرض سنگرہنی۔ الزام فوجداری میں ماخوذ۔
۱۱	سمادھی	حکومت۔ خاندان میں عزت۔ تمام زندگی فرحت اور کامیابی بہتر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۲	دوستوں سے ملاقات	فریب - جادوگر - خزانہ مخفی دستیاب ہو۔
۱۳	کھانا کھانا	دغابازی - مریض - لامذہب - خارج از قوم
۱۴	پانی پینا	ناقص غذا - اور کمینہ عادات کا عادی
۱۵	غصہ	متکبر خودپسند انسانوں سے بیزار - انسان اوس سے ناراض
۱۶	پان کھانا	اعلےٰ درجہ ملازمت - تعلیم - نیکنام - مشہور - نامور - دولت کثیر
۱۷	جانا کچہری	پرہیزگار - بیگناہ معزز
۱۸	تاجپوشی	جنگی جلال والے عہدہ - معزز منشاؤں - دولتمند - فاضل
۱۹	مشورہ کرنا	متلون - شیریں کلام - سست - کاہل
۲۰	توقف	فاضل - سست الوجود - بے پرواہ - پریشان خاطر۔
۲۱	پیوند	نہایت طامع آرزومند - مریض - گھر اور خاندان میں جھوٹا برتاؤ
۲۲	شراب پینا	مندی - نقصان رسان دوستان نیک آدمیوں کی ہتک کرنیوالا بربادی کا باعث۔
۲۳	شربت پینا	صحت - نیک اولاد - عورت خوبصورت - معزز رشتہ دار میں عمدہ کھانا۔
۲۴	جمع کرنا دولت	خلیق کامیاب کاموں میں - بڑے - فائدہ پائے
۲۵	اوتارنا تاج	کاموں میں زیان - مصیبت زدہ - بے عزت۔
۲۶	سویا ہوا	مریض کہنہ - شراب خوار - ملازم حکام۔
۲۷	جماع	عیاش - زانی - بدنام بدخیال - بدتدبیر - پریشان

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

قاعدہ دوم شغل ستارگان

نمبر	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴
نشان	غصہ	بدن توڑنا	آنکھ ملنا	اشنان کرنا	جپ کرنا	ہوم کرنا	کھجور کیسے کو بھوجن کھلانا	سفر	خواب خوشی	مقام ست لوک میں پہنچنا	بحالت خوشی کھیلنا	غرور	بید پڑھنا	جنگ
نمبر	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸
نشان	بحالت خوف	عشق میں ہونا	تکرار زبانی	خندہ	خوشی	سرگوشی	پانی سر پہ ڈالنا	غضب	کھانا کھانا	پان کھانا	نیم خواب	اکس	بازیچہ	نیند

نمبر شمار	شغل	ثمرہ
۱	غصہ	بیدولت - دشمن سے خوف - غضب شاہی - طرح طرح کے رنج و ملال
۲	توڑنا بدن	حاکم وقت سے موافقت اور عزت عزیزات اوسکی عقیل - اور منتظم اور سدا سہاگن -
۳	آنکھ ملنا	متلون مزاج - گاہے رنج گاہے راضی - آنکھوں کی پلک توڑا کرے - دافع دشمن -
۴	اشنان	عالم علم موسیقی - عقیل و بزرگ - حسین - آرام اولاد -
۵	جپ	بیقدر - مفلس - بھائیوں سے علیحدگی - اشیاء رنگ برنگ کا خواہاں -
۶	ہوم	عالم و دولتمند - قواعد مذہب سے واقف - ہر میدان میں سرخرو اجناس لطیف حاصل ہوں -
۷	کھانا کھلانا	نیک کردار نامور - بندگی - خدا پرستی میں کامل - آرام اولاد
۸	سفر	صاحب اقبال کثیر العیال - دا طفال - گورو و سادھو کے ماننے والا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹	خواب خوشی	نحیف بدن - متفکر - وپریشان - مریض فساد خون مبتلا رنج وتکلیف
۱۰	ست لوک	محب عورت - زیادہ فائدہ طلا ونقرہ وآرام وسواری
۱۱	کھیل خوشی	فائدہ جواہرات - کثیر الدولت - عورت حسین - ہر جگہ معزز - صاحب اولاد
۱۲	غرور	جنگ جو - غصہ ور - مسخر پیشہ - عالم - اولاد باآرام رہے
۱۳	بید پڑھنا	غافل - عالم - علم سے فائدہ - گوشت خوار - عاقبت بخیر - مستحق بہشت
۱۴	جنگ	شیریں کلام - اور ہر ایک سے تکرار - اول دشمنوں سے مغلوب لیکن انجام کار غالب - فتح وخوشی پاوے -
۱۵	خوف	مفلس وگدائی پیشہ - شاعر - خائف از دزدان -
۱۶	عشق	خوبصورت - توانا - عورت سے محبت - عورت - سدا سہاگن -
۱۷	تکرار زبانی	نامی سردار - یا راجہ - فقیر دوست - وفقیر دل کسی سے ضرب شدید یا زخم پہنچے -
۱۸	خندہ	اولاد سے آرام - مخالف تباہ - تندرست - عمر نہایت آرام سے بسر ہو
۱۹	خوشی	افعال نیک میں راغب - مالک اراضی اور کام زمینداری
۲۰	آغوش کشی	عارضہ کھانسی بیماری خارش وغیرہ میں مبتلا رہے -
۲۱	بھاں ڈالنا	جنبش زیادہ - مشغل مزاج - حلیم - مقرب سلطانی - امرا وکبیر المرتبت
۲۲	غضب	ہر موقع پر مغلوب وعاجز بدن - بدصورت - ہمیشہ نقصان اٹھاوے -
۲۳	کھانا کھانا	کثیر الدولت - سواری کا آرام - شیریں غذا -
۲۴	پان کھانا	باعزت وگورو پر - ست وخدا باد - تکرار وعداوت زیادہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۵	نیچواب	ہر ایک کام میں خوشی - اور نہایت آرام -
۲۶	اَرس	بے اولاد - جگر میں گرمی - آنکھوں میں تکلیف - خواب پریشان
۲۷	بازیچہ بچھونا	دولت عام - آرام عورت - شائق بدکاری -
۲۸	نیند	کم سرمایہ - بیمار - غصہ ور - اللہ غافل نہ ہو -

۲۹

طریق دریافت شغل ستارگان

گھڑی پل اشٹ جنم لگن کو نو میں ضرب دو - اوس کے حاصل ضرب
کو اٹھائیس پر تقسیم کرو - جو عدد باقی بچے اسکو علیحدہ لکھ لو -
جس ستارہ کا شغل مطلوب ہے اوس کے ہندسہ تعداد کو میکھ سے
شمار کر ہندسہ مذکور میں جو تقسیم حاصل سے باقی نکلا تھا - جمع کرو -
اگر وہ مجموعہ اٹھائیس سے زیادہ ہو تو اوسمیں سے اٹھائیس منہا کر دو باد اوس سے
جو باقی بچے شغل ستارہ مطلوبہ کا ہے اوسکو جدول مندرجہ صدر سے دیکھ لو -
مثلاً ایک مولود کا اشٹ جنم لگن - ۱۶ - گھڑی ہے اوسکو ۹ میں ضرب
دیا تو ۱۴۴ ہوئے جب ۱۴۴ کو ۲۸ پر تقسیم کیا تو ۵ ۲۸ ۴ بچا
اب جس جس ستارہ کا شغل مطلوب ہے اوسکی جنم کنڈلی یہ ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اول سورج کا شغل معلوم کرنا ہے تو سورج میکھ سے ۶ نمبر پر ہے اسلئے اوسکا ہندسہ ۶ کو اُس باقیماندہ تقسیم اٹھائیس ۴ میں جمع کیا تو مجموعہ سب کا ۱۰ آیا چونکہ یہ ہندسہ ۲۸ سے کم ہے اسلئے اس سے کوئی منہا نہیں ہوسکتی جب ۱۰ کا ہندسہ جدول میں دیکھا تو وہاں شغل سورج ست لوک میں ہونا پایا گیا۔

ثمرہ اوسکا یہ معلوم ہوا۔ محب عورت۔ زیادہ فائدہ طلا و نقرہ و آرام و سواری علےٰ ہذا باقی تمام ستارگان کا شغل اور ثمرہ اونکا لکر نقشہ ذیل طیار کیا۔

[illegible]	سورج	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	۴ اشنان	۳ سفر	۱۱ کھیل خوشی	۱۳ بید پڑھنا	۲۱ پانی پینا	۱۵ خوف	۹ ہوم	۹ خانہ خوشی	
ثمرہ [illegible]	عالم [illegible] [illegible] اولاد	اتصال [illegible] صاحب [illegible] پیدا ہونے والا	[illegible] دولت [illegible] عورت [illegible] صاحب اولاد	غافل [illegible] عالم [illegible] صاحب [illegible]	عشق زیادہ [illegible] مشغل [illegible] حلیم [illegible]	[illegible]	عالم [illegible] واقف [illegible]	[illegible]	

ہر ایک ستارہ اپنا اپنا ثمرہ اپنی اپنی دشا میں دکھلاتا ہے لیکن جو دلائل تاک [illegible] ہوں اور ہر ایک صورت سے سعد یا نحس ہوں۔ اونکا نتیجہ ہمیشہ ہر ایک دشا میں ظاہر ہوتا ہے قاعدہ اوّل میں بھی نقشہ مندرجہ صدر کی ضرورت ہے اسلئے ہر دو قاعدوں سے ایک پیشانی کا نقشہ بنایا جاوے اور اسمیں ثمرہ ہر دو قاعدوں کا درج کیا جاوے گا۔ اور اُس کے ثمرہ کا لحاظ وقت نکالنے نتیجہ دشا اور ہر ایک خانہ میں کیا جاوے گا۔

مفصل ترکیب اس کی کتاب جیتشہ جنم پتری میں بتلائی گئی جہاں اسکی ضرورت ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نوٹ - یہ عمل صرف جنم پتری کیلئے ہی کار آمد نہیں ہے۔ بلکہ ورش پھل گرہ گوچر اور پرشن اور دیگر ہر ایک موقعہ پر جہاں لگن اور ثمرہ گرہ کی ضرورت ہے وہاں اُسکا ثمرہ بھی لازم تر ہے۔

ستارگان بر عضو انسان

دورہ کرتے ہوئے ستارگان انسان کے ہر ایک عضو پر آکر نواس کرتے ہیں اور اُن کے خواص و مختلف ہیں ثمرہ انکا بھی بوقت وشا کے ظہور میں آتا ہے لیکن انکا شمار بھی ہر حالت میں ضروری ہے۔

طریقہ دریافت ستارہ بر عضو انسان معہ ثمرہ

ہر ایک ستارہ نچھتروں میں بہ تعداد معینہ دورہ کرتا ہے اور عضو انسان پر تعداد نچھتروں کی اور اُن کا ثمرہ مختلف ہے۔ تعداد ہر ایک اعضاء کے میزان سے عضو اور ثمرہ اوسکا معلوم ہوتا ہے۔

سورج

جنم نچھتر سے سورج کے نچھتر تک یعنے اوس وقت جس نچھتر میں سورج بروئے جنتری رائج الوقت داخل ہو شمار کرو جس قدر برآمد ہوں۔ ثمرہ اونکا نقشہ ذیل سے برآمد کرو۔ لیکن واضح رہے کہ اس شمار نچھتروں میں ابھجت نہیں آوے گا۔ باقی ۲۷ نچھتر شمار میں آوینگے جیسا کہ سلسلہ شمار نچھتروں کا جدول نچھتر میں مندرجہ کتاب کلید نجوم میں درج کیا گیا ہے

عضو	سر	پیشانی	دونوں کندھے	دونوں بازو	دونوں ہاتھ	دل	ناف	ذکر	دونوں زانو	دونوں پاؤں	میزان
تعداد نچھتر	۲	۳	۲	۲	۲	۵	۱	۱	۲	۶	۲۷
ثمرہ	رنج	غذا شیریں	طاقت	طاقت	دزدی ہو	دولت بکامرانی	خوشی	زناکار	سفر	کم عمر	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

صراحت ۳ نچھتر تک راج حاصل ہو۔ ۳ سے زائد ۶ تک غذا شیریں حاصل ہو۔ ۶ سے زائد ۵ تک مولود طاقتور ہو۔ علیٰ ہذا القیاس تا ۲۷ ہر نچھتر شمار کرتے جاویں۔

اہل نجوم تصویر انسان بنا کر اوسمیں ہر ایک عضو پر نچھتر تحریر کرتے ہیں۔ اسجگہ بغرض سہولیت ہر ایک ستارہ کا نقشہ بطور جدول بنایا گیا ہے۔

چاند

جنم نچھتر سے چاند نچھتر تک شمار کرو۔ جسقدر نچھتر برآمد ہوں ثمرہ اونکا حسب ذیل ہوگا

عضو	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۶	۱	۳	۲	۳	۶	۱	۱	۲۷
ثمرہ	فایدہ ہو	نقصان مال	نقصان	راحت	بیماری	فکر	نقصان	بیماری	

منگل

جنم نچھتر سے منگل کے نچھتر تک شمار کرو۔ جسقدر نچھتر برابر ہوں ثمرہ انکا حسب ذیل ہوگا

عضو	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۶	۳	۳	۶	۳	۱	۲	۳	۲۷
ثمرہ	فتحیابی	بیماری	دولت	سفر	خوف	موت	فائدہ ہو	راحت ہو	

بدھ

جنم نچھتر سے بدھ کے نچھتر تک شمار کرو۔ جسقدر نچھتر شمار میں آویں ثمرہ اونکا حسب ذیل ہے

عضو	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۳	۱	۲	۵	۶	۴	۴	۲	۲۷
ثمرہ	بلندی مراتب	عداوت ہو	محبت ہو	دولت ہو	سفر	فائدہ مال	نفع کثیر	موت	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت

جس نچھتر میں برہسپت ہو اُس نچھتر سے جنم نچھتر تک شمار کرو۔ جسقدر شمار میں آویں ثمرہ حسب ذیل ہے

عنصر	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۴	۳	۱	۵	۶	۴	۳	۲۷
پھل	راج	دولت	دولت	تکلیف	موت	راحت	راحت	

شکر

شکر کے نچھتر سے جنم نچھتر تک شمار کرو جسقدر برامد ہوں اونکا ثمرہ حسب ذیل ہے

عنصر	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۳	۵	۳	۳	۲	۸	۳	۲۷
پھل	فائدہ ہو	ہر طرح نیک	تکلیف	تکلیف	دولت	راحت	عورت ملے	

سنیچر

جس نچھتر میں سنیچر ہو اس نچھتر سے جنم نچھتر تک شمار کرو۔ جسقدر ہندسہ ہوں تو ان کا ذیل میں دیکھ لیویں۔

عنصر	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۱	۱	۴	۳	۴	۵	۵	۴	۲۷
پھل	عزت	بیماری	فائدہ	سفر	قید	فائدہ	محبت	موت	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہ

جنم پچھتر سے جس پچھتر میں راہ ہو شمار کریں۔ جسقدر آویں ثمرہ اونکا نقشہ ذیل سے دیکھیں۔

عنصر	سر	دھنشٹا	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۳	۴	۶	۴	۳	۱	۲	۲	۲	۲۷
ثمرہ	راج	دشمن مغلوب	سفر	موت	فائدہ	بیماری	فتح	راحت	[illegible]	

کیت

جنم پچھتر سے جس پچھتر میں کیت ہو۔ شمار کریں۔ جسقدر آویں ثمرہ اونکا حسب ذیل ہوگا

عنصر	سر	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	میزان
تعداد نچھتر	۵	۵	۴	۶	۲	۴	۱	۲۷
ثمرہ	فتح و کامرانی	خوف	فتح	راحت	فکر	بیماری	خوف عظیم	

جنم پتری۔ ورشپھل۔ پرشن۔ گوچر۔ وغیرہ میں ہر ایک مقام پر کارآمد ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز سیوم

ثمرہ ہر ایک نچھتر ہا و چرن نچھتر ہا و جنم گذشتہ

نچھتر	چرن	ثمرہ مولود و حالات جنم گذشتہ
اشنی	۰	مولود۔ ہوشیار۔ جسیم۔ دولتمند۔ محب عزیزان۔ نافع الخلق۔ رنگ سیاہ۔ تیز رفتار۔ عمر دراز۔ دراز بازو شائق زیورات۔ بخیل۔ خوبصورت۔ بر کمر نشان سیاہ سوار۔
"	۱	مالک اسکا منگل ہے۔ جنگجو۔ بخیل۔ لہو و لعب زیادہ۔ عورت کا شائق۔ باقی شرح صدر۔ **جنم گذشتہ۔ تولد۔ چرن اول اشنی نچھتر** ایک برہمن بید خوان تھا۔ اور زوجہ اُسکی کھتری کی دختر تھی اس سے ایک لڑکا نرہر نام۔ بدذات بدچلن پیدا ہوا۔ خلاف مذہب کار شکار وغیرہ کیا کرتا تھا اوس کے پاس ایک برہمن ہمراہ محبت معہ پسر و دولت اپنے کے آیا۔ اوس نے اوسکو صاحب دولت دیکھ کر خاطرداری سے رکھا۔ اور بطمع زر اوس مہمان کو معہ اوس کے لڑکے کے قتل کیا اور اوسکا مال و اسباب لے لیا جب دولت صرف ہوگئی تیرتھ گنگ میں جا کر قیام کیا۔ بعد چند سے معہ زوجہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نومت ہو کر ستر جگ دوزخ میں رہکر سیار پیدا ہوئے۔
پھر مر کر کبوترے کا جنم پایا۔ اس طرح اپنی قسمت کے عذاب سے
جو بدکاری سے لاحق ہوا۔ پاک ہو کر پھر پہلے چرن اشنی
نچھتر میں مدہ دیس کے اندر آدم جنم لیا لیکن خود بمرض
گردہ مبتلا اور عورت مریض ملی۔ لیکن بے اولاد۔

تولد چرن دوم اشنی

اشنی ۲ مالک شکر۔ فیاض۔ دولتمند۔ خوبصورت۔ دھرم ایمان
میں مستقل ہو بانی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جو پچھلے جنم اجودھیا نگر میں کھتری تھا۔ اوس نے عورت
کے مشورے سے والدین کو معہ لڑکے کے قتل کیا بارہ ہزار برس
دوزخ میں رہکر گدھا اور گرگٹ ہو کر آدمی کا جنم پایا۔ تو جہ
ایسے ناکتخدا رہیگا۔ اور عارضہ ضیق النفس دکھانسی و تپ میں
مبتلا ہو کر مرے گا۔ اگر خیرات اور پرستش وغیرہ کریگا۔ تو بیاہ
ہو کر آرام عورت اور اولاد سے مسرور رہیگا۔

تولد چرن سوم اشنی نچھتر

۳ مالک بدہ۔ فتح مند۔ ہر امر میں تمیز کرنیوالا۔ باقی کل شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو اجودھیا پورب دکھن کی طرف برن پور کا راجہ تھا جسکا آل سنگھ
نام تھا عورت اسکی خوبصورت تھی۔ اوسکا ایک برہمن دوست
تھا۔ دونوں شکار کیواسطے ایک طرف جاکر آپس میں صحبت کیا

تب راج بنسی نے برہمن کو قتل کر گئے۔ گھر آ کر برہمن کریا کرم
حسب دستور کرایا۔ پھر بعد از چند مدت ماہ ماگھ میں پریاگ
کو جا کر مرد و زن دونوں نے انتقال کیا۔ ایک جگ بہشت
میں جا کر بعدہ ویس میں آدمی کے جسم میں پیدا ہوئے لیکن
اس جنم میں اولاد نہ ہوگی۔ تو زندگی کا اندیشہ ہے تاوقتیکہ
واسطے معافی اوس خطا کے خیرات اور عبادت نہ کیجاوے

تولد چرن چہارم اشنی نچھتر

اشنی | ۴

مالک چند سال۔ عبادت اور خیرات کے کام کرنیوالا ہو۔ باقی
شرح صدر۔

جنم گذشتہ

دریا سرجو کے جانب شمال شہر کوسل میں نند نگر کا رہنے والا
لچھمن نام چھتری بی دھرم تھا۔ چنانچہ بشرکت ایک برہمن کے
تجارت کر کے دولت برہمن کی چرا لی۔ اوس غم میں برہمن فوراً
مر گیا۔ پھر بہت دنوں بعد چھتری بھی مر کے ساٹھ ہزار برس دوزخ
میں رہ کر بیل کی جنم میں پیدا ہوئے۔ اسکے بعد بار دیگر آدمی جنم میں
آیا۔ اسکی عورت سے ایک ہی مرتبہ لڑکا ہوا۔ پھر حاملہ نہ ہوئی
اس غم کے دور کرنیکو خیرات اور پوجا پاٹھ تماں کی ضرورت ہے
کم بیمار۔ راست گفتار۔ زود آور۔ مستقل مزاج۔ مستقل ارادہ
خوش مزاج۔ عاقل۔ رنگ سفید۔ مونث خیال۔ ظالم۔ دشمن زیادہ
عمر دراز۔ خوش خوراک۔ سرخ چشم۔ فراخ پیشانی۔ تندرست
دانا۔ ہنرمند۔

بھرنی

تولد چرن اول بھرنی نچھتر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بھرنی

۱ مالک سورج - خوبصورت - معہ اعضا متناسبہ ممتاز
قابل ادب - باقی شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو پچھلے جنم میں کاکٹ کا رہنے والا نیل کنٹھ نام برہمن
تھا - ایک طوائف کی دولت سے خرید و فروخت اسباب
کیا کرتا تھا - چنانچہ چھ ہزار روپیہ اوسکا ہضم کر کے مر گیا - بعد
مرگ کے دوزخ میں پڑا وہاں سے نکل سانپ بنا پھر گدہا کا جنم
لیا - پھر مدہ دیس میں آدمی ہوا - قوم برہمن تھا - اور صاحب دولت
لیکن بے اولاد رہا - پھر اتفاقاً ایک دختر اوسکی مدت بعد پیدا
ہوئی - اوسکی شادی کردی - بعد چند روز کے وہ بیوہ ہوگئی -
تب دان کرنے سے وہ برہمن صاحب اولاد ہوا -

تولد چرن دوم بھرنی نچھتر

۲ مالک بدھ - ماتھور - پیوستہ انگشتان - باقی شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا سے جنوب کیطرف بفاصلہ ایک
کروہ بمقام جانکی گرام نام ایک برہمن چور تھا - شرابی - کبابی
آخر کار بی دھرم ہوگیا - لیکن زوجہ اوسکی خادم شوہر و بدل معتقد
وضو نگہدار تھی - اوس کے گھر پر ایک برہمن مفلس و لاغر آیا
اور خواہاں طعام ہوا - اوسکو اوس نے طعام نہ کھلایا - اور بہت
سخت کلامی کی - تب اوس برہمن گرسنہ نے غصہ کھا کر اپنی
جان دیدی - اور جان کنی کے وقت بددعا دی - کچھ زمانہ بعد

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پہنتر	چرن	
		وہ برہمن معہ اپنی عورت کے مرگیا۔ گو وہ برہمن بدکار اور بدعا دگذا اگر مفلس کے بھی تھے۔ تاہم وہ بخاطر پاک دامنی اپنی عورت کے معہ عورت داخل بہشت ہوا۔ اور ہزار دل برس وہاں رہکر جب میعاد ثمرہ پاکدامنی عورت گذر چکی تو پھر جنم انسان میں آیا۔ لیکن جنم گذشتہ کے عذاب سے بے اولاد رہا۔ اور بسبب شرابخوری کے وہ برہمن کوڑہی رہا۔ اوس عذاب دور کرنیکے واسطے خیرائت اور پرستش کی۔ تو عارضہ دور ہوا۔ اور اولاد بھی پیدا ہو گئی۔

تولد چرن سوئم بھرنی پہنتر

بھرنی	۳	مالک شکر۔ رضامند۔ دلیر شائق۔ خوراک کفیس باقی صحیح

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں کالبت نگر کی سمت لیشو پور کے رہنے والی ایک طوائف تھی۔ غلہ ہر قسم و قند سیاہ وغیرہ وہاں فروخت کیا کرتی تھی۔ ایک مرتبہ اوس نے قند سیاہ خرید کر کے بیل پر بہت سا بار کیا۔ شدت اس بار سے وہ بیل رستہ میں مرگیا۔ وہ عذاب اس کے سر پر رہا۔ بعد چند سے مدت وہ طوائف اور خاوند اوس کا سر جوگے کنا سے پر دونوں مر گئے۔ اسجگہ کی تاثیر سے داخل بہشت ہوئے۔ ساٹھ ہزار برس کے بعد پھر جسم آدم میں رہے۔ اور صاحب مال و دولت ہوئے لیکن اوس عذاب موت بیل سے حمل اسقاط ہوتے رہے بیماری بخار میں لاحق رہے۔ لیکن خیرائت اور پرستش و معافی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نچھتر	چرن	
		اوس گناہ سے بیماری دور ہوئی - اور اولاد بھی ہوئی -
بھرنی	۴	**تولد چہارم بھرنی نچھتر** مالک منگل - ظالم - نکتہ ور - احسان فراموش - کثیر الاولاد - باقی شرح صدر - **جنم گذشتہ** یہ جیو پچھلے جنم میں اجودھیا کے جانب شمال بفاصلہ سہ کروہ لوک سرمان نام برہمن ہوا - اور زوجہ اوسکی مساۃ بھیدوتی ہوئی لیکن پیشہ صیادی کرتا تھا - ہرنی کو مارکر معہ بچہ کھایا - برہمنی اوسکی بدکار اور دوست اغیار تھی - چندے بعد اول برہمن مرا - اور اوسی گاؤں میں مجسّم سانپ پیدا ہوا - اُس کے بعد وہ عورت بھی مرگئی - اوسوقت وہ برہمن قالب سانپ کو چھوڑکر اور عورت اسکی دونوں داخل دوزخ کے ہے چونکہ وہ دونوں سخت گنہگار تھے - اسلئے انکو سخت مقام آتش میں رکھا گیا - جو ہزار دن میں وہاں رہی - وہاں سے نکال کر سور کے قالب میں داخل کئے گئے پھر گربہ - پھر خر ہوئے - اوس جنم سے پچھلے جنم کا کوئی نیک کام - قابل ثمرہ نیک باقی تھا - بخاطر اوس کے پھر انکو آدم جنم پیدا کیا گیا - لیکن اولاد کا عذاب اور شوہر بیمار - ایسے صورت سے جنم گذشتہ کا پھل اس جنم میں پاتا ہے - اور اب جو کرم کریگا - اسکا ثمرہ آئندہ -
کرتکا	-	**کرتکا نچھتر** مولود بخیل - بدکار - فکرمند - نامناسب کار - رنگ سرخ ... مشہور - دولت کمانیوالا - ہوشیار - شائق عورات

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خویش و اقارب بہت - گردن پر نشان -

تولد چرن اوّل کرتکا نچھتر

کرتکا | ۱ | مالک بہم پسیت - ذہین - جنگجو - مالدار - باغی تشریح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو کوسلہور کی سمت آہ سرما نام ایک چھتری تھا - ہرنی حاملہ مار کر کھائی - جب مرا تو عورت اُس کی ستی ہوئی - اس کے ست کی وجہ سے ایک کالپ دونوں ست لوک میں رہے لیکن اس کے سبب پھر قالب انسان میں آئے - اس گناہ قتل ہرنی حاملہ میں سے جوڑا کا ہوتا رہا - وہ مرتا رہا - مگر چونکہ عورت نیک بخت اور صاحب خیرات تھی - اس نے اپنے خاوند سے بہت پن دان کر دیا - بوجہ خیرات کثیر صاحب جلال و اہل دولت و صاحب علم و صاحب اولاد ہو کر بعیش عشرت رہنے لگے

تولد چرن دوم کرتکا نچھتر

۲ | مالک سینہ پر نشان - حرام کار - وغیرہ تشریح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو پچھلے جنم میں کنج برہمن تھا - اندر سرما ن نام بخیل خوار اور عورت اسکی اودرمتی نام سے مشہور تھی - ایک وقت اُس شہر کا حاکم فوت ہوا - ساماں ہونے او سکا خیرات فیل وغیرہ لیکر اپنے گھر آیا - اُس دولت سے کچھ بھی اوقات بسر کر کے انتقال کیا - ایک جگہ کچھ عرصہ دوزخ میں رہا - بعد فیل پھر شیر ہو کر آدمی ہوا - اولاد نرینہ نہیں رہتا

پچھتر	چرن	لڑکیاں زندہ رہتی تھیں۔ وہ مریض تب دان وغیرہ سے صاحب اولاد و تندرست ہوا۔ **تولد چرن سوم کرتکا نچھتر**
کرتکا	۳	مالک سنیچر۔ سست۔ شرارتی۔ بد صحبت کا خواہاں وغیرہ شرح صدر۔ **جنم گذشتہ** یہ جیو پچھلے جنم میں سورج پور میں ادھوت سرمان نام برہمن کان کبج ہوا۔ ایک مرتبہ گرہن میں کنارہ گنگا پہ تیلی سے ایک لاکھ روپیہ دان لیا۔ بید خوانی وغیرہ ترک کر کے بعیش و عشرت بسر کرنے لگا۔ لیکن اس قدر کثیر دولت پا کر کچھ دان میں خرچ نہ کیا آخر خود بعالم پیری خوراک بستر سے عاجز ہو کر مرا۔ اور دوزخ میں گیا۔ پھر جن ہو کر اس کے بعد آدمی ہوا۔ لیکن پہلے بید خوانی کی تاثیر سے اہل دولت ہوا۔ پھر عورت اُس کی اور لڑکے فوت ہو گئے۔ تب اور شادی کی۔ مگر مریض رہتا تھا جو لڑکا پیدا ہوتا تھا۔ وہ فوت ہوتا رہا۔ آخر میں دان سے وہ گناہ معاف ہوئے اور اولاد پیدا ہوئی۔ **تولد چرن چہارم کرتکا**
"	۴	مالک برہسپت۔ تعلیم یافتہ۔ دولتمند۔ سخاوت پسند۔ وغیرہ بشرح صدر۔ **جنم گذشتہ** جنم گذشتہ میں یہ جیو دریا نربدا کے دکھن طرف مہیکپتی نگر میں کان کبج برہمن ... نام تھا۔ اسکی عورت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نچھتر	چرن	
نچھتر	چرن	نام مشہور تھے - ایک طوائف کی دولت سے کار تجارت شروع کیا - الّا اس طوائف کا قرضہ ادا کرنا نہ پایا تھا - کہ مر گیا - طوائف نے اس غم میں اپنا پیشہ چھوڑ دیا - اِس گناہ سے بیس ہزار برس دوزخ میں رہا - اوس کے بعد اوّل بیل پھر خوک پھر آدمی ہوکر پیدا ہوا - تب وہ طوائف اُسکی عورت کے حمل میں آکر ان سے بڑی لڑکا پیدا ہوا - اُس لڑکے نے اُس آدمی مقروض کی دولت عیاشی میں صرف کر ڈالی - پھر وہ مر کر اوسکو داغ ملال دیگیا - اور کوئی لڑکا اوس آدمی کے نہ ہوا - مگر خیرات سے صاحب اولاد ہوا - اور خوشی نصیب ہوئی -
		روہنی نچھتر
روہنی	۰	مولود صاحب دولت - اہل فراست - عزیزوں کا پیارا - نرم گفتار - سچ بولنے والا - انسان مزاج - رنگ سیاہ - مونث خوبصورت - مصفا - شائق عورات - دلیر - بادن خورد - نگاہ ہے گا ہے مائل بکارہائے خراب -
		تولد چرن اوّل روہنی نچھتر
—	۱	مالک منگل - چنچل مزاج - جنگجو - سیاہ بال وغیرہ بشرح صدر
		جنم گذشتہ
		پہ جیوا نتر بید میں ایک گوپ نام برہمن پیشہ چوری کرتا تھا اور زن بیگانہ کی صحبت میں صرف دولت کی اسلئے ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہکر آیا - جسم پاکر اوسکے بعد آدمی پیدا ہوا - ... ایک ... اُس کی پیدائش ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بچھتر | چرن

چنانچہ وہ دختر طوائف ہوگئی - اور ... ناامر گیا - اس لئے اُس نے
گیشر میں دان کر کر معافی حاصل کی -

تولد چرن دوم روہنی بچھتر

روہنی | ۲ | مالک منشکر - دراز قد - کامیاب - خوش مزاج - باقی شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں کنارہ گنگا پر مانک پور کا باشندہ
باسدیو برہمن بید خوان تھا - زوجہ اسکی بہت خوبصورت
اُلفت مرد غیر سے دولت جمع کر کر معہ اپنے شوہر کے گذارہ کرتی
تھی - بعد چند مُدّت لب گنگا دونوں نے انتقال کیا - برکت
گنگا سے سات ہزار برس بہشت میں رہکر جامہ انسانی پایا -
دولتمند ہوا - اور اُس گناہ سے جسقدر عیال و اطفال پیدا ہوئے
وہ سب مر گئے - اور خود سخت عارضہ میں مبتلا رہا - آخرکار
دان پن اور عبادت سے نجات پائی -

تولد چرن سوم روہنی بچھتر

۳ | مالک بید - عالم - شاعر - چالاک - محاسب - باقی بشرح صدر

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ شخص گومتی کے اوتر دو کوس کے فاصلہ پر شہر بلس
دیش رہتا تھا - عورت اُس کی شریر تھی - اہل خاندان
سے اوسکی لڑائی تھی - شوہر اوسکا ایماندار - خدا پرست -
شیریں گفتار - اپنے باپ سے بھی زیادہ تھا - اوس کے دروازہ
پر ایک برہم چاری فقیر ایک دن بھیک مانگنے آیا اُسکی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نچھتر	چرن	
		اس کی عورت نے کچھ نہ دیا اور تواضع نہ کی۔ چند سے بعد بشنداس مرکر پچھ لوک گیا۔ بیس ہزار برس وہاں رہا۔ عورت اس کی مرگئی وہ بیس ہزار برس دوزخ میں رہے۔ بعدہٗ باقی عذاب دوزخ کے سیارہ وغیرہ ہوکر پھر عورت تولد ہوئی اور بشنداس مرد تولد ہوا۔ پھر دونوں کا بیاہ ہوا۔ لیکن وہ عورت ہمیشہ مریض اور بانجھ رہی۔ اُلاپن دان سے اولاد پیدا ہوگئی اور وہ پچھلے اچھے کرم سے اچھی حالت میں آیا۔
روہنی	۴	**تولد چرن چہارم روہنی نچھتر** مالک چند ساں۔ ہوشیار۔ اپنی مرضی سے کام کرنے والا باقی بشرح صدر۔ **جنم گذشتہ** یہ جیو پچھلے جنم میں بدھ سرما نام برہمن انتربید میں پیدا ہوا تھا لیکن رسوئیہ کام کھانے طعام کا کرتا تھا۔ اوس کی عورت بدکار نے فعل حرام سے بہت مال جمع کیا تھا۔ بعدہٗ اول شوہر پھر زن فوت ہوئے ایک جگ داخل دوزخ رہے۔ پھر بیل بعدہٗ گدھا۔ پھر بدھ دیس میں آدمی ہوئے۔ مگر بے اولاد۔ مریض۔ پُن دان اور پرستش سے وہ گناہ معاف کرایا۔
مرگشرا	۱	**مرگشرا نچھتر** ہوشیار۔ چالاک۔ مستقل مزاج۔ سخت طبیعت۔ خود کام۔ متکبر۔ ناتوان۔ عزیزوں کی ہتک سے خوش ہونیوالا۔ محنت۔ خدا ترس۔ والدین کا فرمان بردار۔ خویش واقارب

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نچھتر — چرن — سے بالغت۔

تولد چرن اوّل مرگشرا

مرگشرا ۱ مالک سورج۔ نام نمایاں کرنیوالا۔ دشمنوں پر غالب۔ دولتمند باقی تشریح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو پچھلے جنم میں ندہ دیس میں بیدسرا نام برہمن بیدخوان تھا۔ عورت اُس کی اچھی اور بید جاننے والی تھی۔ اوس برہمن کا ایک لوہار دوست تھا۔ اس نے کچھ روپیہ جمع کیا وہ روپیہ سپرد برہمن کر کر مر گیا۔ برہمن نے وہ روپیہ اوسکی زوجہ کو نہ دیا اپنے صرف میں لایا۔ وہ برہمن اپنے نیک اعمال سے مرکسورج لوک میں تیس ہزار برس تک رہا۔ پھر آدمی ہوا۔ اوّل بے اولاد رہا۔ بعد اس کے وہ لوہار اوس کے گھر فرزند ہو کر پیدا ہوا اور دولت بہت خرچ کی۔ ماں باپ سے محبت بڑھا کر حالت جوانی انتقال کر گیا۔ اس کے سوا کوئی پسر یا دختر نہ تھی۔ اُس عذاب سے نجات کے لئے پُن دان کیا۔

تولد چرن دوم مرگشرا

گ ۲ مالک بدھ۔ عابد۔ زاہد۔ شیریں کلام۔ خوش خوراک۔ وغیرہ تشریح صدر۔

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو سندیا۔ واقع شہر قنوج کے رہنے والا بودہ سرا نام برہمن بے دولت تھا۔ ہمیشہ پیشہ گدائی سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوقات بسر کرتا تھا۔ عورت اسکی بیوہ رہی۔ مرنیکے بعد ہزاروں برس نرک میں رہکر داغ و اہنود مینڈک کا جامہ پاکر مدہ دیس میں آدمی پیدا ہوا۔ لیکن بیمار رہتا اور بے اولاد تھا۔ بہت پرستش اور عبادت کر کر عذاب سے نجات پائی۔

مرگشرا ۳

تولد چرن سوم مرگشرا

مالک شکر۔ خوبصورت۔ خوشباش وغیرہ بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہ جیونرمدا کے کنارہ پر ایک گاؤں میں دھرم چند کمہار تے دولت پیدا کی عورت اوسکی دیوکی نام تھی۔ عالم پیری میں مفلس ہو کر خاکروب حلال خور سے روپے قرض لیکر صرف کیا۔ بعدہ دھرم چند معہ عورت کے نربدا پر فوت ہوئے۔ ثواب تیرتھ سے بہشت میں گئے۔ پھر آدمی پیدا ہوئے۔ گھربار دولت سے کامیاب ہوئے۔ اس عورت کے ساتھ شادی ہوئی۔ تب وہ روپ بنانیوالا اوسکی سمبندھی لڑکا پیدا ہوا اور لڑکپن سے لڑائی کرنے لگا۔ ان تمام دولت عیاشی و قماربازی میں صرف کرڈالی۔ خیرات اسی عذاب سے موجب نجات ہے

۔ ۴

تولد چرن چہارم مرگشرا

مالک منگل۔ صابر۔ بگہا شدہ۔ سرپرستان وغیرہ بشرح صدر

جنم گذشتہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بھوتی شہر کے دکھن طرف پانچ کوس پر کیشور کے نام لیب گانوں میں ایک برہمن رہتا تھا۔ اور بید خوان تھا جب اوس گانوں میں کوئی مرجاتا تھا تو کریا کے دن اوسکے گھر کھانا کھاتا تھا۔ اور دولت کو بمشکل صرف کرتا تھا۔ نہ کبھی خیرات دی اور نہ اپنے چھوٹے بھائی کا حصہ دیا غرضیکہ تین کروڑ روپیہ جمع کیا۔ چھوٹا بھائی اوسکا اسی غم میں مرگیا جب کیشور مرا۔ تب ۱۹ جنگ دوزخ میں رہکر گدھا ہوا پھر چیل ہوکر آدمی ہوا۔ وہ دیس میں لیکن عذاب جان برادر سے سخت عوارض میں مبتلا رہا۔ دان پن موجب نجات ہے۔

آدرا نچھتر

آدرا

دانا و متکبر ہو۔ کار فسق و فجور زیادہ کرے۔ فضول خرچ کم معاش۔ رنگ سرخ ظالم۔ ایک صاف ویاک۔ معزز خراب باتوں کا شائق۔ ناشکر گذار۔ خود پسند۔ مردانہ

تولد چرن اوّل آدرا نچھتر

۱ مالک برہسپت۔ نیک دل۔ محسن العام وغیرہ بشرح صدر

تولد چرن دوم آدرا نچھتر

۲ مالک سنیچر۔ جھگڑالو۔ کم زور۔ دزدی خو۔ وغیرہ بشرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اوجین کے مغرب طرف ایک دیش

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اہل دولت تھا۔ اپنے دھرم اور کام میں مستقل چنانچہ نصف
عمر میں آکر مفلس ہوگیا۔ برہمن سے زر وال لے کر تجارت شروع
کی اور اوسی میں اپنے مصارف شروع کردیئے۔ اس
حد تک کہ پھر برہمن کو کچھ واپس ادا نہ کیا۔ اور اپنی عورت
کو لیکر کنارہ نربدا پر جاکر آباد ہوا چند مدت بعد مرگیا۔ وہاں
کے ثواب موت سے ساٹھ ہزار برس تک بہشت میں رہا۔
پھر بعد اسکے آدمی متولد ہوکر دولتمند ہوا۔ لیکن دائم المریض
والاغر بدن وہ برہمن قرض خواہ اوس کے گھر لڑکا پیدا ہوا۔
اور تمام دولت اسکی خرچ کرکر مرگیا۔ بعد اسکے بیس برس تک
کوئی لڑکا اس کے گھر پیدا نہ ہوا اُس کے بعد اُس نے پتران
اور پرستش کیا جسکی برکت سے اوسنی بیماری سے نجات پائی
اور صاحب اولاد ہوا

تولد جنم سیوم اور اختر

اوریا ۳ ماکے سنیچر غلیظ بد صحبت شائق بدی۔ متوسط الحال وغیرہ
شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو پچھلے جنم میں اموتی شہر کے ایک سمت دو کوس پر
منگل پور کا رہنے والا۔ چور۔ قمار باز۔ شرابخور عیاش تھا
بدکاری سے دولت جمع کی۔ بعدہ مرکر ستر ہزار برس
دوزخ میں رہا۔ ازاں بعد پہلے کیڑا۔ پھر گربہ نر۔ پھر دہ دیس
میں آدمی پیدا ہوا۔ الامراض بے اولاد رہا۔ آخر کار دان
پن اور عبادت موجب نجات عذاب ہوئے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اردرا ۴

تولد چرن چہارم

مالک۔ برہسپت۔ فیاضنفس۔ پاک صاف رہنے والا۔ باقی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اموتی شہر کا رہنے والا ایک آدمی تھا پیشہ گوسفندان وغیرہ سے اہل دولت ہو کر پاس نربدا کے وقت سورج گرہن معہ زوجہ خیرات مادہ گاؤ وغیرہ عمل میں لایا۔ پھر مفلس اور مریض ہوگیا ایک زرگر سے بہت روپیہ قرض لیکر خورد برد کر گیا۔ اوسکو کچھ نہ دیا چند سے بعد مرکر دو لاکھ برس دوزخ میں رہا۔ اوس کے بعد پھر کوا اور بھینس اور بگلا ہو کر نیکذات آدمی ہوا۔ تب زرگر کی دولت نہ دینے سے لڑکا اُس کا مرگیا۔ یہ دوش پُن دان اور عبادت سے دور ہوسکتا ہے۔

پونربس

پونربس

سرد مزاج۔ صاحب لغت۔ راحت مند۔ خوبرو۔ غریب پرور۔ کثیر العیال و آشنا۔ رنگ سفید۔ مذکر ہوشیار۔ شیریں زبان۔ تمسخر خو۔ نصائح پسند۔ سیاہ چشم۔ نیکدل۔ عمر دراز۔ دولتمند۔ خوش مزاج۔

۱

تولد چرن اوّل پونربس

مالک منگل۔ سُرخ چشم۔ بزرگان پیشوایاں کی عزت کرنے والا۔ باقی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اموتی شہر کے اوتر کوس بھر کے فاصلہ پر بسنت پور میں نند نام اہیر معہ عورت اپنی کے رہتا تھا۔ اور ایک برہمن اوسکا دوست بید جاننے والا اور اہل دولت مال غیر کا کھا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوسی گاؤں کا رہنے والا تھا وہ اپنے دوست کے پاس آیا اور اہیر نے اوس دوست کو اپنے گھر میں رکھا۔ جبکہ برہمن کے پاس دولت دیکھی۔ تو اوس نے چورا کر لے لی۔ اِس رنج میں برہمن نے کاشی میں جا کر پران تیاگ دیئے۔ اور وہ اہیر بھی چندے بعد بعیش و آرام زمانہ بسر کر کر راہی بعالم بقا ہوا۔ بعد وفات ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ اور پھر جن ہو کر ہزار سال غلیظ مقامات اور مڑی شمشان میں رہا۔ ازاں بعد چندے کے جسم میں آیا۔ ازاں بعد کوسکی ندی کے شمال مدہ دیس میں آدمی ہوا۔ لیکن برہمن کا دھن چورانے سے لڑکا اسکا مر گیا۔ اُس کے نجات عذاب کے لئے پُن دان اور پرستش کی ضرورت ہے۔

تولد چرن دوم پوربس

۲ نمبر

مالک شکر۔ دولتمند۔ عمدہ زیور۔ پوشاک کا شایق۔ دودھ کو عزیز رکھنے والا وغیرہ شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اوانی شہر کے جانب مشرق بفاصلہ ایک کروہ بھیم پور میں ویسوں کا گاؤں تھا۔ وہاں کا رہنے والا۔ دامودر زرگر اہل ایمان تھا۔ اوس کے دو لڑکے و ہستی برنا عورت تھے۔ اوس کے گھر میں ایک عورت معہ مادہ گاؤ اپنے لڑکے کے آ کر رہی۔ اوسکا ایک لڑکا قمار باز دوسرا چور تھا۔ اتفاقاً اُس زمانہ میں قحط بھی پڑا۔ اور زرگر مفلس اور وہ عورت اہل دولت بھی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چنانچہ زرگر نے اوسکو بجائے زوجہ اپنے گھر میں رکھا۔ بعدہٗ مرگئی۔ پھر جب تک زرگر زندہ رہا۔ اوسکی دولت سے معہ عیال اطفال زمانہ بعیش بسر کرتا رہا۔ آخر وہ معہ عورت کے فوت ہوا۔ پانچ ہزار برس بہشت میں رہا۔ پھر اجودھیا سے بجانب شمال بفاصلہ دو کوس آدمی پیدا ہوا۔ اپنے علم اور ایمان میں مشہور آفاق ہوا۔ ہر ایک کا دوست۔ پھر اوسی عورت پت برتا سے شادی ہوئی۔ اور عورت نابینا ہوگی۔ اور لڑکا بھی بیماری خارش سے فوت ہوا۔ جسقدر اولاد پیدا ہوئے اوس پچھلے بدکرم سے زندہ نہ رہے۔ دان پن اور کار ثواب سے نجات پائے

پونربس	۴	**تولد چرن سوم پونربس** مالک بدہ۔ ممسک۔ عالم۔ عمر دراز۔ صحت خراب وغیرہ شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم پچھلے میں اجودھیا شہر کا رہنے والا۔ ایک حجام کسان ہوا۔ اوسکی زوجہ بھی تھی۔ ایک مرتبہ ایک شخص دولتمند اوسکے پاس آکر آباد ہوا۔ اوس حجام نے اوسکو قتل کرکے اور روپیہ لیکر اوس شہر سے بھاگ گیا۔ پھر معہ اپنی زوجہ کے پراگ میں بروز سنکرانت ماگھ غسل کرکے مادہ گاؤ وغیرہ دان دیا۔ مگر بوجہ گناہ عظیم قتل حجام کے بعد وفات ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر شیر بھینس کے جنم میں آیا۔ پھر آدمی ہوا۔ اور اشنان پراگ کے پھل سے ملک دیس میں سرجو کے اونر راجہ کے خاندان میں پیدا ہوا۔ تب بھی چوری کرکے دولت جمع کی۔ جب وہ مرا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

		اوسکی دختر نے اُسکا کریا کرم کیا - اور وہ انواع عذاب میں مبتلا رہا - ایسے عذاب دور کرنیکو دان اور پرستش کی ضرورت ہے -
پوربس	۴	**تولد چرن چہارم پوربس** مالک چندرمان - ناموری کا باقی شرح صدر **جنم گذشتہ** بموجب گذشتہ جنم میں امونگی شہر کے جانب مغرب بفاصلہ ایک کوس بمقام موضع نندن پور ایک ملاح اہل دولت مشہور نام ماہی گیر و ماہی فروش تہا - اوس نے گرہن کے وقت معہ زر جر کے یکصد مادہ گاؤ برہمن کو دان دی - مگر تاہم وہ بسبب گناہ شکار ماہی مرکر ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا - پھر سیاہ بعدہ کوا اوسکے بعد پھر آدمی ہوا - الا عیاش تہا - اولاد نہ تھی - عورت اوسکی فریبا اور لڑنے والی تھی - جنم گذشتہ کی عادت سے گوشت خوار تھی - اوس کے حمل اسقاط ہوجایا کرتے تھے - تادم حال اوس پاپ کے دور کرنے کے لئے پرستش کی ضرورت ہے
پکہہ		**پکہہ نچھتر** عابد - زاہد - دانا - ہوشیار - سلیم الطبع راحت مند - رنگ سیاہ مذکر عمدہ خوراک کا شائق - راست باز - تکلیف میں صابر کم آواز -
"	۱	**تولد چرن اول پکہہ نچھتر** مالک سورج - یک چشم - مریض شکم - جلد باز - کا باقی شرح صدر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جنم گذشتہ

یہ شخص جنم گذشتہ میں مدھ دیس کے باپ گاؤں میں ہنس گیت نام اہل دولت ہوا۔ گائے بھینس بیل وغیرہ بہت رکھتا تھا اور اپنے ایمان و خوش کرداری میں نیک تھا۔ اور شہر بادہ گاؤ پیچا کرتا تھا۔ اوسکی ایک دولتمند طوائف سے دوستی ہوگئی۔ اور بعد چند مدت اوسکو قتل کر دیا۔ اور اوس کی دولت زمین میں دفن کی اور آہستہ آہستہ مدت تک اوس سے اوقات بسر کیا۔ پھر مر کر ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ بعدہ سیارہ وغیرہ ہو کر آدمی ہوا۔ اور عورت اُسکی بانجھ ہوئی۔ اور مرد کو بھی بیماری لاحق حال ہوئی۔ ایسے آدمی کو دان پن اور پرستش لازم ہے۔

تولد جنم دوم بلکہ بخشتم

مالک بدھ۔ غم و الم۔ اولی صحبت میں مبتلا ہے۔ باقی شرح صدر

یہ شخص جنم گذشتہ میں نامی بھیم داس ترکھان معمار مدھ دو عورتیں ہشیارپور میں رہتا تھا۔ اوس نے ایک درخت پیپل کو کاٹ ڈالا۔ جب وہ مع عورت کے فوت ہوا تو ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر مع عورت کے گرہ و گرگٹ ہو کر آدمی نیک ذات پیدا ہوا۔ مدھ دیس میں۔ لیکن گناہ عظیم کاٹنے درخت پیپل کے سبب اولاد نہ رہا۔ صرف ایک دختر ہوئی۔ پھر عارضہ موت عارضہ دل میں مبتلا ہوا۔ دختر بعد شادی بیوہ ہو گئی۔ ایسے آدمی کے لیے شفا ہے۔ درخت کا لگانا باعث ثواب و موجب نجات عذاب کے

تولد چرن سوم پکھ نچھتر

پکھ ۳ مالک شنکر۔ شاگرد ویبادہ تیز مزاج۔ باقی تشریح حصہ دوم

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اندادہ دیس کے ایک لوہار تھا۔ اس نے ایک بچہ مادہ گاؤ کو پالا۔ ایک دن اوسکی بے خبری سے وہ مرگئی بعد چند مدت لوہار بھی مرگیا۔ اور عورت اسکی اس کے ساتھ ستی ہوئی دس برس ست لوک میں رہے۔ پھر ایک خاندان میں آدمی پیدا ہوئے۔ اور ہر دو عورت مرد ایک برہمن کی خدمت میں رہتے تھے۔ بسکہ اوس مادہ گاؤ کی عدم خبرگیری کا عذاب ان کے سر پر تھا۔ ازیں موجب وہی مادہ گاؤ اوس کے یہاں دختر ہوئی۔ اور جب والدین اوسکی محبت اور بیماری میں سخت مبتلا ہوئے تو وہ عین شباب میں آکر مرگئی۔ والدین کو اس داغ ہجرت سے سخت ملال گذرا ودہ بچہ کو پال کراکر دان دلاویں تو عذاب دور ہو سکتا ہے۔

تولد چرن چہارم پکھ نچھتر

۱ ۴ یہ شخص جنم گذشتہ میں اجودھیا سے جانب مشرق چودہ کوس کے فاصلہ پر ایک کانشی پنڈت نام رہتا تھا۔ عورت اسکی خدمت شوہر میں بہت شوق رکھتی تھی۔ دونوں بڑے دھرماتماں اور عابد تھے اور اپنے گورو کی بہت خدمت کیا کرتی تھی۔ اونہوں نے ایک گربہ پالی اور وہ اتفاق سے اونکے ہاتھ سے زخم کھاکر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مرگئی اور وہ دونوں دریا نربدا کے کنارہ پر مر کر مرگ کو گئے۔ ساٹھ
ہزار برس وہاں رہے۔ ازاں بعد بیل ہو کر پھر آدم جنم میں آئے۔
اور صاحب دولت ہوئے الا [illegible] کا عذاب ہنوز ان کے سر پر باقی
رہا۔ جو موجب اسقاط حمل ہو رہا ہے۔ اس عذاب سے نجات کے لئے
گربہ ہاء کو کھانا دینا موجب نجات ہے۔

اشلیکھا چھتر

۲ مولود بے تمیز۔ شرانجگار۔ متلون مزاج۔ خود مطلب و خود غرض
اپنے کام میں صاحب عقل و ہوشیار۔ دیگروں کی بہتری سے
خوش نہ ہو۔ رنگ سرخ۔ ظالم۔ زبان دراز۔ غصہ ور۔ مقامات
علے پر چند دشمنوں پر غالب۔ کیقدر مکار۔ شکم یا سر پر نشان سیاہ۔

تولد چرن اول

۱ مالک برہسپت۔ بہادر ریاضت باز۔ ہوشیار۔ وغیرہ شرح صدید

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں کانتی کے پندرہ کوس جانب مغرب نازبید
کا رہنے والا ایک سفید آدمی ذہب نام تھا۔ اوس نے نمک بنانے
سے دولت جمع کی تھی۔ الا خیرات نہیں دیتا تھا۔ ایک مرتبہ ایک
برہمن کو کھانا کھلایا۔ اور زر نقد دیا۔ اور ایک مادہ گائے پروہت
برہمن کو دی۔ اوس پر اوس برہمن نے جسکو کھانا کھلایا تھا۔
کہا کہ تم نے مجھکو بلا کر دھام دیا اور گئو اپنے پروہت کو دیدی
اب میں تمہارے سامنے اس رنج سے اپنی جان دیتا ہوں تب اوس
عقل سے برہمن کو غصہ میں آکر دشنام دہی کی۔ برہمن نے انتقال

اشلیکھا

غصہ میں آکر اپنی جان دیدی - بعد چند مدت کے وہ دندب
معہ اپنی زوجہ کے گیا - اوس عذاب سے اوسکو پانچ لاکھ برس
نرک میں رہنا پڑا - بعد اس کے سانپ اور گدھا ہوا - پھر مدہ دیس
میں آدمی ہوکر آیا - لیکن اُس عذاب سے مریض اور بے اولاد رہتا ہے
تاوقتیکہ وہ نہائت محتاج برہمن مردہ دل کو گودان وغیرہ سے خوش
نہ کرے یہ عذاب اوسکا دور نہ ہوگا -

تولد جنم دوم اشلیکھا نچھتر

۲ اشلیکھا مالک سیچر - غلیظ بیان - بیہودہ - ناجائز طریقی سے معاش کا پیدا کرنیوالا
باقی غیرات حسب دستور -

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہ شخص اٹک پور کا باشندہ - ایماندار - قوم امیر
دولت نامی تھا - تجارت گاؤ میش اوسکا کام تھا - الا خدمت
مویشی سخت ناکارہ - نہ انکو چارہ دیتا - نہ گرمی سردی جنگل میں اُن
کی حفاظت کرتا نہ آرام دیتا - جب وہ مرا تو اُس گناہ سے ہزار ہا
برس دوزخ میں رہا - وہاں سے نکل کر ہاتھی جنم میں آیا - چونکہ ایماندار
اور مساکین کی خدمت کرتا تھا - اسلئے آدمی ہوکر صاحب دولت
ہوا لیکن عذاب مویشی اُس کے سر پر چلا آتا ہے اور مریض بے اولاد
پانچ اولاد میں مبتلا ہے - اوسکی نجات کے لئے خیرات مساکین
و خدمت مویشیان لازم ہے -

تولد جنم سوم اشلیکھا نچھتر

۳ مالک سیچر - کمینہ خیال - کاہل الوجود - بد عادت - امراض بادی میں

پریشان - وغیرہ شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں دریائے گنگ کے جانب شمال ایک مالی ایماندار اور اہل علم تھا - زوجہ اوس کی چندراولی نام تھی - گوردا س نام ایک ویش نے اوسکو قرضہ دیا - تین لاکھ کا زرومال مالی نے لیکر زمین میں دفن کر دیا اور بیس کو جواب دیا - وہ ویش باقیماندہ دولت لیکر کاشی میں چلا گیا - اور وہاں کچھ مدت بعد وفات پائی - مالی اوس دولت نہ ویش سے بسر اوقات کرتا رہا - بعد وفات بسبب ایمانداری اپنی اور پہلے اعمال نیک کے ایک ہزار برس گندھرب لوک میں رہکر پھر آدمی ہوا - لیکن ویش کی دولت واپس نہ دینے سے بے اولاد رہا - الا ایک دختر اوسکے گھر پیدا ہوئی - اب اس خطاء کا معاوضہ خرچ دولت محتاجاں ہے -

تولد چرن چہارم اشلیکھا نچھتر

مالک بہست - خود کا ہے نکا ہے خوش رہیگا - والدین کے لئے خطرہ و نقصان زرومال کا ہے باقی شرح صدر - ۴

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا سے جانب مغرب آٹھ کوس پر ---- پور میں فتال چند نام ایک ملاح تھا معہ اپنی عورت سدہ کیشوی نام کے مچھلی کچھوے کا گوشت کھاتا تھا - ہر ایک جانور کے مارنے سے اوسکو کچھ ترس نہیں تھا چند مدت بعد مرکر دوزخ میں سما پھر چند سال ریچھ کا قالب پایا - اوس کے بعد آدمی جنم میں آیا - لیکن مریض

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور بے اولاد - البتہ لڑکیاں ہو ہیں اور بہنیں بھی کوئی بیوہ کوئی مریض ہوئی۔ ایسے گناہ کا انتظام جیو دان ہے -

مگھا پجھتر

مولود ہمیشہ خوشحال رہے - اپنی زوجہ سے موافقت رکھے - ماں باپ کی خاطرداری میں مستعد رہے اور خادم رہے - عالم مہذب - دولتمند - ہنرمند - عزیز والدہ مدشتہ داران وعوام وعورت کا غلام

مگھا ۔

نولد چرن اوّل مگھا پجھتر

مالک منگل مشہور و معروف سنہری آنکھیں سرخ بال باقی شرح صدر -

۱ "

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو منگل پور گاؤں میں منگل نام ویش اہل دولت مع اپنی خوبصورت عورت کے آباد تھا - ایماندار اور دل سے خادم برہمناں - اوس کے گھر میں ایک برہمن نے باعتبار ایمانداری بہت اسباب خیرات اور ایک لاکھ روپیہ لاکر امانتاً رکھا - بعد اس کے وہ برہمن تیرتھ جاترا کو گیا - اور کاشی میں جاکر فوت ہوا اس کے بعد کچھ مدّت پاکر وہ ویش مفلس ہوگیا - مع عیال اطفال کے اُس برہمن کی دولت کو صرف میں لایا - بوڑھا ہوکر اجودھیا میں مرا بوجہ قدیمی اعمال ایمانداری اور وفات مقام اجودھیا کے ہزاروں برس سرگ میں رہا - لیکن وہاں سے پھر آدمی جنم میں آیا - دولتمند - بڑا ایماندار - اور خادم برہمناں ہوا - الا بہ گناہ خیانت در امانت مبتلا ہوکر بوجہ اس کے چند انواع امراض میں مبتلا ہے - خیرات دولت موجب نجات ہے -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تولد چرن دوم مگھا نچھتر

۲ مالک شکر - عقلمند - آزادی پسند - باقی شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا سے چار کوس دکھن ندی سے گاؤں میں نرسر نام برہمن رہتا تھا - شرابخوار - عیاش - قمار باز - چند مدت کے بعد وہ فوت ہوا عورت اُسکی بھی مرگئی دونوں نے دوزخ میں جاکر ستر ہزار برس کئی قسم کی مصیبتیں اٹھائیں - اُس کے بعد مرگ خوک کے قالب میں رہا - پھر مدت کے بعد اس کے ایک گاؤں میں آدمی ہوا - صاحب دولت عورت اُس کی ناقص اور مریض عادی اسقاط حمل - ایک لڑکا بدفعل طوائف کے غم سے فوت ہوا - لڑکیاں ہمشکل تولد ہوں - ایسے عذاب سے نجات کے لئے خیرات اور پرستش کی ضرورت ہے

تولد چرن سوم مگھا نچھتر

۳ مالک بدہ - چالاک - دانا حکیم - باقی شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا میں بگاؤں متھرا - ایک گنوار ہوشیار رہتا تھا اوس نے ایک عورت برہمنی سے صحبت کی جب وہ مرا اُس گناہ سے داخل دوزخ کیا گیا - اس کے بعد تین برس زوجہ جو نیک بخت اور مبتلاء غم خاوند تھے - جوش محبت میں آگ میں ستی ہو گئی چونکہ اسکا مرنا بارگاہ ایشور میں قبول ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور فریاد اسکی منظور ہوئی اوسکو اور اُس کے خاوند کو دوزخ سے
نکال کر ست لوک میں پہونچایا گیا۔ جہاں وہ تین لاکھ برس رہی
اُس کے بعد وہ کمہار آدمی جنم میں آیا۔ اور دولتمند ہوا الا ابھی تک
وہ خطا اوسکا معاف نہیں ہوا۔ مبتلا بانواع امراض اور اولاد کا
زندہ نہ رہنا اوسی گناہ کا عذاب ہے علاوہ خیرات اور پرستش
کے محتاجوں کی لڑکیاں کا اپنے خرچ سے بیاہ کرنا موجب
نجات عذاب ہے۔

نولہ چرن چہارم

مگھا ٤ مالک چندرماں۔ مریض۔ کمینہ خیالات باقی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ کابجی پور میں امید سنگھ مہاجن تہا۔ اوسکی عورت
کا نام مالکہا تھا۔ تجارت فیل واسپ وغیرہ سے مالامال الا خیرات
کا نام ندارد۔ کچھ دنوں بعد اوسکا والد فوت ہوا۔ اوسکا کریا کرم
اور پُن دان کچھہ نہ کرایا۔ اوس کی بددعا سے پندرہ برس دوزخ
میں رہا۔ پھر شیر وچوہا وکوا وہاتھی ہوکر اوسکے بعد آدمی ہوا صاحب
دولت۔ الا اثر بددعا دور نہیں ہوا۔ مریض بے اولاد
ایسے گناہ سے حذ منگذاری والدین اور بزرگان موجب نجات
عذاب ہے۔

پوربا پہالگنی پنجم

پوربا پہالگنی دشمنوں پر غالب اور ہر ایک کام وفن میں ماہر۔ صاحب عزم
اور قوت ہو۔ دولتمند جتہ ہو۔ عمدہ پوشاک سونے پورا تہکا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شائق - راگ ورنگ کا جاننے والا - بڑی ملازمت اور عزت کا خواہاں - اور شائق سفر -

تولد چرن اوّل

۱ مالک سورج - چالاک - بیوپاری وغیرہ شرح صدر -

یہ جیو جنم گذشتہ میں سواشٹ شہر میں سوہن پور کا رہنے والا موہن چھیری تھا - عورت اسکی ایماندار اور تجارت سے مالامال اوس نے ایک چاہ پر دو بیل واسطے آب کھینچنے کے باندہ رکھے تھے - اتفاقات کو دونوں چاہ میں گر گئے - اوس نے اون کے نکالنے میں کوشش نہ کی وہ دو بیل سخت تکلیف اور عذاب سے مرے - اونکی پکار اور بد دعا سے موہن چھیری مع عورت کے واخل دوزخ کئے گئے - ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہکر پھر گرگٹ اُس کے بعد بیل پھر آدمی جنم میں آیا - چونکہ ہنوز وہ اثر باقی ہے - اسلئے جب مع اپنی زوجہ کے پریشان خاطر رہتا ہے پرورش مویشی اور خیرائیت اوسکی بحق یتیماں اور مسکیناں مناسب ہے -

تولد چرن دوم بوریا پھالگنی

۲ مالک بدہ - مشہور - غمگین - تند خو - باقی شرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ ایک شہر کرناٹک میں بطور تجار کے رہتا تھا اوس نے اپنے خاندان کی لڑکی سے صحبت کی - چند مدت کے بعد وہ مرا معہ اپنی عورت کے اُس گناہ سے داخل جہنم کیا گیا - ساٹھ ہزار برس وہاں رہا - پھر مرغ وچیکاوک ہوکر اوس کے بعد

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

قالب انسان میں آیا۔ لیکن کمینہ آدمی سے صحبت۔ والدین سے دشمنی اور نافرمانی۔ چار پانہ وغیرہ کی تجارت ایک اور جنم گذشتہ میں اُس نے سایہ دار درخت راستہ سے کاٹا تھا۔ اوس عذاب سے مریض درد کمر۔ اور گناہ صحبت دختر اہل خاندان سے وفات فرزندان اور اسقاط حمل کا سراپا ہو رہا ہے۔ خیرات اور پرستش موجب نجات ہے دختران اہل خاندان کی پرورش اور اُنکی شادی لازم ہے۔

تولد چرن سوم لوپا پہا لگنی

۳ ۔ مالک شکر۔ اولاد۔ بہت غمگین۔ محاسب وغیرہ شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ سنگلدیپ کے سنگھ پور میں کایت تھا عورت اُسکی نیکذات ایماندار۔ کاتک۔ ماگھ۔ بیساکھ میں چراغ روشن کر کر خیرات دیا کرتا تھا۔ اوس کے گاؤں میں ایک زرگر سفر کرتے ہوئے آیا۔ اوسکی اوس کایت سے الفت ہوئی۔ اُس زرگر کی دختر خوبصورت تھی۔ اور دولت بھی اوس کے پاس تھی۔ چنانچہ اوس دختر کو کایت نے اپنی عورت بنایا۔ اور تمام دولت زرگر اپنے صرف میں لایا۔ جب زرگر مرا تب کایت معہ بال بچہ اوس زرگر کے گھر میں جا کر آباد ہوا۔ چونکہ کایت گناہگار تھا۔ جب وہ مرا اسکو تین لاکھ برس دوزخ میں رکھا گیا۔ اُس کے بعد آدمی جنم میں لایا گیا۔ صاحب دولت الآمر یض۔ لڑکا عارضہ چیچک میں جاتا رہا۔ پھر حمل رہنا بند ہوا۔ عورت اسکی بانجھ ہو جائے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اہل خاندان سے شر اور علم کسیکو نہ سکھلاوے نجات ایسے عذاب کے لئے خیرات اور پرستش کی ضرورت ہے۔

چرن چہارم پوربا پھالگنی

مالک منگل۔ ناخوش۔ باقی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ نربدا کے دکھن طرف ایک برہمن معہ دو عورات کے رہتا تھا۔ بید خوان اور دہرماتماں۔ چھوٹی عورت سے بڑی محبت تھی۔ بڑی سے انکار۔ موضع شکرپور میں آ کر رہا۔ وہ چھوٹی عورت مرگئی۔ وہ اُس کے غم میں مبتلا ہو کر اوس کے ساتھ چلی مرا۔ اوّل بجزا نیک اعمال ہزار ہا برس سب لوک میں رہا۔ لیکن اس کے بعد بوجہ موت غصہ اور ناراضگی حق تلفی عورت کلاں کے اوسکو دوزخ میں داخل کیا گیا۔ اوس کے بعد پھر آدمی کے جنم میں آیا۔ نیک ذات اور اہل دولت۔ لیکن بے اولاد اور گناہ ترک زوجہ کلاں سے روز بروز مرض بہ ترقی اور وفات فرزندان کا عذاب پیش آ رہا ہے۔ نجات کے لئے عبادت اور درخواست معافی خطا کی ضرورت۔

اُترا پھالگنی

مولود صاحب فکر اور حواس خمسہ درست ہوں۔ اور دارث گو صادق القول نافع خلائق کریم النفس اور صاحب عزیمت وذی استعداد۔ ہر امر و ہنر میں ماہر۔ رنگ سُرخ۔ مشہور۔ عالم۔ عقلمند۔ عالی حوصلہ۔ مگر دائم المریض۔ غصہ ور۔ سیاہ داغ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جسم پر ہوں۔

تولد چرن اوّل اونرا پھالگنی

۱ مالک برہسپت۔ صاف پاک۔ شاعر۔ متلون مزاج۔ باقی شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا شہر میں ایک بیس اہل دولت تھا۔ برہمنوں کا صدق دل سے خادم۔ ایک برہمن اُس کے دوست نے دولت اپنی اُس ویش کے پاس امانت رکھی اور سفر کو گیا۔ کاشی پہونچکر مرگیا۔ اور بیس نے وہ دولت اُس کی صرف کرکر وفات پائی لیکن اجودھیا میں موت پانے سے بہشت میں گیا۔ پھر پندرہ ہزار جُگ دوزخ میں رہ کر اچھے خاندان میں آدمی پیدا ہوا۔ بڑا ایماندار اور اہل دولت ہوا لیکن برہمن کی دولت نہ دینے سے بے اولاد اور مریض ہے۔

تولد چرن دوم اونرا پھالگنی

۲ مالک سنیچر۔ بیہودہ۔ ظالم۔ نادار۔ وغیرہ شرح صدر۔

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہ جیو۔ پرکھوتم پور کا رہنے والا۔ ایک زرگر تھا۔ ایک برہمن اوس کے دوست نے کچھ سونا واسطے بنانے زیور کے دیا وہ اسکو تصرف کر گیا۔ برہمن بعد چند روز مر گیا۔ زرگر نے اسکے مال کو صرف کیا۔ بعدہ مر کے ایک جُگ دوزخ میں رہا۔ اسکے بعد اوّل شیر کے جسم میں پھر سیار و کوّا کے جسم میں آکر پھر آدمی ہوا۔ لیکن عذاب سے عورت اسکی بانجھ ہے تاوقتیکہ یہ بیہودہ

سونا دان نہ دیوے وہ قرضہ موجب عذاب ادا نہیں ہو سکتا ہے۔

نولد چرن سوم اوترا پھاگنی

مالک سنیچر۔ ناشکر گزار۔ مغرور۔ باقی شرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بگھن پور کا رہنے والا ایک تیلی تھا اس کی دو عورات تھیں۔ عورت اول کو مار کر دوسری کے ساتھ رہتا تھا بہت مدت بعد مر کر تیس ہزار برس دوزخ میں رہا۔ سانپ اور گدھا اور مرغ ہو کر آدمی پیدا ہوا۔ لیکن موت کنارہ گنگا کے ثواب سے دولتمند و ایماندار رہا۔ مگر گناہ قتل عورت سے بے اولاد اور مریض اور عورت بھی بیمار۔ تاوقتیکہ وہ خیرات اور پرستش نہ کرے۔ نجات گناہ قتل عورت محال ہے۔

نولد چرن چہارم اوترا پھاگنی

۴ مالک برہسپت۔ تعلیم یافتہ۔ مہذب۔ با اولاد۔ باقی شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں گیا کا رہنے والا ایک برہمن شراب خور۔ چور عیاش تھا۔ جب عالم پیری فوت ہوا۔ تو تین لاکھ برس دوزخ میں رہا۔ مہتر۔ چن۔ گر بہ۔ ہو کر بھلگو تیرتھ کے کنارہ مر کر مدہ دیس میں آدمی ہوا۔ ایک دختر اس کی تولد ہو اور عورت بیمار۔

ہست نچھتر

مولود دشمنوں سے جنگ جدل کرنیوالا۔ خود پسند۔ دوستوں کی خدمت اور خاطر داری کرنے والا۔ دولتمند۔ ذی ... دشمنوں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پچھتر — دشمنوں پر غالب مضبوط و مستعد۔ منشی۔ عورت۔ کا صدمہ دیکھے

تولد چرن اوّل ہست پچھتر

ہست ١ مالک جنگل۔ تندرست و مضبوط۔ خیرات کنندہ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ بھوجگت نگر میں ایک زرگر مفلس و غمگین
معہ اپنی عورت کے آباد تھا۔ اُس کے پاس ایک ویش اہل
دولت تھا۔ تب زرگر نے اوس سے دوستی کر کرکے واسطے تجارت
کے اوسکی دولت لی۔ پھر ویش سے اور زرگر کی عورت سے محبت
ہوئی۔ بہت روز بعد وہ ویش مر گیا۔ بعد اُس کے زرگر بھی مر گیا
تب دونوں دوزخ میں جاکر ایک جگہ رہے۔ زرگر تو کیڑا۔ اور
بیل ہو کر آدمی ہوا اور ویش اوسکا لڑکا ہوا۔ عورت اسکی معہ
فرزندان مریض۔

تولد چرن دوم ہست پچھتر

٢ مالک شکر۔ مشہور و معروف۔ حلیم الطبع و کاہل۔ باقی بشرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بنگ شہر کیشپور میں کہند گو حجام اہل
دولت و ایماندار آباد تھا۔ اوسکی عورت لیلا نام اور دو لڑکے
اوس کے تھے۔ ایک قمار باز دوسرا چور و عیاش تھا۔ بڑے لڑکے
کی عورت بھی خراب تھی۔ لیکن اپنے شوہر کی خدمت کرتی تھی
کچھ دن بعد وہ حجام فوت ہوا اور زوجہ اسکی ستی ہوئی دونوں
سنت لوک میں وہ [illegible] آدمی ہوا دولت دشمت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

حاصل ہوتی - پانچ لڑکے ایک دختر پیدا ہوئی - لیکن مریض -

تولد چرن سوم ہست بچھتر

۳ مالک بدہ - عالم - ہوشیار - بیوپاری - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ کوسکی ندی کی دکھن طرف ایک بیت نامی کاشتکاری کرکے بسر اوقات کرتا تھا - اگرچہ بڑا دولتمند تھا لیکن دولت شرافت سے بھی نالامال تھا - اوسکو رات کیوقت کھیت میں شیر مار کر کھا گیا - تب ساٹھ برس دوزخ میں رہکر گرہ ومرغ سیاہ ہوکر مدہ دیس میں آدمی پیدا ہوا - الاّ بے اولاد و بیمار بواسیر مبتلا خیرات موجب نجات ہے -

تولد چرن چہارم ہست پچھتر

۴ مالک چندرماں - معزز - وفادار - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں ہستناپور کا رہنے والا اکبول نام کائیت دولتمند شرابی - عیاشی - برہمن [illegible] ی کرنیوالا تھا - اوس کے پاس ایک برہمن آیا - اور اوس کے دروازہ پر برہمن نے گنگا جل میں کھانا پکا کر کھایا - کائیت نے سخت کلمات برہمن کو کہے - برہمن اشتعال غصہ میں آکر اور زہر پیکر مرگیا - بعد چند روز کے کائیت کی عورت ستی ہوئی - اور ہزاروں برس ست لوک میں رہی - ازاں بعد برہمن کے خاندان میں پیدا ہوا اور اہل دولت - لڑکے اوسکے خوبصورت اور وہ ماتماں و اہل ثروت پیدا ہوئے لیکن

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گناہ جنم گذشتہ سے دو لڑکے نہایت مریض - اسلئے خیرات
کا دینا ضروری ہے -

چیترا نچھتر

چیترا ۰ مولود میانہ قد - صاحب ہمت - دولتمند - دانا - عورت
کا شائق - چھاتی کشادہ پاؤں لمبے - مہذب - زیور خوشبو
بیویوں کا مشتاق - مشہور - آنکھیں چمکیلی - بازو مضبوط
جسم کے بائیں طرف سیاہ داغ -

تولد چرن اوّل چیترا

۱ ملک سورج - ظالم - باقی شرح صدر
یہ جیو گیا کا رہنے والا - ایک چھتری بدکردار - بخیل دولتمند تھا -
اور اُس کے دو لڑکے تھے اور ایک دختر بھی تھی - لیکن وہ
چھتری ہر سال ایک جاموش قتل کرتا تھا - دختر کی شادی
کردی - لیکن وہ نہایت بدکار تھی - اِسی طرح تا زیست کرتا رہا
ازاں بعد کال کے بجانب سے فوت ہو کر دو کروڑ ایک لاکھ برس
دوزخ میں رہا - بعدہ مدہ دیس میں پیدا ہو کر چھتری ہوا - لا
ولد اولاد - ایک لڑکی ہوئی - وہ بھی بیوہ ہو گئی - خود مریض
نجات کے لئے خیرات مویشی لازم ہے -

تولد چرن دوم چیترا نچھتر

۲ یہ جیو جنم گذشتہ میں سرجو کے دکھن طرف کا لکا پور کا
رہنے والا - ایک برہمن پادان تھا - اوسکو شیر نے مار ڈالا
تب زوجہ اُسکی ستی ہوئی - ایک کلپ ست لوک میں عیش

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

رہے پھر اچھے خاندان میں پیدا ہو کر آدمی ہوئے۔ دولت پائی
لیکن مریض اور محروم الاولاد۔

تولد چرن سوئم چیترا نچھتر

جیترگا ۳ مالک لشکر۔ بہادر مشہور۔ عالموں کی صحبت پسند کرنیوالا۔
باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا سے بارہ کوس دکھن سمت دھرم
پور کا رہنے والا۔ رندوس نامی اہیر تھا پیشہ اوسکا خرید
وفروخت مویشی تھا۔ زوجہ اسکی خراب اور وہ خود ہر سال
بچہ جاموش قتل کرتا تھا۔ اور مارنا گوسفندان اوسکو نہایت
پسند تھا۔ اوسکا دوست ایک ویش اہل خاندان تہا اوسکے
پاس اہیر نے اپنی دولت امانت رکھدی اوس ویش نے
بعد مرنے اہیر کے تمام دولت اوسکی صرف کی۔ پھر بعد چند روز کے
ویش بھی کنارہ گنگا ہمعہ زوجہ کے فوت ہوا۔ ویش ساٹھ ہزار
برس بہشت میں رہا۔ اور عورت دوست اہیر دوزخ میں داخل
کی گئی۔ جہاں وہ ساٹھ ہزار برس رہی۔ ازاں بعد سانپنی ہوئی
اوس کے بعد پھر کمینہ خاندان میں جنم لیا۔ اور ویش بھی خوبصورت
اہل دولت آدمی پیدا ہوا۔ لیکن بے اولاد۔ وہ عورت پھر اسکی
زوجہ ہوئی۔ اسقاط حمل۔ اور لڑکیاں زیادہ ہنوز گناہ جنم
گذشتہ اوسکا دفع نہیں ہوا۔ خیرات مناسب ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تولد چرن چہارم چترا نچھتر

۴ مالک منگل۔ جنگجو۔ بچپن میں چور۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں ایک برہمن بدکار و بے ایمان تھا۔ زوجہ اوسکی اوس سے بھی زیادہ بدکار و بدصورت تھی۔ تمام عمر وہ بدکاری میں رہی۔ مگر آخرش وہ گنگا کے کنارے پر مرکر ایک کلپ بہشت میں رہی پر اچھے خاندان میں پیدا ہوئی وہی اسکا شوہر ہوا۔ الابدکاری جنم سابق سے تاحال مریض اور مبتلا بعذاب ہے پرستش اور خیرات موجب نجات ہے۔

سواتی نچھتر

سواتی ۰ دوستوں اور عزیزوں کی پرورش کرنے والا۔ باحوصلہ۔ مشہور۔ نیک اشخاص۔ اور رشتہ داروں سے محبت رکھنے والا۔ شکم خور۔ عاقل۔ غم خور۔ ایماندار۔

تولد چرن اول سواتی

۱ مالک برہسپت۔ طرار۔ ہمہ دان۔ ہمہ گیر۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں قنوج کا راجہ ایماندار اور اوسکا ایک لڑکا تھا۔ اوس نے ایک برہمنی سے سہواً بدفعلی کی۔ راجہ نے اپنے لڑکے کو بوجہ تعلق فرزندی کے سزا بدفعلی نہ دی۔ اس خطا سے راجہ کو ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رکھا گیا۔ بعدہ سیار و خوک رہا۔ پھر آدمی دولتمند ہوا۔ لیکن مریض اور بے اولاد۔ الانصاف اور عدل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سے معافی گناہ کا حقدار ہو سکتا ہے

تولد چرن دوم سواتی نچھتر

سواتی ۲ مالک سنیچر۔ خراب کام کرنیوالا۔ تنگ گذارہ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں جانب دکھن گنگا ہند انگر میں ایک برہمن بے ایمان عیاش تھا۔ تجارت مویشی و آہو و فیل سے تین کروڑ روپیہ جمع کیا۔ الا کوئی خیرائیت نہ کی۔ اور نہ کوئی کام نیک۔ بلکہ اپنی عورت کو ترک کر کے صحبت غیر میں مشغول تھا۔ نام اوسکا دہنیسر۔ چند مدت کے بعد فوت ہو کر ایک کلپ دوزخ میں رہا بعد اُس کے شیر و گرگ رہا۔ آخیر مرتبہ آدمی ہوا۔ لڑکے اس کے مبتلا بانواع امراض لا علاج ہو کر راہی بعالم عدم ہوئے اور خود مبتلا بہ غم و الم ہے خیرائیت اور دان گئو وغیرہ باعث نجات ہے۔

تولد چرن سوم

" ۳ یہ جیو جنم گذشتہ میں ننور چتر تیرتھ برلب نام اہیر تھا۔ کام اسکا تجارت مویشی۔ عورت اُسکی خراب۔ خاوند سے وہ سخت کلام کرتی تھی۔ اگرچہ اہل دولت الا خیرائیت سے دست کش۔ ایک دفعہ وقت چاند گرہن تیرتھ پر گوئیں دان دیں تاہم وہ بسبب بخیلی خیرائیت کے مر کر تیس ہزار برس دوزخ میں رہا پھر جاموش۔ پھر آدمی اہل دولت رہا۔ الا بے اولاد و مریض و مبتلا بدرد سر۔ سخاوت و خیرائیت مساکین موجب نجات ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پچھتر	چرن	
سواتی	۴	**تولد چرن چہارم سواتی** مالک برہسپت - مشہور - دولتمند - معتقد صوم - بندگان - باقی تشریح صدر - **جنم گذشتہ** یہ جیو جنم گذشتہ میں ہستناپور کا رہنے والا غریب آدمی ایماندار کے دو لڑکے تھے - بد عادت - خراب - شرابخور - عیاش - قمار باز - نہائت مفلس تھے - اتفاقاً وہ آدمی پراگ کو گیا اور ایک مہینہ رہا - اسجگہ مرگیا - بہ برکت موت پراگ بہشت میں داخل کیا گیا - عورت اُس کی خراب تھی اور مرکر داخل دوزخ ہوئی بیس ہزار برس وہاں رہی - اُس کے بعد دونوں مدہ دیس میں پیدا ہوکر پھر عورت خاوند ہوئے - اولاد دونوں بیمار اور مبتلا بغم اولاد - خیرات و پرستش واجب ہے -
بساکھا		**بساکھا پچھتر** مولود مالدار سب کام میں مستقل و ہوشیار - نیک ذات عالم - دولتمند - ہر فن میں ماہر - عورتوں کا شائق - سرخ چشم - خوبصورت - جھگڑالو - زبان اور نیچے کے جسم پر داغ - **تولد چرن اول بساکھا پچھتر**
بساکھا	۱	مالک منگل - کشادہ چھاتی - سرخ چشم - دولتمند - باقی تشریح صدر - **جنم گذشتہ** یہ جیو جنم گذشتہ میں کھلا کا رہنے والا - چھتری بے ایمان عیاش تھا - دولت عورات بدکار سے لیکر جمع کی اور کچھ دولت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مردمان نیلی سے بھی فراہم کی۔ نہایت طمعے اور بدزبان سخت بے ایمان تھا۔ زوجہ اُس کی خراب و بدکار۔ بعد چند مدت وہ فوت ہوا۔ ایک جُگ دوزخ میں رہا۔ یہ بھینس ۔ بیل گھوڑا ہو کر آدمی ہوا اور اُسکے وفات کے بعد اُسکی عورت اور شخص کے پاس رہی اور اوس سے ایک لڑکا پیدا ہوا۔ پھر حمل اپنا اسکا بند ہو گیا۔ خود مریض۔

تولد چرن دوم بساکھا نچھتر

بساکھا ۲ یہہ جیو جنم گذشتہ میں لبشن کانجی کا رہنے والا ایک برہمن تھا۔ لیکن پیشہ برہمناں نہ کرتا تھا۔ اچھے لوگوں سے اُسکی دشمنی تھی۔ کسیکی تواضع و تکریم وہ نہیں کرتا تھا۔ بعد وفات ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر آدمی پیدا ہوا۔ الاثر اغمگین اور لڑکے اُس کے زندہ نہیں رہتے تھے۔ مگر صاحب دولت خیرات و پرستش موجب نجات ہے۔

تولد چرن سوم بساکھا نچھتر

" ۳ مالک بدہ۔ محتاط۔ چالاک۔ آنکھ کا مریض۔ باقی شبح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں پورب پور کا رہنے والا تیج مسرم نامی ایک چھتری تھا۔ رزق برہمناں میں خلل اندازی کیا کرتا تھا اور خلقت کو تکلیف دیا کرتا تھا۔ بید دھرم سے انکاری ۔ اوس کے خوف سے اور سختی سے لاچار ہو کر گاؤں سے کئی لوگ بھاگ گئے۔ ایسے ظلم کی سزا اوسکو دی گئی۔ جس سے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

وہ ایک کروڑ چالیس لاکھ برس دوزخ میں رہا۔ اوس کے بعد خر ہوا۔ پھر آدمی ہوکر وہ دیس میں جنم پایا۔ اوسکی عورت بانجھ اور درد و بواسیر سے بیمار اور خود مبتلا بانواع غم۔ تاوقتیکہ وہ رضامندی خلق اللہ اور مساکین حاصل نہ کرے۔ اوس عذاب جنم گذشتہ سے نجات محال ہے۔

نولد چرن چہارم بساکھا

بساکھا ۴۳ مالک چندرماں۔ عورت میں محبوب۔ مریض۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ ہردوار کا رہنے والا ایک چھتری سوار دہامی نام خدمتگار فقیراں تھا۔ عورت اُسکی ایماندار و خوبصورت تھی اوس کے پاس ایک زرگر معہ اپنی دولت کے آکر آباد ہوا۔ اُس نے کچھ سونا زوجہ کو دیا۔ باقی تمام دولت امانتاً سپرد اپنی عورت کے کردی۔ کچھ عرصہ بعد گزند سانپ سے وہ مرگیا۔ دولت اُسکی چھتری نے معہ اہل وعیال خوب صرف کی اور تھوڑی دولت اُس کے نام پر بھی خیرات دی۔ چندے بعد وہ چھتری مرکر بجز اخدمت فقرا کی داخل بہشت کیا گیا۔ جہاں ساٹھ ہزار برس رہا۔ بعدہ پھر بہ جنم آدمی ہوا۔ اور دولتمند ہوا۔ لیکن صرف بیجا دولت غیر کا گناہ ہنوز اُس کے سر پر باقی ہے۔ عورت اُسکی مبتلا بہ عوارض و اسقاط حمل ہے خیرات دو گئی اسکا موجب نجات عذاب ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

انوارادھا

انورادھا

سولو و صاحب کسب۔ و تجارت ہو۔ ہر ایک فن کا شائق۔ نیک دل دوسروں کی امداد کرنیوالا دانا۔ دولتمند۔ خوبصورت۔ ایماندار۔ سیر کا شائق پردیس۔ زوجہ کا مشتاق۔ مہمان نواز۔ مشہور۔ معزز بہو بہا برداشت کرنیوالا۔

تولد چرن اوّل انورادھا

1 مالک سورج ایماندار۔ مہذب۔ صحبت نیک۔ بانیٔ شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں ہردوار کے پاس لکھمان پور کا رہنے والا ایک بیٹا دولتمند مغرور ولالچی کام خرید و فروخت اشیاء و تجارت کرتا تھا۔ عورت اسکی خراب۔ دو لڑکے۔ ایک قمار باز۔ دوسرا عیاش بدکار۔ ایک برہمنی سے بدفعلی کرتا تھا۔ چنانچہ ساہوکار نے روپیہ بہت خرچ کیا۔ اور روز تازہ جانور کا شکار کھایا تھا۔ ضعیفی میں اوس نے بہت جانور ضائع کئے۔ اور عورت اوسکی ہم مزاج اسکے ہو گئی۔ جب وہ دونو مر گئے۔ تو اُن کو لاکھ ہزار برس دوزخ میں رکھا گیا۔ اوسکے بعد علاوہ دیگر سزاؤں کے دوزخ میں کیڑا بنا کر رکھا گیا۔ پھر شیر۔ کوا۔ مرغ۔ کے قالب میں داخل کیا گیا۔ اوس کے بعد مدہ دیس میں یہ جنم آدمی آیا۔ عورت مریض صیبا اور متواتر موت اولاد۔ ایسے عذاب سے نجات کیلئے خیرات اور پرستش کی ضرورت ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تولد چرن دوم انورادھا پچھتر

" ۲ یہ جیو پچھلے جنم میں کا گھمدویس کا رہنے والا ایک ترکھان معہ اولاد کثیر تھا- اہل دولت- لیکن اخراجات کثیر سے نصف عمر میں مفلس ہو گیا- ایک شخص سے سونا قرضہ لیکر مدت تک کام چلایا مگر وہ قرضہ اوسکا ادا نہ کیا- اور مر گیا- اُس کے بعد گو اوس کے لڑکے نے وہ مادہ گاؤ نذر اُس کے نام پر دیا- اور گیا سرادھ بھی کرایا- تاہم وہ بگناہ قرضہ لاکھ برس مچھ پاپ لوک میں آیا- بعد اُس کے بندر و ریچھ ہو کر پھر مدہ دیس میں بجنم آدمی آیا- اہل دولت و صاحب علم لیکن گناہ کاٹنے درخت ساتھ واسطے بیرش اور وہ قرضخواہ اوسکا بیٹا- چنانچہ قمار باز- عیاش- بدکار- تمام دولت ضائع کرتا ہے- نجات عذاب کے لئے پرستش اور خیرات کی ضرورت ہے-

تولد چرن سوم انورادھا پچھتر

" ۳ ٹھگ شکر- مکار- کمینہ خیال- عورت نیک خصلت- باقی شرح صدر-

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں مرہٹوں میں سوکرم گاؤں کا رہنے والا ایک برہمن تھا- سخت بدخیال اور بے رحم اور قاتل مزاج- جب حاکم وہاں کا مر گیا- تو اوس زمانہ تفرقہ و انقلاب میں اوس برہمن نے اوس گاؤں کو آگ لگا دی- جسمیں بہت انسان و حیوان و دوکان و سامان مال تھا- اس گناہ کی اسکو سخت سزا تو ملی یعنی جیوہ مرا تو کئی کلپ بار بار دوزخ میں داخل کیا گیا اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کسی بار وہ ہاتھی وبچھو او تو اہنا یا گیا۔ لیکن آخر کار اوسکو
کسی اور جنم کا بھی معاوضہ ملا۔ پھر آدمی کے جنم میں آیا۔ دولت
پائی۔ اولاد سے محروم۔ ایک دختر پیدا ہوئی۔ نہایت مریض
اوسکو تمام دولت مال خیرات کر کو کمال پرستش کرنی چاہیے
ورنہ اسکو پھر آدم جنم نہ ملیگا

تولد چرن چہارم

۴ غریب نادار۔ باقی کچھ کچھ بنج صدد۔ انوارۂ

جنم گذشتہ

یہ جیو بہ جنم گذشتہ سوراشٹ شہر کا رہنے والا ایک شخص نہایت
مفلس اور بد تر حالت میں تھا۔ عورت اسکی خوبصورت۔ اور
فرمان بردار خاوند۔ مگر ممسک تھی۔ ایک دن ایک فقیر سائل
اوسکے دروازہ پہ آیا۔ باہر آکر وسکو کچھ کھانا کھلایا۔ اور واپس
چلی آئی۔ وہ فقیر تمام رات اسکے دروازہ پر منتظر رہا۔ صبح
کو بد دعا دیکر چلا گیا۔ اُس گھر میں گربہ نے پانچ بچہ دیئے اُس
عورت نا تاثیر بد دعاء فقیر سے اون بچوں کو مار ڈالا۔ گربہ بیچاری
گرسنہ اور غمگین گریہ وزاری کر کر چلی گئی۔ چندے بعد وہ شخص
مرگیا۔ عورت اسکی اُس کے ساتھ ستی ہوئی۔ بہ جزا ستی ہونے
اور کسی کرم نیک کسی اور جنم کے ایک جگ ست لوک میں رہی
[illegible]۔ اُس کے بعد پھر دونوں بہ جنم آدم آئے اور پھر انکا
بسبب عورت خاوند ہو گیا۔ اور رزق دولت بھی ملا۔ لیکن
نا حال تاثیر بد دعا و فقیر اور آہ وزاری گربہ غمگین و موت بچہ ہا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گرہ مسکین سوختہ ہے جس سے بچہ پیدا ہو کر مرجاتے ہیں۔ خدمت مساکین اور بچہ جانوران باعث نجات عذاب ہے۔

جیشٹا نچھتر

جیشٹا ۰ مولود لکھنے پڑھنے۔ صنعت و حرکت۔ دستکاری۔ سننے حکایات و قصص کا شائق۔ قانع۔ مضبوط۔ عورات کا شائق۔ دشمن زیادہ۔ اولاد کم۔ کینہ ور۔ لمبی ناک۔ شکم پر نشان۔

تولد چرن اول جیشٹا نچھتر

" ۱ مالک برہسپت۔ عقلمند۔ معزز۔ پاک صاف وغیرہ باقی تشریح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو یہ جنم گذشتہ مہاراشٹ شہر میں ایک برہمن بید خوان تھا اوس نے ایک تالاب کھدوایا۔ اوس سے کچھ دولت ملی اپنے گھر لایا۔ اسلئے چھوٹے بھائی سے لڑائی ہوئی۔ اور اوسکو حصہ دولت نہ ملا۔ اس رنج میں بددعا دیکر اور وہ زہر کھا کر مرگیا جب وہ برہمن مرا تو بسزا موت برادر داخل دوزخ کیا گیا۔ جہاں اس نے ساٹھ ہزار برس چند انواع کے عذاب دیکھے پھر کوا بنایا گیا۔ اوس کے بعد پھر آدم جنم کا موقع ملا۔ لیکن مریض اور بے اولاد تاوقتیکہ اپنے خویش و اقارب اور محتاج براہمہ کی خدمت میں تمام دہن دولت صرف نہ کرے نجات محال ہے۔

تولد چرن دوم جیشٹا نچھتر

" ۲ مالک سنیچر۔ صحبت خراب۔ باقی تشریح صدر۔

جنم گذشتہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یہ جیو جنم گذشتہ میں پیٹھنہ کا رہنے والا۔ گوردھن ترکھان تھا۔
عورت اُسکی پرمیشری نام تھی صاحب دولت تھا۔ ایک اوسکا
لڑکا تھا۔ تب لڑکے نے کچھ دولت اپنے باپ سے جبراً لی۔
اِس سبب سے بھی ترکھان نے اپنی زوجہ و پسر کو چھوڑ دیا اور
ایک امیر کی دختر کو زوجہ بنا کر الگ رہنے لگا۔ بعد چند مدت
شیر نے اسکو مار ڈالا۔ تب وہ ترکھان دوزخ میں ڈالا گیا۔
وہاں وہ کیڑا غلیظ بیس ہزار برس رہا۔ اوس کے بعد سانپ اور
نیولا کے قالب میں آیا۔ چونکہ ایک زمانہ میں بروز پورنماشی کا تک
مادہ گاؤ خیرات کی تھی۔ اوسکے ثواب سے انسان دولتمند ہوشیار
اہل ایمان و دوست حاکم ہوا۔ الا آشنا عورت غیر کے گناہ سے
اولاد نہ ہوئی۔ خود بیمار۔ اور بعارضہ خارش مبتلا۔ البتہ ایک دختر
ہوئی۔

تولد چرن سویم برج جیسٹا

۳ مالک سنیچر مریض چشم پیچھے کمزور بانی شرح صدر "

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بیاپور کا رہنے والا ایک تنبولی شرابی بدکار
تھا۔ دولتمند اور مغرور۔ اوس کے دو لڑکے تھے۔ بڑے بیٹے کی
عورت خوبصورت تھی۔ اوس کے ساتھ آشنائی ہو گئی اپنے
بہو کے ساتھ خوب شراب اور گوشت کھایا کرتا تھا۔ بڑا بیٹا ناراض
ہوا۔ اور اُس نے شور مچایا۔ اس رنج میں اُس نے اپنے پسر کلان
کو قتل کر دیا۔ اوس کے بعد بہت تھوڑے زمانہ میں خود بھی
مر گیا۔ اس گناہ سے وہ دوزخ میں ساٹھ ہزار برس رہا۔ پھر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پھر کتا و بیل ہو کر آدمی کے قالب میں آیا۔ کسی جنم میں بہت دان
پُن وان کئے تھے۔ اوس ثواب سے دولتمند ہوا۔ الا عذاب
قتل فرزند اور زنا بہو سے بے اولاد۔ مریض بکثرت و سادر بیخواب
بے چین ہے۔

تولد چرن چہارم جیشٹا

۴ مالک برہسپت۔ و عابد و زاہد۔ عالم۔ مریض گوش۔ باقی شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بینی جہی کے پچھم جنتر بلوچ کا رہنے والا
لچھمن نام ایک بہوہ تہا۔ عورت اُسکی بدکار تھی۔ اوسکا فرزند
بہت دولتمند پیشہ تجارت کرتا تھا۔ اوس کے گھر میں ایک عورت
جادوگرنی رہتی تھی۔ ایک دن اوس عورت نے سحر کیا تو
بہت عورتیں ظاہر ہو گئیں۔ اور دوپہر کے وقت لڑکوں کو
پھل وغیرہ منگا دیتی تھی۔ اور لڑکے اُسے کھاتے تھے۔ اتفاقاً
اُس کے گھر میں بہوہ بتلاش طعام گیا۔ تب عورت نے
اُسکو کھانا دیا۔ جب اُس نے طرح طرح کا طعام اوس عورت
سے پایا۔ دیکھا کہ غلیظ ہے۔ تب بہوے کو غصہ آیا۔ اور اُس کے
تمام اہل خاندان کو قتل کر ڈالا۔ پھر بعد چند عرصہ گنگا پر معہ زوجہ
کے انتقال کیا۔ تب وہ بہوہ بہشت میں گیا۔ وہاں ستر ہزار
برس رہکر پھر قالب انسان میں آکر صاحب دولت ہوا۔ الا
عورت کے حمل بار بار گر جایا کرتا ہے اور وہ ہمیشہ بیمار رہتی ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تولد مولا پچھتر

مولا ،، مولا پچھتر کی پیدائش میں مولود اپنے قبائل میں عزیز - دوستوں میں عزت و توقیر پاوے - لال رنگ - سیاہ - ظالم - تنت خوبصورتی کی طرف راغب - سُرخ چشم - عورتوں میں محبوب دنیاوی خوشی اور لہو لعب میں مشغول چنچل مزاج - بعض اوقات صابر -

تولد چرن اوّل

،، ۱ مالک منگل - باپ کیلئے مضر - کاہل - مریض بواسیر - باقی شرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا باشی کائیت راداس نام تھا - عورت اوسکی دیو کی نام نہایت دھرماتمان اور غریب نواز تھے - کام اوسکا تجارت فیل و اسپ تھا - ایک دوست ایک برہمن جوان تھا - اوس کے شوہر کے پاس آیا - زوجہ نے نہایت محبت سے بٹھایا - چنانچہ چار ماہ وہاں رہا - اُس کے پاس سونا تھا - وہ کائیتھ کے سپرد کر کے برہمن نے کانشی کا سفر اختیار کیا اور وہاں فوت ہوا - اوسکے بعد کائیت اتفاق سے مفلس ہوگیا - ایام مفلسی میں برہمن کی دولت سے بسر اوقات کر کر معہ اپنی زوجہ کے انتقال کر گیا - وفات اجودھیا کی برکت سے دو سے ہزار برس بہشت میں رہا - پھر آدم جنم میں آیا - لیکن استعمال دولت اوس برہمن سے بے اولاد ہے -

تولد چرن دوم مولا پچھتر

،، ۲ مالک شنکر - بحق والدہ مضر - دودھ کا شائق - چنچل دل - باقی شرح صدر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو اجودہیا کے جانب مغرب جون راگھوپور کا رہنے والا جوگی نام برہمن تہا۔ زوجہ اوسکی نیک وایماندار تھی اور وہ پنڈت واہل دولت تھا لیکن بخیل تہا۔ اور گہر کے اندر بیمار رہتا تھا۔ بھائی اوسکا تجارت کرتا تھا۔ دونوں باہم محبت سے بسر کرتے تھے۔ بعد چند مدت باہم اون کے تنازعہ پیدا ہوا۔ مابین اُن کے جنگ عظیم ہوئی۔ بعدہ چھوٹا بہائی فوت ہوگیا اوسکی دولت لڑکے کو دی۔ اور خیرات نہ کی۔ پھر وہ برہمن بھی فوت ہوا بعد مرنیکے چند ہزار برس دوزخ میں رہا اسکے گرگ وخر کے قالب میں آیا۔ پھر انسان ہوا۔ ایک مفلس نادار۔ اور کم اولاد بلکہ صرف ایک لڑکی پیدا ہوئی۔

تولد چرن سوم مولا نچھتر

مولد ۳

مالک بدہ۔ دولتمند۔ طرار۔ عالم۔ نجومی۔ مہذب۔ باقی بشرح صد

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو سرجو کی جانب شمال منگل پور کا رہنے والا چہتری شراب خوار بہاؤستی نام تھا۔ اوسکی عورت منوہر نام تھی وہ مرد عیاش قمار باز طمع دار تھا۔ اور چوری سے اپنی بسر اوقات کرتا تھا۔ کچھ مدت بعد گزند سانپ سے مر کر ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر شیر ہوا بعدہ آدمی۔ چونکہ جنم گذشتہ میں بہت دان دیا تھا اوسکے پھل سے اہل دولت ہوا۔ اور شراب خواری سے مریض۔ عیاشی سے بے اولاد۔ اور قمار بازی سے فکرمند ہوا۔

سہ

تولد چرن چہارم مولا نچھتر

مالک چندر مال - شیرین زبان - دوسروں کا حال پہچاننے والا -
حکومت پسند - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں مدہ دیس میں منڈیپ پور کا رہنے والا ایک
لونیا تھا - کار جنگ میں ہوشیار - اور فروخت نمک کا روزگار کرتا تھا
عورت اوسکی بہت نیک و مہذب تھی - تین لڑکے اوسکے تھے اور دو
مال بھی میسر تھا - گوسفند ان ورگا وان وغیرہ بھی اوسکے پاس
بکثرت تھے - پسر کلاں اوسکا عیاش - اوسکا ایک بیل کان نمک
میں معہ اسکی عورت کے گر پڑا - اُس کے نکالنے کو رات بھر رہ گیا
لاچار وہ مرگیا - صبح کے وقت عورت اور لڑکا و مردہ کو نکالا بعد
چند مدت لونیا مرکر دوزخ میں گیا - بائیس ہزار برس وہاں
گبرا ہو کر رہا - نہایت تکلیف پائی - اوس کے بیشتر گوسفند
گربہ کے جنم میں آیا - اوسکے بعد بہ قالب انسان پیدا ہوا کسی جنم میں
کنارہ گنگا پر دان دیا تھا - اسلئے دولتمند ہوا - گاو بیل نہ نکالنے
سے بے فرزند اور عیاشی و صحبت زن بیگانہ سے مریض اور عورت
کو چاہ سے زندہ نہ نکالنے سے وہ اوسکے گھر لڑکی ہو کر موجب
تکلیف و رنج تولد ہوئی -

تولد پوربا کھاڑا نچھتر

مولود صاحب مروت و ذی لیاقت - ہر ایک کا دوست - اورنگ
سفید - دراز قد - نازک انگشت - ہوشیار - ہر فن میں ماہر - بغرما

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مشہور - عورت نیک خصلت - ہمیشہ دوستوں میں خوش و خرم

تولد چرن اول پوربا کھاڑا

پوربا کھاڑا ۱ مالک سورج - جنگ جو - سرخ چشم - خوشی کم - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو - اجودھیا - بشٹ دھام کا رہنے والا - ایک برہمن سری مرلیکا نام تھا - صاحب علم و دولت و ہوشیار تھا - زوجہ اوسکی ہمیشہ خدمت شوہر میں رہتی تھی - دو لڑکے اسکے صاحب علم تھے اوس برہمن کا بھانجہ اپنی عورت کے سفر کرتا ہوا اسکے گھر میں آیا - بعد ایک ماہ کے بھانجے کو سانپ نے کاٹا سو وہ مرگیا - تب برہمن نے اسکی تجہیز و تکفین کی - بعد ایک سال کے بھانجے کی زوجہ سے بڑی محبت ہو گئی - اس وجہ سے اپنی عورت اور لڑکوں سے سخت لڑائی ہوئی - بعد چند روز کے وہ برہمن فوت ہوا - ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا - اُسکے بعد بگلا اور مینڈک و کوے کے قالب میں آیا - ازاں بعد پھر آدمی ہوا - اور تاثیر برکت نیر تخت سے صاحب دولت اور حشمت و اہل علم و خوبصورت ہے - بھانجہ کی زوجہ کے ساتھ ہم بستر ہونے سے مریض اور اوسکی دولت تصرف میں لانے سے بے پسر - البتہ ایک دختر خوبخوار ہوئی ہے -

تولد چرن دوم پوربا کھاڑا

۲ مالک بدھ - شیریں زبان - زبان دراز - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہ جیو شہر ناسک کے قریب موضع شوبھر کا رہنے والا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ایک ویش معہ اپنی زوجہ روپ دتی کے تھا تجارت سے اہل دولت۔ بعد چند مدت کے ایک برہمن اوس ویش کا دوست ہوا۔ اوس برہمن کے پاس بہت زر سونا۔ مروارید الماس تھا وہ ویش کے گھر رکھکر مرگیا۔ ازاں بعد اوسکی زوجہ بھی مر گئی۔ بعد مرنے کے ہزار برس بہشت میں رہا۔ اور عورت بھی اوس کی بہشت میں رہی۔ پھر بگلا وچکاوک و ہنس ہو کر آدمی کے قالب میں آیا۔ اور شادی بھی ہو گئی۔ الا لڑکا نہ ہوا۔ دختران زیادہ۔ دائم المریض ہے

تولد چرن سوئم

پوربا بھاد ۳ مالک شنکر۔ پاک وصاف خوش وخورم۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہہ جو اشتر بید میں جمنا کے کنارہ گندھرپ پور کا رہنے والا کا ایک شخص قوم سود کا تھا۔ نوکر چاکر اوس کے بہت تھے۔ اور حاکم اوس ملک کا فیاض وہوشیار تھا۔ چنانچہ اوس نے ایک برہمن کے زمین سہواً لے لی تھی۔ اور اوس برہمن نے اوس رنج سے اوس پر جان دیدی۔ بعد چند روز کے وہ سود آکر دوزخ میں ایک جگہ رہا۔ اوس کے بعد قالب خوک و بچہ و طوطا میں رہکر پھر انسان بنایا گیا۔ گو دولت پائی مگر بے فرزند اور دختران زیادہ اور خود مریض

نولد چرن چہارم پورباکھاڈا

پوربا کھاڑا | ۴ | مالک منگل - دروغ گو - ظالم - مخالف عاملان - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

یہ جیو پچھلے جنم میں اجودھیا کا رہنے والا ایک مالی فقیر و برہمن کا خدمتگذار اور ایماندار تھا - عورت اوسکی بداعمال تھی - اوسکا دوست ایک برہمن تھا - اوس نے دولاکھ روپیہ امانتاً اوس کے گھر میں رکھا - جب برہمن نے بعد چند مدت طلب کیا - تو نصف اوسکا اوس نے واپس دیدیا اور نصف نہ دیا - چند مدت بعد وہ مالی مرگیا - برکت اجودھیا تیرتھ سے دو لاکھ برس بہشت میں رہا اُس کے بعد وہ دیس میں آیا - اور آدمی ہوا - اور تصرف دولت برہمن سے بے اولاد ہے -

نولد اوترا کھاڑ پنجم

اوترا کھاڑا | مولود ہوشیار - چالاک - بدربار امیران معزز - عالم فاضل - جہان نواز - عاقل - مہذب - بہادر - ہردلعزیز - رنگ سرخ - ناک لمبی ناک اور جسم کے خفیہ حصہ پر نشان -

نولد چرن اوّل

،، | ۱ | مالک برہسپت - شاستردان - دیوتاؤں کو ماننے والا - باقی بشرح صدر

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا میں کوہ سفید تیرتھ کا رہنے والا ایک قنوجیا برہمن تھا - اسپ و شتر گاو وغیرہ کی تجارت کرتا تھا - قمار باز

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

عیاش۔ خراب۔ شرابی۔ منکر از پرستش خدا و مرشد تھا۔
بہت زمانہ بد اعمالی میں گذرا۔ بعدہ وفات پاکر ساٹھ ہزار برس
دوزخ میں رہا۔ اوسکے بعد خر و اسپ کے جنم میں آیا۔ پھر
قالب انسانی پایا۔ مگر دولتمند۔ مگر مریض اور بے اولاد۔
چندے بعد ایک لڑکا تولد ہوا مگر زندہ نہ رہا۔ پھر ایک لڑکی
پیدا ہوئی۔

تولد چرن دوم اوترا کھاڑا

۲ مالک سنیچر۔ بیہودہ کام اور کمینہ اشخاص کا دوست باقی شرح
صدر۔

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو مکیسر پور کا رہنے والا دوست وہمنشین
اہل اسلام و علم فارسی کے جاننے والا شراب و گوشت کے کھانیوالا
ایک برہمن تھا۔ گو زر و جواہرات اوسکے پاس بہت جمع تھے۔
تاہم لالچ دولت میں آکر بطمع زیور ایک طفل اپنے برادر زادہ
کو وقت شب قتل کر دیا۔ اوسکے زیور جواہرات لیکر اوسکو زمین
میں دفن کر دیا۔ اوس معصوم بچہ کے والدین فراق نور دیدہ
میں گریہ زاری کر کر مر گئے۔ جب وہ برہمن مع عورت فوت
ہوا۔ تو اُسکو ساٹھ ہزار برس سخت دوزخ میں رکھا گیا۔ ازاں
بعد مثل کچھوا۔ مادہ گاؤ ہو کر پھر آدم جنم میں آیا۔ سرجو کے
اوتر طرف نیک بخت اور اہل دولت گھر میں تولد ہوا۔ عام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خاص و حاکم سے بحث - الا عذاب گناہ جنم گذشتہ سے مریض
دردناک -

نولد چرن سوئم اوترا کھاڈا

۳ مانک سپتر - مریض - جلد ورغلایا جانیوالا - باقی بشرح صدر -

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو متھن شہر کا رہنے والا ایک برہمن بیدخوان جتیدلو نام تھا - اور عورت سوسیل نام ایماندار تھے - اوس سے تین لڑکے صاحب علم بیدخوان ہوئے - بڑے لڑکے کی شادی کی اوسوقت میں اوسکی زوجہ کی ہمشیرہ ہی آئی - نہایت محبت سے اسکو بٹھایا - بعد شادی سب مہمان اپنے اپنے گھر گئے لیکن اوسکی زوجہ کی ہمشیرہ نے برہمن سے کرن پھول جلدی طلب کئے ہیں بات پر برہمن نے غصہ کہایا - تب وہ عورت مہمان رنجیدہ ہو کر مع عیال و اطفال اپنے گھر گئی - اور اسی غم میں وہ فوت ہوگئی - خبر وفات سنکر وہ برہمن غمناک رہا - بعد چندے وہ بھی مرا - اور زوجہ اسکی اوسکے ساتھ ستی ہوئی - ست دھرم کی وجہ سے تین کروڑ برس سورگ لوک میں رہکر پھر جنم انسان میں آیا - اہل علم و ہوشیار - الا عذاب وفات عورت مذکور سے بے اولاد ہے -

نولد چرن چہارم اوترا کھاڈا

۴ دیندار - دہرمی - نیک صحبت - بیدخوان - باقی بشرح صدر -

کھاڑا ادنڑا

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں گجرات کا رہنے والا ایک برہمن بیر بہد نام ہر چہار بید کا پڑھنے والا تھا۔ ایک شخص نیچ قوم کا مر گیا برہمن مذکور نے مع پسر کے اُس کے گھر جا کر کھانا کھایا۔ او نیچ کا دان لے لیا۔ چند مدت کے بعد اس نے انتقال کیا عرصہ دراز تک دوزخ میں رہا۔ اُس کے بعد مرغ۔ کوا۔ کبوتر ہو کر آدمی ہوا گو نیک خاندان میں پیدا ہو کر صاحب علم و ہوشیار ہوا لیکن دان خلاف مذہب کے لینے سے بے اولاد اور طعام رسم ممات کے کھانے سے مریض ہے۔

شروَن پنچھتر

تولد شروَن پنچھتر

۰ مولود سنجیدہ۔ فہمیدہ۔ اشعار و راگ وغیرہ علوم کا شائق حساب نوشت خواند سیاق سباق و طریق داد و ستد سے ماہر۔ رنگین پارچات واشیا و پھولوں و خوشبو دار و خوبصورت عورات کا شائق۔ رشتہ داروں میں عزیز۔ مشہور۔ زوجہ نیک خصلت۔

تولد چرن اوّل شروَن پنچھتر

۱ مالک منگل۔ اولاد کم۔ جگر کا مریض۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ شخص بون شہر کے متصل مارٹ نگر کا رہنے والا گوتم نام برہمن بید خوان تھا۔ عورت اوسکی قوم مالن پروردہ والدین تھی۔ اہل دولت و خادم فقیران۔ ایک برہمن گوتم کے پاس آیا اوس نے خاطر سے بٹھایا۔ بعد ایک سال کے وہ اپنی دولت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شرون نچھتر | ۱ | گوتم کو دیکر کاشی کو راہی ہوا۔ اور وہاں فوت ہو گیا۔ گوتم نے
وہ دولت معہ اپنے عیال اطفال کے صرف میں لایا۔ چونکہ وہ
نیک کردار اور سخی تھا۔ اس لئے بعد وفات بیس ہزار برس گندھرب
لوک میں رہا۔ مفلس اور آہو ہو کر پھر قالب انسانی میں آیا۔ نیک
بخت و ایماندار ہوا۔ چونکہ اپنے دوست کی دولت خود صرف کر
گیا تھا۔ اوس کے وارثان کو نہ دی۔ اس گناہ سے عورت مریض
اور حمل اُس کے ضائع ہو جاتے ہیں۔

تولد چرن دوم شرون نچھتر

" | ۲ | مالک شکرے۔ مکار۔ ہوشیار۔ ملازم وفادار۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ شخص جنم گذشتہ میں گندھار پور کا رہنے والا برہمن اہل دولت
بے علم و سنگدار و ہم صحبت غیر مذہب اور غیر مذہب عورت کا
آشنا تھا۔ اعمال بدکرداری میں زمانہ زندگی بسر کر کے مر گیا۔ ساٹھ
ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر گرگ و خوک و ریچھ ہو کر مدہ دیس
میں جنم انسانی میں آیا۔ بدکرداری جنم گذشتہ کی مریض اور بے
اولاد ہے۔

تولد چرن سوم شرون نچھتر

" | ۳ | مالک بدھ۔ مغرور۔ جھگڑالو۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں کشمیر کا رہنے والا کھندو بسرجا نام ایک برہمن تھا۔
عورت اُس کی گنگا نام جنگجو شوہر سے خلاف رہتی تھی۔ تجارت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۳ روغن زرد و سیاہ و قند سیاہ و چھتر اشنہ اسپ و رنگ کا دستہ صاحب دولت ہوا۔ بداعمال اور دولت ایک برہمن کی قبضہ منکر ہو گیا۔ اوس گناہ سے مر کر سات ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر گرگ و خر۔ مینڈھا ہوا۔ پھر مرد ملیچھ ہوا۔ بہ قالب انسان آیا۔ گو دولت پائی۔ لیکن مریض اور بے اولاد ہے۔

تولد چرن چہارم ششم دہم خانہ چھتر

۴۴ مالک چند رمال۔ عابد جوگی چارپایوں کی تجارت میں پیدا ہوئی بانی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں ایک مغرب کیطرف جادھپور کا رہنے والا ایک برہمن سدھ لال نام تھا۔ عورت اسکی خادم شوہر تھی۔ لیکن وہ مرد دزد و بدکار تھا پیشہ دزدی پر بسر اوقات کرتا تھا۔ بعد مرنیکے اسکی زوجہ اسکے ساتھ ستی ہوئی۔ اوس عورت کا باعتقاد دل خاوند کے ساتھ قربان ہونا اور بوقت قربانی ایک دہیان ہو کر ایشور کو یاد کرنا بارگاہ ایشور میں منظور ہو گیا۔ اس وجہ سے وہ ست لوک میں داخل کی گئی اوس کے بعد قالب انسانی میں آئے۔ دولت بھی پائی الا بوجہ چوری دولت غیر جنم گذشتہ کے دائم المریض ہے

تولد دھنشٹا چھتر

مولود صاحب دولت۔ ہر ایک کے نزدیک سخی۔ نیک کار۔ بخیل بہادر۔ دولتمند۔ برہمنوں سے متنفر۔ زاف رنگ کاشتکاری پاؤں لنجہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دھنشٹا پنچمیں | ۱

تولد چرن اول دہنشٹا پنچھتر

مالک سورج۔ تندرست و مضبوط۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں پنجاب گنگا نگر کا رہنے والا ایک برہمن ہمیشہ زراعت کرتا تھا۔ ایک سال جب غلّہ تیار ہوا۔ گھر میں نہ لایا۔ اُس کے بھانجے نے چہارم حصّہ غلّہ کا چرالیا۔ اس وجہ سے اُس برہمن نے بھانجے کو ایسا مارا کہ وہ مرگیا۔ چند روز بعد وہ برہمن بھی مرگیا۔ اس گناہ کی سزا میں اُسکو اسّی ہزار برس دوزخ میں رہنا پڑا پھر گربہ و شیر و مرغ کے قالب میں آیا۔ ازاں بعد پھر جنم انسان ملا۔ گو نیک کار اور اہل دولت ہوا۔ لیکن قتل بھانجے سے بے اولاد اور مریض ہے۔

۲

تولد چرن دوم دہنشٹا پنچھتر

پچھلے جنم میں یہ جیو بملک مغرب اہل اسلام کی بستی کا رہنے والا مہانند برہمن صاحب علم و ہوشیار تھا۔ دولتمند۔ سواری اور زر و مال سے مالا مال۔ لیکن رسومات مذہبی اور خیرات وغیرہ سے دست بردار اور مخالف مذہب بزرگان تھا۔ چند مدّت بعد کاٹنے سانپ سے مرگیا۔ ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر بکرا مچھ بچھو رہکر اوس کے بعد انسانی قالب میں آیا۔ لیکن متفکر اور مبتلا رنج و عذاب ہے۔

۳

تولد چرن سوم دہنشٹا پنچھتر

مالک شکر۔ وفادار۔ بجوگی۔ عمر دراز۔ باقی بشرح صدر۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں مرہٹوں کے شہر کا رہنے والا ایک چھتری جانوران چرند و پرند کا شکاری تھا۔ ایک مرتبہ ایک مادہ آہو حاملہ کا معہ دو بچوں کے شکار کر لایا۔ اور ہمراہ اپنی عورت کے کھا کر نہایت خوش ہوا۔ مگر وہ مادہ آہو وقت وفات سخت عذاب سے تڑپ تڑپ کر جان بحق ہوئی۔ اوسکی تکلیف بارگاہ ایشور میں ناگوار گذری۔ سبب وہ مرا تو ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ اوس کے بعد قالب خوک اور بھینس میں آیا۔ پھر قالب انسانی ملا۔ گو کسی نیک عمل سے اہل دولت صاحب علم و دوست حاکم ہے لیکن ہنوز عذاب مادہ آہو سے دائم المریض اور مبتلا بعذاب ہے۔

تولد چرن چہارم دہنشٹا نچھتر

۴ ناک منگل۔ ظالم۔ مضبوط۔ خراب کام کا شائق۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں متھرا سے جنوب کیطرف سدہ پور کا رہنے والا بلبید نام اہل دولت تھا۔ اوسکے تین لڑکے تھے۔ لیکن چھوٹے سے بہت محبت اور دو بڑوں سے ناراض۔ مابین اونکے تقسیم جائداد کا تنازعہ پیدا ہوا۔ ایک برہمن اوسکا دوست واسطے فیصلہ کے آیا۔ وہ کچھ فیصلہ نہ کرسکا۔ بلکہ اون کی باہمی لڑائی میں قتل کیا گیا۔ اور تمام دولت و مال اسباب اوس نے چھوٹے پسر کو دیدیا۔ دو بڑے پسر محروم الارث کئے گئے۔ اونہوں نے سخت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بد دعاوی اوس بے انصافی اور قتل برہمن کی سزا میں لاکھ برس
دوزخ میں رکھا گیا - اوس کے بعد اول شیر ببر گدھا بنا یا گیا - بعد
وہ قالب چھوڑ کر جنم انسانی میں آیا - دولتمند - الا گناہ جنم گذشتہ
سے مریض اور بے اولاد -

تولد ست بکھا پچھتر

مولود دولتمند - صاحب جود - نیک کار - عاقل و ہوشیار -
معزز - مشہور - ظالم - کثیر الاولاد - رشتہ دار - حامی و مدد گار
عمر دراز - طرار - صاف زبان - عورتوں اور کھیل تماشا
کا شائق - کار نمایاں کرنیوالا - رنگت سرخ - ناک لمبا -

تولد چرن اول ست بکھا پچھتر

یہ جیو جنم گذشتہ میں متھرا کا رہنے والا اہیر بیٹ شیر دوش تھا
عورت اوسکی ستی نام تھی - اور کئی ہزار مادہ گاؤ وغیرہ اس کے
پاس موجود تھیں - ایک دن موسم سرما میں پانی برسا - مادہ
گاؤ اں و بچہ ہائے اون کے بارش میں بغیر سایہ کے مر گئے - وقت
موت اونہوں نے سخت تکلیف برداشت کی - اور بہار و کر کر
جان بحق ہوئے - جب وہ اہیر اس عذاب کی سزا میں ساٹھ
ہزار برس دوزخ میں رہا - پھر مینڈک و گرگٹ کے جنم میں رہا
ازاں بعد قالب انسانی پایا - لیکن مریض اور بے فرزند - البتہ
دختران ہوئیں -

تولد چرن دوم پچھتر ست بکھا

بالک بہنو - بنول - باقی بشرح صدر -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بد دعا دی اوس بے انصافی اور قتل برہمن کی سزا میں لاکھ برس
دوزخ میں رکھا گیا۔ اوس کے بعد دل شیر ببر گدھا بنایا گیا۔ پھر
وہ قالب چھوڑ کر جنم انسانی میں آیا۔ دولتمند۔ الا گناہ جنم گذشتہ
سے مریض اور بے اولاد۔

تولہ ست بکہا نچھتر

مولود دولتمند۔ صاحب جود سنیک کار۔ عاقل و ہوشیار۔
معزز مشہور۔ ظالم۔ کثیر الاولاد۔ رشتہ دار۔ حامی و مددگار
عمر دراز۔ طرار۔ صاف زبان۔ عورتوں اور کھیل تماشا
کا شائق۔ کار نمایاں کرنیوالا۔ رنگ سرخ۔ ناک لمبا۔

ست بکہا نچھتر

تولہ چرن اول ست بکہا نچھتر

یہ جیو جنم گذشتہ میں متھرا کا رہنے والا اہیر بیشہ شیر بزدوش تھا
عورت اوسکی ستی نام تھی۔ اور کئی ہزار مادہ گاؤ وغیرہ اس کے
پاس موجود تھیں۔ ایک دن موسم سرما میں پانی برسا۔ مادہ
گاواں و بچہ ہائے اون کے بارش میں بغیر سایہ کے مر گئے۔ وقت
موت اونہوں نے سخت تکلیف برداشت کی۔ اور ہار ہار کر
جان بحق ہوئے۔ جب وہ اہیر اس عذاب کی سزا میں ساٹھ
ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر مینڈک و گرگٹ کے جنم میں رہا
ازاں بعد قالب انسانی پایا۔ لیکن مریض اور بے فرزند البتہ
دختران ہوئیں۔

تولہ چرن دوم نچھتر ست بکہا

مالک مینڈ بمثل۔ باقی بشرح صدر۔

۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

رکھتی تھی۔ بوجہ بدکاری جب وہ مفلس ہوا۔ تب پانچ سو پیڈ ایک برہمن سے قرض واسطے تجارت کے لیا۔ اور پھر اسکو واپس نہ دیا۔ چند زمانہ بعد جب وہ مرا تو برکت تاثیر متھرا سے داخل بہشت ہوا اور اُسکے بعد پھر انسان ہوا۔ اور وہی عورت اُسکی پیدا ہوکر زوجہ ہوئی۔ لیکن بدکاری جنم گذشتہ سے بے اولاد اور مبتلا رنج و عذاب ہے۔

تولد پوربا بہادرپد بھم

پوربا بہادرپد بھم

مولود صاحب علم و کاریگر ہر فن عزیز دوستاں۔ عقلمند۔ مہذب دولتمند۔ کثیر الاولاد۔ زبان دراز۔ مریض گوش۔ نیک کاموں کا شائق عورت کا ناز بردار۔ چالاک۔ دراز قد۔ رنگ مائل بسیاہی۔ چہرہ اور شرمگاہ پر داغ۔

تولد چرن اوّل پوربا بہادرپد

ے ۱ مالک منگل۔ کام کاج کرنیوالا۔ اُدمی۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

جنم گذشتہ میں یہ جیو متھرا کا رہنے والا کم قوم آدمی پیشہ ترہ فروشی کرتا تھا۔ ایماندار مع عورت خدمت برہمناں کرتا تھا۔ دولت برہمن سے کاروبار روزگار کرتا تھا۔ مدت کے بعد برہمن اُسکے گھر گیا۔ اسکی زوجہ نے خاطر سے بٹھایا۔ چوتھے روز کھانے میں زہر کھلا دیا۔ وہ برہمن فوراً مرگیا۔ ہر جگہ چرچا اور شور ہوکر راز کھل گیا۔ مارے شرم کے عورت خاوند وطن چھوڑ کر پریاگ میں جاکر رہائش اختیار کی۔ اور شاغل بعبادت ہوئے۔ چندے بعد دونوں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نے انتقال کیا۔ برکت موت پراگ اور عبادت سے کئی ہزار برس
بہشت میں رہکر پھر انسانی قالب پایا۔ لیکن قتل برہمن سے خاندان
کم رتبہ ملا۔ مرد مبتلا بعارضہ جذام وغیرہ اور عورت مبتلا بعارضہ اسقاط
حمل وغیرہ ہے۔

نولد چرن دوم پوربا بہادر پید نچھتر

۲ مالک شکر۔ شعبدہ باز کار نمایاں کرنیوالا۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں کپلا کا رہنے والا برہمن بید خوان اہل دولت ایماندار تھا۔ زوجہ اوسکی خادم شوہر وصاحب اولاد تھے۔ ایک مرتبہ اوسکی دختر معہ لڑکوں کے اوسکے گھر آئی۔ تب برادران دختر نے اوسکو بڑی خاطر سے رکھا۔ وہ بہت روز بعیش وعشرت وہاں رہی۔ ایک دن اُس دختر کا کچھ سونا برہمن کے پوتے نے چورالیا۔ لیکن دختر نے کچھ غم نہ کیا۔ مگر راز چوری افشا ہوگیا برہمن نے پوتے کو کچھ سزا دی۔ وہ غیرت کے مارے زہر کھاکر مرگیا۔ کچھ زمانہ بعد وہ برہمن بھی فوت ہوا۔ عورت اُسکی اُسکے شامل ستی ہوئی۔ بہت زمانہ ست لوک میں رہے پھر مدہ دیس میں جنم پاکر صاحب دولت۔ ہوشیار دوست امیران ہوا۔ بسزا قتل پوتا جنم گذشتہ کے بے فرزند۔ الا دختران ہوئیں۔ اور دائم المریض اور مبتلا بسنج ہے۔

نولد چرن سوم پوربا بہادر پید نچھتر

۳ مالک بدھ۔ خوش وخورم۔ فرمان بردار والا۔ دھرمی۔ باقی بشرح صدر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پوربا بھادر پد ۳

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں گندھار نگر کا رہنے والا برہمن شراب خور۔ عیاش وچھدر تھا۔ اپنے مذہب کا مخالف اور اہل خاندان کا بدگوئی کرنیوالا۔ مرنیکے بعد بسزا ر بدکرداری ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رکھا گیا۔ اوسکے بعد گرگٹ وغیرہ جانوران کے قالب میں رہا سزا بد اعمالی بھگت کر پھر انسان بنایا گیا۔ گو دولت پائی۔ الا رنج اولاد اور امراض چند انواع میں ماخوذ ہے۔

" ۴

تولد چرن چہارم پوربا بھادر پد نچھتر

مالک منگل۔ ناصاف غصہ ور۔ مریض بیماری دموی۔ باقی شرح حسب

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں بیدن پور کا رہنے والا ایک چڑ بیمار تھا۔ عورت اُس کی بدگو بدکردار تھی ہمیشہ چڑ بیماری سے بسر اوقات کرتا تھا۔ ایسے گناہ کی سزا میں مرنے کے بعد چند ہزار برس دوزخ میں رکھا گیا۔ اوس کے بعد مدت تعداد کیڑا رہا۔ سزا بھگتنے کے بعد پھر قالب انسانی میں رہا۔ گو دولت پائی۔ لیکن اولاد کی زندگی سے محروم ہے۔

اوتر ابھادر پد

تولد اوترا بھادر پد نچھتر

مولود نجی۔ و عاقل و صاحب ہمت۔ صحیح تدبیر و راست تدبیر بہادر دشمنوں سے پر غالب۔ خوشحال۔ الا مریض۔ صاحب اولاد جسم کی داہنی طرف داغ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تولد چرن اوّل اوترا بہادرپد 1

مالک سورج - غصہ ور - سُرخ چشم - باقی لبشرح صدر - 1

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں نانک پور کا رہنے والا ایک لوہیا پیشہ نمک فروش تھا - اوس نے ایک عورت برہمنی کو عورت بنایا - مرنیکے بعد بعرصہ دراز تک دوزخ میں رہا - وہاں سے نکل کر قالب انسانی میں آیا - اوس گناہ سے مبتلا امراض چند انواع ہے -

تولد چرن دوم اوترا بہادرپد

مالک بدھ - دانا نجومی - نیک چلن - باقی بشرح صدر - 2

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں الکا پور کا رہنے والا پرم چند کھتری تھا - اوسکی عورت دیبی نام تھی - مرد ہوشیار و صاحب دولت - کشن داس برہمن اوسکا پروہت بتقریب کار شادی ایک مرتبہ اوسکے گھر پر آیا - اور وہ بیمار ہو کر بلا علاج ابگت مر گیا - اسکے بعد وہ چھتری مر کر پھر مدہ دیس میں آدم جنم میں آیا - لیکن اوس عذاب سے تا حال بانواع امراض مبتلا ہے -

تولد چرن سوم اوترا بہادرپد 3

یہ جیو جنم گذشتہ میں اجودھیا کا رہنے والا ایک برہمن امیر تھا - لیکن خلاف مذہب اور دولت سے مغرور نیک کام اور نیک صحبت سے دور - مخالف سادھو برہمن - عمدہ مکانات میں رہتا تھا - ایک مسافر بالا قیمتی جواہرات پہنے ہوئے اوسکے دکان پر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

آگر شب باش ہوا - رات کو بطمع زر مسافر کو مار ڈالا - اور دولت لیکر اوسکو کنوئیں میں ڈالا - کچھ مدت اوس دولت جواہرات سے زمانہ بعیش عشرت بسر کیا - مرنیکے بعد دوزخ میں رہا - پھر خوک بنایا گیا - اسقدر سزا بھگت کر پھر قالب انسانی میں آیا - لیکن مریض - بدنام - برنج اولاد - مبتلا ہے -

تولد چرن چہارم اوترابھادرپد

اوترابھادرپد | ۴ | مالک منگل - ناصاف عضو ور - مریض بیماری دموی - باقی جنم صد

جنم گذشتہ

پچھلے جنم میں یہ جیو سری نگر میں برہمن تھا اوس کے گھر میں اوسکا مرشد معہ اپنے لڑکوں اور دوست کے آیا - تب برہمن نے خاطرداری سے ایک مہینہ اوسکو اپنے گھر میں رکھا - اور بطمع زر مرشد کے لڑکے کو مار ڈالا - چندے بعد وہ مرگیا - چند ہزار برس دوزخ میں رہا - اوس کے بعد مدہ دیس میں یہ جنم آدم آیا - تمام دولت جاتا رہا - اور خاندان اوسکا برباد ہوگیا -

تولد ریوتی نچھتر

ریوتی | ٠ | خادم والدین - دوستوں سے خوش - کام غیر انجام کرنیوالا خوشحال مضبوط - خوبصورت - دولت کا حریص - خیرات کرنیوالا مشہور و معروف - جنگ میں بہادر - جسم پاک وصاف - دولتمند - رنگ سُرخ - تمام جسم سانچے میں ڈھلا ہوا -

تولد چرن اول ریوتی نچھتر

ر | ۱ | یہ جیو بہ جنم گذشتہ مدہ دیس کا رہنے والا ایک چڑیمار تھا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ریوتی مالک برہسپت ایماندار بانی [illegible]

۱ گوشت پرندوں کا فروخت کرنا اس کا کام تھا اسی سبب ہو کر فوت ہوا بسزا و قتل جانوران اسکو ساٹھ ہزار برس رکبڑا انبار کر رکھا گیا۔ اوس کے بعد آہو سیار۔ گوسفند کے قالب میں رہا۔ پھر آدم جنم میں آیا۔ مبتلا بانواع رنج و عذاب ہے۔

تولد چرن دوم ریوتی

،، ۲ مالک سینچر۔ قمار باز۔ بے ایمان۔ بدمعاش۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

بجنم گذشتہ اس جیو نے جل دان کیا تھا۔ اس وجہ سے صاحب دولت ہوا۔ لیکن تجارت فیل واسپ و نر گاو ان کرتا تھا ایک مرتبہ اس کے گھر میں اسکا مرشد آیا۔ اوس نے مرشد کو خاطر داری سے ایک مہینہ تک اپنے گھر میں رکھا۔ اس کے بعد مرشد نے ہردوار کا سفر اختیار کیا۔ اور اپنی دولت برہمن کو کی سپرد کی اور وہاں مر گیا۔ وہ دولت اوس کے وارثان کو نہ دیگر برہمن نے خود صرف کی اس گناہ سے وہ مرنے کے بعد ساٹھ ہزار برس دوزخ میں رہا۔ پھر شیر ہوا۔ اوس کے بعد کوسپور میں گربہ کا جنم پایا۔ پھر اچھے خاندان میں تولد ہو کر خوبصورت و دانشور خادم معبود۔ لیکن لڑکے لڑکیاں ہو کر زندگی سے بہرہ ور نہ ہوئیں ایسے رنج اور غم میں مبتلا ہے۔

تولد چرن سوم ریوتی

،، ۳ مالک سینچر۔ ظالم۔ کینہ ور۔ سُست۔ باقی بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

یہ جیو جنم گذشتہ میں مانکپور کا رہنے والا ایک نمک فروش تھا۔ اوسکا دوست ایک برہمن صاحب دولت اُس کے گھر آیا۔ تب نمک فروش نے خاطرداری سے اوسکو اپنے گھر رکھا۔ نمک فروش کی عورت اوسکو دیکھ کر خوش ہوئی۔ اور وہ نہائیت خراب تھی جب ایک ماہ برہمن اُس کے گھر میں رہا اور عورت سے ہم طلب ہوا تب اوس عورت نے برہمن کو زہر کھلا دیا۔ اوس کے شوہر نے زہر کا دینا معلوم نہ کیا۔ رات کیوقت عورت نے اوس برہمن کو دریا میں بہا دیا۔ اور دولت اُس کی اپنے صرف میں لائے۔ جب کچھ مدت بعد فوت ہوئے دونوں دوزخ میں داخل کئے گئے۔ ایک مدت تک وہاں رہے۔ اوس کے بعد خوک اور سگ ہو کر پھر جنم انسانی پایا۔ اور چونکہ کسی جنم میں بمقام کورچھیتر بتیرتھ دان دیا تھا اسوجہ سے دولت پائی۔ لیکن قتل برہمن سے بے اولاد اور مریض ہے

تولد چرن چہارم ریوتی

۴۰ مالک بہ بسپت۔ بہادر۔ عالم مذہبی کام کرنیوالا بشرح صدر۔

جنم گذشتہ

یہ جیو جنم گذشتہ میں الارکپور کا رہنے والا چہتری تھا۔ مع عورت شاہانہ بعیش بسر کرتا تھا۔ ایک برہمن خاص اوسکا پروہت تھا۔ چہتری نے کچھ زمین واسطے کاشتکاری کے اسکو دی۔ بفصل کے بعد روپیہ لگان کا چہتری نے برہمن سے طلب کیا۔ تب برہمن نے جواب دیا کہ میں نے جس سے زمین لی ہے کبھی لگان نہیں دیا۔ اور نہ دوں گا۔ تسپر چہتری کو غصہ آیا اوس نے برہمن کو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سخت کلام اور دشنام دہی کی۔ اس رنج سے برہمن نے چوٹ لگاکر
جان دیدی۔ اس کے بعد کچھ عرصہ وہ چھتری بھی مرگیا۔ اس گناہ سے
اسکو چند لاکھ برس دوزخ میں رکھا گیا۔ اس کے بعد جن دیوک کے قالب
میں رہا۔ پھر وہ دیس میں بجسم انسان آیا۔ دولت پائی۔ لیکن عورت
اسکی بانجھ رہی۔

نوٹ

پچھلے ایک ایک جنم کا حال جیسا کہ جوتشیوں نے سنسکرت میں
لکھا ہے۔ اوسکا ترجمہ واسطے آگاہی شائقین تحریر کردیا گیا ہے یہ
امر مصنف کے تجربہ میں نہیں آیا۔

ثمرہ پنجہٗ سر

مہا دیوجی پاربتی جیو سے کہتے ہیں کہ یہ جیو ہر ایک کرم کا پھل بھوگتا ہے
کوئی جنم موجودہ اور کسی کرم کا پھل جنم آئندہ میں اور واسطے ہو گئے پھل
کرموں کے اسکو دوسری جنم میں پیدا کیا جاتا ہے اور واسطے پیدائش اور
پھلا دیش کے ہر ایک پنجہٗ میں چھ پل منقسم ہیں۔ کرم تین پرکار کے ہیں (۱)
انشٹ کرم یعنے بد کرم۔ ناگ لوگ اور بد لوگوں کے واسطے۔
(۲) اِشٹ کرم سُرگ کیواسطے۔
(۳) مشر کرم واسطے مردمان مرت لوک یعنے اِس جہان کے۔
ہر ایک انسان کو فعل بد سے عذاب اور عارضہ حسب فعل قدرتاً
پیش آتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کرم جنم گذشتہ	پھل اوسکا بہ جنم حال
قتل برہمن و دوان یا سادھو۔	عارضہ سخت تپ کہنہ۔ ودق وغیرہ۔
قتل مرشد و اہل خاندان	عارضہ اسقاط حمل و لاولدی۔ بیماری مرد یا عورت متعلق پیدائش اولاد۔
عدم عبادت	پانڈ روگ۔
قتل دختر و جانوران	موت عورت بے موقعہ۔
عداوت برادران	مرض تپ دائمی۔
چوری الات پرستش	ہاتھ بیکار۔ یا بیمار
نظر بدکاری بطرف ہمشیرہ	ہمیشہ مریض اور بے ایمان۔
ضبط دولت غیر۔ دزدی کتب دینی و [illegible]	کور چشم مادر زاد۔
دزدی پارچہ ضبط زمین۔ نگہ غمازی۔	مفلس۔ نادار۔ تنگدست۔ بے وقار۔ بے اعتبار۔ حیران پریشان۔
ہمبستری عورت خاندان۔	بڑا بھاری مریض مبتلا بہ عذاب۔
قتل بچہ مادہ گاؤ و میش	کمپ روگ۔
قتل بیل۔	زنانہ۔ و مریض سخت۔
قتل والدین۔	گشتی۔ و کوڑھی۔ و مریض۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کرم جنم گذشتہ	پھل اوسکا بہ جنم حال
قتل مادہ گاؤ	جذام سفید
صحبت زن بیگانہ	جذام سفید
صحبت دختر ناکتخدا	بے دولت مفلس - مریض -
دزدی گل و اشیاء خوشبو دار	بد بو دہن
دزدی روغن خوشبودار	کوڑھی -
ضبطی چاہ و باولی معہ دزدی ظروف پرستش	بیماری گلو -
ویرانی خانہ ہا ومکس معہ آتش زنی صحرا و	بیماری چشم و بینی و عارضہ کرم پیدا ہو -
دزدی روغن سیاہ	نیلی
دزدی قند سیاہ	قمار باز
خیانت یا دزدی کلاہ و نقرہ	غم واندوہ اولاد
دزدی آہن	پانڈ روگ
دزدی شیر خرات	عارضہ پہلو میں مبتلا رہتا ہی
گمراہی رستہ مسافر و دزدی اسباب	عارضہ باد

کرم جنم گذشتہ	پھل اوسکا بہ جنم حال
گوشت خوری شراب نوشی	چمیار
قتل مور - مرغ - پکھوا -	نامرد و عارضہ بادی
دزدی غلہ	عارضہ دندان
دزدی مال بیکس و دہاوان	عارضہ مرگی
عالم عورات	
بدگوئی خاوند بدگوئی خاوند	فرزند پیدا نہیں ہوتا - ہمیشہ مردہ پیدا ہوتا ہے دختر تولد ہوتی ہے -
ناقص کھانا خاوند	دہن سے بدبو رہتی ہے
قتل خاوند	ہر جنم میں بیمار رہتی ہے -
رسوم خلاف خاوند	ہمیشہ مریض اور مبتلا جاوند بھگندر وغیرہ
بدکلام خاوند سے	بیماری گلو یا بادگولہ با زردی چشم
قتل بچہ	ہر جنم میں بے اولاد و مفلس رہتی ہے -
بدکلام سر سے	بدن پر داغ سفید ہو جاتے ہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

علیٰ ہذا القیاس کرم بہادر اُن کے پھیلاوش اسقدر ہیں۔ کہ وہ تحریر میں لانے ناممکن ہیں۔ اب کرم ونڈ انوسار جس جس چرن نچھتر میں انسان پیدا ہوتا ہے۔ اور ثمرہ ہر ایک جنم گذشتہ اور حال بروئے پستک کرم بپاک دکھلایا جاتا ہے۔ تمام جنم گذشتہ کا درج کرنا امر محال ہے۔

جنم سمبندہ

دُنیا میں لڑکے کئی طرح کے ہوتے ہیں جنم گذشتہ کے پھل سے۔

(۱) رِن سمبندہ ہے والدین سدا پیار ہوتے ہیں اور اُن کی خدمت اچھی طرح کرتا ہے۔ اور جب تک جیتے ہیں۔ تب تک اُن کی مرضی میں رہتا ہے۔ وفات کے بعد بغیر ادا رسم ممات والد کے طعام وغیرہ نہیں کھاتا ہے۔

(۲) دشمن سمبندہ ہے۔ کہ لڑکا ماں باپ سے لڑائی کرتا ہے اور خلاف مرضی ماں باپ کام کرتا ہے۔

(۳) اِدن سمبندہ ہے۔ جسکا جنم سابق میں قرض لیکر نہیں دیا۔ وہ بھی اِس جنم میں لڑکا ہوکر اور والدین کی دولت جبراً لیکر قماربازی۔ زناکاری شرابخواری میں برباد کرتا ہے۔ جب دولت صرف ہو جاتی ہے تو وفات پاکر والدین کو ہر رنج بتلا رکھ کر داغ ہجرت دیکر چلا جاتا ہے

(۴) متر سمبندہ ہے۔ وہ باپ کی دولت اور نام وعزت کو بڑھاتا ہے اہل خاندان سے محبت والفت بڑھا کر اونکو آرام دیتا ہے۔

(۵) اُدی سمبندہ ہے وہ بھی کرم ادھ کام ودستانہ کرتا ہے۔

اوپاؤ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شہادت رکھیشروں سے یہ امر ثابت ہوچکا ہے۔ کہ ہرایک گناہ
کی ایشور نے جداگانہ سزا مقرر کردی ہے۔ جو انسانی یا دیگر ذی روح
اسوقت مبتلا بہ عوارض سخت و عذاب ہیں۔ یہ انکو اپنی بداعمالی کی
سزا ہے۔ اب ہرایک انسان موجودہ عذاب سے معلوم کرسکتا ہے
کہ جنم گذشتہ میں اوس نے کیا خطا کیا تھا۔ چونکہ ایشور کو ہر وقت
معافی گناہ وغیرہ کے اختیارات حاصل ہیں۔ اس لئے اگر اُس گناہ
کی معافی بذریعہ خیرات مساکین اور پرستش و عبادت انسان چاہے
تو ایشور عوارض اور عذاب سے نجات بخش دیتے ہیں۔ اسواسطے نجات
عذاب و عوارض کے لئے خیرات مساکین اور پرستش لازم ہے۔

یوگ منحوس

اگر بچہ بروز۔ آشت۔ منگل۔ سنیچر۔ تولد ہو۔ اور بھرنی یا کرتکا۔ یا اشلیکھا
یا بشاکھا نچھتر ہو۔ اور نہمی یا اشٹمی تتھ ہو۔ ایسے یوگ ہیں اگر لڑکی پیدا
ہو تو اوسکا مرجانا بہتر ہے۔ کیونکہ اگر وہ زندہ رہیگی تو تمام گھر کا ناس
کریگی۔ کیونکہ یہ دن اور نچھتر اور تتھ سخت منحوس ہیں اور ہرسہ منحوس
اس مولود میں جمع ہوجاتے ہیں۔ اگر لڑکا تولد ہوگا تو وہ بھی خاندان
تباہ کرے گا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز چہارم

(۱) ونشوتری دشا کے پانچ منازل پاراشر رشی نے مقرر فرمائے ہیں جنکا ذکر پہلے راز اول میں بھی تحریر کیا گیا ہے۔

اول:- مہادشا۔ زمانہ دور حکومت گرہ اول کا ہے۔

دوم - انتر دشا۔ جس گرہ کی مہادشا ہو اُس کے اندر تمام گرہ اپنے اپنے زمانہ دور حکومت میں اپنا اپنا اثر دیتے ہیں۔

سوم - پرنتر دشا۔ انتر دشا والی گرہ کے زمانہ دور حکومت میں پھر ہر ایک گرہ اپنا اپنا اثر ظاہر کرتی ہے۔

چہارم - سوکھشم دشا۔ پرنتر دشا والی گرہ کے زمانہ دور حکومت میں تمام گرہ اثر اپنا دکھلاتی ہیں۔

پنجم - پران دشا۔ سوکھشم دشا والی گرہ کے زمانہ دور حکومت میں ہر ایک گرہ اپنا اپنا اثر دیتا ہے۔

(۲) زمانہ دور ہر ایک گرہ کی میعاد مقرر ہے۔ اور تمام نو گرہوں کو تین تین نچھتروں سے منسوب کیا گیا ہے۔ اپنے اپنے نچھتروں میں ہر ایک گرہ زمانہ دور حکومت اپنا اپنا ختم کر لیتا ہے۔ بغرض انکشاف ہر ایک امر کے نقشہ ذیل مرتب کیا گیا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نقشہ منسوبات ہر ایک گرہ

نام گرہ	سورج	چندرما	منگل	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیتو	شکر
میعاد سال	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶	۱۹	۱۷	۷	۲۰
نچھتر	کرتکا	روہنی	مرگشرا	اردرا	پنربس	پکھ	اشلیکھا	مگھا	پوربا پھالگنی
	اوترا پھالگنی	ہست	چترا	سواتی	بشاکھا	انرادھا	جیشٹھا	مولا	پوربا کھاڈھ
	اوترا کھاڈھ	شرون	دھنشٹا	ستبکھا	[illegible]	پوربا بھادرپد اوترا بھادرپد	ریوتی	اشنی	بھرنی

کل اٹھائیس نچھتر ہیں۔ مگر ایک نچھتر ابھجت اِس میں نہیں لیا جاتا اور وشا کے لئے کرتکا نچھتر سے شمار شروع ہوتا ہے۔

۳۔ جس نچھتر میں مولود تولد ہو۔ وہ نچھتر جس گرہ سے منسوب ہے اوس وقت اوس گرہ کی وشا کا دور حکومت جاری ہے۔

لیکن اُس سے پیشتر صحت اِس امر کی ضروری تھی کہ اُس نچھتر کی گھڑی پل کسقدر ہیں اور منجملہ اُن کے لگن تولد تک کسقدر گذر چکی ہیں اور کسقدر باقی باقی ہیں

چونکہ جنتریوں میں اکثر تفاوت ہوا کرتا ہے۔ اور ایک گھڑی کی تفاوت سے پہلا ویش وشا میں تین ماہ کا فرق آجاتا ہے۔ اس فرق سے پہلا ویش مطابق نہیں آتے ہیں اور معتقدان کو پریشان کرتا ہے اور اس علم سے متنفر کرتے ہیں اسلئے ضروری ہے کہ استخراج یعنے ہشٹ نچھتر یعنے قواعد گرہ۔ لاگھو پتک سنسکرت کیا جاتا ہے۔ اِس حساب سے جسقدر کل تعداد گھڑی پل اور گذشتہ اور باقی ماندہ نچھتر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مذکور کی قائم ہووے اُس پر حساب شروع کیا جاوے۔

۴ قاعدہ۔ پنچھتر تولد جتنی گھڑی پل کا ہے اوسکی گھڑیوں کو ۶۰ سے ضرب دیکر حاصل ضرب میں پلوں کو جمع کر کر علیحدہ لکھہ لیوے۔ اب منجملہ پنچھتر تولد کے جسقدر گھڑی پل گذر چکی ہیں۔ اون گھڑیونکو ۶۰ سے ضرب دیکر پلوں کو اُسمیں جمع کر دیوے۔ حاصل ضرب کُل پل ہونگے۔ اونکو میعاد گرہ مالک دشا سے ضرب دیوے۔ اور حاصل ضرب کو تعداد پلوں کُل پنچھتر پر تقسیم کرے۔ تعداد پلوں کی نقرہ اوّل میں متذکرہ صدر میں علیحدہ لکھی گئی ہے۔ جسقدر خارج قسمت حاصل ہوں اوسقدر دشا کے گذشتہ سال تصور کیجاویں۔ پھر باقی کو ۱۲ سے ضرب دیوے اور تعداد پل کُل کو پنچھتر پر تقسیم کرے خارج قسمت گذشتہ ماہ ہونگے۔

پھر باقی کو ۳۰ سے ضرب دیکر حاصل ضرب کو اوسی تعداد پل ہاء کل کو پنچھتر پر تقسیم کریں۔ خارج قسمت گذشتہ دن ہو وینگے۔

پھر باقی کو ۶۰ سے ضرب دیکر حاصل ضرب کو اوسی تعداد پل ہاء کل پنچھتر پر تقسیم کرے۔ خارج قسمت گذشتہ گھڑی ہونگی۔

جسقدر سال۔ ماہ۔ دن۔ گھڑی۔ رات دن ہوں اونکو دشا گرہ مالک دشا سے منہا کر کر باقیماندہ میعاد کو نقشہ میں تحت نام گرہ مذکور درج کریں۔ وہ میعاد دشا گرہ مذکور باقی ہے۔ اوس سے آئندہ ہر ایک گرہ کی دشا آویگی۔ اوسکو مسلسل نقشہ میں درج کرلیا جاوے۔ تاریخ تولد سے اُسکا شمار شروع ہوگا۔ اور اسکی اندراج تاریخ کے تحت میں دشا خانجات ایزاد کیجاویں گے۔ جسقدر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

میادشا گذشتہ گھڑیوں کی بابت منہا کی جاویگی۔ اسیقدر اُسکا انتر اور پرانتر اور سوکھشم و پران دشا کو منہا کیا جاوے گا۔

۵- دوسرا قاعدہ۔ استخراج دشا کا اس طرح پر ہے۔ کہ جب نچھتر تولد کی ۶۰ گھڑی پوری ہوں۔ تو چونکہ چاند کے ایک نچھتر میں ۱۳- انس ۲۰ کلا گذرتی ہیں اسلئے کل ۸۰۰ کلاین جاتی ہیں۔ (۸۰۰) پر بار بار تقسیم کرنے سے میعاد دشا گذشتہ نکل آتی ہے۔
لیکن اگر تعداد گھڑی ہا نچھتر تولد ۶۰ گھڑیوں سے کم و بیش ہووے تو پھر اس قاعدہ سے صحیح تعداد حاصل نہیں ہوتی ہے۔
اگر نچھتر تعداد ۶۰ گھڑی کا ہے تو چاند کی راس۔ انس۔ کلا کو تمام کلا بنا دیوے۔ اور (۸۰۰) پر تقسیم کرے۔ جو خارج قسمت ہے۔ معلوم کرے کہ اسیقدر نچھتر۔ اشنی نچھتر سے لیکر گذر چکے ہیں۔ اب اوس سے اگلا نچھتر۔ تولد نچھتر ہوگا۔
اوسکے گھڑی پل بنانیکی ترکیب یہ ہے۔ کہ (۸۰۰) کی تقسیم سے جو باقی رہگیا۔ اوس سے نچھتر پیدایش کی گذشتہ گھڑی پل معلوم ہونگی۔ اسکو (جات) گھڑی کہتے ہیں۔ اور اسی باقی کو (۸۰۰) میں منہا کردیوے جو باقی بچے وہی نچھتر پیدایش کی باقی ماندہ گھڑی و پل ہونگی۔ اسکو (بھوگیہ) گھڑی کہتے ہیں پہلے (۸۰۰) کی تقسیم سے جو باقی رہا ہے اوسکو دو مرتبہ (۶۰) سے ضرب دیکر علیحدہ رکھے۔ یہ عدد (۱۱۵) ہوگا۔ یعنے اسی کو بار بار تقسیم کرینگے۔ اور چندرمال کو بکلا روپ کر کر اوسکے کلا کو ۶۰ سے ضرب دیکر اور بکلا جوڑکے علیحدہ رکھے۔ یہ بھاجک ہوگا۔ یعنے اسی سے تقسیم کریں گے۔ پس سے تقسیم کرینگے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اوّل خارج قسمت بچھتر تولد کی گذشتہ گھڑی ہونگی - اور پھر باقی کو
(۶۰) سے ضرب دیوے اور بہاجک سے تقسیم کرے - وے پل ہونگے -
اس طریقہ سے گذشتہ گھڑی و پل معلوم کرے - اب الکھہ گھڑی کو
بھی دو مرتبہ (۶۰) سے ضرب دیا - اور اُسی بہاجک یعنے چاند کی رفتار
سے تقسیم کیا - اوّل خارج قسمت بچھتر تولد کی باقی گھڑی ہو ویں گی -
اور پھر باقی کو ۶۰ سے ضرب دیگر بہاجک سے تقسیم کرے - سو پل ہونگے
دونوں کو یعنے جات گذشتہ اور باقیماندہ گھڑی پل کو آپسمیں جمع کر
دیوے تو بچھتر تولد کی تمام کی گھڑی و پل ہو جاویں گی - بعدہ نقاعدہ
اوّل دشا بنایا جاوے -

۲ - دوسرا طریقہ دشا معلوم کرنیکا یہ ہے -
کرتکا بچھتر سے جنم بچھتر تک شمار کرے - جسقدر بچھتر ہوں اونکو نو پر تقسیم
کرے - اگر ایک باقی بچے تو سورج کی دشا -

اگر دو باقی بچیں تو چاند کی دشا -
اگر تین باقی نکلیں تو منگل کی دشا -
اگر چار باقی بچیں تو راہو - کی دشا
اگر چھ باقی بچیں تو سنیچر کی دشا -
اگر سات باقی بچیں تو بدھ کی دشا -
اگر آٹھ باقی بچیں تو کیت کی دشا -
اگر نو پورے ہوں تو دشا شکر ہوویگی -

مثلاً - مولود اوترا پھالگنی بچھتر میں تولد ہوا جب قاعدہ متذکرہ صدر
کرتکا سے اوترا پھالگنی بچھتر تک شمار کیا تو دس بچھتر برآمد ہوئے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶ سے تقسیم کیا تو ایک باقی نکلا۔ معلوم ہوا۔ کہ جنم دشا سورج کی ہے جسکی میعاد چھ سال ہے۔

۷ - اب دریافت طلب یہ امر ہے۔ کہ منجملہ میعاد چھ سال کے کس قدر باقی ہے۔ اشٹ جنم تک۔

پہلی اوترا پھاگنی نچھتر کی کل تعداد کو چند جنتریوں سے دیکھا۔ تاکہ زمانہ نچھتر صحیح بہم پہنچ جاوے۔ گو تعداد مندرجہ جنتریوں میں اختلاف ہے تاہم کثرت رائے سے اوس روز اوترا پھاگنی نچھتر ۶۲ گھڑی پایا گیا۔ منجملہ اون کے ۱۵ گھڑی ۳۰ پل گذر چکا ہے۔ اور ۴۶ گھڑی ۳۰ پل ہنوز باقی ہیں۔

اسلئے ۱۵ گھڑی ۳۰ پل گذشتہ کو ۶ سال میعاد مہادشا سورج سے ضرب دیا تو بدیں صورت ۱۵ ½ = ۳۱/۲ × ۶ = ۱۸۶/۲ = ۹۳ نکلا۔ ۹۳ کو ۶۲ گھڑی نچھتر سے تقسیم کیا۔ تو ایک سال نکلا۔ پھر باقی ۳۱ کو بارہ سے ضرب دیکر حاصل ضرب کو ۶۲ سے تقسیم کیا تو ۶ خارج قسمت نکلا۔ تو یہ چھ ماہ ہوئے۔

باقی کچھ نہ رہا۔ اُس سے یہ نتیجہ نکلا کہ منجملہ چھ سال میعاد مہادشا سورج کے ایک سال چھ ماہ گذر چکا ہے۔ اور چار سال چھ ماہ باقی ہیں۔ اِس کے گذرنے کے بعد مہادشا چاند آویگی۔

اب ایک نقشہ بنا کر اوسمیں اوّل تحت سورج چار سال چھ ماہ درج کیئے گئے۔ اوسکے بعد ہر ایک گرہ کی تعداد مہادشا تحریر کی گئی ہے۔ اور تاریخ آغاز اشٹ جنم یعنی وقت تولد سے بلحاظ سال۔ ماہ۔ دن۔ گھڑی۔ درج کی

۸۔ ایک گھر کا مالک اپنی دشا میں بلحاظ خانہ کنڈلی ثمرہ حسب ذیل دیتا ہے۔

مالک خانہ ۱۔ کی دشا میں پراپتی زر و دولت۔

مالک خانہ ۲۔ کی دشا میں نشانہ موت۔

مالک خانہ ۳۔ کی دشا میں رنج۔ اندیشہ۔ تفکرات۔

مالک خانہ ۴ کی دشا میں پراپتی سُکھ۔ زمین۔ مکان وغیرہ۔

مالک خانہ ۵ کی دشا میں علم۔ ہنر۔ اولاد۔

مالک خانہ ۶۔ کی دشا میں بیماری۔ چوٹ۔ رنج مخالفان۔ زہر

مالک خانہ ۷۔ کی دشا میں۔ غم۔ الم۔ پریشانی۔ مقابلہ دشمناں۔

مالک خانہ ۸۔ کی دشا میں۔ موت۔ حادثہ۔ ناگہانی وغیرہ۔

مالک خانہ ۹ کی دشا میں دھرم کرم۔ تیرتھ بنانا دھرم استھان

مالک خانہ ۱۰ کی دشا میں روزگار۔ اور راجہ یا سے فائدہ۔

مالک خانہ ۱۱ کی دشا میں آمدنی۔ فائدہ۔

مالک خانہ ۱۲ کی دشا میں سفر۔ خرچ بیجا فائدہ۔ نقصان دولت بیماری

نوٹ۔ ایسے پھلادیش گرہ اوسی حالتیں دیتے ہیں کہ جب وہ اکیلے ہوں ہوں۔ لیکن جب دیگر گرہوں سے سنبندہ ہو تو پھلادیش سنبندہ کا کرتی ہیں۔

۹۔ پھلادیش ہر ایک گرہ پہلے درج کر دیا گیا ہے۔ نیز اسکو ہر ایک گرہ کی دشا میں آئندہ بیان کرونگا۔ مگر اس موقعہ پر بنظر مزید احتیاط کچھ اصول مہادشا تحریر کئے جاتی ہیں۔

مہادشا

جس گھر کا مالک بلوان ہو کر اپنے گھر یا اپنے راج استھان میں آکر ترکون خانہ ۵-۹ میں ہو- اور شبھ گرہوں کے کھٹ ورگ میں ہوں- تو وہ اپنی دشا میں شبھ پھل پورن دیتا ہے- اگر نیچ استھان یا شترو کے گھر میں ہو- تو ثمرہ ناقص اپنی دشا میں ظاہر کرتا ہے- پانچویں گھر کے مالک کے ساتھ نانویں گھر کا مالک ہو- تو اوسکی دشا میں راج اور اقبال حاصل ہوتا ہے-

اگر دسویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو- تو اسکی دشا ہر طرح سے نیک کام انجام پذیر ہوتے ہیں-

اگر چھٹے گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو تو اوسکی دشا میں آرام و اقبال حاصل ہوتا ہے- اگر دسویں گھر کا مالک چوتھے گھر میں ہو تو اُسکی دشا میں بڑا مرتبہ حاصل ہوتا ہے- جس گھر میں جو گرہ ہے اگر اُس گھر کا مالک نیچ استھان ہو کر ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو وہ گرہ خواہ شبھ پھل دینے والا ہو تو بھی اپنی دشا میں اشبھ پھل دیوے گا-

علیٰ ہذا القیاس اگر کوئی گرہ خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو اور اسکا مالک اپنے گھر یا اوچ استھان پر بلوان ہو کر کیندروں یا گیارہویں گھر میں ہو- تو وہ بھی اپنی دشا میں شبھ پھل دیویگا کیونکہ جو گرہ جس گھر میں جاتا ہے وہ اُسکی طاقت اور امداد کے مطابق پھل دیتا ہے-

اگر دسویں گھر کا مالک پانچویں گھر میں ہو تو اُسکی دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خوشی اور فائدہ حاصل ہوتا ہے۔ اگر خانہ ۶-۷-۸ کا مالک خانہ پانچویں ہو تو اوسکی دشا میں مال و دولت حاصل ہوتا ہے۔

اگر مالک خانہ ۹-۱۰ کا دسویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو۔ تو اپنی دشا میں پھل دیتے ہیں۔

اگر چوتھے گھر کا مالک دسویں گھر میں ہو اور دسویں گھر کا مالک چوتھی گھر میں ہو تو اونکی دشا میں شبھ پھل پراپت ہوتا ہے۔

اگر مالکان خانہ ۴-۵-۹-۱۰- ملکر کسی ایک گھر میں ہوں تو انکی دشا میں اچھا پھل ملتا ہے۔ اگر شبھ گھر میں سنبندھ ہو تو راج پراپت ہوتا ہے۔

جس گرہ سے بارہویں گھر میں پاپی گرہ ہو اوسکی دشا میں نقصان ہوتا ہے۔ جس گرہ سے پانچویں نانویں گھر میں پاپی گرہ ہو اُسکی دشا میں رنج اولاد پیش آتا ہے۔ اور بیماری دامنگیر ہوتی ہے۔

جس گرہ سے پانچویں نانویں گھر میں مالک خانہ ۸-۱۲- یا سورج چاند سنیچر ہوں۔ تو اسکی دشا میں غم اولاد۔ تباہی زر دولت۔ جلاوطنی و حادثہ ناگہانی پیش آتا ہے۔

جس گرہ سے ۶-۸ گھر میں پاپی گرہ نیچ ہو کر مقیم ہو تو اُسکی دشا میں خواری تکلیف عتاب حکام و بیماری و حملہ مخالفان پیش آتا ہے۔

جس گرہ سے چوتھے گھر میں پاپی گرہ ہو۔ تو اُسکی دشا میں نقصان مکان۔ اور موت چوپایہ مویشی۔ خلل آرام۔

اگر اوس چوتھے گھر میں منگل ہو تو اُسکی دشا میں خوف آگ و دنگہ فساد وغیرہ اگر اُس چوتھے گھر میں سنیچر ہو تو اوسکی دشا میں بیماری

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

[حاکم]
اور درد چھاتی۔
اگر اُس چوتھے گھر میں سورج ہو تو اُس کی دشا میں وقت سے عتاب اور ناراضگی ہو۔ اگر اُس چوتھے گھر میں راہو ہو تو بربادی اُسکی دشا میں مال اسباب پیش آوے۔ اور چور زہر سے نقصان پہونچے۔

جس گرہ سے دسویں گھر میں راہو ہو تو اوسکی دشا میں سفر با فائدہ پیش آتا ہے۔ جس گھرہ سے چوتھے گھر میں کوئی گرہ اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو تو اُسکی دشا میں سواری اور بلندی مرتبہ اور افزونی مویشی کی ہو۔

جس گرہ سے چوتھے گھر میں چاند ہو تو افزونی غلہ اور بھاری چیزیں جس گرہ سے چوتھے گھر میں شکر ہو تو اُسکی دشا میں راگ رنگ عیش جس گرہ سے چوتھے گھر میں برہسپت ہو تو سواری اعلےٰ درجہ نصیب ہو۔

جو گرہ خانہ ۶-۸-۱۲ انیچ استھان یا دشمن کے گھر میں یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اُسکی دشا میں بیماری اور حادثہ مرگ ناگہانی اور دنگہ وفساد پیش آتے ہیں۔ جو گرہ اشٹک برگ میں کمزور ہے وہ اپنی دشا میں کمزور پھل دیتا ہے۔

(انتر دشا)

۱۰ اب چند ضروری اصول متعلق انتر دشا درج کئے جاتے ہیں۔
جنم لگن اپنے دوادانسہ میں ہو یا لگنیش (مالک جنم لگن) اپنے دریشٹ نانشہ میں ہو تو لگنیش کی دشا میں نیک ثمرہ ظہور پذیر ہوتا ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جو گرہ اپنے ترنشانش (حد) میں یا منر کے ترنشانش میں ہو- اوسکی دشامیں ثمرہ نیک ظہور میں آتا ہے-

جو گرہ دوست کے گھر اور نوانشہ اور دوانشہ میں ہو تو اوسکی دشامیں ثمرہ نیک ہوتا ہے- پانچویں گھر کے نوانہ اور دوادانشہ میں جو گرہ ہو اور جو دوست کے دریشکانڈ میں ہو- اوسکی دشامیں نیک ثمرہ نصیب ہوتا ہے-

ناویں گھر کے نوانہ میں اور دوادانشہ میں جو گرہ ہے- اور جو ہفت دریشکانڈ میں ہے اوسکی دشامیں ثمرہ نیک ملتا ہے-

چوتھے گھر کی نوانہ اور دوادانہ میں جو گرہ ہے یا چوتھے گھر کے دریشکانڈ میں ہے تو اسکی دشا شبھ پہل دیوگی-

مالک خانہ ۶- ۸- ۱۲ کی دشامیں تکلیف اور رنج پیش آتے ہیں اگر لگنیش مارکیش گرہ (مالک خانہ ۲- ۷) اور مالک خانہ چھ کے ساتھ ہو تو لگنیش کی دشامیں بیماری آوے-

لگنیش چھٹے گھر کے مالک کے ساتھ ہو- اور چاند کے کہٹ برگ میں ہو- تو لگنیش کی دشامیں بد ہضمی اور پانی میں غرق ہونیکا اندیشہ ہوتا ہے-

لگنیش چھٹے گھر کے مالک کے ساتھ بدھ کے کہٹ برگ میں ہو تو اوسکی بیماری سودائی رنج وغیرہ سے تکلیف ہوتی ہے-

لگنیش چاند ہو کر شکر کے کہٹ برگ میں ہو تو عورت کے جماع سے بیماری ہوجاتی ہے- اگر لگنیش چھٹے گھر کے مالک کے ساتھ ہو کر سنیچر کے کہٹ برگ میں ہو- تو لگنیش کی دشامیں بیماری

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سوداوہی اور سرام پیش آتی ہے۔

۱۱ انتر دشا نکالنے کا قاعدہ۔

جس گرہ کی انتر دشا نکالنی ہو اوسکی تعداد سال کو مہادشا والے گرہ کی تعداد سال سے گرہ ضرب دیا جاوے اور حاصل ضرب کو (۱۲۰) پر تقسیم کیا جاوے۔ خارج قسمت سال ہونگے۔
باقی قسمت کو (۱۲) سے ضرب دیکر حاصل ضرب کو (۱۲۰) پر تقسیم کرے خارج قسمت ماہ ہونگے۔ پھر اوسکے باقی قسمت کو (۳۰) سے ضرب دیوے حاصل ضرب کو (۱۲۰) پر تقسیم کرے، خارج قسمت دن ہونگے۔

مثلاً۔ سورج کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا نکالنی ہے۔ تو سورج تعداد ۶ سال کو ۶ دفعہ ضرب دیا گیا تو حاصل ضرب ۳۶ ہوئے۔ چونکہ (۳۶) عدد (۱۲۰) پر تقسیم نہیں ہو سکتے ہیں۔ اسلئے ان کو (۱۲) ماہ سے ضرب دیا تو حاصل ضرب (۴۳۲) آئے ان کو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو (۳) خارج قسمت آئے۔ یہ خارج قسمت تین ماہ ہوئے باقی (۷۲) بچے۔ انکو (۳۰) دن سے ضرب دیا۔ تو حاصل ضرب (۲۱۶۰) آئے انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت (۱۸) آئے یہ دن ہوئے۔ گویا سورج میں سورج کی انتر دشا (۳) ماہ ۱۸ دن پائے گئے۔

علیٰ ہذا اب سورج کی دشا میں چاند کی انتر دشا دیکھنی ہے تو چاند کی مہادشا (۱۰) سال ہوئے اسکو سورج کے (۶) سال سے ضرب دیا تو حاصل ضرب (۶۰) آئے (یہ سال ہوئے۔ مگر (۱۲۰) پر تقسیم نہیں ہو سکتی ہیں۔ اسلئے اسکو (۱۲) سے ضرب دیا (۷۲۰) ماہ ہوئے۔ انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت ۶ ماہ ہوئے۔ اس سے یہ نتیجہ نکلا کہ سورج

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا دن ماہ ہے ہمچنیں قاعدہ سے
ہر ایک گرہ کی انتر دشا نکال کر ہر ایک گرہ کی دشا میں درج کر دی
گئی ہے تاکہ عاملان نجوم کو تکلیف پیش نہ آوے۔

پرانتر دشا

۱۲ - پرانتر دشا کے چند اصول قابل غور ہیں۔

لگنیش اور آٹھویں گھر کا مالک ایک گھر میں ہوں۔ اور مارکیش
بھی ساتھ ہو اور یا انکو دیکھتا ہو۔ اور چھویں گھر کے مالک کے نوانشہ
میں ہوں تو پرانتر دشا میں بیماری۔ خوف۔ ہتھیار۔ موت۔
اگر اسی یوگ میں شبھ گرہ ساتھ یا دیکھتا ہو تو پریشانی اور بیقراری ہوگی
اندیشہ موت نہیں ہے۔
اگر ان کے ساتھ پاپی گرہ ہو تو نشانہ موت ہو۔
لگنیش اور چھویں گھر کا مالک برہسپت کے نوانشہ یا کھٹ برگ میں
ہوں تو ان کی پرانتر دشا میں بیماریاں ہوں۔
جس نوانشہ میں لگنیش ہو اسکا مالک آٹھویں گھر کے مالک یا
مالک نوانشہ آٹھویں گھر کے ساتھ ہو اور میکھ راشی کے کھٹ برگ
میں ہو تو سیارے سے نشانہ موت ہو۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو بچھو سے خوف
اگر وہ دونوں متھن راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو بندروں
سے خوف۔
اگر وہ دونوں کرک راشی کے کھٹ میں ہوں۔ تو اندیشہ جانوران
آبی سے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر وہ دونوں سنگھ راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو درندہ جانوران چیتا
یا شیر سے اندیشہ ہو۔
اگر وہ دونوں کنیا کے کھٹ برگ میں ہوں۔ تو بچہ اور عورت سے
اگر وہ دونوں تلا راسی کے کھٹ برگ میں ہوں تو ہاتھی سے اندیشہ ہو
اگر وہ دونوں برچھک راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو ہاتھی سے
اندیشہ ہو۔
اگر وہ دونوں دھن راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو گھوڑے اور
برہمہ وغیرہ سے اندیشہ ہو۔
اگر وہ دونوں مکر راشی کے کھٹ برگ میں ہوں تو شتر وغیرہ سے
اندیشہ ہو۔
اگر وہ دونوں کنبھ راشی کے کھٹ برگ میں ہوں۔ تو لنگور سے اندیشہ ہو
اگر وہ دونوں مین راشی کے کھٹ برگ میں ہوں۔ تو گہڑیال اور
گلہری سے اندیشہ ہو۔

فاعدہ بھسانتر دشا بنانیکا قاعدہ یہ ہے۔ ۱۳

جس گرہ کی پرانتر دشا نکالنی منظور ہو۔ اوسکی تعداد انتر دشا کو تعداد
سال مہادشا سے ضرب دیا جاوے۔ حاصل ضرب سال ہونگے
چونکہ پرانتر دشا میں نہیں آسکتے ہیں۔ اسلئے حاصل ضرب کو (۱۲)
سے ضرب دیا جاوے۔ حاصل ضرب ماہ ہونگے اوسکو (۱۲۰) تقسیم
کیا جاوے۔ خارج قسمت ماہ اور باقی قسمت دن ہونگے۔ پھر باقی
قسمت کو (۶۰) سے ضرب کرکر حاصل ضرب کو (۱۲۰) تقسیم کیا جاوے
خارج قسمت گھڑی ہونگی۔

مثلاً۔ سورج کی انتر دشا میں اوسکا پرانتر نکالنا ہے میعاد انتر دشا سورج ۳ ماہ ۱۸ دن کو اوّل کل دن ۱۰۸ بناکر تعداد ۶ سال میعاد دشا سورج سے ضرب دیا تو حاصل ضرب (۶۴۸) آئے انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت ۵ گھڑی آئیں اور (۴۸) باقی کو (۶۰) سے ضرب دیا۔ تو (۲۸۸۰) آئے انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت (۲۴) آئے یہہ گھڑیاں ہوئیں گویا سورج کی انتر دشا میں اوسکا پرانتر (۵) دن (۲۴) گھڑی نکلا۔

علیٰ ہذا سورج میں چاند کی انتر دشا نکالنی ہے۔ انتر دشا سورج کو تعداد سال چاند مہادشا (۱۰) سے ضرب دیا تو (۱۰۸۰) ہوئے۔ انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت (۹) آئے۔ گو سورج کی انتر دشا میں چاند کا پرانتر ۹ دن نکلا۔ ازیں قسم ہر ایک گرہ کا پرانتر نکالکر ہر ایک گرہ نے تخت میں دکھلایا گیا ہے۔

(سوکھشم دشا)

۱۴۔ مختصر اصول سوکھشم دشا۔

لگنیش و مالک آٹھویں گھر کا دونوں برکھ راس میں برکھ کے نوانس اور کمبٹ برگ میں ہوں۔ تو بذریعہ بیل موت ہو۔

اگر وہ دونوں برکھ راشی میں متھن راشی کے نوانس کے ہوں۔ تو بریچھ سے موت ہو۔

اگر وہ دونوں برکھ راشی میں کرک کے نوانس کے ہوں تو پانی میں مگرمچھ سے موت ہو۔

اگر وہ دونوں برکھ راشی میں سنگھ کے نوانسہ میں ہوں تو
چیتیا یا شیر سے موت ہو۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں کنیا کے نوانسہ کے ہوں تو
شیر سے موت ہو۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں تلا کے نوانسہ میں ہوں تو
موجب ترقی فکر وغم دولت ہو۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں برچھک کے نوانسہ کے ہوں
تو موجب فکر اندیشہ خرچ۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں دھن کے نوانسہ کے ہوں تو
گھوڑا سے موت ہو۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں مکر کے نوانسہ کے ہوں تو
موجب موت جاسوس ہے۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں کنبھ کے نوانسہ میں ہوں
تو اندیشہ موت جانوران دندار۔
اگر وہ دونوں برکھ راشی میں نوانسہ میں کے ہوں تو
خوف موت مینڈھا وغیرہ سے ہو۔

۱۵ - قاعدہ سوکھشم دشا بنانے کا۔ اول سب
پرانتر دشا کے جسقدر ماہ۔ دن۔ گھڑی ہوں سوکھشم دشا کافی
کو گھڑیاں بنا لیا جاوے۔ پھر جس گرہ کی سوکھشم دشا بنانی
منظور ہو اوسکی تعداد سال مہادشا سے ضرب دیا جاوے
پھر اوس حاصل ضرب کو (۱۲۰) سے تقسیم کیا جاوے حاصل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

قسمت پل ہو دینگے۔
مثلاً۔ سورج کے پرانتر میں اوسکا سوکھشم نکالنا ہے اور سورج کا پرانتر ۵ دن ۲۴ گھڑی ہے۔ اوّل ۵ دن کو ۶۰ سے ضرب دیا تو ۳۲۴ حاصل ہوئے۔ انکو ۶ تعداد وسال مہادشا سورج سے ضرب دیا تو ۱۹۴۴ حاصل آئے۔ انکو ۱۲۰ پر تقسیم کیا تو (۱۶) خارج قسمت اور ۲۴ باقی نکلے۔ یہ ۱۶ خارج قسمت گھڑیاں آئیں۔ باقی ۲۴ کو ۶۰ سے ضرب دیا تو حاصل ضرب (۱۴۴۰) ہوئے انکو (۱۲۰) پر تقسیم کیا تو خارج قسمت ۱۲ ہوئے۔ گویا سورج کے پرانتر میں سورج کی سوکھشم وشا ۱۶ گھڑی ۱۲ پل پائی گئی۔
ہمچنیں قاعدہ پر عمل کرنے سے ہر ایک گرہ کی سوکھشم وشا نکالیجاوے چنانچہ ہر ایک گرہ کی سوکھشم وشا نکال کر ہر ایک گرہ کے تحت میں درج کیجاوے۔ باقی آٹھ گرہوں کی ہر ایک صاحب عمل خود نکال لیوے گا۔

پران وشا

۱۵ پران وشا کے نتائج۔
تحقیق ہمراہ مالک آٹھویں گیرہ ہو کر سنگھ راشی سے بہے نوانش میں ہو۔ تو اُن کی پران وشا میں فیاضی طبیعت اور موت سانپ سے ہو۔
اگر وہ سنگھ راسی کنیا کے نوانش میں ہوں۔ تو بیماری بلغمی اور بخار لرزہ سے موت۔
اگر وہ سنگھ راسی تلا کے نوانش میں ہوں تو موت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر وہ سنگھہ راشی برچیگ کے نوانسہ میں ہوں تو موجب
موت سانپ ودیگر زہریلہ جانوران ہو۔
اگر وہ سنگھہ راشی دہن کے نوانسہ میں ہوں تو موجب سواری
اسپ وغیرہ۔
اگر وہ سنگھہ راشی ہیں مکر کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت خر۔
اگر سنگھہ راشی میں کنبھ کے نوانسہ میں ہوں تو موجب موت حاکم
یا درندہ جانور۔
اگر وہ سنگھہ راشی ہیں مین کے نوانسہ میں ہوں تو خوف سانپ
اگر وہ سنگھہ راشی میں میکھہ کے نوانسہ میں ہوں تو خوف
چوٹ گائے وغیرہ۔
اگر وہ سنگھہ راشی میں برکھہ کے نوانسہ میں ہوں تو باعث
موت سگ۔
اگر وہ سنگھہ راشی میں متھن کے نوانسہ میں ہوں تو موجب
موت لنگور۔
اگر وہ سنگھہ راشی ہیں کرک کے نوانسہ میں ہوں تو باعث
موت آگ۔
اگر وہ دونوں دہن راشی ہیں دہن کے نوانسہ میں ہوں تو
باعث موت گھوڑا۔
اگر وہ دہن راشی میں مکر کے نوانسہ میں ہوں تو خوف جانور
سانسنگ۔
اگر وہ دہن راشی میں کنبھ کے نوانسہ میں ہوں تو موجب ت سو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر وہ دونوں دہن راشی میں مین کے نوانسہ میں ہوں باعث موت مگر گھڑیال۔

اگر وہ دہن راشی میں میکھ کے نوانسہ میں ہوں تو باعث جانوران چوپایہ۔

اگر وہ دہن راشی میں برکھ کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت بیل وغیرہ۔

اگر وہ دہن راشی میں متھن کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت انسان۔

اگر وہ دہن راشی میں کرک کے نوانسہ میں ہوں تو باعث آبی جانوران۔

اگر وہ دہن راشی میں کنیا کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت آبی جانور۔

اگر وہ دہن راشی میں تلا کے نوانسہ میں ہوں تو موجب موت سانپ یا جانور زہردار۔

اگر وہ مکر راشی میں مکر کے نوانسہ میں ہوں تو موجب موت شادی ہو۔

اگر وہ مکر راسی میں کنبھ کے نوانسہ میں ہوں تو موجب موت ریچھ

اگر وہ مکر راشی میں متھن کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت ہرن ہو۔ اگر وہ مکر راسی میں کرک کے نوانسہ میں ہوں تو باعث موت ہاتھی ہو۔

اگر وہ مکر راسی میں برچھک کے نوانسہ میں ہوں تو باعث

موت گرہ ہے۔

علےٰ ہذا القیاس حالات دیگر اقارب بھی دریافت کیجا سکتے ہیں۔

۱۴- پران دشا نکالنے کا قاعدہ۔

تمام عمل اسکا شرح سو کشم دشا کے ہے چونکہ مقدار اسکا نہایت خفیف ہے اسلئے ہر ایک گرہ کی ایک ایک پران دشا نکال کر وسج کیگئی ہے۔ باقی گرہوں کی دشا ہر ایک صاحب عمل خود نکال سکتا ہے۔

نوٹ

کام ہندسہ میں غلطی بسیار ہو جایا کرتی ہیں۔ اسلئے مطابق قاعدہ کے ہر ایک دشا شمار کر کر صحیح صحیح تعداد درج کیجاوے تعداد مندرجہ کتاب ہذا کی پیروی چھوڑ دی جاوے۔ تاکہ تعداد ایام صحیح و سج جنم پتری ہووے۔

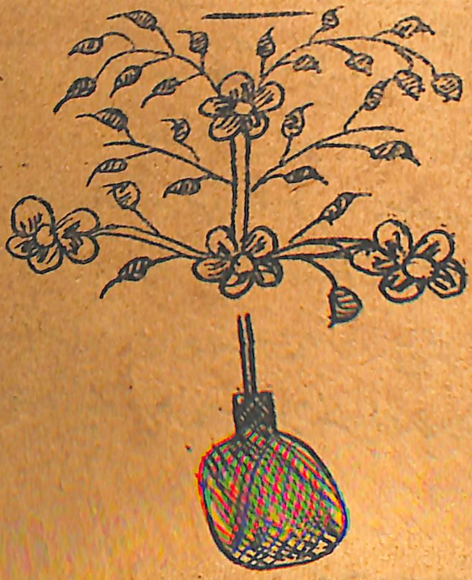

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز پنجم

احکام مہادشا۔ سورج مع انتردشا۔ پرنتر دشا۔ سوکھشم دشا۔ پران دشا۔

مہادشا سورج ۶ سال

(۱) سورج اگر جنم کنڈلی میں شبھ ہو۔ تو اسکی دشا میں ترقی۔ اولاد و عقل و دولت و مرتبہ۔ و قیاس و آمدنی و تحریف و طاقت جسم و صحت و آرام و خوشنودی بزرگان اور حکام ظہور میں آتی ہے۔ اور لوگوں میں عزت اور رعب ہوتا ہے۔

سورج اگر اوج یا اوج استہان یا اپنے گھر میں یا اتس اوچ پر ہو کر کیندر یا ترکون میں ہو یا گیارھویں گھر میں ہو۔ اور مالک خانہ ۹-۱۰ سے سنبندہ ایک گھر میں رکھتا ہو۔ استہان بل میں ہو دن ہو اور آشٹنک برگ دا شٹک برگ گو یا آٹھ حصہ سے جو قوت مرکب ہوا میں ہے بلوان ہو۔ تو اسکی دشا میں زر دولت اور آرام آسائیش اور منصب اعلےٰ اور وزارت وغیرہ سواری اعلےٰ قسم اور روزگار معزز حاصل ہوتا ہے۔ اگر ایسے باہمہ اوصاف موصوف سورج کو پانچویں گھر کے مالک سے سنبندہ ایک گھر میں ہو تو فرزند یا اولاد ضرور نصیب ہوتی ہے۔

اگر مالک خانہ چہارم سے ایک گھر میں سنبندہ ہو۔ سو سواری اچھی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فیل - فیٹن وغیرہ حاصل ہو - حکام سے دولت اور درجہ افسری فوج
نصیب ہو - پارچہ و سواری ملے ۔

اگر سورج پر طرح بلوان ہو کر یوگ کاری گرہوں سے سنبندھ کرتا ہو
تو کون اعلےٰ درجہ اور آرام ہے - جو اُس مولود کو حاصل نہ ہوں -

اگر سورج نیچ استھان پر ہو کر خانہ ۶ - ۸ - ۱۲ میں ہو - یا پاپی گرہوں
(جو کتاب ہذا میں پاپی بیان کئے گئے ہیں) کے ساتھ ہو - اشٹک برگ
اور استھان بل میں نربل ہو - اور ایسے صورتیں راہو یا کیتو کے ساتھ
ہو - اور مالکانِ خانہ ۶ - ۷ - ۸ - ۱۲ کے ہو ساتھ ہو - تو اوسکی دشا
میں کون کون مصیبتیں ہیں جو پیش نہ آویں - تکلیف بدن - نقصان
زر و دولت - قہر حکام - سفر منحوس - عوارض جسمانی - بخار وغیرہ - بھائی
بندوں اور منزدوں سے دشمنی اور ہر ایک سے فساد خوف مرگ ناگہانی
درد بدن - خوف زخم - و زہریلہ جانوران - بخار محرقہ - موت بزرگان
گھر میں شرارت خاندان سے رنج - دشمنوں کا نشانہ - دنیا میں بدنام -
البتہ مشبہ گرہوں کی سورج پر ایسی حالت میں درشٹی ہو تو زمانہ
نحوست کسیقدر تسلی اور دلجوئی سے گذر جاوے ورنہ اگر مشبہ گرہوں
کی درشٹی ہو - تو تکالیف دو چند ہو جاوینگی - اور تمام
زمانہ آہ - و - درد - اور درد میں بسر ہووے ۔

سورج کی مہادشا میں ۶ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا ۲ ـــ

گرہ	سورج	چندر	منگل	راہو	برہسپتی	شنی	بدھ	کیتو	شکر
سال	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	١
ماہ	٣	٦	۴	١٠	٩	١١	١٠	۴	٠
دن	١٨	٠	٦	٢۴	١٨	١٢	٦	٦	٠

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پہلا دیش انتر دشا ہر ایک گرہ سورج کی مہادشا میں

سورج میں سورج کی انتر دشا

۳ اپنے گھر یا اوج استھان میں ہو کر کیندر۔ ترکون۔ یا گیارہویں
گھر میں سورج ہو تو اسکی انتر دشا میں زر و دولت۔ تندرستی حکام
سے عزت۔ بیاہ خوشی اور تمام کام بحسن انجام ہوتے ہیں۔
اگر سورج ۳۔۶ گھر کا مالک ہو تو اسکی دشا میں اندیشہ موت ناگہانی ہو

سورج کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا

۴۔ چاند اگر کیندر ترکون میں ہو تو اوسکی انتر دشا میں بیاہ۔ خوشی۔ زر و دولت
مکان زمین۔ سواری۔ چوپایہ میں ترقی ہوتی ہے
اگر چاند اپنے گھر میں یا اوج استھان میں ہو تو اوسکی انتر دشا میں
آرام عورت پراپتی زر و دولت۔ راجدوار سے فائدہ پیدائش اولاد
اور عزت و فرحت نصیب ہوتی ہے اور تمام کام بخوبی انجام ہوتے
ہیں۔ اگر مقام قیام سورج سے چاند کیندر یا خانہ ۹-۱۱ میں ہو
اور شبھ گرہ کے ساتھ ہو تو اوسکی انتر دشا میں بلندی مراتب ترقی
درجہ و اولاد و عورت۔ راج پراپتی ملنا مکانات۔ زیور۔ پارچہ جات
عمدہ سکھ آرام۔ راحت نصیب ہوتی ہے۔
اگر چاند گرتا پکھ اور پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو تکلیف عورت و اولاد
و تنگی تنازعہ شریراں۔ اور عام سے نفاق۔ حکام سے رنج۔ موت
خدمتگاراں۔ و تباہی مویشی۔ نقصان غلہ۔ دولت پیش آئے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر چاند خانہ ۶ - ۸ - ۱۲ میں ہو تو اُس کی انتردشا میں کئی خرابیاں پیش آتی ہیں - پانی میں غرق ہونے کا اندیشہ - جلاوطنی - سزا - قید - تنگ حالی - فاقہ کشی - افلاس - دردِ جسم - بحالت بخار - صدمہ - تپ دق - اور بیماری مہلک ہو - اگر مقام قیام سورج سے ۶ - ۸ - ۱۲ گھر میں کمزور ہو کر ہو - تو فاقہ کشی اور سفر بے سود ہوتے ہیں -

اگر چاند مالک خانہ ۴ سے ہو تو اسکی دشا میں حادثہ نوکری ناگہانی پیش آوے -

سورج کی مہادشا میں منگل کی انتردشا

منگل اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر کیندر - ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو تو اُسکی انتردشا میں حصول زر و دولت زمین و آبادی اراضیات - غلہ و سرخ پوشاک ہو اور ہر ایک طرح سے خوشی نصیب ہوتی ہے -

اگر منگل لگنیش کے ہمراہ ہو تو طاقت بدن اور حکام سے عزت و آرام اپنی انتردشا میں دیتا ہے -

اگر منگل ہمراہ مالک خانہ ۹ - ۱۱ کے ہو تو اسکی انتردشا میں فائدہ زر و دولت اور حکومت پر فتح و سلوک و ترقی برادران اور تباہی مخالفان کرتا ہے -

اگر مقام قیام سورج سے منگل پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں کمزور ہو کر خانہ ۶ - ۸ - میں ہو - تو اسکی انتردشا میں بربادی عقل - بے شرم بے عزت - اندیشہ قید - اعمال خراب کروانا ناشائستہ - ہر دم فکر - تباہی برادران اور اُن سے نفاق و فساد پیش آتے ہیں -

اگر منگل نیچ استھان میں ہو - تو حکام وقت سے نقصان زر و دولت ظہور میں آتا ہے -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر منگل دوسرے یا ساتویں گھر کا مالک ہو تو اپنی انتر دشا میں ضعفِ جسم اور بیماری دل اور نقصان دولت و آرام کا کرتا ہے۔

سورج کی مہادشا میں راہو کی انتر دشا

۶۔ جنم لگن سے راہو۔ کیندر یا ترکون میں ہو تو اپنی انتر دشا میں پہلے دو ماہ تک نقصان زر و اندیشہ زخم و زہر دار جانور۔ سانپ۔ چور۔ تکلیف اولاد۔ بعد اوسکے سکھ دیتا ہے۔

اگر نیک گرہ کے ساتھ اور نیک گرہ کے نوانسہ میں ہو تو دلاوری اور صحت تندرستی حکام سے فائدہ۔ زمین زراعت سے فائدہ۔

جنم لگن سے ۳-۶-۱۰-۱۱- گھر میں ہو۔ اور یوگ کاری گرہ کیساتھ ہو اور ساتویں گھر کے مالک سے اچھے گھر میں ہو۔ تو راج دربار سے عزت اور عروج مرتبہ ہر ایک سے ملاقات۔ پیدائش فرزند۔ گھر میں راحت اور آرام۔

سورج سے ۶-۸-۱۲- گھر میں راہو کمزور ہو کر آیا ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں نو اندیشہ قید اور جلاوطنی تو اسکی انتر دشا میں: سانپ و زہریلے جانور۔ چور۔ موت مویشی۔ امراض بادگولہ تپ دق ہو۔ اگر راہو ہمراہ مالک خانہ ۲-۷ کے ہو کر خانہ ۲-۷ میں ہو تو اسکی انتر دشا میں خوف حادثہ موت ناگہانی۔

سورج کی مہادشا میں برہسپت کی انتر دشا

برہسپت کیندر یا ترکون میں ہو کر اوج دستہان یا دوست کے گھر میں ہو تو اسکی انتر دشا میں خوشی بیاہ۔ ملاقات حکام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

وراجدرباریسے تمام مطالب حاصل ہوتے ہیں۔
اگر برہسپت کا سبندہ مالک خانہ ۹ یا ۱۰ سے ہو تو مرتبہ اعلےٰ اور راج نصیب ہوتا ہے سواری اعلےٰ درجہ ملتی ہے۔
سعبج سے کیندر۔ ترکون یا خانہ ۱۱۔ میں برہسپت ہو تو اوسکی انتردشا میں عروجِ اقبال۔ پُن دان خیرات۔ اعتقاد دھرم۔ اعمال نیک اور ناموری ظہور میں آتی ہے۔
سورج سے خانہ ۸۔ ۱۲ گھر میں برہسپت ہمراہ پاپی گرہ نیچ استھان پر ہو تو تکلیف اولاد۔ عورت۔ عتاب سلطانی۔ نقصان ہر ایک کام خرچ بدکاری اور بیماری دل وغیرہ تکالیف پیش آتی ہیں۔

سورج کی مہادشا میں سنیچر کی انتردشا

۸ سنیچر کیندر۔ ترکون میں ہو تو اوسکی انتردشا میں تباہی مخالفان و آرام و آسائیش وشادی و ملنا زرومال۔
اگر اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو اور دولت گرہ کے ساتھ ہو تو اوسکی انتردشا میں خوشی کے کام اور گھر میں آرام عشرت۔ پوشاک عمدہ۔ راج دربار سے عزت ہو۔ اگر سورج سے ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں سنیچر پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو بیماری سوداوی درد جسم نقصان ہر ایک کام۔ بربادی دولت۔ اندیشہ قید ہوتا ہے۔ انتردشا کے حصہ اول میں موت رفیقان۔ حصہ دوم میں کسیقدر آرام حصہ سوم میں تکالیف وفساد و ننگ۔ والدین اور بزرگان سے دوری مہجوری۔ سفر کثیر۔ اگر سنیچر مالک خانہ ۲۔ ۷ ہو تو اندیشہ موت ناگہانی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سورج کی مہادشا میں
بدھ کی انتردشا

۹ بدھ زور آور ہو کر اوچ استھان کا کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو تو اوسکی انتردشا میں پرانپتی۔ راج عروج اقبال۔ خوشی کے کام۔ عورت اولاد سے فرحت۔ راج دربار سے فائدہ۔ سواری۔ زیور۔ سفر مبارک پیش آتا ہے۔

اگر بدھ ہمراہ مالک خانہ گیارہاں ہو کر نا نویں گھر میں ہو تو اسکی انتر میں فائدہ دولت کثیر ہیں اگر بدھ گیارھویں گھر کے مالک سے ساتھ ہو کر ۵-۹-۱۰ گھر میں تو اسکی انتردشا میں راج دربار سے دولت اور عزت حاصل ہو۔ شادی۔ پیدائش فرزند۔ ترقی اور فروغ دھرم ہو۔

سورج سے کسی اچھے گھر میں بدھ ہو تو اوسکی انتردشا میں آرام عزت خطاب۔ عمدہ غذا و پارچہ نصیب ہوتا ہے اور دل کھولکر دان دیتا ہے سورج سے ۶-۱۲ گھر میں نیچ استھان پر ہو۔ تو بیماری اور تکلیف فرزند۔ عورت ہو۔ دشا کے حصہ اول میں رنج اور تکلیف حصہ دوم میں کچھ آرام۔ حصہ اخیری میں راج دربار سے فائدہ۔

اگر بدھ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو اسکی انتردشا میں بیماری بخار ہو۔

سورج کی مہادشا میں
کیت کی انتردشا

۱۰ کیت کی انتردشا میں درد جسم۔ غم۔ نقصان زر۔ عتاب شاہی عزیزوں سے فساد۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر کیت لگن بش کے ساتھ ہو تو اوسکی انتر دشا کے پہلے حصہ میں آرام
عیش اور ملنا زر و مال - اور حصہ دوم و سوم میں تکلیف فکر اندیشہ
اگر سورج سے ۶ - ۸ - ۱۲ گھر میں کیت ہمراہ پاپی گرہ کے ہو - تو اسکی
انتر دشا میں درد دورم ودندان ہو - وچہرہ - ترک مکان - بربادی
زر - تباہی دوستان - موت پدر یا بزرگان - سفر خراب - خوف حملہ
مخالفان -

اگر کیت ہمراہ گرہ یوگ کارک کے ہو کر خانہ ۳ - ۶ - ۱۰ - ۱۱ میں
ہو اور شبھ گرہ کے نوانسہ میں ہو - یا شبھ گرہ کے کھشٹ برگ میں
ہو - تو اپنی انتر دشا میں ثمرہ نیک دیتا ہے - عورت اولاد کی آرام
عمدہ پوشاک -

اگر کیت مالک خانہ ۲ - ۷ کے ساتھ ہو تو صدمہ موت ناگہانی پہونچنے
کا اندیشہ ہو -

سورج کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

۱۱ شکر کیندر - ترکون میں ہو - اوچ استھان یا دوست کے
کھشٹ برگ میں ہو - تو اوسکی انتر دشا میں جس عورت سے
چاہتا ہو ملاقات اور صحبت ہو - راج سفر - خوشی کے کام -
عروج اقبال - غذا عمدہ - جواہرات - پارچہ - مویشی عمدہ حاصل ہو -
- ۶ - ۸ - ۱۲ گھر میں شکر کم طاقت ہو - غم رنج - عتاب سلطانی -
ودولت - عورت فرزند کا نقصان ہو -
دشا کے حصہ اول میں سواری - حصہ دوم میں زر و مال اور نیک کام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

حصہ سوم میں جلاوطنی - رنج برادران تکلیف ۔

سورج کی انتردشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتردشا

سورج کی انتردشا میں سورج کی پرانتردشا ۳ - ماہ - ۱۸ دن

۱۲

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۵	۹	۶	۱۶	۱۴	۱۷	۱۵	۶	۱۸
گھڑی	۲۴	۰	۱۸	۱۲	۲۴	۶	۱۸	۱۸	۰

۱۳ سورج کے انتر میں چاند کا پرانتر ۶ ماہ

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۱	۰
دن	۱۵	۱۰	۲۷	۲۴	۲۸	۲۵	۱۰	۰	۹
گھڑی	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

سورج کے انتر میں منگل کا پرنتر ۴ ماہ - ۶ دن

۱۴

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۷	۱۸	۱۶	۱۹	۱۷	۷	۲۱	۶	۱۰
گھڑی	۲۱	۵۴	۴۸	۵۷	۵۱	۲۱	۰	۱۸	۳

سورج کے انتر میں راہو کا پرانتر مدہ ۱۰ ماہ - ۲۴ دن

۱۵

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰	۰
دن	۱۸	۱۳	۲۱	۱۵	۱۸	۲۴	۱۶	۲۷	۱۸
گھڑی	۳۶	۱۲	۱۸	۵۴	۵۴	۰	۱۲	۰	۵۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سورج کی انتر دشا میں برہسپت کا پرانتر ماہ ۹ دن ۱۸ ۱۶

گره	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	
ماہ	١	١	١	٠	١	٠	٠	٠	١
دن	٠	١٥	١٠	١٦	١٠	١٤	٣٢	١٦	١٣
گھڑی	٢٤	٣٦	٤٨	٤٨	٠	٢٤	٠	٤٨	١٢

سورج کے انتر دشا میں سنیچر کا پرانتر ماہ — دن — گھڑی ۱۷

گره	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	
ماہ	١	١	٠	١	٠	٠	٠	١	١
دن	٢٤	١٨	١٩	٢٧	١٧	٢٨	١٩	٢١	٠
گھڑی	٩	٢٧	٥٧	٠	٦	٣٠	٥٧	١٨	٣٣

سورج کے انتر دشا میں بدھ کی پرانتر دشا ماہ — دن — گھڑی ۱۸

گره	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	١	٠	١	٠	٠	٠	١	١	١
دن	١٣	١٤	٢١	١٥	٢٥	١٧	١٥	١١	١٨
گھڑی	٢١	٥١	٠	١٨	٣٠	٥١	٥٤	٤٨	٢٧

سورج کے انتر میں کیت کا پرانتر ماہ — دن — گھڑی ۱۹

گره	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠
دن	٧	٢١	٦	١٠	٧	١٨	١٦	١٩	١٧
گھڑی	٢١	٠	١٨	٣٠	٢١	٥٤	٤٨	٥٧	١١

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سورج کے انتر میں شکر کا پرانتر اسال

۴۰

گرہ	شک	سو	چند	منگ	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیتو
ماہ	۳	۰	۱	۰	۱	۱	۱	۱	۰
دن	۰	۱۸	۰	۲۱	۲۴	۱۰	۲۷	۲۱	۲۱
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

۴۱ سورج کے انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا کا پھل

سورج کے انتر دشا میں سورج کا پرانتر

پریشانی۔ مشکلات۔ تکلیف۔ گھبراہٹ۔ بیماری عورت۔ عارضہ سر و دماغ۔ عالموں سے نفاق۔ اگر وہ کمزور یا نحس حالت میں ہو تو سرکاری خوف۔

سورج کے انتر میں چاند کا پرانتر

۴۲ سورج کے انتر دشا میں چاند کی پرانتر دشا میں ملال خاطر۔ درد جسم نقصان زر و مال۔ جواہرات وغیرہ۔

سورج کے انتر میں منگل کا پرانتر

۴۳ اندیشہ سرکار۔ سزا قید۔ حملہ دشمن۔ آگ۔ ہتھیار۔ تکالیف۔

سورج کے انتر میں راہو کا پرانتر

۴۴۔ عارضہ بلغمی اندیشہ چوٹ۔ تنزل اقبال۔ نقصان زر و مال۔ تکالیف

سورج کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

۴۵۔ فتح۔ تباہی دشمن۔ عروج اقبال۔ حصول زر و مال دولت۔ زیور۔ پارچہ۔ سواری وغیرہ۔

سورج کے انتر میں شنیچر کا پرانتر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۶ جابجا، نقصان خرابی - زوال دولت - موت مویشی - خسارہ زمین

سورج کے انتر میں بدھ کا پرانتر

۲۷ راج دربار سے فائدہ - ملنا زر و دولت - کھانا پہراوہ - علم ۲ اتفاق برادری -

سورج کے انتر میں کیت کا پرانتر

۲۸ - سرکاری فساد - خطرہ جان - مقابلہ دشمنان - سخت نقصان -

سورج کے انتر میں شکر کا پرانتر

۲۹ - متوسط گذارہ - متوسط آرام - کمتر خوشی کے کام -

سورج کی پرانتر دشا میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

سورج کے پرانتر میں سورج کی سوکھشم ماہ ۰ دن ۰ - گھڑی ۵ - ۲۴

۳۰

گرہ	سورج	چندر	منگل	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
گھڑی	۱۶	۲۷	۹	۴۸	۴۳	۵۱	۴۵	۱۰	۵۴
پل	۱۲	۰	۵۴	۳۶	۱۲	۱۸	۵۴	۵۴	۰

سورج کی پرانتر میں چاند کا سوکھشم ماہ ۰ دن ۰ - ۱ گھڑی ۵

۳۱

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰
گھڑی	۴۵	۳۱	۳۱	۱۵	۱۵	۱۶	۳۱	۳۰	۲۷
پل	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۳۲

سورج کی پرانتر میں منگل کا سوکھشم ماہ-دن-گھڑی

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۱	۰	۰
گھڑی	۱۲	۵۶	۵۰	۵۹	۵۳	۲۲	۳	۱۸	۳۱
پل	۳	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳	۳	۰	۵۴	۳۰

۳۳

سورج کے پرانتر میں منگل راہو کا سوکھشم ماہ-دن-گھڑی

گرہ	راہو	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۲	۲	۲	۲	۰	۲	۰	۱	۰
گھڑی	۲۵	۹	۳۳	۱۷	۵۶	۴۲	۴۸	۲۱	۵۶
پل	۴۸	۳۶	۴۵	۴۴	۴۲	۰	۳۶	۰	۴۲

۳۴

سورج کے پرانتر میں برہسپت کا سوکھشم ماہ-دن-گھڑی

گرہ	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱	۲	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲
گھڑی	۵۵	۱۴	۲	۵۰	۲۴	۴۳	۱۳	۵۰	۹
پل	۱۲	۴۸	۲۴	۴۴	۰	۲	۰	۲۴	۳۶

۳۵

سورج کے پرانتر میں سنیچر کا سوکھشم ماہ-دن-گھڑی

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۲	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲	۲
گھڑی	۲۲	۵۴	۵۹	۱۵	۱۸	۲۵	۵۹	۳۳	۴
پل	۲۸	۲۱	۱۶	۰	۱۵	۳۰	۵۱	۵۴	[illegible]

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سورج کے پرانتر میں بدھ کا سوکشم ماہ-دن-گھڑی

۳۶

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲	۲	۲
گھڑی	۱۰	۵۳	۳۳	۴۵	۱۹	۵۳	۱۷	۲	۲۵
پل	۳	۳۳	۰	۵۴	۳۰	۳۳	۴۲	۴۴	۲۱

سورج کے پرانتر میں کیت کا سوکشم ماہ-دن-گھڑی

۳۷

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۲۲	۱	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
گھڑی	۲۳	۳	۱۸	۳۱	۲۲	۵۶	۵۰	۵۹	۵۳
پل	۳	۰	۵۴	۳۰	۳	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳

سورج کے پرانتر میں شکر کا سوکشم ماہ-دن-گھڑی

۳۸

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳	۰	۱	۱	۲	۲	۲	۲	۱
گھڑی	۰	۵۴	۳۰	۳	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳	۳
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

نوٹ۔ صرف ایک سورج کے پرانتر کا سوکشم نکال کر درج کیا گیا ہے دیگر گرہوں کا سوکشم مثل پرانتر دشا کے ہر ایک عامل خود نکال کر درج کر لیوے گا ✤

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سورج میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا کا ثمرہ

سورج میں سورج کا سوکھشم

۳۹- نقصانات عظیم- موت- چھین جانا اراضیات-

سورج میں چاند کا سوکھشم

۴۰- ہر ایک سے محبت- نیک کام- دیوتا- و دواؤں سے پیا

سورج میں منگل کا سوکھشم

۴۱- امراض خونی- بدکاری- اندیشہ دشمن

سورج میں راہو کا سوکھشم

۴۲- بجلی- مقابلہ دشمن میں ہار- خوف زہر- چور- آگ-

سورج میں برہسپت کا سوکھشم

۴۳- آرام خدمتگاراں- حکام سے بہتری اور فائدہ-

سورج میں سنیچر کا سوکھشم

۴۴- ملال خاطر- مخالف عابداں- نقصان چوری-

سورج میں بدھ کا سوکھشم

۴۵- آمد زر و مال- پوشاک عمدہ- صحبت عورت حسین-

سورج میں کیت کا سوکھشم

۴۶- اندیشہ عورت- خدمتگار- بیقدری- نقصان زر و مال-

سورج میں شکر کا سوکھشم

۴۷- آمد زر و مال- ہر ایک چیز- راحت فرزند- عورت- دو

سورج میں ہر ایک گرہ کی پران دشا کا پھل

سورج میں سورج کا پران دشا ۱۶ گھ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
گھڑی	۰	۱	۰	۲	۲	۲	۲	۰	۲
پل	۴۸	۲۱	۵۶	۲۵	۹۰	۳۳	۱۷	۵۶	۴۲
بپل	۳۶	۰	۴۲	۴۸	۳۶	۵۴	۴۲	۴۲	۰

سورج کی پران دشا کا پھل

سورج میں سورج کی پران دشا کا پھل

۴۱ - علت اعلام - خوف زہر - موت سخت عذاب سے ہو -

سورج میں چاند کی پران دشا کا ثمرہ

۵۰ - عروج اقبال - حصول دولت - کھانا باآرام - بیماری بلغم ہو -

سورج میں منگل کی پران دشا کا ثمرہ

۵ - تنزل مراتب - نقصال دولت - خوف راج ڈنڈ -

سورج میں راہو کی پران دشا کا ثمرہ

۵۱ - بیماری بدہضمی - اندیشہ زہر - راج دربار - آگ - دولت سے ملال خاطر -

سورج میں برہسپت کی پران دشا کا ثمرہ

۵۱ - خوشی - ترقی دولت وعلم - ہر ایک کام بخوبی انجام ہو -

سورج میں سنیچر کی پران دشا کا ثمرہ

۵۱ - نقصانات عظیم - پریشانی شدید - اندیشہ موت وقید -

سورج میں بدھ کی پران دشا کا ثمرہ

۵ - بندگی پرستش - راجدربار سے فائدہ -

سورج میں کیت کی پران دشا کا ثمرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۶ - تنزل مرتبہ - مرگ عورت وگورو - فساد - نقصان دولت - مقابلہ دشمن میں شکست -

سورج میں شکر کی پیران دشا کا ثمرہ

۵۷ - آرام - خوشی عورت اولاد - ترقی دولت - راج دربار سے فائدہ -

رازِ ششم

احکام مہادشا چاند معہ انتر دشا و پرنتر دشا و سوکھشم دشا و پران دشا

مہادشا چاند - ۱۰ سال

۱ - اگر چاند جنم کنڈلی میں شبھ ہو - تو اوسکی دشا میں خوشی بزرگان اور والدین سے آرام - تیاری تالاب - مکان - باغ - عمدہ زوش زر دولت و اعلے سواری - وقت عوفا و نصیب ہوتی ہے اگر اپنے استھان میں ہو گر گندرے کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو شبھ گرہ کے ساتھ ہو چاند پکھہ ہو - یا ہر - ۹ - ۱۰ - گھر کا مالک ہو - انک برگ - کہٹ برگ میں بلوان ہو - تو اوسکی دشا میں زر دولت - روز نامہ اعلے گھر میں خوشی - سواری اعلے - ملاقات - حکام وقت بہ تدبیر اور چارہ جوئی میں کامیابی - دوستوں سے فائدہ - اپنے آقا سے عزت اور بلندی منصب و ترقی درجات - حصول املاک - یا ریاست - آرام عیش - پارچات سفید - فرزند اولاد - دودھ دہی - مویشی آرام ہر طرح نصیب ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر اپنے گھر یا اوچ استھان کا ہو کر دوسرے گھر میں ہو۔ تو دولت
اور بلندی اقبال و آرام عشرت و حکام سے سلوک اور علم نصیب ہو۔
اور اگر چاند۔ جنم کنڈلی میں اشبھ حالت میں ہو تو کمینہ حالت۔ کھانے سے
تنگی۔ نقصان زر و دولت۔ بیماری درد شکم۔ و بخار۔ مرگ مادر۔
اگر چاند نیچ استھان میں یا اندھیرے پکھ کا ہو تو بربادی زر و دولت۔
اگر بلوان ہو کر تیسرے گھر میں ہو۔ تو کچھ آرام اور فائدہ دولت۔
اگر ضعیف ہو کر تیسرے گھر میں ہو یا پاپی گرہوں کے ساتھ ہو۔ تو فکر و پریشانی
ضعف بدن۔ تباہی دولت۔ نانکے گھر کا نقصان۔
اگر چاند نربل ہو کر خانہ ۶-۱۰-۱۲ میں ہو۔ اور پاپی گرہوں کے ساتھ ہو تو
ظلم اور عتاب حکام۔ تباہی زر و دولت۔ رنج والدہ۔ بیماری جسم ضعف
دل و بدن۔
اگر چاند از روئے اشٹک ورگ وغیرہ بلوان ہو کر خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو
تو اپنی دشا میں کسقدر رنج اور تکلیف کم دیتا ہے۔

مہا دشا چاند ۱۰ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

۱

گرہ	چندر	منگل	راہو	برہسپت	شنی	بدھ	کیتو	شکر	سورج
سال	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰
ماہ	۱۰	۷	۶	۴	۷	۵	۷	۸	۶
دن	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

چاند کی مہا دشا میں ہر ایک کی انتر دشا کا پھلادیش

چاند کی مہا دشا میں چاند کی انتر دشا
۲- اوچ استھان میں ہو کر کیندر۔ ترکون۔ یا گیارہویں گھر میں ہو۔ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۹-۱۰- گھر کے مالک کے ساتھ ہو۔ تو سواری اعلےٰ درجہ- پوشاک سفر مبارک- عروج اقبال- آرام آسائش-
افسر فوج ہر ایک سے محبت ہو- اگر چاند پورن ہو تو پورن پھل دیگو-
اگر چاند پاپی گرہ کے ساتھ ہو یا ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو- تو نقصان زر وبال- جلا وطن- سستی- غم- وزراء اور حکام سے عناد- تکلیف والدہ تباہی برادران-
اگر چاند مالک خانہ ۲-۷ ہو کر ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو اسکی انتر دشا میں صدمہ موت ہو-

چاند کی مہادشا میں منگل کی انتر دشا

۴- منگل- کیندر- ترکون میں ہو- تو اسکی انتر دشا میں بلندی مراتب- راج دربار سے فائدہ ملنا- زیور پارچہ- تدابیر سے کامیابی- فتح و ترقی- زمین زراعت و مکان ہو-
اگر اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو- تو اپنی انتر دشا میں نہایت آرام اور سکھ دیتا ہے-
اگر منگل پاپی گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲- گھر میں ہو- تو درد جسم نہایت درجہ- بدنامی- مقابلہ دشمنان میں شکست- نقصان زمین زراعت و مکانات- حکام سے ناراضگی- ماتحتوں اور تابعداروں سے فساد- اپنے بھائیوں سے رنج-
اگر منگل مالک خانہ ۲-۷-۸- ہو کر آٹھویں گھر میں ہو- تو اپنی انتر دشا میں ثمرہ بد- اور مرگ ناگہانی دیتا ہے-

چاند کی مہادشا میں راہو کی انتر دشا

۵- راہو اگر کیندر- ترکون میں ہو- خوف مخالفان- چور- زہر ملیہ جانور

سانپ راجدربار سے خوف۔ مویشی کی کمی۔ تباہی برادران و دوستان تنزل عزت ہو۔
اگر راہو شبھ گرہ کے ساتھ ہو یا شبھ گرہوں کی درشٹی میں ہو۔ اور ۳-۶-۱۰-۱۱ گھر میں جوگ کاری گرہ کے ساتھ ہو۔ تو تمام کاروبار بخیر و خوبی انجام دیتا ہے سواری اور پوشاک عمدہ ہو۔
اگر راہو کمزور ہو کر چاند سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو جلاوطن پریشان خاطر۔ تکلیف عورت و اولاد۔ عتاب سلطانی۔ خوف عقرب یعنی بچھو اور بیل ہو۔
چاند سے کیندر۔ ترکون یا ۳-۱۱- گھر میں ہو۔ تو سفر مبارک۔ اور دھرم کی ترقی کرتا ہے۔ راہو خانہ ۴-۷ میں ہو تو بیماری اور کوئی صدمہ سخت پہنچاتا ہے۔

چاند کی مہادشا میں برہسپت کی انتر دشا

۱۔ برہسپت کیندر۔ ترکون میں یا اپنے گھر میں یا اوچ استھان پر ہو تو اُسکی انتردشا میں عروج اقبال ملنا راج زیور۔ پارچہ۔ قیام حمل۔ ترقی دولت۔ مبارک کام زر و مال کا قیام۔ راجدربار سے اعلےٰ درجہ کی سواری زمین اور مرادات دلی کا حصول ہو۔
برہسپت استھان یا است ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو تو جلاوطنی۔ موت فرزند۔ فساد۔ غم و اندیشہ۔ تنزل مرتبہ۔ تباہی زمین و مکان ہو۔
اگر برہسپت چاند سے کیندر۔ ترکون یا ۳-۱۱- گھر میں ہو تو عمدہ کھانا وسواری و پوشاک۔ بھائیوں سے آرام۔ حوصلہ۔ قوت۔ اقبال۔ دولت۔ عورت نصیب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر برہسپت چاند سے ۶-۸-۱۲ گھر میں کمزور ہو کر آدمی۔ کھاتا تا قص
دشا کے حصہ اول میں نیک ثمرہ اور آخری حصہ میں رنج تکلیف۔
اگر برہسپت مالک خانہ ۲-۷-ہو تو اُس کی انتر دشا میں خوف ہوتا ہو

چاند کی مہا دشا میں سنیچر کی انتر دشا

۷ اگر سنیچر اوچ کے نوانسہ میں یا اپنے گھر میں ہو کر کیندر ترکون میں ہو اور شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ یا دیکھتا ہو۔ تو زر و مال فرزند۔ عروج اقبال ترقی ریاست و مکان و آرام اور عتاب حکام ہو۔
اگر سنیچر چاند سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو تو کچھ آرام و زر و مال ملتا ہے۔
اگر سنیچر ۲-۶-۸-۱۲ گھر نیچ استھان پر ہو تو اسکی انتر دشا میں بہ حصہ اول سفر دراز اور اسلحہ سے چوٹ ہو۔
اگر سنیچر ۲-۷-۸-گھر میں ہو تو اسکی دشا میں بھوت پریت جن وغیرہ سے حادثہ پہونچتا ہے۔

چاند کی مہا دشا میں بدھ کی انتر دشا

۸-بدھ کی۔کیندر۔یا ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو۔یا اوچ استھان یا اپنے گھر میں یا اپنے نوانسہ میں ہو اور بلوان ہو تو اوسکی انتر دشا میں زر و مال۔راجدربار سے فائدہ۔خلعت۔علم۔خوشی۔صحبت نیک۔بیوپار سے فائدہ۔سواری و فرزند نصیب ہو۔
بدھ اگر چاند سے کیندر ترکون میں یا ۲-۱۱-گھر میں ہو۔تو شادی اور محبت دہرم۔راجدربار سے فائدہ۔جواہرات۔پارچہ۔زیور حاصل ہو۔
اگر بدھ نیچ استھان میں ہو کر چاند سے ۶-۸-۱۲-گھر میں ہو۔تو قید جسم اور تباہی ریاست و املاک و عورت و اولاد سے اندیشہ قید ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر بدھ مالک خانہ ۴-۷ ہو تو بیماری بخار اور سرسام اسکی انتردشا میں ہو۔

چاند کی مہادشا میں کیت کی انتردشا

۹- اگر کیت بلوان ہو کر کیندر ترکون یا ۳-۱۱ گھر میں ہو تو اسکی انتردشا میں زر و دولت - عورت فرزند نصیب ہوتا ہے۔ دشا کے حصہ اوّل میں نقصان دولت اور درمیانی زمانہ میں آرام و عیش

اگر کیت چاند سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں طاقتور ہو تو سکھ اور خوشی اور زر و مال متوسط درجہ کا حاصل ہوتا ہے اور جانور بیادہ رنگ ملتے ہیں۔

اگر پاپی گرہ کے ساتھ ہو یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو اور چاند سے ۸- ۱۲- گھر میں ہو تو اسکی انتردشا میں تباہی زر و مال اور فساد ہوتا ہے۔

اگر کیت خانہ ۲-۷ میں ہو تو اسکی انتردشا میں اندیشہ حادثہ عظیم ہو۔

چاند کی مہادشا میں شکر کی انتردشا

۱۰ اسشکر کیندر۔ ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو یا اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو تو اسکی انتردشا میں تمام کام بخیر و خوشی انجام پاتے ہیں اور راج - مویشی - عورت - فرزند - اور مہربانی حکام - تیاری مکانات جدید کھانا عمدہ - کئی قسم کی خوشبودار اشیاء اور صحت تندرستی نصیب ہو۔ اگر شکر چاند کے ساتھ ہو تو نہایت آرام ملتا ہے۔

اگر شکر اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر خانہ دوم میں ہو تو دفینہ ملے - آرام - فرزند - عروج اقبال ہو۔

اگر شکر ہمراہ مالک خانہ ۹-۱۱ ہو۔ تو بلندی مرتبہ اور جواہرات اور مہربانی حکام سے تمام کام انجام ہوں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند سے کیندر۔ ترکون۔ یا گیارھویں گھر میں شکر ہو۔ تو اُس کی انتر دشا میں ترقی زر و مال و حکومت ہو ✝

اگر شکر نیچ استھان یا است یا پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہوں کی ورشٹی میں ہو۔ تو بربادی ریاست و تنزل اقبال و عورت و فرزند کا زوال۔ حکام سے ناراضگی۔ موت مویشی ہو۔ اگر شکر پاپی گرہ کے ساتھ یا نیچ استھان میں ہو کر چاند سے ۶-۸-۱۲- گھر میں ہو۔ تو سفر بے فائدہ۔ خوف موت اور حملہ چور کا ہو۔

اگر شکر خانہ ۲-یا ۷ کا مالک ہو تو اُس کی انتر دشا میں اندیشہ موت

چاند کی مہا دشا میں سورج کی انتر دشا

۱- اگر سورج اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر کیندر یا ترکون یا ۳-۱۱- گھر میں بلوان ہو تو گیا ہو یا راج یا زر و مال اور اقبال پھر مل جا اور حکام اور دوستوں کی توجہ سے زمین و دولت حاصل ہو۔ آخری دشا میں کاہلی و کم ہمتی اور درد جسم ظہور میں آتے ہیں۔

اگر سورج پاپی گرہ کے ساتھ ہو کر چاند سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو حکام اور بیماری درد جسم سے تکلیف پہونچتی ہے۔ اور سفر بے فائدہ پیش آتا ہے۔

اگر سورج مالک خانہ ۲-۷- ہو تو سخت بخار آتا ہے۔

چاند کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پر انتر دشا

۱۰ ماہ ۱۰-۰-۰-۱۰ چاند کی انتر دشا میں چاند کا پرنتر

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	[illegible]
ماہ	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰
دن	۳۵	۱۴	۱۵	۱۰	۱۷	۱۳	۱۷	۲۰	۵
گھڑی	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	

چاند کی انتردشا میں منگل کا پرانتر ۷ ماہ - ۰ دن - ۰ گھڑی

۱۳

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۰	۱	۲	۰	۱	۰	۰
دن	۱۴	۱	۲۸	۳	۲۹	۱۲	۵	۱۰	۱۶
گھڑی	۱۵	۳۰	۰	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۳۰	۳۰

چاند کی انتردشا میں راہو کا پرانتر ۱ سال ۶ ماہ - ۰ دن

۱۴

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۲	۲	۲	۲	۱	۳	۰	۱	۱
دن	۲۱	۱۲	۲۵	۱۶	۱	۰	۲۷	۱۵	۱
گھڑی	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰

چاند کی انتردشا میں برہسپت کا پرانتر ۱ - ۴ - ۰

۱۵

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۲	۲	۲	۰	۳	۰	۱	۰	۲
دن	۴	۱۶	۸	۲۸	۲۰	۲۴	۱۰	۲۸	۱۲
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

چاند کی انتردشا میں سنیچر کا پرانتر ۱ سال ۷ ماہ - ۰ دن

۱۶

گرہ	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۳	۲	۱	۳	۰	۱	۱	۲	۲
دن	۰	۳۰	۳	۵	۲۸	۱۶	۳	۲۵	۱۶
گھڑی	۱۵	۱۵	۴۵	۰	۳۰	۳۰	۱۵	۳۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۷ چاند کی انتر میں بدھ کا پرانتر - سال - ماہ - دن

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲	۲	۲
دن	۱۲	۲۹	۲۵	۲۵	۱۲	۲۹	۱۶	۸	۲۱
گھڑی	۱۵	۴۵	۰	۳۰	۳۰	۴۵	۳۰	۰	۴۵

۱۸ چاند کے انتر میں کیت کا پرنتر ۱۱

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۱	۰	۰	۰	۱۰	۰	۱۰	۰
دن	۱۲	۵	۱۰	۱۷	۱۲	۱	۲۸	۳	۲۹
گھڑی	۱۵	۰	۳۰	۳۰	۱۵	۳۰	۰	۱۵	۴۵

۱۹ چاند کے انتر میں شکر کا پرنتر - ۱۱

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۳	۱	۱	۱	۳	۲	۳	۲	۱
دن	۱۰	۰	۲۰	۵	۰	۲۰	۵	۲۵	۵
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

۲۰ چاند کے انتر میں سورج کا پرنتر - ۱۱

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۱
دن	۹	۱۵	۱۰	۲۷	۲۴	۲۸	۲۵	۱۰	۳۰
گھڑی	۰	۰	۳۰	۱۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا کا پھل

چاند کے انتر میں چاند کا پرانتر

۲۱ - صحت سے آرام۔ ملنا کثیر زر و مال۔ سرکار سے فائدہ۔ محبت دوست غذا عمدہ۔ اراضیات بشرطیکہ چاند بلوان ہو۔

چاند کے انتر میں منگل کا پرانتر

۲۲ - اندیشہ دشمن الا ملنا زر دولت۔ سلوک برادران۔ آسائش ترقی عقل

چاند کے انتر میں راہو کا پرانتر

۲۳ - گو راہو کے پرانتر میں عروج اقبال ہوتا ہے۔ مگر بیکاری اور موت کا اندیشہ ہے۔

چاند کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

۲۴ - ست سنگ دھیان ایشور۔ عروج اقبال۔ آرام۔ زیور۔ پارچہ

چاند کے انتر میں سینچر کا پرانتر

۲۵ - عارضہ صفرا۔ سودا۔ زوال دولت دانہ۔ بدنامی۔ اتہام

چاند کے انتر میں بدھ کا پرانتر

۲۶ - تولد فرزند۔ عروج اقبال۔ ملنا سواری گھوڑا۔ ترقی عزت علم اقبال۔ پارچہ۔ غلہ۔

چاند کے انتر میں کیت کا پرانتر

۲۷ - دو دوانوں سے فساد۔ ہر جگہ تکلیف۔ ہر کام میں دقت۔ اتہام نقصانات۔ مرگ۔

چاند کے انتر میں شکر کا پرانتر

۲۸ - ملنا زر و مال۔ آرام۔ پیدائش دختر۔ عام سے اخلاص کھانا عمدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند کے انتر میں سورج کا پرانتر

۲۹ ۔ ملنا زر و مال ۔ پارچہ ۔ آرام عیش ۔ فتحمندی ۔ بربادی دشمن ۔

چاند میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا ۔ سال ۰ ماہ ۱۰ ۔ دن ۰

چاند میں چاند کا سوکھشم ۔ ماہ ۰ ۔ دن ۲۵ ۔ گھڑی ۰

۳۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۲	۱	۳	۳	۳	۳	۱	۴	۱
گھڑی	۵	۲۷	۴۵	۲۰	۵۷	۳۲	۲۷	۱۰	۱۵
پل	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

چاند میں منگل کا سوکھشم ۔۔ ماہ ۔ ۱۷ دن ۔ ۳۰ گھڑی

۳۱

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۱	۲	۲	۲	۲	۱	۲	۰	۱
گھڑی	۱	۳۷	۲۰	۴۶	۲۸	۱	۵۵	۵۲	۲۷
پل	۱۵	۳۰	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۲۰	۳۰	۳۰

چاند میں راہو کا سوکھشم ۔ ماہ ۱ ۔ دن ۱۵ ۔ گھڑی ۰

۳۲

گرہ	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۶	۶	۷	۶	۲	۷	۲	۳	۲
گھڑی	۴۵	۰	۷	۲۲	۳۷	۳۰	۱۵	۴۵	۳۷
پل	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۳ چاند میں برہسپت کا سو کہشم ۱-۱۰ (ماہ، دن، گھڑی)

گرہ	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۵	۶	۵	۲	۶	۳	۳	۳	۶
گھڑی	۳۰	۳۰	۴۰	۳۰	۴۰	۰	۳۰	۳۰	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

۳۱ چاند میں سینچر کا سو کہشم ۱-۱۷-۳۰ (ماہ، دن، گھڑی)

گرہ	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۷	۶	۲	۷	۲	۳	۲	۷	۶
گھڑی	۳۱	۳۴	۴۶	۵۵	۲۳	۵۷	۴۶	۷	۳۰
پل	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۳۰	۳۰	۱۵	۳۰	گھڑی

۳۳ چاند میں بدھ کا سو کہشم ۱-۱۲-۳۰ (ماہ، دن، گھڑی)

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر
دن	۶	۳	۷	۲	۳	۳	۲	۵	۶
گھڑی	۱	۲۸	۵	۷	۳۲	۴۸	۴۴	۴۰	۴۳
پل	۱۵	۵۴	۰	۳۰	۳۰	۴۵	۳۰	۴۰	۵۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

چاند میں کیت کا سوکہشم - ماہ ۰ - دن ۱۷ - گھڑی ۳۰ ۳۶

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ
دن	۱	۳	۰	۱	۱	۲	۳	۲	۳
گھڑی		۵۵	۵۲	۲۷	۱	۳	۴۰	۴۶	۳۸
پل	۱۵	۰	۳۰	۳۰	۱۵	۳۰	۴۷	۱۵	۴۵

چاند میں شکر کا سوکہشم - ماہ ۱ - دن ۳۰ - گھڑی ۰ ۳۷

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت
دن	۸	۳	۴	۲	۷	۶	۷	۷	۲
گھڑی	۳۰	۳۰	۱۰	۵۵	۳۰	۴۰	۵۵	۵	۵۵
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

چاند میں سورج کا سوکہشم - ماہ ۰ - دن ۱۵ - گھڑی ۱ ۳۸

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۰	۱	۰	۲	۲	۲	۲	۰	۲
گھڑی	۴۵	۱۵	۵۲	۱۵	۰	۲۲	۷	۵۲	۳۰
پل	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰

نوٹ - یہ صرف ۱۰ ماہ چاند کے پرانتر کا سوکہشم ہے باقی گرہوں کے لئے ہر ایک صاحب عمل خود چھلاوٹ کرے گا - تاکہ ایام مہادشا سوکہشم دشا پورن ہو جاوے - بشکل پرانتر دشا کے - جیسا کہ انتر دشا میں ہر ایک

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گرہ کی نو نو گرہوں پر نکالی گئی ہے۔

چاند میں ہر ایک گرہ کی سوکہشم دشا کا ثمرہ

چاند میں چاند کا سوکہشم

۳۹ - نیکنامی۔ لوگوں میں عزت۔ راجدربار سے فائدہ۔ ملنا زیور۔ زمین اور کسیقدر غصہ آوے۔

چاند میں منگل کا سوکہشم۔

۴۰ - عارضہ سودا۔ وصفرا۔ درد پسلی۔ مقابلہ مخالف۔ ملال خاطر۔

چاند میں راہو کا سوکہشم

۴۱ - سفر میں ملال خاطر۔ نقصان زر و مال۔ ترک وطن۔ عزیزوں سے ناراضگی و رنج۔

چاند میں برہسپت کا سوکہشم

۴۲ - آسائش آرام۔ بلندی مرتبہ۔ تولد فرزند

چاند میں کیت کا سوکہشم

۴۳ - فقرا سے بددعا۔ خوف چور۔ حکام سے بے اتفاقی۔ خسارہ بیوپار

چاند میں بدھ کا سوکہشم

۴۴ - پیدائش اور بہتری اولاد۔ سفر۔ ملنا سواری۔ پارچہ۔ سرکار سے فائدہ

چاند میں کیت کا سوکہشم

۴۵ - اندیشہ آگ۔ جانوران شاخ دار۔ نقصان معاش۔ روزگار۔

چاند میں شکر کا سوکہشم

۴۶ - عروج اقبال۔ ملنا زیور۔ زمین پارچہ۔ شادی۔

چاند میں سورج کا سوکہشم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۶ - نقصانات زر و مال و مویشی و زمین۔ ملال خاطر۔ ہر ایک کام کا نقصان۔

چاند میں ہر ایک گرہ کی پران دشا

چاند میں چاند کی پران دشا ۔ دن گھڑی

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
گھڑی	۱۰	۷	۱۸	۱۶	۱۹	۱۷	۷	۲۰	۹
پل	۲۵	۱۷	۴۵	۴۰	۴۸	۴۳	۱۷	۵۰	۱۵
وپل	۴	۲	۲	۰	۰	۰	۰	۰	۰

چاند میں چاند کی پران دشا کا ثمرہ

۴۷ - پرانایام کری۔ جوگیشر ہو۔

چاند میں منگل کی پران دشا کا ثمرہ

۴۸ - تپ دق۔ جذام۔ نہایت اندیشہ۔ بیماری خونی۔ موت برادر۔

چاند کی راہو کی پران دشا کا ثمرہ

۴۹ - پریشانی۔ رنج و غم۔ خبط عقل۔ خوف سانپ۔ و بھوت پریت۔

چاند میں برہسپت کی پران دشا کا ثمرہ

۵۰ - بلندی اقبال۔ بھجن بندگی۔ پرستش و دھرم میں اعتقاد اخراجات میں فارغ۔

چاند میں سنیچر کی پران دشا کا ثمرہ

۵۱ - گو دولت ملے۔ مگر بینائی جاتی رہے۔ لڑائی عناد۔ بلندی سے گرنا۔

چاند میں بدھ کی پران دشا کا ثمرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۵۲ - ہر ایک سے اخلاص۔ بلندی اقبال راج مرتبہ

چاند میں کیت کی پران دشا کا ثمرہ

۵۳ سے زہر۔ اسلحہ۔ سرکار۔ آگ سے خوف۔ جدائی عورت اولاد۔ بیماری پسلی۔

چاند میں شکر کی پران دشا کا ثمرہ

۵۱ رشادی سعادت۔ فرزند۔ دولت۔ خزانہ۔ نصیب ہو۔

چاند میں سورج کی پران دشا کا ثمرہ

۵۵۔ اندیشہ کمال۔ ملال خاطر۔ ترک وطن۔ اندیشہ موت۔

راز ہفتم

احکام مہادشا۔ منگل معہ انتردشا۔ پرنتردشا۔ سوکشم داشا۔ پران دشا

مہادشا منگل ۷ سال۔

(۱) جنم کنڈلی میں اگر منگل شبھ گرہ ہو۔ تو اُس کی دشا میں زمین۔ سندو دولت۔ طاقت جسمانی۔ ترقی عقل۔ روشنی دلی۔ خوشی برادران خورد و تباہی دشمنان۔

اگر منگل اپنے گھر میکھ برچھک یا اوچ استھان اور راس اوچ ہو کر کیندر۔ ترکون یا خانہ دہم یا دوم میں ہو۔ اشٹک برگ۔ کھٹ برگ اشتھان بل میں مسرور ہو۔ شبھ گرہ اوسکو دیکھتے ہوں۔ اور برہسپت کے نوانشہ میں ہو تو اوسکی دشا راج ریاست۔ زمین مکان۔ باغ زر و مال متاع۔ فتح۔ راجہ بلد سے عزت اور فائدہ۔ سواری زیور پارچہ سفر با فائدہ۔ بھائی بندوں سے آرام۔ نصیب ہوتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر کیندر - یا خانہ سوم میں ہو مگر زیادہ قوت رکھتا ہو - تو بھی اپنی کمائی سے زر حاصل ہوتا ہے - اور مقابلہ دشمن میں فتح - عورت فرزند ترقی اقبال - راجدربار سے فائدہ - اول حصہ دشا میں آرام عیش اور آخری حصہ میں رنج تکلیف -

اگر نحس حالت میں ہو تو اوسکی دشا میں بیماری سے تکلیف - لڑائی فساد - خوف آتش و درد اعضاء و زخم و مصیبت - قید - بربادی اراضی ناراضگی حکام - شہ غلامی - اگر کمزور ہو کر نیچ استہان یا دشمن کے گھر میں ہو کر ۶ - ۸ - ۱۲ - گھروں میں ہوں - اور پاپی گرہ ساتھ ہو اور پاپی گرہ کی درشٹی ہو تو تمام زمانہ دشا کی سخت مصائب اور تکالیف میں بسر ہووے -

مہادشا منگل ۷ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

گرہ	مر	را	مش	ز	عط	ذ	زہ	شم	قم
سال	۰	۱	۰	۱	۰	۰	۱	۰	۰
ماہ	۴	۰	۱۱	۱	۱۱	۴	۲	۴	۷
دن	۲۷	۱۸	۶	۹	۲۷	۲۷	۰	۶	۰

منگل کی مہادشا میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

منگل کی مہادشا میں منگل کی انتر دشا

۲ - منگل اگر کیندر - ترکون میں یا ۲ - ۳ - ۱۱ - میں بلوان یا اوچ استہان یا اپنے گھر میں ہو تو اوسکی انتر دشا میں راج - ریاست - زر و مال تولد فرزند - سواری آرام و صحت و مکان حاصل ہوتا ہے - اور حکام وقت توجہ فرماتے ہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر منگل کمزور ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو یا نیچ استھان میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بیماری خوف عورت۔ تنزل مرتبہ تباہی زر و دل موت مویشی۔ خوف چور۔ ورنج حکام پیش آتے ہیں۔ اگر منگل مالک خانہ ۲-۷ ہو۔ تو اُس کی انتردشا میں کمزوری جسم اور ضعف دل۔ حادثہ موت ہوتا ہے۔

منگل کی مہادشا میں راہو کی انتردشا

۴ - راہو اپنے گھر یا اوچ استھان میں ہو کر کیندر۔ ترکون یا گیارھویں گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو تو اُسکی انتردشا میں راج ریاست۔ زر و مال۔ فرزند و آرام امن و چین سفر مبارک نصیب ہوتا ہے۔ اگر راہو لگن سے یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہمراہ پاپی گرہ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو خوف زہریلہ جانوران و سانپ و چور و موت مویشی و بیماری آزادی و صفراوی سے ہو۔

اگر راہو دوسرے گھر میں ہو تو نقصان دولت ہو۔ اگر ساتویں گھر میں ہو تو اُسکی انتردشا میں اندیشہ موت ہو۔

منگل کی مہادشا میں برہسپت کی انتردشا

۵ - برہسپت اپنے اوچ استھان یا اوج آتش یا اپنے نوانسہ میں ہو کر کیندر۔ ترکون یا ۲-۱۱ گھر میں ہو تو برہسپت کی انتردشا میں راجدربار سے فائدہ اور عزت و زر و مال۔ ترقی خزانہ۔ عزت اور فرزند نصیب ہوتا ہے۔

برہسپت اگر منگل سے کیندر۔ ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو۔ تو اور لگن یش کے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ساتھ ہو۔ ورشبھ گرہ کے نوانسہ میں ہو تو ترقی اقبال و دولت و تندرستی و مویشی ہو۔

اگر برہسپت لگن جنم یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ نیچ استھان یا پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی ورشتی میں ہو تو اندیشہ چور۔ عتاب شاہی۔ سانپ۔ موت برادر۔ سایہ جن بھوت وغیرہ ہو۔

اگر برہسپت مالک خانہ ۲-۷ ہو تو صدمہ موت ناگہانی کا خوف۔

منگل کی مہا دشا میں سینچر کی انتر دشا

۶- سینچر اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر کیندر یا ترکون میں ہو یا اوچ استھان کے نوانسہ یا اپنے نوانسہ میں ہو کر لگنیش کے ساتھ بلوان ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں راجدربار سے فائدہ۔ عورت فرزند پوتہ سے آرام ہو۔

سینچر لگن جنم یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ نیچ استھان ہمراہ پاپی گرہ کے ہو تو حکام وقت سے خوف و نقصان دولت و اندیشہ قید و بیماری چند اقسام ہو۔

اگر سینچر مالک خانہ ۲-۷ ہو۔ تو اندیشہ مرگ ناگہانی۔ اور تشویش و فکر اور حکام سے فساد و نقصان زر و مال و غلہ۔ آتش و چور سے خوف۔ ارادہ کارہائے عظیم۔ سفر نامبارک ہزاروں ذی روح کو ہلاک کرتا ہے۔ حتیٰ کہ بشرط موقعہ موت از دیگر تحقیقات کے موت دیتا ہے۔

منگل کی مہا دشا میں بدھ کی انتر دشا

۷- بدھ اپنے اوچ استھان میں ہو کر کیندر، ترکون یا ۱۱ گھر میں ہو تو دلیری۔ شوق دھرم۔ سواری۔ زر و مال۔ فرزند۔ عورت۔ راجدربار سے فائدہ۔ اپنی انتر دشا میں دیتا ہے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ اگر منگل سے کیندر ترکون میں اوچ استھان میں ہو تو بلند مرتبہ دیتا ہے۔
اگر بدھ است یا نیچ استھان میں ہو کر لگن سے یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ یا پاپی گرہ اُسکو دیکھتا ہو۔ تو اپنی انتر دشا میں موت فرزند و عورت۔ و نقصان دولت و مویشی و حکام سے فساد و چند انواع سے نقصان ہو جاتا ہے۔ اور خوف چور۔ و آتش زنی کا ہو۔
اگر بدھ مالک خانہ ۲-۷- ہو تو موت ناگہانی و تکلیف جسم۔ و نقصان دولت کا ہو

منگل کی مہادشا میں کیت کی انتر دشا

- کیت لگن سے یا منگل سے کیندر۔ ترکون یا گیاراں گھر اوچ استھان یا اپنے گھر میں یا تیسرے گھر میں ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں راجدربار سے فائدہ حکام سے سلوک اخلاص عروج اقبال ترقی مویشی۔ شادی اور فرزند نصیب ہو۔
اگر لگن جنم سے یا منگل سے پاپی گرہ کے ساتھ ہو کر ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو تو تباہی زر و مال اندیشہ چور۔ سانپ موت مویشی عورت فرزند کا ہو۔ اور عام خاص سے فساد حکام سے ناراضگی ہو۔
اگر کیت ۲-۷- گھر میں ہو۔ تو تکلیف جسم و بیماری و حکام سے خوف اُس کی انتر دشا میں ہو۔

منگل کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

- شکر لگن سے کیندر۔ یا ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو کر اوچ استھان ہو اور زور آور ہو لگن بش سے سنبندھ کرتا ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں پراپتی راج و نہایت آسائیش و آرام۔ عمر دراز سواری درجہ اعلے و زیور و بلندی اقبال نصیب ہو۔
اگر منگل سے کیندر۔ ترکون یا ۴-۱۱ گھر اوچ استھان میں ہو تو اُسکی انتر دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ہیں تو ملنا عورت اور لطف مجامعت راجدربار سے فائدہ ۔ پیدا ہونا ہونا فرزند وآرام بدن وسواری وریاست حاصل ہو۔

اگر دسویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو تو سفر مبارک اور تیاری چاہ وتالاب امتداد عبادتگاہ میں ہو۔

اگر جنم لگن یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ نیچ استھان میں ہو پاپی گرہ دیکھتا ہو تو تکالیف چند انواع وموت عورت وظلم حکام واندیشہ چور اور عام سے تنازعہ اور بیماری پیش آوے۔

اگر شکر مالک خانہ ۲-۷ ہو تو خوف سانپ اور موت ناگہانی ہو۔

منگل کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا

۱۰- سورج اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر لگن جنم یا منگل سے کیندر ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو کر اور مالک خانہ ۹ یا ۱۰ کے ساتھ ہو تو اس کی انتر دشا میں راج عروج مرتبہ وبہادری تندرستی ومکان اور سفر باظفر پیش آتا ہے۔

سورج اگر جنم لگن یا منگل سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو پاپی گرہ ساتھ نیچ گھر میں ہو۔ تو تکلیف اور عتاب شاہی۔ بیماری درد جسم درد سر بخار واسہال وضعف دل ہو۔

اگر خانہ مالک ۲-۷ ہو تو سانپ بخار محرقہ وزہر سے صدمہ ہو بچے اور رنج فرزند ہو۔

منگل کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا

۱۱- چاند اگر اوچ استھان میں ہو کیندر ترکون یا م- ۱۱- گھر میں ہو اور مالک خانہ ۴-۹-۱۰ کے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال وملنا اشیاء خوشبودار وپارچہ وزیور وشادی وتیر تھ جانا۔ وخوشی کے کام اور تولد فرزند۔ وشادی ہو۔

نوٹ۔ اگر چاند پورن بلوان ہو تو تمام انتر پورا ہوتا ہے۔ ورنہ کم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر چاند جنم لگن یا چاند سے ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ پاپی گرہ کے ساتھ ہو یا نیچ استھان میں ہو تو موت مویشی و بیماری و موت فرزنداں و عورت و نقصان زر و مال و خوف چوری کا ہو۔

اگر چاند مالک خانہ ۲۔۷ ہو تو کمزوری جسم اور دل کو تشویش ہو۔

منگل کی انتردشا میں ہر ایک گرہ کی پر انتردشا

منگل کے انتر میں منگل کا پرانتر سال ۰ ماہ ۴ دن ۲۷۔

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۸	۲۲	۱۹	۲۳	۲۳	۱۲	۲۴	۲۷	۱۲
دن	۳۴	۳	۳	۱۲	۲۴	۳۴	۲۵	۲۳	۱۵
گھڑی	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

منگل کے انتر میں راہو کا پرانتر سال ۱ ماہ ۰ دن ۱۸

گرہ	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۱	۱	۱	۱	۰	۲	۰	۱	۰
دن	۲۶	۲۰	۱۹	۲۳	۲۲	۳	۱۸	۱	۲۲
گھڑی	۴۲	۲۴	۵۱	۴۳	۳	۰	۵۴	۳۰	۳

منگل کے انتر میں برہسپت کا پرانتر سال ۰ ماہ ۱۱ دن ۶

گرہ	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰	۰	۱
دن	۱۴	۲۳	۱۷	۱۹	۲۶	۱۶	۲۸	۱۹	۲۱
گھڑی	۴۸	۱۲	۳۶	۲۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۴۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۱۵ منگل کے انتر میں سینچر کا پرانتر ۱-۱-۹ (سال ماہ دن)

گرہ	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۲	۱	۰	۲	۰	۱	۰	۱	۱
دن	۳	۲۶	۲۳	۶	۱۹	۳	۲۳	۲۹	۲۳
گھڑی	۴۰	۳۱	۱۶	۳۰	۵۶	۱۵	۱۶	۵۱	۱۲
پل	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰

۱۶ منگل کے انتر میں بدھ کا پرانتر سال ماہ - دن

گرہ	[illegible]	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر
ماہ	۱	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱
دن	۲۰	۲۰	۲۹	۱۷	۲۹	۲۰	۲۳	۱۷	۲۶
گھڑی	۴۴	۴۹	۳۰	۵۱	۴۵	۴۹	۳۳	۳۶	۳۱
پل	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰

۱۷ منگل کے انتر میں کیت کا پرانتر سال ماہ - دن

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۸	۲۴	۷	۱۲	۸	۲۲	۱۹	۲۳	۲۰
گھڑی	۴۴	۴۰	۱۴	۱۵	۳۴	۳	۳۶	۱۶	۴۹
پل	۳۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۳۰

۱۸ منگل کے انتر میں شکر کا پرانتر سال - ماہ - دن

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت
ماہ	۲	۰	۱	۰	۲	۱	۲	۱	۰
دن	۱۰	۱۱	۵	۲۴	۳	۲۶	۷	۲۹	۲۴
گھڑی پل	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منگل کے پرانتر میں سورج کا پرانتر سال ۔ ماہ ۔ دن

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶	۱۹	۱۷	۷	۲۱
گھڑی	۱۸	۳۰	۲۱	۵۴	۴۸	۵۷	۵۱	۲۱	۰

منگل کے انتر میں چاند کا پرانتر سال ۔ ماہ ۔ دن

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۰	۰	۱	۰	۱	۰	۰	۱	۰
دن	۱۷	۱۲	۱	۲۸	۳	۲۹	۱۲	۱۵	۱۰
گھڑی	۳۰	۱۵	۳۰	۰	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۳۰

منگل کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا کا پھل

منگل کے انتر میں منگل کا پرانتر

بیماری خون ۔ اندیشہ جملہ دشمن ۔ آگ ۔ فساد ۔ مرگ

منگل کے انتر میں راہو کا پرانتر

تنزل اقبال ۔ خوف سزا ، قید ۔ مقابلہ دشمن ۔ نقصان از دولت کھانا خراب

منگل کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

پریشانی ۔ ملال خاطر ۔ فکر تنازعات ۔ عارضہ بخار ۔ ویرانی عقل وہوش

منگل کے انتر میں سینچر کا پرانتر

موت آقا ۔ ذکالیف ۔ اندیشہ ۔ نقصانات ۔ فساد ۔ ملال خاطر

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۲۵ **منگل کے انتر میں بدھ کا پرانتر**

دوستوں کی بربادی۔ عارضہ بخار۔ نقصانات دولت۔ آمدنی غلہ پارچہ
عقل فکر۔

۲۶ **منگل کے انتر میں کیت کا پرانتر**

راجدربار سے اندیشہ۔ خوف چوٹ۔ بیماری سر۔ مرگ۔ سستی کمزوری۔

۲۷ **منگل کے انتر میں شکر کا پرانتر**

بیماری ہیضہ یا اسہال۔ خوف سرکار۔ چوٹ۔ ملال خاطر۔ کینہ لوگوں سے
رنج۔

۲۸ **منگل کے انتر میں سورج کا پرانتر**

آرام عیش۔ اخلاص محبان۔ ملنا زر و مال و زمین۔

۲۹ **منگل کے انتر میں چاندما کا پرانتر**

ہر ایک کام بخوبی انجام ہو۔ دن کی طرف سے ملنا زر و دولت۔ زیور پارچہ سفید

منگل میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

۳۰ منگل میں منگل کا سوکھشم

دن ۰ - گھڑی ۳۰ - پل ۰ -

گرہ	منگل	راہو	برہسپتی	شنی	بدھ	کیت	شکر	سورج	چندرما
دن	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰
گھڑی	۳۰	۱۷	۸	۲۱	۱۳	۳۰	۲۵	۲۵	۴۲
پل	۰	۱۰	۳۶	۲۷	۵۳	۰	۴۵	۴۳	۵۲

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

٢٥ منگل کے انتر میں بدھ کا پرانتر

دوستوں کی بربادی۔ عارضہ بخار۔ نقصانات دولت۔ آمدنی غلہ پارچہ عقل فکر۔

٢٦ منگل کے انتر میں کیت کا پرانتر

راجدربار سے اندیشہ۔ خوف چوٹ۔ بیماری سر۔ مرگ۔ سستی کمزوری۔

٢٧ منگل کے انتر میں شکر کا پرانتر

بیماری ہیضہ یا اسہال۔ خوف سرکار۔ چوٹ۔ ملال خاطر۔ کمینہ لوگوں سے رنج۔

٢٨ منگل کے انتر میں سورج کا پرانتر

آرام عیش۔ اخلاص محبان۔ ملنا زر و مال و زمین۔

٢٩ منگل کے انتر میں چاندما کا پرانتر

ہر ایک کام بخوبی انجام ہو۔ دن کی طرف سے ملنا زر و دولت۔ زیور پارچہ سفید

منگل میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

٣٠ منگل میں منگل کا سوکھشم

دن ٠ گھڑی ٣٠ پل ٠

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	شنی	بدھ	کیت	شکر	سورج	چندر
دن	٠	١	١	١	١	٠	١	٠	٠
گھڑی	٣٠	١٨	٨	٢١	١٣	٣٠	٢٥	٢٥	٤٣
پل	٠	١٠	٣٦	٢٧	٥٣	٠	٤٥	٤٣	٥٢

منگل میں راہو کا سوکھشم ۔ ۰۔۵۱ ۲۲ دن ۔۲۳ گھڑی

گرہ	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۳	۲	۳	۳	۱	۳	۱	۱	۱
گھڑی	۱۸	۵۶	۳۹	۷	۱۷	۴۰	۶	۰	۱۷
پل	۳۷	۲۴	۳۸	۲۵	۱۰	۳۰	۹	۵	۱۲

منگل میں برہسپت کا سوکھشم ۱۹ دن ۔ ۳۶ گھڑی

گرہ	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۲	۳	۲	۱	۲	۰	۱	۱	۲
گھڑی	۳۶	۱۶	۵۶	۸	۲	۵۸	۳۸	۲۸	۵۹
پل	۴۸	۲۱	۳۶	۲۴	۴۰	۴۸	۰	۳۹	۲۲

منگل میں سینچر کا سوکھشم ۔ ۳۲ دن ۔ ۱۹ گھڑی ۔ ۳۰ پل

گرہ	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۲	۳	۱	۳	۱	۱	۱	۳	۳
گھڑی	۱۴	۱۷	۲۱	۵۳	۹	۵۱	۴۱	۵۲	۹
پل	۳۰	۴۴	۴۲	۵	۴۶	۳۲	۴۹	۵۸	۳۲

منگل میں بدھ کا سوکھشم ۔ ۲۰ دن ۔ ۳۴ گھڑی ۔ ۳۰ پل

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر
دن	۲	۱	۲	۱	۱	۱	۳	۲	۳
گھڑی	۴۴	۱۲	۲۵	۲۱	۲۴	۱۲	۵	۴۴	۱۵
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منگل میں کیت کا سوکھشم ۔ ۸ دن ۔ ۳۴ گھڑی ۔ ۳۰ پل

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱
گھڑی	۳۰	۲۶	۲۶	۴۳	۳۰	۱۶	۹	۲۲	۱۳
پل	۳۸	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

منگل میں شکر کا سوکھشم ۔ ۲۴ دن ۔ ۳۰ گھڑی ۔ ۰ پل

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳	۱	۲	۱	۳	۳	۳	۳	۱
گھڑی	۵	۱۳	۱۲	۲۵	۴۰	۱۶	۵۲	۳۸	۲۵
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

منگل میں سورج کا سوکھشم ۰ دن ۔ ۴۱ گھڑی ۰ پل

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۰	۰	۰	۱۷	۰	۱	۱	۰	۱
گھڑی	۲۲	۲۶	۲۵	۶	۵۸	۹	۲	۲۵	۱۲
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

منگل میں چاند کا سوکھشم ۱۲ دن ۔ ۱۵ گھڑی ۔ ۰ پل

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۱	۰	۶	۱	۱	۱	۱	۲	۰
گھڑی	۹	۴۴	۵۰	۳۸	۵۶	۴۴	۴۲	۱	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نوٹ (۱) منگل میں منگل کے پرانتر کا سوکھشم نکال کر دکھایا گیا ہے۔ باقی انترگرہوں کا ہر ایک عامل خود سوکھشم نکالیگا تا کر تعداد ایام مہادشا پوری ہو جاوے

منگل میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا کا پھل

ہر ایک طرح سے رنج۔ ملال خاطر۔ نقصان زمین۔ عارضہ مرگی۔

منگل میں راہو کا سوکھشم

خوف آگ۔ تباہی سسرال۔ ہر ایک سے اندیشہ۔ بیماری جذام وغیرہ۔

منگل میں برہسپت کا سوکھشم

خوشی لوگوں میں عزت۔ سجن بیدگی۔

منگل میں سینچر کا سوکھشم

آمد دولت۔ خدمتگار زیادہ ہون۔ بیفکری۔

منگل میں بدھ کا سوکھشم

بیماری دم کشی۔ بلغم کا زور۔ عروج اقبال۔ ملنا سواری کا۔

منگل میں کیت کا سوکھشم

کسی جگہ ٹھکانا نہ ملے۔ مبتلا۔ پریشان خالی۔

منگل میں شکر کا سوکھشم

ہر ایک تمنا پوری ہو۔ کھانا عمدہ۔ جوبت سے ملاقات۔

منگل میں ہر ایک گرہ کی پران دشا

منگل میں منگل کی پران دشا ۳۰ گھڑی۔ پل۔ دن ۴ مہینہ

چاند	سورج	شکر	کیت	بدھ	سنیچر	برہسپت	راہو	منگل	گرہ
۲	۱	۵	۱	۲	۴	۴	۴	۱	گھڑی
۳۰	۳۰	۰	۴۵	۱۵	۴۵	۰	۳۰	۴۵	پل
۴	۳	۸	۲	۶	۸	۶	۶	۳۰	وپل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

منگل میں منگل کی پران دشا کا ثمرہ

خوف موت۔ قید۔ اسلحہ۔

منگل میں راہو کی پران دشا کا ثمرہ

جدائی عورت اولاد۔ بھائیوں سے نفاق۔ زہر سے موت۔

منگل میں برہسپت کی پران دشا کا ثمرہ

خوشی اولاد۔ ترقی دولت۔ پرستش۔

منگل میں سنیچر کی پران دشا کا ثمرہ

تنزل اقبال۔ نقصان دولت۔ بوجہ بھائیوں کے قید۔ آگ سے موت۔

منگل میں بدھ کی انتر دشا کا ثمرہ

عورت حسین اور عمدہ لباس و زیور۔ حاصل ہو۔

منگل میں کیت کی پران دشا کا ثمرہ۔

بیماری آنکھ۔ بلندی سے گرنا۔ نقصان دولت۔ سانپ سے ضرر۔

منگل میں شکر کی پران دشا کا ثمرہ

بسبب صحبت عورت بیمار ہو۔ آرام جسمانی۔ بدن دولت وزر۔

منگل میں سورج کی پران دشا کا ثمرہ

تنگدستی۔ بیماری۔ نقصان دولت۔ سرکار سے نفاق۔ بخار۔

منگل میں چاند کی پران دشا کا ثمرہ

گرم سرد بخار سے تکلیف۔ تکمر زیور۔ پارچہ نصیب ہو۔ کھانا عمدہ ملے۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز ہشتم

احکام مہادشا راہو۔ معہ انتردشا۔ پرنتردشا۔ سوکشم دشا۔ پران دشا

مہادشا راہو ۱۸ سال

۱۔ اگر جنم کنڈلی میں راہو شبھ گرہ حالت میں ہو تو اسکی انتردشا میں راج ریاست۔ آرام۔ اعتقاد مذہبی۔ دولت۔ تیرتھ جاترا یا حج۔ گیان نصیب ہو۔

راہو کا اوچ استھان۔ برکھ متھن اور کیتو کا اوچ استھان برچھک دھن۔

راہو کا مول ترکون ہیں کرک۔

راہو کا اپنا گھر کنیا۔ کیتو کا اپنا گھر مین۔

ان استھانوں میں اگر راہو ہو۔ تو اسکی دشا میں آرام۔ عیش۔ زر و مال۔ غلہ۔ دوستوں سے فائدہ۔ آقا سے تبادلی۔ سواری۔ اولاد۔ فرزند۔ تعمیر مکان۔ ترقی مذہب۔ زیور پارچہ۔ سفر میں حکام سے فائدہ نصیب ہوتا ہے۔

اگر راہو کو شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ یا اوسکے [illegible] اور یوگ کارک گرہ
اگر راہو شبھ گرہ کے بیچ میں [illegible] یا ساتھ [illegible] حملہ مخالفان
ساتھ ہو۔ کیندر ترکون۔ یا خانہ میں ۳-۶-۱۱ میں ہو اور شبھ گرہ کے گھر میں ہو۔ تو اسکی دشا میں مہربانی حکام سے۔ آرام عیش۔ غیر مذاہب والوں سے فائدہ۔ گھر میں خوشی نصیب ہو

اگر راہو بد حالت میں ہو تو اسکی دشا میں خوف زہر۔ خوف سانپ۔ درد بدن بیماری زخم اسلحہ ہر ایک سے ناراضگی اور رنج کئی اقسام سے تکالیف۔

اگر راہو خانہ ۸ ۱۲ میں ہو یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو اور کارک گرہ کے ساتھ ہو یا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نیچ استھان میں ہو تو اُسکی انتر دشا میں تکلیف ترک مکان ہر دم رنج و ملال خاطر
خوف موت اولاد و عورت خدا خراب۔

اُسکی دشا میں پہلے حصہ میں بیماری۔ درد بدن۔ بربادی دولت۔ نقصان غلہ درمیان
زمانہ میں آرام اور فائدہ زر و مال۔

آخری حصہ میں تکالیف ہر قسم بیماری ترک مکان۔

مہادشا راہو ۱۸ سال میں انتر دشا ہر ایک گرہ

گرہ	راہو	برہسپت	شنی	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چندر	منگل
سال	۲	۲	۲	۲	۱	۳	۰	۱	۱
ماہ	۸	۴	۱۰	۶	۰	۰	۱۰	۶	۰
دن	۱۲	۲۴	۶	۱۸	۱۸	۰	۲۴	۰	۱۸

راہو کی مہادشا میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

۳۔ راہو اگر کرک۔ کنیا۔ برچھک۔ دھن راشی میں ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں
عروج اقبال و ملازمت۔ پارچہ زیور۔ مویشی سواری۔ سفر باظفر جانب
مغرب و زر و مال حاصل ہوتا ہے۔

اگر وہ شبھ گرہ کے ساتھ ۳-۶-۱۰-۱۱ گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ اسکو دیکھتے
ہیں اُچ راشی اور دوست کے نوانش میں ہو۔ تو راج دلاتا ہے اور مبارک
کام و امن و مکان و دوستوں میں خیر اور زیادہ فرزند۔ عورت سے آرام ملتا ہے۔

اگر وہ اشبھ یا پاپی گرہ ساتھ ہو۔ ۱-۲-۸-۱۲ گھر میں ہو تو اندیشہ چوری۔ چوٹ۔ ہر آدمی
سے رنج تکلیف حکام سے بگاڑ۔ موت بھائیوں کی دیتا ہے۔

اگر وہ ۲-۷ گھر میں ہو۔ تو تمام زمانہ انتر دشا بیماری اور تکالیف میں گذرتا ہے

راہو کی مہادشا میں برہسپت کی انتر دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴- لگن یا راہو سے برہسپت کیندر۔ ترکون میں ہو۔ یا اوچ استھان یا اپنے
نوانسہ میں ہو تو اسکی انتر دشا میں ترقی زر و مال تباہی مخالفان روز بروز عروج
اقبال اور ترقی شان و شوکت ملنا سواری حکام سے سلوک اور فائدہ پیدائش
فرزند اولاد۔ شادی۔ صحت تندرستی نصیب ہو اولاد سفر مبارک تیرتھ
جاترا طرف مغرب یا گوشہ مغرب شمال پیش آوے۔

اگر برہسپت پاپی گرہ کے ساتھ ۳-۱-۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ یا نیچ استھان
میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں حکام سے ناراضگی۔ فکر۔ اندیشہ۔ بیماری۔ بربادی
زر و مال۔ موت عورت و اولاد۔ تباہی سواری ہو۔

اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو درد جسم اور موت ناگہانی ہو۔

راہو کی مہا دشا میں سنیچر کی انتر دشا

۵- سنیچر اگر جنم لگن یا راہو سے اوچ استھان یا اپنے گھر کا ہو کر کیندر ترکون یا ۳
۱۱ گھر میں ہو اپنی انتر دشا میں عروج اقبال اور حکام سے سلوک اور فائدہ و
نصیب باغ و شادی و صحت وری مزاج و سفر مغرب پیش آتا ہے۔

اگر وہ نیچ استھان یا دشمن کے گھر میں ہو کر لگن یا چاند سے ۶-۸-۱۲-
گھر میں ہو یا پاپی گرہ اسکو دیکھتا ہو۔ یا اسکے ساتھ ہو۔ تو کاہلی اور کمزوری
اور غضب حکام و بربادی زر و مال و فرزندان و تکالیف بیماری۔ جملہ مخالفان
موت مویشی و غلامان۔ کمینہ لوگوں سے فساد۔ بیماری چھاتی۔ درد گولہ
و فالج وغیرہ ہو۔

اگر مالک ۲-۷ گھر کا ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں موت سخت اور ناگہانی
کا اندیشہ ہو۔

راہو کی مہا دشا میں بدھ کی انتر دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۶ - بدھ اوج استھان میں ہو کر جنم لگن یا راہو سے ترکون میں بلوان ہو تو عروج اقبال دیتا ہے۔

صحت تندرستی بیوپار سے فائدہ۔ آمد زر و مال۔ علم شادی۔ سواری و مویشی اسی طرح آرام و اشیاء خوشبودار۔ انجام تمام کام بخیر و خوبی ہو۔

اگر بدھ جنم لگن یا چاند سے خانہ ۶۔ ۸۔ ۱۲ میں پاپی گرہ کے ساتھ یا نیچ استھان میں ہو کر ہو تو زر و مال کی تباہی اور فضول خرچ۔ و عتاب شاہی۔ بیماری عورت۔ اولاد۔ کمزوری جسم۔ و زر و مال عقل اور ہر ایک سے لڑائی ہو۔

اگر خانہ ۲۔ ۷ کا مالک ہو تو اسکی انتر دشا میں بیماری شدید قریب المرگ ہو۔

راہو کی مہادشا میں کیت کی انتر دشا

۷ - کیت اگر لگنیش اور شبھ گرہ کے ساتھ ورشچک میں ہو تو اسکی انتر دشا میں حکام سے فائدہ و زر و مال و مقصد حاصل ہوں۔

کیت کی انتر دشا میں گشت روزانہ کی تکلیف فائدہ۔ حکام سے نقصان۔ بیماری سوداوی بخار سے اور موت مویشی۔

اگر آٹھویں گھر کے مالک کے ساتھ ہو۔ تو کمزوری جسم و ضعف دل۔

اگر جنم لگن یا راہو سے ۸۔ ۱۲ گھر میں ہو تو بیماری اور والدین و رشتہ داران سے جدائی اندیشہ سانپ۔ چور۔ چوٹ۔ موت حیوانات۔ حکام سے ناراضگی و خرابی۔ اگر وہ خانہ ۲۔ ۷ میں ہو تو اسکی انتر دشا میں خوف سایہ منحوس۔

راہو کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۔ شکر جنم لگن یا راہو سے کیندر۔ ترکون۔ یا گیارہویں گھر میں اوچ استھان ہوکر بلوان ہو تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال۔ پن دان غلہ۔ پیدائش اولاد۔ و شادی و مہربانی حکام سے انجام ہر ایک کام و عطا کام صنعت۔ سواری۔ پارچہ۔ و مجامعت عورات باخوشی ہو۔ اگر شکر ہمراہ راہو۔ یا منگل۔ یا سنیچر ہوکر جنم لگن سے ۶۔۸۔۱۲۔ ۱۱ میں ہو اور نیچ استھان کا ہو۔ یا پاپی گرہ اوسکو دیکھتے ہوں۔ تو ہلاکت اولاد و مادر و غضب حکام و بیماری عورت و درد شکم اور اندیشہ زہر۔ بیماری اسفل و جریان منی۔ آتشک۔ سوزاک۔ خوف قید موت مویشی و سواری۔

اگر شکر مالک خانہ ۲۔۷۔ ہو تو اندیشہ مرض مہلک و موت۔

راہو کی مہا دشا میں سورج کی انتر دشا۔

۹۔ سورج اگر جنم لگن یا راہو سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو۔ اور شبھ گرہ اوسکے ساتھ ہو یا اوسکو دیکھتا ہو۔ تو اوسکی انتر دشا میں حکام سے محبت اور فائدہ زر و مال کی آمد غلہ کا فائدہ ہو۔ لیکن آرام جسمانی میں تکلیف اور مرتبہ میں کمی کرتا ہے۔ اگر وہ مالک خانہ ۱۔ ۹۔ ۱۰۔ کے ساتھ ہو۔ تو عروج مرتبہ۔ سواری اعلیٰ درجہ۔ زیور۔ پارچہ۔ تولد اولاد۔ اور امن مکان ہو۔

اگر وہ نیچ استھان میں ہمراہ پاپی گرہ ہوکر جنم لگن یا چاند سے ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھر میں ہو تو اوسکی انتر دشا میں اندیشہ چوری۔ سانپ۔ غضب حکام۔ نقصان عظیم۔ حملہ مخالفان بیماری بخار و اسہال ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو بیماری شدید ہو۔

راہو کی مہادشا میں چاند کی انتردشا۔

۱۰ جنم لگن یا راہو سے چاند اوج استھان کا ہو کر۔ کیندر، ترکون میں یا گیارہویں گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ اور شکلا پکھ اور بلوان ہو۔ تو اوسکی انتردشا میں مہربانی حکام وصحت بدن۔ اور مال کی آمد۔ سواری اسپ۔ وپارچہ۔ وعروج اقبال۔ زمین کا ن امن وچین نصیب ہو۔ اگر چاند راہو سے کمزور ہو کر خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں خوف سانپ۔ بیماری آنکھ۔ تباہی زر و مال۔ سفر میں خوف چوری وجھوٹ۔

اگر چاند مالک خانہ ۲-۷- ہو تو اندیشہ مرض مہلک۔

راہو کی مہادشا میں منگل کی انتردشا۔

۱۱ منگل اگر شبھ گرہ کے ساتھ اوج استھان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا راہو سے کیندر۔ یا ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں گیا ہوا اقبال اور مرتبہ پھر نصیب ہوتا ہے۔ تولد فرزند۔ آرام سے کھانا۔ نرم پوشاک صحت وتندرستی فرزنداں تندرستی مزاج خوش۔ فائدہ۔ زر و مال سواری پارچہ حاصل ہو۔ اگر وہ کمزور ہو کر نیچ استھان کا جنم لگن یا راہو سے خانہ ۶-۸-۱۲- میں ہو۔ تو ترک وطن وجدائی عزیزاں ونقصان رزق وغیرہ۔

دشا کے حصہ اول میں تکلیف۔ دوم۔ سوم میں آرام۔

اگر وہ خانہ ۲-۷- میں ہو۔ تو کاہلی پریشانی اور بیماری سخت ہو

راہو کی انتردشا میں ہر ایک گرہ کی پرنتر دشا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال ماہ دن
راہو انتر میں راہو کا پرنتر ۲-۸-۱۲-

گره	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۴	۴	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱
دن	۲۵	۹	۳	۱۷	۲۶	۱۲	۱۸	۲۱	۲۶
گھڑی	۴۸	۳۶	۵۴	۴۲	۴۲	۰	۳۶	۰	۴۲

سال ماہ دن
راہو کے انتر میں برہسپت کا پرنتر ۲-۴-۲۴-

گره	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۳	۴	۴	۱	۴	۱	۲	۱	۴
دن	۲۴	۱۶	۲	۳۰	۲۳	۱۳	۱۱	۲۰	۹
گھڑی	۵۶	۳۹	۷	۱۷	۴۰	۴	۵۰	۱۷	۱۸

سال ماہ دن
راہو کے انتر میں سنیچر کا پرنتر ۲-۱۰-۶

گره	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۵	۴
دن	۱۲	۲۵	۲۹	۲۱	۲۱	۲۵	۲۹	۳	۱۶
گھڑی	۲۷	۲۱	۵۱	۰	۱۸	۳۰	۵۱	۵۴	۴۸

سال ماہ دن
راہو کے انتر میں بدھ کا پرنتر ۲-۶-۱۸-

گره	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	
ماہ	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۴	۴	۴	
دن	۱۰	۲۳	۳	۱۵	۱۶	۲۳	۱۷	۲	۲۵	
گھڑی	۳	۳۳	۰	۵۴	۳۰	۳۳	۴۲	۲۴	۲۱	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو کے انتر میں کیت کا پرانتر - ۱ - ۰ - ۱۸ (سال ماہ دن)

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاندر	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۲	۰	۱	۰	۱	۱	۱	۱
دن	۲۲	۳	۱۸	۱	۲۲	۲۶	۲۰	۲۹	۲۳
گھڑی	۳	۰	۵۴	۳۰	۳	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳

راہو کے انتر میں شکر کا پرنتر ۳ - ۰ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۶	۱	۳	۲	۵	۴	۵	۵	۲
دن	۰	۲۴	۰	۳	۱۲	۲۴	۲۱	۳	۳
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

راہو کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰ - ۱۰ - ۲۴

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۶	۲۷	۱۸	۱۸	۱۳	۲۱	۱۵	۱۸	۲۴
گھڑی	۱۲	۰	۵۴	۳۶	۱۲	۱۸	۵۴	۵۴	۰

راہو کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱ - ۶ - ۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۱	۱	۲	۲	۲	۲	۱	۳	۰
دن	۱۵	۱	۲۱	۱۲	۲۵	۱۶	۱	۰	۲۷
گھڑی	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو کے انتر میں منگل کا پرنتر ا ۔ ۱۸۰۰

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۴	۰	۱
دن	۳۲	۴۶	۳۰	۳۹	۴۳	۲۳	۳	۱۸	۱
گھڑی	۳	۴۳	۲۴	۵۱	۲۲	۳	۰	۵۴	۳۰

راہو کی انتر وشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر وشا کا پھل

راہو کے انتر میں راہو کا پرانتر

ہر ایک صورت سے زوال اور بربادی۔ اندیشہ سزا، قید۔ بیماریاں۔ زخم۔ آتش آب دوستوں میں دشمنی۔

راہو کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

عروج اقبال۔ راجدربار سے فائدہ۔ ملنا دولت مال۔ سواری ہر کام اور مقام میں فائدہ

راہو کے انتر میں سنیچر کا پرانتر

نقصانات۔ آ ت۔ خوف سزا، قید۔ عارضہ تکالیف۔

راہو کے انتر میں بدھ کا پرانتر

سفر بالظفر۔ ہر ایک کام اور مقام سے فائدہ۔ فرحت عورات

راہو کے انتر میں کیتو کا پرانتر

ہر کام اور مقام میں نقصان فساد۔ ملال خاطر پراگندگی غم فکر پریشانی

راہو کے انتر میں شکر کا پرانتر۔

نہایت غم رنج۔ موت عورت۔ نقصانات راجدربار سے اندیشہ

راہو کے انتر میں سورج کا پرانتر۔

عارضہ بخار۔ بیماری اولاد۔ مرگ۔

راہو کے انتر میں چاند کا پرانتر۔

ملال پریشانی۔ فکر۔ فساد۔ بیماری۔ زوال آبرو۔ اندیشہ سخت۔ بیقراری باپ۔

راہو کے انتر میں منگل کا پرانتر۔

ملال و پراگندگی خاطر۔ نقصانات عظیم عوارض خونی وصفراوی۔

راہو میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

راہو میں راہو کا سوکھشم ماہ ۴ - دن ۲۵ - گھڑی ۴۸ -

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۲۲	۱۹	۲۳	۲۲	۸	۲۴	۷	۱۳	۸
گھڑی	۰	۳۵	۰	۰	۰	۰	۰		۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۴۸	۰	۰

راہو میں برہسپت کا سوکھشم ماہ ۴ - دن ۹ - گھڑی ۳۶

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۷	۲۰	۱۸	۷	۲۱	۶	۱۰	۷	۱۹
گھڑی	۱۶	۳۱	۲۱	۳۳	۳۶	۲۸	۸	۳۳	۳۳
پل	۴۸	۱۳	۱۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں سنیچر کا سوکھشم ماہ ۵ - دن ۳ - گھڑی ۵۴ -

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۳۴	۳۱	۸	۲۵	۷	۱۳	۸	۲۳	۳۰
گھڑی	۳۳	۴۸	۵۸	۳۶	۴۱	۴۹	۵۸	۵	۳۱
پل	۳	۹	۳۹	۰	۴۳	۳۰	۳۹	۶	۱۳

راہو میں بدھ کا سوکھشم ماہ ۴ - دن ۱۷ - گھڑی ۳۴

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۱۹	۸	۳۳	۶	۱۱	۸	۳۰	۱۸	۳۱
گھڑی	۳۰	۱	۵۷	۵۳	۳۸	۱	۲۹	۳۱	۴۸
پل	۲۷	۵۷	۰	۶	۳۰	۵۷	۱۸	۳۶	۹

راہو میں کیت کا سوکھشم ماہ ۱ - دن ۲ - گھڑی ۳۴

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۳	۹	۲	۴	۳	۸	۷	۸	۸
گھڑی	۱۸	۲۷	۵۰	۴۳	۱۸	۳۰	۳۳	۵۸	۱
پل	۲۷	۰	۶	۲۰	۲۷	۱۸	۳۶	۳۹	۵۷

راہو میں شکر کا سوکھشم ماہ ۵ - دن ۳ - گھڑی ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳۷	۸	۱۳	۹	۳۴	۳۱	۳۵	۲۴	۹
گھڑی	۰	۶	۳۰	۲۷	۱۸	۳۶	۳۹	۵۷	۲۷
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہ دن گھڑی
راہو میں سورج کا سوکھشم ۱۰ - ۱ - ۱۸ - ۳۶

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۳	۴	۳	۷	۶	۷	۶	۳	۸
گھڑی	۳۵	۳	۵۰	۱۷	۳۸	۱۴	۵۳	۵۰	۶
پل	۴۸	۰	۶۰	۳۴	۴۸	۴۳	۶	۴	۰

ماہ دن گھڑی
راہو میں چاند کا سوکھشم ۳ - ۱ - ۳

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۶	۴	۱۳	۱۰	۱۳	۱۱	۴	۱۳	۴
گھڑی	۴۵	۴۳	۹	۴۸	۴۹	۳۸	۴۳	۳۰	۳
پل	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

ماہ دن گھڑی
راہو میں منگل کا سوکھشم ۱ - ۱۴ - ۳۴

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۳	۸	۷	۸	۸	۳	۹	۳	۴
گھڑی	۱۸	۳۰	۳۳	۵۸	۱	۱۸	۳۷	۵۰	۴۳
پل	۳۷	۱۸	۳۶	۳۶	۵۷	۳۷	۰	۶	۳۰

صرف ایک راہو کے پنتر میں ہر ایک گرہ کا سوکھشم نکالا گیا ہے باقی گرہوں کا ہر ایک صاحب عمل حسب قاعدہ نکال کر خود درج کر لیوے تاکہ کل ایام مہادشا کے سوکھشم میں آجاویں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم وشا کا ثمرہ

راہو میں راہو کا سوکھشم

ملال خاطر۔ لوگوں سے ضرر۔ کاموں میں عقل بیکار ہو۔

راہو میں برہسپت کا سوکھشم

دہرم آتما ۔پن دان کرے۔ ہر ایک کا دوست۔ الا بیماری شدید۔ اور افلاس

راہو میں سنیچر کا سوکھشم

بے عقل۔ کمینہ لوگوں سے دوستی۔ کام خدمتگاری۔

راہو میں بدھ کا سوکھشم

زبان دراز۔ عورت کی صحبت کا شوق۔

راہو میں کیت کا سوکھشم

بیقدری۔ لاغری بدن۔ اندیشہ موت۔ قید۔

راہو میں شکر کا سوکھشم

جمعیت دولت۔ عذاب اور قید سے خلاصی۔

راہو میں سورج کا سوکھشم

البتہ آرام سواری ہو ورنہ نقصانات۔ ہر ایک کام میں مایوسی ترقی غصہ۔

راہو میں چاند کا سوکھشم

بندگی۔ علم۔ اعتقاد گورو۔ اور روپیہ جواہرات۔

راہو میں منگل کا سوکھشم

مصیبت بمقابلہ دشمن ہار ہو۔ غصہ زیادہ خوف سزا قید

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں سب گرہوں کی پران وشا

راہو میں راہو کی پران وشا ۲ - ۴۲ دن گھڑی

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۲	۲	۳	۳	۱	۳	۱	۱	۱
گھڑی	۱۸	۵۶	۳۹	۷	۱۷	۴۰	۶	۵۰	۱۷
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰۰

راہو میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

بے عقلی سے نقصان زر و مال۔ خوف زہر کھانا ملے دنیا سے نفرت

راہو میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

آرام جسمانی و ملنا سواری۔ کمینہ سے مخالفت۔

راہو میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ

خوف قید و جلنا مکان جسم کو صدمہ آگ۔ کمینہ سے نقصان دولت

راہو میں بدھ کی پران وشا کا ثمرہ

عروج اقبال۔ مروۃ احسان۔ ہنرمندی۔ بندگی نصیب ہو۔

راہو میں کیت کی پران وشا کا ثمرہ

جدائی عورت و اولاد۔ خبط عقل۔ بیکار رہے ہر ایک کام۔

راہو میں شکر کی پران وشا کا ثمرہ

پرستش۔ تعمیر مکان۔ تمام کام انجام ہوں تخت اور سواری نصیب ہو

راہو میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ

موت مویشی۔ حکام سے ملال۔ بیماری و داغ

راہو میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

آرام - خوشی - ترقی عقل - ملاقات گورو -
راہو میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ -
تنزل مرتبہ - پیشہ کمینہ - خوف آگ - زوال مرتبہ -

راز نہم

احکام مہا وشا برہسپت - انتر وشا - سوکھشم وشا - پران وشا
مہا وشا برہسپت ۱۶ سال

اجنم کنڈلی میں برہسپت شبھ حالت میں ہو - تو اسکی وشا میں حکومت عزت - روپیہ مال فرزند - اولاد - بلندی مرتبہ - فن و علم و سواری ترقی اقبال -

اگر برہسپت اپنے اوچ استھان اور کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں یا مول ترکون یا اس اوچ یا اپنے نوانش میں ہو تو اسکی وشا میں معراج - اعلےٰ درجہ کا آرام و خیرات و سلوک سواری عبادت - پرستش دیوتا برہمنان - آرام فرزند اولاد - پارچہ زیور - بڑے بڑے اچھے کام - گیان شاستر میں توجہ - بادشاہ سے حصول مراد دلی عیش و نیکنامی نصیب ہوتی ہے -

اگر برہسپت اشبھ حالت میں ہو - تو خوف حکام و آفات پریشانی خاطر - نقصان زر و دولت تکلیف اولاد - ترک زمین - اندیشہ بزرگان رنج و زوال -

اگر برہسپت نیچ استھان میں اور غنیم کے راست ہو - اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور خانہ ۸-۱۲ میں ہو۔ تو اسکی وشا
میں ترک مکان یا وطن و رنج ملال خاطر و اندیشہ فرزند۔ ہرایک
کام میں خوف مویشی کا نقصان۔ عبادت سے گریز۔
حصہ اول وشا میں تکالیف اور رنج۔ حصہ دوم میں فائدہ مویشی
حصہ آخیر میں راجہ سے فائدہ اور ترقی عزت و آرام۔

مہا وشا برہسپت ۱۶ سال میں ہرایک گرہ کی انتر وشا

۳۔

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
سال	۲	۲	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲
ماہ	۱	۶	۳	۱۱	۸	۹	۴	۱۱	۴
دن	۱۸	۱۲	۶	۶	۰	۱۸	۰	۶	۲۴

برہسپت کی مہا وشا میں ہرایک گرہ کی انتر وشا

۴۔ برہسپت اوچ استھان ہو کر کیندر ترکون۔ یا گیارہویں گھر میں
ملوان ہو تو اسکی انتر وشا میں عروج اقبال و مرتبہ و آرام
درجہ عنایت۔ مویشی۔ سواری۔ زیور۔ پارچہ۔ مکانات جدید
تولد اولاد و شادی نصیب ہو۔
اگر وہ کمزور ہو کر نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲
گھر میں ہو۔ تو کمینہ لوگوں سے تکلیف اور مخالفت۔ عورت
اولاد سے جدائی۔ نقصان زر و مال اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ کا ہو
تو اندیشہ آسیب۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہا دشا میں سنیچر کی انتر دشا

۴۔ سنیچر اوج استھان یا اپنے گھر یا دوست کے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں بلوان ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال و آرام۔ سواری۔ پارچہ زر و مال عورت۔ اولاد۔ سفر مغرب۔ حکام سے فائدہ۔ اگر وہ جنم لگن یا برہسپت سے کمزور نیچ استھان یا است یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو کر ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں سخت اندیشہ غضب سرکار تکلیف۔ بیماری عورت۔ اولاد۔ تباہی زر و مال خوف چوری۔ بھائیوں سے فساد۔ اگر سنیچر مالک خانہ ۲۔ ۷۔ ہو تو خوف موت ناگہانی۔

برہسپت کی دشا میں بدھ کی انتر دشا۔

۵۔ اگر بدھ بلوان ہو کر برہسپت کے ساتھ۔ اوج استھان کا کیندر ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو زر و مال۔ آرام بدنی صحت مزاج حکام سے حصول مقصد مویشی کثیر۔ سواری۔ پارچہ۔ زیور۔ فرزند عورت۔ والدین سے آرام خوشی کے کام ہوں۔
اگر بدھ۔ کمزور نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن یا برہسپت سے ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ہو۔ تو فساد۔ کئی طرح سے نقصان۔ بیماریاں بیوپار میں خسارہ بیماری اولاد۔ عورت۔ موت ناگہانی۔ حکام سے بدسلوکی۔ دشمنان کا حملہ۔ دشا کے حصہ اول میں آرام۔ خوشی سواری۔ پارچہ۔ زر و مال۔ آخری حصہ میں نقصان زر و مال۔
اگر خانہ ۲۔ ۷۔ کا مالک ہو تو مرگ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہا دشا میں کیت کی انتر دشا

۶ - اگر کیت شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں دوسروں کے وسیلہ سے ۔ زرومال ۔ آرام حاصل ہو۔

اگر برہسپت سے ۴ - ۵ - ۹ - ۱۰ - گھر میں کیت ہو۔ تو زرومال - افسری ۔ سواری ۔ مہربانی حکام سے حصول مقصد۔

اگر کیت کمزور ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ برہسپت سے ۶ - ۸ - ۱۲ - گھر میں ہو۔ تو کمزوری جسم ناراضگی والدین ۔ برادر ۔ بیماری ۔ غضب سرکار ۔ اندیشہ قید۔

اگر کیت خانہ ۲ - ۷ میں ہو تو اندیشہ آسیب ۔ بیماری سخت ۔

برہسپت کی مہا دشا میں شکر کی انتر دشا ۔

۷ - شکر ۔ مالک خانہ ۹ - ۱۰ - کے ساتھ ہو ۔ اوج استھان میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر ۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو ۔ شبھ گرہ ساتھ ہو ۔ تو حکومت سواری درجہ اعلےٰ ۔ مرتبہ بلند منصب باختیار ۔ سرکار سے فائدہ ۔ پارچہ نیل رنگ کا شوق ملنا زرومال ۔ سفر جانب مشرق ۔ سفر سے بہت فائدہ ۔ والدین سے آرام ۔ تیاری چاہ ۔ تالاب ۔ مندر ۔ عبادتگاہ ۔ ست سنگ اپنے دھرم میں نشچہ ۔ دان غلہ

جنم لگن یا برہسپت سے ۶ - ۸ - ۱۲ - گھر نیچ استھان میں راہو ۔ سنیچر کے ساتھ ہو ۔ تو عورت کیوجہ سے فساد ۔ اور سسرال سے بدسلوکی ۔ آقا سے ناچاقی ۔ بیماری ۔ اولاد ۔ عورت ۔

اگر مالک خانہ ۲ - ۷ ہو ۔ تو الزام عورت اور اندیشہ موت ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہا دشا میں سورج کی انتر دشا۔

۱۔ اگر سورج اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر، ترکون یا ۳۔۱۱ گھر میں ہو۔ اور بلوان ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں زر و مال۔ آقا سے فائدہ۔ بلندی اقبال۔ سواری زیور۔ تولد فرزند ہو۔

اگر وہ جنم لگن یا برہسپت سے ۔ ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھر میں ہو۔ تو بیماری درد سر۔ بخار۔ بد افعال نیک کاموں سے پرہیز۔ برادر سے جدائی۔ حکام سے رنج۔

اگر وہ خانہ ۲۔ ۷۔ کا مالک ہو۔ تو عارضہ جسم۔

برہسپت کی مہا دشا میں چاند کی انتر دشا۔

۔ چاند شکلا پکھ بلوان ہو کر اوچ استھان کا جنم لگن یا برہسپت سے کیندر، ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں آقا سے فائدہ۔ آرام عورت اولاد۔ غذا دودھ۔ توجہ حکام سے حصول مقاصد۔ زر و مال کی آمد۔ بین حال اگر چاند کمزور ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے خانہ ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ میں ہو۔ تو تنزل مرتبہ موت بھائی۔ ترک وطن۔ حکام سے رنج۔ اندیشہ چور و بیماری والدہ۔ جدائی برادران والدہ۔

اگر چاند خانہ ۲۔ ۷۔ کا مالک ہو۔ تو بیماری۔

برہسپت کی مہا دشا میں منگل کی انتر دشا۔

۱۔ اگر منگل اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر ترکون میں ہو۔ اوچ یا اپنے راشی کے نوانش میں ہو۔ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو اوسکی انتر وشا میں علم۔ زرومال ریاست۔ وزمین۔ بلندی مرتبہ۔ راجہ سے اخلاص تولد فرزند عورت سے راحت۔

اگر جنم لگن یا برہسپت خانہ ۶۔۸۔۱۲ میں نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو تو اُسکی انتر وشا میں زوال زرومال۔ زمین۔ بیماریاں۔ درد آنکھ۔

دشا کے نصف اوّل میں تکلیف۔ دوسرے نصف میں آرام

اگر منگل مالک خانہ ۴۔۷۔ ہو تو ضعف بدن و دل

برہسپت کی مہا دشا میں راہو کی انتر وشا۔

۱۱۔ اگر راہو جنم لگن یا برہسپت سے اوچ استھان میں ہو کر یا مُول ترکون میں ہو کر۔ کیندر یا نویں گھر میں ہو۔ دسویں گھر کا مالک ساتھ ہو اور شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو اُسکی انتر وشا میں پانچ ماہ تک کوشش سے زرومال ملتا ہے اور آغاز سے فائدہ غیر مذہب کے راجہ سے فائدہ حکومت۔ سفر مبارک دور دراز۔ مطالب ولی حاصل ہوں۔

اگر راہو۔ جنم لگن یا برہسپت سے ۶۔۸۔۱۲۔ گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اندیشہ چوری۔ سانپ۔ راجہ سے ناراضگی جدائی بھائی۔ ہر دم خوف۔ ہر ایک سے مخالفت۔

اگر راہو۔ خانہ ۲۔۷۔ میں ہو تو خوف سایہ

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی پرنتر وشا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں برہسپت کا پرنتر ۲-۱-۱۸

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۲	۴	۳	۱	۴	۱	۲	۱	۳
دن	۱۲	۱	۱۸	۱۴	۸	۸	۴	۱۴	۲۵
گھڑی	۳۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰	۲۴	۰	۴۸	۱۲

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں سنیچر کا پرنتر ۲-۶-۱۲

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۴	۴	۱	۵	۱	۳	۱	۴	۴
دن	۳۴	۹	۲۳	۳	۱۵	۱۶	۲۳	۱۶	۱
گھڑی	۳۴	۱۲	۱۲	۰	۳۶	۰	۱۲	۴۸	۳۶

برہسپت کے انتر میں بدھ کا پرنتر ۲-۳-۶

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۳	۱	۴	۱	۲	۱	۴	۳	۴
دن	۲۵	۱۶	۱۴	۱۰	۸	۱۶	۲	۱۸	[illegible]
گھڑی	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴	۴۸	۱۲

برہسپت کے انتر میں کیت کا پرنتر ۰-۱۱-۶

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱
دن	۱۵	۲۶	۱۴	۲۸	۱۹	۳۰	۱۴	۲۳	۶
گھڑی	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴	۴۸	۱۲	[illegible]

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کے انتر میں شکر کا پرنتر ۳-۸-۰۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۵	۱	۳	۱	۷	۴	۵	۴	۱
دن	۱۰	۱۸	۳۰	۳۶	۳۴	۸	۴	۱۶	۳۶
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰۰-۹-۱۸

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۴	۳۴	۱۶	۱۳	۸	۱۵	۱۰	۱۶	۱۸
گھڑی	۳۴	۰	۴۸	۱۲	۳۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰

برہسپت کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱-۴-۰۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	کیت	بدھ	شکر	سورج
ماہ	۱	۰	۳	۳	۳	۳	۲	۲	۰
دن	۱۰	۳۸	۱۳	۲	۱۴	۸	۳۸	۳۰	۳۴
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں منگل کا پرنتر ۰-۱۱-۶

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۲	۱	۱	۰	۱	۰	۰
دن	۱۵	۳۰	۱۴	۲۳	۱۷	۱۹	۲۶	۱۶	۳۸
گھڑی	۲۶	۲۴	۴۸	۰	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کے انتر میں راہو کا پرنتر - سال ۲ ، ماہ ۴ ، دن ۲۴

	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
[illegible]	۴	۳	۴	۴	۱	۴	۱	۳	۱
ن	۹	۲۵	۱۶	۳	۲۰	۲۴	۱۳	۱۳	۲۰
ی	۳۶	۱۲	۴۸	۳	۲۴	۰	۱۲	۰	۲۴

برہسپت کی انتر وشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر وشا کا پھل

برہسپت کے انتر میں برہسپت کا پرانتر۔

عروج اقبال۔ ترقی و دولت خزانہ۔ طلا نقرہ۔ مکانات۔ امن چین۔ ست سنگ بھجن بندگی تیرتھ جاترا۔ کارہا و افادہ عام

برہسپت کے انتر میں سنیچر کا پرانتر۔

فائدہ اراضیات۔ مویشی سواری۔ آرام غلامان۔

برہسپت کے انتر میں بدھ کا پرانتر۔

فائدہ آرام۔ ترقی علم عقل۔ پارچہ اخلاص دوستاں۔

برہسپت کے انتر میں کیت کا پرانتر

مرگ۔ نقصانات۔ فساد۔ خوف چور۔ آب۔ سزا۔ قید وغیرہ۔

برہسپت کے انتر میں شکر کا پرانتر

ہر طرح کے آرام عیش۔ ملنا زر و مال دولت طلا پارچہ۔ زیور۔ علوم وغیرہ۔

برہسپت کے انتر میں سورج کا پرانتر۔

ہر ایک کام کا انجام۔ راجدربار۔ ماں باپ دوستوں سے فائدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

امیدوں میں کامیابی۔

برہسپت کے انتر میں چاند کا پر انتر

امیدوں اور کاموں میں کامیابی۔ ملنا دولت سواری۔ وغیرہ پریشانی و ملال۔

برہسپت کے انتر میں منگل کا پر انتر

مقابلہ مخالفین میں تکالیف۔ بیماری قبض و اسہال۔ خوف آگ و اسلحہ

برہسپت کے انتر میں راہو کا پر انتر

ملال خاطر۔ تکالیف مخالفاں۔ کمینہ لوگوں سے رنج و نقصان

برہسپت میں ہر ایک گرہ کا سوکھشم دشا۔

برہسپت میں برہسپت کا سوکھشم ۳ ماہ - ۱۳ دن - ۳۴ گھڑی -

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۳	۱۶	۱۴	۵	۱۷	۵	۸	۵	۱۵
گھڑی	۳۹	۱۳	۳۰	۵۸	۴	۷	۳۴	۵۸	۴۱
پل	۱۳	۴۸	۳۴	۳۴	۰	۱۳	۰	۳۴	۳۶

برہسپت میں سنیچر کا سوکھشم ۴ ماہ - ۱ دن - ۳۶ گھڑی

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۱۹	۱۷	۷	۳۰	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶
گھڑی	۱۳	۱۳	۵	۱۴	۴	۷	۵	۱۳	۱۱
پل	۳۷	۱۱	۱	۴۰	۱۸	۱۰	۱	۵۴	۸

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں بدھ کا سوکھشم ۳ - ۱۸ - ۴۸

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۱۱	۴	۱۳	۳	۳۶	۴	۱۱	۱۰	۱۳
گھڑی	۹	۳۵	۸	۵۶	۳۴	۳۵	۴۹	۳۰	۳۸
پل	۴۸	۴۸	۰	۲۴	۰	۴۸	۱۳۴	۲۴	۳۶

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں کیت کا سوکھشم ۱۰ - ۱۴ - ۴۰

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۲	۷	۲	۳	۲	۶	۵	۷	۶
گھڑی	۳۸	۵۹	۱۳	۴۴	۸	۳۵	۵۵	۵	۳۰
پل	۳۰	۴۰	۰	۳۰	۳۰	۰	۳۰	۳۰	۴۵

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں شکر کا سوکھشم ۴۴ - ۸ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳۱	۶	۱۰	۷	۱۹	۱۷	۳۰	۱۸	۷
گھڑی	۳۰	۳۴	۴۰	۳۸	۱۳	۴	۱۶	۸	۲۸
پل	۰	۰	۰	۱۰	۰	۰	۰	۰	۰

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں سورج کا سوکھشم ۱ - ۸ - ۴۴

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۱	۳	۲	۶	۵	۶	۵	۲	۶
گھڑی	۵۵	۱۲	۱۴	۴۶	۷	۴	۳۶	۱۴	۲۴
پل	۳۰	۰	۲۴	۰	۳۰	۸	۲۴	۲۴	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہ دن
برہسپت میں چاند کا سوکھشم - ۲ - ۴ - ۴ گھڑی

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	کیت	بدھ	شکر	سورج
دن	۵	۳	۹	۸	۱۰	۳	۸	۱۰	۳
گھڑی	۴۰	۳۰	۴۵	۴۵	۳۵	۲۴	۴۴	۵۰	۱۲
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں منگل کا سوکھشم ۱ - ۱۴ - ۸۴ -

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۲	۶	۵	۷	۶	۳	۷	۲	۳
گھڑی	۳۶	۴۳	۵۸	۵	۳۰	۳۶	۳۸	۱۴	۴۴
پل	۴۸	۱۲	۲۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰	۲۴	۰

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں راہو کا سوکھشم ۳ - ۲۵ - ۱۲ -

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۱۶	۱۵	۱۸	۱۵	۸	۱۹	۵	۹	۶
گھڑی	۱۴	۴۱	۱۴	۳۹	۳	۱۲	۴۵	۳۶	۳
پل	۴۸	۳۶	۲۴	۱۲	۱۲	۰	۳۶	۰	۱۲

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا کا ثمرہ

برہسپت میں برہسپت کا سوکھشم

عروج اقبال - ملنا سواری - دولت - عبادت - اوضیہ رنج غم -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت میں سنیچر کا سوکھشم۔
ہر ایک طرح سے نقصانات۔ سفر بےفائدہ۔ بربادی زر و مال۔

برہسپت میں بدھ کا سوکھشم
حبیب تپ۔ اعتقاد گورو۔ ترقی علم۔ عقل۔ اقبال۔

برہسپت میں کیت کا سوکھشم
اندیشہ چور۔ سانپ۔ ملال خاطر۔ تکلیف۔

برہسپت میں شکر کا سوکھشم
راحت فرزند عورت۔ آمد غلہ و زر و مال۔ آسائش تندرستی۔

برہسپت میں سورج کا سوکھشم
امراض صفرا۔ سودا۔ ترقی بلغم۔

برہسپت میں چاند کا سوکھشم
درد آنکھ و پسلی۔ بلندی مراتب و ملنا راج۔

برہسپت میں منگل کا سوکھشم
سفر بےفائدہ۔ ہر ایک سے رنج۔ عورت کے ذریعہ زہریلے خوف سے القید

برہسپت میں راہو کا سوکھشم
ہر طرح تکلیف۔ اندیشہ سانپ بچھو۔ چور۔

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی پران دشا دن گھڑی پل
جیتہ برہسپت میں برہسپت کی پران دشا ۱۳ - ۴۹ - ۱۳

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱	۳	۱	۰	۳	۰	۱	۰	۳
گھڑی	۴۹	۹	۵۶	۴۷	۱۶	۴۰	۸	۴۷	۳
پل	۱۳	۴۳	۳	۴۷	۳۳	۵۷	۱۶	۴۷	۵۳

چھٹا ۳۵ ۳۳ ۳۱ ۱۱ . ۲۶ . ۴۵

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو انتر میں راہو کا پرنتر سال ماہ دن ۲-۸-۱۲-

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۴	۴	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱
دن	۲۵	۹	۳	۱۷	۲۶	۱۲	۱۸	۲۱	۲۶
گھڑی	۴۸	۳۶	۵۴	۴۲	۴۲	۰	۳۶	۰	۴۲

راہو کے انتر میں برہسپت کا پرنتر سال ماہ دن ۲-۴-۲۴-

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۳	۴	۴	۱	۴	۱	۲	۱	۴
دن	۲۴	۱۶	۲	۲۰	۲۴	۱۳	۱۱	۲۰	۹
گھڑی	۵۶	۴۹	۷	۱۷	۴۰	۴	۵۰	۱۷	۱۸

راہو کے انتر میں سنیچر کا پرنتر سال ماہ دن ۲-۱۰-۶

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۵	۴
دن	۱۳	۲۵	۲۹	۲۱	۲۱	۲۵	۲۹	۳	۱۶
گھڑی	۲۷	۲۱	۵۱	۰	۱۸	۳۰	۵۱	۵۴	۴۸

راہو کے انتر میں بدھ کا پرنتر سال ماہ دن ۲-۶-۱۸-

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	
ماہ	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۴	۴	۴	
دن	۱۰	۲۳	۳	۱۵	۱۶	۲۳	۱۷	۲	۲۵	
گھڑی	۳	۳۳	۰	۵۴	۳۰	۳۳	۴۲	۲۴	۲۱	

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال ماہ دن

راہو کے انتر میں کیت کا پرانتر - ۱ - ۰ - ۱۸

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاندر	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۲	۰	۱	۰	۱	۱	۱	۱
دن	۲۲	۳	۱۸	۱	۲۲	۲۶	۲۰	۲۹	۲۳
گھڑی	۳	۰	۵۴	۳۰	۳	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳

راہو کے انتر میں شکر کا پرنتر ۳ - ۰ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۶	۱	۳	۲	۵	۴	۵	۵	۲
دن	۰	۲۴	۰	۳	۱۲	۲۴	۲۱	۳	۳
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

راہو کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰ - ۱۰ - ۲۴

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۶	۲۷	۱۸	۱۸	۱۳	۲۱	۱۵	۱۸	۲۴
گھڑی	۱۲	۰	۵۴	۳۶	۱۲	۱۸	۵۴	۵۴	۰

راہو کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱ - ۶ - ۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۱	۱	۲	۲	۲	۲	۱	۳	۰
دن	۱۵	۱	۲۱	۱۲	۲۵	۱۶	۱	۰	۲۷
گھڑی	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو کے انتر میں منگل کا پرنتر ۱ - ۰ - ۱۸

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۲	۰	۱
دن	۳۲	۳۶	۳۰	۳۹	۳۳	۳۳	۳	۱۸	۱
گھڑی	۳	۴۳	۳۴	۵۱	۳۳	۳	۰	۵۴	۳۰

راہو کی انتر وشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر وشا کا پھل

راہو کے انتر میں راہو کا پرانتر

ہر ایک صورت سے زوال اور بربادی۔ اندیشہ سزا، قید، بیماریاں۔ زخم۔ آتش آب دوستوں میں دشمنی۔

راہو کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

عروج اقبال۔ راجدربار سے فائدہ، ملنا دولت مال۔ سواری ہر کام اور مقام میں فائدہ

راہو کے انتر میں سنیچر کا پرانتر

نقصانات۔ آ ت۔ خوف سزا، قید۔ عارضہ تکالیف۔

راہو کے انتر میں بدھ کا پرانتر۔

سفر با ظفر۔ ہر ایک کام اور مقام سے فائدہ۔ فرحت عورات

راہو کے انتر میں کیتو کا پرانتر

ہر کام اور مقام میں نقصان فساد۔ ملال خاطر پراگندگی عقل پریشانی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو کے انتر میں شکر کا پرانتر۔
نہایت غم رنج ۔ موت عورت ۔ نقصانات راجدربار سے اندیشہ

راہو کے انتر میں سورج کا پرانتر۔
عارضہ بخار ۔ بیماری اولاد ۔ مرگ۔

راہو کے انتر میں چاند کا پرانتر۔
ملال پریشانی ۔ فکر فساد ۔ بیماری ۔ زوال آبرو ۔ اندیشہ سخت ۔ بیقراری باپ۔

راہو کے انتر میں منگل کا پرانتر۔
ملال و پراگندگی خاطر ۔ نقصانات عظیم عوارض خونی و صفراوی۔

راہو میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

راہو میں راہو کا سوکھشم ماہ ۴ ۔ دن ۵ ۔ گھڑی ۴۸ ۔

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۴۲	۱۹	۳۳	۴۴	۸	۳۴	۷	۱۲	۸
گھڑی	۰	۲۵	۰	۰	۰	۰	۰		۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۴۸	۰	۰

راہو میں برہسپت کا سوکھشم ماہ ۴ ۔ دن ۹ ۔ گھڑی ۳۶

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۷	۳۰	۱۸	۷	۲۱	۶	۱۰	۷	۱۹
گھڑی	۱۶	۳۱	۲۱	۳۳	۳۶	۲۸	۸	۳۳	۲۳
پل	۴۸	۱۳	۱۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۳۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں سنیچر کا سوکھشم ماہ ۵ - دن ۳ - گھڑی ۵۴ -

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۳۴	۲۱	۸	۲۵	۷	۱۳	۸	۲۳	۳۰
گھڑی	۲۲	۴۸	۵۸	۳۶	۴۱	۴۹	۵۸	۵	۳۱
پل	۳	۹	۳۹	۰	۴۳	۳۰	۳۹	۶	۱۲

راہو میں بدھ کا سوکھشم ماہ ۴ - دن ۱۷ - گھڑی ۴۳

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۱۹	۸	۲۳	۶	۱۱	۸	۳۰	۱۸	۳۱
گھڑی	۳۰	۱	۵۷	۵۳	۳۸	۱	۲۹	۳۱	۴۸
پل	۴۷	۵۷	۰	۶	۳۰	۵۷	۱۸	۳۶	۹

راہو میں کیت کا سوکھشم ماہ ۱ - دن ۲ - گھڑی ۴۳

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۳	۹	۲	۴	۳	۸	۷	۸	۸
گھڑی	۱۸	۴۷	۵۰	۴۳	۱۸	۳۰	۳۳	۵۸	۱
پل	۳۷	۰	۶	۲۰	۴۷	۱۸	۳۶	۳۹	۵۷

راہو میں شکر کا سوکھشم ماہ ۵ - دن ۱۳ - گھڑی ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۲۷	۸	۱۳	۹	۳۴	۳۱	۳۵	۲۲	۹
گھڑی	۰	۶	۳۰	۲۷	۱۸	۳۶	۳۹	۵۷	۲۷
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں سورج کا سوکھشم ماہ ۱۰ - دن ۱۸ - گھڑی ۳۶

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۳	۴	۳	۷	۶	۷	۶	۳	۸
گھڑی	۳۵	۳	۵۰	۱۷	۳۸	۱۴	۵۳	۵۰	۶
پل	۴۸	۰	۶۰	۳۴	۴۸	۴۳	۶	۶	۰

راہو میں چاند کا سوکھشم ماہ ۳ - دن ۱ - گھڑی ۳

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۶	۴	۱۳	۱۰	۱۳	۱۱	۴	۱۳	۴
گھڑی	۴۵	۴۳	۹	۴۸	۴۹	۳۸	۴۳	۳۰	۳
پل	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰

راہو میں منگل کا سوکھشم ماہ ۱ - دن ۲۴ - گھڑی ۳۴

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۳	۸	۷	۸	۸	۳	۹	۳	۴
گھڑی	۱۸	۳۰	۳۳	۵۸	۱	۱۸	۳۷	۵۰	۴۳
پل	۳۷	۱۸	۳۶	۳۶	۵۷	۳۶	۰	۶	۳۰

صرف ایک جاتک کے پترے میں ہر ایک گرہ کا سوکھشم نکالا گیا ہے باقی گرہوں کا ہر ایک صاحب عمل حسب قاعدہ نکال کر خود درج کر لیوے تاکہ کل پرم مہادشا کے سوکھشم میں آ جاویں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو ہیں ہر ایک گرہ کی سو کھشم وشا کا ثمرہ

راہو ہیں راہو کا سو کھشم

ملال خاطر۔ لوگوں سے ضرر۔ کاموں ہیں عقل بیکار ہو۔

راہو میں برہسپت کا سو کھشم

دہرم آتما ۔ پن دان کرے۔ ہر ایک کا دوست۔ الا بیماری شدید۔ اور افلاس

راہو میں سنیچر کا سو کھشم

بے عقل۔ کمینہ لوگوں سے دوستی۔ کام خدمتگاری۔

راہو ہیں بدھ کا سو کھشم

زبان دراز۔ عورت کی صحبت کا شوق۔

راہو ہیں کیت کا سو کھشم

بیقدری۔ لاغری بدن۔ اندیشہ موت۔ قید۔

راہو ہیں شکر کا سو کھشم

جمعیت دولت۔ عذاب اور قید سے خلاصی۔

راہو ہیں سورج کا سو کھشم

البتہ آرام سواری ہو ورنہ نقصانات۔ ہر ایک کام ہیں مایوسی ترقی غصہ کی

راہو ہیں چاند کا سو کھشم

بندگی۔ علم۔ اعتقاد گورو۔ اور روپیہ جواہرات۔

راہو میں منگل کا سو کھشم

مصیبت بمقابلہ دشمن ہار ہو۔ غصہ زیادہ خوف سزا قید

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راہو میں سب گرہوں کی پران وشا

راہو میں راہو کی پران وشا ماہ ۰ - دن ۲۲ - گھڑی

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۲	۲	۳	۳	۱	۲	۱	۱	۱
گھڑی	۱۸	۵۶	۲۹	۷	۱۷	۴۰	۶	۵۰	۱۷
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰۰

راہو میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

بے عقلی سے نقصان زر و مال خوف زہر کھانا ملے دنیا سے نفرت

راہو میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

آرام جسمانی و ملنا سواری - کمینہ سے مخالفت -

راہو میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ

خوف قید و جلنا مکان جسم کو صدمہ آگ - کمینہ سے نقصان دولت

راہو میں بدھ کی پران وشا کا ثمرہ

عروج اقبال - مروۃ احسان - ہنرمندی - بندگی نصیب ہو -

راہو میں کیت کی پران وشا کا ثمرہ

جدائی عورت و اولاد - خبط عقل - بگاڑ ہر ایک کام -

راہو میں شکر کی پران وشا کا ثمرہ

پرستش - تعمیر مکان - تمام کام انجام ہوں تخت اور سواری نصیب ہو

راہو میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ

موت مویشی - حکام سے ملال - بیماری و داغ

راہو میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

آرام - خوشی - ترقی عقل - ملاقات گورو -
راہو میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ -
تنزل مرتبہ - پیشہ کمینہ - خوف آگ - زوال مرتبہ -

راز ششم

احکام مہا وشا برہسپت - انتر وشا - سوکھشم وشا - پران وشا
مہا وشا برہسپت ۱۶ - سال

۱ - جنم کنڈلی میں برہسپت شبھ حالتمیں ہو - تو اُسکی وشا میں حکومت عزت - روپیہ مال - فرزند - اولاد - بلندی مرتبہ - فن و علم و سواری ترقی اقبال -

اگر برہسپت اپنے اوچ استہان اور کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں یا مول ترکون یا الس اوچ یا اپنے نوانسہ میں ہو تو اسکی وشا میں مراج - اعلےٰ درجہ کا آرام و خیرائیت و سلوک سواری عبادت - پرستش دیوتا برہمنان - آرام فرزند اولاد - پارچہ زیور - بڑے بڑے اچھے کام - گیان شاستر میں توجہ - بادشاہ سے حصول مراد دلی عیش و نیکنامی نصیب ہوتی ہے -

اگر برہسپت اشبھ حالتمیں ہو تو خوف حکام و آفات پریشانی خاطر - نقصان زر دولت تکلیف اولاد - ترک زمین - اندیشہ بزرگاں رنج و زوال -

اگر برہسپت نیچ استہان میں اور غیر ... استہان ہو - اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ اور خانہ ۸-۱۲ میں ہو۔ تو اسکی وشا میں ترک مکان یا وطن و رنج ملال خاطر و اندیشہ فرزند۔ ہر ایک کام میں خوف مویشی کا نقصان۔ عبادت سے گریز۔

حصہ اول وشا میں تکالیف اور رنج۔ حصہ دوم میں فائدہ مویشی حصہ آخیر میں راجہ سے فائدہ اور ترقی عزت و آرام۔

مہا وشا برہسپت ۱۶ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر وشا

۳-

گرہ	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
سال	۲	۲	۲	۰	۲	۰	۱	۰	۲
ماہ	۱	۶	۳	۱۱	۸	۹	۴	۱۱	۴
دن	۱۸	۱۲	۶	۶	۰	۱۸	۰	۶	۲۴

برہسپت کی مہا وشا میں ہر ایک گرہ کی انتر وشا

۴- برہسپت اوچ استھان ہو کر کیندر، ترکون۔ یا گیارہویں گھر میں ملوان ہو تو اسکی انتر وشا میں عروج اقبال و مرتبہ و آرام درجہ عنائیت، مویشی، سواری، زیور، پارچہ، مکانات جدید تولد اولاد و شادی نصیب ہو۔

اگر وہ کمزور ہو کر نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو کمینہ لوگوں سے تکلیف اور مخالفت۔ عورت اولاد سے جدائی۔ نقصان زر و مال اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ کا ہو تو اندیشہ آسیب۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہا دشا میں سنیچر کی انتر دشا

۴- سنیچر اوج استھان یا اپنے گھر یا دوست کے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون یا گیارھویں گھر میں بلوان ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال و آرام۔ سواری۔ پارچہ زر و مال عورت۔ اولاد۔ سفر مغرب۔ حکام سے فائدہ۔ اگر وہ جنم لگن یا برہسپت سے کمزور نیچ استھان یا است یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو کر ۶۔۸۔۱۲۔ گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں سخت اندیشہ غضب سرکار تکلیف۔ بیماری عورت۔ اولاد۔ تباہی زر و مال خوف چوری۔ بھائیوں سے فساد۔ اگر سنیچر مالک خانہ ۲۔۷۔ ہو تو خوف موت ناگہانی۔

برہسپت کی دشا میں بدھ کی انتر دشا۔

۵- اگر بدھ بلوان ہو کر برہسپت کے ساتھ۔ اوج استھان کا۔ کیندر ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو۔ تو زر و مال۔ آرام بدنی صحت مزاج حکام سے حصول مقصد مویشی کثیر سواری۔ پارچہ۔ زیور۔ فرزند عورت۔ والدین سے آرام خوشی کے کام ہوں۔ اگر بدھ۔ کمزور نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن یا برہسپت سے ۶۔۸۔۱۲۔ گھر میں ہو۔ تو فساد۔ کئی طرح سے نقصان۔ بیماریاں بیوپار میں خسارہ بیماری اولاد۔ عورت۔ موت ناگہانی۔ حکام سے بدسلوکی۔ دشمنان کا حملہ دشا کے حصہ اول میں آرام۔ خوشی سواری۔ پارچہ۔ زر و مال۔ آخری حصہ میں نقصان زر و مال۔ اگر خانہ ۲۔۷۔ کا مالک ہو تو مرگ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہادشا میں کیت کی انتر دشا

۶- اگر کیت شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں دوسروں کے وسیلہ سے۔ زر و مال۔ آرام حاصل ہو۔

اگر برہسپت سے ۴-۵-۹-۱۰ گھر میں کیت ہو۔ تو زر و مال۔ افسری۔ سواری۔ مہربانی حکام سے حصول مقصد۔

اگر کیت کمزور ہوکر پاپی گرہ کے ساتھ برہسپت سے ۶-۸-۱۲- گھر میں ہو۔ تو کمزوری جسم ناراضگی والدین۔ برادر۔ بیماری۔ غضب سرکار۔ اندیشہ قید۔

اگر کیت خانہ ۲-۷ میں ہو تو اندیشہ آسیب۔ بیماری سخت۔

برہسپت کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا۔

۷- شکر۔ مالک خانہ ۹-۱۰- کے ساتھ ہو۔ اوج استھان میں ہوکر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ شبھ گرہ ساتھ ہو۔ تو حکومت سواری درجہ اعلےٰ۔ مرتبہ بلند منصب با اختیار۔ سرکار سے فائدہ۔ پارچہ نیل رنگ کا شوق ملنا زر و مال۔ سفر جانب مشرق۔ سفر سے بہت فائدہ والدین سے آرام۔ تیاری چاہ۔ تالاب۔ مندر۔ عبادتگاہ۔ ست سنگ اپنے دہرم میں نسچہ۔ دان غلہ

جنم لگن یا برہسپت سے ۶-۸-۱۲- گھر نیچ استھان میں راہو۔ سنیچر کے ساتھ ہو۔ تو عورت کیوجہ سے فساد۔ اور سسرال سے بدسلوکی۔ آقا سے ناچاکی۔ بیماری۔ اولاد۔ عورت۔

اگر مالک خانہ ۲-۷ ہو۔ تو الزام عورت اور اندیشہ موت۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا۔

۸۔ اگر سورج اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون یا ۳۔ ۱۱ گھر میں ہو۔ اور بلوان ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں زر و مال۔ آقا سے فائدہ۔ بلندی اقبال۔ سواری زیور۔ تولد فرزند ہو۔

اگر وہ جنم لگن یا برہسپت سے ۔۶۔ ۸۔ ۱۲۔ گھر میں ہو۔ تو بیماری درد سر۔ بخار۔ بد افعال نیک کاموں سے پرہیز۔ برادر سے جدائی۔ عام سے رنج۔

اگر وہ خانہ ۲۔ ۷۔ کا مالک ہو۔ تو عارضہ جسم۔

برہسپت کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا۔

۔ چاند۔ شکلا پکھ بلوان ہو کر اوچ استھان کا جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں آقا سے فائدہ۔ آرام عورت اولاد۔ غذا دودھ۔ توجہ حکام سے حصول مقاصد۔ زر و مال کی آمد۔ لیکن اگر چاند کمزور ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے خانہ ۶۔ ۸۔ ۱۲۔ میں ہو۔ تو تنزل مرتبہ موت بھائی۔ ترک وطن۔ حکام سے رنج۔ اندیشہ چور و بیماری والدہ۔ جدای برادران والدہ۔

اگر چاند خانہ ۲۔ ۷۔ کا مالک ہو۔ تو بیماری۔

برہسپت کی مہادشا میں منگل کی انتر دشا۔

۔ اگر منگل اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا برہسپت سے کیندر۔ ترکون میں ہو۔ اوچ یا اپنے راشی کے نوانشہ میں ہو۔ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو اوسکی انتر دشا میں علم۔ زر و مال ریاست۔ و زمین۔ بلندی مرتبہ۔ راج سے اخلاص تو لد فرزند عورت سے راحت۔

اگر جنم لگن یا برہسپت خانہ ۶-۸-۱۲ میں نیچ استھان کا پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو تو اُسکی انتر دشا میں زوال زر و مال۔ زمین۔ بیماریاں۔ درد آنکھ۔

دشا کے نصف اوّل میں تکلیف۔ دوسرے نصف میں آرام

اگر منگل مالک خانہ ۲-۷-ہو تو ضعف بدن و دل

برہسپت کی مہا دشا میں راہو کی انتر دشا۔

۱۱۔ اگر راہو جنم لگن یا برہسپت سے اوچ استھان میں ہو کر یا مُول ترکون میں ہو کر۔ کیندر یا نویں گھر میں ہو۔ نویں گھر کا مالک ساتھ ہو اور شبھ گرہ دیکھتا ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں پانچ ماہ تک کوشش سے زر و مال ملتا ہے اور آقا سے فائدہ غیر مذہب کے راج سے فائدہ حکومت سفر مبارک دور دراز مطالب دلی حاصل ہوں۔

اگر راہو۔ جنم لگن یا برہسپت سے ۶-۸-۱۲-گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اندیشہ چوری۔ سانپ۔ راج سے ناراضگی جدائی بھائی۔ ہر دم خوف۔ ہر ایک سے مخالفت۔

اگر راہو۔ خانہ ۲-۷-میں ہو تو خوف سایہ

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی پرنتر دشا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں برہسپت کا پرنتر ۲-۱-۱۸

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۲	۴	۳	۱	۴	۱	۲	۱	۳
دن	۱۲	۱	۱۸	۱۴	۸	۸	۴	۱۴	۲۵
گھڑی	۲۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰	۲۴	۰	۴۸	۱۲

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں سنیچر کا پرنتر ۲-۶-۱۲

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۴	۴	۱	۵	۱	۳	۱	۴	۴
دن	۲۴	۹	۲۳	۳	۱۵	۱۴	۲۳	۱۴	۱
گھڑی	۲۴	۱۲	۱۲	۰	۳۶	۰	۱۲	۴۸	۳۶

برہسپت کے انتر میں بدھ کا پرنتر ۲-۳-۶

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۳	۱	۴	۱	۲	۱	۴	۳	۴
دن	۲۵	۱۶	۱۴	۱۰	۸	۱۴	۲	۱۸	۹
گھڑی	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۲۴	۲۴	۴۸	۱۲

برہسپت کے انتر میں کیت کا پرنتر ۰-۱۱-۶

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱
دن	۱۵	۲۶	۱۴	۲۸	۱۹	۳۰	۱۴	۲۳	۱۶
گھڑی	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴	۴۸	۱۲	۳۲

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کے انتر میں شکر کا پرنتر ۳-۸-۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۵	۱	۳	۱	۷	۴	۵	۴	۱
دن	۱۰	۱۸	۳۰	۲۶	۳۴	۸	۴	۱۶	۲۶
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰-۹-۱۸

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۴	۲۴	۱۶	۱۳	۸	۱۵	۱۰	۱۶	۱۸
گھڑی	۲۴	۰	۴۸	۱۳	۳۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰

برہسپت کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱-۴-۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	کیت	بدھ	شکر	سورج
ماہ	۱	۰	۳	۳	۳	۳	۵	۴	۰
دن	۱۰	۳۸	۱۳	۷	۱۴	۸	۳۸	۳۰	۳۴
گھڑی	۰	۰	۰		۰	۰	۰	۰	۰

سال ماہ دن
برہسپت کے انتر میں منگل کا پرنتر ۰-۱۱-۶

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۲	۱	۱	۰	۱	۰	۰
دن	۱۹	۳۰	۱۴	۲۳	۱۷	۱۹	۳۶	۱۶	۳۸
گھڑی	۳۶	۳۴	۴۸	۰	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت کے انتر میں راہو کا پرنتر - سال ۲ - ماہ ۴ ، دن ۲۴

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۴	۳	۴	۴	۱	۴	۱	۲	۱
دن	۹	۲۵	۱۶	۲	۲۰	۲۴	۱۳	۱۳	۲۰
گھڑی	۳۶	۱۲	۴۸	۲	۲۴	۰	۱۲	۰	۲۴

برہسپت کی انتر وشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر وشا کا پھل

برہسپت کے انتر میں برہسپت کا پرانتر-

عروج اقبال ، ترقی دولت خزانہ - طلا نقرہ - مکانات - امن چین - ست سنگ بھجن بندگی ، تیرتھ جاترا - کار ہا و افادہ عام

برہسپت کے انتر میں سنیچر کا پرانتر-

فائدہ اراضیات ، مویشی سواری - آرام غلامان -

برہسپت کے انتر میں بدھ کا پرانتر-

فائدہ آرام - ترقی علم عقل - پارچہ اخلاص دوستاں -

برہسپت کے انتر میں کیت کا پرانتر

مرگ - نقصانات - فساد - خوف چور - آب - سزا ، قید وغیرہ -

برہسپت کے انتر میں شکر کا پرانتر

ہر طرح کے آرام عیش - ملنا زر و مال دولت طلا ، پارچہ - زیور ، علوم وغیرہ -

برہسپت کے انتر میں سورج کا پرانتر

ہر ایک کام کا انجام - راجہ دربار - ماں باپ و دوستوں سے فائدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

امیدوں میں کامیابی -

برہسپت کے انتر میں چاند کا پرانتر

امیدوں اور کاموں میں کامیابی - ملنا دولت سواری - وغیرہ پریشانی و ملال -

برہسپت کے انتر میں منگل کا پرانتر

مقابلہ مخالفین میں تکالیف - بیماری قبض و اسفل - خوف آگ کا سلسلہ

برہسپت کے انتر میں راہو کا پرانتر

ملال خاطر - تکالیف مخالفاں - کمینہ لوگوں سے رنج و نقصان

برہسپت میں ہر ایک گرہ کا سوکھشم دشا -

برہسپت میں برہسپت کا سوکھشم ماہ دن گھڑی ۲ - ۱۳ - ۲۴ -

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۳	۱۶	۱۴	۵	۱۷	۵	۸	۵	۱۵
گھڑی	۳۹	۱۳	۳۰	۵۸	۴	۷	۳۳	۵۸	۴۱
پل	۱۳	۴۸	۳۴	۳۴	۰	۱۳	۰	۳۴	۳۶

برہسپت میں سنیچر کا سوکھشم ماہ دن گھڑی ۴ - ۱ - ۳۶

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۱۹	۱۷	۷	۳۰	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶
گھڑی	۱۲	۱۳	۵	۱۴	۴	۷	۵	۱۳	۱۱
پل	۳۷	۱۱	۱	۴۰	۱۸	۱۰	۱	۵۴	۸

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں بدھ کا سوکھشم ۳-۱۸-۴۸

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر
دن	۱۱	۴	۱۳	۳	۳۶	۴	۱۱	۱۰	۱۳
گھڑی	۹	۳۵	۸	۵۶	۳۴	۳۵	۴۹	۳۰	۳۸
پل	۴۸	۴۸	۰	۲۴	۰	۴۸	۱۳۴	۲۴	۳۶

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں کیت کا سوکھشم ۱۰-۱۴-۴۰

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ
دن	۳	۷	۳	۳	۳	۶	۵	۷	۶
گھڑی	۳۸	۳۹	۱۳	۴۴	۸	۳۵	۵۵	۵	۳۰
پل	۳۰	۴۰	۰	۳۰	۳۰	۰	۳۰	۳۰	۴۵

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں شکر کا سوکھشم ۴-۸-۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت
دن	۳۱	۶	۱۰	۷	۱۹	۱۷	۳۰	۱۸	۷
گھڑی	۳۰	۲۴	۴۰	۳۸	۱۳	۴	۱۶	۸	۲۸
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

ماہ دن گھڑی
برہسپت میں سورج کا سوکھشم ۱-۸-۴۴

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۱	۳	۲	۶	۵	۶	۵	۲	۶
گھڑی	۵۵	۱۳	۱۴	۴۶	۷	۴	۲۶	۱۴	۲۴
پل	۳۰	۰	۲۴	۰	۳۰	۸	۲۴	۲۴	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت میں چاند کا سوکھشم - ۳ ماہ - ۴۴ دن - گھڑی

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	کیت	بدھ	شکر	سورج
دن	۵	۳	۹	۸	۱۰	۳	۸	۱۰	۳
گھڑی	۴۰	۳۰	۳۵	۴۵	۲۵	۳۴	۴۴	۵۰	۱۴
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

برہسپت میں منگل کا سوکھشم ۱ ماہ - ۱۴ دن - ۸ - ۴۴ گھڑی -

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۲	۶	۵	۷	۶	۳	۷	۲	۳
گھڑی	۳۶	۴۳	۵۸	۵	۳۰	۳۶	۳۸	۱۴	۴۴
پل	۴۸	۱۲	۳۴	۳۶	۴۸	۴۸	۰	۳۴	۰

برہسپت میں راہو کا سوکھشم ۳ ماہ - ۳۵ دن - ۱۴ گھڑی -

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۱۶	۱۵	۱۸	۱۵	۸	۱۹	۵	۹	۶
گھڑی	۱۲	۴۱	۱۴	۳۹	۳	۱۳	۴۵	۳۶	۳
پل	۴۸	۳۶	۲۴	۱۲	۱۲	۰	۳۶	۰	۱۳

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا کا ثمرہ

برہسپت میں برہسپت کا سوکھشم

عروج اقبال - ملنا سواری - دولت - عبادت - اور غصہ رنج غم -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت میں سنیچر کا سوکھشم۔

ہر ایک طرح سے نقصانات۔ سفر بےفائدہ۔ بربادی زر و مال۔

برہسپت میں بدھ کا سوکھشم

جپ تپ۔ اعتقاد گورو۔ ترقی علم عقل۔ اقبال۔

برہسپت میں کیت کا سوکھشم

اندیشہ چور۔ سانپ۔ ملال خاطر۔ تکلیف۔

برہسپت میں شکر کا سوکھشم

راحت فرزند عورت۔ آمد غلہ و زر و مال۔ آسائش تندرستی۔

برہسپت میں سورج کا سوکھشم

امراض صفرا، سودا، ترقی بلغم۔

برہسپت میں چاند کا سوکھشم

درد آنکھ و پسلی۔ بلندی مراتب و ملنا راج۔

برہسپت میں منگل کا سوکھشم

سفر بےفائدہ۔ ہر ایک سے رنج۔ عورت کے ذریعہ زہر ملنے خوف بندِ قید

برہسپت میں راہو کا سوکھشم

ہر طرح تکلیف۔ اندیشہ سانپ بچھو۔ چور۔

برہسپت میں ہر ایک گرہ کی پران دشا

جب برہسپت میں برہسپت کی پران دشا دن ۱۳ - ۳۹ گھڑی - ۱۳ پل

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱	۳	۱	۰	۳	۰	۱	۰	۳
گھڑی	۳۹	۹	۵۶	۴۷	۱۶	۴۰	۸	۴۷	۳
پل	۱۳	۴۳	۳	۴۷	۳۳	۵۷	۱۷	۴۷	۵۳
بپل	۳۵	۳۳	۴۱	۱۱	۰	۲۵	۰	۰	۴۵

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

برہسپت میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ
سواری تخت نخبت ۔ ترقی دولت وغیرہ ملال ۔ پرستش

برہسپت میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ ۔
فکر ملال خاطر مسافرت میں زر و مال کا نقصان ۔

برہسپت میں بدھ کی پران وشا کا ثمرہ ۔
عروج اقبال ۔ ترقی علم و عقل ۔ اعتقاد و دھرم ۔ پرستش

برہسپت میں کیت کی پران وشا کا ثمرہ
ملال ۔ کدورت ۔ بیماری ۔

برہسپت میں شکر کی پران وشا کا ثمرہ
خوشی عورت اولاد و صحبت عورات حصول دولت ۔ آرام ۔ وغیرہ بیماری ۔

برہسپت میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ
بدہضمی سے درد شکم ۔ وغیرہ صفرا ، سودا ، و بلغم ۔

برہسپت میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ ۔
عروج اقبال حصول اولاد ۔ چشم و پسلی میں درد ۔

برہسپت میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ ۔
مسافرت خبط عقل ۔ ہر ایک سے بالو سہی ۔ اندیشہ ضیاع و عداوت سے زہر ملے ۔

برہسپت میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ
خوف جانوران زہریلہ ۔ مال و دولت کی چوری ہو ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز دھم

احکام مہا وشا سنیچر معہ انتر وشا - پرنتر وشا سوکھشم وشا پران وشا

مہا وشا سنیچر ۱۹ سال

ا۔ سنیچر اگر شبھ حالت میں ہو۔ تو اسکی وشا میں زیادتی مراتب اور دانائی و تعریف اور ترقی جائیداد اراضی و تجارت ظہور میں آتی ہے اگر سنیچر اپنے اوچ استھان یا اپنے گھر میں یا دوست کے گھر میں یا مول ترکون میں یا اپنے اوچ انس یا اپنے نوانسہ میں ہو۔ اور خانہ ۳-۹-۱۱ میں ہو۔ تو اسکی وشا میں راجدربار سے فائدہ ترقی اقبال و عام سے سلوک و ترقی دولت و علم و خوشی ہو۔ ملکہ راجدربار سے سوار اور زر دولت زیور وغیرہ ہوتے ہیں۔ اور درجہ افسری فوج اور کئی طرح سے آرام ملتا ہے خاندان میں آرام اور شادیاں و اولاد نصیب ہوتی ہے۔ اگر سنیچر بد حالت میں ہو تو بدکردار اور نقصان زر دولت اور عوارض بدنی سے تکلیف - رنج حکام - اور تدابیر بے فائدہ -

اگر سنیچر ۶-۸-۱۲ گھر میں نیچ استھان یا است ہو تو اسکی وشا میں زہر اور اسلحہ کا اندیشہ - ہردم غمگینی اور جلاوطنی ماں باپ سے فراق - اولاد - عورت کو تکالیف - خوف قید البتہ اگر سنیچر پر شبھ گرہوں کی درشٹی ہو اور یوگ کارک گرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کے ساتھہ ہو۔ اور کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی
وشا فائدہ بخش اور آرام وبہبودی ہے
مہادشا سنیچر ۱۹ سال میں ہر ایک گرہ کی انتروشا

۴-

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
سال	۳	۲	۱	۳	۰	۱	۱	۲	۲
ماہ	۰	۸	۱	۲	۱۱	۷	۱	۱۰	۶
دن	۳	۹	۹	۰	۱۲	۰	۹	۶	۱۲

سنیچر کی مہادشا میں ہر ایک گرہ کی انتروشا
سنیچر کی مہادشا میں سنیچر کی انتروشا
۳- سنیچر۔ مول ترکون یا اوج استھان میں ہوکر ہمراہ مالک خانہ
۵- کیندر
و ترکون یا گیارہویں گھر میں اسکی انتروشا میں ہو۔ تو راج یوگ
آرام صحت تندرستی۔ شادی فرزند سواری اعلیٰ۔ مویشی کثیر
مادہ گاؤ وغیرہ۔ نصیب ہو۔
اگر سنیچر ۶۔۸۔۱۲۔ گھر نیچ استھان یا پاپ گرہ کے ساتھہ ہو۔
بیماری بادی گولہ وخرابی خون۔ اندیشہ اسلحہ۔ زہر
وشا کے وسط میں ترک وطن خوف چوری۔ آخری حصہ میں
آرام وطنا ریاست وعروج اقبال۔
اگر مالک خانہ ۲۔۷۔ ہو تو اندیشہ موت ناگہانی۔
سنیچر کی مہادشا میں بدھ کی انتروشا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۴۔ بدھ اگر جنم لگن یا سنیچر سے کیندر یا ترکون میں ہو اوّل ہو تو اسکی انتر دشا میں زر و مال۔ علم۔ تعریف ہر ایک سے محبت آرام۔ سواری۔ نیک کام۔ عروج اقبال۔ تندرستی۔ خوشی سفر مبارک۔ بیوپار سے فائدہ۔ دان خیرات غلّہ۔ کھانا شیریں عبادت بھجن اگر بدھ جنم لگن یا سنیچر سے ۶۔۸۔۱۲ گھر نیچ استھان یا است ہو۔ سورج۔ منگل یا راہو کے ساتھ ہو۔ تو دشا کے پہلے حصّہ میں باوجود ایسی منحوس حالت بدھ کے زر و مال درجہ بلند۔ حکومت۔ وسط اور آخیر میں زوال مرتبہ اور بیماری۔ تباہی ہر ایک کام۔

اگر مالک خانہ ۲۔۷ ہو تو خوف آسیب۔

سنیچر کی مہا دشا میں کیت کی انتر دشا

۵۔ کیت اوچ یا اپنے گھر کا ہو کر جنم لگن یا سنیچر سے کیندر ترکون میں ہو۔ اور لوگ گرہ کے ساتھ ہو شبھ گرہ ساتھ ہو۔ اور دیکھتا ہو۔ تو باوجود ایسے شبھ حالات کے کیت اپنی انتر دشا میں تکالیف سخت۔ ترک وطن۔ موت۔ اولاد عورت۔ اور حکام سے رنج۔ سفر خراب دیتا ہے اگر کیت لگنیش کے ساتھ ہو۔ تو دشا کے پہلے حصّہ میں زر و مال۔ آرام سفر مبارک اگر سنیچر سے کیت ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ تو اندیشہ موت۔ کھانا خراب۔ بیماری اسہال و بخار بلغمی خوف چوری مجبوری اولاد۔ عورت

اگر سنیچر ۲۔۷ گھر میں ہو۔ تو درد چشم اور کمزوری

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

۶- اگر شکر جنم لگن یا سنیچر سے اوچ استھان پر ہو کر ہمراہ شبھ گرہ کے جنم لگن یا سنیچر سے کیندر، ترکون میں، یا گیارھویں گھر میں بلوان ہو۔ تو صحت سرپر، آرام، عورت اولاد، ملنا زر و مال، و توجہ حکام سے انجام ہر ایک کام، عروج اقبال، گھوڑا سفید اس صورت میں کہ یہ سنیچر بلوان ہوں۔

اگر شکر سورج کے گھر میں ہو کر یا است ہو کر جنم لگن یا سنیچر سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو موت عورت، رنج، غم، نقصان زر و دولت مکان، مال اسباب، درد چشم بخار، خلاف رسوم خاندان کام کرنیوالا ہر ایک کام میں نقصان، درد دندان۔

اگر شکر مالک خانہ ۲-۷ ہو تو تکلیف، پریشانی۔

سنیچر کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا۔

۷- سورج اوچ استھان یا اپنے گھر میں شبھ گرہ کی درشٹی میں مالک خانہ ۹ کے ساتھ جنم لگن یا سنیچر سے کیندر، ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو۔ تو اسکی دشا انتر میں حکام سے آرام اور مطلب برآری تولد اولاد کثیر، سواری، پارچہ، پرورش مادہ گاؤ، وافراط دودھ نصیب ہو۔

اگر سورج جنم لگن یا سنیچر سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو بیماری تکبر، بدنامی، بے عزتی و ترک وطن، جدائی اقارب، بخار صفراوی

اگر سورج مالک خانہ ۲-۷ ہو تو خوف آسیب۔

سنیچر کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

۸۔ چاند بلوان چاند نہ پکہہ کا برہسپت کی درشٹی میں اوج استہان یا اپنے گہر میں ہو کر جنم لگن یا سنیچر سے کیندر، ترکون یا گیارہویں گہر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں آقا سے اخلاص۔ فائدہ سواری پارچہ۔ زیور۔ بلندی اقبال۔ آرام۔ غلام۔ والدین سے فرحت و آرام ہو۔

چاند کمزور اندہیرا پکہہ۔ پاپی گرہ کے ساتہہ نیچ استہان۔ پاپی گرہ کی راشی یا نوانش میں ہو کر جنم لگن یا سنیچر سے ۶-۸-۱۲-گہر میں ہو۔ تو نقصان زر و مال۔ غضب حکام جدائی (اسکی انتر دشا میں) والدین فرزند۔ عورت۔ کہانا بےموقعہ۔ بیمار زیر علاج۔

اگر شبھ گرہ چاند کو دیکھتا ہو۔ تو پہلے حصہ دشا میں آرام۔ اگر چاند مالک خانہ ۲-۷-ہو تو وسکی انتر دشا میں سستی بیماری

سنیچر کی مہا دشا میں منگل کی انتر دشا

منگل۔ اگر اوج استہان۔ یا اپنے گہر کا ہو کر ہمراہ سنیچر یا ہمراہ لگنیش جنم لگن یا سنیچر سے کیندر ترکون یا گیارہویں گہر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں آرام۔ ملنا زر و مال۔ زیور۔ پارچہ۔ سواری عروج اقبال۔ افسری فوج۔ ترقی زراعت۔ تیاری مکان جدید۔ بہائیوں سے آرام۔ اگر منگل است یا نیچ استہان کا پاپی گرہ کی درشٹی میں یا پاپی گرہ کے ساتہہ جنم لگن یا سنیچر سے ۶-۸-۱۲-گہر میں ہو۔ تو اندیشہ چوری۔ سانپ۔ کیٹ۔ گرہ رنجہ بیماری خویشان باپ۔ برادر۔ موت مویشی۔ کہانا خراب ترک وطن خرچ فضول اگر منگل مالک خانہ ۷-۸-ہو کر دوسری گہر میں ہو تو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نشانہ موت۔

سنیچر کی مہا وشا میں راہو کی انتر وشا۔

۱۰ ا۔ اگر راہو اوچ استھان یا اپنے گھر کا ہو کر لگنیش اور یوگ کاری گرہ کے ساتھ ہو کر سنیچر سے گیارہویں گھر میں ہو تو اسکی انتر وشا کے پہلے حصہ میں ملنا زر و مال۔ آرام سفر مبارک ترقی حکومت۔ مکان۔ مویشی۔ وسط میں خوف حکام۔ حادثہ جدائی اولاد۔ اقارب۔

اگر راہو میکھ۔ برکھ۔ متھن۔ کرک۔ سنگھ۔ کنیا۔ دہن۔ مین۔ سے کسی راشی میں ہو۔ تو اسکی انتر وشا میں بلندی اقبال سواری عمدہ۔ سرکار سے فائدہ۔

اگر راہو باوصاف بالا نہ ہو تو اسکی انتر وشا میں دنگہ۔ فساد ملال مخالفت فرزنداں درد چشم۔ خوف راجہ دربار۔ نقصان زر و مال سفر بے فائدہ۔ تنزل حکومت امکان۔

اگر راہو خانہ ۲۔ ۷۔ میں ہو یا مالکان خانہ ۲۔ ۷۔ کے ساتھ ہو۔ تو خوف آسیب۔

سنیچر کی مہا وشا میں برہسپت کی انتر وشا

۱۱ - برہسپت اوچ استھان کا لگنیش کے ساتھ جنم لگن یا سنیچر سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر وشا میں ملنا زر و دولت۔ انجام ہر ایک کام۔ توجہ حکام سے فائدہ زر و مال۔ سواری۔ زیور۔ دہرم کرم میں لگنا۔ عورت اولاد عروج اقبال امن چین حاصل ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر برہسپت پاپی گرہ کے ساتھہ جنم لگن یا سنیچر سے ۶-۸-۱۲
گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں ناراضگی حکام۔ بے اتفاقی۔
نقصان زر و مال۔ سفر نامبارک۔ بیماری جذام وریح بھٹوں
سے بگاڑ۔ تنزل عہدہ۔ خوف قید بیماری اولاد عورت۔
اگر وہ مالک خانہ ۲-۷- ہو تو خوف موت۔

سنیچر کی دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا

سنیچر کے انتر میں سنیچر کا پرنتر (سال ماہ دن) ۳-۰-۳

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۵ ۱۵	۵	۳	۶	۱	۳	۲	۵	۴
دن	۳۱	۳	۳	۰	۲۴	۰	۳	۱۲	۲۴
گھڑی پل	۳۸ ۳۰	۳ ۳۰	۱۰ ۳۰	۳۰ ۰	۹ ۰	۱۵ ۰	۱۰ ۳۰	۲۷ ۰	۲۴ ۰

سنیچر کے انتر میں بدھ کا پرنتر (سال ماہ دن) ۳-۸-۹-

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۰	۱	۵	۱	۰	۱	۴	۴	۵
دن	۰	۲۶	۱۱	۰	۰	۲۶	۲۵	۹	۳
گھڑی پل	۱۶ ۳۰	۳۱ ۳۰	۲۰ ۰	۰ ۰	۴۵ ۰	۳۱ ۳۰	۳۱ ۰	۱۳ ۰	۴۵ ۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر کے انتر میں کیت کا پرنتر ۱ سال - ۱ - ۹ -

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۲	۰	۱	۰	۱	۱	۲	۱
دن	۲۳	۶	۱۹	۳	۲۱	۲۹	۲۳	۳	۲۶
گھڑی پل	۱۶ ۳۰	۳۰ ۰	۵۷ ۰	۱۵ ۰	۶ ۳۰	۵۱ ۰	۱۳ ۰	۱۰ ۳۰	۳۱ ۳۰

سنیچر کے انتر میں شکر کا پرنتر ۲ - ۳ - ۰ -

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۶	۱	۳	۳	۵	۵	۶	۵	۳
دن	۱۰	۲۷	۵	۶	۲۱	۳	۰	۱۱	۶
گھڑی	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰

سنیچر کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰ - ۱۱ - ۱۳ -

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۷	۲۸	۱۹	۲۱	۱۵	۳۴	۱۸	۱۹	۲۷
گھڑی	۶	۳۰	۵۷	۱۸	۲۶	۹	۲۷	۵۷	۰

سنیچر کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱ - ۷ - ۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۱	۱	۲	۲	۳	۴	۱	۰	۰
دن	۱۷	۳	۲۵	۱۶	۰	۲۰	۳	۵	۲۸
گھڑی	۳۰	۱۵	۳۰	۰	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال مہینہ دن
سنیچر کے انتر میں منگل کا پرنتر ۰-۱-۱-۹

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۱	۲	۱	۰	۲	۰	۱
دن	۲۳	۲۹	۲۳	۳	۲۶	۲۳	۶	۱۹	۳
گھڑی	۱۴	۵۱	۱۲	۱۰	۳۱	۱۴	۳۰	۵۷	۱۵

پل

سنیچر کے انتر میں برہسپت (راہو) کا پرنتر ۲-۱۰-۴

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۵	۴	۵	۴	۱	۵	۱	۰	۱
دن	۳	۱۴	۱۳	۲۵	۲۹	۱۰	۲۱	۲۵	۲۹
گھڑی	۵۴	۴۸	۲۷	۲۱	۵۱	۰	۱۸	۳۰	۵۱

سنیچر کے انتر میں برہسپت کا پرنتر ۲-۶-۱۳-

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۴	۴	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۴
دن	۱	۲۴	۹	۲۳	۲	۱۵	۱۶	۲۳	۱۴
گھڑی	۳۶	۲۴	۱۲	۱۳	۰	۲۶	۰	۱۲	۴۸

سنیچر کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرنتر دشا کا پھل

سنیچر کے انتر میں سنیچر کا پرنتر

سفر بے فائدہ ملال خاطر بیماریاں خصوصاً بیماری جلندھر جذام۔ نقصان۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر کے انتر میں بدھ کا پر انتر

نقصانات عظیم - حملہ مخالف - لڑائی - پراگندگی عقل و فکر

سنیچر کے انتر میں گیت کا پر انتر

پریشانی خاطر - فکر - بھائیوں اور مخالفوں سے خوف - بھوک پیاس زیادہ -

سنیچر کے انتر میں شکر کا پر انتر

جسکی کوشش اور فکر میں سو ملجاوے - ملنا زر و دولت تمام کنبہ میں امن چین -

سنیچر کے انتر میں سورج کا پر انتر

مرتبہ و درجہ عروج - نہو عارضہ بخار - اپنے خاندان میں غصہ لیکن تھوڑا -

سنیچر کے انتر میں چاند کا پر انتر

زیادہ عورت سے صحبت - فضول خرچی - بدنامی -

سنیچر کے انتر میں منگل کا پر انتر

تنزل اقبال - فرزند کو چوٹ - بیماری صفرا و سودا - خوف آگ و دشمن سے -

سنیچر کے انتر میں راہو کا پر انتر

نقصانات عظیم - تباہی زر و دولت - زمین یا درجہ سفر میں اندیشہ موت -

سنیچر کے انتر میں برہسپت کا پر انتر

ملال خاطر - حیرانی کمی بینائی - عورت سے پریشانی و بےچینی -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر کی پرانتر دشا میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

سنیچر کے پرانتر میں سنیچر کا سوکھشم ۵ - ۳۱ - ۳۸ ۔

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۳۷	۳۴	۱۰	۳۸	۸	۱۴	۱۰	۳۵	۳۳
گھڑی	۸	۱۷	۰	۳۴	۳۴	۱۷	۰	۴۳	۵۱
پل	۵۶	۳۸	۸	۴۰	۲۴	۳۰	۸	۱۲	۴۴

ماہ دن گھڑی پل
سنیچر میں بدھ کا سوکھشم ۵ - ۲۰ - ۳۵ - ۳۰

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۳۱	۸	۳۵	۷	۱۳	۸	۳۳	۳	۳۳
گھڑی	۴۵	۵۷	۳۵	۴۰	۴۷	۵۶	۲	۱۸	۳۹
پل	۳۳	۳۴	۵۵	۴۴	۵۷	۳۴	۱۸	۴۶	۷

ماہ دن گھڑی پل
سنیچر میں کیت کا سوکھشم ۳ - ۳ - ۱۰ - ۳۰

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۳	۱۰	۳	۵	۳	۹	۸	۱۰	۸
گھڑی	۴۰	۳۰	۹	۱۵	۴۰	۳۸	۳۵	۰	۵۹
پل	۶	۴۵	۳۵	۵۳	۶	۴۴	۳۴	۰	۴۸

ماہ دن گھڑی
سنیچر میں شکر کا سوکھشم ۶ - ۰ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳۰	۹	۱۵	۱۰	۲۷	۲۴	۳۸	۲۵	۱۰
گھڑی	۵	۱	۳	۳۱	۴	۴	۴۴	۳۴	۲۱
پل	۰	۳۰	۳۰	۴۴	۳۰	۰	۴۴	۱۶	۴۹

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر میں سورج کا سوکھشم ۱-۱۴-۴۴ (ماہ دن گھڑی)

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر
دن	۲	۴	۳	۸	۷	۸	۷	۳	۹
گھڑی	۲۴	۳۰	۹	۶	۱۳	۳۳	۳۹	۹	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

سنیچر میں چاند کا سوکھشم ۳-۰-۱۵ (ماہ دن گھڑی)

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج
دن	۷	۵	۱۳	۱۳	۱۴	۱۳	۵	۱۵	۴
گھڑی	۱۲	۱۵	۳۳	۳	۱۷	۴۷	۱۵	۳	۳۰
پل	۱۵	۵۳	۱۵	۰	۲۳	۸	۵۳	۳۰	۴۵

سنیچر میں منگل کا سوکھشم ۳-۳-۱۰-۴۰ (ماہ دن گھڑی پل)

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند
دن	۳	۹	۸	۱۰	۸	۳	۱۰	۳	۵
گھڑی	۱۴	۲۸	۳۵	۰	۵	۱۴	۳۱	۹	۱۵
پل	۰	۳۴	۲۴	۹	۰	۰	۵۴	۳۱	۵۳

سنیچر میں راہو کا سوکھشم ۵-۱۳-۴۷ (ماہ دن گھڑی)

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۴۳	۲۱	۲۵	۲۳	۹	۲۷	۸	۱۳	۹
گھڑی	۲۲	۳۹	۴۳	۰	۲۸	۴	۷	۳۲	۲۸
پل	۳	۳۶	۱۴	[illegible]	۳۴	۳۰	۳۱	۱۵	۴۳

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر میں برہسپت کا سوکھشم
ماہ دن گھڑی پل
۴۷-۴۰-۳۴-۳۴

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۹	۳۳	۳۰	۸	۳۴	۷	۱۳	۸	۳۱
گھڑی	۱۵	۵۱	۳۷	۳۵	۴	۱۳	۳	۳۵	۳۹
پل	۱۳	۴۸	۳۴	۳۴	۰	۱۳	۰	۴۴	۳۶

سنیچر میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم وشا کا ثمرہ

سنیچر میں سنیچر کا سوکھشم

پریشانی۔ ایذا میں تکلیف۔ تباہی خاندان۔ بربادی دولت

سنیچر میں بدھ کا سوکھشم

آرام اخلاص عورت۔ حصول علم۔ بلندی رتبہ۔ کام بیوپار

سنیچر میں کیت کا سوکھشم

درد جسم۔ کمی گذارہ۔ نقصان زر نقد۔ بیماری جذام۔

سنیچر میں شکر کا سوکھشم

آمد زر و مال صحت جسم۔ تولد فرزند۔ بلندی اقبال

سنیچر میں سورج کا سوکھشم

بیماری درد جسم۔ چشم ناراضگی گھر میں افساد۔

سنیچر میں چاند کا سوکھشم

خوشی اولاد و عورت۔ خرچ زیادہ ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر میں منگل کا سوکھشم

بیماری صفرا، وسوسا، خوف آگ، رگشت ابیفایدہ۔ ملال خاطر تنزل مرتبہ۔

سنیچر میں راہو کا سوکھشم

بگاڑ ہر ایک کام۔ ملال خاطر۔ تبدیلی۔ موت بزرگاں۔

سنیچر میں برہسپت کا سوکھشم

عروج اقبال۔ راج یوگ۔ ملنا زر و مال کی غلہ

سنیچر میں ہر ایک گرہ کی پران وشا

سنیچر میں سنیچر کی پران وشا ۳۷ گھڑی ۸

گرہ	سنیچر	بدھ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۴	۳	۱	۴	۱	۳	۱	۴	۳
گھڑی	۱۷	۵۰	۳۴	۳۱	۴۱	۱۵	۳۴	۴	۳۷
پل بپل	۴۶ ۰	۳۸ ۰	۵۸ ۰	۴۸ ۰	۳۴ ۰	۴۰ ۰	۵۸ ۰	۱۲ ۰	۱ ۰

سنیچر میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ

آگ پانی سے اندیشہ موت۔ بیماری شکم۔ بخار۔ جذام۔

سنیچر میں بدھ کی پران وشا کا ثمرہ

بندگی پرستش۔ بیوپار میں فائدہ۔ ترقی دولت خوشی کے کام

سنیچر میں کیتو کی پران وشا کا ثمرہ

صحبت عورت غیر۔ مکر۔ اندیشہ۔ ناگہانی صدمات۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سنیچر میں شکر کی پران وشا کا ثمرہ

شادی۔خوشی۔آرام۔عروج اقبالی۔راجدربار سے عزت ترقی دولت اولاد

سنیچر میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ

ملال خاطر۔خوف دشمن ونقصان دولت۔بیماری سر وآنکھ

سنیچر میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ

پرستش صحت تندرستی۔پیدا ہونا فرزند یا اولاد۔

سنیچر میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ

خوف آگ۔سانپ۔حملہ دشمن۔بیماری بائی گولہ۔شکار میں اندیشہ مرگ۔

سنیچر میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

بیماری سے۔۔۔۔ راجدربار سے خوف۔ترک وطن۔زہر کھا لیوے نا فائدہ ۔۔

سنیچر میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

سرکار سے فائدہ۔ترقی ہر قسم حصول زمین۔افسری فرح۔صحبت افسراں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز یازدہم

احکام مہادشا بدھ معہ انتر دشا و پرنتر دشا و سوکھشم دشا و پران دشا

مہادشا بدھ کے اسال

۱- جنم کنڈلی میں اگر بدھ شبھ حالت میں ہو تو اُس کی دشا میں حصول تمنا دلی و فتح معرکہ برادری و دولت و آرام و پارچہ و غلہ وغیرہ۔

اگر بدھ اپنے اوچ استہان یا دوست گرہ اور کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی دشا میں آرام عشرت زر دولت۔ غلہ۔ ترقی عقل۔ ہر ایک سے محبت حکام سے دوستی۔ نیک کام۔ ترقی ہنر و علم۔ خوشی اولاد۔ عورت غذا لطیف اور عمدہ فائدہ تجارت بالضیب ہو۔

اگر بدھ شبھ گرہوں کی درشٹی میں ہو۔ اور نانویں یا دسویں گھر کا مالک ہو۔ اور سب طرح سے بلوان ہو۔ تو اسکی دشا میں ہر ایک قسم کے آرام اور فائدہ حاصل ہوتے ہیں یا ت

اگر بدھ اشبھ حالت میں ہو تو رنج تکلیف رہتا ہے۔ زرد

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نتائج عادت اور بھائیوں کی بربادی۔ ہر ایک سے فساد۔
مصائب میں مبتلا ہو۔

اگر بدھ پاپی گرہوں کے ساتھ ہو۔ اور پاپی گرہوں کی اوشیہ درشٹی ہو۔ تو اوسکی دشا میں۔ حکام سے بگاڑ۔ بھائیوں میں فساد۔ محتاجی اور غلامی اشخاص غیر۔ جلاوطنی اور ہر ایک سے رنج اور بیماری پیشاب دامنگیر ہو۔

اگر بدھ ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو تو تکلیف بے آرامی اور نقصان زر دولت اور عوارض مثلاً زردی بدن اور خوف آتش چور۔ حکام۔ نقصان زراعت زمین مکان ماہ گاؤ دشا کے حصہ اول میں آرام و فائدہ۔ دوم میں راجسبھا سے روپیہ۔ سوم میں نقصان اور تکالیف۔

مہادشا بدھ ۱۷ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
سال	۲	۲	۲	[illegible]	۱	۰	۲	۲	۲
ماہ	۴	۱۱	۱۰	۱۰	۵	۱۱	۶	۳	۸
دن	۲۷	۲۷	۰	۶	۰	۲۷	۱۸	۶	۹

بدھ کی مہادشا میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

بدھ کی مہادشا میں بدھ کی انتر دشا

۳۔ اگر بدھ اوچ استھان۔ بلوان شبھ گرہ کی درشٹی میں یا کارک دست ہو کر جنم لگن سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو تو اسکی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

انتر دشا میں۔ جواہرات مرجان اعلےٰ عقل۔ آرام۔ نیک نام۔ نیک کام۔ علم۔ اعلےٰ درجہ۔ ماں باپ۔ عورت فرزند سے خوشی۔

اگر بدہ است یا نیچ استہان کا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو کر جنم لگن سے خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو۔ تو بھائیوں سے بے اتفاقی۔ تباہے زر و مال غلہ۔ درد چشم سرکار سے بیقراری اگر بدہ۔ مالک خانہ ۲-۷-ہو تو درد جسم اور تکلیف عورت۔

بدہ کی مہادشا میں کیت کی انتر دشا

۴- کیت اگر لگنیش اور شبھ گرہ اور یوگ کارک گرہ کے ساتھ ہو کر جنم لگن یا بدہ سے کیندر۔ ترکون میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں آرام جسم۔ بھائیوں سے اخلاص و پیار۔ مویشی۔ علم۔ سرکار سے فائدہ غذا اچھی۔ زیور

دشا کے حصہ اول اور وسط میں آرام

اگر کیت پاپی گرہ کے ساتھ۔ بدہ یا جنم لگن سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں سواری سے گرے اولاد سے تکلیف خوف چور۔ عتاب حکام۔ دل مائیل بہ بدکاری ہو۔ بچھو سے گزند کمینوں سے فساد۔ ہر ایک طرح غم رنج۔ اندیشہ موت۔

اگر کیت خانہ ۲-۷-میں ہو تو کمزوری جسم۔

بدہ کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

۵- شکر بلوان ہو کر اوچ استہان کا شبھ گرہ کے ساتھ اور شبھ گرہ کی درشٹی میں جنم لگن کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں یا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بُدھ سے اچھے گھر میں ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں علم تصوف۔ سرکار سے فائدہ و عزت۔ آرام۔ زر و مال۔ تیاری مکان چاہ۔ تالاب۔ پن دان۔ کار ہائے نیک اگر شکر جنم لگن سے ۶۔۸۔۱۲۔ گھر میں یا بُدھ سے ۱۲۔ گھر میں۔ کمزور ہو تو اُسکی انتر دشا میں بیماری چھاتی۔ بے عزتی بخار یا سہال۔ جدائی بھائیوں سے اگر وہ مالک خانہ ۲۔۷۔ ہو تو اندیشہ مرگ۔

بدھ کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا۔

۱۔ سورج اوچ استھان یا اپنے گھر کا ہو کر شبھ گرہ کے ساتھ شبھ گرہ کی درشٹی میں یا بُدھ کے ساتھ بلوان ہو کر جنم لگن سے کیندر ترکون۔ گیارہویں یا دوسرے گھر میں ہو یا اپنے نوانشہ یا اوچ کے نوانشہ میں ہو تو اُسکی انتر دشا میں راجدربار سے بلندی منصب۔ اگر سورج کو منگل دیکھتا ہو۔ تو دشا کے پہلے حصہ میں درد جسم۔ اگر لگنیش کے ساتھ ہو۔ تو آرام۔ ملنا زر و مال۔ املاک ریاست۔ زمین۔ غذا عمدہ۔

اگر سورج کمزور سنیچر یا منگل یا راہو کے ساتھ ہو جنم لگن سے ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ تو اندیشہ چوری۔ آگ۔ ہتھیار۔ حد اج بھائیوں سے ملال خاطر۔ بیماری درد سر۔ صفرا۔

بدھ کی مہادشا میں چاند کی انتر دشا

۱۔ چاند یوگ کارک گرہ کے ساتھ۔ برہسپت کی درشٹی میں چاند نے پکھ کا اوچ استھان کا لگن یا بدھ سے کیندر۔ ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں پراپتی راج سفر۔ زر و مال

شادی ۔سواری ۔زیور ۔پارچہ ۔مکان جدید ۔غذا شیریں راگ رنگ ۔علم ۔سفر مبارک جانب جنوب ۔ثابت قدم

اگر بدھ نیچ استھان یا دشمن کے گھر میں یا پاپی گرہ کے درشٹی میں جنم لگن یا بدھ سے ۶۔۸۔۱۲۔ گھر میں ہو تو اسکی انتر دشا میں اندیشہ چور ۔آسیب صحبت عورت غیر ۔نقصان ریاست املاک ۔مکان ۔زر و مال ۔میلان بدکاری موت سواری ۔نگاہی ۔

اگر چاند مالک خانہ ۲۔۷۔ ہو تو خوف آسیب و موت ۔

بدھ کی مہا دشا میں منگل کی انتر دشا

۸۔ منگل الگنیش یا شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی درشٹی میں اوچ یا اپنے گھر کا ہو کر جنم لگن یا بدھ سے کیندر ۔ترکون یا خانہ ۱۰۔۱۱۔ میں ہو ۔تو اسکی انتر دشا میں تنزل شدہ مرتبہ یا ریاست کا ملنا ۔آرام مکان ۔تولد فرزند ۔ملنا ملک ۔زمین ۔اسپ فیل خوشی عورت صحت مزاج ۔بھائیوں سے اخلاص ۔ملنا زر و مال

اگر منگل جنم لگن یا بدھ سے خانہ ۶۔۸۔۱۲ یا نیچ استھان یا دشمن کے گھر میں ہو تو راجدربار سے اندیشہ ۔چوری ۔سانپ ۔آگ اولاد ۔امید والوں سے خوف اور بے اتفاقی ۔ترک آرام رہائش ۔تدبیروں سے ناکامی ۔بیماری جسم ۔

دشا کے حصہ اول میں سبب تکلیف ۔بھائی سے خوف ۔وسط دشا میں آرام ملنا زر و مال آخری حصہ میں راجدربار سے اندیشہ جلا وطنی ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر منگل مالک خانہ ۲-۷ ہو تو اندیشہ مرگ۔

بدھ کی مہادشا میں راہو کی انتردشا

۹- راہو اگر جنم لگن یا بدھ سے کیندر۔ ترکون یا گیارھویں گھر میں یا کرک۔ برکھ کنیا راشی میں ہو کر دسویں گھر میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں راجدربار سے عزت فائدہ۔ ترقی منصب سفر مبارک۔ ملنا پارچہ۔

دشا کے پہلے حصہ میں تکلیف۔ آخر حصہ میں آرام۔

اگر راہو ۶-۸-۱۲- گھر میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں بربادی زرومال۔ بخار۔ قبض۔

اگر راہو جنم لگن سے ۳-۶-۱۰-۱۱- گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتردشا میں عروج اقبال ہو۔

اگر بدھ سے راہو پاپی گرہ کے ساتھ ۸-۱۲- گھر میں ہو۔ تو نہایت پریشانی اور اندیشہ اور جلاوطنی۔ بیماری۔ کمینہ لوگوں سے صحبت موت برادر بے عزتی بیماری چھاتی۔ نقصان زرومال۔

اگر راہو ۲-۷- گھر میں ہو تو اندیشہ موت۔

بدھ کی مہادشا میں برہسپت کی انتردشا

۱۰- برہسپت اوچ استھان میں ہو کر ملوان جنم لگن یا بدھ سے کیندر ترکون یا ۲-۱۱- گھر میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں ارام عصمت ملنا زر دولت شادی کتخدائی۔ کھانا عمدہ ملنا جاموش رداں میں بھجن بندگی رکھیو جن دیوتا خوشی مادراں و فرزنداں ترقی موسیقی ہو۔

اگر برہسپت نیچ استھان یا است ۔۶۔ ۸ ۔ ۱۲۔ گھر میں سنیچر یا راہو کے ساتھ ہو۔ تو ننگ فساد۔ اندیشہ چوری۔ بیماری نجات زوال حکومت و زمین۔

اگر جنم لگن یا بدھ سے برہسپت کمزور ہو کر خانہ ۶ ۔ ۸ ۔ ۱۲ میں تو بیماری تکلیف جسم، عورت برادر سے رنج۔ نقصان زر و مال غضب سرکار۔

اگر وہ مالک خانہ ۲ ۔ ۷ ۔ ہو تو اندیشہ آسیب۔

بدھ کی مہادشا میں سنیچر کی انتر دشا

۱۱۔ اگر سنیچر اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو۔ جنم لگن یا بدھ سے کیندر۔ ترکون میں یا گیارہویں گھر میں ملوان ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں اگر سنیچر دشمن کے گھر میں ہو یا جنم لگن یا وہ سے ۶۔ ۸۔ ۱۲ گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں تکالیف چند اقسام بیماری عورت اولاد۔ موت برادر۔ سفر نامبارک بیماری دل دیوانگی عقل۔

اگر وہ مالک خانہ ۲ ۔ ۷ ۔ تو موت

بدھ کے انتر میں ہر ایک گرہ کا پرانتر

بدھ میں بدھ پرانتر ۴ ۔ ۲ ۔ ۲۷

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاندر	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۴	۱	۴	۱	۲	۱	۴	۳	۴
دن	۲	۳۰	۲۷	۱۳	۱۲	۳۰	۱۰	۲۵	۱۷
گھڑی پل	۴۹ ۲۰	۴۴ ۰	۳۰ ۰	۳۱ ۰	۱۵ ۳۰	۴۴ ۳۰	۳ ۰	۳۶ ۰	۱۹ ۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ کے انتر میں کیت کا پرنتر ۰ سال ۱۱ ماہ ۲۷ دن ۳

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱
دن	۲۰	۲۹	۱۷	۲۹	۲۰	۲۳	۱۷	۲۶	۲۰
گھڑی	۲۹ ۳۰	۳۰ ۰	۵۱ ۰	۴۵ ۰	۴۹ ۳۰	۳۳ ۰	۳۶ ۰	۳۱ ۳۰	۳۴ ۳۰

بدھ کے انتر میں شکر کا پرنتر ۳ - ۱۰ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۵	۱	۳	۱	۵	۴	۵	۴	۱
دن	۲۰	۲۱	۲۵	۲۹	۳	۱۶	۱۱	۲۴	۲۹
گھڑی	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰

بدھ کے انتر میں سورج کا پرنتر ۰ - ۱۰ - ۶

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱
دن	۱۵	۲۵	۲۷	۱۵	۱۰	۱۸	۱۳	۱۷	۲۱
گھڑی	۱۸	۳۰	۵۱	۵۴	۴۸	۲۷	۲۱	۵۱	۰

بدھ کے انتر میں چاند کا پرنتر ۱ - ۵ - ۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۱	۰	۳	۳	۳	۳	۰	۳	۰
دن	۱۳	۲۹	۱۶	۸	۲۰	۱۳	۲۹	۲۵	۲۵
گھڑی	۳۰	۴۵	۳۰	۰	۴۵	۱۵	۴۵	۰	۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ کے انتر میں منگل کا پرتنتر (سال ماہ دن) — ۱۱ - ۲۷

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰
دن	۳۰	۲۳	۱۷	۲۶	۲۰	۳۰	۲۹	۱۷	۲۹
گھڑی / پل	۴۵ / ۳۰	۲۳ / ۰	۲۶ / ۰	۳۱ / ۳۰	۲۴ / ۳۰	۴۵ / ۳۰	۲۰ / ۰	۵۱ / ۰	۴۵ / ۰

بدھ کے انتر میں راہو کا پرتنتر (سال ماہ دن) ۲ - ۱۱ - ۲۸

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۴	۴	۴	۴	۱	۵	۱	۲	۱
دن	۱۹	۲	۲۴	۱۱	۲۴	۴	۱۶	۱۷	۲۴
گھڑی / پل	۱۲ / ۰	۴۴	۵۶ / ۰	۲ / ۸	۸ / ۰	۴۰ / ۰	۲۴ / ۰	۲۰ / ۰	۸ / ۰

بدھ کے انتر میں برہسپت کا پرتنتر ۲ - ۳ - ۶

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۳	۴	۳	۱	۴	۱	۳	۱	۴
دن	۸	۹	۲۵	۱۷	۱۶	۱۰	۸	۱۷	۳
گھڑی	۴۸	۱۲	۲۶	۲۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴

بدھ کے انتر میں سنیچر کا پرتنتر ۲ - ۸ - ۹

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۴	۴
دن	۳	۱۷	۲۶	۱۱	۱۸	۲۰	۲۶	۲۵	۹
گھڑی / پل	۲۵ / ۰	۱۶ / ۳۰	۳۱ / ۳۰	۳۰ / ۰	۴۷ / ۰	۴۵ / ۰	۳۱ / ۳۰	۲۱ / ۰	۱۲ / ۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ کی انتردشا میں ہر ایک گرہ کی پرتنتر دشا کا پھل

بدھ کے انتر میں بدھ کا پرانتر

ملنا زر و مال - پارچہ - آرام - دولت جواہرات - علم عقل -

بدھ کے انتر میں کیت کا پرانتر

درد شکم - بیماری صفرا - خون - کھانا ناقص -

بدھ کی انتردشا میں شکر کا پرانتر

عروج اقبال - ملنا دولت جانب شمال - موت مویشی

بدھ کے انتر میں سورج کا پرانتر

ملال - پریشانی درد جسم تنزل مرتبہ -

بدھ کے انتر میں چاند کا پرانتر

ملنا دولت - عورت - آرام - پیدائش دختر -

بدھ کے انتر میں منگل کا پرانتر

اندیشہ چور - آگ - اسلحہ - ترقی زر و مال - غصہ و برہم -

بدھ کے انتر میں راہو کا پرانتر

راجدربار اور ہتھیار کا خوف - عورت سے مخالفت

بدھ کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

عروج اقبال - راجدربار میں عزت - ترقی علم - غلہ

بدھ کے انتر میں سنیچر کا پرانتر

نقصانات - اندیشہ چوٹ - امراض صفرا - سوداوی

بدھ میں ہر ایک گرہ کی سوکشم دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ماہ دن گھڑی پل
بدہ میں بدہ کا سوکھشم ۴-۲-۴۹-۳۰

گرہ	بدہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر
دن	۱۷	۷	۲۰	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶	۱۹
گھڑی	۳۴	۹	۲۸	۸	۱۴	۹	۲۵	۲۳	۲۶
پل	۱	۵۳	۱۵	۲۸	۷	۵۲	۲۵	۳۶	۵۵

ماہ دن گھڑی
بدہ میں کیت کا سوکھشم ۱-۲۰-۳۴

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدہ
دن	۲	۸	۲	۴	۲	۷	۶	۸	۷
گھڑی	۵۶	۳۵	۳۱	۱۳	۵۶	۳۵	۴۴	۰	۹
پل	۵۹	۴۰	۴۲	۵۰	۵۹	۶	۳۲	۲۳	۴۹

بدہ میں شکر کا سوکھشم ۴-۲۴-۳۰-

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدہ	کیت
دن	۲۴	۷	۱۳	۸	۳۱	۱۹	۲۲	۲۰	۸
گھڑی	۳	۱۳	۱۰	۲۵	۳۹	۱۴	۵۱	۲۶	۲۵
پل	۲۰	۰	۴۰	۱۰	۰	۴۰	۱۰	۵۰	۱۰

بدہ میں سورج کا سوکھشم ۱-۱۳-۲۱-

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سینچر	بدہ	کیت	شکر
دن	۲	۳	۲	۶	۵	۶	۶	۲	۲۰
گھڑی	۱۰	۳۶	۳۱	۳۰	۴۶	۵۱	۸	۳۱	۱۳
پل	۱۲	۲۵	۲۲	۹	۴۸	۴۹	۳۹	۴۳	۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ میں چاند کا سوکھشم ماہ ۳ - دن ۱۴ - گھڑی ۱۵ - پل ۳۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۰	۴	۱۰	۹	۱۱	۱۰	۴	۱۳	۳
گھڑی	۱۴	۱۲	۵۱	۳۸	۲۹	۱۴	۱۲	۲	۳۶
پل بپل	۱۷ ۳۰	۵۴ ۱۵	۱۵ ۳۰	۴ ۰	۲ ۱	۱۱ ۱۵	۵۴ ۱۵	۳ ۰	۴۶ ۳۰

بدھ میں منگل کا سوکھشم ۱ - ۳۰ - ۳۴ - ۳۰

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	بدھ	چاند
دن	۲	۷	۶	۸	۷	۳	۸	۳	۴
گھڑی	۵۷	۳۵	۴۴	۰	۹	۵۷	۲۵	۳۱	۱۳
پل	۱	۹	۳۶	۳۷	۵۴	۱	۴۶	۴۳	۵۳

بدھ میں راہو کا سوکھشم ۴ - ۱۰ - ۳

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۱۹	۱۷	۲۰	۱۸	۷	۳۱	۶	۱۰	۷
گھڑی	۳۰	۲۰	۳۵	۳	۳۵	۴۰	۳۰	۵۰	۳
پل	۲۷	۲۴	۲۸	۲۵	۱۰	۳۰	۹	۱۵	۱۰

بدھ میں برہسپت کا سوکھشم ۳ - ۲۵ - ۳۶

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۱۵	۱۸	۱۶	۶	۱۹	۵	۹	۶	۱۷
گھڑی	۲۴	۱۸	۲۲	۴۴	۱۶	۴۶	۳۸	۴۴	۲۰
پل	۴۸	۱۳	۳۶	۲۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴

بدھ میں سنیچر کا سوکھشم - ۴ - ۱۷ - ۱۶ - ۳۰

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۲۱	۹	۸	۲۲	۶	۱۱	۸	۲۰	۱۸
گھڑی	۴۴	۲۶	۰	۵۲	۵۱	۲۶	۰	۳۵	۱۸
پل	۷	۵۰	۳۸	۴۶	۴۹	۲۳	۳۸	۳۰	۱۲

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ میں ہر ایک گرہ کی سو کھشم وشا کا ثمرہ -

بدھ میں بدھ کا سو کھشم

ہر ایک سے اخلاص خوشی - ملنا دولت ورثہ - راجدربار سے فائدہ بلندی اقبال -

بدھ میں کیت کا سو کھشم

بد خیالات میں توجہ - بیماری عورت - اندیشہ تکلیف آگ -

بدھ میں شکر کا سو کھشم

عشرت نیکنام نیک کام حصول دولت - جا دو لاں آبی سے فائدہ سواری ملے -

بدھ میں سورج کا سو کھشم

تنازعات - نقصانات - راجدربار سے تکلیف - بیماری کمی عقل

بدھ میں چاند کا سو کھشم

گورو محبب سے محبت اور خوشی حوصلہ - راجدربار حصول دولت -

بدھ میں منگل کا سو کھشم

بیماری جنون الحواس فضول گشت - تندرستی - خوف آگ زہر

بدھ میں راہو کا سو کھشم

آوارہ گردی میں عقل ضائع ہو - میدان دشمن میں ہار خوف آگ اور راجدربار -

بدھ میں برہسپت کا سو کھشم

توجہ حکام سے حصول دولت - بلندی مراتب - سخاوت

بدھ میں سنیچر کا سو کھشم

شادی یا ملاقات عورت - علم - ترقی اقبال - فائدہ بیوپار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ میں ہر ایک گرہ پران دشا کا ثمرہ۔

بدھ میں بدھ کی پران دشا۔ ۱۷ دن۔ ۴۴ گھڑی۔ ۱ پل۔

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۲	۱	۲	۰	۱	۱	۲	۳	۳
گھڑی	۲۷	۰	۵۲	۵۳	۲۷	۰	۳۶	۱۹	۴۵
پل	۵۵	۵۴	۰	۱۲	۰	۵۴	۳۶	۱۲	۱۸

بدھ میں بدھ کی پران دشا کا ثمرہ

تندرستی۔ آرام، عیش عشرت۔ ہر ایک سے سلوک، اعتقاد دہرم

بدھ میں کیت کی پران دشا کا ثمرہ

خوف زہر و چور و آگ۔ مرگ۔

بدھ میں شکر کی پران دشا کا ثمرہ۔

خوشی عورت اولاد۔ پرستش۔ کام نیک۔ حصول دولت و املاک

بدھ میں سورج کی پران دشا کا ثمرہ

بدکاری۔ بخار باری۔ عورت اور برادر سے پیار۔

بدھ میں چاند کی پران دشا کا ثمرہ

ہر طرح آرام۔ پیدائش دختر۔ حصول دولت و عورت۔

بدھ میں منگل کی پران دشا کا ثمرہ

بیماری مغز سے اندیشہ موت۔ تنزل مرتبہ۔ قوم سے خارج۔ بیماری پسلی و دنداں و آنکھ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بدھ میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

ملال خاطر۔ حیرانی بیقراری۔ تنگدستی۔ تنگی پارچہ و زیور۔ برہمنوں سے صحبت۔

بدھ میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

فائدہ اشیاء عمدہ۔ نیکنامی۔ ترقی دولت و علم و ہنر۔

بدھ میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ

تنگدستی۔ غریبی۔ صدمہ چوری خوف مرگ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز دوازدہم

احکام مہادشا کیت معہ انتر و پرنتر دشا وسوکشم دشا و پران دشا

مہادشا کیت ۷ سال

۱ - اگر جنم کنڈلی میں کیت شبھ حالت میں ہو۔ تو اسکی دشا میں تباہی مخالفاں فتح یا چاند کام سے فایدہ زر دولت۔ خلاف مذہب حکام سے ملنا روزگار

اگر کیت کیندر یا ترکون یا گیارہویں گھر میں شبھ گرہ کی راشی ہیں اور شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو یا اوچ استہان میں یا شبھ گرہوں کے برگ میں ہو تو اُس کی دشا میں ہر دم خوشی اور حکام سے دوستی اور اراضیات حاصل ہوں - زر دولت۔ سواری - اولاد - مویشی - آرام اولاد و عورت اور رہائش مقام غیر نصیب ہو۔

اگر کیت خانہ ۳ - ۶ - ۱۱ - میں ہو تو اسکی دشا میں۔ آرام عزت حکام سے واسطہ اتحاد سواری اعلےٰ قسم حاصل ہو۔

اگر کیت اشبھ حالتمیں ہو۔ تو اُسکی دشا میں بیماری درد اعضا اور بخار محرقہ ولرزہ اور مخالفت اقوام شریف و عابد و کوشش ہر ایک کام بیفایدہ اور تکالیف چند انوع - پیش آوے -

اگر کیت خانہ ۲ - ۸ - ۱۲ - میں پاپی گرہ کے ساتھ یا اُسکی درشٹی میں ہو - تو اُسکی دشا میں رنج غم نقصان دولت - و جلا وطنی موت یا اور جاہ یا ۔ کمینہ لوگوں سے دوستی ما سکی دشا کے حصہ اول ...

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ترقی اقبال۔ حصہ دوم میں خوف عظیم۔ حصہ سوم میں تکالیف بدن اور سفر دور دراز

مہادشا کیت ۷ سال میں انتردشا ہر ایک گرہ

۳۔

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
سال	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۰	۱	۰
ماہ	۴	۲	۴	۷	۴	۰	۱۱	۱	۱۱
دن	۲۷	۰	۶	۰	۲۷	۱۸	۶	۹	۲۷

کیت کی مہادشا میں ہر ایک گرہ کی انتردشا

کیت کی مہادشا میں کیت کی انتردشا

۳۔ کیت جنم لگن سے کیندر ترکون یا گیارھویں گھر میں ہو۔ گرہ شبھ ساتھ ہو۔ مالکان خانہ ۴-۹-۱۰ سے سمبندھ کرتا ہو۔ تو اسکی انتردشا میں ملنا زر دولت غلہ مویشی۔ آرام عورت اولاد حکام سے اخلاص عروج اقبال۔ ملنا زمین اگر کیت نیچ استہان یا استت ہو۔ خانہ ۸-۱۲ میں ہو۔ تو قیدی و بیماری جدائی۔ نقصان زر و مال موت مویشی بیماری عورت اولاد۔ پریشانی خاطر۔

اگر خانہ ۲-۷ میں ہو یا انکے مالکان سے سمبندھ کرتا ہو تو موت تکالیف بیماری۔ جدائی برادر۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گیت کی مہادشا میں شکر کی انتر دشا

۴۷ - شکر اوچ استھان میں ہو کر جنم لگن سے کیندر. ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو - دسویں گھر کا مالک ساتھ ہو - تو اسکی انتر دشا میں بلندی منصب حکام سے اخلاص -

اگر شکر مالکان خانہ ۹ و ۱۰ کے ساتھ ہو تو فوراً شروع دشا میں زر و مال اور تلف شدہ حکومت ہاتھ آوے - آرام سواری - تیرتھ جاترا سرکار کی مہربانی سے حکومت زمین اگر شکر گیت سے کیندر. ترکون یا ۳-۱۱ گھر میں ہو - تو اسکی انتر دشا میں صحت مزاج. کھانا عمدہ - پارچہ سواری اعلےٰ قسم

اگر شکر پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن یا کیت سے ۶-۸-۱۲ - گھر میں ہو تو نقصان زر و مال و تباہی مویشی و فساد - درد سر و چشم و بیماری چھاتی و بے عزتی و بیماری عورت اولاد - اگر خانہ ۲-۷- میں ہو تو گزندی جسم و پریشانی خاطر -

گیت کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا

۴۸ - سورج شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی درشٹی میں اوچ استھان یا اپنے گھر کا ہو کر جنم لگن یا کیت سے کیندر. ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو تو اس کی انتر دشا میں مہربانی سرکار سے ملنا زر و مال منصب اعلےٰ صحت جسم - تولد فرزند - حوصلہ

اگر وہ جنم لگن یا کیت سے ۶-۸-۱۲ - گھر میں یا پاپی گرہ کے ساتھ ہو تو اسکی انتر دشا میں سرکار سے اندیشہ - جدائی ماں باپ خوف چوری سانپ غضب حکام تباہی زر و دولت - ملال خاطر بخار بہت موشی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دشا کے پہلے اور درمیانی حصہ میں بیقراری وبیچینی۔ حصہ آخر میں آرام وراحت اگر وہ مالک خانہ ۲-۷-ہو تو اندیشہ موت۔

کیت کی مہادشا میں چاند کی انتردشا

۴- اگر چاند اوچ استہان کا بلوان ہو کر جنم لگن یا کیت سے کیندر ترکون یا ۲-۴-۱۱ گھر میں ہو۔ تو اسکی انتردشا میں حکام سے محبت وخوشی۔ ملنا حکومت۔ زمین۔ کھانا عمدہ۔ پارچہ۔ مویشی۔ سواری گھوڑا۔ زیور۔ تیرتھ جاترا۔ تیاری چاہ تالاب ومندر۔ خوشی عورت اولاد۔

اگر چاند جنم لگن یا کیت سے ۶-۸-۱۲-گھر نیچ استہان یا کمزور پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ہو۔ تو بیماری۔ دوری ماں باپ موت مویشی نقصان زرومال۔ بیماری بھائی۔

اگر وہ مالک خانہ ۷-۸-ہو تو خوف موت۔

کیت کی مہادشا میں منگل کی انتردشا

۷- منگل اوچ استہان یا اپنے گھر میں ہو کر جنم لگن یا کیت سے کیندر ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو کر شبھ گرہ کے ساتھ یا شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو تو اسکی انتردشا کے حصہ اول میں شبھ پھل ملنا حکومت ریاست زمین زر ومال مویشی۔ مکان بلندی مرتبہ اور توجہ سرکار سے عروج عزت۔ خوشی فرزند۔ دوست۔

اگر وہ جنم لگن یا کیت سے ۲-۶-۸-۱۲-گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتردشا میں بیقراری۔ بے آرامی۔ موت۔ سفر بے فائدہ۔ بیماری جریان وپیشاب۔ سرکار اور چور سے خوف۔ فساد

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تکلیف۔
اگر وہ مالک خانہ ۲-۷-ہو تو اُسکی انتر دشا میں بخار صفراوی اندیشہ
زہر ملال خاطر۔ بیماری عورت۔

کیت کی مہادشا میں راہو کی انتر دشا

۸- راہو۔ اوچ استھان یا دوست کے گھر کا ہو کر جنم لگن یا کیت سے
کیندر۔ ترکون یا ۳-۱۱- گھر میں ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں ملنا زر و مال
ملیچھ آقا سے آرام فایدہ ملنا مویشی و ریاست۔ دشا کے اول حصہ
میں تکلیف آخری حصہ میں ثمرہ متذکرہ صدر۔
اگر راہو۔ پاپی گرہ کے ساتھ یا پاپی گرہ کی درشٹی میں ۸-۱۲- گھر میں
ہو۔ تو کمزوری بخار بلغمی چوتھا۔ لرزہ و تیز۔ خوف زہر۔ بیماری جریان
درد جسم۔
اگر راہو ۲-۷- گھر میں ہو تو سخت تکلیف۔

کیت کی مہادشا میں برہسپت کی انتر دشا

۹- اگر برہسپت ہمراہ لگنیش جنم لگن یا کیت سے کیندر۔ ترکون۔ یا ۳-
۱۱- گھر میں اوچ کا ہو۔ تو اُس کی انتر دشا میں زر و مال۔ آرام نصیب ہو
اگر وہ مالک خانہ ۹-۱۰ کے ساتھ ہو۔ تو حکام سے اخلاص اور فایدہ
کام راحت آمیز سواری اعلے درجہ۔ تولد فرزند شبھ کام سفر
مبارک۔ تیرتھ جاترا۔ پارچہ کہانا عمدہ۔
اگر وہ کمزور ہو کر پاپی گرہ کے ساتھ جنم لگن یا کیت سے خانہ ۸-۲-
۱۲- میں ہو۔ نیچ استھان میں ہو۔ تو اُسکی انتر دشا میں اندیشہ
چور۔ چوٹ۔ تباہی زر و مال۔ جدائی عورت اولاد سخت تکلیف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

فساد - سفر دور دراز -

اگر وہ مالک خانہ ۲ - ۷ ہو تو اسکی انتر دشا میں اندیشہ موت۔

کیت کی مہا دشا میں سنیچر کی انتر دشا

۱۰- اگر سنیچر میں راشی مول ترکون ۔ اوچ استھان ہو کر کیندر - ترکون یا ۳ - ۱۱ - گھر میں شبھ گرہ کے نوانسہ میں شبھ گرہ کی درشٹی میں ہو - تو اسکی انتر دشا میں تمام کام بخیر انجام ہوں - اپنے حکام سے فائدہ - زیور - پارچہ -

اگر وہ جنم لگن یا کیت سے ۸ - ۱۲ - گھر میں ہو - تو اسکی انتر دشا میں تکلیف بلکہ اندیشہ قید - ملال خاطر - غضب سرکار سے زر و مال کا نقصان - جلاوطنی - سفر سے اندیشہ چوری وغیرہ سستی - بے قدری -

اگر وہ مالک خانہ ۲ - ۷ - ہو تو اسکی انتر دشا میں اندیشہ موت -

کیت کی مہا دشا میں بدھ کی انتر دشا

۱۱- اگر بدھ بلوان ہو کر اوچ استھان کا جنم لگن یا کیت سے کیندر - ترکون یا گیارہویں گھر میں ہو - تو آرام - دھندان - مطالعہ کتب تصوف و گیان - ملنا زر و مال زمین - تولد فرزند شادی - زیور - پارچہ - شبھ کام - کھانا عمدہ -

اگر وہ مالک خانہ ۹ - ۱۰ - کے ساتھ ہو تو اسکی انتر دشا میں آرام بلندی مراتب -

اگر وہ نربل ہو کر جنم لگن یا کیت سے ۶ - ۸ - ۱۲ - گھر میں ہو -

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور منگل یا راہو یا سنیچر اوسکے ساتھ ہو۔ تو اسکی انتر دشا میں مکان غیر میں رہائش ہو۔ فساد جھگڑا موت سواری رومویشی و نقصان زرومال۔

دشا کے پہلے حصہ میں ثمرہ نیک۔ وسط میں آرام ملنا زر و مال حصہ آخر میں بیماری عورت اولاد۔ تکلیف سرکار سے اندیشہ۔ اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو اندیشہ موت۔

کیت کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کا پرانتر

کیت کے انتر میں کیت کا پرانتر ماہ ۰ دن ۸ گھڑی ۳۴

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۸	۴۴	۷	۱۳	۸	۲۳	۱۹	۴۳	۲۰
گھڑی پل	۳۴ ۳۰	۳۰ ۰	۲۱ ۰	۱۵ ۰	۳۴ ۳۰	۳ ۰	۳۶ ۰	۱۶ ۳۰	۴۹ ۳۰

کیت کے انتر میں شکر کا پرانتر۔ ۱ - ۲ - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۲	۰	۱	۰	۲	۱	۲	۱	۰
دن	۱۰	۲۱	۵	۲۴	۳	۲۶	۶	۲۹	۲۴
گھڑی	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰

کیت کے انتر میں سورج کا پرانتر۔ ۰۔ ۴۔ ۶

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۶	۱۰	۷	۱۸	۱۶	۱۹	۱۷	۷	۲۱
گھڑی	۱۸	۳۰	۲۱	۵۴	۴۸	۵۷	۵۱	۲۱	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیت کے انتر میں چاند کا پرانتر ۰ - ۷ - ۰ سال ماہ دن

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۰	۰	۱	۰	۱	۰	۰	۱	۰
دن	۱۷	۱۲	۱	۲۸	۳	۲۹	۱۲	۵	۱۰
گھڑی	۳۰	۱۵	۳۰	۰	۱۵	۴۵	۱۵	۰	۳۰

کیت کے انتر میں منگل کا پرانتر ۰ - ۴ - ۲۷

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
دن	۸	۲۲	۱۹	۲۳	۰	۸	۲۴	۷	۱۲
گھڑی پل	۳۴ ۳۰	۳ ۰	۳۶ ۰	۱۶ ۳۰	۴۹ ۳۰	۳۴ ۳۰	۳۰ ۰	۲۱ ۰	۱۵ ۰

کیت کے انتر میں راہو کا پرانتر ۱ - ۰ - ۱۸

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۱	۱	۱	۱	۰	۲	۰	۱	۰
دن	۲۶	۲۰	۲۹	۲۳	۲۲	۳	۱۸	۱	۲۲
گھڑی	۴۲	۲۴	۵۱	۳۳	۳	۰	۵۴	۳۰	۳

کیت کے انتر میں برہسپت کا پرانتر ۰ - ۱۱ - ۶

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰	۰	۱
دن	۱۴	۲۳	۱۷	۱۹	۲۶	۱۶	۲۸	۱۹	۲۰
گھڑی	۴۸	۱۲	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سال ماہ دن

کیت کے انتر میں سنیچر کا پرانتر - ۱ ۱/۷ - ۹

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۲	۱	۰	۲	۰	۱	۰	۱	۱
دن	۳	۲۶	۲۳	۶	۱۹	۳	۲۳	۲۹	۲۳
گھڑی پل	۱۰ ۳۰	۳۱ ۳۰	۱۲ ۳۰	۳۰ ۰	۵۷ ۰	۱۵ ۰	۱۲ ۳۰	۵۱ ۰	۱۴ ۰

کیت کے انتر میں بدھ کا پرانتر ۰ - ۱۱ - ۲۷ -

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۱	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱
دن	۲۰	۲	۲۹	۱۷	۲۹	۲۰	۲۳	۱۷	۲۶
گھڑی پل	۴۴ ۳۰	۴۹ ۳۰	۳۰ ۰	۵۱ ۰	۴۵ ۰	۴۹ ۳۰	۳ ۰	۳۶ ۰	۳۱ ۳۰

کیت کی پرانتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا کا ثمرہ

کیت کے انتر میں کیت کا پرانتر۔

نقصانات۔ سفر بے فائدہ۔ تکالیف۔ مرگ۔

کیت کے انتر میں شکر کا پرانتر۔

نقصان مویشی۔ دولت۔ عوارض چشم و سر۔ کمینہ لوگوں سے نقصان دولت۔

کیت کے انتر میں سورج کا پرانتر

فساد۔ مقابلہ دشمن میں ہار۔ مرگ بے اتفاقی محبان و خویش اقارب۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیت کے انتر میں چاند کا پرانتر

درد شکم، درد چشم۔ بد سلوکی۔ کمی آمدنی۔ غلہ وغیرہ۔

کیت کے انتر میں منگل کا پرانتر

خوف دشمن۔ آگ۔ اسلحہ۔ بلندی سے گرنا۔ کمینہ سے اندیشہ

کیت کے انتر میں راہو کا پرانتر

اندیشہ حملہ مخالف۔ عورت۔ کمینہ آدمی۔ چور۔

کیت کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

نقصانات۔ دولت پارچہ۔ ہر ایک کام میں تکلیف۔ ملال خاطر۔

کیت کے انتر میں سنیچر کا پرانتر

خسارہ آمدنی۔ درد چشم۔ موت محباں۔ و مویشی

کیت کے انتر میں بدھ کا پرانتر

کاموں میں نقصان۔ ملال خاطر۔ کمی علم۔ خرابی عقل

کیت میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

کیت میں کیت کا سوکھشم ۸ دن - ۳۴ گھڑی - ۳۰ پل

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۰	۱	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱
گھڑی	۳۰	۳۵	۳۵	۴۳	۳۰	۱۷	۸	۲۱	۱۳
پل	۱	۴۵	۴۴	۵۳	۱	۱۳	۳۷	۱۸	۵۹

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیت میں شکر کے سوکھشم - ۴۴ - ۳۰ - ۰
(دن - گھڑی - پل)

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۴	۲	۲	۱	۳	۲	۲	۳	۱
گھڑی	۵	۱۳	۲	۵	۴۰	۱۲	۵۲	۸	۵
پل	۰	۳۰	۳۰	۴۵	۳۰	۰	۲۵	۱۵	۴۵

کیت میں سورج کا سوکھشم ۶ - ۱۴ - ۰
(دن - گھڑی)

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۰	۰	۰	۱	۰	۱	۱	۰	۱
گھڑی	۲۲	۳۶	۲۵	۶	۵۸	۹	۲	۲۵	۱۳
پل	۳	۴۵	۴۴	۹	۴۸	۴۹	۲۸	۴۴	۳۰

کیت میں چاند کا سوکھشم - ۱۳ - ۱۵ - ۰
(دن - گھڑی - پل)

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۱	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۲	۰
گھڑی	۱	۳۴	۵۰	۳۸	۵۶	۴۴	۴۳	۲	۳۶
پل	۱۵	۵۳	۱۵	۰	۲۳	۸	۵۲	۳۰	۴۵

کیت میں منگل کا سوکھشم ۸ - ۴۴ - ۳۰

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۱	۰	۰
گھڑی	۳۰	۱۷	۸	۳۱	۱۳	۳۰	۳۵	۲۵	۴۲
پل	۱	۱۳	۲۷	۱۸	۵۹	۱	۴۵	۴۴	۵۳

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دن گھڑی پل

کیت میں راہو کا سوکھشم ۔ ۲۲-۳-۰

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۳	۲	۳	۳	۱	۳	۱	۱	۱
گھڑی	۱۸	۵۶	۲۹	۷	۱۷	۴۰	۶	۵۰	۱۷
پل	۲۶	۲۴	۲۸	۲۵	۱۱	۳۰	۹	۱۵	۱۱

کیت میں برہسپت کا سوکھشم ۱۹-۳۶-۰

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۲	۳	۲	۱	۳	۰	۱	۱	۲
گھڑی	۳۶	۶	۴۶	۸	۱۶	۵۸	۳۸	۸	۵۶
پل	۴۸	۱۲	۳۶	۳۶	۰	۴۸	۰	۳۶	۲۴

کیت میں سنیچر کا سوکھشم ۲۳-۱۶-۳۰-

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۳	۳	۱	۳	۱	۱	۱	۳	۳
گھڑی	۱۴	۱۷	۲۱	۵۲	۹	۵۶	۲۱	۲۹	۶
پل	۷	۵۰	۲۸	۴۵	۵۰	۲۲	۲۷	۲۹	۱۲

کیت میں بدھ کا سوکھشم ۔ ۲۰-۴۵-۳۰

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۲	۱	۳	۱	۱	۱	۳	۲	۳
گھڑی	۵۷	۱۲	۲۸	۲	۴۴	۱۲	۷	۴۶	۱۷
پل	۰	۵۳	۱۵	۲۹	۸	۵۳	۲۶	۳۶	۵۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیت میں ہر ایک گرہ کی سو کھشم دشا کا ثمرہ۔

کیت میں کیت کا سوکھشم

نہائیت افلاس۔ ملکہ نوبت بر گداگری۔ تکلیف عورت اولاد۔

کیت میں شکر کا سوکھشم

سنگ نیک۔ صحبت نیک۔ صحت مزاج۔ حصول دولت۔

کیت میں سورج کا سوکھشم

نقصان دوستاں۔ جلاوطنی۔ بربادی زمین۔

کیت میں چاند کا سوکھشم

ہر ایک سے اخلاص۔ مقابلہ مخالفاں میں فتح۔ خدمتگار ہر قسم ہوں

کیت میں منگل کا سوکھشم

بیماری سردبای گولہ۔ خوف چور۔ کمینہ۔ اسپ۔

کیت میں راہو کا سوکھشم

بیماری خون۔ صفرا۔ موت عورت۔ عورت نافرمان۔

کیت میں برہسپت کا سوکھشم

سرکار سے بے اتفاقی۔ نقصان ریاست۔ راجہ سے بگاڑ

کیت میں سنیچر کا سوکھشم

ہدعسغ۔ زار افسگی عورت۔ کمی دولت۔ ملال خاطر۔ اسوار فرزند۔

کیت میں بدھ کا سوکھشم

دو دوالوں سے اخلاص۔ ہر ایک سے محبت۔ افزونی دولت۔ تباہی دشمناں۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیتو میں ہر ایک گرہ کی پران وشا کا ثمرہ

کیتو میں کیتو کی پران وشا ۰ ۳ گھڑی ۱ پل

گرہ	کیتو	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
گھڑی	۱	۵	۱	۳	۱	۴	۴	۴	۴
پل	۵۴	۰	۳۰	۳۰	۴۵	۳۰	۰	۴۵	۱۵
وپل	۴	۱۰	۳	۵	۴	۹	۸	۹	۸

کیتو میں کیتو کی پران وشا کا ثمرہ

میلا، ناپاک۔ خوف زخم۔ سواری سے گرے

کیتو میں شکر کی پران وشا کا ثمرہ

حصول دولت وجانوراں۔ خوشی دل۔ ملنا گھوڑا۔ دشمنوں پر کامیابی

کیتو میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ

اندیشہ حیرانی پریشانی۔ موت۔ چور۔ آگ۔ زخم۔ دشمن اولاد۔

کیتو میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ

بیماری گلو۔ آنکھ۔ حصول زر و مال۔ سفر دور۔ پرستش

کیتو میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ

نفاق برادری۔ بیماری سرسام۔ مرض خفقان۔ ناک میں بواسیر

کیتو میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

موت اولاد۔ بیماری چھاتی۔ خوف اسلحہ۔

کیتو میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

خوشی۔ عمدہ پوشاک و زیور و دولت نصیب ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کیت میں سنیچر کی پران دشا کا ثمرہ

ملال خاطر۔ پریشانی۔ بدکاری کیطرف توجہ خفقان کی مرض۔

کیت میں بدھ کی پران دشا کا ثمرہ

بلندی اقبال و آرام جسم۔ خوشبودار اشیاء اور کھانا عمدہ ملے۔

راز سیزدہم

احکام مہادشا شکر معہ انتر دشا و پرنتر دشا و سوکشم دشا و پران دشا۔

مہادشا شکر۔ ۲۰ سال

اگر شکر جنم کنڈلی میں شبھ ہو۔ تو اس کی دشا میں بلندی مراتب و آرام و عیش و عزت و امن و سواری و حصول اعلیٰ مقصد۔ نامورئ سماعی رونق و روشنی مذہب۔ سونا۔ چاندی۔ اعلیٰ درجہ کے آرام سرود و باغ۔ سواری عمدہ۔ شادیاں نصیب ہوں۔

اگر شکر اوج النش اوچ استہان میں ہو کر کیندر میں ہو تو اسکی دشا میں راج سواری زیور۔ مویشی غذا عمدہ۔ راج دربار سے فائدہ۔ دولت خزانہ راگ رنگ عیش عشرت حاصل ہو۔

اگر شکر اپنے اوچ استہان میں راشی میں ہو کر خانہ ۵ - ۹ - میں ہو۔ تو راج اور دولت اولاد۔ بلندی مرتبہ۔ افسری فوج۔ خوشی برادراں۔ راج دربار سے فائدہ۔ جمعیت دولت خزانہ۔ مویشی ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر نانویں یا دسویں گھر کا مالک ہو کر لگن یا چوتھے گھر میں ہو تو اوس کی دشا
میں آرام - ملکیت یا حکومت شہر - تیاری مکانات مذہبی و عبادت
گاہ و مندر و تالاب و چاہ و خیراتیت مساکین - اور غذا شیریں -
شادیاں - عورت اولاد - دولت وغیرہ -

اگر جنم کنڈلی میں شکر ششم یا ہشتم میں ہو - تو اوسکی دشا میں عورت
بیمار - اور بد اندیشوں سے نقصان دولت -

اگر نیچ استھان پر ہو کر خانہ ۶-۸-۱۲ میں ہو - تو فساد برادران عورت
کو تکلیف - مویشی کی موت - اولاد کو بیماری درد اعضاء - اور اپنے
بھائیوں سے فراق -

اگر شکر دوسرے اور ساتویں گھر کا مالک ہو - تو اوسکی دشا میں بیماری
درد اعضاء و جسم و نقصان زر و دولت ہو -

مہا دشا شکر ۲۰ سال میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

۳

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
سال	۳	۱	۱	۱	۳	۲	۳	۲	۱
ماہ	۴	۰	۸	۲	۰	۸	۲	۱۰	۲
دن	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر کی مہا دشا میں ہر ایک گرہ کی انتر دشا

شکر کی مہا دشا میں شکر کی انتر دشا

۳ - جنم لگن سے شکر بلوان ہو کر اوچ استھان یا کیندر - ترکون یا گیارہویں
گھر میں ہو تو اپنی انتر دشا میں بڑا نیک پھل - برہمنوں سے فائدہ - ملنا مویشی

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

گگانے - جاہ و حشم - خوشی اولاد و خوشی کے کام - آفات سے فائدہ -

اگر وہ اوچ کے نوانش یا اپنے نوانش میں ہو - تو تیاری مکان جدید کھانا شیریں - دوستوں سے جلسہ - خوشی عورت اولاد - بلندی اقبال - پن دان غلہ معتقد مذہب - حکام سے سواری - زیور - پارچہ - مویشی سفر مغرب -

اگر وہ جنم لگن سے ۲-۹-۱۰-۱۱- گھر میں شبھ گرہ کے ساتھ - شبھ گرہ کی ورشٹی میں یا دوست کے نوانش میں ہو - گیارہویں گھر کے مالک اور یوگ کارک گرہ کے ساتھ ہو - تو عروج اقبال سرکار میں عزت - ترقی عورت - اولاد -

اگر وہ پاپی گرہ کے ساتھ ۶-۸-۱۲- گھر میں ہو - تو اندیشہ چوری چوٹ اور ہر ایک سے تکلیف پہونچے حکام سے لڑائی - موت برادر بیماری عورت اولاد -

اگر وہ مالک خانہ ۲-۷- ہو یا اون گھروں میں ہو تو اسکی انتر دشا میں موت

شکر کی مہادشا میں سورج کی انتر دشا -

۴ - اگر سورج اوچ یا اپنے گھر میں یا دوست کے گھر میں ہو کر جنم لگن سے کیندر ترکون - یا دوسرے گھر میں ہے - تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال راج یوگ - زر و مال - خزانہ - عورت آفات سے آرام - برادران سے سلوک - خوشنودی ماں باپ نیک آواز - بلندی اقبال - تولد فرزند -

اگر وہ جنم لگن سے ۶-۸-۱۲- گھر میں نیچ استھان - پاپی گرہ کے کیت ورگ میں ہو تو ملال خاطر - بیماری بخار - زبان سے ناشائستہ کلام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بیماری باپ موت برادر۔ حکام سے لگاڑ۔ خوف چوٹ و آسیب
سے۔ اپنے گھر میں بھی ہو تو اندیشہ بیماریاں و نقصان ملک۔
اگر وہ ساتویں گھر کا مالک ہو تو اندیشہ آسیب۔

شکر کی مہا دشا میں چاند کی انتر دشا

۵۔ چاند بلوان ہو کر اوچ استھان کا جنم لگن یا شکر سے کیندر۔ ترکون
یا گیارہویں گھر میں ہو شبھ گرہ اور مالکان خانہ ۹۔۱۰ کے ساتھ ہو۔
تو اسکی انتر دشا میں زیادہ سواریاں آرام۔ بلندی منصب و سواری
عمدہ۔ استھان تیرتھ۔ درشن دیوتا۔ راگ رنگ۔ ترقی مویشی و
جاموشی۔ بھائیوں سے ملکر کھانا۔ حکام سے اخلاص ملنا املاک۔ حوصلہ۔
سواری۔ زیور۔ تیاری چاہ تالاب۔ جمعیت خزانہ۔
اگر وہ نیچ استھان اور کرشنا پکھہ کا ہو جنم لگن سے یا شکر سے
خانہ ۶۔۸۔۱۲ میں ہو۔ تو ملال خاطر۔ زر و مال کا نقصان۔ حکام سے
بے اتفاقی۔ سفر تیرتھ جاترا۔ بیماری فرزند عورت۔ جدائی برادر۔
دشا کے پہلے حصہ میں صحت مزاج۔ آرام۔ حصہ آخیر میں تکلیف پریشانی

شکر کی مہا دشا میں منگل کی انتر دشا۔

۶۔ منگل اوچ استھان یا اپنے گھر میں ہو کر کیندر۔ ترکون۔ یا گیارہویں
میں جنم لگن سے یا شکر سے بلوان ہو لگنیش اور نانویں دسویں گھر کے
مالک ساتھ ہوں تو اسکی انتر دشا میں عروج اقبال و راج لوگ
ملنا پارچہ۔ زیور۔ زمین انجام ہر ایک کام۔
اگر وہ جنم لگن یا شکر سے ۶۔۸۔۱۲ گھر میں ہو۔ تو سنجار۔ بلغمی۔ مال یا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

خوف جلا وطنی - بیماری - موت برادر - آقا دست سے بے اتفاقی فضول
خرچ نقصان زر و مال -

اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو خوف آسیب

شنکر کی مہا دشا میں راہو کی انتر دشا -

۷- راہو اوچ استھان کا ہو کر شبھ گرہ کے ساتھ اور شبھ گرہ کی درشٹی
میں جنم لگن سے کیندر- ترکون یا ۱۲-۱۱- گھر میں ہو اور یوگ کارک
گرہ ساتھ ہو تو اسکی انتر دشا میں ملنا آرام- زر و مال- کھانا عمدہ
پارچہ- انجام ہر ایک کام مویشی اور مکانات کا زیادہ ہونا-
اگر وہ جنم لگن سے ۳-۱۰-۱۱- گھر میں ہو- تو صحت آرام- تباہی
دشمنان و خوشی کے کام آقا سے اخلاص-
دشا کے اول ۵ ماہ تک ثمرہ مندرجہ صدر راہو دشا کے آخری حصہ
میں بیماری بخار و قبض بے قراری ملال خاطر- لیکن ہر ایک کام پھر
اس کے بعد بلندی اقبال- آرام- سفر گوشہ مغرب شمال سفر
مبارک تیرتھ جاترا- انجام ہر ایک کام-
اگر شنکر سے ۶-۸-۱۲- گھر میں راہو پاپی گرہ کے ساتھ ہو- تو موت
ماں باپ بدکرداری- ہر ایک سے فساد-
اگر وہ مالک خانہ ۲-۷ ہو تو کمزوری اور سستی

شنکر کی مہا دشا میں برہسپت کی انتر دشا کا پھل

۸- برہسپت اوچ استھان کا ہو کر جنم لگن یا شنکر سے کیندر- ترکون میں
ہو- تو اسکی انتر دشا میں گیا ہوا- راج اقبال بھی ہاتھ آوے- زر و مال
پارچہ حکام سے اخلاص- سواری عمدہ- علم- جمعیت دولت- والدین

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اولاد بہائیوں سے خوشی۔
اگر وہ پاپی گرہ کے ساتھ شکر سے ۶-۱۲-۱۱ گھر میں ہو تو خوف سرکار چور بیماری ملال خاطر۔ اٹھائی تکلیف برادر سفر و وطن سے دوری اگر وہ ۳-۷ گھر کا مالک ہو تو بڑی جزام وغیرہ ہو۔

شکر کی مہادشا میں سینچر کی انتردشا

۵- سنیچر۔ اوچ استھان اوچ انش اپنے گھر کا ہو کر جنم لگن یا شکر سے کیندر۔ ترکون میں ہو۔ بیٹے نوانسہ یا اوچ کے نوانش میں ہو تو اس کی انتردشا میں نہایت آرام۔ سلوک برادران تولد لڑکی و خشنر بہتر نہ جاتا۔
اگر وہ جنم لگن یا شکر سے ۶-۸-۱۲ گھر میں ہو۔ تو دشا کے حصّہ اول میں موت ماں باپ بیماری اپنی اور عورت اولاد۔ موت مویشی نکات وغیرہ اگر وہ مالک خانہ ۲-۷- ہو تو بیماریاں سخت ہوں۔

شکر کی مہادشا میں بدھ کی انتردشا

۱۰- بدھ۔ اوچ استھان کا ہو کر جنم لگن سے کیندر۔ ترکون یا ۱۱- گھر میں ہو تو اسکی انتردشا میں حکام سے اخلاص۔ بلندی مرتبہ۔ تولد فرزند۔ مال زر و مال مطالعہ کتب تصوف۔ اپنے آقا سے آرام۔ کھانا شیریں۔
اگر جنم لگن سے ۶-۸-۱۲- گھر میں اور شکر سے ۱۲- گھر میں بدھ ہو۔ پاپی گرہ کے ساتھ ہو یا دیکھتا ہو۔ تو اسکی انتردشا میں موت مویشی اور رہائش مکان وغیرہ۔ ملال خاطر۔
دشا کے پہلے حصّہ میں نیک کام ہوں۔ وسط میں خوشی آرام اخیر حصّہ میں ملال خاطر پریشانی بیماری سمجھو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر وہ مالک خانہ ۲ - ۷ - ہو تو اسکی انتر دشا میں تکلیف جسم -

شکر کی مہا دشا میں کیت کی انتر دشا -

۱۱ - کیت ملوان ہو کر اوچ استھان کا یوگ کاری گرہ کے ساتھ ہو تو - اس کی انتر دشا کے پہلے حصہ میں ثمرہ نیک - کھانا شیریں - افراط سے گائے جائداد حاصل ہوں - طلا و زر و مال غلہ فتح - آخری حصہ میں آرام عیش - اوسط میں سخت تکلیف اور بیماری اگر کیت شکر سے ۱۲ - ۸ - ۶ گھر میں ہو - پاپی گرہ ساتھ ہو تو اسکی انتر دشا میں خوف چور سانپ چوٹ - بیماری درد سر - ملال خاطر - بیماری جریان خرچ بیفائدہ - عورت فرزند سے رنج - سفر اور بگاڑ ہر ایک کام -

اگر وہ ۲ - ۷ - گھر میں ہو - تو بیماری سخت ہو -

شکر کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پر انتر دشا

شکر کے انتر میں شکر کا پر انتر ۳ - ۴ - ۰ -

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
ماہ	۶	۳	۳	۲	۶	۵	۶	۵	۲
دن	۳۰	۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۳۰	۳۰	۱۰
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر کے انتر میں سورج کا انتر ۱ - ۰ - ۰ -

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
ماہ	۰	۱	۰	۱	۱	۱	۱	۰	۲
دن	۱۸	۰	۲۱	۲۴	۱۸	۲۷	۲۱	۲۱	۰
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر کے انتر میں چاند کا پرانتر ۱-۸-۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
ماہ	۱	۱	۲	۳	۳	۳	۱	۳	۱
دن	۲۰	۵	۰	۲۰	۵	۲۵	۵	۱۰	۰
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر کے انتر میں منگل کا پرانتر ۱-۲-۰

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
ماہ	۰	۲	۱	۲	۱	۰	۲	۰	۱
دن	۲۴	۳	۲۶	۶	۲۹	۲۴	۱۰	۲۱	۵
گھڑی	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰

شکر کے انتر میں راہو کا پرانتر ۳-۰-۰

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
ماہ	۵	۴	۵	۵	۲	۶	۱	۳	۲
دن	۱۲	۲۴	۲۱	۳	۲	۰	۲۴	۰	۳
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر کے انتر میں برہسپت کا پرانتر ۲-۸-۰

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
ماہ	۴	۵	۴	۱	۵	۱	۲	۱	۴
دن	۸	۲	۱۶	۲۶	۱۰	۱۸	۲۰	۲۶	۲۴
گھڑی	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر کے انتر میں سنیچر کا پرانتر ۳-۳-۰

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
ماہ	۶	۵	۲	۶	۱	۳	۲	۵	۵
دن	۰	۱۱	۲۶	۱۰	۲۷	۵	۲۶	۲۱	۳
گھڑی	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰

شکر کے انتر میں بدھ کا پرانتر ۳-۱۰-۰

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
ماہ	۴	۱	۵	۱	۳	۱	۵	۴	۵
دن	۲۷	۲۹	۲۰	۲۱	۲۵	۲۹	۳	۱۶	۱۱
گھڑی	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰

شکر کے انتر میں کیت کا پرانتر ۱-۲-۰

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
ماہ	۰	۲	۰	۱	۰	۲	۱	۲	۱
دن	۲۴	۱۰	۲۱	۵	۲۴	۳	۲۶	۶	۲۹
گھڑی	۳۰	۰	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰

شکر کی انتر دشا میں ہر ایک گرہ کی پرانتر دشا کا ثمرہ

شکر کے انتر میں شکر کا پرانتر

ملنا حسین خوش شکل عورت ۔ سفید پارچہ ۔ معتق ۔ طلا ۔ نقرہ ۔ گھوڑا

شکر کے انتر میں سورج کا پرانتر

کمی آمدنی ۔ خوف سرکار ۔ بیماری سر ۔ بخار سوداوی ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر کے انتر میں چاند کا پرانتر

حکام سے فائدہ۔ عروج اقبال۔ ملنا منشو مال۔ زیور۔ پارچہ۔ پیدائش دختر۔

شکر کے انتر میں منگل کا پرانتر

سخت ملال و بیقراری۔ فساد۔ بیماری صفرا و خون۔

شکر کے انتر میں راہو کا پرانتر

سرکار سے ناراضگی نفاق۔ عورت سے رنج۔

شکر کے انتر میں برہسپت کا پرانتر

عروج اقبال بلندی مراتب خزانہ۔ دولت۔ جواہرات پارچہ سواریاں امیرانہ۔

شکر کے انتر میں سنیچر کا پرانتر

کسیقدر تکلیف جسم۔ ورنہ خرسندی۔ لوہا۔ ماش۔ تلی میں فایدہ بسیار۔

شکر کے انتر میں بدھ کا پرانتر

بلندی مرتبہ عروج اقبال حصول زر و دولت۔ حکومت عقل۔

شکر کے انتر میں کیت کا پرانتر

کچھ فائدہ۔ ورنہ تکالیف سفر موت

شکر میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا

شکر میں شکر کا سوکھشم ماہ ۶ دن ۲۰ گھڑی ۔

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۳۳	۱۰	۱۶	۱۱	۳۰	۲۶	۳۱	۲۸	۱۱
گھڑی	۲۰	۰	۴۰	۴۰	۰	۴۰	۴۰	۲۰	۴۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر میں سورج کا سوکھشم ۳ ۔ ۰ ۔ ۰

گرہ	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر
دن	۳	۵	۳	۹	۸	۹	۸	۳	۱۰
گھڑی	۰	۰	۳۰	۰	۰	۳۰	۳۰	۳۰	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں چاند کا سوکھشم ۳ ۔ ۱۰ ۔ ۰

گرہ	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج
دن	۸	۵	۱۵	۱۳	۱۵	۱۴	۵	۱۴	۵
گھڑی	۴۰	۵۰	۰	۳۰	۵۰	۱۰	۵۰	۴۰	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں منگل کا سوکھشم ۳ ۔ ۱۰ ۔ ۰

گرہ	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند
دن	۴	۱۰	۹	۱۱	۹	۴	۱۱	۳	۵
گھڑی	۵	۳۰	۳۰	۵	۵۵	۵	۴۰	۳۰	۵۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں راہو کا سوکھشم ۶ ۔ ۰ ۔ ۰

گرہ	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل
دن	۲۷	۲۴	۲۸	۲۵	۱۰	۳۰	۹	۱۵	۱۰
گھڑی	۰	۸	۳۰	۳۰	۳۰	۰	۰	۰	۳۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دن پل گھڑی

شکر میں برہسپت کا سوکھشم ۵ - ۱۰ - ۰

گرہ	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو
دن	۳۱	۲۵	۲۳	۹	۳۶	۸	۱۳	۹	۳۴
گھڑی	۳۰	۳۰	۴۰	۳۰	۴۰	۰	۲۰	۳۰	۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں سنیچر کا سوکھشم ۶ - ۱۰ - ۰

گرہ	سنیچر	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت
دن	۳۰	۳۷	۱۱	۳۱	۹	۱۵	۱۱	۳۸	۳۵
گھڑی	۵	۵۵	۵	۴۰	۳۰	۵۰	۵	۳۰	۲۰
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں بدھ کا سوکھشم ۵ - ۴۰ - ۰

گرہ	بدھ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر
دن	۳۴	۹	۳۸	۸	۱۴	۹	۲۵	۴۳	۳۶
گھڑی	۵	۵۵	۲۰	۳۰	۱۰	۵۵	۳۰	۴۰	۵۵
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

شکر میں کیت کا سوکھشم ۳ - ۱۰ - ۰

گرہ	کیت	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ
دن	۴	۱۱	۳	۵	۴	۱۰	۹	۱۱۰	۹
گھڑی	۵	۴۰	۳۰	۵۰	۵	۳۰	۲۰	۵	۵۵
پل	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر میں ہر ایک گرہ کی سوکھشم دشا کا ثمرہ

شکر میں شکر کا سوکھشم

بنانا مندر۔ تالاب۔ چاہ۔ تباہی دشمن۔ آسائش آرام

شکر میں سورج کا سوکھشم

کچھ فائدہ۔ کچھ نقصان۔ جنون حواس۔ تکلیف۔

شکر میں چاند کا سوکھشم

ہر ایک کام بخیر خوبی انجام ہوں۔ حصول دولت صحت جسم۔

شکر میں منگل کا سوکھشم

ملال خاطر۔ تکالیف۔ خوف حملہ مخالفان۔ کم عقلی۔ غصہ۔

شکر میں راہو کا سوکھشم

نقصانات عظیم موت برادر۔ خوف آتش۔ سانپ۔ سرکار۔ وطن کا چھوڑنا

شکر میں برہسپت کا سوکھشم

عروج اقبال۔ فائدہ بیوپار۔ ترقی عزت۔ دولت۔ ملک۔

شکر میں سنیچر کا سوکھشم

موت گورو مویشی۔ ملال خاطر۔ دشمن سے رنج۔

شکر میں کیت کا سوکھشم

ترقی دولت عزت۔ خوشی عورت اولاد برادراں۔

شکر میں بدھ کا سوکھشم

بیقراری و ملال خاطر۔ بیماری آنکھ۔ سر۔ دہن۔ خوف اگ

شکر میں ہر ایک گرہ کی پران دشا کا ثمرہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر میں شکر کی پران وشا ۳۳ (دن) - ۴۰ (گھڑی) - ۰

گرہ	شکر	سورج	چاند	منگل	راہو	برہسپت	سنیچر	بدھ	کیت
دن	۵	۱	۲	۱	۵	۴	۵	۴	۱
گھڑی	۳۳	۴۰	۴۶	۵۶	۰	۴۹	۱۶	۴۳	۵۶
پل	۳۰	۰	۴۰	۴۰	۰	۴۰	۴۰	۳۰	۴۰

شکر میں شکر پران وشا کا ثمرہ

تعمیر مکانات عبادت گاہ ۔ رفاہ عام ۔ نہایت آرام ۔ تباہی دشمن

شکر میں سورج کی پران وشا کا ثمرہ

نقصان گائے ۔ بغض ۔ عقل میں فتور ۔ کولہ میں تکلیف

شکر میں چاند کی پران وشا کا ثمرہ

ہر ایک کام درست ۔ تندرستی ۔ ملنا زر و مال ۔

شکر میں منگل کی پران وشا کا ثمرہ

پریشانی ۔ تکلیف ۔ ترک وطن ۔ خوف مخالف عقل میں فتور ۔

شکر میں راہو کی پران وشا کا ثمرہ

اندیشہ عظیم خوف راجدربار ۔ آگ ۔ سانپ ۔ ترک سکونت ۔

شکر میں برہسپت کی پران وشا کا ثمرہ

انجام ہر ایک کام عروج اقبال و عزت و املاک و ریاست ۔ بیوپار میں فائدہ ۔

شکر میں سنیچر کی پران وشا کا ثمرہ

ملال ۔ فکر ۔ تکلیف مخالفاں ۔ موت جانوراں ۔ موت گورو ۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

شکر میں کیت کی پران دشا کا ثمرہ

خوشی عورت اولاد۔ ترقی دولت وعزت خوشی برادراں۔

شکر میں بدھ کی پران دشا کا ثمرہ

خوف آگ بیماری دہن و چشم و سر۔ ملال خاطر۔

راز چہاردہم

احکام جوگنی دشا

ہند میں علاوہ بنشوتری دشا کے اکثر دانایان کا جوگنی دشا پر بھی اعتماد ہے۔ اسلئے اوسکا بھی اس موقعہ پر مختصراً ذکر کیا جاتا ہے۔ اسکی آٹھ دشا ہیں اور ۳۶ سال میں ایک دور اسکا ختم ہو جاتا ہے۔ بعد اسکے دوسرا دور شروع ہوتا ہے۔ جو ۷۲ سال کو ختم ہوتا ہے۔ اوسکے بعد تیسرا دور شروع ہوتا ہے تین دور میں ۱۰۸ برس عمر طبعی کے ختم ہوتے ہیں۔

قاعدہ جوگنی دشا نکالنے کا

اشونی نچھتر سے جنم نچھتر تک شمار کرے جتنے نچھتر ہوں اونمیں ۳۔ عدد قاعدہ ازدیاد کرکر مجموعہ کو ۸۔ پر تقسیم کرے۔ جو باقی بچے وہ دشا جنم مولود کی ہے۔

اوس تقسیم سے ایک بچے تو منگلا دشا ہوگی۔

اگر دو بچیں تو پنگلا دشا ہوگی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اگر تین بچیں تو دہنیا دشا ہوگی۔
اگر چار بچیں تو بھراری دشا ہوگی۔
اگر پانچ بچیں تو بھدرا دشا ہوگی۔
اگر چھ بچیں تو اوسکا دشا ہوگی۔
اگر سات بچیں تو سدھا دشا ہوگی۔
اگر آٹھ بچیں تو سنکتا دشا ہوگی۔

۲- ہر ایک دشا کو نچھتروں سے منسوب کیا گیا ہے۔ اور ہر ایک دشا کی معیاد اور اوسکا مالک اور ثمرہ شبھ اشبھ مختلف ہے اسلئے اونکو نقشہ ذیل میں بہ تفصیل دکھلایا جاتا ہے۔

نمبر	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸
نام دشا	منگلا	پنگلا	دہنیا	بھرامری	بھدرا	اوسکا	سدھا	سنکتا
نام مالک	چاند	سورج	برہسپت	منگل	بدھ	سنیچر	شکر	راہو کیت
شبھ اشبھ	شبھ	اشبھ	شبھ	اشبھ	شبھ	اشبھ	شبھ	اشبھ
سال	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸
نچھتر متعلقہ	ادرا	پونربس	پکھ	اسنی	بھرنی مگھا	کرتکا ریوتی	روہنی	مرگسرا
	چہترا	سواتی	لسباکھا	اشلیکھا	جیشٹا	پوربا پھالگنی	اوترا پھالگنی	ہست
	سرن	دہنشٹا	ست بہکہا	پوربا بھادر پد انرادھا	اوترا بھادر پد	مولا	پوربا کھاڑ	اوترا کھاڑ

چونکہ ہر ایک دشا کے نچھتر مقررہ ہیں۔ اسلئے جس نچھتر میں مولود تولد ہوگا جس دشا سے وہ نچھتر منسوب ہے وہی دشا اوسوقت جاری ہووے گی۔

۳- اب دیکھنا اس امر کو ہے کہ وقت تولد مولود کس قدر حصہ دشا وقت

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کا گذر چکا ہے۔ اور کسقدر باقی ہے۔ اوسکے معلوم کرنیکا یہ قاعدہ ہے جسقدر جنم نچھتر گذرا ہو۔ اوسکو جوگنی وشا کی مدت مقام ۲۰۳۶ سال ہر ضرب دیوے۔ اور حاصل ضرب کو ۶۰ سے تقسیم کرے۔ خارج قسمت سال ہونگے باقی کو ۱۲ سے ضرب دیکر حاصلضرب کو ۶۰ پر تقسیم کرے خارج قسمت ماہ ہونگے باقی کو ۳۰ سے ضرب دیکر ۶۰ سے تقسیم کرے۔ خارج قسمت دن ہونگے۔

پس اس حساب سے جسقدر سال۔ ماہ۔ دن۔ برآمد ہوں اونکو منہا اوس وشا کے منہا کر کر باقی کو معیاد باقیماندہ وشا وقت قایم کرے پھر اوسکے بعد تمام وشاؤں کا اندراج سلسلہ وار کر دیوے۔

۴۔ گو ہر ایک گرہ اپنی اپنی وشامیں وہی پہل دیتا ہے جو کچھ اوسکا پھل جنم کنڈلی میں بل نربل اور شبھ اشبھ حالت سے ہوتا ہے اور ایسے پہلادیش ہر ایک گرہ اور یوگوں کی کتاب راز قسمت حصہ اول میں مفصل درج کئے گئے ہیں نیز ہر ایک گرہ کا پہلادیش جسطرح کہ وہ اپنی وشامیں دیتے ہیں بطریق احسن بنشوتری میں دکہلایا گیا ہے۔ تاہم اس موقعہ پر سادہ طریق سے جیسا کہ منجمان متقدمین نے لکھا ہے تحریر کرتا ہوں۔

۱۔ منگلا وشا خوشی خورمی اور آمد زرومال۔ ہر ایک کام میں کامیابی۔ اور سفر مبارک ہو بشرطیکہ چاند بلوان اور شبھ حالتمیں ہو۔

۲۔ پنگلا۔ پریشانی اور رنج اور ہر ایک کام میں خطرہ ہو۔

۳۔ دہنیا۔ حصول علم۔ لسےلئے روزگار شادی خوشی۔ سلوک حکام ست سنگ نکار بار رفاہ عام بھجن بندگی۔ پرہیزگاری۔

۴۔ بہرامری۔ پریشانی بیقراری جنگ لڑائی۔ زخم۔ آگ کا خوف

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بھائیوں سے نفاق۔
۵- بھدرا۔ علم عقل۔ کاربار میں ترقی۔ فرزند۔ خوشی۔ کار ہامبارک
۶- اونکا۔ سستی۔ بیماری۔ لڑائی فساد۔ ہر ایک سے رنج۔ ملال
خاطر تنازعات اراضی۔ الا تنازعات میں فتح ہو۔
۷- سدھا۔ آرام آسائش حق والدین۔ عیش عشرت۔ عورت خوبصورت
وحسین نصیب ہو۔
۸- سنکٹا۔ ملال وبیقراری وسستی۔ ہر ایک کام کا بگاڑ۔ ہر ایک
سے رنج ہو۔
۹- چونکہ چوگنی کے وشا میں اوسکی انتر وشا بھی نکالیجاتی ہے۔ اسلئے
اس کو بھی اس موقعہ پر درج کیا جاتا ہے۔

قاعدہ

جب گرہ کی انتر وشا نکالنی منظور ہو۔ اوس کی مدت کو مہا وشا والے
گرہ کی مدت سے ضرب دیا جاوے۔ حاصل ضرب کو ۳۶ پر تقسیم
کریں۔ خارج قسمت سال ہونگے۔
باقی قسمت کو ۱۲ سے ضرب دیکر حاصل ضرب ۳۶ پر تقسیم کریں خارج
قسمت ماہ ہوں گے۔
اوسکی باقی قسمت کو ۳۰ سے ضرب دیکر حاصل ضرب کو ۳۶ پر تقسیم
کریں خارج قسمت دن ہونگے۔

مثلاً

منگلا میں منگلا کی انتر وشا مطلوب ہے۔ معیاد اوسکی ایک سال ہے
اوسکو بہ نفسہ یعنے ۱×۱۔ کو ضرب دیا تو حاصل قسمت ایک آیا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

جو ۳۶ پر تقسیم نہیں ہو سکتا اسلیئے خارج قسمت کوئی سال نہیں آیا۔

پھر ایک کو ۱۲ سے ضرب دیا۔ تو ۱۲ آئے یہہ بھی ۳۶ پر تقسیم نہیں ہو سکتے ہیں۔ اسلیئے کوئی ماہ بھی نہ آیا۔

اب (۱۲) کو (۳۰) سے ضرب دیا تو (۳۶۰) آئے انکو (۳۶) پر تقسیم کیا گیا۔ تو خارج (۱۰) دن آئے۔ گویا منگلا میں منگلا کا انتر (۱۰) دن ہے۔ بدیں حساب ہر ایک گرہ کی انتر دشا نکال کر نقشہ ذیل میں درج کیجاتی ہے۔

منگلا کے ۱ سال ہر ایک دشا کا انتر

انتر دشا	منگلا	پنگلا	دھنیا	بھرامری	بھدریکا	اُلکا	سدھ	سنکٹا
سال	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
ماہ	۰	۰	۱	۱	۱	۲	۲	۲
دن	۱۰	۲۰	۰	۱۰	۲۰	۰	۱۰	۲۰

پنگلا کے ۲ سال میں ہر ایک دشا کا انتر۔

انتر دشا	پنگلا	دھنیا	بھرامری	بھدریکا	اُلکا	سدھ	سنکٹا	منگلا
سال	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰
ماہ	۱	۲	۳	۳	۴	۴	۵	۰
دن	۱۰	۰	۲۰	۱۰	۰	۲۰	۱۰	۲۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دھنیا کے ٣ سال میں ہر ایک دشا کا انتر

انتر دشا	دھنیا	بھرامری	بھدرکا	اولکا	سدھا	سنکٹا	منگلا	پنگلا
سال	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠
ماہ	٣	٤	٥	٦	٧	٨	١	٢
دن	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠

بھرامری کے ٤ سال میں ہر ایک دشا کا انتر

انتر دشا	بھرامری	بھدرکا	اولکا	سدھا	سنکٹا	منگلا	پنگلا	دھنیا
سال	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠
ماہ	٥	٦	٨	٩	١٠	١	٢	٣
دن	١٠	٢٠	٠	١٠	٢٠	١٠	٢٠	٠

بھدرکا کے ٥ سال میں ہر ایک دشا کا انتر

انتر دشا	بھدرکا	اولکا	سدھا	سنکٹا	منگلا	پنگلا	دھنیا	بھرامری
سال	٠	٠	٠	١	٠	٠	٠	٠
ماہ	٨	١٠	١١	١	١	٣	٥	٦
دن	١٠	٠	٢٠	١٠	٢٠	١٠	٠	٢٠

اولکا کے ٦ سال میں ہر ایک دشا کا انتر

انتر دشا	اولکا	سدھا	سنکٹا	منگلا	پنگلا	دھنیا	بھرامری	بھدرکا
سال	١	١	١	٠	٠	٠	٠	٠
ماہ	٠	٢	٤	٢	٤	٦	٨	١٠
دن	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠	٠

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سدھ کے ۷ سال میں ہر ایک دشا کا انتر۔

وشا	سدھ	سنگتا	شنگلا	پنگلا	دھنیا	بھرامری	بھدرکا	اولکا
سال	۱	۱	۰	۰	۰	۰	۰	۱
ماہ	۴	۶	۲	۳	۷	۹	۱۱	۲
دن	۱۰	۳۰	۱۰	۳۰	۰	۱۰	۴۰	۰

سنگتا ۸ سال میں ہر ایک دشا کا انتر۔

وشا	سنگتا	سنگلا	پنگلا	دھنیا	بھرامری	بھدرا	اولکا	سدھا
سال	۱	۰	۰	۰	۰	۱	۱	۱
ماہ	۹	۳	۵	۸	۱۰	۱	۷	۶
دن	۱۰	۲۰	۱۰	۰	۴۰	۱۰	۰	۲۰

راز پانزدہم

احکام فردارات منجمان یعنی جنم دشا

۱۔ منجمان نے تعلق تاثیرات و تربیت ہر ایک گرہ سے دور اعظم سورج کا در بارہ او سکے ۱۲۰۔برس مدیں تفصیل تحریر فرمایا ہے۔ اور اس زمانہ کو سات گرہوں پر تقسیم کیا ہے۔

(بقول اہل بابل)

وقت تولد مولود سے زمانہ دور سورج میں اول چار سال چاند کا ہو

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اسقدر عرصہ تک مولود کی موت حیات کا کوئی اعتبار نہیں ہے۔
اور نہ اس زمانہ تک جنم پتری کا بنانا لازم ہے۔
اسکے بعد ۱۰۔ برس تک عطارد کی تربیت کا زمانہ ہے۔
اسکے بعد ۸۔ برس تک شکر کی تربیت کا زمانہ ہے۔
اسکے بعد ۱۹۔ برس تک سورج کی تربیت کا زمانہ ہے۔
اسکے بعد ۱۱۔ برس تک منگل کی تربیت کا زمانہ ہے۔
اسکے بعد ۱۳۔ برس تک برہسپت کی تربیت کا زمانہ ہے۔
اسکے بعد ۵۶۔ برس تک سنیچر کی تربیت کا زمانہ ہے۔

نام گرہ	چاند	بدھ	شکر	سورج	منگل	برہسپت	سنیچر	میزان
سال	۴	۱۰	۷	۱۹	۱۱	۱۳	۵۶	۱۳۰

تربیت ہر ایک گرہ اس نوع پر ہوتی ہے

چاند۔ چونکہ آبی اور تیز رفتار ہے اسلئے غذا مولود تر اور رغبت اوسکی بطرف اشیاء آبی میوہ جات وغیرہ ہوتی ہے اور حال اوسکا پل پل میں بدلتا رہتا ہے۔

بدھ۔ جب بلوان ہوتا ہے تو تاریخ تولد سے چودہ برس کے اندر عقل اور فہم پیدا ہوتی ہے۔ اوسمیں روز بروز ترقی کرتا ہے اور تعلیم کا اثر قبول کرتا ہے اور علم و ادب سیکھنا شروع کرتا ہے اور نیک و بد سمجھ کا آغاز ہو جاتا ہے۔

شکر۔ چودہ برس کے بعد اسکا زمانہ شروع ہو کر بائیس برس تک جاری رہتا ہے۔ اسکے زمانہ میں منی اور شہوت پیدا ہو جاتی ہے۔ اسلئے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مولود خوراک نفیس ولذیذ اور خوبصورت پوشاک کا خواہاں اور شائق ہوتا ہے حسن اور عشق کا غلبہ ہو جاتا ہے۔ اسلئے ایسے زمانہ میں عاقبت اندیشی نہیں کرسکتا۔

سورج۔ بائیس برس ا۴۱ برس تک سورج بلوان رہتا ہے۔ اسکے زمانہ میں مزاج مولود میں طاقت اور زور و اعلےٰ خیالات پیدا ہو جاتے ہیں کھیل وغیرہ کو ترک کر کر بزرگی اور بلندی مراتب کا خواہاں ہوتا ہے۔ اور آمور آخرت خیرات وغیرہ کیطرف توجہ کرتا ہے۔

منگل سا ۴۱۔ برس کے بعد ۵۲۔ برس تک منگل بلوان رہتا ہے۔ اس زمانہ میں رنج بخل۔ حرص۔ شدت آجاتی ہے اور راز کو مخفی رکھتا ہے اور عاقبت اندیشی کر کر شہوت میں کمزور ہو جاتا ہے۔

برہسپت۔ ۵۲۔ برس کے بعد ۶۴۔ برس تک برہسپت بلوان ہوتا ہے اس زمانہ نیک نام اور نیک کام اور خیرات کیطرف اور کار رفاہ عام میں توجہ کرتا ہے۔ اور عبادت میں مشغول ہوتا ہے۔

سنیچر۔ ۶۴۔ برس کے بعد تا ۱۲۰ برس زمانہ سنیچر کا آجاتا ہے۔ اس زمانہ جسم سرد اور لذت وشہوت دور ہو جاتی ہے۔ نیند کم۔ سفر اور دلپنے پھرنے سے پرہیز تنہائی پسند اور ارادہ رحلت جہان فانی کا کرتا ہے۔

بقول منجمان فارس

۴۔ وہالیان فارس کا عمل فرو ارات قدیمی پر رہا۔ اوسکا طریق العمل یہہ ہے۔ اگر جنم لگن دن کا ہو تو اوسکو سورج سے شروع کرتے ہیں پہلے فرہار یعنے دشا سورج شروع ہو ویگی۔ اگر جنم لگن رات

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نکا ہے تو پہلی دشا چاند سے شروع ہوویگی -
اور معیاد اسکی سال سورج ۷۰ سال کی ہے اور اسکو سات گرہوں پر تقسیم کیا گیا ہے -

جنم لگن دن

گرہ	سورج	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	شکر	بدھ	میزان
سال	۱۰	۹	۱۱	۱۲	۷	۸	۱۳	۷۰

جنم لگن رات

گرہ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	شکر	بدھ	سورج	میزان
سال	۹	۱۱	۱۲	۷	۸	۱۳	۱۰	۷۰

جو گرہ جنم کنڈلی میں بلوان اور شبھ حالتمیں ہوگا - اوسکے زمانہ تربیت میں مولود با اقبال اور خوشحال رہیگا - اور جس خانہ میں وہ گرہ ہے اوسکے منسوبات کی ترقی کریگا - جو گرہ جنم کنڈلی میں ضعیف اور منحوس ہوگا وہ اپنے زمانہ تربیت میں مطابق اپنے ثمرہ کے تکالیف اور رنج دکھلاویگا -

ہر ایک گرہ جو کچھ کہ جنم کنڈلی میں ثمرہ دکھلاتے ہیں اونکو کتاب راز قسمت حصہ اول میں بتفصیل درج کیا گیا ہے -

ہر ایک گرہ کے زمانہ تربیت میں ساتوں گرہ اپنی اپنی معیاد میں اوسکے شامل ہوکر ثمرہ دیتے ہیں - مثلاً -

جنم لگن دن کا ہے اعداد اوسمیں زمانہ تربیت دورہ قرار اول سورج

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

کا ۱۰ اسال ہے۔ اب اوسکو سات گرہوں پر تقسیم کیا گیا تو ہر ایک
کے حصہ میں ا-سال-۵ ماہ-۴ دن-۵-ساعت آتی ہیں اسلئے
اونکو سات گرہوں پر حسب ذیل تقسیم کیا گیا۔

سورج میں ہر ایک گرہ کا زمانہ تربیت اور فردارات

گرہ	سورج	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	شکر	بدھ	میزان	
سال	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱۰	
ماہ	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۰	
دن	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۰	
ساعت	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۰	

جنکے جنم لگن میں زمانہ سورج میں اول سورج تربیت کریگا۔ اور ثمرہ دیویگا
اوسکے بعد چاند شامل سورج ہوکر تربیت کریگا۔ اور ثمرہ دیویگا۔
علےٰ ہذا ہر ایک گرہ یکے بعد دیگرے اپنے اپنے زمانہ میں شامل خاصہ
سورج کے اپنا اپنا ثمرہ دکھلاوینگے۔

حسب دس برس زمانہ فردارات سورج گذر جاوینگے تو اوسکے بعد زمانہ
تربیت دور چاند ۹ سال شروع ہوگا۔ اور اوسکے اندر ہر ایک گرہ
اپنا اپنا ثمرہ مطابق مزاج چاند کے ثمرہ دکھلاوینگے۔
علےٰ ہذا القیاس تمام گرہ ثمرہ دیتے جاویں گے۔

جنم لگن رات

جنم لگن رات میں اول زمانہ تربیت اور ثمرہ چاند کا شروع ہوگا۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مثلاً

چاند کے ۹ سال میں اونکو سات گرہوں پر تقسیم کیا گیا تو ہر ایک کے حصہ میں ۱ سال ۳ ماہ ۱۳ دن ۱۰ ساعت آئیں بہ تفصیل

چاند میں ہر ایک کا زمانہ تربیت اور فردارات

گرہ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	شکر	بدہ	سورج	میزان
سال	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۹
ماہ	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۰
دن	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۰
ساعت	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۰

رات کے جنم میں اول چاند کے زمانہ تربیت اور ثمرہ میں اول چاند تربیت کریگا اور ثمرہ دیویگا۔

اوسکے بعد سنیچر شامل اپنے ہوکر ثمرہ دیویگا۔

علیٰ ہذا۔ ہر ایک گرہ یکے بعد دیگرے۔ اپنا اپنا ثمرہ دکھلاوینگے۔

جب نو برس زمانہ دور چاند کا گذر جاویگا۔ تو پہر سنیچر کا زمانہ تربیت اور ثمرہ کا شروع ہوویگا۔ اور پہر وہ اپنا ثمرہ دینا شروع کریگا۔

بقول منجمان فارس طریقہ دوام

۱۔ تگنیش بسال اول یوم تولد سے ثمرہ اپنا دیتا ہے۔

سال میں دور حکومت اوس گرہ آتا ہے جو اوس سے نیچے آسمان میں ہے۔

سال سوم میں وہ گرہ حکومت کرتا ہے جو اوس سے نیچے فلک میں ہو۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

علےٰ ہٰذا تا سات گرہ

آٹھویں سال میں پھر دورہ لگنیش آجاتا ہے۔
اوسکے تانویں سال میں اوس گرہ کا جو لگنیش سے نیچے فلک میں ہو۔
اوسکے بعد دسویں سال اوس گرہ کا زمانہ دور حکومت آتا ہے جو تانویں
سال سے نیچے فلک پر ہو علےٰ ہٰذا تا سفر۔
پندرہویں سال پھر زمانہ حکومت لگنیش علےٰ ہٰذا ہر سات سال
میں دور ختم ہوکر پھر دوسرا دور شروع ہو جاتا ہے۔

بقول اہل بابل

۴۔ پہلے سال اوّل زمانہ دور حکومت اوس گرہ کا ہے جو مالک ساعت جنم ہو
دوسرے سال میں دور حکومت اوس گرہ کا ہوگا۔ جو مالک ساعت
دوم ہے۔
تیسرے سال میں دور حکومت اوس گرہ کا ہے جو مالک ساعت سوم
ہو علےٰ ہٰذا تا آخر۔ بارہ ساعتوں تک۔
پھر تیرہواں سال اوس سے اگلی ساعت کا ہوگا۔ تا زمانہ زندگی
جو گرہ جنم کنڈلی میں بلوان اور شبھ حالتیں ہوگا وہ ثمرہ اپنا نیک دیویگا
اور جو ضعیف الحال اور منحوس ہوگا وہ ثمرہ اپنا ناقص دیویگا۔

تعریف ساعت

ساعات کے دو قسم ہیں۔
اول۔ یہہ کہ مقدار دن یا رات کو بارہ حصے پر تقسیم کیا گیا۔ خواہ
دن بڑا ہو۔ یا چھوٹا۔ اوس میں ساعات کی تعداد بارہ برابر رہیگی لیکن
مقدار ہر ایک ساعت کم وبیش ہو جاویگا۔ مثلاً دن ۳۰ گھڑی کا ہے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اور اوسکو بارہ پر تقسیم کیا گیا تو ہر ایک ساعت ۴۔ گہڑی کی آتے
لیکن جب دن کا ان اوس سے کم یا زیادہ ہے تو پہر مقدار ساعت
بہی کم و بیش آویگا۔ علیٰ ہذا مقدار رات کی تقسیم بارہ حصے پر کیا دیگی
دوم۔ یہہ کہ رات دن کی ۶۰۔ گہڑیوں کو ہم ۲۔ حصے کم پر برابر تقسیم
کیا جاوے۔ ہر ایک ساعت برابر ۲۔ گہڑی کی ہوگی۔

ثمرہ ہر ایک ساعت

۲۔ کتاب غنیۃ المستفید میں محی الدین مغربی اندلسی نے ساعات
تولد ثمرہ بہ تفصیل تحریر فرمایا ہے مگر منجملہ اوسکی ضروری امور اخذ کر کر
ذیل میں درج کرتا ہوں۔
دن کو بارہ ساعتوں پر تقسیم کیا گیا ہے۔ اور علیٰ ہذا مقدار رات
کو بارہ ساعتوں پر تقسیم کیا گیا ہے۔ جو ساعت شمسہ گرہ کی ہے
اور وہ گرہ برج سے بلوان اور شبہ حالتمیں ہے تو وہ ساعت
شبہ ہے ثمرہ اوسکا شبہ ہوگا۔
جو ساعت پاپی گرہ کی ہے۔ اور وہ گرہ برج سے ضعیف اور اشبھ
حالت میں ہے تو وہ ساعت آشبہ ہے اور ثمرہ اوسکا آشبہ ظہور
میں آویگا۔

ثمرہ ہر ایک ساعت کا یہہ ہے۔

۱۔ اگر مولود ساعت ۱-۲-۳-۴-۶-۸-۹-۱۰- میں بروز آئیت
یا رات ویر وار کو تولد ہو تو وہ مولود صاحب عزت و باقبال عظیم
الشان و مالک ملک و ریاست اور دوست معززین و اعلےٰ اقبال
ہوگا۔ کیونکہ یہہ دن اور رات سورج کی ہیں جو سلطان الکواکب یعنے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

تمام گرہوں کا بادشاہ ہے۔

۲۔ اگر مولود ساعت ۱۔۲۔۳۔۶۔۷۔۸۔۹۔۱۰۔ میں بروز سوم وار یا رات شکر یعنے جمعہ کو تولد ہو۔ تو وہ مولود بڑے بڑے کام کرنیوالا اور اُس سے عجیب غریب معاملات ظہور میں آویں گے۔ رفاہ عام اور نیک کرنیوالا اور دولتمند اور نیکنام اور انجام بخیر ہوگا۔ کیونکہ دن و رات کا مالک چاند ہے۔

۳۔ اگر بچہ بساعت ۱۔۵۔۶۔۸۔ بروز منگل یا رات سنیچر کو جنم لیوے۔ تو وہ بچہ بچپن میں مارا جاویگا۔ یا اسکو سزا قتل دیجاویگی۔ یا کوئی حادثہ عظیم یا قصاص اسپر نازل ہوویگا۔ کیونکہ یہہ دن اور رات منسوب بمنگل ہے۔ جو نحس اور جلاد الفلک ہے۔

۴۔ اگر بچہ بساعت ۱۔۴۔۶۔۸۔ بروز بدھ وار یا رات آیت کو پیدا ہو۔ تو وہ بچہ پُستک پڑھنا اور پورانہ انتہاس اور تواریخ اور گیان اپدیش کرنیوالا ہوگا۔ کیونکہ یہہ دن اور رات بدھ سے منسوب ہے جو مالک علم اور حکمت کا ہے۔

۵۔ اگر بچہ بساعت ۱۔۴۔۸۔۱۱۔ بروز بدھ وار یا رات سوم وار کو پیدا ہو۔ تو وہ بچہ عالم فاضل اور علم تصوف میں ماہر ہوگا۔ مگر شائق صحبت عورات اور عیاش اور مشہور و نامور رہیگا۔ کیونکہ یہہ دن اور رات برہسپت سعد اکبر کا ہے۔

۶۔ اگر بچہ بساعت ۱۔۲۔۵۔۸۔۹۔۱۰۔ میں بروز شکر یا رات منگل کو جنم لیویگا۔ تو مولود دولتمند اور مالک خزانہ کا ہوگا۔ اور

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دریاؤں کی سیر کریگا۔ اور اپنے دھرم اور رسوم دھرم کا پابند ہوگا۔ لیکن بدرجہ غایت شائق کھیل ہوگا۔
کیونکہ یہہ دن اور رات شکر سعد اصغر کا ہے۔

۷۔ اگر بچہ بساعت ۱-۳-۸-۱۰- بروز سنیچر یا رات ویروار کو پیدا ہو تو وہ بچہ زندہ نہیں رہیگا۔ اگر وہ زندہ رہیگا تو مریض اور بیمار اور پریشان وخال ہوگا۔ کیونکہ یہہ دن اور رات سنیچر نحس اکبر کی ہے۔

ساعات رات دن

دن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
اتوار دن	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر
رات سوم	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ
دن سوم	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج
رات منگل	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت
دن منگل	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند
رات بدھ	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر
دن بدھ	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل
رات ویر	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر
دن ویر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ
رات شکر	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج
دن شکر	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت
رات سنیچر	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند
دن سنیچر	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر
رات اتوار	بدھ	چاند	سنیچر	برہسپت	منگل	سورج	شکر	بدھ	چاند	سنیچر	[illegible]	منگل

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز شانزدہم

احکام سودرشن چکر

دکھشران نے بارہ ہزار اشلوک درباب اسکے تحریر فرمایا ہے کہ جنم کنڈلی کے پہلا دیش ہر ایک گرہ اونکا بل نربل دیکھ کر بلابچار کسی دشا کے بتلایا جاوے۔

لگن کو سال اوّل یا ماہ اوّل یا دن اول قرار دیا جاوے اور اوسکو لگن تصور کر کر گرہ کنڈلی میں جہاں جہاں نواس کرتے ہیں اونکا بل دیکھ کر پہلا دیش کہا جاوے۔

مثلاً

جنم لگن تلا کی کنڈلی یہہ ہے۔ اب سال اول کا پہلا دیش دیکھنا چونکہ لگن کا سوامی شکر دسویں گھر میں برہسپت اور بدھ شنیچر گرہوں کے ساتھ ہے اسلئے اس سال مولود تندرست اور خوش وخورم رہیگا۔ چونکہ گمنیش اور شنیچر

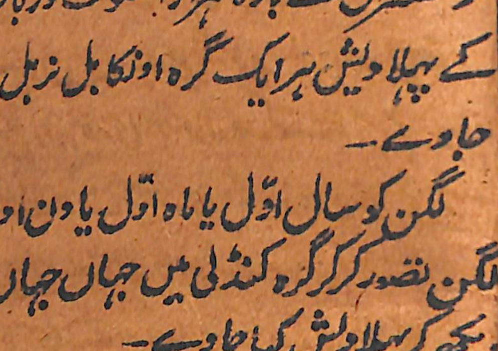

دسویں گھر میں ہوکر چوتھے گھر کو دیکھتے ہیں اسلئے والدین مولود خوش اور انکے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مال اسباب اور کار بار روزگار زمین مکان باغ زراعت آرام آسایش میں ترقی ہوگی اور شادی وخوشی دیکھیں گے۔

دوسرے گھر کا مالک تیسرے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہے اسلئے وہ کسیقدر نقصان دولت اور خاندان میں رنج دکھلائیگا اور نقل حرکت پیش آویگی۔ چونکہ چاند بھی انکے ساتھ تیسرے گھر میں ہے۔ وہ والدہ سے منسوب ہے اسلئے پاپی گرہوں کے سنبندھ سے والدہ کو تکلیف بیماری وغیرہ پیش آویگی مگر چونکہ استقامت برکیت اوچ استھان میں ہے اسلئے انجام بخیر گذریگا اور خویش اقارب کیلئے زیادہ رنج اور نقصان نہیں دیویگا۔

چوتھے گھر کا مالک چھٹے استھان میں ہے چونکہ وہ سنیچر اور چھٹے نحس استھان ہے اسلئے وہ رنج اور بیماری اور والدہ کے لئے موجب تکلیف اور رشتہ داراں والدہ کیلئے خوف رنج ہے۔ مگر وہ مین راشی برہسپت کے گھر میں ہے اور برہسپت اوچ استھان کا ہو کر دسویں گھر سے اوسکو بنظر کامل دیکھتا ہے اسلئے وہ بجائے نقصان کے فائدہ دیویگا۔

ساتویں گھر کا مالک تیسرے گھر میں پاپی گرہ کے ساتھ ہے۔ تجارت بیوپار میں خلل اور مخالفوں سے رنج پیدا ہو۔ لیکن اوسکی نحوست کو برہسپت اور شکر اور بدھ دسویں گھر کیندر استھان برہسپت کے اوچ استھان سے دور کر رہے ہیں۔

آٹھویں گھر کا مالک دسویں گھر میں شبھ گرہوں کے ساتھ ہے۔ اسلئے مولود صحت اور تندرستی کے لئے کوی اندیشہ نہیں ہے۔

نانویں گھر میں راسی اوچ استھان کا ہے۔ اور مالک اوسکا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

دسویں گھر میں ہے۔ اسلیئے دسویں عزت دھرم اقبال والدین کو ترقی دیویگا۔

گیارہویں گھر کا مالک گیارہویں گھر میں ہے اسلیئے وہ آمدنی اور سلوک دوستان میں ترقی کریگا۔

اب ایک سال کا پہلا دیش ختم کرکر دوسرے سال کے لیئے دوسرے گھر کنڈلی پرجہک کو لگن بنایا گیا۔ اور اوس سے بلحاظ طاقت اور نورس ہر ایک گرہ دوسرے سال کا پہلا دیش بیان کیا گیا۔ علےٰ ہذا القیاس بارہ سال ہر ایک سال کا پہلا دیش کیا جائیگا۔

بعد میں نیچ ماہ اور دن کا پہلا دیش بھی بتلایا جاویگا جب تیرہواں سال آویگا۔ تو پہلے گھر کو لگن قرار دیکر اوسکے تمام گھروں اور گرہوں کے پہلا دیش بیان کیئے جاوینگے۔

پھر جب وہ بارہ سال گذر جاویں گے تو پچیسویں سال کو لگن قرار دیکر اوسکا ثمرہ بیان کیا جاویگا۔

اس میں یہہ سعال پیدا ہوتا ہے کہ جبکہ وہی گرہ اوسی مقام پر موجود ہیں جہاں کہ دور اول بارہ سال میں تھے اور پھر وہی گرہ بارہ سالہ دوم میں بھی اپنے اپنے ابتدائی مقامات پر موجود ہونگے۔ جب بسال اول کسی گرہ کی نحوست سے چوٹ لگنے کا یوگ ہے تو کیا تیرہویں سال مولود کو پھر چوٹ لگے گی۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

اس کی نسبت منجمان کی یہ رائے ہے۔ کہ کنڈلی میں جو گرہ چر راسوں میں ہوں گے۔ وہ پہلی عمر میں پہلا دیش دکھلاویں گے۔ اور جو استھر راشیوں میں ہوں گے وہ دوسر اوستھا میں اور دوسبھاو راشوں والے تیسرے اوستھا میں پھل دیوینگے۔

دوسرا۔ عمر انسان کے لئے چار اوستھا مقرر ہیں۔ جو گرہ کنڈلی کے ۳۔ گھروں تک ہووینگے۔ وہ پھل اپنا باوستھا اول بچپن میں ثمرہ دیویں گے جو خانہ ۴ سے ۷ تک ہونگی۔ وہ ثمرہ اپنا۔ اوستھا دوم کمارپن میں ظاہر کرینگے۔ جو گرہ خانہ ۸ سے ۱۰ تک ہونگے وہ ثمرہ اپنا جوانی میں ظاہر کرینگے جو گرہ ۱۱-۱۲-گھروں میں ہوں گے۔ وہ ثمرہ اپنا آخیر اوستھا میں دکھلاویں گے۔

چونکہ کتاب ہذا کی تصنیف کی از بس ضرورت تھی۔ مدت تک یہ کام زیر کار رہا سال ۱۹۰۶ء نہایت مبارک آیا کہ جس میں کتاب ہذا نے بفضل ایشور بہ اتمام اختتام پایا۔

اب راز قسمت کا حصّہ سوم معروف چشمہ جنم پتری عنوانات زیر کار ہے۔ غالباً باعانت ایزدی اوس کا انجام

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

بخیر عنقریب بسبب اختتام پائیگا - یکم اپریل سنہ ۱۹۰۶ء -

دستخط

خاکسار چیت رام منجم بقلم خود -

صحت نامہ راز قسمت حصہ دوم

صفحہ	سطر	غلط	صحیح	صفحہ	سطر	غلط	صحیح
۵	۱۹	بہائے	بھائی		۱۰	نہو	ہو
	۲۱	اور	سے		۱۶	نوانسی	نوانسہ
۶	۸	ذیل	ذیل ہیں	۱۳	۸	مژہ	ثمرہ
۷	۷	ادشا	دشا	۱۳	۱	انہی	اپنی
	۱۰	بران	پران	۱۴	۳	یامی	یاپی
	۱۸	ملاپح	ملاپح ہیں		۱۴	گھر	گھر کے
	۲۱	راز قسمت	راز قسمت [illegible]	۱۵	۳	رادہ	راہ
۸	۱۳	درشٹی	راشٹی		۳	از	یا
	۲	و	ش	۱۵	۲	پہونہچا	پہونچتا
۹	۳	کھشوی	کہیڈو میں		۱۲	اپنی	اپنی میں
	۳	رنگ	برنگ	۱۶	[illegible]	[illegible]	[illegible]

صفحہ	سطر	غلط	صحیح	صفحہ	سطر	غلط	صحیح
۱۷	۶	راس	از میں		۱۳	ابیسے	کاٹ دو
	۱۲	گھر	گرہ		۱۴	تو بیاہ	بیاہ
۱۸	۱۴	کیا	رکھا		۱۹	برائین	نرائین
	۱۹	حرف	صرف	۳۸	۱	گر گئے	گر کے
۱۹	۱	پرنٹر و شا	پرنٹر و شا ہیں	۴۱	۱۱	کے ہے	کٹے گئے
	۲	سنبندہی	ادتم سنبندہی	۴۲	۵	کوسلبھور	کوسلپور
۳۵	۳	ہیں	ہیں جنم لگن سے		۱۱	اساہل	اہل
	۷	نیل	نمل		۱۷	اودرنتی	ر، اودرستی
	۱۵	پتہ	ثمرہ	۴۲	۴	ست	سمت
۳۶	۱	دونوں	دوستوں	۴۳	۲۱	-	اسکی عورت ورسی
۳۷	۱۰	حیوانات	بمثل حیوانات	۴۴	۲۱		لیکن مریض
۲۹	۱۷	اونہارے	اونٹھارے				ایک لڑکا اور ایک
۳۰	۱۱	مطبوعہ	مطلوبہ				لڑکی اسکی پیدا
۳۱	۳	منہا	سنہائی				ہوئی۔
	نیچا مینگل	انتفال	اطفال	۴۵	۳	کیئر	کشتبر
۳۳	۶	خواص و	خواص	۴۶	۱۳	کھانے	کھانے پینے
۳۳	۱۲	برابہ	سبہ آمد	۵۱	۷	گیا	ہوگیا
	۱۶	جبقند	جسقدر	۱۰۱	۳	انسانی	انسان
۳۴	۱۰	جبو	جمیع	۱۱۰	۳ و ۹	ادبہ	دور
	۱۳	الوجبہ	اسوجبہ		۸	سکرنی	ہوتا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح	نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح
۱۱۰	۱۳	مین	تین	۱۳۱	۴	گرہ ضرب	سے ضرب
۱۱۱	۹	جنوب	منسوب	۱۳۳	۸	برنجھ	رنجھ
	۱۰	ہے	ہوتا ہے		۱۴	فاعدہ بہہ ہے	بہہ ہے
۱۱۱	۱۳	باقی ہیں	ہیں		۱۸-۲۰	(۱۳۰۱)	(۱۳۰۱م ہم
	۱۶	کرتا ہے	کرتا	۱۳۵	۱۳	جاموس	جاموش
۱۱۲	۸	اول ہیں	اول	۱۳۶	۱۱	ضرب	صرف
	۲۱	تخت ہیں	تخت	۱۳۸	۳	باعث	باعث موت
۱۱۳	۲۲	کرینگے	کرنے سے	۱۴۰	۶	تخزلیف	تعریف
۱۱۴	۵	گھر	گھڑی		۱۳	ہوون	بلوان
۱۱۵	۷	اسی	رائے		۱۳	ہے	بھی
	۱۱	سورج	صورت	۱۳۱	۸	کے ہو	گے
۱۱۶	۱	ایک	ہرایک	۱۳۳	۳ و ۱۰	اوج	اوچ
	۱۲	راجدایار	راجدربار	۱۳۴	۱۹	اوج	اوچ
	۱۹	ہوں	کاٹا جاوے	۱۳۵	۱۳	اوج	اوچ
۱۱۷	۱	راج	اوچ		۱۳	دولت	دوست
	۴	نیچ	ہیچ	۱۳۶	۷	انتر	انتر دشا
	۴	ناقص	ناقص اپنی		۸	کثیر ہیں	کثیر ہو
	۱۴	داتا	والا	۱۳۸	۱۷	۳	۳۰
	۲۱	نو اسکی	تو اسکی	۱۴۱	۱۳	۱	۱۸
۱۱۸	۲	راز	از		۱۵	۳	۱۲
	۴	بیں	میں اچھا		۲۰	۱۵	۱۸
۱۱۹	۲۰	دواد انستہ	دوا دانستہ	۱۴۳	۸	گھوڑن	دن

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح	نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح
۱۴۴	۸	۲۲	۰	۱۶۳	۳	اول چھ	اول
	۹	۲۳	۲۲		۷	شہ	بیشہ
۱۴۵	۴	۹۰	۹	۱۶۳	۱۷	اوج	اوج
۱۴۶	۱۳	گذرے	کاٹ دو		۳۰	تو اور	اور
۱۴۹	۱۷	استھان	پنچ استھان	۱۶۴	حاشیہ	حصہ اول	حصہ دوم
۱۵۰	۷	عناب	عنایت	۱۶۵	۹	نینترے	تیسرے
	۱۱	بہہ اول	اول	۱۶۶	۱	ہیں تو	ہیں
۱۵۴	۸	راہو سنیچر ۱۰	راہو سنیچر		۱	ہونا فرزند	فرزند
	۱۹	۲۴	۰	۱۶۶	۳	امنداد	مندرو
	۲۰	۱۰	۰	۲	۴	عبادنگاہیں	عبادتگاہیں
۱۵۶	۲۲	برہسپت ۱۵	برہسپت		۱۳	ساتھ	کے ساتھ
	۱۳	بدھ ۵	بدھ ۵	۱۶۷	۴	نقصایان	نقصان
	۱۳	کیتو ۱۵	کیتو ۴۵ ۱۵		۸	بدھ کیتو سورج ۲۲ ۱۸ ۲۷	بدھ کیتو سورج ۸
	۱۴	۷	۲۷		۹	برہسپت سورج ۴ ۲۹	برہسپت سورج ۲۱ ۲۶
۱۵۷	۹	۲۳	۲۲		۱۰	شکر ۴	شکر
	۱۰	گھڑی	کاٹ دو		۱۹	۲۴	۲۲
	۱۴	۶	۳	۱۶۸	۷ ۱۴ ۱۹	سال ماہ دن رر	سال ماہ دن ۲۷-۱۱-۰ ۲۴-۱۲-۰ ۰-۳-۱
۱۵۸	۴	–	۱				
	۴	۳	۳۷		۸	بدھ	بدھ ۵
	۵	۵۷	کاٹ دو	۱۶۹	۱ ۲	سال ماہ دن رر	سال ماہ دن ۶-۴-۳ ۰-۴-۰
۱۶۰	۸	۴-۳-۳	کاٹ دو				
	۱۲	بیدگی	بندگی		۱	برانتروہیں	پرانترہیں

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح	نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح
۱۶۹	۹	۱۵	۵	۱۷۵	۱۰	ارنھوں	راشیوں
	۱۳	جملہ	حملہ		۱۵	۳۱	۳
	۱۵	از	زر	۱۷۶	۳	حزاب	خراب
۱۷۰	۱۰	چاند	چاند		۱۶	ہیں	ہوں
	۱۱	دن	دکھن		۱۶	راشٹی	راشی
	۱۹	برج نہیں ہے	اپریل ۴۵-۲۰ ۲۰-۲۰۰-۴۵-۲۰ ۳۰-۳۰	۱۷۷	۶	وا-	جنم لگن یا چاند سے
				۱۷۸	۳	تو عروج	تو اپنی انتہا ورشنا میں عروج
۱۷۱	۱۰	۳۹	۳۸				
۱۷۱	۱۴	۱	۶		۴	اسی طرح	ہر طرح کا
	۱۹	۱۱	۱		۴	اشیاو	اشیاء
۱۷۲	۵	۳۸	۳۰		۷	زروحال	زوال
۱۷۲	۸	شکر ۴	شکر ۴		۹	ہمارے بیجاری	بیماری
	۱۳	۴/۱۴	۰/۱		۱۴	روزانہ گی	روزانہ
	۱۸	۱	۰	۱۷۹	۱	ادج	اوج
۱۷۳	۶	سنسرال	سسرال		۳	استخان	استخان کا
	۸	جزت	عزت		۴	اکام	انعام
	۸	بیدگی	بندگی		۱۳	ادج	اوج
	۱۴	قالی	حالی		۱۴	ہوں	ہو
	۲۰	۳	۳		۲۰	تو اندیشہ	اندیشہ
	۲۱	۴	۳۰	۱۸۰	۳	ہیا	رہا
	۲۳	سینچھر	سینچر ۸		۱۴	پہ	پھر
۱۷۵	۹	کیتنا	کنھیا	۱۸۱	۱	۱۷ راہو	راہو کے

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح
۱۸۳	۴	۳۰	۰
	۵	۳۳	۳۲
	۱۳	آت	آفات
	۱۳	برانتر	پرانتر
	۱۷	بلال	ملال
۱۸۴	۱۴	۳۵	۰
	۱۹-۲۰	سینچر بدھ کیبت ۳۱-۹۱-۳۳ ۱۴-۱۶-۲۶	سینچر بدھ کیبت ۰ ۰
	۱۹	شکر چاند منگل راہو ۲۱ ۲۴ ۲۴ ۰	شکر چاند منگل ۰ ۰ ۰
۱۸۵	۸	ن	دل
۱۸۶	۱۵	۳۱	۳۹
	۱۶	رائیو	راہو
۱۸۸	۸	کھانا ملے	کھانا نہ ملے
۱۸۸	۱۸	اخام	انجام
۱۸۹	۱۹	سے	یعنی
۱۹۱	۳-۱۳	اوج	اوچ
۱۹۳	۱۱	اوج	اوچ
۱۹۴	۴	بربیت	بربیت سے
۱۹۵	۱۳	۱۰	۱
۱۹۶	۴	۴	۲
	۴	سینچر	سینچر ۱۳

نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح
۱۹۷	۵	بدھ ۴	بدھ ۵ ۲۴
۱۹۹	۹	۸	۳۸
	۱۰	۴۵	۴۰
۲۰۱	۴	چپ	جپ
۲۰۳	۱۱	سوار	سواری
	۱۱	وغیرہ ہونے	عطا ہوتے
	۱۳	ارو	اور
۲۰۴	۱۰	اوج	اوچ
	۱۱	۹-	۹-۱۰-
۲۰۵	۱۳	لوگ	یوگ
۲۰۶	۴	اوج	اوچ
۲۰۶	۱	اوج	اوچ
۲۰۷	۱۱	وسکی	اُسکی
۲۰۹	۱۱	۲	۲۵
	۱۵ ۱۶	بدھ- چاند ۰ ۰	بدھ ۵ چاند ۴ ۲ ۱۷
	۱۶ ۱۷	سورج ۰	سورج ۱۸ ۲۷
۲۱۰	۲	۲۱	۲۳
	۵	۶	۱۶
	۱۹	شکر	شکر ۲۴
۲۱۱	۶	بدھ- کیبت	بدھ ۵ کیبت بیلم ۲۰ ۳۰

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

مضمون	صفحہ
پرتنتر دشا میں ہر گرہ کی	۱۴۱
م دشا	۱۴۲
ں گرہ کی سوکھشم کا پھل	۱۴۶
ہشتم احکام ہر دشا چلنے	۱۴۶
دشا چاند	۱۴۷
د کی مہادشا ہر گرہ کی انتر دشا	۱۴۸
ہادشا میں ہر گرہ کی انتر دشا	۱۵۳
کی انتر دشا میں ہر گرہ کی پرانتر کا پھل	۱۵۵
"	۱۵۶
پانا میں ہر گرہ کی سوکھشم دشا کا پھل	۱۵۸
"	۱۵۹
میں ہر گرہ کی پران دشا کا پھل	۱۶۰
"	۱۶۱
ہفتم احکام دشا منگل	۱۶۲
مہادشا میں ہر گرہ کی انتر دشا کا پھل	۱۶۳
" انتر دشا میں ہر گرہ کی پرانتر دشا	۱۶۴
" کا پھل	۱۶۹
میں ہر گرہ کی سوکھشم دشا	۱۷۰
کا پھل	۱۷۳
ہر گرہ کی پران دشا	۱۷۴
کا پھل	۱۷۴

نمبر شمار	مضمون	صفحہ
۵۸	راز ہشتم احکام دشا راہو	۱۷۵
۵۹	مہادشا راہو میں ہر گرہ کی انتر دشا	۱۷۶
۶۰	مہادشا راہو میں ہر گرہ کی انتر دشا کا پھل	۱۷۷
۶۱	راہو کی انتر دشا میں ہر گرہ کی پرتنتر دشا	۱۷۷
۶۲	کا پھل	۱۸۰
۶۳	راہو کی مہا گرہ کی سوکھشم دشا	۱۸۳
۶۷	" " کا پھل	۱۸۴
۶۸	" پران دشا	۱۸۷
۶۹	" کا پھل	۱۸۸
۷۰	راز نہم احکام مہادشا برہسپت	۱۸۸
۷۱	مہادشا برہسپت	۱۸۹
۷۲	" میں ہر گرہ کی انتر دشا	۱۸۹
۷۳	مہادشا برہسپت میں گرہ کی انتر دشا کا پھل	۱۹۰
۷۴	برہسپت " پرتنتر دشا	۱۹۰
۷۵	" " کا پھل	۱۹۴
۷۶	" سوکھشم دشا	۱۹۷
۷۷	" " کا پھل	۱۹۸
۷۸	" پران دشا	۲۰۰
۷۹	" کا پھل	۲۰۱
۸۰	راز دہم احکام ہر ایک دشا سنیچر	۲۰۲
۸۱	مہادشا سنیچر	۲۰۳
۸۲	سنیچر مہادشا ہر گرہ کی انتر دشا	۲۰۳
۸۳		۲۰۴

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز قسم نہم

نمبر شمار	راز قسم نمبر شمار	مضمون	صفحہ
۱۸۳	۸۴	بیچ میں ہر گرہ کی پرانتر دشا	۲۰۹
	۸۵	" " کا پھل	۲۱۱
	۸۶	" " سوکھشم دشا	۲۱۳
	۸۷	" " کا پھل	۲۱۵
	۸۸	" " پران دشا	۲۱۶
	۸۹	" " کا پھل	۲۱۶
۴	۹۰	راز یازدہم احکام ہر ایک دشا بدہ	۲۱۸
	۹۱	دہادشا بدہ	۲۱۸
	۹۲	بدہ بیں ہر گرہ کی انتر دشا	۲۱۹
	۹۳	" " کا پھل	۲۱۹
	۹۴	" " پرانتر دشا	۲۲۴
۵	۹۵	" " کا پھل	۲۲۷
	۹۶	" " سوکھشم	۲۲۸
	۹۷	" " کا پھل	۲۳۰
	۹۸	" " پران دشا	۲۳۱
	۹۹	" " کا ثمرہ	۲۳۱
	۱۰۰	راز دہم احکام ہر دشا کیت	۲۳۳
	۱۰۱	دہادشا کیت	۲۳۳
	۱۰۲	" بیں ہر گرہ کی پرانتر دشا	۲۳۴
	۱۰۳	" کا پھل	۲۳۶
	۱۰۴	" پرانتر دشا	۲۳۹
	۱۰۵	" کا پھل	۲۴۱
	۱۰۶	" سوکھشم دشا	۲۴۲

نمبر شمار	مضمون
۱۰۸	دہادشا کیت بیں ... پھل
۱۰۹	" " ... پر
۱۱۰	" " ...
۱۱۱	راز سیزدہم احکام ہر
۱۱۲	دہادشا شکر
۱۱۳	بیں ہر گرہ کی انتر
۱۱۴	" " کا
۱۱۵	" " پرانتر
۱۱۶	" " کا پھل
۱۱۷	" " سوکھشم دشا
۱۱۸	" " کا پھل
۱۱۹	" " پران
۱۲۰	" " کا پھل
۱۲۱	راز چہاردہم احکام جوگنی ۲۵
۱۲۲	قاعدہ دریافت جوگنی دشا ۵۰ چاند ۴ ۳
۱۲۳	قاعدہ دریافت انتر دشا جوگنی ۱۷ ۴۰
۱۲۴	راز پانزدہم احکام مفرد سورج ۱۸ ۴۷
۱۲۵	بقول اہل بابل
۱۲۶	بقول یونان فارس طریق ۴۳
۱۲۷	تعریف ساعت ۱۶
۱۲۸	ثمرہ ہر ایک ساعت شکر ۴
۱۲۹	نقشہ ساعات رات
۱۳۰	راز شانزدہم احکام بدہ سنیت ۳
۱۳۱	صحت نامہ بدہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز قسمت

۱۹

پران دشا مفصلاً معہ شرح و قاعدہ سارتی
دشا و فوائد یونانیاں و سود پیش
گویا

حصہ دوم

۴۸۸

حال مضامین راز قسمت حصہ دوم معروف چشمہ جنم دشا

مضمون	صفحہ	نمبر شمار	مضمون	صفحہ
دیباچہ	۳	۱۹	تشریح واقسام سنبندہ	۱۰۸
راز اول	۶	۲۰	راز چہارم اقسام دشا	۱۱۰
منازل بنشوتری دشا	۶	۲۱	نقشہ منسوبات ہر گرہ	۱۱۱
ومدارج دشا	۷	۲۲	قاعدہ دریافت دشا	۱۱۳
اقسام سنبندہ	۸	۲۳	" مہا دشا	۱۱۶
...ت برگ بل	۹	۲۴	" انتر دشا	۱۱۹
...پرانشر دشی	۱۰	۲۵	قاعدہ دریافت انتر دشا	۱۲۱
	۱۳	۲۶	اصول پرانتر دشا	۱۲۳
...ت یوگ	۱۵	۲۷	قاعدہ دریافت پرانتر دشا	۱۲۳
...ل انسار	۱۶	۲۸	اصول سوکھشم دشا	
...نیاے تجارت	۲۴	۲۹	قاعدہ دریافت سوکھشم دشا	
...ی - روزگار	۲۵	۳۰	اصول پران دشا	
...ارتگان وثمرہ	۲۶	۳۱	راز پنجم - احکام ہر ایک دشا	
...وم شغل ستارگان	۲۸	۳۲	مہا دشا سورج	
...ت شغل ستارگان	۳۰	۳۳	انتر دشا سورج	
...مع ثمر ستارگان	۳۲	۳۴	مہادشا سورج میں ہر گرہ انتر دشا کا پھل	
		۳۵	سورج کی انتر دشا	
...ہر پنجم ...شتہ	۳۶		ہر گرہ کی پرنتر دشا	
	۱۰۲	۳۶	سورج کی انتر دشا	

۵۴
۵۵
۵۶
۵۷

چشمہ جنم دشا

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار	١	نمبر شمار	سطر	حرف غلط	حرف صحیح	نمبر شمار	سطر	حرف
١٨٣	۴ ۵	٣١١	١٠	١٠	٢١	٢۴٦	١۵	اوج
	٨٦		١٩	جزام	فاو		٢١	کیت
	٨٧		٢٠	خوف	خوف عظیم	٢۵٠	١٧	شکریا
	٨٨	٣١۴	١۴	۵	۵٧	٢۵٣	١۵	یاہو ۔ بینچو ١٠ ٢٠
	٨٩		١۵	منگل	منگل ٦	٢۵۴	٣	یاہو ٣
۴	٩٠	٣١٦	٢٠	نکر	فکر		١١	۴٠
	٩١	٣١٩	١۴	سوبرج	سعبرج	٢٦٠	٧	گاو
	٩٢	٣٢١	١٣	جلشم	جسشم	٢٦٣	۴	یاری
	٩٣	٣٢۴	١١	۵٩	بدہ ۵		١١	پھل
	٩۴	٣٢۵	۵	٢٩	۴٩	٢٦٣	١٨	[illegible]
۵	٩۵	٢ ״	١١	٣	۴	٢٦۴	٢١	پھل
٦	٩٦	״	١٦	برہ ہبت ٨	برہ ہسبت ١٨	٢٦۵	١٠-١۵	ان ج
	٩٧	٢ ״	٣	٠	٦	٢٦٦	۴-٧	کاہلی
	٩٨	״	۴	چاند ۵١-٢٩ ١۴	چاند ۵۵-٢٦		١٦-١٧	
	٩٩	״	۵	١۵-٣	١٩-٣۵		٩	٣
	١٠٠	راز دہم احکام	٦	بدہ ١۵	بدہ ۴۵	٢٦٧	٢-٧	١
	١٠١	دو بادشاہ کتب	١۵	٢-٣	٢۵-٣	٢٦٨	١٠	ج
	١٠٣	بیں ہو ״	٣٦	١١	١۴	٢٦٩	١٩	۴
	١٠۴	״	۵	شکر ۵٢	شکر ۵۴			
	١٠۵	״	۵	یا چاند	نا جائیز	٢٧٢	١٨	شکر ۴
		״	١٠	تبیز	امیز			
	١٠٦	״	سو ٦	٠	۴	٣	بدہ ۵	سبیت

غلط نامہ ہم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

پران و شاسترو ، عشر و شا معہ سارتی وغیرہ دیش جیو
دشا و فروانات یونانیاں و سودرشن پر سے درج ہ
گویا وقت تولد سے وقت موت کے گھڑی پل تک کل
حالات مکمل اس سے حاصل ہو سکتے ہیں۔ علاوہ ازیں ہر انسان
کے ایک ایک جنم گذشتہ کا حال بموجب کرم بپاک شاستر
درج کیا گیا ہے۔ تاہم قیمت صرف علاوہ محصول ڈاک
کے .... عہ/ روپیہ

(۳)

راز قسمت حصہ سوم

معروف

... اسائی خزانہ عورات

...ل انسان دنگ رہ جاتی ہے۔ اسمیں افسانی ...
...یائے تجارتی ... تلاش ... عصمت اعلیٰ اور ضخامت کثیر کے قیمت
.... عہ

...ک بذمہ خریدار۔

...ت حصہ دوم معروف جنم دشا

...بیں بنشوتری دشا معہ انتر پرنتر سوکشم

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز غیب (۲)

معروف

چشمہ پرشن حصہ اول

اس کتاب میں ضعف و قوت ستارگان و ۱۲ یوگ پستک
نیل کنٹھ اور کئی قواعد دریافت ضمیر سائل و ہر پرشن
جواب بحوالہ قول رکھیشران ہند و منجمان یونان و مصر و مستند
ب کا انتخاب معہ ذاتی تجربات کے درج کیا گیا ہے۔ گویا
ت قسمت انسانی سے فی البدیہہ راز غیب بتلا سکتا ہے جس
عقل انسان دنگ رہ جاتی ہے۔ اس میں کمی بیشی نرخ
سیاسے تجارتی۔ تلاش دفینہ۔ ترقی۔ اقبال۔ تنزل۔ بیماری
مجبوری۔ روزگار۔ وغیرہ حوادثات زمانہ کے ۱۳۰ سوالات متعلق
تمام کاروبار دنیا معہ مفصل جوابات درج کئے گئے ہیں۔
باوجود ضخامت کثیر اور مضامین عظیم الشان کے قیمت
صرف .... عہ روپیہ

ل ضخیم کتاب، اک بذمہ خریدار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

سوچ کی بابت غلطی علیحدہ ایک کتاب کی ضرورت ہے۔ ۳۷
سو کتب ... س کے چند اوصاف مختصراً ذیل میں درج
سوچ ... ہیں۔ اس میں قریباً ساڑھے تین ہزار ثمرہ یعنے ۳۸
راز شتر ایک گرہ مفرد و مجمل معہ یوگ ہا کے درج ہیں۔ جن ۳۹
بہات سکھ۔ دکھ۔ ترقی۔ اقبال۔ زوال۔ آمدنی۔ نقصان ۴۰
چاند اوران۔ ملک۔ املاک۔ جائیداد۔ مکان۔ باغ۔ آرام ۴۱
چاند کی ... تعداد اولاد معہ وقت تولد و موت۔ اولاد ۴۲
چاند ... شادی۔ غمی۔ دشمن۔ عورات۔ فتح۔ شکست۔ مقدمات ۴۳
... روزگار۔ وقت موت۔ بقاعدہ منجمان ہند دپاراشر ۴۴ ۴۵
جیمنی رکھ، عروج۔ مراتب۔ حکومت۔ آمدنی عطائیات ۴۶
چاند ... نقصان۔ سزا وغیرہ درج ہیں۔ آج تک ۴۷
... کوئی کتاب شائع نہیں ہوئی۔ جنم پتری کے پھلادیش ۴۸
راز ثانی نسخہ ہے ... ۴۹
... ۵۰
... دردناک حالات ہوں گے۔ ثمرہ یعنے پھلادیش ۵۱
پنچتر۔ یوگ ہائے بیوگی۔ آوارگی۔ چال چلن۔ اولاد
موت۔ بیماری۔ حمل۔ وغیرہ درج ہیں۔ اس کے ...
ترجمہ اصل کوک شاستر بھی بعد ...
درج کیا گیا ہے۔

قیمت صرف ....

محصول ڈاک بذمہ خریدار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

راز غیب (۲)

معروف

چشمہ پرشن حصہ اول

اس کتاب میں ضعف وقوت ستارگان و ۲۶ یوگ پستک
نیل کنٹھ اور کئی قواعد دریافت ضمیر سائل و ہر پرشن
جواب بحوالہ قول رکھیشران ہند و منجمان یونان و مصر و مستند
ب کا انتخاب معہ ذاتی تجربات کے درج کیا گیا ہے۔ گویا
ات قسمت انسانی سے البدیہہ راز غیب بتلا سکتا ہے۔ جس
قل انسان دنگ رہ جاتی ہے۔ اس میں کمی بیشی نرخ
سیائے تجارتی۔ تلاش دفینہ۔ ترقی۔ اقبال۔ تنزل۔ بیماری
جوری۔ روزگار۔ وغیرہ حوادثات زمانہ کے ۱۳۰ سوالات متعلق
تمام کاروبار دنیا معہ مفصل جوابات درج کئے گئے ہیں۔
باوجود ضخامت کثیر اور مضامین عظیم الشان کے قیمت
صرف .... عمہ روپیہ

ضخیم کتاب ال بذمہ خریدار

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

نمبر شمار

سورج کی بابت غالباً علیحدہ ایک کتاب کی ضرورت ہے۔ ٣٧
سوکھشم ... اس کے چند اوصاف مختصراً ذیل میں درج
سورج ہوتا ہیں۔ اس میں قریباً ساڑھے تین ہزار ثمرہ یعنے ٣٨
راز شاستر ایک گرہ مفرد و مجمل معہ یوگ ہا کے درج ہیں۔ جن ٣٩
ہیہات سکھ۔ دکھ۔ ترقی۔ اقبال۔ زوال۔ آمدنی۔ نقصان ٤٠
چاند اوران۔ ملک۔ املاک۔ جائیداد۔ مکان۔ باغ۔ آرام ٤١
چاند کی ٤٢
تعداد اولاد معہ وقت تولد و موت۔ اولاد
چاند ٤٣
شادی۔ غمی۔ دشمن۔ عورات۔ فتح۔ شکست۔ مقدمات ٤٤
۔ روزگار۔ وقت موت۔ بقاعدہ منجمان ہند دپاراشر ٤٥
جیمنی رکھ) عروج۔ مراتب۔ حکومت۔ آمدنی عطائیات ٤٦
چاند پرچ۔ نقصان۔ سزا وغیرہ درج ہیں۔ آج تک ٤٧
ایسی کوئی کتاب شائع نہیں ہوئی۔ جنم شیوہ کے پھلادیش ٤٨
راز شاستر ثانی نسخہ ہے۔ ۱ اشرفی ٤٩
منگل کے ... ٥٠
... دردناک حالات ہوں گے۔ ثمرہ یعنے پھلادیش ٥١
نچھتر۔ یوگ ہائے ہوگی۔ آوارگی۔ چال چلن۔ اولاد
موت۔ بیماری۔ حمل۔ وغیرہ درج ہیں۔ اس کے ...
ترجمہ اصل کوک شاستر بھی بعد ...
درج کیا گیا ہے۔

قیمت صرف ....

ی ز

محصولڈاک بذمہ خریدار

٨٤
٨٥
٨٦
٨٧

راز غیب (۴۷)

معروف

چشمہ پرشن حصہ اول

اس کتاب میں ضعف و قوت ستارگان و ۱۲ یوگ پستک
نیل کنٹھ اور کئی قواعد دریافت ضمیر سائل و ہر پرشن
جواب بحوالہ قول رکھیشران ہند و منجمان یونان و مصر و مستند
ب کا انتخاب معہ ذاتی تجربات کے درج کیا گیا ہے۔ گویا
ت قسمت انسانی سے البدیہ راز غیب بتلا سکتا ہے جس
قل انسان دنگ رہ جاتی ہے۔ اس میں کمی بیشی نرخ
شیائے تجارتی۔ تلاش دفینہ۔ ترقی۔ اقبال۔ تنزل۔ بیماری
چوری۔ روزگار۔ وغیرہ حوادثات زمانہ کے ۱۴۰ سوالات متعلق
تمام کاروبار دنیا معہ مفصل جوابات درج کئے گئے ہیں۔
باوجود ضخامت کثیر اور مضامین عظیم الشان کے قیمت
صرف .... عمہ روپیہ

محصول ڈاک بذمہ خریدار۔

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

(۵) راز غیب

معروف

چشمہ پرشن حصہ دوم

اس میں دنیا کے تمام کاروبار کے متعلق ہر ممکن سوال بقاعدہ علم الجبد اہل یونان لمیٹڈ پستک گرگ منوروے و علم کیر درج ہیں۔ اس میں کئی طریقوں سے ہر ایک سوال مفصل درج کیا گیا ہے۔ قیمت .... محصولڈاک بذمہ خریدار۔

(۶) کلید نجوم

معروف

چشمہ لگن ساری

ایسی سارنی آج تک کسی ملک کسی زبان کی

کی راز غلط علیحدہ
ہیں جیسے چ
وشمہ
ہیں۔ اس میں
راز ہر ایک گرہ
ہیات سکھ۔ دکھ
چاند اوران۔ ایک
چاند کی۔ تعداد اولاد
چاند پھل
چاند
شادی۔ غمی
۔ روزگار۔
جیبنی ریکھا
چاند پچ۔ نقصا
ایرکو کی کتا
راز شانی
منگل
درد
نچھتر۔ یوگ
موت۔ بیماری
ترجمہ اصل
درج کیا گیا
قیمت
محصولڈاک بذمہ

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

علےٰ درجہ کی لیاقت

سے پیشتر آج تک ملک

زبان اُردو کسی عالم نے ایسی

ں اور مشرح و مفصل جماعت وار

علم حاصل کرنے کی کتب شایع نہیں

ہدیہ ناظرین کی جاتی ہیں۔

تفصیل کتب نجوم

یعنی

جوتش

(۱)

قیمت حصہ اول معروف چشمہ جنم پتری

کتاب کے اوصاف و مضامین نایاب کے درج

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सक्षम और अनुभवी ठेकेदारों से 'ज़ोन-ए' (अनुमानतः 150 कि.मी.—नाभा, अमलोह, पातड़ां और छोटी एक्सचेंज) और 'ज़ोन-बी' (अनुमानतः 125 कि.मी. अर्बन एस्टेट पटियाला, राजपुरा, सनौर, बनूड़ और छोटी एक्सचेंज) में खाइयां खोदने और यू./जी. केबल बिछाने के लिए अलग-अलग मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं। कार्य की लागत और जमा कराई जाने वाली धरोहर राशि नीचे दी गई है:

	लागत	धरोहर राशि
ज़ोन-'ए'	25 लाख रुपए	50,000/- रुपए
ज़ोन-'बी'	21 लाख रुपए	40,000/- रुपए

निविदाओं के साथ डिपाज़िट रसीद अथवा डीमांड ड्राफ्ट द्वारा धरोहर राशि अवश्य आनी चाहिए, जो ए.ओ. (टी.ए.) कार्यालय, टी.डी.एम. पटियाला के पक्ष में हो और पटियाला में देय हो। धरोहर राशि ए.ओ. (टी.ए.) कार्यालय, टी.डी.एम., पटियाला के पास नकद जमा कराई जा सकती है।

निविदा दस्तावेज, जिनमें सामान्य शर्तें और नियम दिए गए हैं, ए.ई. (प्लैनिंग) कार्यालय, टी.डी.एम., पटियाला से 9.30 बजे से 17.00 बजे तक, सभी कार्यदिवसों को 3.6.93 से 8.6.93 तक 100/- रुपए ए.ओ. (टी.ए.) कार्यालय, टी.डी.एम., पटियाला के पास नकद जमा कराने पर अथवा डीमांड ड्राफ्ट/ आई.पी.ओ. द्वारा जमा करा कर प्राप्त किए जा सकते हैं, जो ए.ओ. (टी.ए.) कार्यालय, टी.डी.एम., पटियाला के पक्ष में हो और पटियाला में देय हो। दस्तावेज केवल उन ठेकेदारों को ही दिए जाएंगे, जो दस्तावेज़ों को अधिकार में लेने के समय पर अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे।

मोहरबंद निविदाएं, जो अलग-अलग ज़ोन-ए और ज़ोन-बी में यू./जी. केबल बिछाने और खाइयां खोदने के लिए निविदा के रूप में शीर्षांकित हों, श्री गौतम लाल डी.ई. (प्लैनिंग), कार्यालय टी.डी.एम., पटियाला के पते पर होनी चाहिएं, जो उनके पास 9.6.93 को 15.00 बजे पहुंच जानी चाहिएं। निविदाएं उसी दिन 15.30 बजे उन निविदकों के सामने खोली जाएंगी, जो अपने खर्च पर उपस्थित होना चाहेंगे।

दूरसंचार जिला प्रबंधक,
पटियाला-147001

D/92-93/29.5.93

है, डैंटिस्टरी में जूनियर/सीनियर हाउस सर्जनों की नियुक्ति के लिए प्रार्थना पत्र आमंत्रित हैं। हाउस सर्जनों/ फिज़िशियनों के चयन के लिए मार्गदर्शन/नियम, जो मैडिकल कालेज अस्पताल, रोहतक के हैं, वही डैंटल कालेज रोहतक के लिए भी लागू होंगे।

सम्भावित उम्मीदवारों को निर्धारित प्रोफ़ार्मा पर आवेदन करना चाहिए, जो अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से काउंटर पर अथवा 9"x4" आकार का अपना पता लिखा लिफाफा भेज कर प्राप्त किया जा सकता है, जिस पर 1/- रुपए की टिकटें लगी हों। सभी पक्षों में पूर्ण प्रार्थना पत्र अधोहस्ताक्षरी के पास **18.6.1993** तक अप. 1.30 बजे तक अवश्य पहुंच जाने चाहिएं, जिसके बाद कोई प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी आवेदकों को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इंटरव्यू के लिए अपने खर्च पर 25.6.93 को सुबह 10 बजे उपस्थित होना चाहिए।

इंटरव्यू के लिए कोई अलग पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

डीन,
डैंटल कालेज, रोहतक

PRDH/457/10386-88/25.5.93-JD

खास कृषि संबंधी मौसमी बीज चुन सकें. जब आप हैं तो केवल बीजों की पाते हैं बेजोड़ क्वालिटी. क्योंकि आप तक पहुंचने से प्रयोगशाला तथा कड़े

आ नु वं शि

के पक्ष में प्रतिश्रुत हो, निविदा शुल्क के रूप में संलग्न करना होगा, जो वास्तविक निविदा की प्राप्ति पर लौटा दिया जाएगा।

davp/440/47/93/ADIV/28.5.93

अनुपस्थिति की सूचना

1. एम.ई.एस.-313696, श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी, चीफ इंजीनियर एयर फोर्स (डब्ल्यू.ए.सी.), जालन्धर कैंट, जिसका पता नीचे दिया गया है, को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वह किसी सूचना/अनुमति के बिना 11 मार्च, 93 से ड्यूटी से अनुपस्थित है।

एम.ई.एस.-313696, श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी,
मकान नं. ई.क्यू.-92,
मुहल्ला पक्का बाग, जालन्धर शहर

2. उसे अधोलिखित पत्रों के माध्यम से ड्यूटी पर आने की सलाह दी गई थी किन्तु उस द्वारा अभी तक कोई उत्तर, सूचना, प्रार्थना-पत्र नहीं भेजा गया है।

(क) तार दिनांक 11 मार्च, 93.
(ख) रजि. ए.डी. पत्र नं. 19008/अश्विनी/182/ई.आई.ओ., दिनांक 11 मार्च, 93.
(ग) रजिस्टर्ड पत्र नं. 19008/अश्विनी/183, ई.आई.ओ., दिनांक 23 मार्च, 93.
(घ) रजिस्टर्ड पत्र नं. 19008/अश्विनी/185/ई.आई.ओ., दिनांक 16 अप्रैल, 93.

3. इस सूचना के माध्यम से श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी को तुरन्त ड्यूटी पर आने का अवसर दिया जाता है, अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह ड्यूटी पर आने का इच्छुक नहीं और चूकों के लिए सैंट्रल सिविल (कंडक्ट) रूल्स-1964 के अधीन अनुशासनात्मक मामला दर्ज किया जाएगा।

davp/682/22/93 ADIV/27.5.93

दूरसंचार विभाग

सत्रों के अनुसार पर्यावरण सचिव ... चेतावनी दी है कि अगर आयोग इस अवधि में स्पष्टीकरण नहीं देता तो उसके खिलाफ काननी कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने नोटिस में कहा है कि आयोग द्वारा सुरक्षा के लिए ऐहतियाती कदम नहीं उठाए जाने एवं रोकथाम के उपाय नहीं किए जाने के कारण तेल रिसाव की घटना हुई है।

आंधी से 5 मरे

ग्वालियर, 2 जून (वार्ता): मध्य प्रदेश के चम्बल संभाग के भिंड जिले के अंदरूनी भागों में कल दोपहर आई तेज आंधी से 5 लोग मारे गए तथा कुछ अन्य घायल हो गए।

ठाकरे से अपने अखबार में घटिया सामग्री का प्रकाशन रोकने की अपील

बम्बई, 2 जून (प.स.): बम्बई के डेढ़ सौ से अधिक हिन्दी पत्रकारों, साहित्यकारों और कर्मियों ने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे से उनके सांध्य दैनिक 'दोपहर का सामना' में छप रही घटिया साहित्य सामग्री पर तत्काल रोक लगाने की अपील की है।

बयान में कहा गया कि 'काला साहित्य' नामक स्तम्भ में इस अखबार ने महानगर के साहित्यकारों, पत्रकारों और हिन्दी समाज सेवियों के खिलाफ विकृत साहित्य प्रकाशित किया, जिससे जनता में रोष है।

बयान पर अभिनेता राज बब्बर, लेखक दया पवार, कार्टूनिस्ट आबिद सूरती, शायर निदा फाज़ली और हिन्दी पत्रकार संघ के महासचिव हरीश पाठक के अलावा डेढ़ सौ हस्ताक्षर हैं।

डैंटल कालेज, रोहतक

पुजारी ने दो बेटियों मुंह काला किया

धनबाद, 2 जून (प.स.): पुलिस ने एक पुजा[री] रामशीश सिंह को अपनी दो जवान बेटियों से मुं[ह] काला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। लोगो[ं] ने उसका मुंह काला करके उसके गले में जूतों औ[र] चप्पलों का हार डालकर जलूस निकाला। जह[ां] कहीं जलूस रुका, लोगों ने उस पर थूका तथा मारपीट की।

अभियुक्त के गले में एक पट्टा भी डाला गया था जिस पर उसके कुकृत्य की बात लिखी थी।

बाद में उसे न्यायिक मैजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जिन्होंने उसे न्यायिक रिमांड देकर जेल भेज दिया।

अहमदाबाद में हथगोला फैंकने से 2 घायल

अहमदाबाद, 2 जून (प.स.): अहमदाबाद शहर के चारदीवारी वाले क्षेत्र मिर्जापुर में आज प्रातः तेजी से जा रही एक आटो रिक्शा में सवार लोगों द्वारा फ़ेंके हथगोला फैंके जाने से 2 व्यक्ति घायल हो गए।

परिवार द्वारा आत्महत्या

बीजापुर, 2 जून (प.स.): बीजापुर के बदामि तालुक के नरनूडा टंडा में एक ही परिवार के चा[र] सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली, इनमें दो बच्चे थे। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

के पक्ष में प्रतिश्रुत हो, निविदा शुल्क के रूप में संलग्न करना होगा, जो वास्तविक निविदा की प्राप्ति पर लौटा दिया जाएगा।

davp/440/47/93/ADIV/28.5.93

अनुपस्थिति की सूचना

1. एम.ई.एस.-313696, श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी, चीफ इंजीनियर एयर फोर्स (डब्ल्यू.ए.सी.), जालन्धर कैंट, जिसका पता नीचे दिया गया है, को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वह किसी सूचना/अनुमति के बिना 11 मार्च, 93 से ड्यूटी से अनुपस्थित है।

एम.ई.एस.-313696, श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी,
मकान नं. ई.क्यू.-92,
मुहल्ला पक्का बाग, जालन्धर शहर

2. उसे अधोलिखित पत्रों के माध्यम से ड्यूटी पर आने की सलाह दी गई थी किन्तु उस द्वारा अभी तक कोई उत्तर, सूचना, प्रार्थना-पत्र नहीं भेजा गया है।

(क) तार दिनांक 11 मार्च, 93.
(ख) रजि. ए.डी. पत्र नं. 19008/अश्विनी/182/ई.आई.ओ., दिनांक 11 मार्च, 93.
(ग) रजिस्टर्ड पत्र नं. 19008/अश्विनी/183, ई.आई.ओ., दिनांक 23 मार्च, 93.
(घ) रजिस्टर्ड पत्र नं. 19008/अश्विनी/185/ई.आई.ओ., दिनांक 16 अप्रैल, 93.

3. इस सूचना के माध्यम से श्री अश्विनी कुमार चपड़ासी को तुरन्त ड्यूटी पर आने का अवसर दिया जाता है, अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह ड्यूटी पर आने का इच्छुक नहीं और चूकों के लिए सैंट्रल सिविल (कंडक्ट) रूल्स-1964 के अधीन अनुशासनात्मक मामला दर्ज किया जाएगा।

davp/682/22/93 ADIV/27.5.93

सूत्रों के अनुसार पर्यावरण सचिव ... चेतावनी दी है कि अगर आयोग इस अवधि में स्पष्टीकरण नहीं देता तो उसके खिलाफ काननी कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने नोटिस में कहा है कि आयोग द्वारा सुरक्षा के लिए ऐहतियाती कदम नहीं उठाए जाने एवं रोकथाम के उपाय नहीं किए जाने के कारण तेल रिसाव की घटना हुई है।

आंधी से 5 मरे

ग्वालियर, 2 जून (वार्ता): मध्य प्रदेश के चम्बल संभाग के भिंड जिले के अंदरूनी भागों में कल दोपहर आई तेज आंधी से 5 लोग मारे गए तथा कुछ अन्य घायल हो गए।

ठाकरे से अपने अखबार में घटिया सामग्री का प्रकाशन रोकने की अपील

बम्बई, 2 जून (प.स.): बम्बई के डेढ़ सौ से अधिक हिन्दी पत्रकारों, साहित्यकारों और कर्मियों ने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे से उनके सांध्य दैनिक 'दोपहर का सामना' में छप रही घटिया साहित्य सामग्री पर तत्काल रोक लगाने की अपील की है।

बयान में कहा गया कि 'काला साहित्य' नामक स्तम्भ में इस अखबार ने महानगर के साहित्यकारों, पत्रकारों और हिन्दी समाज सेवियों के खिलाफ विकृत साहित्य प्रकाशित किया, जिससे जनता में रोष है। बयान पर अभिनेता राज बब्बर, लेखक दया पवार, कार्टूनिस्ट आबिद सुरती, शायर निदा फाज़ली और हिन्दी पत्रकार संघ के महासचिव हरीश पाठक के अलावा डेढ़ सौ हस्ताक्षर हैं।

पुजारी ने दो बेटियों मुंह काला किया

धनबाद, 2 जून (प.स.): पुलिस ने एक पुजा[री] रामशीश सिंह को अपनी दो जवान बेटियों से मुं[ह] काला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। लोगों ने उसका मुंह काला करके उसके गले में जूतों और चप्पलों का हार डालकर जलूस निकाला। जहां कहीं जलूस रुका, लोगों ने उस पर थूका तथा मारपीट की।

अभियुक्त के गले में एक पट्टा भी डाला गया था जिस पर उसके कुकृत्य की बात लिखी थी।

बाद में उसे न्यायिक मैजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जिन्होंने उसे न्यायिक रिमांड देकर जेल भेज दिया।

अहमदाबाद में हथगोला फैंकने से 2 घायल

अहमदाबाद, 2 जून (प.स.): अहमदाबाद शहर के चारदीवारी वाले क्षेत्र मिर्जापुर में आज प्रातः तेजी से जा रही एक आटो रिक्शा में सवार लोगों द्वारा एक हथगोला फैंके जाने से 2 व्यक्ति घायल हो गए।

परिवार द्वारा आत्महत्या

बीजापुर, 2 जून (प.स.): बीजापुर के बदामी तालुक के नरनूडा टंडा में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली, इनमें दो बच्चे थे। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

डैंटल कालेज, रोहतक

सूचना

दूरसंचार विभाग

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

70 ... शत

सं २०२७ भाद्रपद कृष्ण ४ गुरु

३३।० उत्तराभाद्रपद १२।२७ शूल

योग ।१।१७ बालव ६।३८ दिन

३२।३० सिंह ८ भात प्रविष्टे ५

इष्ट ३५।३० तत्समय कुंभ

लग्न

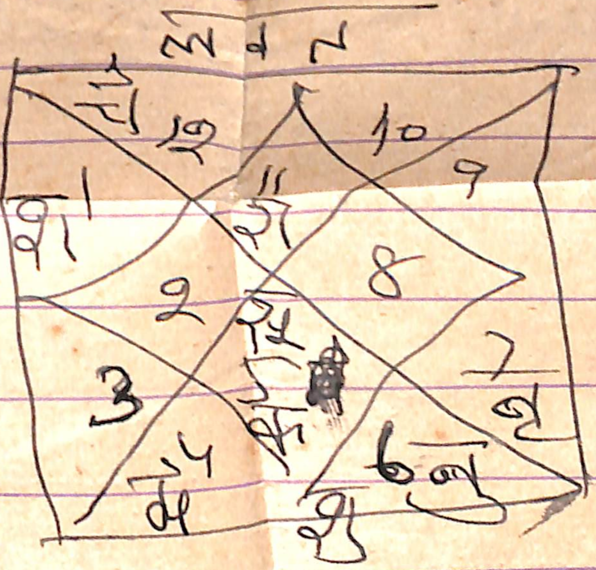

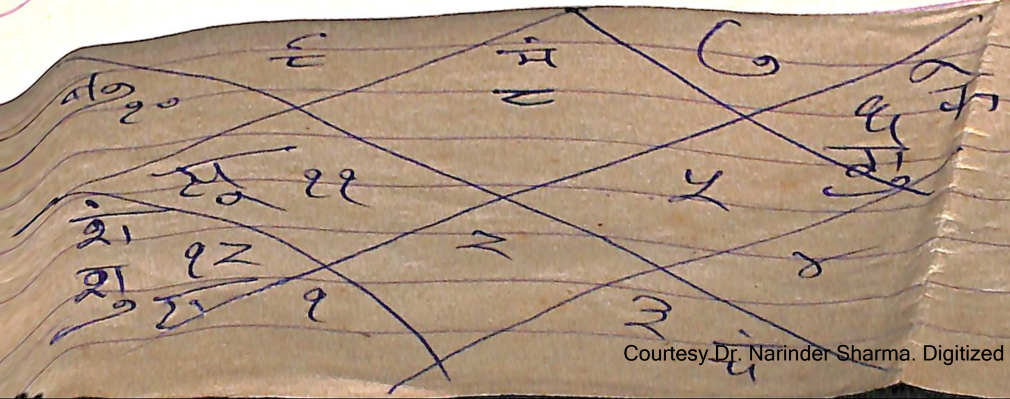

८५०
५५६
२-१२

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri